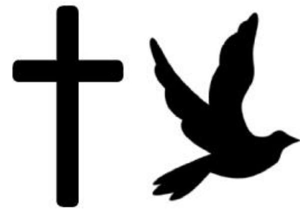


सुसमाचार अउर प्रेरितन के काम

सामग्री के तालिका के बारे में बतावल गइल बा

मत्ती के सुसमाचार के बारे में बतावल गइल बा 1

मरकुस के सुसमाचार के बारे में बतावल गइल बा 27

लूका के सुसमाचार के बारे में बतावल गइल बा 43

यूहन्ना के सुसमाचार के बारे में बतावल गइल बा 71

प्रेरित लोग के काम 92

मैथ्यू के ह

अध्याय 1 के बा

1 अब्राहम के बेटा दाऊद के बेटा यीशु मसीह के पीढ़ी के किताब।
2 अब्राहम के जनम इसहाक से भइल। इसहाक के जनम याकूब से भइल। याकूब से यहूदा आ उनकर भाई लोग के जनम भइल।
3 यहूदा से थामार के फारेस आ ज़ारा के जनम भइल। फारेस से एस्रोम के जनम भइल। एस्रोम से अराम के जनम भइल।
4 अराम के जनम अमीनादब से भइल। आ अमीनादाब से नासोन के जनम भइल। आ नासोन से सामन के जनम भइल।
5 सलमोन के जनम रकाब के बूज से भइल। आ बूज के जनम रूथ के ओबेद से भइल। ओबेद के जनम यिशै से भइल।
6 येसी राजा दाऊद के जनमल। राजा दाऊद के जनम उरिया के मेहरारू सुलेमान से भइल।
7 सुलेमान के जनम रोबोआम से भइल। रोबोआम से अबिया के जनम भइल। आ अबिया के जनम आसा के जनम भइल।
8 आसा के जनम योसाफात से भइल। योशाफात के जनम योराम से भइल। योराम के जनम ओजियास से भइल।
9 ओजियास के जनम योआथम से भइल। आ योआथम के अकाज के जनम भइल। आहाज के जनम इजकियाह से भइल।
10 इजकियास के जनम मनशस से भइल। मनसेस से अमोन के जनम भइल। आमोन के जनम योसिया के भइल।
11 योशियास के जनम यकोनिया आ उनकर भाई लोग के जनमल, जब उ लोग के बाबुल ले जाइल गइल।
12 ओ लोग के बाबुल ले आवला के बाद यकोनियास के जनम सलाथिएल भइल। आ सलाथियल के जनम जरोबाबेल से भइल।
13 जरोबाबेल के जनम अबीउद से भइल। अबीउद के जनम एलियाकीम से भइल। एलियाकीम के जनम अजोर से भइल।
14 अजोर से सादोक के जनम भइल। आ सादोक से अकीम के जनम भइल। अकीम के जनम एलिउद से भइल।
15 एलीउद के जनम एलियाजर से भइल। एलियाजर के जनम मथन से भइल। मत्तन के जनम याकूब से भइल।
16 याकूब के जनम मरियम के पति यूसुफ से भइल, जेकरा से यीशु के जनम भइल, जेकरा के मसीह कहल जाला।
17 अब्राहम से लेके दाऊद तक के सब पीढ़ी चौदह पीढ़ी के बा। दाऊद से लेके बेबिलोन में ले जाइल तक चौदह पीढ़ी के बा। आ बेबिलोन में ले जाए से लेके मसीह तक चौदह पीढ़ी के बा।
18 यीशु मसीह के जनम एही तरह से भइल कि जब उनकर महतारी मरियम के बियाह यूसुफ से भइल रहे, त उ पवित्र आत्मा से गर्भवती हो गइली।
19 तब उनकर पति यूसुफ धर्मी आदमी रहलन आ ओकरा के सार्वजनिक रूप से उदाहरण बनावे के इच्छुक ना रहलन आ ओकरा के गुप्त रूप से दूर करे के मन कइलस।
20 जब उ इ बात के बारे में सोचत रहले त देख, प्रभु के दूत सपना में उनुका से प्रकट भईले अवुरी कहले, "हे दाऊद के बेटा यूसुफ, अपना पत्नी मरियम के अपना संगे ले जाए से मत डेराई, काहेंकी उनुका में गर्भवती भईल बा पवित्र आत्मा के बारे में बतावल गइल बा।
21 ऊ एगो बेटा पैदा करी आ तू ओकर नाम यीशु राखब, काहे कि ऊ अपना लोग के पाप से बचाई।
22 अब ई सब एह से भइल कि ऊ पूरा होखे जवन प्रभु के बारे में भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल रहे।
23 देखऽ, कुंवारी गर्भवती होके एगो बेटा पैदा करी आ ओकर नाम इमैनुएल रखी, जवना के मतलब हमनी के साथे परमेश्वर बा।
24 तब यूसुफ नींद से उठ के प्रभु के दूत के कहला के मुताबिक काम कईले अवुरी अपना पत्नी के अपना संगे ले गईले।
25 जब तक उ आपन पहिला बेटा के जन्म ना देले तब तक उ ओकरा के ना जानत रहले अवुरी उनुकर नाम यीशु रखले।

अध्याय 2 के बा

1 जब राजा हेरोदेस के समय में यहूदिया के बेतलेहेम में यीशु के जनम भइल त देखऽ कि पूरब से यरूशलेम में ज्ञानी लोग आइल।
2 ऊ कहलन, "यहूदियन के राजा पैदा भइल कहाँ बा? काहे कि हमनी के ओकर तारा पूरब में देखले बानी जा आ ओकर पूजा करे आइल बानी जा।
3 जब राजा हेरोदेस इ बात सुनले त उ पूरा यरूशलेम के संगे परेशान हो गईले।
4 जब ऊ लोग के सब मुख्य याजक आ शास्त्री लोग के एकट्ठा क के पूछले कि मसीह के जनम कहां होखे के चाहीं।
5 उ लोग ओकरा से कहलस, "यहूदिया के बेतलेहेम में, काहेकि भविष्यवक्ता के लिखल इहे लिखल बा।
6 तू यहूदा के देश में बेतलेहेम, यहूदा के सरदारन में सबसे छोट नइखऽ, काहे कि तोहरे से एगो राज्यपाल निकली जवन हमरा लोग इस्राएल के शासन करी।
7 हेरोदेस जब गुप्त रूप से ज्ञानी लोग के बोलवले, त उ लोग से पूरा ध्यान से पूछले कि तारा कवना समय आईल बा।
8 ऊ ओह लोग के बेतलेहेम भेज के कहलन, "जा के ओह छोट लइका के खोज के पूरा कोशिश करीं। जब तू लोग ओकरा के पा लेबऽ त हमरा के फेर से बता दीं कि हमहूँ आके ओकर पूजा कर सकीले।
9 राजा के बात सुन के उ लोग चल गईले। आ देखऽ, ऊ तारा जवन ऊ लोग पूरब में देखले रहे, ऊ ओह लोग के आगे बढ़ल जबले ऊ आके जहाँ छोट लइका रहे, ओहिजा ना खड़ा हो गइल।
10 जब उ लोग तारा के देख के बहुत खुश हो गईले।
11 जब उ लोग घर में पहुंचले त उ बच्चा के अपना महतारी मरियम के संगे देख के गिर गईले अवुरी उनुकर पूजा कईले। सोना, लोबान आ गंधक।
12 परमेस् वर सपना में चेतवले कि उ लोग हेरोदेस के पास ना लवटत रहन, त उ लोग दोसरा रास्ता से अपना देश में चल गईले।
13 जब उ लोग चल गईल त देख, प्रभु के दूत सपना में यूसुफ के सामने देखाई देले अवुरी कहले कि, उठ के छोट बच्चा अवुरी ओकरा महतारी के लेके मिस्र भाग जा, अवुरी जब तक हम आपके बात ना ले आई, तब तक तू उहाँ रहब हेरोदेस छोट लइका के नाश करे खातिर खोजिहें।
14 जब ऊ उठलन त रात में लइका आ ओकर महतारी के लेके मिस्र चल गइलन।
15 हेरोदेस के मौत तक उहाँ रहलन ताकि उ पूरा होखे जवन प्रभु के बारे में भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गईल रहे कि हम अपना बेटा के मिस्र से बोलवले बानी।
16 हेरोदेस जब देखलन कि उनकरा पर ज्ञानी लोग के मजाक उड़ावल गइल बा त ऊ बहुते गुस्सा में आ गइलन आ बेतलेहेम आ ओकरा पूरा इलाका में दू साल से कम उमिर के सब लइकन के मार दिहलन जवन समय ऊ ज्ञानी लोग से लगन से पूछले रहले।

17 तब ऊ बात पूरा हो गइल जवन यिरेमी भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल रहे।
18 राम में एगो आवाज सुनाई पड़ल, विलाप, रोअल आ बहुत शोक भइल, राहेल अपना लइकन खातिर रोवत रहली आ दिलासा ना दिहल चाहत रहली काहे कि ऊ लोग नइखे।
19 जब हेरोदेस मर गइलन त देख, प्रभु के एगो दूत मिस्र में यूसुफ के सामने सपना में लउकलन।
20 ऊ कहत रहलन, "उठ के लइका आ ओकर महतारी के लेके इस्राएल के देश में चल जा, काहे कि ऊ लोग मर गइल बा जे छोट बच्चा के जान लेबे के कोशिश करत रहे।"
21 ऊ उठ के छोटका आ ओकर माई के लेके इस्राएल के देश में आ गइलन।
22 जब उ सुनले कि आर्केलाउस यहूदिया में अपना पिता हेरोदेस के कोठरी में राज करत बाड़े, त उ ओहिजा जाए से डेरा गईले, लेकिन सपना में भगवान से चेतावला के बाद उ गलील के इलाका में मुड़ गईले।
23 उ नासरत नाम के एगो शहर में आके रह गईले, ताकि भविष्यवक्ता लोग के कहल बात पूरा होखे कि उ नासरत कहल जाई।

अध्याय 3 के बा

1 ओह दिन में यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला यहूदिया के जंगल में प्रचार करत अइले।
2 ऊ कहलन कि पश्चाताप करऽ, काहेकि स्वर्ग के राज्य नजदीक आ गइल बा।
3 इहे उ ह जवना के बारे में यशायाह भविष्यवक्ता कहले रहले कि, "जंगल में चिल्लात के आवाज, "प्रभु के रास्ता तैयार करीं, ओकर रास्ता सीधा करीं।"
4 उहे यूहन्ना के कपड़ा ऊंट के बाल से बनल रहे आ कमर में चमड़ा के कमरबंद रहे। उनकर मांस टिड्डी आ जंगली शहद रहे।
5 तब यरूशलेम, पूरा यहूदिया आ यरदन के आसपास के पूरा इलाका ओकरा लगे निकलल।
6 उ लोग आपन पाप कबूल करत यरदन में उनकरा से बपतिस्मा लेले।
7 जब उ बहुत फरीसियन आ सदुकी लोग के बपतिस्मा लेवे खातिर आवत देखले त उ लोग से कहलस, "हे साँप के पीढ़ी, तोहनी के आवे वाला क्रोध से भागे के चेतवले बा?
8 एह से पश्चाताप के लायक फल पैदा करीं।
9 आ अपना मन में ई मत कहे के कि हमनी के बाप इब्राहीम बाड़े, काहेकि हम तोहनी से कहत बानी कि परमेश्वर एह पत्थरन से अब्राहम के संतान पैदा करे में सक्षम बाड़े।
10 अब कुल्हाड़ी भी पेड़ के जड़ तक रखल गईल बा, एही से जवन पेड़ बढ़िया फल ना देवेला, ओकरा के काट के आग में फेंक दिहल जाला।
11 हम तोहनी के पश्चाताप खातिर पानी से बपतिस्मा देत बानी, लेकिन जे हमरा बाद आवेला उ हमरा से भी ताकतवर बा, जेकर जूता हम सहन करे लायक नईखी, उ तोहनी के पवित्र आत्मा आ आग से बपतिस्मा दिही।
12 जेकर पंखा ओकरा हाथ में बा आ ऊ अपना फर्श के पूरा तरह से साफ क के आपन गेहूं के बटोर में बटोर दी। बाकिर ऊ भूसा के अमिट आग से जरा दीहें.

13 तब यीशु गलील से यरदन नदी में यूहन्ना के लगे अइले, कि उ यूहन्ना से बपतिस्मा लेवे।
14 लेकिन यूहन्ना ओकरा के मना क दिहलन कि, "हमरा तोहरा से बपतिस्मा लेवे के जरूरत बा, आ का तू हमरा लगे आवत बाड़?"
15 यीशु ओकरा से कहलन, " अब अइसन होखे दीं, काहेकि हमनी के सब धार्मिकता के पूरा करे के चाहीं। तब उनुका के कष्ट उठावे के पड़ल।
16 जब यीशु बपतिस्मा लिहले त तुरंत पानी से निकल गईले, त देख, उनुका खातिर आसमान खुल गईल, त उ देखले कि परमेश्वर के आत्मा कबूतर निहन उतरत उनुका प रोशनी होखता।
17 स्वर्ग से आवाज सुनाई देलस, "ई हमार प्रिय बेटा ह, जेकरा से हम बहुत खुश बानी।"

अध्याय 4 के बा

1 तब यीशु के आत्मा के द्वारा जंगल में ले जाइल गइल ताकि उ शैतान के परीक्षा में पड़ सके।
2 चालीस दिन चालीस रात उपवास कइला पर ऊ भूख से मर गइलन।
3 जब प्रलोभन देवे वाला ओकरा लगे अइले त कहलस, "अगर तू परमेश्वर के बेटा हई त आज्ञा दीं कि एह पत्थरन के रोटी बनावल जाव।"
4 लेकिन उ जवाब देले, "लिखावल गईल बा कि, आदमी सिर्फ रोटी से ना जिएला, बालुक परमेश्वर के मुंह से निकले वाला हर बात से जिंदा रही।"
5 तब शैतान ओकरा के पवित्र नगर में लेके मंदिर के एगो चोटी पर बइठा देला।
6 ऊ ओकरा से कहलस, "जदि तू परमेश्वर के बेटा हउअ त अपना के नीचे गिरा द, काहेकि लिखल बा कि, उ अपना स्वर्गदूतन के तोहरा बारे में आज्ञा दे दिहे।" एगो पत्थर के खिलाफ।
7 यीशु ओकरा से कहलन, " फिर से लिखल बा कि तू अपना प्रभु परमेश्वर के परख मत करऽ।"
8 फिर से शैतान ओकरा के एगो बहुत ऊँच पहाड़ पर ले जाला आ ओकरा के दुनिया के सब राज्य आ ओकर महिमा देखावेला।
9 ऊ ओकरा से कहलस, "हम तोहरा के ई सब चीज देब, अगर तू गिर के हमार पूजा करबऽ।"
10 तब यीशु ओकरा से कहलन, " हे शैतान, तू इहाँ से हट जा, काहेकि लिखल बा कि तू अपना प्रभु परमेश्वर के आराधना करऽ आ खाली ओकरे सेवा करऽ।"
11 तब शैतान ओकरा के छोड़ के चल गईल, त देख, स्वर्गदूत आके ओकर सेवा कईले।
12 जब यीशु सुन के यूहन्ना के जेल में डाल दिहल गइल बा, त ऊ गलील चल गइलन।
13 नासरत छोड़ के ऊ कफरनहूम में रह गइलन जवन समुंद्र के किनारे बा, जवन कि जबलुन आ नेफ्तालीम के सीमा में बा।
14 एह से उ पूरा होखे जवन यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल रहे।
15 जबुलन के देश आ नेफ्तालीम के देश, यरदन के ओह पार, गैर-यहूदी लोग के गलील के समुंदर के रास्ता।

16 अन्हार में बईठल लोग बहुत रोशनी देखले। आ जे लोग मौत
के इलाका आ छाया में बइठल रहे, ओकरा खातिर रोशनी उग
आइल बा।
17 तब से यीशु प्रचार करे लगलन आ कहे लगलन कि पश्चाताप
करीं, काहेकि स्वर्ग के राज्य नजदीक आ गइल बा।
18 यीशु गलील के समुंदर के किनारे चलत देखलन कि दू गो
भाई, पतरस नाम के शमौन आ उनकर भाई अंद्रियास समुंदर में
जाल फेंकत रहले, काहे कि उ लोग मछुआरा रहले।
19 ऊ ओह लोग से कहलस, " हमरा पीछे चलऽ आ हम तोहनी
के आदमी के मछुआरा बना देब।"
20 उ लोग तुरते आपन जाल छोड़ के उनकरा पीछे चल गईले।
21 उहाँ से आगे बढ़त देखलन कि जबदी के बेटा याकूब आ
उनकर भाई यूहन्ना एगो जहाज पर सवार होके उनकर बाप
जबदी के साथे आपन जाल ठीक करत रहले। आ ऊ ओह लोग
के बोलवले.
22 उ लोग तुरते जहाज आ अपना पिता के छोड़ के उनकरा
पीछे चल गईले।
23 यीशु पूरा गलील में घूम के ओह लोग के आराधनालय में
पढ़ावत रहले आ राज्य के सुसमाचार के प्रचार करत रहले आ
लोग के बीच हर तरह के बेमारी आ हर तरह के बेमारी के ठीक
करत रहले।
24 पूरा सीरिया में उनकर प्रसिद्धि बढ़ल आ ऊ लोग उनकरा
लगे सब बेमार लोग के ले अइले जे कई तरह के बेमारी आ
यातना से पीड़ित रहले, आ दुष्टात्मा से ग्रस्त लोग, पागल आ
पक्षाघात से पीड़ित लोग के भी ले अइले। आ ऊ ओह लोग के
ठीक कर दिहलन.
25 गलील, दकापोलिस, यरूशलेम, यहूदिया आ यरदन के ओह
पार से भीड़ उनकरा पीछे-पीछे चलल।

अध्याय 5 के बा

1 भीड़ के देख के ऊ एगो पहाड़ पर चढ़ गइलन आ जब ऊ
बइठल रहले त उनकर चेला उनकरा लगे अइले।
2 ऊ आपन मुँह खोल के ओह लोग के सिखावत कहलन कि
3 आत् मा के गरीब लोग धन्य हवें, काहेकि स्वर्ग के राज्य उनकर
ह।
4 धन्य हउवें जे शोक मनावेला, काहेकि उ लोग के दिलासा मिल
जाई।
5 धन्य हवें नम्र लोग, काहेकि उ लोग धरती के उत्तराधिकारी
होई।
6 धन्य हउवें जे धार्मिकता के भूख आ प्यास से तरसत बाड़े,
काहेकि उ लोग तृप्त हो जइहें।
7 धन्य हवें दयालु लोग, काहेकि उ लोग के दया होई।
8 धन्य हवें जे शुद्ध दिल के लोग, काहेकि उ लोग परमेश्वर के
देखिहें।
9 धन्य हवें शांति बनावे वाला लोग, काहेकि उ लोग के परमेश्वर
के संतान कहल जाई।
10 धन्य बा उ लोग जे धार्मिकता के खातिर सतावल जाला,
काहेकि स्वर्ग के राज्य उनकर ह।
11 धन्य होखब जब लोग तोहनी के गारी देत होई, तोहनी के
सतावेला आ हमरा खातिर तोहनी के खिलाफ तरह तरह के बुराई
कही।
12 आनन्दित रहीं आ बहुते खुश रहीं काहे कि स्वर्ग में तोहार
इनाम बहुते बा, काहे कि ऊ लोग तोहरा से पहिले के
भविष्यवक्ता लोग के अतना सतावत रहलन।
13 तू लोग धरती के नमक हउअ, लेकिन अगर नमक के सुगंध
खतम हो गईल बा त ओकरा के कवना से नमकीन बनावल जाई?
एकरा बाद से कवनो फायदा नइखे, सिवाय बाहर फेंकल आ
आदमी के गोड़ से दबा के।
14 तू लोग संसार के इजोत हउअ। पहाड़ी पर बसल शहर के
छिपावल ना जा सके.
15 ना ही केहू दीया जरा के कवच के नीचे रखेला, बलुक दीया के
डंडा पर रखेला। आ घर में मौजूद सब लोग के रोशनी देला।
16 तोहार इजोत आदमी के सामने अईसन चमके ताकि उ लोग
तोहार भलाई के काम देख के स्वर्ग में रहल पिता के महिमा कर
सके।
17 ई मत सोचऽ कि हम व्यवस्था भा भविष्यवक्ता लोग के नाश
करे आइल बानी।
18 काहेकि हम तोहनी से सच कहत हई कि जब तक आकाश
आ धरती ना खतम हो जाई, तब तक व्यवस्था से एक छोट या
एक ठो छोट ना निकली, जब तक कि सब कुछ पूरा ना हो जाई।
19 एह से जे केहू एह छोट-छोट आज्ञा में से कवनो एक आज्ञा के
तोड़ के आदमी के अईसन सिखावे, ओकरा के स्वर्ग के राज्य में
सबसे छोट कहल जाई, लेकिन जे भी एकरा के पूरा करी अवुरी
सिखाई, ओकरा के स्वर्ग के राज्य में महान कहल जाई।
20 काहेकि हम तोहनी से कहत हई कि जब तक तोहनी के
धार्मिकता शास्त्री आ फरीसियन के धार्मिकता से ज्यादा ना होई,
तब तक तू लोग स्वर्ग के राज्य में कबो ना प्रवेश करब।
21 तू लोग सुनले बाड़ु कि पहिले के लोग कहत रहे कि, "तू हत्या
मत करऽ।" आ जे केहू हत्या करी, ओकरा के न्याय के खतरा में
डाल दिहल जाई।
22 लेकिन हम तोहनी से कहत बानी कि जे केहू अपना भाई से
बिना कवनो कारण से नाराज होई, ओकरा न्याय के खतरा में पड़
जाई, अवुरी जे अपना भाई से राका कहे, ओकरा परिषद के
खतरा में पड़ जाई, लेकिन जे कहे कि, 'हे मूर्ख।' , नरक के आग
के खतरा में पड़ जाई।
23 एह से अगर तू आपन वरदान वेदी पर ले आवऽ आ उहाँ याद
करऽ कि तोहरा भाई के तोहरा खिलाफ कवनो दोष बा।
24 उहाँ आपन वरदान वेदी के सामने छोड़ के चल जा। पहिले
अपना भाई से मेल मिलाप करऽ आ फेर आके आपन वरदान
चढ़ावऽ।
25 जबले तू ओकरा साथे रास्ता में रहब, ओकरा से जल्दी से
सहमत हो जा। कहीं कबो विरोधी तोहरा के न्यायाधीश के हाथ में
ना देवे, आ न्यायाधीश तोहरा के अफसर के हाथ में ना देवे अवुरी
तू जेल में ना डाल दिहल जाए।
26 हम तोहरा से सच कहत बानी कि जब तक तू पूरा रकम ना
चुकाईब, तब तक तू ओहिजा से कबो ना निकलब।
27 तू सुनले बाड़ऽ कि पहिले के लोग कहत रहे कि, "तू व्यभिचार
मत करऽ।"
28 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि जे भी कवनो औरत के
लालसा करे खातिर देखत बा, उ ओकरा संगे पहिलही से अपना
मन में व्यभिचार कईले बा।
29 अगर तोहार दाहिना आँख तोहरा के दोष देत बा त ओकरा
के उखाड़ के फेंक द, काहेकि तोहरा खातिर फायदा बा कि

तोहार एगो अंग के नाश हो जाव, ना कि तोहार पूरा शरीर के नरक में फेंक दिहल जाव।
30 अगर तोहार दाहिना हाथ तोहरा के ठेस पहुँचावेला त ओकरा के काट के फेंक द, काहेकि तोहरा खातिर फायदा बा कि तोहार एगो अंग के नाश हो जाव, ना कि तोहार पूरा शरीर के नरक में फेंक दिहल जाव।
31 कहल गइल बा कि जे केहू अपना मेहरारू के छोड़ दी त ओकरा के तलाक के पत्र दे देव।
32 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि जे भी अपना मेहरारू के व्यभिचार के छोड़ के छोड़ देला, उ ओकरा के व्यभिचार करावेला।
33 तू लोग फेरु सुनले बाड़ऽ कि पहिले के लोग कहत रहे कि, "तू अपना के गलत कसम मत खाइबऽ, बलुक प्रभु के आपन किरिया पूरा करऽ।"
34 लेकिन हम तोहनी से कहत बानी कि कवनो कसम मत खाईं। ना त स्वर्ग के ओर से। काहेकि ई परमेश्वर के सिंहासन ह।
35 ना ही धरती के द्वारा; काहे कि ई उनकर गोड़ के अथाह ह, ना यरूशलेम के ओर। काहे कि ई महान राजा के नगर ह।
36 ना त अपना माथा के कसम खाईं, काहे कि तू एक बाल के उज्जर भा करिया ना बना सकेनी।
37 लेकिन तोहार संवाद होखऽ कि हँ, हँ। ना, ना, काहे कि एह से अधिका जवन कुछ भी बुराई से मिलेला।
38 तू सुनले बाड़ऽ कि कहल गइल बा कि आँख के बदले आँख आ दाँत के बदले दाँत।
39 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि तू बुराई के विरोध मत करऽ, लेकिन जे तोहरा दाहिना गाल पर मार दी त ओकरा ओर दुसरका गाल भी मुड़ऽ।
40 अगर केहू तोहरा पर कानून के मुकदमा चला के तोहार कोट छीन लेवे के चाहत बा त ओकरा लगे तोहार कपड़ा भी होखे।
41 जे भी तोहरा के एक मील जाए खातिर मजबूर करी, ओकरा साथे दु मील चल जा।
42 जे तोहरा से माँगेला ओकरा के दे दीं आ जे तोहरा से उधार लेबे के चाहत बा ओकरा से मत मुड़ऽ.
43 तू सुनले बाड़ कि कहल गइल बा कि, "तू अपना पड़ोसी से प्यार करऽ आ अपना दुश्मन से नफरत करऽ।"
44 लेकिन हम तोहनी से कहत बानी कि, तोहनी के दुश्मन से प्यार करीं, जे तोहनी के गारी देत बा, ओकरा के आशीष दीं, जे तोहनी से नफरत करेला, ओकरा खातिर भलाई करीं आ जे तोहनी के घृणा करेला आ तोहनी के सतावेला ओकरा खातिर प्रार्थना करीं।
45 ताकि तू लोग स्वर्ग में रहल पिता के संतान बन जाइब, काहेकि उ आपन सूरज बुराई आ भलाई पर उगावेला आ धर्मी आ अधर्मी लोग पर बरखा कर देला।
46 अगर तू लोग से प्रेम करे वाला से प्रेम करेनी त तोहनी के कवन इनाम मिली? का करदाता लोग भी एके जइसन ना करेला?
47 अगर तू लोग खाली अपना भाई लोग के नमस्कार करीं त दोसरा से जादा का करीं? का करदाता लोग भी अयीसन नईखन करत?
48 एही से तू लोग सिद्ध हो जा, जइसे तोहनी के स्वर्ग में बाप सिद्ध हउअ।

अध्याय 6 के बा

1 एह बात के ध्यान राखीं कि तू लोग के सामने आपन भिक्षा मत करीं, ना त तोहनी के स्वर्ग में रहल पिता के कवनो इनाम ना मिली।
2 एह से जब तू आपन भिक्षा देब त अपना सामने तुरही मत बजाईं जइसे कि पाखंडी लोग आराधनालय आ गली में करेला ताकि उ लोग के आदमी के महिमा हो सके। हम तोहनी से सच कहत हई कि उ लोग के इनाम बा।
3 जब तू भिक्षा देबऽ त तोहार बायां हाथ के ई ना पता चले कि तोहार दाहिना हाथ का करेला।
4 ताकि तोहार भिक्षा गुप्त रूप से होखे, आ तोहार पिता जे गुप्त रूप से देखत बा, तोहरा के खुल के इनाम दिहे।
5 जब तू प्रार्थना करब त पाखंडी लोग निहन ना होखब, काहेकि उ लोग सभाघर अवुरी सड़क के कोना में खड़ा होके प्रार्थना कईल बहुत पसंद करेले, ताकि उ लोग के देखाई देवे। हम तोहनी से सच कहत हई कि उ लोग के इनाम बा।
6 लेकिन तू जब प्रार्थना करब त अपना कोठरी में घुस जा आ जब आपन दरवाजा बंद कर लेब त अपना पिता से प्रार्थना करीं जे गुप्त रूप से बाड़े। आ तोहार पिता जे गुप्त रूप से देखत बा, तोहरा के खुल के इनाम दिहे।
7 लेकिन जब रउवां प्रार्थना करत बानी त गैर-यहूदी लोग निहन बेकार के दोहराव मत करीं, काहेकि उ लोग सोचत बा कि उ लोग के बहुत बात के चलते सुनल जाई।
8 एह से तोहनी ओह लोग जइसन मत बनीं, काहेकि तोहनी के पिता तोहरा से माँगे से पहिले जानत बाड़न कि तोहनी के कवन चीज के जरूरत बा।
9 एही से तू लोग एही तरह से प्रार्थना करीं कि हमनी के पिता जे स्वर्ग में बानी, तोहार नाम पवित्र होखे।
10 तोहार राज्य आ जा। तोहार इच्छा धरती पर भी होखे, जइसे स्वर्ग में होला।
11 आज हमनी के रोज के रोटी दे दऽ।
12 आ हमनी के आपन कर्जा माफ करऽ, जइसे हमनी के अपना ऋणी के माफ कर देनी जा।
13 हमनी के परीक्षा में मत डालीं, बलुक बुराई से बचाईं, काहेकि राज्य, शक्ति आ महिमा हमेशा खातिर तोहार ह। आमीन के बा।
14 अगर तू लोग आदमी के अपराध माफ करब त तोहनी के स्वर्गीय पिता भी तोहनी के माफ कर दीहें।
15 लेकिन अगर तू लोग आदमी के अपराध ना माफ करब त तोहार पिता तोहनी के अपराध के माफ ना करीहे।
16 जब तू लोग उपवास करत बाड़ त पाखंडी लोग निहन उदास चेहरा मत बनाईं, काहेकि उ लोग अपना चेहरा के बिगाड़ देले ताकि उ लोग उपवास करत देखाई देवे। हम तोहनी से सच कहत हई कि उ लोग के इनाम बा।
17 लेकिन तू जब उपवास करीं त अपना माथा पर अभिषेक करीं आ मुँह धोईं।
18 एह से कि तू लोग के उपवास करे खातिर ना, बलुक अपना पिता के सामने जे गुप्त रूप से देखाई देत बा, आ तोहार पिता जे गुप्त रूप से देखत बा, तोहरा के खुल के इनाम देस।
19 धरती पर अपना खातिर खजाना मत जमा करीं, जहाँ पतई आ जंग खराब कर देला आ जहाँ चोर तोड़ के चोरी करेला।
20 बाकि स्वर्ग में अपना खातिर खजाना जमा कर लीं, जहाँ ना पतई ना जंग खराब होखे आ ना चोर ना चोरे।

21 काहे कि जहाँ तोहार खजाना होई, उहाँ तोहार मन भी होई।
22 शरीर के रोशनी आँख ह, अगर तोहार आँख एकल बा त तोहार पूरा शरीर रोशनी से भरल होई।
23 लेकिन अगर तोहार आँख खराब बा त तोहार पूरा शरीर अन्हार से भरल हो जाई। अगर तोहरा में जवन उजाला बा उ अन्हार बा त उ अन्हार केतना बड़ बा!
24 केहू दू गो मालिक के सेवा ना कर सकेला काहे कि ऊ एक से नफरत करी आ दोसरा से प्यार करी. ना त एक के पकड़ के दोसरा के तिरस्कार करी। रउआ भगवान आ धन के सेवा ना कर सकेनी।
25 एही से हम तोहनी से कहत हई कि तू लोग का खइबऽ आ का पीबऽ, एह बात के बारे में मत सोचीं। ना त अबहीं ले अपना देह खातिर जवन पहिरे के बा। का जीवन मांस से जादा ना अवुरी शरीर कपड़ा से जादे नईखे?
26 हवा के चिरई के देखऽ, काहे कि ऊ ना बोवेला, ना काटेला आ ना कोठी में बटोरेला। तबो तोहार स्वर्गीय पिता ओह लोग के पोषण करेलन। का तूँ ओह लोग से बहुते बढ़िया नइखीं?
27 तोहनी में से के सोच के अपना कद में एक हाथ जोड़ सकेला?
28 आ तू लोग कपड़ा के बारे में काहे सोचत बाड़ु? खेत के कुमुद पर विचार करीं कि ऊ कइसे बढ़ेला; ऊ लोग मेहनत ना करेला आ ना घुमावेला।
29 तबहूँ हम तोहनी से कहत बानी कि सुलेमान भी अपना पूरा महिमा में एहमें से कवनो एक जइसन सज-धज के ना रहे।
30 एह से अगर भगवान खेत के घास के अईसन कपड़ा पहिनले बाड़े, जवन आज बा अवुरी काल्ह अंडा में फेंकल जाता, त का उ तोहनी के अवुरी जादे कपड़ा ना पईहे, हे कम विश्वास करेवाला लोग?
31 एह से ई कहत कि हमनी के का खाएब जा? भा, हमनी का का पीब जा? या हमनी के कवना कपड़ा पहिनब जा?
32 (काहेकि गैर-यहूदी लोग एह सब चीजन के खोजत बा।) काहेकि तोहनी के स्वर्गीय पिता जानत हउवें कि तोहनी के एह सब चीजन के जरूरत बा।
33 लेकिन पहिले परमेश्वर के राज्य आ उनकर धार्मिकता के खोज करीं। आ ई सब चीज तोहनी के जोड़ल जाई।
34 एह से काल्ह के बारे में मत सोचीं, काहे कि काल्ह अपना बात के बारे में सोची। दिन खातिर काफी बा ओकर बुराई।

अध्याय 7 के बा

1 न्याय मत करीं कि तोहनी के न्याय ना होखे।
2 जवना नाप से तू लोग न्याय करब, ओकरा के तोहनी के न्याय कईल जाई।
3 तू अपना भाई के आँख में जवन कड़ाही बा ओकरा के काहे देखत बाड़, लेकिन अपना आँख में जवन बीम बा ओकरा के काहे नईखी सोचत?
4 भा तू अपना भाई से कइसे कहबऽ कि हम तोहरा आँख से कड़ाही निकाल लेनी। आ देखऽ, तोहरा आँख में एगो बीम बा?
5 हे पाखंडी, पहिले अपना आँख से बीम निकाल के निकाल द। आ तब तू साफ-साफ देखब कि अपना भाई के आँख से कड़ाही निकालल जा सकेला।
6 कुकुरन के पवित्र चीज मत दीं आ ना ही आपन मोती सुअर के सोझा फेंक दीं, कहीं ऊ लोग ओह लोग के गोड़ के नीचे से रौंद के फेर से मुड़ के तोहनी के फाड़ ना दे।
7 माँगऽ, त तोहरा के दिहल जाई। खोजीं, त तू लोग मिल जाई। खटखटावऽ त तोहनी खातिर खोलल जाई।
8 काहे कि जे भी माँगेला, ओकरा के मिल जाला। आ जे खोजत बा, उ मिल जाला। जे खटखटावेला ओकरा खातिर खोलल जाई।
9 तोहनी में से कवन आदमी बा जे अगर ओकर बेटा रोटी मांगे त ओकरा के पत्थर देई?
10 या मछरी मांगे त का ओकरा के साँप दिही?
11 अगर तू लोग दुष्ट होके अपना लइकन के नीमन वरदान देवे के जानत बाड़ऽ त तोहनी के पिता जे स्वर्ग में बाड़न, ओकरा से माँगे वाला के कतना बढ़िया वरदान ना दीहें?
12 एह से जवन कुछ भी तू लोग चाहत बाड़ऽ कि आदमी तोहनी के करे, तोहनी भी ओह लोग के साथे भी करऽ, काहेकि व्यवस्था आ भविष्यवक्ता लोग इहे ह।
13 तू लोग संकीर्ण फाटक से प्रवेश करऽ, काहेकि विनाश के ओर जाए वाला फाटक चौड़ा आ रास्ता चौड़ा बा आ ओहिजा जाए वाला बहुत लोग बा।
14 काहे कि जीवन के ओर जाए वाला फाटक संकरी बा आ रास्ता संकरी बा आ ओकरा के पावे वाला लोग कम बा।
15 झूठा भविष्यवक्ता लोग से सावधान रहब, जे भेड़ के कपड़ा पहिन के तोहनी के लगे आवेले, लेकिन भीतर से उ लोग भेड़िया हड़कावे वाला भेड़िया हवे।
16 तू लोग ओह लोग के फल से जानब। का आदमी काँट के अंगूर बटोरेला कि काँट के अंजीर?
17 ओइसहीं हर बढ़िया पेड़ बढ़िया फल देला। बाकिर जड़ल पेड़ बुरा फल देला।
18 बढ़िया पेड़ बुरा फल ना दे सकेला आ ना खराब पेड़ बढ़िया फल दे सकेला।
19 जवन पेड़ बढ़िया फल ना देला, ओकरा के काट के आग में फेंक दिहल जाला।
20 एही से तू लोग ओह लोग के फल से जानब।
21 जे हमरा से 'प्रभु, प्रभु' कहत बा, उ सब स्वर्ग के राज्य में ना जाई। लेकिन जे हमरा स्वर्ग में बाप के इच्छा के पालन करेला।
22 ओह दिन बहुत लोग हमरा से कहत होई कि प्रभु, प्रभु, का हमनी के तोहरा नाम से भविष्यवाणी नईखी कईले? आ तोहरा नाम से दुष्टात्मा के भगा देले बानी? आ तोहरा नाम से बहुत अद्भुत काम कइले बाड़ऽ?
23 तब हम ओह लोग से कबूल करब कि हम तोहनी के कबो ना जानत रहनी।
24 एह से जे भी हमार ई बात सुन के पालन करी, हम ओकरा के एगो बुद्धिमान आदमी से तुलना करब जवन चट्टान पर आपन घर बनवले बा।
25 बरखा हो गइल आ बाढ़ आ गइल आ हवा बहल आ ओह घर के मार दिहलस। उ गिरल ना, काहेकि एकर नींव एगो चट्टान प बनल रहे।
26 जे भी हमार ई बात सुन के ना पालन करी, ओकर तुलना एगो मूर्ख आदमी से कइल जाई जवन बालू पर आपन घर बनवले बा।
27 बरखा हो गइल आ बाढ़ आ गइल आ हवा बहल आ ओह घर के मार दिहलस। आ गिर गइल आ ओकर गिरल बहुते बड़हन हो गइल.
28 जब यीशु ई बात खतम कइलन त लोग उनकर शिक्षा पर अचरज में पड़ गइलन।
29 काहेकि उ ओह लोग के अधिकार वाला के रूप में सिखावत रहले, ना कि शास्त्री लोग निहन।

अध्याय 8 के बा

1 जब उ पहाड़ से उतरले त बहुत भीड़ उनुका पीछे-पीछे चल गईले।
2 एगो कोढ़ी आदमी आके ओकर आराधना कइलस, "प्रभु, अगर तू चाहब त हमरा के साफ कर सकेनी।"
3 यीशु आपन हाथ बढ़ा के ओकरा के छू के कहले, " हम चाहब। तू साफ-सुथरा हो जा। आ तुरते उनकर कोढ़ साफ हो गइल।
4 यीशु ओकरा से कहलन, " देखऽ, तू केहू के मत बताईं। लेकिन जाके याजक के सामने आपन बात देखाईं आ उ वरदान के अर्पित कर, जवन मूसा के आज्ञा देले रहले, ताकि उ लोग के गवाही हो सके।
5 जब यीशु कफरनहूम में प्रवेश कइलन त एगो सेनापति उनकरा से निहोरा कइलन।
6 ऊ कहलन, "प्रभु, हमार सेवक लकवा से बेमार घर में पड़ल बा आ बहुते तड़पत बा।"
7 यीशु ओकरा से कहलन, " हम आके ओकरा के ठीक करब।"
8 सेनापति जवाब देले, "हे प्रभु, हम एह लायक नईखी कि तू हमरा छत के नीचे आ जास, लेकिन खाली वचन बोलऽ, त हमार सेवक ठीक हो जाई।"
9 काहेकि हम एगो अधिकार के अधीन आदमी हईं आ हमरा अधीन सिपाही हईं आ हम एह आदमी से कहत बानी कि जा, ऊ चल जाई। आ दोसरा के कहलस कि, आ जा, उ आ जाई। आ हमरा सेवक के, "ई करऽ, त ऊ पूरा कर लेला."
10 जब यीशु ई बात सुन के अचरज में पड़ गइलन आ ओकरा बाद के लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि हमरा अतना बड़हन विश्वास नइखे मिलल, इस्राएल में ना।"
11 हम तोहनी से कहत हईं कि पूरब आ पश्चिम से बहुत लोग आके अब्राहम, इसहाक आ याकूब के साथे स्वर्ग के राज्य में बईठ जइहें।
12 लेकिन राज्य के लइका लोग के बाहर के अन्हार में फेंक दिहल जाई, उहाँ रोवे आ दाँत चीरहरण होई।
13 यीशु सेनापति से कहलन, " जा जा। आ जइसे तू विश्वास कइले बाड़, ओइसहीं तोहरा साथे होखे। आ ओही घड़ी ओकर नौकर ठीक हो गइल।
14 जब यीशु पतरस के घरे अइले त देखलन कि उनकर मेहरारू के माई बोखार से बेमार पड़ल बाड़ी।
15 ऊ ओकर हाथ छू लिहले त बोखार ओकरा के छोड़ के चल गइल आ ऊ उठ के ओह लोग के सेवा कइली.
16 जब साँझ हो गइल त ऊ लोग बहुते दुष्टात्मा के उनकरा लगे ले अइले आ ऊ अपना वचन से ओह आत्मा के बाहर निकाल दिहलन आ सब बेमार लोग के ठीक कर दिहलन.
17 एह से ई पूरा होखे कि यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल रहे कि, "हमनी के कमजोरी के उठा के हमनी के बेमारी के उठा लिहले बाड़न।"
18 जब यीशु अपना आसपास बहुत भीड़ देखले त उ दूसरा ओर जाए के आदेश देले।
19 एगो शास्त्री आके ओकरा से कहलस, "गुरु, हम तोहरा पीछे-पीछे जहाँ भी जाईब।"
20 यीशु ओकरा से कहलन, " लोमड़ी के छेद होला आ आकाश के चिरई के घोंसला होला। लेकिन आदमी के बेटा के लगे आपन माथा कहाँ रखे के जगह नईखे।
21 उनकर एगो अउरी चेला उनकरा से कहलस, "प्रभु, हमरा के पहिले जाके अपना बाबूजी के दफनावे दीं।"
22 लेकिन यीशु ओकरा से कहलन, " हमरा पीछे चलऽ। आ मुअल लोग के आपन मुअल लोग के दफनावे दीं।
23 जब ऊ एगो नाव में चढ़लन त उनकर चेला उनकर पीछे-पीछे चल गइलन।
24 देखऽ, समुंदर में एगो बड़हन तूफान उठल कि जहाज लहर से ढंकल, लेकिन ऊ सुतल रहे।
25 उनकर चेला लोग उनका लगे आके जगवलन कि, "प्रभु, हमनी के बचाव, हमनी के नाश हो जाइब जा।"
26 ऊ ओह लोग से कहलन, " हे कम विश्वास वाला लोग, तू लोग काहे डेरात बाड़ऽ? तब ऊ उठ के हवा आ समुंदर के डांटले। आ एगो बड़हन शांति हो गइल।
27 लेकिन उ लोग अचरज में पड़ गईले, "ई कवन आदमी ह कि हवा आ समुंदर भी ओकर बात मानेला!
28 जब उ दूसरा ओर गेर्गेसी के देस में पहुंचले त उ दुगो दुष्टात्मा से ग्रस्त कब्र से निकलत रहले अवुरी उ लोग बहुत भयंकर रहले, ताकि केहु ओ रास्ता से ना गुजरे।
29 ऊ लोग चिल्ला के कहलस, "हे परमेश्वर के बेटा यीशु, तोहरा से हमनी के का संबंध बा? का तू समय से पहिले हमनी के सतावे खातिर इहाँ आइल बाड़?
30 ओह लोग से बहुत दूर से बहुत सुअर के झुंड रहे जवन चरत रहे।
31 तब भूत-प्रेत ओकरा से निहोरा करत कहलन कि अगर तू हमनी के बाहर निकाल देहऽ त हमनी के सुअर के झुंड में जाए दीं।
32 उ लोग से कहलस, " जा जा।" जब उ लोग बाहर निकलले त सुअर के झुंड में गईले अवुरी देख, सुअर के पूरा झुंड एगो खड़ा जगह से नीचे समुद्र में जोर से दौड़त पानी में नाश हो गईल।
33 ओह लोग के रखवाला लोग भाग के शहर में चल गइल आ हर बात आ दुष्टात्मा के भूतिया लोग पर भइल घटना के बारे में बतवलस।
34 देख, पूरा शहर यीशु से मिले खातिर निकलल, आ जब उ लोग उनुका के देख के उनुका से निहोरा कईले कि उ अपना इलाका से निकल जाए।

अध्याय 9 के बा

1 ऊ एगो जहाज में बइठ के ओहिजा से गुजर के अपना शहर में आ गइलन।
2 ऊ लोग एगो लकवा से पीड़ित आदमी के बिछौना पर लेट के ओकरा लगे ले अइले आ यीशु ओह लोग के विश्वास देख के लकवा से पीड़ित आदमी से कहले। बेटा, हौसला से भरल रहऽ; तोहार पाप माफ हो गइल बा।
3 कुछ शास्त्री लोग मन में कहत रहे कि, "ई आदमी निंदा करत बा।"
4 यीशु ओह लोग के विचार जान के कहले, " तू लोग अपना मन में बुराई काहे सोचत बाड़?
5 काहे कि ई कहल आसान बा कि तोहार पाप माफ हो गइल बा। भा ई कहे के कि उठ के चल जा?
6 लेकिन ताकि तू लोग जान सकी कि मनुष्य के बेटा के धरती पर पाप माफ करे के अधिकार बा, (तब उ पक्षाघात से पीड़ित से कहले, " उठ, आपन बिछौना उठा के अपना घरे चल जा।"

7 ऊ उठ के अपना घरे चल गइलन।
8 लेकिन भीड़ ई देख के अचरज में पड़ गईले अवुरी भगवान के महिमा कईले, जवन कि आदमी के अयीसन शक्ति देले रहले।
9 जब यीशु ओहिजा से निकलत रहले त मत्ती नाम के एगो आदमी के रिवाज लेवे वाला जगह प बईठल देखले । उ उठ के ओकरा पीछे-पीछे चल गईले।
10 जब यीशु घर में खाना खात रहले त देख, बहुत कर लेवे वाला अवुरी पापी उनुका अवुरी उनुका चेलन के संगे बईठ गईले।
11 फरीसियन के ई देख के उनकर चेलन से कहलन, "रउरा गुरु कर लेवे वाला आ पापी लोग के साथे काहे खात हउवें?
12 यीशु इ बात सुन के कहलन, " स्वस्थ लोग के वैद्य के जरूरत नइखे, बलुक बेमार लोग के जरूरत बा।"
13 लेकिन तू लोग जाके जान लीं कि एकर मतलब का होला कि हम दया करब, बलिदान ना, काहे कि हम धर्मी लोग के बोलावे खातिर ना आइल बानी, बलुक पापी लोग के पश्चाताप करे खातिर आइल बानी।
14 तब यूहन्ना के चेला लोग उनकरा लगे आके पूछलन, "हम आ फरीसी लोग बार-बार उपवास काहे करेलन, लेकिन तोहार चेलन उपवास काहे ना करेलन?
15 यीशु ओह लोग से कहलन, " का दुल्हिन के लइका लोग शोक कर सकेला जब तक दूल्हा उनकरा साथे बा?" लेकिन उ दिन आई जब दूल्हा के ओ लोग से छीन लिहल जाई अवुरी तब उ लोग उपवास करीहे।
16 केहू पुरान कपड़ा में नया कपड़ा के टुकड़ा ना लगावेला, काहे कि जवन कपड़ा भरला खातिर लगावल जाला ऊ कपड़ा से निकल जाला आ ओकर फाटल अउरी खराब हो जाला।
17 ना त आदमी नया शराब के पुरान बोतल में डालेला, ना त बोतल टूट जाला, शराब खतम हो जाला, आ बोतल नाश हो जाला, लेकिन नया शराब के नया बोतल में डाल के दुनो सुरक्षित हो जाला।
18 जब ऊ उनकरा से ई बात कहत रहले त देख, एगो शासक आके उनकर आराधना कइलन, "हमार बेटी अब मर गइल बिया, लेकिन आके ओकरा पर हाथ डाल के जिंदा हो जाई।
19 यीशु उठ के उनकरा पीछे-पीछे चल गइलन आ उनकर चेलन भी।
20 बारह साल से खून से लथपथ एगो औरत उनका पीछे से आके उनकर कपड़ा के किनारा के छू लिहलस।
21 काहेकि उ मन में कहली कि, "अगर हम ओकर कपड़ा के छूवे के काम कर सकीले त हम ठीक हो जाईब।"
22 लेकिन यीशु ओकरा के घुमा के देखले त कहले, " बेटी, सांत्वना राखऽ। तोहार विश्वास तोहरा के ठीक कर देले बा। आ ओह घरी से मेहरारू ठीक हो गइल।
23 जब यीशु शासक के घर में अईले त वादक आ लोग के हल्ला करत देखले।
24 ऊ ओह लोग से कहलस, " जगह दीं, काहेकि नौकरानी मरले नइखे, सुतल बिया।" आ ऊ लोग ओकरा के तिरस्कार करे खातिर हँस दिहल.
25 लेकिन जब लोग के बाहर निकालल गईल त उ भीतर गईले अवुरी उनुकर हाथ पकड़ लेले अवुरी नौकरानी उठ गईली।
26 एकर प्रसिद्धि पूरा देश में फइल गइल।
27 जब यीशु उहाँ से निकललन त दू गो आन्हर उनकरा पीछे-पीछे चिल्लात कहले, "हे दाऊद के बेटा, हमनी पर दया करऽ।"
28 जब ऊ घर में अइले त आन्हर लोग उनका लगे अइले आ यीशु उनकरा से कहलन, "का रउवा लोग के विश्वास बा कि हम ई काम कर पावत बानी?" उ लोग ओकरा से कहलस, "हँ, प्रभु।"
29 तब ऊ ओह लोग के आँख छू के कहलन, " तोहरा विश्वास के हिसाब से तोहनी के होखे।"
30 उनकर आँख खुल गइल। यीशु ओह लोग के कड़ा आज्ञा दिहलन कि, " देखीं कि केहू के पता ना चले."
31 लेकिन उ लोग जब उ लोग चल गईले त उनुकर प्रसिद्धि ओ पूरा देश में फैला देले।
32 जब उ लोग बाहर निकलत रहले त देख, उ लोग एगो गूंगा आदमी के उनुका लगे ले अईले, जवन कि एगो शैतान से ग्रस्त रहे।
33 जब शैतान के बाहर निकालल गइल त गूंगा लोग बोलल आ भीड़ अचरज में पड़ गइल आ कहलस कि, "इस्राएल में अइसन कबो ना देखल गइल।"
34 लेकिन फरीसियन कहले, "उ शैतान के राजकुमार के माध्यम से दुष्टात्मा के भगावेला।"
35 यीशु सब शहर आ गाँव में घूम के ओह लोग के आराधनालय में पढ़ावत रहले आ राज्य के सुसमाचार के प्रचार करत रहले आ लोग के हर बेमारी आ हर बेमारी के ठीक करत रहले।
36 लेकिन जब उ भीड़ के देखले त ओकरा पर दया आ गईल, काहेकि उ लोग बेहोश हो गईल रहे अवुरी उ भेड़ निहन बिखर गईल रहले, जवना के चरवाहा ना रहे।
37 तब उ अपना चेलन से कहलन कि फसल बहुत बा, लेकिन मजदूर कम बा।
38 एह से तू लोग फसल के मालिक से प्रार्थना करीं कि उ अपना फसल में मजदूर भेजस।

अध्याय 10 के बा

1 जब ऊ अपना बारह गो चेलन के अपना लगे बोलवले त ओह लोग के अशुद्ध आत्मा के खिलाफ शक्ति दिहलन कि ऊ लोग ओह लोग के बाहर निकाल सके आ हर तरह के बेमारी आ हर तरह के बेमारी के ठीक कर सके.
2 बारह प्रेरितन के नाम इहे ह। पहिला, शमौन, जेकरा के पतरस कहल जाला, आ उनकर भाई अंद्रियास। जबदी के बेटा याकूब आ उनकर भाई यूहन्ना।
3 फिलिप, आ बार्थोलोम्यू के नाम से जानल जाला। थॉमस, आ मैथ्यू करदाता; अल्फीस के बेटा याकूब आ लेब्बीस, जेकर उपनाम थद्दीउस रहे।
4 कनान के शमौन आ यहूदा इस्करियोती, जे उनका के धोखा दे दिहले।
5 यीशु एह बारह लोग के भेज के आज्ञा दिहलन कि गैर-यहूदी लोग के रास्ता में मत जाईं आ सामरी लोग के कवनो शहर में मत जाईं।
6 लेकिन इस्राएल के घराना के हेराइल भेड़न के लगे जाइए।
7 जब तू लोग जाइब त प्रचार करीं कि, "स्वर्ग के राज नजदीक आ गईल बा।"
8 बेमार लोग के ठीक करऽ, कोढ़ी लोग के साफ करऽ, मुअल लोग के जिंदा करऽ, दुष्टन के बाहर निकालऽ।
9 अपना पर्स में ना सोना, ना चांदी, ना पीतल के इंतजाम करीं।
10 ना तहरा यात्रा खातिर चीर-फाड़, ना दू गो कोट, ना जूता, ना लाठी, काहे कि मजदूर अपना भोजन के लायक होला।

11 जवना शहर भा कस्बा में जाइब, पूछीं कि ओह शहर में के के लायक बा? जब तक तू उहाँ से ना जाईब तब तक उहाँ रहब।
12 जब कवनो घर में अइब त ओकरा के नमस्कार करीं।
13 अगर घर योग्य बा त ओकरा पर तोहार शांति होखे, लेकिन अगर उ योग्य ना होखे त तोहार शांति तोहरा में वापस आवे।
14 जे भी तोहरा के ना ग्रहण करी आ ना तोहार बात सुनी, जब तू ओह घर भा शहर से निकलब त अपना गोड़ के धूल के हिला दीं।
15 हम तोहनी से सच कहत हई कि न्याय के दिन सदोम आ अमोरा के देश खातिर उ शहर से ज्यादा सहनशील होई।
16 देखऽ, हम तोहनी के भेड़िया नियर भेड़िया के बीच में भेजत बानी, एह से तू साँप नियर बुद्धिमान आ कबूतर नियर निर्दोष बनीं।
17 लेकिन आदमी से सावधान रहब, काहेकि उ लोग तोहनी के मंडली में सौंप दिहे अवुरी अपना सभाघर में तोहनी के कोड़ा मार दिहे।
18 हमरा खातिर तोहनी के राज्यपाल आ राजा लोग के सामने ले आवल जाई, ताकि उ लोग आ गैर-यहूदी लोग के खिलाफ गवाही हो सके।
19 जब उ लोग तोहनी के सौंप देब त इ सोचे मत जाईं कि तू लोग कइसे बोलब आ का कहब, काहेकि उहे समय तोहनी के इ बतावल जाई कि तू जवन बात करबऽ।
20 काहेकि तोहनी के बात ना ह, बलुक तोहनी के पिता के आत्मा तोहनी में बोलत हव।
21 भाई भाई के आ बाप लइका के सौंप दी आ लइका अपना माई-बाबूजी के खिलाफ उठ के ओह लोग के हत्या कर दीहें।
22 हमरा नाम के चलते तोहनी से सब लोग नफरत करी, लेकिन जे अंत तक टिकी, उ उद्धार पाई।
23 जब तक उ लोग एह शहर में तोहनी के सतावेला त दोसरा में भाग जाईं काहेकि हम तोहनी से सच कहत बानी कि जब तक मनुष्य के बेटा ना आई, तब तक तू इस्राएल के शहर के पार ना होखब।
24 चेला अपना मालिक से ऊपर ना होला, ना सेवक अपना मालिक से ऊपर।
25 चेला खातिर इहे काफी बा कि उ अपना गुरु निहन होखे अवुरी सेवक अपना मालिक निहन होखे। अगर उ लोग घर के मालिक के बेलजबूब बोलवले बाड़े त उनुका घर के केतना जादे कहतारे?
26 एह से ओह लोग से मत डेराईं, काहे कि कवनो अइसन कवनो बात नइखे जवना के खुलासा ना होखे. आ लुकाइल, जवना के पता ना चली।
27 हम अन्हार में जवन बतावत बानी, उ रोशनी में बात करीं, आ कान में जवन सुनत बानी, उ घर के चोटी पर प्रचार करीं।
28 जे शरीर के मारेला, लेकिन आत्मा के मारे में सक्षम ना होखे, ओकरा से मत डेराईं, बल्कि ओकरा से डेराईं जे नरक में आत्मा अवुरी शरीर दुनो के नाश करे में सक्षम होखे।
29 का दू गो गौरैया एक फार्टिंग में ना बेचल जाला? आ ओहमें से केहू तोहरा पिता के बिना जमीन पर ना गिर पाई।
30 लेकिन तोहनी के माथा के रोम सब गिनल गईल बा।
31 एह से तू लोग डेरा मत, तोहनी के कीमत बहुत गौरैया से भी जादा बा।
32 जे भी आदमी के सामने हमरा के कबूल करी, हम अपना स्वर्ग में रहल पिता के सामने भी कबूल करब।
33 लेकिन जे भी आदमी के सामने हमरा से इनकार करी, हम भी अपना स्वर्ग में रहल पिता के सामने ओकरा के नकार देब।
34 ई मत सोचऽ कि हम धरती पर शांति भेजे आइल बानी, हम शांति भेजे खातिर ना आइल बानी, बलुक तलवार भेजे आइल बानी।
35 हम एगो आदमी के ओकर बाप से, बेटी के ओकरा महतारी से, आ पतोह के अपना सास से विवाद करे आइल बानी।
36 आदमी के दुश्मन ओकरे घर के लोग होई।
37 जे हमरा से जादे बाप-माई से प्यार करेला, उ हमरा लायक नईखे, अवुरी जे हमरा से जादे बेटा-बेटी से प्यार करेला, उ हमरा लायक नईखे।
38 जे आपन क्रूस ना लेके हमरा पीछे चले, उ हमरा लायक नईखे।
39 जे आपन जान पाई ऊ ओकरा के गँवा दी आ जे हमरा खातिर आपन जान गँवावेला ऊ ओकरा के पाई।
40 जे तोहनी के ग्रहण करेला, उ हमरा के ग्रहण करेला, आ जे हमरा के ग्रहण करेला, उ हमरा के भेजे वाला के ग्रहण करेला।
41 जे भविष्यवक्ता के नाम से भविष्यवक्ता के ग्रहण करी ओकरा भविष्यवक्ता के इनाम मिली। आ जे कवनो धर्मी के नाम से धर्मी आदमी के ग्रहण करी ओकरा के धर्मी आदमी के इनाम मिली।
42 जे केहू एह छोट-छोट लइका में से कवनो के खाली एगो चेला के नाम पर ठंडा पानी पीये, हम तोहनी से सच कहत बानी कि ओकर इनाम कवनो तरह से ना गँवावे के पड़ी।

अध्याय 11 के बा

1 जब यीशु अपना बारह चेलन के आज्ञा देके उहाँ से उहाँ से उहाँ से उहाँ से चल के ओह लोग के शहरन में पढ़ावे आ प्रचार करे खातिर चल गइलन।
2 जब यूहन्ना जेल में मसीह के काम सुन के अपना दू गो चेलन के भेजलन।
3 ऊ ओकरा से कहलस, "का तू उहे आवे वाला हऽ कि हमनी के दोसरा के इंतजार करत बानी जा?"
4 यीशु उनकरा से कहलन, " जा के यूहन्ना के फेरु से बताईं जवन तू लोग सुनत आ देखत बाड़ऽ।
5 आन्हर लोग के नजर लउकेला आ लंगड़ा चलेला, कोढ़ी लोग के शुद्ध हो जाला आ बहिर लोग सुनेला, मरल लोग के जिंदा कइल जाला आ गरीबन के सुसमाचार सुनावल जाला।
6 धन्य बा उ जे हमरा से कवनो नाराज ना होई।
7 जब उ लोग निकलत रहले त यीशु यूहन्ना के बारे में भीड़ से पूछे लगले कि, " तू लोग जंगल में का देखे गईल रहनी?" हवा से हिलल एगो खढ़?
8 लेकिन तू लोग का देखे निकलल रहलू? कोमल कपड़ा पहिनले आदमी? देखऽ, कोमल कपड़ा पहिरे वाला राजा लोग के घर में बा।
9 लेकिन तू लोग का देखे निकलल रहलू? एगो भविष्यवक्ता? हँ, हम तोहनी से कहत बानी, आ एगो भविष्यवक्ता से भी अधिका।
10 काहेकि इ उहे ह, जेकरा बारे में लिखल बा, "देख, हम आपन दूत तोहरा सामने भेजत बानी, जवन तोहरा सामने रास्ता तैयार करी।"
11 हम तोहनी से सच कहत हई कि मेहरारू से जनमल लोग में यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला से बड़ केहू ना उठल बा।

12 यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला के जमाना से लेके अब तक स्वर्ग के राज्य पर हिंसा हो रहल बा आ हिंसक लोग ओकरा के जबरन ले लेला।
13 काहेकि यूहन्ना तक के सब भविष्यवक्ता आ व्यवस्था भविष्यवाणी करत रहलन।
14 अगर तू लोग एकरा के ग्रहण करे के चाहत बानी त उ एलियाह हवे, जे आवे वाला रहले।
15 जेकरा सुने के कान बा, उ सुनस।
16 लेकिन हम एह पीढ़ी के कवना से तुलना करब? ई बाजार में बइठल लइकन के जइसन बा आ अपना साथियन के पुकारत बा.
17 ऊ कहले, "हम तोहनी के नली बजा देले बानी जा, लेकिन तू नाचले नइखऽ। हमनी के तोहनी के शोक मनले बानी जा, लेकिन तोहनी के विलाप नईखी कईले।
18 काहेकि यूहन्ना ना खात-पीयत अइले आ उ लोग कहत बा कि, "उनुका में शैतान बा।"
19 आदमी के बेटा खात-पियत आइल आ ऊ लोग कहत बा कि देखऽ, एगो पेटू आ शराब पीये वाला, करदाता आ पापी लोग के दोस्त ह। बाकिर बुद्धि ओकरा लइकन खातिर जायज बा।
20 तब ऊ ओह शहरन के निंदा करे लगलन जवना में उनकर अधिकतर पराक्रम भइल रहे, काहे कि ऊ लोग पश्चाताप ना कइल।
21 कोराज़िन, तोहरा पर हाय! धिक्कार बा, बेतसैदा! काहे कि अगर तोहनी में जवन पराक्रमी काम भइल बा, ऊ सोर आ सीदोन में भइल रहित त ऊ लोग बहुत पहिले बोरा आ राख में पश्चाताप कर लेत।
22 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि न्याय के दिन सोर आ सीदोन खातिर तोहनी से ज्यादा सहनशील होई।
23 हे कफरनहूम, जे स्वर्ग में ऊँच हो गइल बा, नरक में उतारल जाई, काहे कि अगर तोहरा में जवन पराक्रमी काम भइल बा, ऊ सदोम में भइल रहित त ऊ आजु ले बनल रहित।
24 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि न्याय के दिन सदोम के देश तोहरा से ज्यादा सहनशील होई।
25 ओही समय यीशु जवाब दिहलन, " हे पिता, स्वर्ग आ धरती के मालिक, हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी काहे कि तू इ सब बात बुद्धिमान आ समझदार लोग से छिपा के बचवन के सामने प्रगट कर देले बाड़।"
26 हे पिता जी, अईसने तोहरा नजर में अच्छा लागल।
27 हमरा पिता के ओर से सब कुछ हमरा के सौंपल गईल बा, लेकिन पिता के छोड़ के केहु बेटा के ना जानेला। ना त केहू पिता के जानत बा, सिवाय बेटा आ जेकरा के बेटा ओकरा के प्रगट करे के चाहत बा।
28 हे सब मेहनत आ बोझ वाला लोग हमरा लगे आईं, हम तोहनी के आराम देब।
29 हमार जुआ अपना ऊपर उठा के हमरा से सीख लीं। काहे कि हम नम्र आ नम्र दिल हईं, आ तोहनी के आपन आत्मा के आराम मिल जाई।
30 काहे कि हमार जुआ आसान बा आ हमार बोझ हल्का बा।

अध्याय 12 के बा

1 ओही समय यीशु सब्त के दिन धान के बीच से गुजरत रहले। उनकर चेला भूखल रहले आ धान के कन तोड़ के खाए लगले।
2 फरीसी लोग ई देख के कहलन, "देखऽ, तोहार चेला लोग उ काम करेला जवन सब्त के दिन करे के इजाजत नइखे।"
3 लेकिन उ ओ लोग से कहलस, " का रउवां नई पढ़ले बानी कि दाऊद के भूख से मरला के दौरान उ का कईले रहले अवुरी उनुका संगे रहले।
4 ऊ कइसे परमेस् वर के घर में घुस के ऊ रोटी खइले, जवन ओकरा के खाए के इजाजत ना रहे, ना ओकरा साथे रहे वाला लोग के, बल्कि खाली याजकन के?
5 का तू लोग व्यवस्था में नइख पढ़ले कि विश्राम के दिन मंदिर में पुजारी सब्त के दिन के अपवित्र करेलन आ निर्दोष होलें?
6 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि इ जगह मंदिर से भी बड़ एगो बा।
7 लेकिन अगर रउवां जानत रहतीं कि एकर मतलब का बा कि हम दया करब, बलिदान ना, त रउवां निर्दोष लोग के दोषी ना ठहरावत।
8 काहेकि मनुष्य के बेटा सब्त के दिन के भी प्रभु हवे।
9 उहाँ से निकल के उ लोग के आराधनालय में चल गईले।
10 एक आदमी के हाथ मुरझा गइल रहे। उ लोग उनुका से पूछले कि, का सब्त के दिन चंगा कईल जायज बा? ताकि उ लोग ओकरा प आरोप लगावे।
11 उ ओह लोग से कहलस, " तोहनी में से कवन आदमी होई जेकर एक भेड़ होखे आ अगर उ सब्त के दिन गड्ढा में गिर जाव त का उ ओकरा के पकड़ के बाहर ना निकाली?
12 त आदमी भेड़ से केतना बढ़िया बा? एही से सब्त के दिन भलाई कइल जायज बा।
13 तब उ आदमी से कहलस, " अपना हाथ बढ़ा द।" आ ऊ ओकरा के तान दिहलस। आ ओकरा के पूरा बहाल कर दिहल गइल, जइसे कि दोसरा के.
14 तब फरीसी लोग बाहर निकल के उनकरा खिलाफ एगो मंडली बनवले कि उ लोग उनकरा के कइसे नाश कर सके|
15 लेकिन जब यीशु इ बात के जान गईले त उहाँ से हट गईले अवुरी बहुत भीड़ उनुका पीछे-पीछे चल गईले अवुरी उ सभके ठीक क देले।
16 उ लोग के आज्ञा दिहलन कि उ लोग ओकरा के ना बतावस।
17 ई पूरा होखे कि यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल रहे।
18 देखऽ हमार सेवक, जेकरा के हम चुनले बानी। हमार प्रियजन, जेकरा पर हमार प्राण खुश बा, हम ओकरा पर आपन आत्मा डाल देब आ ऊ गैर-यहूदी लोग के न्याय करी।
19 ऊ ना झगड़ा करी आ ना रोवे। ना त केहू गली-गली में ओकर आवाज सुनाई।
20 जबले ऊ न्याय के जीत के ओर ना भेज दी, तबले ऊ कटले खढ़ के ना तोड़ी आ धुँआ निकलत सन के ना बुझाई।
21 गैर-यहूदी लोग उनकरा नाम पर भरोसा करी।
22 तब ओकरा लगे एगो आन्हर आ गूंगा एगो शैतान से ग्रस्त के ले आवल गइल आ ऊ ओकरा के ठीक कर दिहलन कि आन्हर आ गूंगा बोलत आ देखत रहले.
23 सब लोग अचंभित होके कहलस, "का इ दाऊद के बेटा ना ह?"
24 फरीसियन के ई बात सुन के कहलन, "ई आदमी दुष्टात्मा के ना, बलुक दुष्टन के सरदार बेलजबुल के द्वारा भगावेला।"

25 यीशु ओह लोग के विचार जान के कहलन, " हर राज्य अपना आप में बंटल उजड़ हो जाला। आ हर शहर भा घर अपना खिलाफ बंटवारा खड़ा ना होई।
26 अगर शैतान शैतान के बाहर निकाल देला त उ अपना खिलाफ बंटल बा। तब ओकर राज्य कइसे खड़ा होई?
27 अगर हम बेलजबुल के जरिए दुष्टात्मा के बाहर निकालत बानी त तोहार लइका केकरा से ओकरा के निकालत बाड़े? एही से उ लोग तोहार न्यायाधीश होईहे।
28 लेकिन अगर हम परमेश्वर के आत्मा के द्वारा दुष्टात्मा के बाहर निकालत बानी त परमेश्वर के राज्य तोहनी के पास आ गईल बा।
29 ना त केहू बरियार के घर में कइसे घुस के ओकर सामान लूट सकेला, जबले ऊ पहिले बलवान के बान्ह ना लेव? आ तब ऊ आपन घर बिगाड़ दी.
30 जे हमरा साथे नइखे ऊ हमरा खिलाफ बा। आ जे हमरा साथे ना जुटावेला ऊ बितरत हो जाला।
31 एही से हम तोहनी से कहत बानी कि आदमी के हर तरह के पाप आ निंदा के माफ कर दिहल जाई, लेकिन पवित्र आत्मा के निंदा के आदमी के माफ ना कईल जाई।
32 जे केहू आदमी के बेटा के खिलाफ कवनो बात कहेला ओकरा के माफ कर दिहल जाई, लेकिन जे केहू पवित्र आत्मा के खिलाफ बात करी ओकरा के माफ ना कईल जाई, ना एह दुनिया में, ना आवे वाला दुनिया में।
33 या त पेड़ के बढ़िया बनाईं आ ओकर फल के बढ़िया बनाईं। ना त पेड़ के खराब कर दीं आ ओकर फल के खराब कर दीं, काहे कि पेड़ ओकर फल से जानल जाला।
34 हे साँप के पीढ़ी, तू लोग बुरा होके कइसे बढ़िया बात कह सकीले? काहे कि मन के भरमार से मुँह बोलेला।
35 अच्छा आदमी मन के अच्छा खजाना से अच्छा बात निकालेला आ बुरा आदमी बुरा के खजाना से बुरा बात निकालेला।
36 लेकिन हम तोहनी से कहत हईं कि आदमी जवन भी बेकार बात कही, उ लोग न्याय के दिन ओकर हिसाब दे दिहे।
37 काहेकि तोहरा बात से तोहरा धर्मी ठहरावल जाई आ तोहरा बात से तोहरा दोषी ठहरावल जाई।
38 तब कुछ शास्त्री आऊ फरीसी लोग जवाब देहलन, "गुरु, हमनी के तोहरा से कवनो निशानी देखे के चाहत बानी जा।"
39 लेकिन उ उनकरा से कहलस, " दुष्ट आ व्यभिचारी पीढ़ी कवनो चमत्कार के तलाश में बिया। आ ओकरा के कवनो चमत्कार ना दिहल जाई, सिवाय योना भविष्यवक्ता के निशानी के।
40 जइसे योनास तीन दिन तीन रात व्हेल के पेट में रहले। ओइसहीं मनुष्य के बेटा तीन दिन तीन रात धरती के दिल में रही।
41 नीनवे के लोग एह पीढ़ी के साथे न्याय के समय उठ के ओकरा के दोषी ठहराई, काहे कि उ लोग योना के प्रचार के समय पश्चाताप कईले। आ देखऽ, योनास से बड़हन एगो इहाँ बा।
42 दक्खिन के रानी एह पीढ़ी के साथे न्याय के समय उठ के ओकरा के दोषी ठहराई, काहे कि ऊ धरती के छोर से सुलैमान के बुद्धि सुने खातिर आइल रहली। आ देखऽ, सुलेमान से भी बड़ एगो इहाँ बा।
43 जब आदमी में से अशुद्ध आत्मा निकल जाला त उ सूखल जगह में घूम के आराम के तलाश में चलेला, लेकिन ओकरा केहु ना मिलेला।
44 तब उ कहलस कि हम अपना घर में वापस आ जाईब, जहवा से हम निकलल बानी। आ जब ऊ आवेला त ओकरा खाली, झाड़ू-पोछल आ सजावल मिल जाला।
45 तब ऊ जाके अपना से अधिका दुष्ट सात गो अउरी आत्मा लेके चल जाला आ ऊ लोग ओहिजा घुस के रहेला आ ओह आदमी के आखिरी हालत पहिलका से भी खराब बा। एही दुष्ट पीढ़ी के भी अइसने होई।
46 जब उ लोग से बात करत रहले त देख, उनुकर महतारी अवुरी भाई उनुका से बात करे के चाहत बाहर खड़ा रहले।
47 तब केहू ओकरा से कहलस, "देखऽ, तोहार माई आ तोहार भाई तोहरा से बात करे के चाहत बाहर खड़ा बाड़े।
48 लेकिन उ बतवला से कहलस, " हमार माई के हई?" आ हमार भाई के हवें?
49 ऊ अपना चेलन के ओर हाथ बढ़ा के कहले, " देखऽ हमार माई आ हमार भाई लोग!"
50 काहे कि जे भी हमरा स्वर्ग में बाप के इच्छा के पालन करी, उहे हमार भाई, बहिन आ माई हई।

अध्याय 13 के बा

1 ओही दिन यीशु घर से बाहर निकल के समुंदर के किनारे बइठ गइलन।
2 ओकरा लगे बहुत भीड़ जुटल रहे कि ऊ एगो जहाज में बइठ के बइठ गइलन। आ पूरा भीड़ किनारा पर खड़ा हो गइल।
3 ऊ दृष्‌ टान्‌ त में ओह लोग से बहुत बात कहले, " देखऽ, एगो बोवे वाला बोवे खातिर निकलल बा।
4 जब ऊ बोवाई कइले त रास्ता के किनारे कुछ बीज गिरल आ चिरई आके ओकरा के खा गइल।
5 कुछ लोग पत्थर के जगह पर गिर गइल, जहाँ ओह लोग के लगे ढेर माटी ना रहे, आ तुरंत उग उठल काहे कि ओह लोग के लगे माटी के गहिराई ना रहे।
6 जब सूरज निकलल त उ लोग झुलस गईले। आ जड़ ना होखला के चलते उ मुरझा गईले।
7 कुछ लोग काँट के बीच में गिर गइल। काँटा उग के ओह लोग के गला घोंट दिहलस।
8 लेकिन कुछ लोग बढ़िया जमीन में गिर के फल दिहलस, कुछ सौ गुना, कुछ साठ गुना, कुछ तीस गुना।
9 जेकरा सुने के कान बा, उ सुनस।
10 चेलन आके पूछले, "तू ओह लोग से दृष्टान्त में काहे बोलत बाड़ऽ?
11 ऊ जवाब दिहलन, " काहे कि तोहनी के स्वर्ग के राज्य के रहस्य के जाने के अधिकार दिहल गइल बा, बाकिर ओह लोग के ई ना दिहल गइल बा।
12 जेकरा लगे बा, ओकरा के दिहल जाई आ ओकरा लगे अउरी भरमार होई, लेकिन जेकरा लगे नइखे, ओकरा से जवन कुछ बा, ओकरा से छीन लिहल जाई।
13 एह से हम ओह लोग से दृष्टांत में कहत बानी काहे कि ऊ लोग देखत नइखे। आ सुन के ऊ लोग ना सुनेला आ ना समझेला।
14 ओह लोग में यशायाह के भविष्यवाणी पूरा हो गइल बा कि, "सुन के तू सुनबऽ आ ना समझबऽ। देख के तोहनी देखब आ ना बुझब।

15 एह लोग के दिल स्थूल हो गइल बा आ कान सुन के सुस्त हो गइल बा आ आँख बंद हो गइल बा। कहीं कहीं ऊ लोग आँख से ना देख पावे आ कान से ना सुन पावे आ मन से समझ ना पावे आ ना बदल जाव आ हम ओह लोग के ठीक कर दीं.
16 तोहार आँख धन्य बा काहे कि ऊ देखत बा आ तोहार कान सुनत बा।
17 हम तोहनी से सच कहत हई कि बहुत भविष्यवक्ता आ धर्मी लोग जवन चीज रउआ देखत बानी ओकरा के देखे के इच्छा रखले बाड़े, लेकिन उ नईखन देखले। आ जवन बात तू सुनत बाड़ऽ, ओकरा के सुन के नइखऽ सुनले।
18 एही से तू लोग बोवे वाला के दृष्टांत सुनऽ।
19 जब केहू राज्य के वचन सुन के ओकरा के ना समझेला त दुष्ट आके अपना मन में जवन बोवल रहे ओकरा के पकड़ लेला। इहे उहे ह जेकरा रास्ता के किनारे बीज मिलल।
20 लेकिन जे बीज के पत्थर के जगह पर ले लेले बा, उहे वचन सुनेला आ खुशी से ओकरा के ग्रहण करेला।
21 तबो ऊ अपना में जड़ ना जमा लेले बा, बलुक कुछ देर खातिर टिकल बा, काहे कि जब वचन के चलते कष्ट भा सतावल जाला त ऊ त्रस्त हो जाला।
22 काँट के बीच में बीज मिलल उहे वचन सुनेला। आ एह संसार के चिंता आ धन के धोखा वचन के गला घोंट देला आ ऊ निष्फल हो जाला।
23 लेकिन जे अच्छा जमीन में बीज लेहलस उहे वचन सुन के समझेला। जवन भी फल देला आ कुछ सौ गुना, केहू साठ, कुछ तीस गुना फल देला।
24 एगो अउरी दृष्टांत उ लोग के दिहलन कि, " स्वर्ग के राज्य के तुलना ओह आदमी से कइल गइल बा जे अपना खेत में बढ़िया बीज बोवलस।
25 जबले आदमी सुतल रहले त ओकर दुश्मन आके गेहूं के बीच में खरपतवार बोव के चल गईले।
26 लेकिन जब कटार उग के फल निकलल त खरपतवार भी लउकल।
27 त घर के मालिक के नौकर आके पूछले, "महाराज, का तू अपना खेत में बढ़िया बीज ना बोअले बाड़ू?" त कहाँ से खरपतवार निकलल बा?
28 ऊ ओह लोग से कहलस, "एक दुश्मन अइसन कइले बा।" नौकर लोग ओकरा से कहलस, "त का तू चाहत बाड़ू कि हमनी के जाके ओ लोग के बटोर लेत बानी जा?"
29 लेकिन उ कहलस, "ना। कहीं जबले तू खरपतवार के बटोरबऽ तबले ओकरा साथे गेहूं के भी जड़ से ना उखाड़ऽ।
30 फसल के समय तक दुनो के एक संगे बढ़े दीं, आ कटाई के समय हम कटनी करे वाला लोग से कहब कि पहिले खरपतवार के बटोर के ओकरा के जरे खातिर गठरी में बांध लीं, लेकिन गेहूं के हमरा कोठी में बटोर लीं।
31 एगो अउरी दृष्टांत उ लोग के देले कि, " स्वर्ग के राज्य सरसों के दाना निहन बा, जवन आदमी लेके अपना खेत में बोवलस।
32 ई सब बीज में सबसे छोट बा, लेकिन जब उ बढ़ जाला त जड़ी-बूटी में सबसे बड़ हो जाला अवुरी पेड़ बन जाला, जवना से हवा के चिरई आके ओकरा डाढ़ में ठहर जाले।
33 ऊ ओह लोग से एगो अउरी दृष्टांत कहले। स्वर्ग के राज्य खमीर निहन बा, जवना के एगो महिला लेके तीन नाप के आटा में लुका के रखले रहे, जब तक कि पूरा खमीर ना हो गईल।
34 ई सब बात यीशु भीड़ से दृष्टान्त में कहले। उ बिना कवनो दृष्टान्त के उ लोग से ना बोलले।
35 ताकि भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल बात पूरा होखे कि हम दृष्टांत में आपन मुँह खोलब। हम उ बात कहब जवन दुनिया के नींव से ही गुप्त रखल गईल बा।
36 तब यीशु भीड़ के भेज के घर में चल गइलन आ उनकर चेला लोग उनका लगे आके कहलन कि, "खेत के खरपतवार के दृष्टांत हमनी के बताईं।"
37 ऊ जवाब दिहलन, " नीमन बीज बोवे वाला आदमी के बेटा ह।
38 खेत दुनिया ह। नीमन बीया राज्य के संतान हवें। बाकिर खरपतवार दुष्ट के संतान ह।
39 ओह लोग के बोवे वाला दुश्मन शैतान ह। फसल दुनिया के अंत ह। आ कटनी करे वाला स्वर्गदूत हवें।
40 जइसे खरपतवार के बटोर के आग में जरा दिहल जाला। एह संसार के अंत में भी अयीसने होई।
41 मनुष्य के बेटा आपन स्वर्गदूत भेज दिहे आ उ लोग अपना राज्य से सब अपराध करे वाला आ अधर्म करे वाला के बटोर दिहे।
42 आऊ ओह लोग के आग के भट्ठी में डाल दीहें आ उहाँ विलाप आ दाँत चीरहरण होई।
43 तब धर्मी लोग अपना पिता के राज्य में सूरज निहन चमकीहे। जेकरा सुने के कान बा, उ सुने।
44 फिर से स्वर्ग के राज्य खेत में छिपल खजाना निहन बा। जवन जब आदमी मिल जाला त लुका जाला आ ओकरा खुशी से जाके आपन सब कुछ बेच के ऊ खेत खरीद लेला।
45 फिर से स्वर्ग के राज्य एगो व्यापारी निहन बा, जवन बढ़िया मोती के तलाश में बा।
46 जब एगो बहुत दाम वाला मोती मिलल त उ जाके आपन सब कुछ बेच के खरीद लिहलस।
47 फिर से स्वर्ग के राज्य एगो जाल निहन बा, जवन समुंदर में फेंकल गईल रहे अवुरी हर तरह के बटोरल गईल रहे।
48 जब ऊ लोग भर गइल त ऊ लोग किनारे खींच के बइठ गइल आ बढ़िया के बर्तन में बटोर दिहल बाकिर खराब के फेंक दिहल.
49 दुनिया के अंत में भी अईसने होई, स्वर्गदूत निकल के दुष्ट लोग के धर्मी लोग के बीच से अलग करीहे।
50 आऊ ओह लोग के आग के भट्ठी में फेंक दीहें, उहाँ विलाप आ दाँत चीरहरण होई।
51 यीशु उनकरा से पूछले, " का रउवां इ सब बात समझले बानी? उ लोग ओकरा से कहलस कि हँ, प्रभु।
52 तब उ लोग से कहलन, "एह से हर शास्त्री जेकरा के स्वर्ग के राज्य के शिक्षा दिहल जाला, उ घर के मालिक निहन बा, जवन अपना खजाना से नया-पुरान चीज निकालेला।
53 जब यीशु ई दृष्टान्त पूरा कइलन त उहाँ से चल गइलन।
54 जब ऊ अपना देश में अइले त ओह लोग के आराधनालय में सिखावत रहले कि ऊ लोग अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि एह आदमी के ई बुद्धि आ ई पराक्रम कहाँ से मिलल बा?
55 का ई बढ़ई के बेटा ना ह? का ओकर माई मरियम ना कहल जाला? आ उनकर भाई याकूब, यूसुस, शमौन आ यहूदा?
56 आउर उनकर बहिन लोग, का उ सब हमनी के साथे नईखन? त ई सब बात कहाँ से मिलल बा?

57 उ लोग ओकरा से नाराज हो गईले। लेकिन यीशु उनसे कहलन, " भविष्यवक्ता के इज्जत ना होला, सिवाय अपना देश आ अपना घर के।
58 उ लोग के अविश्वास के चलते उहाँ बहुत पराक्रम ना कईले।

अध्याय 14 के बा

1 ओही घरी हेरोदेस राज्यपाल यीशु के प्रसिद्धि के बारे में सुनले।
2 उ अपना सेवकन से कहलस, "ई यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला हउवें। ऊ मुवलन में से जी उठल बा। आ एही से ओकरा में पराक्रम के काम लउकेला।
3 काहेकि हेरोदेस अपना भाई फिलिप के मेहरारू हेरोदिया के खातिर यूहन्ना के पकड़ के ओकरा के बान्ह के जेल में डाल देले रहले।
4 काहेकि यूहन्ना ओकरा से कहलन कि, "तोहरा ओकरा के रखल जायज नइखे।"
5 जब उ ओकरा के मारे के चाहत रहले त उ भीड़ से डेरा गईले, काहेकी उ लोग उनुका के भविष्यवक्ता मानत रहले।
6 जब हेरोदेस के जनमदिन मनावल गईल त हेरोदिया के बेटी ओ लोग के सामने नाच के हेरोदेस के खुश कईली।
7 ओकरा बाद ऊ कसम खा के वादा कइलन कि ऊ जवन कुछ माँगसु ऊ दे दीहें.
8 उ अपना महतारी से पहिले से निर्देश मिल के कहली, "हमरा के इहाँ यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला के सिर एगो चार्जर में दे द।"
9 राजा के पछतावा भईल, लेकिन शपथ अवुरी उनुका संगे खाना खाए वाला लोग के चलते उ ओकरा के देवे के आदेश देले।
10 ऊ जेल में यूहन्ना के सिर काट के भेज दिहलन।
11 ओकर माथा एगो बर्तन में ले आवल गइल आ लइकी के दिहल गइल आ ऊ ओकरा के अपना महतारी के लगे ले अइली।
12 उनकर चेला लोग आके लाश लेके गाड़ के यीशु के बतवले|
13 जब यीशु ई बात सुनले त उहाँ से जहाज से अलग-अलग रेगिस्तान में चल गईले अवुरी लोग एकरा के सुन के शहर से पैदल चल के उनुका पीछे-पीछे चल गईले।
14 यीशु निकल के बहुत भीड़ के देखले आ उनकरा पर दया आ गइल आ उनकर बेमार लोग के ठीक कर दिहलन।
15 जब साँझ हो गइल त उनकर चेलन उनकरा लगे अइले आ कहलन, "ई एगो रेगिस्तान ह आ अब समय बीत गइल बा। भीड़ के भेज दीं ताकि उ लोग गाँव में जाके आपन खाना खरीद सके।
16 लेकिन यीशु ओनसे कहलन, " उनका के जाए के जरूरत नइखे। तूँ ओह लोग के खाए खातिर दे दऽ।
17 उ लोग ओकरा से कहलस कि, "हमनी के लगे पांच रोटी अवुरी दु मछरी बा।"
18 ऊ कहलन, "ओकनी के हमरा लगे ले आवऽ."
19 ऊ भीड़ के घास पर बइठे के आदेश दिहलन आ पांच गो रोटी आ दू गो मछरी लेके आकाश के ओर देखत आशीष दिहलन आ तोड़ के रोटी के अपना चेलन के आ चेलन के भीड़ के दे दिहलन .
20 उ सब खा के पेट भर गईले अवुरी जवन टुकड़ा बचल रहे ओकरा में से बारह टोकरी भर गईले।
21 जे लोग खाना खइले रहे, उ मेहरारू आ लइका-लइकी के छोड़ के लगभग पांच हजार मरद रहले।
22 यीशु तुरते अपना चेलन के एगो नाव में चढ़े आ ओकरा से आगे निकले खातिर मजबूर कर दिहलन, जबकि ऊ भीड़ के भेज दिहलन।
23 जब ऊ भीड़ के भेज दिहलन त ऊ अलगा से एगो पहाड़ पर प्रार्थना करे चल गइलन आ जब साँझ हो गइल त ऊ अकेले ओहिजा रह गइलन.
24 लेकिन जहाज अब समुंदर के बीच में लहर से उड़त रहे, काहे कि हवा उल्टा रहे।
25 रात के चउथा पहरा में यीशु समुंदर पर चलत ओह लोग के लगे चल गइलन।
26 चेलन जब ओकरा के समुंदर पर चलत देखले त ऊ लोग घबरा गइलन आ कहलन कि ई एगो आत्मा ह। आ ऊ लोग डर से चिल्लात रहे।
27 यीसु तुरते ओनसे कहलन, " हैर हो जाऽ। ई हम हईं; डेराए के ना होखे।
28 पतरस जवाब दिहलन, "हे प्रभु, अगर तू हईं त हमरा के पानी पर तोहरा लगे आवे के कह दीं।"
29 ऊ कहलन, " आ जा।" पतरस जहाज से उतर के पानी पर चल के यीशु के लगे चल गईले|
30 जब उ हवा के उधम मचत देखले त उ डेरा गईले। आ डूबे लागल आ ऊ चिल्ला के कहलस, "प्रभु, हमरा के बचा लीं."
31 तुरते यीशु आपन हाथ बढ़ा के ओकरा के पकड़ के कहलन, " हे कम विश्वास वाला, तू काहे संदेह करत रहलू?
32 जब उ लोग जहाज में चढ़ले त हवा रुक गईल।
33 जहाज में सवार लोग आके उनकर आराधना कइल आ कहलस, "तू साँचहू परमेस् वर के बेटा हउअ।"
34 जब उ लोग ओहि पार चल गईले त उ लोग गनेसरेत के देश में पहुंच गईले।
35 जब ओह जगह के लोग के उनकर जानकारी मिलल त उ लोग आसपास के पूरा देश में भेज के सब बेमार लोग के उनकरा लगे ले अइले।
36 ओकरा से निहोरा कइलन कि ऊ लोग खाली उनकर कपड़ा के किनारा के छूवे, आ जे भी छूवेला, ऊ पूरा तरह से ठीक हो गइल।

अध्याय 15 के बा

1 तब यरूशलेम के शास्त्री आऊ फरीसी लोग यीशु के लगे आके कहलन|
2 तोहार चेलन बुजुर्गन के परंपरा के उल्लंघन काहे करेलन? काहेकि उ लोग रोटी खात घरी हाथ ना धोवेले।
3 लेकिन उ उनकरा से कहलस, " तू लोग भी आपन परंपरा से परमेश्वर के आज्ञा के उल्लंघन काहे करत बाड़ू?
4 काहेकि परमेश्वर आज्ञा देले कि, "अपना बाप-माई के आदर करऽ, आउर जे बाप-माई के गारी देत बा, उ मौत के मर जाए।"
5 लेकिन तू लोग कहत बाड़ू कि जे केहू अपना बाप भा माई से कहत बा कि, 'ई वरदान ह, जवना से तोहरा हमरा से फायदा हो सकेला।
6 आ ओकरा बाप भा माई के आदर मत करीं, ऊ आज़ाद हो जाई। एह तरह से रउआ अपना परंपरा से परमेश्वर के आज्ञा के बेकार कर देले बानी।
7 हे पाखंडी लोग, यशायाह तोहनी के बारे में बढ़िया से भविष्यवाणी कइले कि

8 ई लोग अपना मुँह से हमरा लगे आवेला आ अपना होठ से
हमरा के आदर करेला। बाकिर उनकर दिल हमरा से दूर बा।
9 लेकिन उ लोग बेकार में हमार आराधना करेला, आ आदमी के
आज्ञा के शिक्षा खातिर सिखावेला।
10 ऊ भीड़ के बोला के कहलन, " सुनऽ आ समझऽ।
11 जवन मुँह में जाला उ आदमी के अशुद्ध ना करेला। लेकिन
जवन मुँह से निकलेला, उ आदमी के अशुद्ध करेला।
12 तब उनकर चेलन आके उनकरा से कहलन, "का तू जानत
बाड़ऽ कि फरीसियन के ई बात सुनला के बाद कवनो नाराजगी
हो गइल बा?"
13 लेकिन उ जवाब देले, " हमार स्वर्गीय पिता जवन पौधा ना
लगवले बाड़े, उ जड़ से उखाड़ल जाई।"
14 उ लोग के छोड़ दीं, उ लोग आन्हर के आन्हर नेता होखस।
आ आन्हर आन्हर के अगुवाई करत त दुनु खाई में गिर जइहें.
15 पतरस जवाब दिहलन, "ई दृष्टान्त हमनी के बताईं।"
16 यीशु कहलन, " का तू लोग भी अबहीं ले समझ में नइखे
आवत?
17 का तोहनी के अभी तक इ नईखी समझत कि जवन भी मुंह में
घुसेला उ पेट में जाके बहाव में फेंक दिहल जाला?
18 लेकिन जवन बात मुँह से निकलेला उ दिल से निकलेला। आ
ऊ लोग ओह आदमी के अशुद्ध कर देला।
19 काहेकि दिल से बुरा विचार, हत्या, व्यभिचार, व्यभिचार, चोरी,
झूठा गवाही, निंदा निकलेला।
20 इहे चीज आदमी के अशुद्ध करेला, लेकिन बिना धोवल हाथ
से खाना आदमी के अशुद्ध ना करेला।
21 तब यीशु ओहिजा से जाके सोर आ सीदोन के किनारे चल
गइलन।
22 देख, ओही इलाका से कनान के एगो मेहरारू ओकरा से
चिल्ला के कहलस, "हे प्रभु, हे दाऊद के बेटा, हमरा पर दया
करऽ। हमार बेटी एगो शैतान से बहुते परेशान बिया।
23 लेकिन उ ओकरा के एक शब्द के जवाब ना देले। उनकर
चेला लोग आके उनकरा से निहोरा कइलन कि, "उनका के भेज
दऽ। काहे कि ऊ हमनी के पीछे-पीछे चिल्लात बाड़ी।
24 लेकिन उ जवाब देले, " हम इस्राएल के घराना के हेराइल भेड़
के ओर ना भेजल गईल बानी।"
25 तब ऊ आके उनकर आराधना कइली आ कहली, "प्रभु,
हमार मदद करऽ!"
26 लेकिन उ जवाब देले कि, लईकन के रोटी लेके कुकुरन के
सोझा फेंकल उचित नईखे।
27 ऊ कहली, "साँच हे प्रभु, तबहूँ कुकुर अपना मालिकन के मेज
से गिरल टुकड़न के खाला."
28 तब यीशु ओकरा से कहलन, " हे औरत, तोहार विश्वास बहुत
बड़ बा। आ ओकर बेटी ठीक ओही घड़ी से ठीक हो गइल।
29 यीशु ओहिजा से निकल के गलील के समुंदर के नजदीक आ
गईले। ऊ एगो पहाड़ पर चढ़ के ओहिजा बइठ गइलन.
30 बहुत भीड़ ओकरा लगे लंगड़ा, आन्हर, गूंगा, अपंग आ अउरी
बहुत लोग के साथे आके यीशु के गोड़ में गिरा दिहलस। आ ऊ
ओह लोग के ठीक कर दिहलन.
31 गूंगा लोग के बोलत देख के भीड़ अचरज में पड़ गइल, अपंग
लोग के ठीक हो गइल, लंगड़ा के चलल आ आन्हर लोग के देख
के देख के अचरज में पड़ गइल आ उ लोग इस्राएल के परमेश्वर
के महिमा कइल।
32 तब यीशु अपना चेलन के बोला के कहलन, " हमरा भीड़ पर
दया आवत बा, काहे कि उ लोग हमरा साथे तीन दिन से बा आ
कुछुओ खाए के नइखे।
33 उनकर चेलन उनकरा से पूछले, "हमनी के जंगल में एतना
रोटी कहाँ से मिले के चाहीं कि एतना भीड़ के भरपाई हो सके?"
34 यीशु उनसे पूछले, " तोहरा लगे केतना रोटी बा? उ लोग
कहलस, "सात आ कुछ छोट मछरी।"
35 उ भीड़ के जमीन प बईठे के आदेश देले।
36 ऊ सात गो रोटी आ मछरी लेके धन्यवाद दिहलन आ ओकरा
के तोड़ के अपना चेलन के आ चेला लोग के भीड़ के दे दिहलन.
37 उ सब खा के पेट भर गईले अवुरी जवन टूटल-फूटल मांस
बचल रहे, ओकरा में से सात टोकरी भर गईले।
38 खाए वाला मेहरारू आ लइका-लइकी के छोड़ के चार हजार
मरद रहले।
39 ऊ भीड़ के भेज के जहाज पर चढ़ के मगदला के इलाका में
चल गइलन।

अध्याय 16 के बा

1 फरीसी लोग भी सदुकी लोग के साथे आके उनकरा से परीक्षा
में निहोरा कईले कि उ लोग के स्वर्ग से एगो चमत्कार देखावे|
2 ऊ जवाब दिहलन, " जब साँझ हो जाई त तू लोग कहत बाड़ऽ
कि, 'सुन्दर मौसम होई, काहे कि आसमान लाल हो गइल बा।"
3 आ सबेरे, "आज खराब मौसम होई, काहे कि आसमान लाल
आ उड़त बा। हे पाखंडी लोग, आकाश के चेहरा के भेद कर
सकेनी। लेकिन का रउवां समय के निशानी के भेद नईखी कर
सकत?
4 दुष्ट आ व्यभिचारी पीढ़ी कवनो चमत्कार के खोज करेले। आ
ओकरा के कवनो निशानी ना दिहल जाई, सिवाय योना
भविष्यवक्ता के निशानी के। आ ऊ ओह लोग के छोड़ के चल
गइलन.
5 जब उनकर चेला लोग ओह पार पहुंचले त उ लोग रोटी लेवे के
भूल गईल रहले।
6 तब यीशु उनकरा से कहलन, " फरीसियन आ सदुकी लोग के
खमीर से सावधान रहऽ आ सावधान रहऽ।
7 उ लोग आपस में बतकही करत कहले, "हमनी के रोटी ना
लेहला के चलते इ बा।"
8 जब यीशु ई बात के पता चलल त उ लोग से कहलन, " हे कम
विश्वास वाला लोग, आप लोग आपस में काहे तर्क कर रहल बानी
काहे कि तू लोग रोटी ना लेके आइल बाड़?
9 का तू लोग अभी तक नईखी समझत, ना ही पांच हजार में से
पांच रोटी अवुरी केतना टोकरी उठा लेले रहनी?
10 चार हजार में से सात गो रोटी आ केतना टोकरी लेके चलल?
11 ई कइसे ना बुझाइल कि हम तोहनी से रोटी के बारे में ई बात
ना कहनी कि फरीसियन आ सदुकी लोग के खमीर से सावधान
रहब?
12 तब उ लोग समझ गईले कि उ उ लोग के रोटी के खमीर से
सावधान ना रहे, बालुक फरीसियन अवुरी सदुकी लोग के शिक्षा
से सावधान रहे के कहले।
13 जब यीशु कैसरिया फिलिप्पी के इलाका में अइले त उ अपना
चेलन से पूछले, " लोग के कहत बा कि हम आदमी के बेटा के
हईं?"

14 उ लोग कहलस कि कुछ लोग कहत बा कि तू यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला हउअ। आ कुछ लोग यिर्मयाह भा कवनो भविष्यवक्ता लोग के नाम ह।

15 ऊ ओह लोग से पूछले, " तू लोग हम के कहत बानी?"

16 शमौन पतरस जवाब दिहलन, "तू मसीह, जिंदा परमेश्वर के बेटा हउअ।"

17 यीशु जवाब दिहलन, " शमौन बरजोना, तू धन्य हउअ, काहेकि तोहरा के खून-खून ना, बलुक हमार स्वर्ग में बाप के प्रगट कइले बा।

18 हम तोहरा से इहो कहत बानी कि तू पतरस हउअ आ एह चट्टान पर हम आपन कलीसिया बनाइब। आ नरक के फाटक ओकरा पर हावी ना होई।

19 हम तोहरा के स्वर्ग के राज्य के चाभी देब, आ जवन कुछ तू धरती पर बान्हब ओकरा के स्वर्ग में बान्हल जाई, आ जवन कुछ तू धरती पर खोलब ऊ स्वर्ग में ढीला हो जाई।

20 तब ऊ अपना चेलन से आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग केहू के ई ना बतावे कि ऊ यीशु मसीह हउवें.

21 तब से यीशु अपना चेलन के बतावे लगलन कि ऊ यरूशलेम जाके बुजुर्ग आ मुख्य याजक आ शास्त्री लोग के बहुत दुख उठावे के पड़ी आ तीसरा दिन मार दिहल जाई आ जिन्दा हो जाई।

22 पतरस ओकरा के लेके डांटत कहले, "हे प्रभु, तोहरा से दूर रहऽ, तोहरा खातिर ई ना होई।"

23 लेकिन उ मुड़ के पतरस से कहलस, " हे शैतान, तू हमरा पीछे हट जा, तू हमरा खातिर अपराध बा, काहेकि तू भगवान के बात के स्वाद ना लेत बाड़ू, बल्कि आदमी के चीज के स्वाद लेत बाड़ू।

24 तब यीशु अपना चेलन से कहलन, " जदि केहू हमरा पीछे आवे के चाहत बा त उ अपना के नकार देवे आ आपन क्रूस उठा के हमरा पीछे चले।"

25 काहे कि जे आपन जान बचाई, उ ओकरा के गंवा दिही, आ जे हमरा खातिर आपन जान गँवावेला, उ ओकरा के पाई।

26 अगर आदमी के पूरा दुनिया के फायदा हो जाई आ आपन जान गँवा दिहल जाव त ओकरा का फायदा? या आदमी अपना प्राण के बदला में का दिही?

27 काहेकि मनुष्य के बेटा अपना पिता के महिमा में अपना स्वर्गदूतन के साथे अइहें। आ तब ऊ हर आदमी के अपना काम के हिसाब से इनाम दिही।

28 हम तोहनी से सच कहत हई कि इहाँ कुछ लोग खड़ा बा, जब तक उ लोग आदमी के बेटा के अपना राज्य में ना आवत देखाई, तब तक मौत के स्वाद ना चखी।

अध्याय 17 के बा

1 छह दिन बाद यीशु पतरस, याकूब आ उनकर भाई यूहन्ना के लेके अलग-अलग एगो ऊँच पहाड़ पर ले गइलन।

2 उनकरा सामने उनकर रूप बदल गइल आ उनकर चेहरा सूरज नियर चमकल आ उनकर कपड़ा रोशनी नियर उज्जर हो गइल।

3 मूसा आ एलियाह उनकरा से बात करत प्रकट भइले।

4 पतरस जवाब दिहलन आ यीशु से कहलन, "हे प्रभु, हमनी के इहाँ रहला से अच्छा बा। एगो तोहरा खातिर, एगो मूसा खातिर, आ एगो एलियास खातिर।

5 जब ऊ बोलत रहले त देख, एगो चमकदार बादल ओह लोग पर छा गइल, आ बादल से एगो आवाज निकलल जवन कहलस, "ई हमार प्रिय बेटा हउवें, जेकरा से हम बहुत खुश बानी। तू लोग ओकर बात सुनऽ।

6 चेलन के ई बात सुन के ऊ लोग मुँह पर गिर गइलन आ बहुत डेरा गइलन।

7 यीशु आके ओह लोग के छू के कहलन, " उठऽ आ मत डेराहऽ."

8 उ लोग आँख उठा के खाली यीशु के छोड़ के केहू के ना देखले।

9 जब उ लोग पहाड़ से उतरत रहले, त यीशु उ लोग के आदेश देले कि, जब तक आदमी के बेटा मुवलन में से ना जिंदा ना हो जाई, तब तक इ दर्शन केहु के मत बताई।

10 उनकर चेलन उनकरा से पूछले, "तब शास्त्री लोग काहे कहत बा कि पहिले एलियाह के आवे के चाहीं?

11 यीशु जवाब दिहलन, " सचहूँ एलियाह सबसे पहिले आके सब कुछ ठीक कर दिहे।"

12 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि एलियास पहिलही से आ गईल बाड़े, लेकिन उ लोग उनुका के ना जानत रहले, लेकिन उनुका संगे जवन मन करे उहे कईले बाड़े। ओइसहीं मनुष्य के बेटा भी ओह लोग के कष्ट उठाई।

13 तब चेलन समझ गईले कि उ यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला के बारे में उनकरा से बात करत रहले।

14 जब उ लोग भीड़ के लगे पहुंचले त एगो आदमी उनुका लगे घुटना टेक के कहलस।

15 प्रभु, हमरा बेटा पर दया करऽ, काहे कि ऊ पागल बा आ बहुते परेशान बा, काहे कि ऊ अक्सर आग में आ बार-बार पानी में गिर जाला।

16 हम ओकरा के तोहरा चेलन के लगे ले अइनी, लेकिन उ लोग ओकरा के ठीक ना कर पवलस।

17 तब यीशु जवाब दिहलन, " हे अविश्वास आ विकृत पीढ़ी, हम कब तक तोहरा साथे रहब? हम कब तक तोहरा के सहन करब? ओकरा के इहाँ हमरा लगे ले आवऽ।

18 यीशु शैतान के डांटले। ऊ ओकरा से निकल गइलन आ ओही घड़ी से लइका ठीक हो गइल।

19 तब चेला लोग अलग-अलग यीशु के लगे आके पूछले, "हम ओकरा के काहे ना निकाल पवनी?

20 यीशु ओह लोग से कहलन, "तोहरा अविश्वास के चलते हम तोहनी से सच कहत बानी कि अगर तोहनी के सरसों के दाना निहन विश्वास बा त तू लोग एह पहाड़ से कहब कि, इहाँ से हट जा। आ ऊ हट जाई; आ तोहनी खातिर कुछुओ असंभव ना होई।

21 बाकिर ई तरह के प्रार्थना आ उपवास से बाहर ना निकलेला।

22 जब उ लोग गलील में रहत रहले त यीशु उ लोग से कहले, " मनुष्य के बेटा के आदमी के हाथ में सौंप दिहल जाई।

23 ऊ लोग ओकरा के मार दी आ तीसरा दिन ओकरा के जिंदा हो जाई। आ ऊ लोग बेहद पछतावत रहे।

24 जब उ लोग कफरनहूम पहुंचले त कर लेवे वाला लोग पतरस के लगे आके पूछले, "का तोहार मालिक कर ना देवेले?"

25 उ कहलस, हँ। जब उ घर में अईले त यीशु ओकरा के रोक के कहले, " शमौन, तोहार का विचार बा? धरती के राजा केकरा से रीति-रिवाज भा कर लेत बाड़े? अपना लइकन के, कि अनजान लोग के?

26 पतरस ओकरा से कहलन, "परदेशी लोग के ह।" यीशु ओकरा से कहलन, "तब लइका-लइकी आजाद हो गइल बाड़े।"
27 एकरा बावजूद, कहीं हमनी के ओह लोग के ठेस ना पहुँचाईं, त तू समुंदर में जाके हुक डाल के जवन मछरी पहिले ऊपर आवेले ओकरा के उठा लीं। जब तू ओकर मुँह खोलबऽ त तोहरा पइसा के टुकड़ा मिल जाई, जवन ले के हमरा आ तोहरा खातिर ओह लोग के दे दीं।

अध्याय 18 के बा

1 ओही समय चेला लोग यीशु के लगे अइले आ पूछले, "स्वर्ग के राज्य में के सबसे बड़ बा?
2 यीशु एगो छोट लइका के अपना लगे बोलवले आ ओकरा के ओह लोग के बीच में बइठा दिहले।
3 ऊ कहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि जबले तू लोग ना बदलब आ छोट लइका निहन ना होखब, तब तक तू लोग स्वर्ग के राज्य में ना जाईब।"
4 एह से जे भी एह लइका नियर नम्र हो जाला, उहे स्वर्ग के राज्य में सबसे बड़ होला।
5 जे हमरा नाम से अइसने एगो छोट बच्चा के ग्रहण करी, उ हमरा के ग्रहण करी।
6 लेकिन जे हमरा पर बिसवास करे वाला एह छोट-छोट लइका में से कवनो एक के ठेस पहुँचावे, ओकरा खातिर बेहतर होई कि ओकरा गर्दन में चक्की के पत्थर लटकावल जाव आ ओकरा के समुंदर के गहिराई में डूबा दिहल जाव।
7 अपराध के चलते दुनिया के हाय! काहे कि ई जरूरी बा कि अपराध आवे; बाकिर धिक्कार बा कि ऊ आदमी जेकरा से अपराध होला!
8 एह से अगर तोहार हाथ भा गोड़ तोहरा के ठेस पहुँचावेला त ओकरा के काट के फेंक दीं, तोहरा खातिर दू हाथ भा दू गो गोड़ अनन्त आग में फेंके से बेहतर बा कि रुक के भा अपंग होके जीवन में प्रवेश करीं।
9 अगर तोहार आँख तोहरा के दोष देत बा त ओकरा के उखाड़ के फेंक दीं, एकरा से बढ़िया बा कि तोहरा एक आँख से जीवन में प्रवेश करीं, ना कि नरक के आग में दुगो आँख होखे।
10 एह बात के ध्यान राखीं कि तू लोग एह छोट-छोट लइकन में से कवनो के तिरस्कार मत करीं। काहेकि हम तोहनी से कहत हई कि स्वर्ग में उनकर स्वर्गदूत हमेशा हमरा स्वर्ग में रहल पिता के चेहरा देखत रहेले।
11 काहेकि मनुष्य के बेटा जे हेराइल रहे ओकरा के बचावे खातिर आइल बा।
12 तू लोग कइसे सोचत बाड़ऽ? अगर केहू के लगे सौ भेड़ होखे आ ओहमें से एगो भटक गइल होखे त ऊ उननबे के छोड़ के पहाड़ पर जाके भटकल चीज के खोज ना करी?
13 अगर उ ओकरा के पावेला त हम तोहनी से सच कहत बानी कि उ उननब्बे भेड़ से जादे खुश होता जवन कि भटकल ना रहे।
14 एही तरे तोहनी के स्वर्ग में बाप के इ इच्छा नइखे कि एह छोट-छोट लइका में से कवनो एक के नाश हो जाव।
15 एकरा अलावा अगर तोहार भाई तोहरा खिलाफ अपराध करे त जाके ओकरा के तोहरा आ ओकरा बीच में ओकर गलती बताईं, अगर उ तोहार बात सुनत बा त तू अपना भाई के पा लेले बाड़ू।
16 लेकिन अगर उ तोहार बात ना सुनाई त अपना संगे एक-दुगो अवुरी ले जा, ताकि दु-तीन गवाह के मुंह से हर बात के पुष्टि हो सके।
17 अगर उ ओह लोग के बात सुने में कोताही करेला त कलीसिया के बताईं, लेकिन अगर उ कलीसिया के बात सुने में कोताही करेला त उ तोहरा खातिर एगो गैर-यहूदी आ करदाता निहन होखे।
18 हम तोहनी से सच कहत हई कि धरती पर जवन कुछ बान्हबऽ ऊ स्वर्ग में बान्हल जाई आ धरती पर जवन कुछ खोलबऽ ऊ स्वर्ग में ढीला हो जाई।
19 हम तोहनी से फेरु से कहत हई कि अगर तोहनी में से दू गो धरती पर कवनो बात के बारे में सहमत होखस जवन उ लोग माँगेला, त उ हमार स्वर्ग में रहल पिता के ओर से उ लोग के काम होई।
20 काहे कि जहाँ दू-तीन गो हमरा नाम से जुटल बाड़े, उहाँ हम ओह लोग के बीच में बानी।
21 पतरस ओकरा लगे आके कहलन, "हे प्रभु, हमार भाई हमरा पर कतना बेर पाप करी आ हम ओकरा के माफ कर देब? सात बेर तक के बा?
22 यीशु ओकरा से कहले, " हम तोहरा से सात बेर तक नईखी कहत, लेकिन सत्तर बार सात बेर तक कहत बानी।"
23 एही से स्वर्ग के राज्य के तुलना कवनो राजा से कइल गइल बा जवन अपना नौकरन के हिसाब लेत रहे।
24 जब उ हिसाब-किताब करे लगले त ओकरा लगे एगो आदमी के ले आवल गईल, जवना प दस हजार टोला के कर्जा रहे।
25 लेकिन जबसे ओकरा पईसा ना देवे के रहे, एहसे ओकर मालिक उनुका के अवुरी उनुकर पत्नी अवुरी बच्चा अवुरी उनुका लगे जवन कुछ रहे, ओकरा के बेच के पईसा देवे के आदेश देले।
26 उ नौकर गिर के उनकर आराधना कइलस आ कहलस, "प्रभु, हमरा साथे धैर्य राखऽ, हम तोहरा के सब कुछ चुका देब।"
27 तब ओह नौकर के मालिक के करुणा हो गइल आ ऊ ओकरा के ढीला कर दिहलन आ ओकर कर्जा माफ कर दिहलन.
28 लेकिन उहे नौकर निकल के एगो साथी नौकर के मिलल, जवना के सौ पेंस के कर्जा रहे, त उ ओकरा प हाथ डाल के ओकरा गला से पकड़ के कहलस कि, "हमरा जवन बकाया बा, उ हमरा के पईसा दिही।"
29 उनकर साथी नौकर उनकरा गोड़ पर गिर के उनकरा से निहोरा कइलस, "हमरा से धैर्य राखऽ, हम तोहरा सब के भुगतान कर देब।"
30 उ ना मनले, लेकिन जाके ओकरा के जेल में डाल दिहलस, जब तक कि उ कर्जा ना चुकावे।
31 जब उनकर साथी नौकर लोग बहुत दुखी होके अपना मालिक के सब कुछ बतवले|
32 तब ओकर मालिक ओकरा के बोलवला के बाद ओकरा से कहलस कि, हे दुष्ट सेवक, हम तोहरा के उ सब कर्जा माफ क देले बानी, काहेकी तू हमरा से चाहत रहलू|
33 का तोहरा भी अपना साथी दास पर दया ना करे के चाहत रहे, जइसे हम तोहरा पर दया करत रहनी?
34 ओकर मालिक क्रोधित होके ओकरा के सतावे वाला लोग के हाथ में सौंप दिहलस, जब तक कि ओकरा के जवन कुछ बकाया रहे, ओकरा के ना चुका दिहलस।

35 अइसहीं हमार स्वर्गीय पिता भी तोहनी के साथे करीहे, अगर रउआ सभे अपना भाई के आपन अपराध के मन से माफ ना करब।

अध्याय 19 के बा

1 जब ईसा ई बात पूरा कइलन त ऊ गलील से निकल के यरदन के ओह पार यहूदिया के इलाका में चल गइलन।
2 बहुत भीड़ उनकरा पीछे-पीछे चलल। आ उहाँ उ लोग के ठीक कर दिहलन।
3 फरीसियन भी उनकरा के परीक्षा में आके पूछले, "का आदमी के हर कारण से आपन मेहरारू के छोड़ल जायज बा?"
4 ऊ जवाब दिहलन, " का तू लोग नइखऽ पढ़ले कि जे शुरू में एह लोग के बनवले रहे, ऊ ओह लोग के नर-मारी बनवले रहे।
5 ऊ कहलस, "एही से आदमी बाप-माई के छोड़ के अपना मेहरारू से चिपक जाई आ दुनु एक शरीर हो जइहें?"
6 एही से अब उ लोग दुगो ना होके एक शरीर हो गईले। एही से जवन भगवान एक संगे जोड़ले बाड़े, ओकरा के आदमी अलग मत करे।
7 उ लोग ओकरा से पूछले, "तब मूसा काहे आज्ञा दिहलन कि तलाक के पत्र देके ओकरा के छोड़ दिहल जाव?
8 उ ओह लोग से कहलस, " तोहनी के दिल के कठोरता के चलते मूसा तोहनी के आपन मेहरारू के छोड़े के अनुमति देले रहले, लेकिन शुरू से अयीसन ना रहे।
9 हम तोहनी से कहत हई कि जे केहू अपना मेहरारू के छोड़ के व्यभिचार के चलते दोसरा से बियाह करी, उ व्यभिचार करी, आ जे ओकरा से बियाह करी, उ व्यभिचार करी।
10 उनकर चेला लोग उनकरा से कहलन, "जदि आदमी के मामला उनकर मेहरारू के साथे अइसन होखे त बियाह कइल ठीक नइखे।"
11 लेकिन उ ओ लोग से कहलस, " ई बात के सब लोग के ग्रहण नईखे कईल जा सकत, सिवाय उ लोग के जेकरा के इ बात दिहल गईल बा।
12 कुछ नपुंसक भी बाड़े, जवन कि अपना महतारी के पेट से अयीसन पैदा भईल बाड़े अवुरी कुछ नपुंसक बाड़े, जवन कि आदमी के नपुंसक बनवले बाड़े, अवुरी कुछ नपुंसक बाड़े, जवन कि स्वर्ग के राज्य खाती खुद के नपुंसक बना लेले बाड़े। जे एकरा के पावे में सक्षम बा, उ ओकरा के ग्रहण करे।
13 तब उनकरा लगे छोट-छोट लइका ले आवल गइलन कि ऊ ओह लोग पर हाथ डाल के प्रार्थना करस।
14 लेकिन यीशु कहले, " बच्चन के हमरा लगे आवे से मना दीं, काहेकि स्वर्ग के राज्य अइसने लोग के ह।"
15 ऊ ओह लोग पर हाथ रख के उहाँ से चल गइलन।
16 एक आदमी आके पूछलस, "गुरु जी, हम कवन अच्छा काम करब ताकि हमरा अनन्त जीवन मिल सके?
17 उ ओकरा से कहलस, " तू हमरा के अच्छा काहे कहत बाड़ू? एक आदमी के अलावा केहू अच्छा नइखे, माने कि परमेश्वर, लेकिन अगर तू जीवन में प्रवेश करे के चाहत बाड़ू त आज्ञा के पालन करीं।
18 उ ओकरा से पूछले, "कवन? ईसा कहले, तू हत्या मत करऽ, व्यभिचार मत करऽ, चोरी मत करऽ, झूठा गवाही मत देबऽ।
19 अपना बाप-माई के आदर करीं, आ अपना पड़ोसी से अपना जइसन प्यार करीं।
20 युवक ओकरा से कहलस, "हम जवानी से ही इ सब बात रखले बानी।
21 यीशु ओकरा से कहले, " अगर तू सिद्ध होखे के चाहत बाड़ू त जाके जवन बा ओकरा के बेच के गरीबन के दे दीं, त तोहरा स्वर्ग में खजाना हो जाई।
22 जब उ युवक इ बात सुन के दुखी होके चल गईल, काहेकी ओकरा लगे बहुत संपत्ति रहे।
23 तब यीशु अपना चेलन से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि अमीर आदमी के स्वर्ग के राज्य में प्रवेश मुश्किल से होई।"
24 हम तोहनी से फिर से कहत बानी कि ऊंट के सुई के आँख से गुजरल आसान बा, ना कि अमीर के परमेश्वर के राज्य में घुसल।
25 जब उनकर चेला लोग ई बात सुन के बहुत अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि, "तब केकरा के उद्धार हो सकेला?"
26 लेकिन यीशु ओह लोग के देख के कहलन, " मनुष्य खातिर ई असंभव बा। लेकिन भगवान के पास सब कुछ संभव बा।
27 पतरस जवाब दिहलन, "देखऽ, हमनी के सब कुछ छोड़ के तोहरा पीछे चल गइल बानी जा। एहसे हमनी के का होई?
28 यीशु ओह लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि तू लोग जे हमरा पीछे चलल बाड़ऽ, जब मनुष्य के बेटा अपना महिमा के सिंहासन पर बइठी, तोहनी भी बारह गो सिंहासन पर बइठ के बारह गो गोत्र के न्याय करबऽ इजरायल के ह।
29 जे भी हमरा नाम खातिर घर, भाई, बहिन, बाप, माई, मेहरारू, बच्चा, भा जमीन छोड़ देले बा, ओकरा सौ गुना मिल जाई आ ओकरा अनन्त जीवन के विरासत मिल जाई।
30 लेकिन बहुत लोग जे पहिले बाड़े, उ बाद में होईहे। आ आखिरी लोग पहिला होखी.

अध्याय 20 के बा

1 काहेकि स्वर्ग के राज्य एगो घर के मालिक निहन बा, जवन कि सबेरे-सबेरे निकल के अपना अंगूर के बगइचा में मजदूर के काम प राखे खाती निकलल रहे।
2 जब उ मजदूरन से रोज एक पइसा देवे के सहमति बनवले त उ लोग के अपना अंगूर के बगइचा में भेज देले।
3 ऊ तीसरा घंटा के करीब निकलल त देखलन कि बाजार में अउरी लोग बेकार खड़ा बाड़े।
4 ऊ लोग से कहलन कि; तू लोग भी अंगूर के बगइचा में जा, हम जवन भी सही बा, उहे देब। आ ऊ लोग अपना रास्ता पर चल गइल.
5 छठवाँ आ नौवां बजे फेरु से बाहर निकल के उहे काम कइलन।
6 लगभग एगारहवाँ बजे ऊ बाहर निकललन त दोसरा लोग के बेकार खड़ा देखलन आ कहलन कि तू लोग दिन भर बेकार काहे खड़ा बाड़ऽ?
7 उ लोग ओकरा से कहलस कि, काहेकि हमनी के केहु काम प नईखे रखले। उ लोग से कहलस, "तू भी अंगूर के बगइचा में जा। आ जवन भी सही बा, उहे मिल जाई।
8 जब साँझ हो गइल त अंगूर के बगइचा के मालिक अपना भंडारी से कहलन, "मजदूरन के बोला के आखिरी से लेके पहिला तक के किराया दे दीं।"
9 लगभग एगारहवाँ बजे जब ऊ लोग भाड़ा पर बइठल लोग आइल त हर आदमी के एक-एक पइसा मिल गइल।

10 जब पहिला लोग अइले त उ लोग सोचले कि उ लोग के
अउरी मिलित। आ ओही तरह से हर आदमी के एक पइसा
मिलत रहे।
11 जब उ लोग एकरा के पा के घर के मालिक के खिलाफ
बड़बड़ात रहले।
12 ऊ कहलन कि, "अंतिम लोग एक घंटा भर काम कइले बा,
आ तू ओह लोग के हमनी के बराबर बना देले बाड़ू, जवन दिन के
बोझ आ गर्मी उठा चुकल बा।"
13 लेकिन उ ओह लोग में से एगो के जवाब दिहलस, "मित्र, हम
तोहरा से कवनो गलती नईखी करत।
14 आपन जवन बा ओकरा के लेके चल जा, हम एह आखिरी के
देब, जइसे तोहरा के देब।
15 का हमरा आपन मन के काम करे के उचित नइखे? का
तोहार आँख बुरा ह, काहे कि हम भला बानी?
16 एही से बाद के लोग पहिले आ पहिलका बाद में होई, काहेकि
बहुत लोग के बोलावल जाला, लेकिन चुनल कम लोग।
17 यीशु यरूशलेम जात बारह चेलन के रास्ता में अलगा से लेके
कहलन|
18 देख, हम यरूशलेम में चढ़त बानी। आ आदमी के बेटा के
मुखिया याजक आ शास्त्री लोग के सोझा धोआ दिहल जाई आ ऊ
लोग ओकरा के मौत के सजा सुनाई।
19 ऊ ओकरा के गैर-यहूदी लोग के हाथ में सौंप दीहें कि ऊ
ओकरा के मजाक उड़ावे, कोड़ा मारे आ सूली पर चढ़ावे, आ
तीसरा दिन ऊ जी उठ जइहें।
20 तब जबदी के लइकन के महतारी अपना बेटा लोग के साथे
उनकर आराधना कइली आ उनकरा से कुछ बात के निहोरा
करत उनकरा लगे अइली।
21 ऊ ओकरा से पूछले, " तू का चाहत बाड़ू?" ऊ ओकरा से
कहली, "हमरा ई दुनु बेटा के एगो तोहरा दाहिना ओर आ
दोसरका बाईं ओर, तोहरा राज्य में बईठे के अनुमति दऽ."
22 लेकिन यीशु जवाब दिहलन, " तू लोग नइखऽ जानत कि तू
लोग का मांगत बाड़ऽ।" का रउवां ओह प्याला से पी सकेनी
जवना से हम पीब, आ जवना बपतिस्मा से हम बपतिस्मा लेले
बानी, ओकरा से बपतिस्मा ले सकेनी? उ लोग ओकरा से कहलस
कि हमनी के सक्षम बानी जा।
23 ऊ ओह लोग से कहलन कि, " तू लोग हमरा प्याला से पी के
हम जवना बपतिस्मा से बपतिस्मा लेले बानी, ओकरा से बपतिस्मा
लेबऽ, बाकिर हमरा दाहिना आ बांया ओर बईठल हमार ना ह,
बाकिर उहे होई जेकरा खातिर ई हमरा पिता के ओर से तइयार
कइल गइल बा।
24 ई बात सुन के दस लोग दुनु भाई पर नाराज हो गइलन।
25 लेकिन यीशु ओह लोग के अपना लगे बोलवले आ कहले, " तू
लोग जानत बाड़ऽ कि गैर-यहूदी लोग के प्रधान लोग ओह लोग
पर राज करेला आ बड़का लोग ओह लोग पर अधिकार करेला।
26 तोहनी के बीच अइसन ना होई, लेकिन जे भी तोहनी में से बड़
होखे के चाहत बा, उ तोहनी के सेवक बने।
27 जे भी तोहनी में प्रमुख बने के चाहत बा, उ तोहनी के सेवक
बने।
28 जइसे मनुष्य के बेटा सेवा करे खातिर ना आइल, बलुक सेवा
करे आ बहुत लोग के फिरौती के रूप में आपन जान देवे खातिर
आइल रहले।
29 जब ऊ लोग यरीहो से निकलल त बहुत भीड़ उनकरा पीछे-
पीछे चलल।
30 देख, रास्ता के किनारे बईठल दुगो आन्हर लोग यीशु के
गुजरत सुन के चिल्ला के कहलस, "हे प्रभु, हे दाऊद के बेटा,
हमनी पर दया करऽ।"
31 भीड़ ओ लोग के डांटत रहे काहे कि उ लोग चुप रह गईल
रहले, लेकिन उ लोग अवुरी जादे चिल्लात कहले कि, हे प्रभु, हे
दाऊद के बेटा, हमनी प दया कर।
32 यीशु एक जगह खड़ा होके ओह लोग के बोलवले आ कहले,
" तू लोग का चाहत बा कि हम तोहनी के साथे करीं?
33 उ लोग ओकरा से कहलस, "प्रभु, हमनी के आँख खुले।"
34 ईसा ओह लोग पर दया कइलन आ ओह लोग के आँख छू
लिहलन आ तुरते ओह लोग के आँख देखल गइल आ ऊ लोग
उनकर पीछे चल गइलन.

अध्याय 21 के बा

1 जब उ लोग यरूशलेम के नजदीक आके जैतून के पहाड़ पर
बेतफागे पहुंचले त यीशु के दुगो चेला भेजले।
2 ओह लोग से कहल, " अपना सोझा गाँव में जाके तुरते एगो
गदहा बान्हल आ ओकरा साथे एगो बछड़ा मिल जाई, ओकरा के
ढीला क के हमरा लगे ले आईं।
3 अगर केहू तोहनी से कुछ कहे त तू कहब कि प्रभु के ओह लोग
के जरूरत बा। आ तुरते ओह लोग के भेज दीहें.
4 ई सब एह से भइल कि ऊ बात पूरा होखे जवन भविष्यवक्ता के
कहल गइल रहे।
5 तू सियोन के बेटी से कहऽ कि देखऽ, तोहार राजा नम्र आ
गदहा के बछड़ा पर बइठल तोहरा लगे आवत बाड़न।
6 चेला लोग जाके यीशु के आज्ञा के मुताबिक काम कईले|
7 गदहा आ बछड़ा के लेके आके आपन कपड़ा पहिन के ओकरा
पर बइठा दिहलस।
8 बहुत बड़ भीड़ रास्ता में आपन कपड़ा पसार दिहलस। कुछ
लोग पेड़न के डाढ़ काट के रास्ता में भूसा से उड़ा दिहल।
9 ओकरा से पहिले आ ओकरा बाद के भीड़ चिल्ला के कहलस
कि, "दाऊद के बेटा के होसाना, प्रभु के नाम से आवे वाला धन्य
ह। सबसे ऊँच में होसाना के बा।
10 जब ऊ यरूशलेम में अइले त पूरा शहर के लोग खिसिया
गइल आ पूछल कि, "ई के ह?"
11 भीड़ कहलस, "ई गलील के नासरत के भविष्यवक्ता यीशु
हवें।"
12 यीशु परमेश्वर के मंदिर में जाके मंदिर में बेचे वाला आ खरीदे
वाला सब लोग के बाहर निकाल दिहलन आ पइसा बदले वाला
लोग के मेज आ कबूतर बेचे वाला लोग के आसन के उखाड़
दिहलन।
13 उ लोग से कहलस, " लिखाइल बा कि हमार घर के प्रार्थना के
घर कहल जाई। लेकिन तू लोग एकरा के चोर के मांद बना देले
बाड़ू।
14 आन्हर आ लंगड़ा मंदिर में उनकरा लगे अइले। आ ऊ ओह
लोग के ठीक कर दिहलन.
15 जब मुख्य याजक आ शास्त्री लोग उनकर अचरज के काम
देखले आ मंदिर में लइका लोग चिल्लात रहे आ कहत रहे कि,
"दाऊद के बेटा के होसाना हउअ।" उ लोग बहुत नाराज हो
गईले,
16 ऊ ओकरा से कहलस, "का तू सुनत बाड़ऽ कि ई लोग का
कहत बा? यीशु उनकरा से कहलन, "हँ; का तू कबो पढ़ले बाड़ू

कि, लइका-लइकी आ दूध पियावे वाला के मुँह से तू स्तुति सिद्ध कइले बाड़ऽ?
17 ऊ ओह लोग के छोड़ के शहर से बाहर बेथानी चल गइलन। आ ऊ ओहिजा ठहर गइलन.
18 सबेरे जब उ शहर में लवटत रहले त भूख लागल रहले।
19 रास्ता में अंजीर के पेड़ देख के ओकरा लगे अईले अवुरी ओकरा प सिर्फ पतई के अलावे कुछूओ ना मिलल अवुरी कहले कि, " आब से तोहरा प हमेशा खाती कवनो फल ना उगे।" आ फिलहाल अंजीर के पेड़ मुरझा गइल।
20 चेलन ई देख के अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि अंजीर के पेड़ केतना जल्दी मुरझा गइल बा!
21 यीशु जवाब दिहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि अगर तोहनी के विश्वास बा आ संदेह नइखे त तू खाली अंजीर के पेड़ के साथे कइल काम ना करबऽ, बल्कि अगर तू लोग एह पहाड़ से कहब कि हट जा।" , आ तू समुंदर में फेंक दिहल जा। ई काम हो जाई।
22 आउर बिसवास करत प्रार्थना में जवन कुछ भी माँगब, उ सब मिल जाई।
23 जब ऊ मंदिर में अइले त ऊ सिखावत घरी मुख्य याजक आ लोग के बुजुर्ग लोग उनका लगे आके पूछले, "तू कवना अधिकार से ई काम करत बाड़ऽ?" आ तोहरा के ई अधिकार के देले बा?
24 यीशु उ लोग से कहलन, " हमहूँ तोहनी से एगो बात पूछब कि अगर तू हमरा के बताइब त हम तोहनी के बता देब कि हम कवना अधिकार से इ काम करतानी।"
25 यूहन्ना के बपतिस्मा कहाँ से भइल? स्वर्ग से, कि आदमी के? उ लोग आपस में बतकही करत कहले कि, "अगर हमनी के कहब जा कि, 'स्वर्ग से आईल बा; ऊ हमनी से कहसु कि तब तोहनी ओकरा पर काहे ना बिसवास कइनी?
26 लेकिन अगर हमनी के कहब जा कि, "मनुष्य के; हमनी के जनता से डेरात बानी जा; काहेकि सब लोग यूहन्ना के भविष्यवक्ता के रूप में मानेला।
27 उ लोग यीशु के जवाब देके कहले, "हम नईखी बता सकत।" उ लोग से कहलस, " हम तोहनी के इ ना बतावत बानी कि हम कवना अधिकार से इ काम करतानी।"
28 लेकिन तोहनी के का लागत बा? एगो आदमी के दू गो बेटा भइल। ऊ पहिलका के लगे आके कहलस, "बेटा, आज हमरा अंगूर के बगइचा में काम करऽ।"
29 ऊ जवाब दिहलन, "हम ना चाहब, बाकिर ओकरा बाद ऊ पश्चाताप कइलन आ चल गइलन."
30 दूसरका के लगे जाके उहे कहलन। उ जवाब देले, "हम जाइले, मलिकार, लेकिन ना गईले।"
31 दुनो में से के अपना पिता के मर्जी के काम कईले? उ लोग ओकरा से कहलस कि, पहिला। यीशु उनकरा से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि कर लेवे वाला आ वेश्या तोहनी से पहिले परमेश्वर के राज्य में चल जालन।
32 काहेकि यूहन्ना तोहनी के लगे धार्मिकता के रास्ता से अइले, लेकिन तोहनी उनकरा पर विश्वास ना कईनी, लेकिन कर लेवे वाला आ वेश्या लोग उनकरा पर विश्वास कइल, आ रउवां एकरा के देख के बाद में पश्चाताप ना कइनी कि रउवां उनकरा पर विश्वास कर सकीं।
33 एगो अउरी दृष्टांत सुनीं कि एगो घर के मालिक अंगूर के बगइचा लगा के ओकरा के चारो ओर बेड़ लगा के ओकरा में दाख के चूहा खोद के एगो बुर्ज बनवले आ ओकरा के किसानन के देके दूर देश में चल गइल।
34 जब फल के समय नजदीक आ गइल त ऊ अपना नौकरन के किसानन के लगे भेज दिहलन कि ऊ लोग ओकर फल ले सके.
35 किसान लोग उनकर नौकरन के लेके एगो के पीटत एगो के मार दिहलस आ दूसरा के पत्थर मार दिहलस।
36 फेरु उ पहिला सेवक से जादा दोसर नौकर भेजले अवुरी उ लोग भी ओ लोग के संगे अयीसन कईले।
37 लेकिन आखिर में उ अपना बेटा के ओ लोग के लगे भेजले कि, उ लोग हमरा बेटा के आदर करीहे।
38 किसान लोग बेटा के देख के आपस में कहलस, "ई वारिस ह। आ जा, ओकरा के मार दीं आ ओकर विरासत पर कब्जा कर लीं।
39 उ लोग ओकरा के पकड़ के अंगूर के बगइचा से बाहर निकाल के मार देले।
40 जब अंगूर के बगइचा के मालिक अइहें त ऊ ओह किसानन के का करीहें?
41 ऊ लोग ओकरा से कहलस कि ऊ ओह दुष्टन के बुरा तरह से नाश कर दी आ आपन अंगूर के बगइचा दोसरा किसानन के दे दी, जवन ओकरा के अपना मौसम में फल दे दी.
42 यीशु उनकरा से कहलन, " का रउवां कबो पवित्रशास्त्र में ना पढ़ले बानी कि, "जवन पत्थर के निर्माण करे वाला लोग ठुकरा दिहले, उहे कोना के सिर बन गईल बा।"
43 एह से हम तोहनी से कहत बानी कि तोहनी से परमेश्वर के राज्य छीन के ओह राष्ट्र के दिहल जाई जवन ओकर फल पैदा करी।
44 जे एह पत्थर पर गिर जाई ऊ टूट जाई बाकिर जेकरा पर गिर जाई ऊ ओकरा के पीस के पाउडर बना दी.
45 जब मुख्य याजक आ फरीसियन उनकर दृष्टांत सुनले त उ लोग के पता चलल कि उ ओ लोग के बारे में कहत बाड़े।
46 लेकिन जब उ लोग उनकरा पर हाथ डाले के कोशिश कईले त उ लोग भीड़ से डेरा गईले, काहेकी उ लोग उनुका के भविष्यवक्ता मानत रहले।

अध्याय 22 के बा

1 यीशु जवाब देके फिर से दृष्टान्त से बोलले।
2 स्वर्ग के राज्य एगो राजा निहन बा, जवन अपना बेटा के बियाह कईले रहले।
3 बियाह में बोलावल गइल लोग के बोलावे खातिर आपन नौकरन के भेजले, लेकिन उ लोग ना आवे के चाहत रहले।
4 फेरु ऊ दूसर नौकरन के भेज के कहलन, "जे बोलावल गइल बा, ओकरा के बताईं कि देखऽ, हम आपन खाना तइयार कर लेले बानी, हमार बैल आ हमार मोट बच्चा मारल गइल बा आ सब कुछ तइयार हो गइल बा।
5 लेकिन उ लोग एकरा के हल्का क के एगो खेत में, दूसरा अपना व्यापार में चल गईले।
6 बाकी लोग उनकर नौकरन के लेके घृणा से विनती क के मार दिहलस।
7 राजा के ई बात सुन के ऊ गुस्सा में आ गइलन आ ऊ आपन सेना भेज के ओह हत्यारन के नष्ट कर दिहलन आ ओह लोग के शहर के जरा दिहलन.

8 तब उ अपना नौकरन से कहलस कि बियाह त तैयार हो गईल बा, लेकिन जवन लोग बोलावल गईल रहे उ लोग लायक ना रहे।
9 एह से तू लोग राजमार्ग पर जाके जेतना मिल जाई, ओकरा के बियाह के बोली लगाईं।
10 उ नौकर लोग राजमार्ग पर निकल के जेतना भी मिलल, ओकरा के बदमाश आ अच्छा के बटोर के बियाह में मेहमानन के व्यवस्था हो गईल।
11 राजा जब मेहमानन के देखे खातिर अंदर अइले त उहाँ एगो आदमी के देखले जवन बियाह के कपड़ा ना पहिनले रहे।
12 उ ओकरा से कहलस, "मित्र, तू बियाह के कपड़ा ना लेके इहाँ कईसे आईल? आ ऊ बेजुबान हो गइल रहले.
13 राजा नौकरन से कहले, "ओकरा के हाथ-गोड़ बान्ह के ले जाके बाहर के अन्हार में फेंक दीं। रोअल आ दाँत चीरहरण होई।
14 काहे कि बहुत लोग के बोलावल गइल बा, लेकिन बहुत कम लोग चुनल गइल बा।
15 तब फरीसी लोग जाके विचार कईले कि उ लोग ओकरा के बात में कइसे फँसा सकेले।
16 ऊ लोग हेरोदियन के साथे आपन चेलन के भेज के कहलस, "गुरु, हमनी के जानत बानी जा कि तू सच्चा हउअ आऊ सच्चाई से परमेश्वर के रास्ता सिखावत बाड़ू, आ तू केहू के परवाह ना करत बाड़ू, काहेकि तू आदमी के व्यक्ति के परवाह ना करत बाड़ू।"
17 एह से बताईं कि तोहरा का लागत बा? का सीजर के कर दिहल जायज बा कि ना?
18 लेकिन यीशु ओह लोग के दुष्टता के समझ के कहलन, " हे पाखंडी लोग, तू लोग हमरा के काहे परखत बाड़ऽ?
19 हमरा के कर के पईसा देखा द। उ लोग ओकरा लगे एक पईसा लेके अईले।
20 ऊ ओह लोग से पूछले, " ई मूर्ति आ उपर केकर ह?
21 उ लोग ओकरा से कहलस कि, "सीजर के ह।" तब ऊ ओह लोग से कहलन कि, " काइसर के जवन चीज बा ऊ कैसर के दे दीं। आ भगवान के उ चीज जवन परमेश्वर के ह।
22 इ बात सुन के उ लोग अचरज में पड़ गईले अवुरी उनुका के छोड़ के चल गईले।
23 ओही दिन सदुकी लोग उनकरा लगे अइले, जे कहत रहले कि जी उठला के कवनो बात नइखे आ उनसे पूछले।
24 "गुरु, मूसा कहले, "अगर कवनो आदमी मर जाव आ ओकरा लगे संतान नइखे त ओकर भाई अपना मेहरारू से बियाह कर के अपना भाई के संतान पैदा करी।"
25 हमनी के साथे सात भाई रहले, पहिला भाई जब एगो मेहरारू से बियाह क लेले रहले, उ मर गईल रहले अवुरी उनुकर कवनो बच्चा ना रहे, त उ अपना पत्नी के अपना भाई के लगे छोड़ देले रहले।
26 ओइसहीं दूसरका आ तीसरा सातवाँ तक।
27 आखिर में उ मेहरारू भी मर गईल।
28 एह से पुनरुत्थान के समय उ सातों में से केकर पत्नी होई? काहे कि ओह सब के लगे उ रहे।
29 यीशु जवाब दिहलन, " तू लोग गलती करत बाड़ऽ, ना ही पवित्रशास्त्र के ना जानत बाड़ऽ आ ना ही परमेश्वर के शक्ति के।
30 काहेकि पुनरुत्थान के समय उ लोग ना बियाह करीहे, ना बियाह में दिहल जाई, बालुक स्वर्ग में परमेश्वर के दूत निहन होईहे।
31 मुअल लोग के जी उठला के बारे में का रउवां उ बात नईखी पढ़ले जवन परमेश्वर रउवां से कहत रहले|
32 हम अब्राहम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर आ याकूब के परमेश्वर हईं? भगवान मुअल लोग के भगवान ना हवें, जिंदा लोग के भगवान हवें।
33 ई बात सुन के भीड़ उनकर शिक्षा पर अचरज में पड़ गइल।
34 जब फरीसियन के सुनल गइल कि ऊ सदुकी लोग के चुप करा दिहले बाड़न त ऊ लोग एकजुट हो गइलन.
35 तब ओह लोग में से एगो वकील रहलन, ओकरा से एगो सवाल पूछलस, ओकरा के परीक्षा में आके कहलस।
36 गुरु, व्यवस्था में कवन बड़हन आज्ञा बा?
37 यीशु ओकरा से कहलन, " तू अपना प्रभु परमेश्वर से पूरा मन से, पूरा प्राण से आ पूरा मन से प्रेम करीं।"
38 इहे पहिला आ बड़ आज्ञा ह।
39 दूसरका एकरा जइसन बा कि तू अपना पड़ोसी से अपना जइसन प्रेम करीं।
40 एह दुनो आज्ञा पर सब व्यवस्था आ भविष्यवक्ता लोग लटकल बा।
41 जब फरीसियन एकट्ठा भइले त यीशु ओह लोग से पूछले।
42 ऊ कहलन कि मसीह के बारे में तोहनी के का विचार बा? ऊ केकर लइका ह? उ लोग ओकरा से कहलस कि दाऊद के बेटा ह।
43 ऊ ओह लोग से कहलस, " तब दाऊद ओकरा के कइसे प्रभु कहत बाड़न।
44 परमेस् वर हमरा प्रभु से कहलन, "तू हमरा दाहिना ओर बईठ जा, जब तक हम तोहार दुश्मनन के तोहार गोड़ के ठेहुना ना बना देब?"
45 अगर दाऊद ओकरा के प्रभु कहत बाड़े त उ उनुकर बेटा कईसे होई?
46 केहू ओकरा के एक बात के जवाब ना दे पावल आ ना ही केहू के हिम्मत भइल कि ऊ ओकरा से अउरी कवनो सवाल पूछे।

अध्याय 23 के बा

1 तब यीशु भीड़ आउर अपना चेलन से बात कइलन।
2 ऊ कहलन कि शास्त्री आ फरीसियन मूसा के आसन पर बइठल बाड़े।
3 एह से उ लोग जवन भी बात के पालन करे के कहत बा, उ सब पालन करीं आ पूरा करीं। लेकिन तू लोग ओह लोग के काम के अनुसरण मत करीं, काहेकि उ लोग कहेला, लेकिन ना करेला।
4 काहे कि ऊ लोग भारी बोझ आ बोझ उठावे वाला बोझ के बान्ह के आदमी के कंधा पर रखेला। बाकिर ऊ लोग खुदे ओह लोग के एक अँगुरी से ना हिला दीहें.
5 लेकिन उ लोग आपन सब काम आदमी के देखे खातिर करेले, उ लोग अपना कपड़ा के चौड़ा करेले अवुरी अपना कपड़ा के सीमा के बड़ करेले।
6 भोज-भात में सबसे ऊपर के कमरा आ सभाघर में मुख्य आसन से प्यार करीं।
7 बाजारन में नमस्कार कइल जाला आ आदमी के "रब्बी, रब्बी" कहल जाला।
8 लेकिन तोहनी के रब्बी मत कहल जाव, काहेकि तोहनी के गुरु एके हउवें, उहे मसीह हउवें। आ तू सभे भाई हउअ।

9 आऊ धरती पर केहू के आपन बाप मत कहऽ, काहेकि तोहार पिता स्वर्ग में एके हउवें।
10 तोहनी के मालिक ना कहल जाव, काहेकि तोहनी के गुरु एके हउवें, उहे मसीह हउवें।
11 लेकिन जे तोहनी में से बड़ बा, उ तोहनी के सेवक होई।
12 जे केहू अपना के ऊँच करी, ओकरा के नीचा देखावल जाई। आ जे अपना के नम्र करी, ऊ ऊँच हो जाई।
13 लेकिन धिक्कार बा, हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग! काहे कि तू लोग स्वर्ग के राज्य के आदमी के खिलाफ बंद कर देत बाड़ऽ, काहे कि तू लोग ना त खुदे जाइबऽ आ ना ही प्रवेश करे वाला लोग के भीतर जाए देत बाड़ऽ।
14 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग विधवा लोग के घर खात बाड़ऽ आ ढोंग खातिर लमहर प्रार्थना करत बाड़ऽ, एही से तोहनी के बड़हन सजा मिल जाई।
15 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग एगो धर्म परिवर्तन करे खातिर समुंदर आ जमीन के चक्कर लगावत बाड़ आ जब ऊ बन जाला त ओकरा के अपना से दुगुना नरक के संतान बना देत बाड़ऽ.
16 हे आन्हर मार्गदर्शक लोग, धिक्कार बा, जे कहत बा कि जे मंदिर के कसम खाला, उ कुछुओ ना ह। लेकिन जे मंदिर के सोना के कसम खाला, उ कर्जदार बा!
17 हे मूर्ख आ आन्हर लोग, काहे कि सोना के पवित्र करे वाला मंदिर का बड़ बा?
18 आऊ, "जे वेदी के कसम खाला, उ कुछुओ ना ह।" लेकिन जे केहू ओकरा पर मिलल वरदान के कसम खाला, उ दोषी बा।
19 हे मूर्ख आ आन्हर लोग, काहे कि वरदान के पवित्र करे वाला वेदी के बड़हन बा?
20 एह से जे वेदी के कसम खाला, उ ओकरा आ ओकरा पर मौजूद सब चीजन के किरिया खाला।
21 जे मंदिर के किरिया खाला, उ ओकरा आ ओकरा में रहे वाला के किरिया खाला।
22 जे स्वर्ग के किरिया खाला, उ परमेश्वर के सिंहासन आ ओकरा पर बइठल के किरिया खाला।
23 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग पुदीना, सौंफ आ जीरा के दसवां हिस्सा देत बाड़ऽ आ व्यवस्था के वजनदार बात, न्याय, दया आ विश्वास के छोड़ देले बानी, ई काम तोहनी के करे के चाहत रहे आ दोसरा के ना छोड़े के चाहत रहे।
24 हे आन्हर मार्गदर्शक लोग, जे चीर के तनाव में आवेला आ ऊंट के निगल जाला।
25 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग प्याला आ थाली के बाहरी हिस्सा के साफ कर देत बाड़ऽ, बाकिर भीतर के हिस्सा लूटपाट आ अति से भरल बा।
26 हे आन्हर फरीसी, पहिले प्याला आ थाली के भीतर के चीज के साफ कर, ताकि ओकर बाहरी हिस्सा भी साफ हो सके।
27 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग सफेद कब्र निहन बाड़, जवन बाहर से सुंदर देखाई देवेला, लेकिन भीतर मरेवाला के हड्डी अवुरी अशुद्धता से भरल बा।
28 ओइसहीं तू लोग भी बाहरी रूप से आदमी के सामने धर्मी लउकत बाड़ू, लेकिन भीतर से तोहनी पाखंड आ अधर्म से भरल बानी।
29 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग भविष्यवक्ता लोग के कब्र बनावे आ धर्मी लोग के कब्र के सजावे।
30 आ कहऽ कि अगर हमनी के अपना पुरखन के जमाना में रहतीं जा त हमनी के ओह लोग के साथे भविष्यवक्ता लोग के खून में भाग ना लेले रहतीं जा।
31 एही से तू अपना के गवाह बनीं कि तू लोग भविष्यवक्ता के हत्या करे वाला लोग के संतान हउअ।
32 तब तू लोग अपना पुरखन के नाप भरऽ।
33 हे साँप, हे साँप के पीढ़ी, नरक के दण्ड से कइसे बची?
34 एही से देखऽ, हम तोहनी के लगे भविष्यवक्ता, ज्ञानी आ शास्त्री लोग भेजत बानी, आ ओहमें से कुछ लोग के मार के सूली पर चढ़ा देब। आराधनालय में ओह लोग में से कुछ लोग के कोड़ा मारब आ शहर-नगर में सतावब।
35 ताकि तोहनी पर धरती पर बहावल सब धर्मी खून आवे, धर्मी हाबिल के खून से लेके बराकिया के बेटा जकरयाह के खून तक, जेकरा के तू मंदिर आ वेदी के बीच में मारले रहलू।
36 हम तोहनी से सच कहत हईं कि इ सब बात एह पीढ़ी पर आई।
37 हे यरूशलेम, यरूशलेम, हे भविष्यवक्ता लोग के मारे वाला आ तोहरा लगे भेजल गइल लोग के पत्थर मारे वाला, हम केतना बेर तोहार लइकन के एकट्ठा कर लेतीं जइसे मुर्गी अपना मुर्गी के अपना पाँख के नीचे बटोरेले, आ तू ना चाहत रहलू!
38 देखऽ, तोहार घर तोहरा खातिर उजाड़ छोड़ दिहल गइल बा।
39 काहेकि हम तोहनी से कहत हईं कि जब तक तू लोग ना कहब कि, "प्रभु के नाम से आवे वाला धन्य बा।"

अध्याय 24 के बा

1 यीशु मंदिर से निकल के चल गइलन आ उनकर चेला लोग मंदिर के इमारतन के बारे में बतावे खातिर उनकरा लगे अइले।
2 यीशु उनकरा से कहलन, " तू इ सब बात नइखी देखत? हम तोहनी से सच कहत हईं कि इहाँ एक पत्थर पर एक पत्थर ना रह जाई जवन ना गिरावल जाई।
3 जब उ जैतून के पहाड़ प बईठल रहले, त चेला लोग एकांत में उनुका लगे पहुंचले अवुरी पूछले, "बताव कि इ सब कब होई? आ तोहरा आवे के आ दुनिया के अंत के कवन निशानी होई?
4 यीशु जवाब दिहलन, " सावधान रहऽ कि केहू तोहनी के धोखा ना देवे।"
5 काहे कि बहुत लोग हमरा नाम से आके कहत होई कि हम मसीह हईं। आ बहुत लोग के धोखा दिही।
6 तू लोग युद्ध आ युद्ध के अफवाह सुनब, देखत रहब कि तू लोग घबरा मत, काहेकि ई सब बात होखे के चाहीं, लेकिन अंत अभी नइखे भइल।
7 काहेकि एगो राष्ट्र राष्ट्र के खिलाफ, राज्य के खिलाफ राज्य के खिलाफ उठी, आ अलग-अलग जगह पर अकाल, महामारी आ भूकंप आ जाई।
8 ई सब दुख के शुरुआत ह।
9 तब उ लोग तोहनी के दुखी होखे खातिर सौंप के मार दिहे, आ हमरा नाम के चलते तोहनी के सब जाति से नफरत होई।
10 तब बहुत लोग ठेस लागी आ एक दूसरा के धोखा दिही आ एक दूसरा से नफरत करी।

11 कई गो झूठा भविष्यवक्ता उठिहें आ बहुत लोग के धोखा दिहें।
12 अधर्म के भरमार होखे के चलते बहुत लोग के प्रेम ठंडा हो जाई।
13 लेकिन जे अंत तक सहन करी, उहे उद्धार होई।
14 राज्य के इ सुसमाचार पूरा दुनिया में प्रचारित होई, जवन कि सब जाति के गवाही के रूप में होई। आ तब अंत आ जाई।
15 जब तू लोग उजाड़ के घिनौना चीज के पवित्र स्थान में खड़ा देखब।
16 तब यहूदिया के लोग पहाड़ पर भाग जास।
17 जे घर के चोटी पर बा, उ अपना घर से कवनो चीज निकाले खातिर ना उतरे।
18 आ जे खेत में बा, उ आपन कपड़ा लेबे खातिर वापस ना लवट के आवे।
19 ओह दिन में गर्भवती आ दूध पियावे वाला के हाय!
20 लेकिन प्रार्थना करीं कि तोहार भागल जाड़ा में ना होखे आ ना सब्त के दिन।
21 काहे कि तब बहुत बड़ संकट आई जवन दुनिया के शुरुआत से लेके अब तक ना रहे, ना कबो ना होई।
22 जब तक उ दिन छोट ना होई, तब तक कवनो शरीर के बचाव ना होई, लेकिन चुनल लोग के खातिर उ दिन छोट हो जाई।
23 तब अगर केहू तोहनी से कहे कि देखऽ, मसीह इहाँ बाड़े भा उहाँ बाड़े। एकरा पर विश्वास ना करीं.
24 काहे कि उहाँ झूठा मसीह आ झूठा भविष्यवक्ता उठिहें आ बड़का चमत्कार आ चमत्कार करीहें। एतना कि अगर संभव होखे त उ लोग बहुत चुनल लोग के धोखा दे दिहे।
25 देखऽ, हम तोहके पहिले बता चुकल बानी।
26 एह से अगर उ लोग तोहनी से कहस कि देखऽ, उ रेगिस्तान में बा। बाहर मत जा, देखऽ, ऊ गुप्त कोठरी में बा। एकरा पर विश्वास ना करीं.
27 जइसे पूरब से बिजली निकल के पश्चिम तक चमकेला। आदमी के बेटा के आवे के समय भी ओइसने होई।
28 काहे कि जहाँ भी लाश होई, उहाँ चील एकट्ठा हो जइहें।
29 ओह दिन के संकट के तुरंत बाद सूरज अन्हार हो जाई आ चाँद आपन रोशनी ना दिही आ तारा आकाश से गिर जाई आ आकाश के शक्ति हिल जाई।
30 तब स्वर्ग में मनुष्य के बेटा के चिन्ह देखाई दिही, तब धरती के सब गोत्र शोक करीहे अवुरी आदमी के बेटा के स्वर्ग के बादल में शक्ति अवुरी बहुत महिमा के संगे आवत देखाई दिहे।
31 ऊ अपना स्वर्गदूतन के तुरही के तेज आवाज लेके भेज दिहें आ ऊ लोग चारो हवा से लेके स्वर्ग के एक छोर से दूसरा छोर तक उनकर चुनल लोग के एकट्ठा करीहें।
32 अब अंजीर के पेड़ के एगो दृष्टांत सीखीं। जब ओकर डाढ़ अबहीं कोमल हो जाला आ पतई निकलेला त तू लोग जानत होखब कि गर्मी नजदीक आ गइल बा।
33 ओइसहीं जब तू लोग ई सब देखब त जान लीं कि ई दुआर पर भी नजदीक बा।
34 हम तोहनी से सच कहत हई कि जब तक इ सब बात पूरा ना हो जाई तब तक इ पीढ़ी ना बीत पाई।
35 आकाश आ धरती खतम हो जाई, लेकिन हमार बात ना खतम होई।
36 लेकिन ओह दिन आ घड़ी के बारे में केहू ना जानत बा, ना स्वर्ग के स्वर्गदूत, खाली हमार पिता के छोड़ के।
37 लेकिन जइसे नूह के दिन रहे, ओइसहीं आदमी के बेटा के आवे के समय भी होई।
38 काहे कि जलप्रलय से पहिले के दिन में जब तक नूह जहाज में ना घुसल, तब तक उ लोग खात-पीयत, बियाह करत अवुरी बियाह करत रहले।
39 जबले बाढ़ ना आइल आ सबके ना ले गइल तबले ऊ ना जानत रहलन. आदमी के बेटा के आवे के समय भी ओइसने होई।
40 तब दू गो खेत में होखीहें। एक के ले जाइल जाई आ दोसरका छोड़ दिहल जाई.
41 दू गो मेहरारू चक्की में पीसत रहीहें। एक के ले जाइल जाई आ दोसरका छोड़ दिहल जाई.
42 एही से जागल रहीं, काहेकि तोहनी के पता नइखे कि तोहनी के प्रभु कवना समय अइहें।
43 लेकिन इ जान लीं कि अगर घर के मालिक के मालूम रहित कि चोर कवना घड़ी आई, त उ जागल रहित अवुरी अपना घर के तोड़े ना देत।
44 एही से तू भी तइयार रहीं, काहेकि जवना समय तोहनी के ना लागेला, मनुख के बेटा आवे वाला हव।
45 त एगो विश्वासी आ बुद्धिमान सेवक के ह, जेकरा के ओकर मालिक अपना घर के मालिक बना के समय पर खाना देवे?
46 धन्य बा ऊ नौकर जे ओकर मालिक अइला पर अइसन करत पाई।
47 हम तोहनी से सच कहत हई कि उ ओकरा के अपना सब संपत्ति के मालिक बना दिहे।
48 लेकिन अगर उ दुष्ट सेवक मन में कहे कि, 'हमार मालिक अपना आवे में देरी करतारे।'
49 ऊ अपना साथी नौकरन के मारे लागी आ नशा में धुत्त लोग के साथे खाए-पीये लागी।
50 ओह नौकर के मालिक ओह दिन में अइहें जब ऊ ओकरा के इंतजार ना करी आ ओह घरी जवना के बारे में ओकरा मालूम ना होखे.
51 ओकरा के काट के पाखंडी लोग के साथे ओकर हिस्सा दे दी, उहाँ रोवे आ दाँत चीरहरण होई।

अध्याय 25 के बा

1 तब स्वर्ग के राज्य के तुलना दस गो कुंवारी से कइल जाई जवन आपन दीया लेके दूल्हा से मिले निकलल रहली।
2 ओहमें से पाँच गो बुद्धिमान आ पाँच गो मूर्ख रहले.
3 मूर्ख लोग आपन दीया लेके चलल आ तेल ना लेके चलल|
4 लेकिन ज्ञानी लोग अपना दीया के साथे अपना बर्तन में तेल लेके चल गईले।
5 जब तक दूल्हा देरी करत रहले, त सब लोग सुत गईले अवुरी सुत गईले।
6 आधा रात के एगो चिल्लाहट भइल कि देखऽ, दूल्हा आवत बा। तू लोग ओकरा से मिले खातिर निकल जा।
7 तब ऊ सब कुंवारी उठ के आपन दीया के छंटनी कइली।
8 मूर्ख लोग ज्ञानी लोग से कहलस कि हमनी के आपन तेल दे दऽ। काहे कि हमनी के दीया बुझ गइल बा।
9 लेकिन बुद्धिमान लोग जवाब दिहलस, "अइसन ना; कहीं हमनी आ तोहनी खातिर कुछ ना होखे, बलुक बेचे वाला लोग के लगे जाके अपना खातिर खरीद लीं।

10 जब उ लोग खरीदे जात रहले त दूल्हा आ गईले। तैयार लोग उनकरा साथे बियाह में घुस गइलन आ दरवाजा बंद हो गइल।
11 ओकरा बाद बाकी कुंवारी लोग भी आके कहलस, "प्रभु, प्रभु, हमनी के सामने खोल दऽ।"
12 लेकिन उ जवाब देले, "हम तोहनी से सच कहत हई कि हम तोहनी के नईखी जानत।"
13 एही से जागल रहीं, काहेकि तू लोग नइखऽ जानत कि मनुष्य के बेटा कवना दिन आवेला, ना कउन घड़ी।
14 काहे कि स्वर्ग के राज्य ओइसन बा जइसे कवनो आदमी दूर देश में जाके अपना नौकरन के बोला के आपन संपत्ति ओह लोग के सौंप दिहलस।
15 एक के पांच तोला, दूसर के दू आ दोसरा के एक तोरा देले। हर आदमी के ओकर कई क्षमता के हिसाब से दिहल जाला; आ सीधे आपन सफर तय कर लिहले.
16 जेकरा बाद पांच तोरा मिलल रहे, उ जाके ओही से व्यापार कईलस अवुरी पांच तोला अवुरी बना देलस।
17 ओइसहीं जे दू गो मिलल रहे ओकरा दू गो अउरी मिलल।
18 लेकिन जे एक पईसा मिलल रहे, उ जाके धरती खोद के अपना मालिक के पईसा छिपा लेलस।
19 बहुत दिन बाद ओह नौकरन के मालिक आके ओह लोग के हिसाब लगावेले।
20 एही से जे पांच तोला मिलल रहे, उ आके पांच तोला अउरी ले के कहलस, "हे प्रभु, तू हमरा के पांच तोला सौंप देले बाड़ू।
21 ओकर मालिक ओकरा से कहलस, "हे अच्छा आ विश्वासी सेवक, अच्छा काम कइलस, तू कुछ चीजन पर वफादार रहलू, हम तोहरा के बहुत कुछ पर शासक बना देब, तू अपना मालिक के आनन्द में घुस जा।"
22 ऊ दू तोरा भी मिलल आ कहलस, "हे प्रभु, तू हमरा के दू तोरा सौंप देले बाड़ऽ।
23 ओकर मालिक ओकरा से कहलस, "हे अच्छा आ विश्वासी सेवक, अच्छा काम करऽ। तू कुछ बात पर वफादार रहलू, हम तोहरा के बहुत कुछ पर शासक बना देब, तू अपना मालिक के आनन्द में घुस जा।
24 एक टैलेंट लेबे वाला आके कहलस, "हे प्रभु, हम तोहरा के जानत रहनी कि तू कठोर आदमी हउअ, जहाँ तू ना बोअले बाड़ऽ, उहाँ काटत बाड़ऽ आ जहाँ तू भूसा ना खइले बाड़ऽ, उहाँ बटोरत बाड़ऽ।
25 हम डेरा गइनी आ जाके तोहार टैलेंट धरती में छिपा देनी।
26 ओकर मालिक जवाब दिहलन, "तू दुष्ट आ आलसी सेवक, तू जानत रहलू कि हम जहाँ बोअले ना उहाँ फसल काटत बानी आ जहाँ भूसा ना खइले बानी उहाँ बटोरत बानी।
27 एह से तोहरा हमार पईसा विनिमय करे वाला लोग के लगे देवे के चाहत रहे, तब हमरा आवे के समय हमरा आपन पईसा सूद के संगे मिल जाए के चाही।
28 एही से ओकरा से तोरा लेके जेकरा लगे दस तोरा बा ओकरा के दे दीं।
29 जेकरा लगे बा ओकरा के बहुत कुछ दिहल जाई, लेकिन जेकरा लगे नइखे ओकरा से उहो छीन लिहल जाई।
30 तू लोग बेमतलब के नौकर के बाहरी अन्हार में फेंक दऽ, उहाँ रोवे आ दाँत चीरहरण होई।
31 जब मनुष्य के बेटा अपना महिमा में आ सब पवित्र स्वर्गदूत ओकरा साथे अइहें त ऊ अपना महिमा के सिंहासन पर बइठ जइहें।
32 ओकरा सोझा सब जाति एकट्ठा हो जइहें आ ऊ ओह लोग के एक दोसरा से अलगा कर दीहें जइसे चरवाहा अपना भेड़न के बकरी से अलगा कर देला.
33 ऊ भेड़न के अपना दाहिना ओर रखिहें आ बकरी के बाईं ओर।
34 तब राजा अपना दाहिना ओर के लोग से कहसु कि, "हे हमार पिता के आशीषी लोग, आ जा, दुनिया के सृष्टि से ही तोहनी खातिर तइयार कइल गइल राज्य के उत्तराधिकारी हो लीं।
35 काहे कि हम भूखल रहनी आ तू हमरा के खाना देनी, हम प्यासल रहनी आ तू हमरा के पी दिहनी।
36 नंगा आ तू हमरा के कपड़ा पहिनले रहलू, हम बेमार रहनी, आ तू हमरा से भेंट करत रहलू, हम जेल में रहनी आ तू हमरा लगे आवत रहलू।
37 तब धर्मी लोग ओकरा के जवाब दिहे कि, "हे प्रभु, हम तोहरा के कब भूखल देखनी अवुरी तोहरा के खाना खियावनी? भा प्यासल होके तोहरा के पियले बा?
38 हम तोहरा के कब परदेशी देख के तोहरा के घर में ले गईनी? भा नंगा, आ तोहरा के कपड़ा पहिनले?
39 हम तोहरा के कब बेमार भा जेल में देख के तोहरा लगे अइनी?
40 राजा जवाब दिहे, "हम तोहनी से सच कहत बानी कि तू लोग हमरा एह छोट भाई में से कवनो एक भाई के साथे ई काम कइले बाड़ऽ, हमरा साथे भी ई काम कइले बाड़ऽ।"
41 तब ऊ बाईं ओर के लोग से भी कहसु, "हे शापित लोग, हमरा से दूर होके, शैतान आउर ओकर दूत खातिर तइयार अनन्त आग में चल जा।
42 काहे कि हम भूखल रहनी आ तू हमरा के खाना ना देहनी, हम प्यासल रहनी आ तू हमरा के ना पियले रहलू।
43 हम परदेसी रहनी, तू लोग हमरा के नंगा ना लेहनी, आऊ हमरा के कपड़ा ना पहिनले रहलू, बेमार आ जेल में रहनी, लेकिन तू लोग हमरा के घर में ना लेहनी।
44 तब उ लोग भी जवाब दीहें कि, "हे प्रभु, हमनी के तोहरा के कब भूखल, प्यासल, भा परदेशी, नंगा, भा बेमार, भा जेल में देखले रहनी जा आ तोहार सेवा ना कईनी जा?
45 तब ऊ ओह लोग के जवाब दीहें, "हम तोहनी से सच कहत बानी कि तू लोग एहमें से कवनो छोटका के साथे ना कइनी, हमरा साथे ना कइनी।"
46 ई लोग अनन्त सजा में चल जाई, लेकिन धर्मी लोग अनन्त जीवन में चल जाई।

अध्याय 26 के बा

1 जब ईसा ई सब बात पूरा कइलन त ऊ अपना चेलन से कहलन।
2 तू लोग जानत बाड़ऽ कि दू दिन बाद फसह के परब होला आ आदमी के बेटा के सूली पर चढ़ावे खातिर धोखा दिहल जाला।
3 तब मुख्य याजक, शास्त्री आउर लोग के बुजुर्ग लोग महायाजक के महल में जुट गईले, जेकर नाम काइफा रहे।
4 उ लोग ईसा के चालबाजी से पकड़ के मार देवे खातिर विचार कईले।
5 लेकिन उ लोग कहले, "पब के दिन ना, कहीं लोग के बीच हंगामा मत होखे।"
6 जब यीशु बेथानी में शिमोन कोढ़ी के घर में रहले।

7 एगो मेहरारू उनकरा लगे बहुत कीमती मरहम के अलबास्टर के डिब्बा लेके आके उनकर माथा पर डाल दिहली जब उ खाना खात रहले।
8 जब उनकर चेला लोग ई देख के गुस्सा में आके कहलन कि, "ई कवना काम खातिर बेकार हो रहल बा?"
9 काहेकि इ मरहम बहुत में बेच के गरीबन के दिहल जा सकत रहे।
10 जब यीशु ई बात समझ गइलन त उ लोग से कहलन, " तू लोग ओह औरत के काहे परेशान करत बाड़ऽ? काहे कि ऊ हमरा पर एगो बढ़िया काम कइले बाड़ी.
11 काहेकि तोहनी के साथे गरीब लोग हमेशा रहेला। लेकिन हमरा के तोहनी के हमेशा ना रहे।
12 काहेकि उ हमरा देह पर इ मरहम डाल के हमरा दफनावे खातिर कइली।
13 हम तोहनी से सच कहत हईं कि जहाँ भी इ सुसमाचार के प्रचार पूरा दुनिया में होई, उहाँ इ बात भी बतावल जाई जवन इ महिला कईले बिया, ओकरा याद में कहल जाई।
14 बारह में से एगो यहूदा इस्करियोती नाम के एगो मुख्य याजक के लगे गईल।
15 उ लोग से कहलस, "तू हमरा के का देब आ हम ओकरा के तोहनी के सौंप देब? उ लोग ओकरा से तीस चांदी के टुकड़ा के वादा कईले।
16 तब से उ ओकरा के धोखा देवे के मौका खोजत रहले।
17 बिना खमीर रोटी के पर्व के पहिला दिन चेला लोग यीशु से पूछले, "तू कहाँ चाहत बाड़ कि हम तोहरा खातिर फसह के परब के खाना खाए खातिर तैयार करीं?
18 ऊ कहलन, " अइसन आदमी के लगे शहर में जाके ओकरा से कहऽ कि गुरु कहत बाड़न कि हमार समय आ गइल बा। हम अपना चेलन के साथे तोहरा घर में फसह के पर्व मनावेब।
19 चेला लोग उहे कइल जवन यीशु के नियुक्ति कइले रहले। उ लोग फसह के परब के तैयारी कईले।
20 जब साँझ हो गइल त ऊ बारह गो के साथे बइठ गइलन।
21 जब उ लोग खाना खात रहले त उ कहले, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि तोहनी में से केहु हमरा के धोखा दे दिही।"
22 ऊ लोग बहुते दुखी होके हर केहू ओकरा से कहे लागल कि, "प्रभु, का हम हईं?"
23 ऊ जवाब दिहलन, " जे हमरा साथे पकवान में हाथ डुबावेला, उहे हमरा के धोखा दिही।"
24 आदमी के बेटा ओइसहीं चलत बा जइसे ओकरा बारे में लिखल बा, बाकिर हाय ऊ आदमी पर जेकरा द्वारा मनुष्य के बेटा के धोखा दिहल गइल बा! ओह आदमी खातिर बढ़िया रहित अगर ऊ जनम ना लिहले रहित.
25 तब ओकरा के धोखा देवे वाला यहूदा कहलस, "गुरु, का हम हईं?" उ ओकरा से कहलस, तू कहले बाड़ू।
26 जब उ लोग खाना खात रहले त यीशु रोटी लेके आशीष देले अवुरी ओकरा के तोड़ के चेलन के देले अवुरी कहले, " ले जा, खा लीं। ई हमार देह ह।
27 ऊ प्याला लेके धन्यवाद देत कहलन कि, " तू सभे एकरा के पी लीं।
28 काहे कि ई हमार नया नियम के खून ह जवन पाप के माफी खातिर बहुत लोग खातिर बहावल गइल बा।
29 लेकिन हम तोहनी से कहत हईं कि हम अब से एह बेल के फल के तब तक ना पीब, जब तक कि हम अपना पिता के राज्य में तोहनी के संगे एकरा के नया ना पीब।
30 ऊ लोग एगो भजन गा के जैतून के पहाड़ पर निकल गइलन।
31 तब यीशु उनकरा से कहलन, " आज रात तू सब हमरा से त्रस्त होखब, काहेकि लिखल बा कि हम चरवाहा के मार देब आ भेड़ के भेड़ बिखर जाईब।"
32 लेकिन हम जी उठला के बाद तोहनी से पहिले गलील में चल जाईब।
33 पतरस जवाब दिहलन, "भले सब लोग तोहरा से नाराज हो जाव, लेकिन हम कबो नाराज ना होखब।"
34 यीशु ओकरा से कहलन, " हम तोहरा से सच कहत बानी कि आज रात में मुर्गा बाजला से पहिले तू हमरा से तीन बेर इनकार करऽ।"
35 पतरस ओकरा से कहलन, "हम तोहरा साथे मरब तबो तोहरा से इनकार ना करब।" ओइसहीं सब चेला लोग भी कहले।
36 तब यीशु ओह लोग के साथे गेटसमनी नाम के जगह पर अइले आ चेलन से कहलन कि जबले हम ओहिजा जाके प्रार्थना करीं तबले तू लोग इहाँ बईठ जा।
37 उ पतरस आ जबदी के दुनो बेटा के अपना संगे लेके गईले अवुरी दुखी अवुरी बहुत भारी होखे लगले।
38 तब ऊ ओह लोग से कहलस, " हमार आत्मा बहुत दुखी बा, मौत तक।
39 ऊ तनी आगे बढ़ के मुंह पर गिर के प्रार्थना कइलन कि, " हे हमार पिता, अगर संभव होखे त ई प्याला हमरा से चले दीं।
40 ऊ चेलन के लगे अइले आ ओह लोग के सुतल देखलन आ पतरस से पूछले, " का, तू लोग हमरा साथे एक घंटा भी जागल ना रह पवनी?"
41 जागल आ प्रार्थना करीं कि तू लोग परीक्षा में मत जाईं, आत्मा त इच्छुक बा, लेकिन शरीर कमजोर बा।
42 ऊ दूसरका बेर चल के प्रार्थना कइलन, " हे हमार पिता, अगर ई प्याला हमरा से ना चली, जबले हम एकरा के ना पीब त तोहार इच्छा पूरा हो जाव।"
43 ऊ आके फेरु से ओह लोग के सुतल देखलन काहे कि ओह लोग के आँख भारी रहे।
44 ऊ ओह लोग के छोड़ के फेरु से चल गइलन आ तीसरा बेर उहे बात कह के प्रार्थना कइलन।
45 तब उ अपना चेलन के लगे आके कहलस, " अब सुत जा आ आराम करऽ।
46 उठ, हमनी के चलल जा, देख, उ हमरा के धोखा देवे वाला नजदीक आ गईल बा।
47 जब उ अभी तक बोलत रहले त देख, बारह में से एगो यहूदा आ गईले अवुरी उनुका संगे तलवार अवुरी लाठी लेके प्रमुख याजक अवुरी लोग के बुजुर्ग के बहुत भीड़ आईल।
48 ओकरा के धोखा देवे वाला ओ लोग के एगो निशानी देके कहलस कि हम जेकरा के चुम्मा लेब, उहे ह।
49 ऊ तुरते यीशु के लगे आके कहलन, "हे मालिक, जय हो। आ ओकरा के चुम्मा लेत रहले.
50 यीशु ओकरा से कहलन, " मित्र, तू काहे आइल बाड़ू?" तब उ लोग आके यीशु पर हाथ डाल के ओकरा के पकड़ लिहले।
51 देख, यीशु के साथे रहल लोग में से एगो आपन हाथ बढ़ा के आपन तलवार निकाल के महायाजक के एगो नौकर के कान मार दिहलस।

52 तब यीशु ओकरा से कहलन, " अपना तलवार के फेर से
ओकरा जगह पर रख द, काहेकि तलवार पकड़े वाला सब
तलवार से नाश हो जइहें।"
53 का तू सोचत हव कि अब हम अपना पिता से प्रार्थना नईखी
क सकत अवुरी उ हमरा के बारह से जादे स्वर्गदूत के सेना दे
दिहे?
54 लेकिन धर्मशास्त्र के बात कईसे पूरा होई कि अईसन होखे के
चाही?
55 ओही घरी यीशु भीड़ से कहलन, " का तू लोग हमरा के पकड़े
खातिर तलवार आ लाठी लेके चोर के खिलाफ निकलल बानी?
हम रोज तोहनी के साथे मंदिर में सिखावत बइठल रहनी आ
तोहनी हमरा पर कवनो पकड़ ना रखनी।
56 लेकिन इ सब एह से भईल कि भविष्यवक्ता लोग के शास्त्र
पूरा होखे| तब सब चेला ओकरा के छोड़ के भाग गईले।
57 यीशु के पकड़े वाला लोग उनुका के महायाजक कैफा के लगे
ले गईले, जहां शास्त्री अवुरी बुजुर्ग लोग जुटल रहले।
58 लेकिन पतरस ओकरा पीछे-पीछे दूर से महायाजक के महल
में चल गईले अवुरी अंत देखे खाती नौकरन के संगे बईठ गईले।
59 मुखिया याजक, बुजुर्ग आऊ पूरा मंडली यीशु के मारे खातिर
झूठा गवाही खोजत रहले।
60 लेकिन केहू के ना मिलल, हँ, भले ही बहुत झूठा गवाह आईल
रहले, लेकिन उ लोग के केहू ना मिलल। आखिर में दू गो झूठा
गवाह आइल,
61 ऊ कहलस, "ई आदमी कहलस कि हम भगवान के मंदिर के
उजाड़ के तीन दिन में बनावे में सक्षम बानी।"
62 महायाजक उठ के पूछले, "का तू कुछ जवाब नईखऽ देत?"
ई लोग तोहरा खिलाफ का गवाह बा?
63 लेकिन यीशु चुप रहले। महायाजक जवाब दिहलन, "हम
तोहरा के जिंदा परमेश्वर के कसम देत बानी कि तू हमनी के
बताईं कि तू परमेश्वर के बेटा मसीह हईं कि ना।"
64 यीशु ओकरा से कहलन, " तू कहले बाड़ू, लेकिन हम तोहसे
कहत हई कि अब तू लोग मनुष्य के बेटा के शक्ति के दाहिना
ओर बईठल आ स्वर्ग के बादल में आवत देखब।"
65 तब महायाजक आपन कपड़ा फाड़ के कहले, "उ निंदा
कईले बाड़े। हमनी के गवाह के अउरी कवन जरूरत बा? देखऽ,
अब तू लोग उनकर निंदा सुनले बाड़ऽ।
66 तोहनी के का लागत बा? उ लोग जवाब देके कहले, "उ मौत
के दोषी बा।"
67 तब उ लोग ओकरा चेहरा पर थूक के मार दिहलस। आ कुछ
लोग ओकरा के हाथ के हथेली से मार दिहल।
68 ऊ कहले, "हे मसीह, हमनी के भविष्यवाणी करऽ कि तोहरा
के मारे वाला के ह?
69 पतरस महल में बाहर बईठल रहले अवुरी एगो लईकी उनुका
लगे आईल अवुरी कहलस कि, "तू भी गलील के यीशु के संगे
रहनी।"
70 लेकिन उ सबके सामने इनकार करत कहले, "हमरा नईखे
मालूम कि तू का कहत बाड़ू।"
71 जब उ बरामदा में निकलले त एगो अवुरी नौकरानी उनुका के
देख के कहलस कि, इ आदमी भी नासरत के यीशु के संगे रहे।
72 उ फेर कसम खा के इनकार कईले, "हम ओह आदमी के
नईखी जानत।"
73 कुछ देर बाद ओकरा लगे खड़ा लोग आके पतरस से कहलस,
"तू भी ओह लोग में से एगो हउअ। काहे कि तोहार बात तोहरा के
झकझोर देला।
74 तब उ गारी देवे लगले अवुरी कसम खाए लगले कि, हम ओ
आदमी के नईखी जानत। आ तुरते मुर्गा के चालक दल।
75 पतरस के यीशु के वचन याद आ गईले कि उ कहले रहले कि,
मुर्गा के बाजे से पहिले तू हमरा से तीन बेर इनकार क देब। उ
बाहर निकल के कड़ुआ रोअत रहले।

अध्याय 27 के बा

1 जब सबेरे भइल त सब मुखिया याजक आ लोग के बुजुर्ग लोग
यीशु के हत्या करे के सलाह लेले।
2 जब उ लोग ओकरा के बान्ह के ले गईले अवुरी ओकरा के
राज्यपाल पोंतियुस पिलातुस के सौंप देले।
3 तब यहूदा जे उनकरा के धोखा देले रहले, त उनकरा के दोषी
ठहरावल देख के पश्चाताप क के तीस चांदी के टुकड़ा मुख्य
याजक आ बुजुर्ग लोग के लगे वापस ले अईले।
4 ऊ कहलन कि हम पाप कइले बानी कि हम निर्दोष खून के
धोखा देले बानी। उ लोग कहलस, "हमनी के का बा? देखऽ तू
तऽ ओह बात के।
5 चाँदी के टुकड़ा मंदिर में फेंक के चल गईले अवुरी जाके फांसी
प लटक गईले।
6 मुख्य याजक चानी के टुकड़ा लेके कहले, "खजाना में डालल
जायज नईखे, काहेकी इ खून के कीमत ह।"
7 उ लोग मंथन क के अपना से कुम्हार के खेत खरीद के परदेसी
लोग के दफना देले।
8 एही से ओह खेत के आज ले "खून के खेत" कहल गइल।
9 तब जेरेमी भविष्यवक्ता के द्वारा कहल गइल बात पूरा हो गइल
कि, "उ लोग चानी के तीस टुकड़ा ले लिहले, जवन कि कीमत
वाला के दाम रहे, जवना के कीमत इस्राएल के लोग में से लोग
मानत रहे।
10 उ कुम्हार के खेत खातिर दे दिहलस, जईसे कि प्रभु हमरा के
नियुक्त कईले रहले।
11 यीशु राज्यपाल के सामने खड़ा होके राज्यपाल पूछले, "का तू
यहूदी लोग के राजा हउअ?" यीशु ओकरा से कहलन, " तू कहत
बाड़ऽ।"
12 जब ओकरा पर मुख्य याजक आ बुजुर्ग लोग के आरोप
लागल त ऊ कुछ ना दिहलन।
13 पिलातुस ओकरा से कहलन, "का तू नइखऽ सुनत कि ऊ
लोग तोहरा खिलाफ केतना गवाही देत बा?
14 ऊ ओकरा के कबो एक शब्द ना कहलन। एतना कि
राज्यपाल बहुत अचरज में पड़ गईले।
15 उ भोज में राज्यपाल के आदत रहे कि उ लोग के एगो कैदी
के छोड़ देत रहले, जवना के उ लोग चाहत रहले।
16 तब ओह लोग के एगो उल्लेखनीय कैदी रहे, जेकर नाम
बरब्बा रहे।
17 जब ऊ लोग एकट्ठा भइल त पिलातुस ओह लोग से कहलन,
"तू लोग केकरा के छोड़ल चाहत बानी?" बरब्बा, या यीशु जेकरा
के मसीह कहल जाला?
18 उ जानत रहले कि ईर्ष्या के चलते उ लोग उनुका के बचा लेले
बाड़े।

19 जब ऊ न्याय के आसन पर बइठल त उनकर मेहरारू उनका लगे भेजली कि, "का ओह धर्मी आदमी से तोहरा कवनो संबंध मत बा, काहे कि आज हम ओकरा चलते सपना में बहुत कष्ट भोगले बानी।"
20 लेकिन मुख्य याजक आ बुजुर्ग लोग भीड़ के मना लिहले कि उ लोग बरब्बा से पूछ के यीशु के नाश करस|
21 राज्यपाल ओह लोग से पूछले, "तू लोग दुनो में से कवन चाहत बानी कि हम तोहनी के छोड़ दीं? उ लोग कहले, बरब्बा।
22 पिलातुस उनकरा से कहलन, "तब हम यीशु के का करब, जेकरा के मसीह कहल जाला?" उ सब ओकरा से कहलस कि, "उनुका के सूली पर चढ़ावल जाव।"
23 राज्यपाल कहलस, "काहे, उ कवन बुराई कईले बा? लेकिन उ लोग अउरी चिल्लात कहले कि, "उनुका के सूली पर चढ़ावल जाव।"
24 जब पिलातुस देखलन कि उ कुछुओ ना जीत पवले, बल्कि हंगामा हो रहल बा, त उ पानी लेके भीड़ के सामने हाथ धो के कहले, "हम एह धर्मी आदमी के खून से निर्दोष बानी।
25 तब सब लोग जवाब दिहलस, "उनकर खून हमनी आ हमनी के लइकन पर होखे।"
26 तब ऊ बरब्बा के छोड़ दिहलन आ जब ऊ यीशु के कोड़ा मार के सूली पर चढ़ावे खातिर सौंप दिहलन।
27 तब राज्यपाल के सिपाही यीशु के आम हॉल में ले गईले अवुरी पूरा सैनिक के दल के उनुका लगे बटोरले।
28 उ लोग उनकर कपड़ा उतार के लाल रंग के वस्त्र पहिनले।
29 ऊ लोग काँट के मुकुट गढ़ के ओकरा माथा पर आ दाहिना हाथ में खढ़ लगा के ओकरा सोझा घुटना टेक के मजाक उड़ावत कहलस कि, "यहूदियन के राजा, जय हो!"
30 ऊ लोग ओकरा पर थूक के खढ़ लेके ओकरा माथा पर मार दिहलस।
31 उनकर मजाक उड़ावे के बाद उ लोग उनकर वस्त्र उतार के उनकर आपन कपड़ा पहिन के सूली पर चढ़ावे खातिर ले गईले।
32 जब उ लोग बाहर निकलल त उ लोग के एगो कुरेन के आदमी मिलल, जेकर नाम शमौन रहे।
33 जब उ लोग गोलगोथा नाम के जगह यानी खोपड़ी के जगह प पहुंचले।
34 ऊ लोग ओकरा के पित्त में मिला के सिरका पीये दिहलन आ जब ऊ ओकर स्वाद चख लिहले त ऊ ना पियले.
35 ऊ लोग ओकरा के सूली पर चढ़ा के चिट्ठी डाल के ओकर कपड़ा बाँट दिहल, ताकि भविष्यवक्ता के कहल बात पूरा होखे कि, "उ लोग हमार कपड़ा ओ लोग के बीच बाँट दिहल आ हमरा कपड़ा पर चिट्ठी डालल।"
36 बईठ के उ लोग उहाँ के देखत रहले।
37 ओकरा माथा पर लिखल आरोप लगा दिहलन कि "ई यहूदी यहूदी लोग के राजा हउवें."
38 ओकरा साथे दू गो चोर के सूली पर चढ़ावल गइल, एगो दाहिना ओर आ एगो बाईं ओर।
39 ओहिजा से गुजरत लोग आपन माथा हिलावत ओकरा के निंदा कइल।
40 ऊ कहलन कि, "जे मंदिर के उजाड़ के तीन दिन में बनवऽ, त अपना के बचा लीं।" अगर तू परमेश्वर के बेटा हउअ त क्रूस से उतर जा।
41 ओइसहीं मुख्य याजक लोग भी शास्त्री आ बुजुर्ग लोग के साथे उनकर मजाक उड़ावत कहले|
42 उ दोसरा के बचा लिहले। खुद के ऊ बचा ना सके. अगर उ इस्राएल के राजा हवे त अब उ क्रूस से उतरे, त हमनी के ओकरा प विश्वास करब।
43 ऊ भगवान पर भरोसा कइलन। अगर ओकरा के चाहीं त अब ओकरा के बचावे, काहे कि ऊ कहले रहले कि हम भगवान के बेटा हईं.
44 चोर भी जे उनकरा साथे सूली पर चढ़ावल गइल रहे, उहे उनकर दाँत में डाल दिहलस।
45 छठवाँ बजे से लेके नौवां बजे ले पूरा देश पर अन्हार हो गइल।
46 लगभग नौवां बजे यीशु जोर से चिल्ला के कहले, " एली, एली, लामा सबकथानी?" माने कि हे भगवान, हमार भगवान, तू हमरा के काहे छोड़ देले बाड़?
47 उ लोग में से कुछ लोग इ बात सुन के कहलस, "ई आदमी एलियास के बोलावता।"
48 एक आदमी तुरते दौड़ के एगो स्पंज लेके ओकरा में सिरका भर के एगो खढ़ पर डाल के पीये दिहलस।
49 बाकी लोग कहलस, "चलऽ, देखल जाव कि एलियाह ओकरा के बचावे खातिर अइहें कि ना?"
50 यीशु फेरु जोर से चिल्ला के भूत के छोड़ दिहलन।
51 मंदिर के पर्दा ऊपर से नीचे तक दु भाग में फाट गईल रहे। आ धरती काँप गइल आ चट्टान फाट गइल।
52 कब्र खुल गइल। आ सुतल संत लोग के कई गो लाश उठल।
53 उनकर जी उठला के बाद कब्र से बाहर निकल के पवित्र शहर में जाके बहुत लोग के सामने प्रकट भईले।
54 जब सेनापति आउर उनकरा साथे रहल लोग जे यीशु के देखत रहलन, भूकंप आ ई घटना देखलन त उ लोग बहुत डेरा गईले आ कहलन कि, "सचहूँ इ परमेश्वर के बेटा ह।"
55 उहाँ बहुत मेहरारू दूर से देखत रहली, जवन गलील से यीशु के पीछे-पीछे चलत रहली आ उनकर सेवा करत रहली।
56 ओहमें मरियम मगदलीनी, याकूब आ यूसुस के महतारी मरियम आ जबदी के संतान के महतारी रहली।
57 जब साँझ हो गइल त अरिमाथिया के एगो धनी आदमी यूसुफ नाम के आइल, जे खुद यीशु के चेला रहले।
58 ऊ पिलातुस के लगे जाके यीशु के लाश के भीख मंगले। तब पिलातुस लाश के छोड़े के आदेश दिहलन।
59 यूसुफ लाश के लेके एगो साफ लिनन कपड़ा में लपेट लिहले।
60 ऊ ओकरा के अपना नया कब्र में रख दिहलन जवन ऊ चट्टान में उकेरले रहले आ कब्र के दुआर पर एगो बड़हन पत्थर लुढ़का के चल गइलन.
61 मरियम मगदलीनी आ दूसर मरियम कब्र के सामने बईठल रहली।
62 तैयारी के बाद अगिला दिने मुख्य याजक आ फरीसियन पिलातुस के पास एकजुट भइले।
63 कहलन, "महाराज, हमनी के इयाद बा कि उ धोखेबाज जिंदा रहले त कहले रहले कि, "तीन दिन बाद हम जी उठब।"
64 एह से आज्ञा दीं कि कब्र के तीसरा दिन तक सुरक्षित रखल जाव, ना त रात में ओकर चेला आके ओकरा के चोरा के लोग से ना कहे कि उ मुवलन में से जी उठल बाड़े, एहसे आखिरी गलती पहिला गलती से भी जादे हो जाई।
65 पिलातुस उनसे कहले, "तोहरा लगे पहरा बा, जाके जतना हो सके ओकरा के पक्का करऽ।"

66 उ लोग जाके कब्र के पक्का क के पत्थर प मुहर लगा के पहरा लगा देले।

अध्याय 28 के बा

1 सब्त के दिन के अंत में जब हफ्ता के पहिला दिन भोर होखे लागल त मरियम मगदलीनी आ दूसर मरियम कब्र देखे अइली।
2 देखऽ, एगो बड़हन भूकंप आइल, काहे कि प्रभु के दूत स्वर्ग से उतर के आके दुआर से पत्थर के पीछे घुमा के ओकरा पर बइठ गइलन।
3 उनकर चेहरा बिजली नियर रहे आ उनकर कपड़ा बर्फ नियर उज्जर रहे।
4 ओकरा डर से रखवाला लोग हिलत-डुलत मरल आदमी निहन हो गईले।
5 तब स्वर्गदूत ओह औरतन से कहलन, "तू लोग मत डेरा, काहेकि हम जानत बानी कि तू लोग यीशु के खोजत बानी, जेकरा के सूली पर चढ़ावल गइल रहे।"
6 उ इहाँ नईखन, काहेकि उ जी उठल बाड़े, जईसे उ कहले रहले। आ, देखऽ ऊ जगह जहाँ प्रभु पड़ल रहले।
7 जल्दी से जाके उनकर चेलन के बताईं कि ऊ मुवलन में से जी उठल बाड़न। आ देखऽ, ऊ तोहनी से पहिले गलील जात बा। उहाँ तू लोग ओकरा के देखबऽ, हम तोहके बता देले बानी।
8 उ लोग डर आ बहुत खुशी से जल्दी से कब्र से निकल गईले। आ अपना चेलन के खबर ले आवे खातिर दौड़ल।
9 जब उ लोग अपना चेलन के बतावे जात रहले त देख, यीशु ओ लोग से मिल के कहले, " सब लोग के जय हो।" उ लोग आके उनकर गोड़ पकड़ के उनकर आराधना कईले।
10 तब यीशु ओह लोग से कहलन, " डर मत, जा के हमरा भाई लोग के बता दीं कि उ लोग गलील में जाके उहाँ हमरा के देखिहे।
11 जब उ लोग जात रहले त देख, पहरादार के कुछ लोग शहर में आके मुख्य याजकन के सब काम के बारे में बतावत रहले।
12 जब उ लोग बुजुर्ग लोग के साथे जुट गईले आ बातचीत कईले त उ लोग सैनिकन के भारी पईसा देले।
13 ऊ कहलन, "कहऽ कि उनकर चेला रात में आके हमनी के सुतत घरी उनकरा के चोरा के ले गइलन।"
14 अगर इ बात राज्यपाल के कान में आई त हम ओकरा के समझा के तोहनी के सुरक्षित क देब।
15 उ लोग पईसा लेके उ लोग के सिखावल के मुताबिक काम कईले अवुरी इ बात आज तक यहूदी लोग के बीच आम तौर प चलता।
16 तब एगारह गो चेला गलील एगो पहाड़ पर चल गइलन जहाँ यीशु ओह लोग के नियुक्त कइले रहले।
17 उ लोग उनका के देख के उनकर आराधना कईले, लेकिन कुछ लोग के शक भईल।
18 यीशु आके ओनसे कहलन, " हमरा के स्वर्ग आ धरती में सब शक्ति दिहल गइल बा।"
19 एह से तू लोग जाके सब जाति के पिता, बेटा आ पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा देके सिखाईं।
20 हम जवन कुछ भी आज्ञा देले बानी, ओकरा के पालन करे के सिखाईं, आ देखऽ, हम दुनिया के अंत तक हमेशा तोहनी के साथे रहब। आमीन के बा।

मरकुस के सुसमाचार के बारे में बतावल गइल बा

अध्याय 1 के बा

1 परमेश्वर के बेटा यीशु मसीह के सुसमाचार के शुरुआत ह।
2 जइसे कि भविष्यवक्ता लोग में लिखल बा, "देखऽ, हम तोहरा सामने आपन दूत भेजत बानी जवन तोहरा सामने तोहार रास्ता तइयार करी।"
3 जंगल में चिल्लात के आवाज, "प्रभु के रास्ता तइयार करऽ, ओकर रास्ता सीधा करऽ।"
4 यूहन्ना जंगल में बपतिस्मा दिहलन आ पाप के माफी खातिर पश्चाताप के बपतिस्मा के प्रचार कइलन।
5 यहूदिया के पूरा देश आ यरूशलेम के लोग उनकरा लगे निकलल आ सभे आपन पाप कबूल करत यरदन नदी में उनकरा से बपतिस्मा लिहले।
6 यूहन्ना ऊंट के बाल के कपड़ा पहिनले रहले अवुरी कमर में चमड़ा के कमरबंद पहिनले रहले। ऊ टिड्डी आ जंगली शहद खात रहले.
7 ऊ प्रचार कइलन, "हमरा बाद हमरा से भी ताकतवर केहू आवत बा, जेकर जूता के कुंडी हम झुक के खोले लायक नइखीं।"
8 हम तोहनी के पानी से बपतिस्मा देले बानी, लेकिन उ तोहनी के पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दिहे।
9 ओह दिन में ईसा गलील के नासरत से अइले आ यरदन में यूहन्ना के बपतिस्मा लिहले।
10 तुरते पानी से बाहर निकलत देखलन कि आकाश खुलल बा आ आत्मा कबूतर नियर ओकरा पर उतरत बा।
11 तब स्वर्ग से आवाज आइल, "तू हमार प्रिय बेटा हउअ, जेकरा से हम खुश बानी।"
12 तुरते आत्मा ओकरा के जंगल में भगा दिहलस।
13 ऊ चालीस दिन जंगल में शैतान के परीक्षा में रहले। आ जंगली जानवरन के साथे रहे। आ स्वर्गदूत उनकर सेवा करत रहले।
14 यूहन्ना के जेल में डालला के बाद यीशु गलील में परमेश्वर के राज्य के सुसमाचार प्रचार करत अईले।
15 ऊ कहलन कि समय पूरा हो गइल बा आ परमेश्वर के राज्य नजदीक आ गइल बा।
16 जब उ गलील के समुंदर के किनारे चलत रहले त उ देखले कि शमौन अवुरी उनुकर भाई अंद्रियास समुंदर में जाल फेंकत रहले, काहेंकी उ लोग मछुआरा रहले।
17 यीशु ओह लोग से कहलन, " तू लोग हमरा पीछे आ जा, हम तोहनी के आदमी के मछुआरा बना देब।"
18 उ लोग तुरते आपन जाल छोड़ के उनकर पीछे चल गईले।
19 उहाँ से कुछ आगे बढ़ के जबदी के बेटा याकूब आ उनकर भाई यूहन्ना के देखलन, जे लोग भी जहाज में आपन जाल ठीक करत रहले।
20 तुरंत उ लोग के बोलवले अवुरी उ लोग अपना पिता जबदी के भाड़ा के नौकर के संगे नाव में छोड़ के उनुका पीछे-पीछे चल गईले।
21 उ लोग कफरनहूम में चल गईले। सब्त के दिन उ तुरते आराधनालय में घुस के शिक्षा दिहलन।
22 उ लोग उनकर शिक्षा से अचरज में पड़ गइलन काहे कि ऊ ओह लोग के अधिकार वाला के रूप में सिखावत रहले, ना कि शास्त्री लोग के जइसन।
23 ओह लोग के आराधनालय में एगो अशुद्ध आत्मा वाला आदमी रहे। आ ऊ चिल्ला के कहलन कि
24 कहलन, "हमनी के छोड़ दीं। हे नासरत के यीशु, तोहरा से हमनी के का संबंध बा? का तू हमनी के नाश करे आइल बाड़ऽ? हम तोहरा के जानत बानी कि तू के हउअ, भगवान के पवित्र।
25 यीशु ओकरा के डांटत कहलन कि चुप रहऽ आ ओकरा से बाहर निकल जा।
26 जब अशुद्ध आत्मा ओकरा के फाड़ के जोर से चिल्ला के ओकरा से निकल गईल।
27 उ सब अचरज में पड़ गईले कि आपस में पूछताछ कईले कि, इ का बात ह? ई कवन नया सिद्धांत ह? काहेकि उ अशुद्ध आत्मा के भी अधिकार से आज्ञा देवेले अवुरी उ लोग उनुकर बात मानेला।
28 तुरते उनकर प्रसिद्धि गलील के चारो ओर के पूरा इलाका में फइल गइल।
29 तुरते आराधनालय से निकल के याकूब आ यूहन्ना के साथे शमौन आ अँड्रियास के घर में घुस गईले|
30 लेकिन सिमोन के पत्नी के महतारी बोखार से बेमार पड़ल रहली अवुरी उ लोग उनुका बारे में बतावत रहले।
31 ऊ आके ओकर हाथ पकड़ के उठवले। आ तुरते बोखार ओकरा से निकल गइल आ ऊ ओह लोग के सेवा कइली.
32 साँझ के जब सूरज डूब गइल त ऊ सब बेमार आ दुष्टात्मा से ग्रस्त लोग के उनकरा लगे ले अइले।
33 पूरा शहर दुआर पर एकट्ठा हो गइल रहे।
34 ऊ कई तरह के बेमारी से बेमार बहुते लोग के ठीक कइलन आ बहुते दुष्टन के भगा दिहलन. आ शैतान के बोले ना दिहलन, काहे कि ऊ लोग ओकरा के जानत रहे।
35 सबेरे दिन से बहुत पहिले उठ के एगो एकांत जगह पर चल गइलन आ उहाँ प्रार्थना कइलन।
36 शमौन आ उनकर साथ के लोग उनकर पीछे-पीछे चलल।
37 जब उ लोग ओकरा के पा के कहलस, "सब लोग तोहरा के खोजत बा।"
38 उ लोग से कहलन, " हमनी के बगल के शहरन में जाइब जा ताकि हम उहाँ भी प्रचार कर सकीले, काहेकि हम एही से निकलल बानी।"
39 ऊ पूरा गलील में ओह लोग के आराधनालयन में प्रचार कइलन आ दुष्टन के भगा दिहलन.
40 एगो कोढ़ी ओकरा लगे आके ओकरा से निहोरा कइलस आ ओकरा से घुटना टेक के कहलस कि, "तू चाहब त हमरा के साफ कर सकेनी।"
41 यीशु करुणा से आपन हाथ बढ़ा के ओकरा के छू के कहलन, " हम चाहब। तू साफ-सुथरा हो जा।
42 जइसहीं ऊ बात कइलन त तुरते कोढ़ ओकरा से दूर हो गइल आ ऊ साफ हो गइलन.
43 ऊ ओकरा के कड़ा आज्ञा दिहलन आ तुरते ओकरा के भेज दिहलन.

44 ऊ ओकरा से कहलस, " देखऽ, तू केहू से कुछ मत कहऽ, बाकिर जाके याजक के सामने आपन बात देखाईं आ ऊ बात अपना शुद्धि खातिर चढ़ाईं जवन मूसा के आज्ञा देले रहले, ताकि उ लोग के गवाही हो सके।
45 लेकिन उ बाहर निकल के एकरा के बहुत प्रचारित करे लगले अवुरी इ बात के भड़कावे लगले कि यीशु अब शहर में खुल के ना जा पवले, बालुक बाहर रेगिस्तान में रह गईले।

अध्याय 2 के बा

1 कुछ दिन बाद उ फेर कफरनहूम में घुस गईले। आ शोरगुल भइल कि ऊ घर में बा.
2 तुरते बहुत लोग एकट्ठा हो गईले कि उ लोग के स्वागत करे के कवनो गुंजाइश ना रहे, ना ही दुआर के आसपास।
3 उ लोग एगो लकवा से पीड़ित के लेके उनुका लगे अईले, जवन कि चार लोग के पैदा भईल रहे।
4 जब उ लोग दबाव के चलते ओकरा लगे ना पहुंच पवले त उ छत के खोल देले, जहां उ रहले अवुरी ओकरा के तोड़ के उ बिछौना के उतार देले, जवना प पक्षाघात के रोगी पड़ल रहले।
5 जब यीशु ओह लोग के विश्वास देख के लकवा से पीड़ित से कहलन, " बेटा, तोहार पाप माफ हो गइल बा।"
6 लेकिन कुछ शास्त्री लोग उहाँ बईठ के मन में तर्क करत रहले।
7 ई आदमी एह तरह से निंदा काहे कहत बा? खाली भगवान के छोड़ के के पाप माफ कर सकेला?
8 जब यीशु अपना मन में बुझाइल कि ऊ लोग अपना मन में अतना तर्क करत बा, त ऊ ओह लोग से कहलन, " तू लोग अपना मन में ई बात काहे सोचत बाड़ऽ?
9 का लकवा के रोगी से ई कहल आसान बा कि तोहार पाप माफ हो गइल बा। भा ई कहे के कि उठ के आपन बिछौना उठा के चल जा?
ई जान लीं कि मनुष्य के बेटा के पाप माफ करे के अधिकार धरती पर बा।
11 हम तोहरा से कहत बानी कि उठ के आपन बिछौना उठा के अपना घर में चल जा।
12 उ तुरते उठ के बिछौना उठा के सब के सामने निकल गईले। एतना कि उ सब अचरज में पड़ गईले अवुरी भगवान के महिमा करत कहले कि, हमनी के एकरा के कबो अयीसन ना देखनी।
13 ऊ फेरु से समुंदर के किनारे निकल गइलन। आ सभे भीड़ उनकरा लगे पहुँचल आ ऊ ओह लोग के सिखवले।
14 जब उहाँ से गुजरत रहले त उ अल्फीस के बेटा लेवी के करवाला के घर बईठल देखले अवुरी कहले, " हमरा पीछे चलऽ।" उ उठ के ओकरा पीछे-पीछे चल गईले।
15 जब यीशु अपना घर में खाना खात रहले त बहुत कर लेवे वाला आ पापी लोग भी यीशु आ उनकर चेलन के साथे बईठल रहले, काहेकि उ लोग बहुत लोग उनकर पीछे-पीछे चलत रहले।
16 जब शास्त्री आ फरीसी लोग उनका के करदाता आ पापी लोग के साथे खाना खात देखले त उनकर चेलन से पूछले, "कइसे कर लेवे वाला आ पापी लोग के साथे खात-पीयत कइसे?
17 जब यीशु ई बात सुन के कहलन, " स्वस्थ लोग के वैद्य के जरूरत नइखे, बलुक बेमार लोग के।
18 यूहन्ना आ फरीसियन के चेला लोग उपवास करत रहले आ उ लोग आके पूछले, "यूहन्ना आ फरीसियन के चेला काहे उपवास करेले, लेकिन तोहार चेला उपवास काहे ना करेले?
19 यीशु उनसे कहलन, "का दुल्हिन के साथ रहला के बाद दुल्हिन के लइका उपवास कर सकेलन?" जबले ओह लोग का साथे दूल्हा बा तबले ऊ लोग उपवास ना कर सके.
20 लेकिन उ दिन आई जब दूल्हा के ओ लोग से दूर क दिहल जाई अवुरी ओ दिन उ लोग उपवास करीहे।
21 केहू पुरान कपड़ा पर नया कपड़ा के टुकड़ा भी ना सिलाई करेला, ना त ओकरा के भरल नया टुकड़ा पुरान कपड़ा से हटा देला आ फाटल अउरी खराब हो जाला।
22 केहू नया शराब के पुरान बोतल में ना डालेला, ना त नया शराब के बोतल फाड़ के शराब छलक जाई आ बोतल खराब हो जाई, लेकिन नया शराब के नया बोतल में डालल जरूरी बा।
23 ऊ सब्त के दिन धान के खेत में से गुजरत रहले। आउर उनकर चेला लोग जात-जात धान के कन तोड़े लगलन।
24 फरीसी लोग ओकरा से कहलस, "देखऽ, उ लोग सब्त के दिन उ काम काहे करेलन जवन उचित नइखे?
25 उ लोग से कहलन, " का रउवां कबो ना पढ़ले बानी कि दाऊद आ उनकरा साथे के लोग के जरूरत पड़ला पर भूखल रहलन?
26 अबियाथर महायाजक के समय में उ कइसे परमेश् वर के घर में जाके उ रोटी खईले, जवन कि याजक के छोड़ के खाए के इजाजत नईखे, अवुरी उनुका संगे रहेवाला लोग के भी देले?
27 ऊ ओह लोग से कहलन, " सबत के दिन आदमी खातिर बनावल गइल बा, ना कि आदमी सब्त के दिन खातिर।
28 एही से मनुष्य के बेटा सब्त के दिन के भी प्रभु हवे।

अध्याय 3 के बा

1 ऊ फेरु से आराधनालय में घुस गइलन। उहाँ एगो आदमी रहे जेकर हाथ मुरझा गइल रहे।
2 उ लोग ओकरा के देखत रहे कि का उ सब्त के दिन ओकरा के ठीक करीहे। ताकि उ लोग ओकरा प आरोप लगावे।
3 ऊ मुरझाइल हाथ वाला आदमी से कहलन कि, "खड़ा हो जा."
4 उ लोग से कहलस, " का सब्त के दिन भलाई कईल जायज बा कि बुराई कईल जायज?" जान बचावे खातिर, कि मारे खातिर? लेकिन उ लोग आपन चुप रह गईले।
5 जब ऊ ओह लोग के मन के कठोरता से दुखी होके ओह लोग के चारो ओर देख के कहले, " अपना हाथ बढ़ाईं।" ऊ ओकरा के बढ़ा दिहलन आ ओकर हाथ दोसरा जइसन ठीक हो गइल.
6 फरीसी लोग निकल के तुरते हेरोदीय लोग से उनकरा खिलाफ सलाह लेले कि उ लोग ओकरा के कइसे नाश कर सके|
7 लेकिन यीशु अपना चेलन के साथे समुंदर के ओर चल गइलन आ गलील आ यहूदिया से भीड़ उनकरा पीछे-पीछे चलल।
8 यरूशलेम से, इदुमिया से आ यरदन के ओह पार से। सोर आ सीदोन के आसपास के लोग बहुत बड़ भीड़ सुन के उनकरा केतना बड़ काम करत रहे।
9 उ अपना चेलन से कहलन कि भीड़ के चलते एगो छोट नाव उनका के इंतजार करे, कहीं उ लोग उनका पर भीड़ ना लागे।
10 काहेकि उ बहुत लोग के ठीक क देले रहले। एतना कि उ लोग ओकरा के छूवे खातिर दबाव डालत रहले, जेतना लोग के विपत्ति रहे।
11 अशुद्ध आत्मा ओकरा के देख के ओकरा सोझा गिर के चिल्लात कहलस कि तू परमेश्वर के बेटा हउअ।

12 ऊ ओह लोग के कड़ा आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग ओकरा के ना बतावे.
13 ऊ एगो पहाड़ पर चढ़ के जेकरा के चाहत रहे ओकरा के बोलावेला आ ऊ लोग ओकरा लगे आ गइल।
14 उ बारह लोग के नियुक्त कईले कि उ लोग अपना संगे रहस अवुरी उ लोग के प्रचार करे खाती भेजस।
15 आ ओकरा में बेमारी ठीक करे आ दुष्टात्मा के भगावे के शक्ति होखे।
16 शिमोन के उपनाम पतरस रखलन।
17 जबदी के बेटा याकूब आ याकूब के भाई यूहन्ना। ऊ ओह लोग के उपनाम बोअनेर्जेस रखलन, जवन कि गरज के बेटा हवें।
18 आंद्रियास, फिलिप, बार्थोलोम्यू, मत्ती, थोमा, अल्फीस के बेटा याकूब, थद्दैयस आ कनान के शमौन।
19 यहूदा इस्करियोती भी ओकरा के धोखा देके एगो घर में चल गईले।
20 फिर भीड़ एकट्ठा हो जाला कि उ लोग रोटी तक ना खा पवलस।
21 जब उनकर दोस्त लोग ई बात सुन के ओकरा के पकड़े खातिर निकलल, काहे कि उ लोग कहत रहे कि, "उ बेहोश हो गईल बा।"
22 यरूशलेम से उतरल शास्त्री लोग कहले, "उनुका लगे बेलजबूब बा आ ऊ दुष्टन के सरदार के द्वारा दुष्टन के भगावेला।"
23 ऊ ओह लोग के अपना लगे बोलवले आ दृष्टांत में कहलन कि शैतान शैतान के कइसे बाहर निकाल सकेला?
24 अगर कवनो राज्य अपना खिलाफ बंटल होखे त उ राज्य खड़ा ना हो सकेला।
25 अगर कवनो घर में बंटवारा हो जाव त ऊ घर खड़ा ना हो सके.
26 अगर शैतान अपना खिलाफ उठ के बंटल हो जाव त ऊ खड़ा ना हो सकेला बाकिर ओकर अंत हो जाई.
27 केहू बरियार के घर में जाके ओकर माल लूट ना सकेला, जब तक कि ऊ पहिले बलवान के बान्ह ना लेव। आ तब ऊ आपन घर बिगाड़ दी.
28 हम तोहनी से सच कहत हई कि मनुष्य के लइका के सब पाप माफ कर दिहल जाई, जवन भी निन्दा करी|
29 लेकिन जे पवित्र आत्मा के निंदा करी ओकरा के कबो माफी ना मिलेला, लेकिन ओकरा अनन्त काल के दण्ड के खतरा बा।
30 काहे कि उ लोग कहत रहले कि, "उनुका में अशुद्ध आत्मा बा।"
31 उहाँ उनकर भाई आ उनकर माई आके बाहर खड़ा होके उनका के बोलावे खातिर भेजले|
32 भीड़ ओकरा चारो ओर बईठ के कहलस, "देखऽ, तोहार माई आ तोहार भाई तोहरा के खोजत बाड़े।
33 ऊ ओह लोग के जवाब दिहलन, " हमार माई के हवें आ भाई लोग के ह?"
34 उ अपना आसपास बईठल लोग के चारो ओर देखत कहले, " देखऽ हमार माई आ हमार भाई लोग!"
35 काहे कि जे भी परमेश्वर के इच्छा के पालन करी, उहे हमार भाई, बहिन आ माई हई।

अध्याय 4 के बा

1 ऊ फेर से समुंदर के किनारे पढ़ावे लगलन आ उनकरा लगे बहुत भीड़ जुट गइल कि ऊ एगो जहाज में बइठ के समुंदर में बइठ गइलन। आ पूरा भीड़ समुंदर के किनारे जमीन पर रहे।
2 उ दृष् टकोण के द्वारा उनके बहुत बात सिखवले आ अपना शिक्षा में उनके कहलन|
3 सुनल जा सकेला; देखऽ, उहाँ एगो बोवे वाला बोवे खातिर निकलल रहे।
4 जब उ बोवाई करत रहले त कुछ लोग रास्ता के किनारे गिर गईल अवुरी हवा के चिरई आके ओकरा के खा गईल।
5 कुछ लोग पत्थर के जमीन पर गिर गइल जहाँ ओकरा लगे ढेर माटी ना रहे। उ तुरते उग उठल काहे कि ओकरा में धरती के गहराई ना रहे।
6 लेकिन जब सूरज निकलल त उ झुलस गईल। आ जड़ ना होखला का चलते ऊ मुरझा गइल.
7 कुछ लोग काँट के बीच में गिर गइल आ काँटा बढ़ के ओकर गला दबा दिहलस आ कवनो फल ना मिलल।
8 कुछ लोग बढ़िया जमीन पर गिरल आ फल उग के बढ़ल। आ केहू तीस, केहू साठ आ केहू सौ गो पैदा कइलस।
9 ऊ ओह लोग से कहलन, " जेकरा लगे सुने के कान बा, ऊ सुन लेव."
10 जब उ अकेले रहले त बारह लोग के संगे उनुका आसपास के लोग उनुका से दृष्टांत पूछले।
11 ऊ ओह लोग से कहलन, " परमेशवर के राज के रहस्य के बारे में तोहनी के जानल दिहल गइल बा, लेकिन बाहर के लोग के ई सब बात दृष्टान्त में कइल जाला।
12 ताकि उ लोग देख के देख सकस, लेकिन ना समझ सकस। आ सुन के ऊ लोग सुन सकेला आ ना समझ सकेला. कहीं कबो उ लोग के धर्म परिवर्तन ना हो जाव आ उनकर पाप माफ ना हो जाव।
13 ऊ ओह लोग से कहलन, "का तू लोग ई दृष्टांत के नइख जानत? आ तोहनी सब दृष्टान्त कइसे जानबऽ?
14 बोवे वाला वचन के बोवेला।
15 रास्ता के किनारे इहे लोग ह, जहाँ वचन बोवल जाला। लेकिन जब उ लोग सुन लेले त शैतान तुरंत आके उ लोग के दिल में बोवल गईल वचन के छीन लेले।
16 इहे उहे ह जवन पत्थर के जमीन पर बोवल जाला। उ लोग वचन सुन के तुरते खुशी से ग्रहण करेला।
17 आ अपना में जड़ ना होखे आ एही से कुछ समय खातिर टिकल रहेला, बाद में जब वचन के खातिर कष्ट भा सतावल जाला त तुरंत उ लोग के ठेस पहुँच जाला।
18 इहे उहे ह जवन काँट के बीच में बोवल जाला। जइसे कि वचन सुनल,
19 एह संसार के चिंता आ धन के धोखा आ दोसरा चीजन के लालसा वचन के गला घोंट देला आ ऊ निष्फल हो जाला।
20 इहे उहे ह जवन बढ़िया जमीन पर बोवल जाला। जे लोग वचन सुन के ओकरा के ग्रहण करेला आ फल देला, केहू तीस गुना, केहू साठ आ कुछ सौ गुना।
21 उ लोग से कहलस, " का मोमबत्ती के बुशैल के नीचे रखे खातिर ले आवल जाला कि बिछौना के नीचे? आ मोमबत्ती पर ना सेट कइल जाव?

22 काहेकि कुछुओ छिपल नइखे जवन प्रकट ना होई। ना त
कवनो बात गुप्त राखल गइल, बलुक विदेश में आवे के बात
कहल गइल.
23 अगर केहू के सुनला के कान बा त उ सुनस।
24 ऊ ओह लोग से कहलन कि, " तू जवन सुनत बाड़ऽ, ओकरा
से सावधान रहऽ, जवना नाप से नापब, ओकरा के तोहनी के
नापल जाई आ जे सुनत ओकरा के अउरी दिहल जाई।"
25 काहे कि जेकरा लगे बा ओकरा के दिहल जाई, आ जेकरा
लगे नइखे, ओकरा से जवन बा, ओकरा से छीन लिहल जाई।
26 ऊ कहलन, " परमेशवर के राज्य भी ओइसहीं बा जइसे
कवनो आदमी जमीन में बीज डालत होखे।
27 रात-दिन सुत के उठल आ बीया उग के बढ़ल, ओकरा पता
ना चलेला कि कइसे।
28 काहे कि धरती अपना से फल पैदा करेले। पहिले ब्लेड, फेर
कान, ओकरा बाद कान में भरल मकई।
29 जब फल निकलेला त तुरते हँसुआ डाल देला काहे कि फसल
के समय आ गईल बा।
30 उ कहले, " हमनी के परमेश्वर के राज्य के तुलना कवना से
करब जा? भा हमनी के एकर तुलना कवना तुलना से करब जा?
31 ई सरसों के दाना नियर होला जवन धरती में बोवलला पर
धरती में मौजूद सब बीज से कम होला।
32 जब ऊ बोवल जाला त ऊ बढ़ जाला आ सब जड़ी-बूटी से
बड़हन हो जाला आ बड़हन डाढ़ उखाड़ देला। ताकि हवा के
चिरई ओकरा छाया में ठहर सके।
33 आऊ अइसन बहुत दृष्टान्त से उ लोग के बात सुनत रहले।
34 लेकिन बिना कवनो दृष्टान्त के उ लोग से ना बोलले, जब उ
लोग अकेले रहले त उ अपना चेलन के सब बात बतावत रहले।
35 ओही दिन जब साँझ हो गइल त ऊ ओह लोग से कहलन कि
हमनी के ओह पार से गुजरल जाव.
36 जब उ लोग भीड़ के भेज के नाव में सवार रहले, ओसही
उनुका के लेके चल गईले। आ ओकरा साथे अउरी छोट-छोट
जहाज भी रहे।
37 एगो बड़हन तूफान उठल आ लहर नाव में धड़क गइल आ
नाव भर गइल।
38 ऊ जहाज के पीछे के हिस्सा में तकिया पर सुतल रहले आ ऊ
लोग ओकरा के जगा के कहलस, "गुरु, का तोहरा परवाह नइखे
कि हमनी के नाश हो जाईं जा?"
39 ऊ उठ के हवा के डांट के समुंदर से कहलस, " शांति रहऽ,
शान्त रहऽ!" आ हवा बंद हो गइल आ बहुत शांत हो गइल।
40 ऊ ओह लोग से कहलन, " तू लोग एतना डेरात काहे? कइसे
हो गइल कि तोहनी के कवनो विश्वास नइखे?
41 उ लोग बहुत डेरा गईले अवुरी एक दूसरा से पूछले, "ई कवन
आदमी ह, जवन कि हवा अवुरी समुंदर तक ओकर बात मानेला?

अध्याय 5 के बा

1 उ लोग समुंदर के ओह पार, गदरेन के देश में आ गईले।
2 जब ऊ जहाज से उतरलन त तुरते कब्र से एगो अशुद्ध आत्मा
वाला आदमी उनका से भेंट भइल।
3 उनकर निवास कब्र के बीच में रहे। ना केहू ओकरा के जंजीर
से ना बान्ह सकत रहे।
4 काहे कि ओकरा के अक्सर बेड़ी आ जंजीर से बान्हल जात रहे
आ ओकरा से जंजीर उखाड़ल गइल रहे आ बेड़ी के टुकड़ा-
टुकड़ा हो गइल रहे आ केहू ओकरा के वश में ना कर सकत
रहे।
5 ऊ हरदम रात-दिन पहाड़ आ कब्र पर रोवत रहले आ पत्थर से
काटत रहले।
6 जब ऊ यीशु के दूर से देखलन त ऊ दौड़ के उनकर आराधना
कइलन।
7 ऊ जोर से चिल्ला के कहलस, "हे परम परमेश्वर के बेटा यीशु,
तोहरा से हमार का संबंध बा? हम तोहरा के भगवान के कसम
देत बानी कि तू हमरा के सतावऽ।
8 काहेकि उ ओकरा से कहले, " हे अशुद्ध आत्मा, आदमी से
निकल जा।"
9 ऊ पूछले, " तोहार नाम का ह?" ऊ जवाब दिहलन, "हमार
नाम सेना ह, काहे कि हमनी के बहुते बानी जा."
10 उ उनकरा से बहुत निहोरा कईले कि उ ओ लोग के देश से
बाहर मत भेजस।
11 पहाड़न के लगे सुअर के एगो बड़हन झुंड चारा खात रहे।
12 सब भूत-प्रेत ओकरा से निहोरा करत कहलन कि हमनी के
सुअर में भेज द, ताकि हमनी के सुअर में घुस सकीले।
13 तुरते यीशु ओह लोग के अनुमति दे दिहलन। अशुद्ध आत्मा
निकल के सुअर में घुस गईल अवुरी झुंड एगो खड़ा जगह से नीचे
समुद्र में जोर-जोर से भाग गईल, (उ लोग करीब दु हजार रहे)
अवुरी समुंदर में गला घोंट गईल।
14 सुअर के चरावे वाला लोग भाग के शहर आ देहात में बतवले।
आ ऊ लोग ई देखे खातिर निकलल कि ई का भइल बा.
15 ऊ लोग यीशु के लगे अइले आ ऊ लोग के देखलन कि ऊ
शैतान के भूत से ग्रस्त रहे आ ओकरा लगे सेना बईठल बा आ
कपड़ा पहिनले आ सही दिमाग में रहे।
16 एकरा के देखे वाला लोग बतवले कि शैतान से ग्रस्त आदमी
के संगे अवुरी सुअर के बारे में भी कईसे भईल।
17 उ लोग उनुका से अपना इलाका से निकले के निहोरा करे
लगले।
18 जब ऊ नाव में चढ़ले त ऊ जे शैतान से ग्रस्त रहे, ओकरा से
प्रार्थना कइलस कि ऊ ओकरा साथे रहस।
19 लेकिन यीशु ओकरा के ना दिहलन, लेकिन कहलन, " अपना
दोस्तन के घरे जाके बताईं कि प्रभु तोहरा खातिर केतना बड़
काम कइले बाड़न आ तोहरा पर दया कइले बाड़न।"
20 ऊ चल के दकापोलिस में बतावे लगलन कि यीशु उनका
खातिर केतना बड़हन काम कइले बाड़न आ सभे अचरज में पड़
गइलन।
21 जब यीशु फेर से जहाज से ओह पार चल गइलन त बहुत लोग
उनका लगे जुट गइल आ ऊ समुंदर के नजदीक आ गइलन.
22 आराधनालय के एगो शासक याइरूस के नाम से आवत
बाड़े। ओकरा के देखले त ओकरा गोड़ पर गिर गइल।
23 ऊ ओकरा से बहुत निहोरा कइलन कि हमार छोटकी बेटी
मौत के कगार पर पड़ल बिया। आ ऊ जिंदा रह जइहें।
24 यीशु ओकरा साथे चल गइलन। बहुत लोग उनकरा पीछे-
पीछे आके भीड़ लगा दिहलस।
25 एगो औरत के बारह साल तक खून से लथपथ रहे।
26 कई गो वैद्य लोग के बहुत कष्ट उठा के उनकर सब कुछ
खरच कर देले रहली, लेकिन कुछुओ ठीक ना भईल, बल्कि
अउरी खराब हो गईली।
27 जब उ यीशु के बारे में सुनली त पीछे से दबाव में आके
उनकर कपड़ा छू लिहली।

28 काहेकि उ कहली कि, "अगर हम ओकर कपड़ा के छोड़ देब त हम ठीक हो जाईब।"
29 तुरते ओकर खून के फव्वारा सूख गइल। आ ओकरा अपना देह में लागल कि ऊ ओह प्लेग से ठीक हो गइल बाड़ी.
30 यीशु तुरते अपना मन में जान के कि उनकरा में से सद्‌गुण निकलल बा, उ दब में घुमा के कहले, " हमार कपड़ा के छूवलस?"
31 उनकर चेलन उनकरा से कहलन, "तू भीड़ के भीड़ लगावत देखत बाड़ऽ आ कहत बाड़ऽ कि हमरा के के छूवलस?"
32 उ चारो ओर देखलस कि उ इ काम करे वाली महिला के देखस।
33 लेकिन उ महिला डेरा के काँपत-काँपत जान के कि ओकरा में का भईल बा, उ ओकरा सोझा गिर गईली अवुरी उनुका के पूरा सच्चाई बतवली।
34 उ ओकरा से कहलस, " बेटी, तोहार विश्वास तोहरा के ठीक क देले बा। चैन से जाके आपन विपत्ति से ठीक हो जा।
35 जब ऊ बोलत रहले तबले आराधनालय के मालिक से कुछ लोग आके कहलस कि, "तोहार बेटी मर गइल बा।
36 जइसहीं यीशु कहल गइल वचन सुनलन त ऊ आराधनालय के शासक से कहलन कि मत डेरा, खाली विश्वास करीं।
37 ऊ पतरस, याकूब आ याकूब के भाई यूहन्ना के छोड़ के केहू के पीछे-पीछे ना आवे दिहलन।
38 ऊ आराधनालय के शासक के घरे आके हंगामा आ बहुते रोवत आ विलाप करे वाला लोग के देखले।
39 जब उ अंदर अइले त उ लोग से कहलन कि, " तू लोग इहे हंगामा आ रोवे काहे?" लइकी मरल नइखे, बाकिर सुतल बिया।
40 उ लोग ओकरा के तिरस्कार करत हंसत रहले। लेकिन जब उ सब के बाहर निकाल के लईकी के बाप-माई अवुरी ओकरा संगे रहेवाला लोग के लेके उहाँ घुस गईले, जहां उ लईकी पड़ल रहे।
41 ऊ लइकी के हाथ पकड़ के कहलस, " तलिथा जीर; जवना के मतलब बा कि, "बच्ची, हम तोहरा से कहत बानी, उठ जा."
42 लइकी तुरते उठ के चलल। काहे कि उ बारह साल के रहली। आ ऊ लोग बहुते अचरज से अचरज में पड़ गइल.
43 ऊ ओह लोग के कड़ा आज्ञा दिहलन कि केहू के ई बात ना मालूम होखे। आ आदेश दिहलन कि ओकरा के कुछ खाए खातिर दिहल जाव.

अध्याय 6 के बा

1 उहाँ से निकल के अपना देश में आ गईले। आ उनकर चेला लोग उनकरा पीछे पड़ जाला।
2 जब सब्त के दिन आइल त ऊ आराधनालय में पढ़ावे लगलन आ उनकर बात सुन के बहुत लोग अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि ई बात कहाँ से आइल बा? आ ओकरा के कवन बुद्धि दिहल गइल बा कि अइसन पराक्रमी काम भी ओकरा हाथ से कइल जाला?
3 का इ याकूब, योसेस, यहूदा आ सिमोन के भाई मरियम के बेटा बढ़ई ना ह? आ का उनकर बहिन हमनी के साथे इहाँ नइखी? आ उ लोग ओकरा से नाराज हो गईले।
4 लेकिन यीशु ओनसे कहलन, " भविष्यवक्ता के इज्जत ना होला, बलुक अपना देश में, अपना रिश्तेदारन के बीच आ अपना घर में होला।
5 उहाँ कवनो पराक्रमी काम ना कर सकत रहले, सिवाय कुछ बेमार लोग पर हाथ डाल के ठीक कर दिहले।
6 उ लोग के अविश्वास के चलते उ अचरज में पड़ गईले। आ ऊ गाँव-गाँव में घूम-घूम के पढ़ावत रहले.
7 ऊ बारह गो के अपना लगे बोला के दू-दू दू गो भेजल शुरू कर दिहलन। आ अशुद्ध आत्मा पर अधिकार दिहलन।
8 उ लोग के आज्ञा दिहलन कि उ लोग अपना यात्रा खातिर खाली एगो लाठी छोड़ के कुछुओ ना लेवे के चाहीं। ना कवनो स्क्रप, ना रोटी, ना पइसा ओह लोग के पर्स में।
9 लेकिन चप्पल के जूता पहिन के रहऽ। आ दू गो कोट ना पहिरे के चाहीं.
10 उ लोग से कहलन कि, " जवना घर में जाइब, तब तक उहाँ रहब जब तक कि तू लोग ओह जगह से ना निकलब।"
11 जे भी तोहनी के ना ग्रहण करी आ ना सुनाई, जब तू उहाँ से निकलब त ओकरा खिलाफ गवाही देवे खातिर अपना गोड़ के नीचे के धूल के हिला दीं। हम तोहनी से सच कहत हई कि न्याय के दिन सदोम आ अमोरा के नगर से ज्यादा सहनशील होई।
12 उ लोग बाहर निकल के प्रचार कईले कि आदमी पश्चाताप करे।
13 उ लोग बहुत दुष्टात्मा के भगा दिहले, आ बहुत बेमार लोग के तेल से अभिषेक क के ठीक क देले।
14 राजा हेरोदेस ओकर बारे में सुनले। (काहेकि उनकर नाम फइलल रहे।) उ कहले, "यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला मुवलन में से जी उठल बाड़े, एही से उनकरा में पराक्रमी काम लउकत बा।"
15 दूसर लोग कहल कि इ एलियाह ह। दूसर लोग कहल कि, इ एगो भविष्यवक्ता ह, या भविष्यवक्ता में से कवनो एक के रूप में।
16 हेरोदेस ई बात सुन के कहलन, "हम यूहन्ना हउवें जेकर सिर काटले बानी।
17 काहेकि हेरोदेस खुद भेज के यूहन्ना के पकड़ के जेल में बंद क देले रहले, जवन कि अपना भाई फिलिप के पत्नी हेरोदियास के चलते उनुका से बियाह क लेले रहले।
18 काहेकि यूहन्ना हेरोदेस से कहले रहले कि, "तोहरा भाई के मेहरारू होखल जायज नईखे।"
19 एही से हेरोदियास के उनकरा से झगड़ा हो गइल आ उ उनकरा के मार दिहल चाहत रहले। बाकिर ऊ ना कर पवली.
20 हेरोदेस यूहन्ना से डेरात रहले, काहेकि उ जानत रहले कि उ धर्मी आ पवित्र आदमी हवे अवुरी उनुकर पालन करत रहले। उनकर बात सुन के ऊ बहुत काम कइलन आ खुशी से उनकर बात सुनलन।
21 एक दिन ठीक हो गइल त हेरोदेस अपना जनमदिन पर अपना मालिकन, महासेनापति आ गलील के मुखिया लोग के भोज बनवले।
22 जब उल्लिखित हेरोदिया के बेटी अंदर आके नाच के हेरोदेस आ ओकरा साथे बईठल लोग के खुश कइलस त राजा ओह लइकी से कहलस, "तू जवन मन करे हमरा से माँगऽ आ हम तोहरा के दे देब।"
23 उ ओकरा से किरिया खइले कि, "तू हमरा से जवन कुछ माँगब, हम ओकरा के तोहरा के दे देब, अपना राज्य के आधा हिस्सा तक।"
24 ऊ निकल के अपना महतारी से कहली, "हम का पूछब? उ कहली, "यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला के सिर।"

25 ऊ तुरते राजा के लगे अइली आ कहली कि, "हम चाहत बानी कि तू हमरा के यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला के माथा एक बार में एक जार में दे दऽ।"
26 राजा के बहुत दुख भइल। तबो अपना किरिया खातिर आ ओकरा साथे बइठल ओह लोग खातिर ऊ ओकरा के ना ठुकरा दिहलन.
27 राजा तुरते एगो जल्लाद भेज के ओकर माथा ले आवे के आदेश दिहलन आ जेल में जाके ओकर सिर काट दिहलन।
28 ऊ आपन माथा एगो बर्तन में लेके ओह लइकी के दे दिहलस आ लइकी अपना महतारी के दे दिहलस।
29 जब उनकर चेला लोग ई बात सुन के उनकर लाश लेके एगो कब्र में रख दिहलन।
30 प्रेरित लोग यीशु के लगे एकट्ठा होके उ लोग के काम आ सिखावल सब बात बतवले|
31 ऊ ओह लोग से कहलन कि, " तू लोग अलग-अलग रेगिस्तान में आके कुछ देर आराम करऽ, काहे कि बहुत लोग आवत-जात रहे, आ ओह लोग के खाना खाए के फुरसत ना रहे।
32 उ लोग एकांत में जहाज से एगो रेगिस्तानी जगह प निकल गईले।
33 लोग ओह लोग के जात देख के बहुत लोग उनका के जान गइल आ सब शहरन से पैदल उहाँ भागल आ ओह लोग के आगे बढ़ के ओकरा लगे आ गइल।
34 यीशु जब बाहर निकलले त बहुत लोग के देखले अवुरी उनुका प दया आईल, काहेंकी उ भेड़ निहन रहले, जवना के चरवाहा ना रहे।
35 जब दिन बहुत दूर हो गइल त उनकर चेला लोग उनकरा लगे आके कहलन, "ई एगो रेगिस्तान ह आ अब समय बहुत बीत गइल बा।
36 ओह लोग के भेज दीं कि ऊ लोग आसपास के देहात आ गाँव में जाके अपना खातिर रोटी खरीद सके, काहे कि ओह लोग के खाए खातिर कुछुओ नइखे।
37 ऊ जवाब दिहलन, " तू लोग ओह लोग के खाना दे दीं।" उ लोग ओकरा से कहलस कि का हमनी के जाके दु सौ पईसा के रोटी खरीद के ओ लोग के खाए के देब जा?
38 उ लोग से कहलस कि तोहनी के लगे केतना रोटी बा? जाके देखऽ। जब ऊ लोग के पता चलल त ऊ लोग कहत बा कि "पाँच गो आ दू गो मछरी."
39 ऊ ओह लोग के आदेश दिहलन कि सभे के हरियर घास पर बईठावल जाव।
40 ऊ लोग सैकड़न आ पचास के पंक्ति में बइठल।
41 पांच गो रोटी आ दू गो मछरी लेके ऊ आकाश के ओर देखलन आ आशीष दिहलन आ रोटी के तोड़ के अपना चेलन के दे दिहलन कि ऊ लोग ओह लोग के सोझा राखसु. आ दुनो मछरी के उ सब के बीच बांट दिहलस।
42 सब लोग खा के पेट भर गइलन।
43 उ लोग बारह गो टोकरी में टुकड़ा-टुकड़ा आ मछरी से भरल रखले।
44 रोटी के खाए वाला लोग करीब पांच हजार आदमी रहले।
45 उ तुरते अपना चेलन के नाव में चढ़े आ ओकरा से पहिले ओह पार बेतसैदा जाए खातिर मजबूर कर दिहलन, जबकि ऊ लोग के भेज दिहलन।
46 जब उ ओह लोग के भेज के एगो पहाड़ पर प्रार्थना करे खातिर निकल गईले।
47 जब साँझ हो गइल त जहाज समुंदर के बीच में रहे आ ऊ अकेले जमीन पर रहे।
48 ऊ ओह लोग के नाव चलावे में मेहनत करत देखलन। काहे कि हवा ओह लोग के विपरीत रहे आ रात के चउथा प्रहर के करीब ऊ समुंदर पर चलत ओह लोग के लगे अइले आ ओह लोग के पास से गुजरल चाहत रहले.
49 जब उ लोग ओकरा के समुंदर पर चलत देखले त उ लोग समझल कि इ एगो आत्मा ह।
50 काहेकि उ सब ओकरा के देख के घबरा गईले। उ तुरते ओ लोग से बात कईले अवुरी कहले, " हैस रहऽ, हमहीं हईं। डेराए के ना होखे।
51 ऊ ओह लोग के लगे जहाज में चढ़ गइलन। हवा बंद हो गइल आ ऊ लोग अपना में बहुते अचरज में पड़ गइल आ अचरज में पड़ गइल.
52 उ लोग रोटी के चमत्कार के बारे में ना सोचले, काहेकि उ लोग के मन कठोर हो गईल रहे।
53 जब उ लोग ओहिजा से गुजर के गेनेसरत के देश में आके किनारे आ गईले।
54 जब उ लोग जहाज से उतरले त तुरंत उनुका के जान गईले।
55 उ पूरा इलाका में दौड़त-दौड़त बेमार लोग के बिछौना पर लेके घूमे लगले, जहां उ लोग सुनले कि उ बाड़े।
56 जहाँ-जहाँ उ गाँव-गाँव भा शहर भा देहात में घुसल, उ लोग बेमार लोग के गली-गली में सुता के निहोरा करत रहे कि अगर उ कपड़ा के सीमा मात्र होखे त उ लोग ओकरा के छू सके।

अध्याय 7 के बा

1 फिर यरूशलेम से आइल फरीसियन आ कुछ शास्त्री लोग उनका लगे एकट्ठा भइल।
2 जब उ लोग उनकर कुछ चेलन के अशुद्ध यानी बिना धोवल हाथ से रोटी खात देखले त उ लोग के दोष मिलल।
3 काहे कि फरीसी आऊ सब यहूदी लोग जब तक बार बार हाथ ना धोवेला, तब तक बुजुर्ग लोग के परंपरा के पालन करत ना खाए।
4 जब उ लोग बाजार से आवेले, जब तक कि उ लोग नहाएले, तब तक उ लोग ना खाएले। आ अउरी बहुत कुछ बा जवन ओह लोग के पकड़े के मिलल बा, जइसे कि कटोरा, बर्तन, पीतल के बर्तन आ टेबुल धोवे के काम।
5 तब फरीसियन आ शास्त्री लोग उनकरा से पूछलन, "तोहार चेलन बुजुर्ग लोग के परंपरा के अनुसार काहे ना चलेलन, बलुक हाथ धोवल रोटी खात रहलन?
6 ऊ जवाब दिहलन, " यशायाह तोहनी पाखंडी लोग के बारे में बढ़िया से भविष्यवाणी कइले बाड़न, जइसन कि लिखल बा, "ई लोग हमरा के आपन होठ से आदर करेला, लेकिन उनकर दिल हमरा से दूर बा।"
7 लेकिन उ लोग बेकार में हमार आराधना करेलन, आ आदमी के आज्ञा के शिक्षा खातिर सिखावेलन।
8 काहेकि परमेश्वर के आज्ञा के एक तरफ छोड़ के तू लोग आदमी के परंपरा के पालन करत बाड़ऽ, जइसे कि घड़ा आ प्याला धोवे के काम करेला।
9 ऊ ओह लोग से कहलन कि, " तू लोग भगवान के आज्ञा के पूरा तरह से नकारत बानी, ताकि तू लोग आपन परंपरा के पालन कर सकीले।"

10 मूसा कहले रहले कि, “अपना बाप-माई के आदर करऽ। आ, जे बाप भा महतारी के गारी देत बा, ओकरा मौत के मौत होखे के चाहीं.
11 लेकिन तू कहत रहलू कि अगर केहू अपना बाप भा महतारी से कहे कि, ‘कोर्बन ह, माने कि वरदान, जवना से तोहरा हमरा से फायदा होखे। ऊ आजाद हो जाई।
12 आउर तू ओकरा के अब अपना बाप भा माई खातिर कवनो काम ना करे देत बाड़ू।
13 तू लोग अपना परंपरा से परमेश् वर के वचन के बेकार करऽ, जवन तू लोग देले बाड़ऽ।
14 जब उ सब लोग के अपना लगे बोलवले त उ लोग से कहले, “ तू लोग में से हर एक हमार बात सुन के समझ लीं।
15 आदमी के बाहर से कवनो अइसन चीज नइखे जवन ओकरा में घुसला से ओकरा के अशुद्ध कर सके, लेकिन जवन चीज ओकरा से निकलेला उहे आदमी के अशुद्ध करेला।
16 अगर केहू के सुनला के कान बा त उ सुनस।
17 जब उ लोग के बीच से घर में घुसलन त उनकर चेला लोग उनकरा से दृष्टान्त के बारे में पूछले|
18 उ ओह लोग से कहलस, “ का तू लोग भी अतना बेबुनियाद बाड़?” का तोहनी के ई ना बुझाइल कि बाहर से जवन भी चीज आदमी में घुसेला, ओकरा के अशुद्ध ना कर सकेला।
19 काहे कि ई ओकरा दिल में ना, बलुक पेट में घुस के पानी के पानी में निकल के सब भोजन के शुद्ध करेला?
20 ऊ कहलन, “ मनुष्य से जवन निकलेला ऊ आदमी के अशुद्ध करेला।”
21 काहे कि आदमी के भीतर से, मन से बुरा विचार, व्यभिचार, व्यभिचार, हत्या के बात निकलेला।
22 चोरी, लोभ, दुष्टता, धोखा, कामुकता, बुरा नजर, निंदा, घमंड, मूर्खता।
23 ई सब बुराई भीतर से आवेला आ आदमी के अशुद्ध कर देला।
24 उहाँ से उठ के सोर आ सीदोन के सीमा में चल गइलन आ एगो घर में घुस गइलन आ केहू के पता ना चले के चाहत रहे, बाकिर ओकरा के छिपावल ना जा सकल।
25 एगो औरत, जेकर छोट बेटी में अशुद्ध आत्मा रहे, उ ओकर बारे में सुन के ओकरा गोड़ में गिर गईल।
26 ऊ औरत यूनानी रहली आ राष्ट्र के हिसाब से सिरोफेनीशियन रहली। आ ऊ ओकरा से निहोरा कइली कि ऊ ओकरा बेटी से शैतान के बाहर निकाल देव.
27 लेकिन यीशु ओकरा से कहले, “ पहिले लईकन के पेट भरे दीं, काहेकि लइकन के रोटी लेके कुकुरन के सोझा फेंकल उचित नइखे।
28 ऊ ओकरा से कहली, “हँ हे प्रभु, तबो मेज के नीचे के कुकुर लइकन के टुकड़न खात बाड़े।
29 उ ओकरा से कहलस, “ एह बात के चलते चल जा। तोहरा बेटी से शैतान निकल गइल बा।
30 जब उ अपना घरे पहुंचली त देखली कि शैतान निकल गईल बा अवुरी उनुकर बेटी बिछौना प लेट गईल बिया।
31 ऊ फेर से सोर आ सीदोन के किनारे से निकल के दकापोलिस के बीच से होके गलील के समुंदर में पहुँच गइलन।
32 उ लोग उनकरा लगे एगो बहरा के ले अइले, जेकरा बोले में बाधा रहे। आ ऊ लोग ओकरा से निहोरा करत बा कि ऊ ओकरा पर हाथ डाल देव.
33 ऊ ओकरा के भीड़ से अलगा क के कान में अँगुरी डाल के थूक के जीभ छू लिहले।
34 ऊ आकाश के ओर देखत आह भरत कहलन, “एफ्फाथा, माने कि खुल जा.”
35 तुरते उनकर कान खुलल आ जीभ के डोरी ढीला हो गइल आ ऊ साफ-साफ बोलल।
36 ऊ ओह लोग के आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग केहू के ना बतावे, बाकिर जेतना आज्ञा देत रहले, ओतने ऊ लोग एकरा के प्रचार करत रहले.
37 ऊ लोग अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि ऊ सब कुछ बढ़िया से कइले बाड़न, बहिरन के सुनवावेला आ गूंगा लोग के बोले के काम करेला।

अध्याय 8 के बा

1 ओह दिनन में भीड़ बहुत ढेर रहे आ खाए खातिर कुछुओ ना रहे, त यीशु अपना चेलन के अपना लगे बोलवले आ कहले।
2 हमरा भीड़ पर दया आवत बा काहे कि ऊ लोग हमरा साथे तीन दिन से बा आ ओकरा लगे कुछुओ खाए के नइखे।
3 अगर हम ओह लोग के उपवास क के अपना घरे भेज देब त रास्ता में बेहोश हो जइहें काहे कि ओह लोग में से कई लोग दूर से आइल रहे।
4 उनकर चेलन उनकरा से कहलन, “इहाँ जंगल में केहू एह लोग के रोटी से कहाँ से तृप्त कर सकेला?
5 ऊ ओह लोग से पूछले, “ तोहरा लगे केतना रोटी बा? उ लोग कहले, “सात”।
6 ऊ लोग के जमीन पर बइठे के आज्ञा दिहलन आ ऊ सात गो रोटी लेके धन्यवाद दिहलन आ तोड़ के अपना चेलन के दे दिहलन कि ऊ लोग ओह लोग का सोझा राखसु. आ ऊ लोग ओह लोग के लोग के सामने रख दिहल।
7 ओह लोग के लगे कुछ छोट मछरी रहे आ ऊ आशीष दिहलन आ ओह लोग के सामने रखे के आज्ञा दिहलन।
8 उ लोग खा के पेट भर गईले अवुरी जवन टूटल-फूटल मांस बचल रहे, ओकरा में से सात टोकरी उठा लेले।
9 जे लोग खइले रहे, उ लोग करीब चार हजार रहे।
10 उ तुरते अपना चेलन के साथे एगो नाव में सवार होके दलमनुथा के इलाका में चल गईले|
11 फरीसियन लोग बाहर निकल के उनकरा से पूछताछ करे लगलन कि स्वर्ग से उनकरा से कवनो चमत्कार के तलाश में उनकर परीक्षा लेत रहले।
12 ऊ अपना मन में गहिराह आह भरत कहलन, “ ई पीढ़ी काहे कवनो चमत्कार खोजत बिया? हम तोहनी से सच कहत हई कि एह पीढ़ी के कवनो निशानी ना दिहल जाई।
13 ऊ ओह लोग के छोड़ के फेर से नाव में चढ़ के दूसरा ओर चल गइलन।
14 चेलन रोटी लेबे के भूल गइल रहले आ नाव में एक रोटी से अधिका ना रहे।
15 ऊ ओह लोग के आज्ञा दिहलन कि, “ सावधान रहऽ, फरीसियन के खमीर आ हेरोदेस के खमीर से सावधान रहऽ।”
16 उ लोग आपस में बतकही करत कहले, “हमनी के लगे रोटी ना होखे के चलते बा।”
17 जब यीशु इ बात के जान गईले त उ लोग से पूछले, “ तू लोग के रोटी ना होखे के चलते काहे तर्क? तू लोग अभी तक नईखी

समझत, ना समझत बाड़ू? का तोहनी के दिल अभी तक कठोर हो गईल बा?
18 आँख बा, तू लोग नई देखत? कान बा त तू लोग नई सुनत हव? आ का तोहनी के याद नइखे?
19 जब हम पांच हजार लोग के बीच में पांच रोटी के तोड़ देनी त तू लोग केतना टोकरी में टुकड़ा-टुकड़ा उठा लेहनी? उ लोग ओकरा से कहलस कि बारह।
20 चार हजार में से सात गो केतना टोकरी में टुकड़-टुकड़ उठा लेहनी? उ लोग कहले, "सात"।
21 ऊ ओह लोग से पूछले, " तू लोग कइसे ना समझत बाड़ऽ?
22 ऊ बेतसैदा आ गइलन। उ लोग एगो आन्हर के ओकरा लगे ले आके ओकरा के छूवे के निहोरा कईले।
23 उ आन्हर के हाथ पकड़ के शहर से बाहर ले गईले। आ जब ऊ ओकरा आँख पर थूक के हाथ डाल दिहलसि त पूछलसि कि का रउरा कवनो काम देखत बानी.
24 ऊ आँख उठा के कहले, "हम आदमी के पेड़ नियर चलत देखत बानी।"
25 ओकरा बाद उ फेर से आपन हाथ रख के आँख उठा के देखवले।
26 ऊ ओकरा के अपना घरे भेज दिहलन कि, " ना त शहर में जाइए आ ना ही शहर के केहू के बताईं।"
27 यीशु अपना चेलन के साथे कैसरिया फिलिप्पी के शहरन में निकल गइलन आ रास्ता में उ अपना चेलन से पूछले कि, " लोग हमरा के के कहत बा?"
28 उ लोग जवाब देले, "यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला, लेकिन कुछ लोग कहत बा कि एलियाह! आ दूसर लोग, भविष्यवक्ता लोग में से एगो।
29 ऊ ओह लोग से पूछले, " तू लोग के कहत बाड़ऽ कि हम के हईं?" पतरस जवाब दिहलन आ कहलन कि तू मसीह हउअ।
30 ऊ ओह लोग के आदेश दिहलन कि ऊ लोग केहू के ओकर बारे में ना बतावे।
31 ऊ ओह लोग के सिखावे लगलन कि मनुष्य के बेटा के बहुते कष्ट उठावे के पड़ी आ बुजुर्गन, मुखिया याजक आ शास्त्री लोग के ठुकरा दिहल जाव आ मारल जा सकेला आ तीन दिन बाद जी उठल जरूरी बा.
32 उ इ बात खुल के बोलले। पतरस ओकरा के पकड़ के डाँटे लगले।
33 लेकिन जब उ मुड़ के अपना चेलन के ओर देखले त पतरस के डांटत कहले, "हे शैतान, हमरा पीछे हट जा, काहेकि तू भगवान के चीज़ के ना, बल्कि आदमी के चीज़ के स्वाद लेवेले।
34 जब उ अपना चेलन के साथे लोग के अपना लगे बोलवले त उ लोग से कहलन कि जे भी हमरा पीछे आवे के चाहत बा, उ अपना के नकार देवे आ आपन क्रूस उठा के हमरा पीछे चले।
35 काहे कि जे आपन जान बचावे के चाहत बा, उ ओकरा के गँवा दी। लेकिन जे भी हमरा आ सुसमाचार खातिर आपन जान गँवावेला, उहे ओकरा के बचाई।
36 अगर आदमी के पूरा दुनिया के फायदा हो जाई आ आपन जान गँवा दिहल जाव त ओकरा का फायदा होई?
37 या आदमी अपना जान के बदला में का देई?
38 एह व्यभिचारी आ पापी पीढ़ी में जे हमरा आ हमरा बात से शर्मिंदा होई। जब ऊ पवित्र स्वर्गदूतन के साथे अपना पिता के महिमा में अइहें त ओकरा से लजा जाई।

अध्याय 9 के बा

1 उ लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि इहाँ खड़ा कुछ लोग के मौत तब तक ना चखाई जब तक कि उ लोग परमेश्वर के राज्य के शक्ति से आवे के ना देखिहे।
2 छह दिन बाद यीशु पतरस, याकूब आ यूहन्ना के अपना साथे लेके अलग-अलग एगो ऊँच पहाड़ पर ले गइलन।
3 उनकर कपड़ा बर्फ नियर उज्जर हो गइल। जइसे कि धरती पर कवनो फुलर ओह लोग के सफेद ना कर सके.
4 उहाँ एलियाह मूसा के साथे प्रकट भइले आ उ लोग यीशु से बात करत रहले।
5 पतरस यीशु से कहलन, "गुरु, हमनी के इहाँ रहला से अच्छा बा। एगो तोहरा खातिर, एगो मूसा खातिर, आ एगो एलियास खातिर।
6 काहेकि ओकरा का कहे के बात नइखे बुझात। काहे कि ऊ लोग बहुते डेरा गइल रहे.
7 बादल ओह लोग पर छा गइल आ बादल से एगो आवाज निकलल कि, "ई हमार प्रिय बेटा ह, ओकर बात सुनऽ।"
8 अचानक जब उ लोग चारो ओर देखले त उ लोग केहु ना देखाई देलस, सिवाय यीशु के छोड़ के।
9 जब उ लोग पहाड़ से उतरत रहले त उ लोग के आदेश देले कि जब तक आदमी के बेटा मुवलन में से ना जी उठल तब तक उ लोग के देखल बात केहु के मत बताई।
10 उ लोग एक दूसरा से पूछत रहले कि मुवलन में से जी उठला के का मतलब होला?
11 उ लोग ओकरा से पूछले, "शास्त्री लोग काहे कहत बा कि पहिले एलियाह के आवे के चाहीं?
12 ऊ जवाब दिहलन आ कहलन कि, " एलियाह पहिले आके सब कुछ ठीक कर देत बाड़न। आ कइसे आदमी के बेटा के बारे में लिखल बा कि ओकरा बहुत दुख उठावे के पड़ी आ ओकरा के दोषी ठहरावे के पड़ी।
13 लेकिन हम तोहनी से कहत हईं कि एलियास सचमुच आईल बाड़े अवुरी उ लोग उनुका संगे जवन मन कईले रहले, उहे कईले बाड़े, जईसे कि उनुका बारे में लिखल बा।
14 जब ऊ अपना चेलन के लगे पहुँचलन त देखलन कि ओह लोग के आसपास बहुत भीड़ आ शास्त्री लोग ओह लोग से पूछताछ करत रहे।
15 तुरते सब लोग उनका के देख के बहुत अचरज में पड़ गईले अवुरी भाग के उनुका लगे जाके उनुका के नमस्कार कईले।
16 ऊ शास्त्री लोग से पूछले, " तू लोग ओह लोग से का सवाल बा?
17 भीड़ में से एगो जवाब दिहलस, "गुरु, हम अपना बेटा के तोहरा लगे ले आईल बानी, जेकरा में गूंगा आत्मा बा।
18 जहाँ भी ऊ ओकरा के ले जाला, उ ओकरा के फाड़ देला, फेन निकलेला, दाँत चीर के चकनाचूर करेला, आ हम तोहरा चेलन से कहनी कि ओकरा के बाहर निकाले। आ ऊ लोग ना कर सकल.
19 ऊ जवाब दिहलन, " हे अविश्वासी पीढ़ी, हम कब ले तोहनी के साथे रहब? हम कब तक तोहरा के सहन करब? ओकरा के हमरा लगे ले आवऽ।
20 ऊ लोग ओकरा के ओकरा लगे ले अइले आ जब ऊ ओकरा के देखलस त तुरते आत्मा ओकरा के फाड़ दिहलस। ऊ जमीन पर गिर गइल आ झाग से लहरात हो गइल।

21 उ अपना पिता से पूछले कि, “ई बात ओकरा लगे कतना दिन हो गईल बा?” ऊ कहलस, “एक लइका के।”
22 कई बेर ओकरा के नाश करे खातिर आग आ पानी में फेंक देले बा, लेकिन अगर तू कुछ कर सकेलऽ त हमनी पर दया करऽ आ हमनी के मदद करऽ।
23 यीशु ओकरा से कहलन, “ अगर तू विश्वास कर सकेनी त विश्वास करे वाला खातिर सब कुछ संभव बा।”
24 लइका के बाप तुरते चिल्ला के कहलस, “प्रभु, हम विश्वास करत बानी। तू हमार अविश्वास के मदद करऽ।
25 जब यीशु देखलन कि लोग दौड़त-दौड़त आवत बा, त उ दुष्टात्मा के डांटत कहलन कि, “ हे गूंगा आ बहिर आत्मा, हम तोहरा के आज्ञा देत बानी कि ओकरा से बाहर निकल के ओकरा में अब मत घुस जा।”
26 ऊ आत्मा चिल्ला के ओकरा के फाड़ के ओकरा से बाहर निकलल आ ऊ मरल जइसन हो गइल। एतना कि बहुत लोग कहल कि, उ मर गईल बाड़े।
27 लेकिन यीशु उनकर हाथ पकड़ के उठवले। आ ऊ उठ गइलन.
28 जब ऊ घर में अइले त उनकर चेला लोग एकांत में पूछले कि, “हम ओकरा के काहे ना निकाल पवनी?”
29 उ लोग से कहलन, “ ई तरह के प्रार्थना आ उपवास के अलावा कुछुओ से ना निकल सकेला।”
30 उ लोग उहाँ से निकल के गलील से गुजरल। आ ऊ ना चाहत रहले कि केहू के ई बात मालूम होखे.
31 उ अपना चेलन के सिखावत कहले कि, “ मनुष्य के बेटा के आदमी के हाथ में सौंपल गईल बा अवुरी उ लोग ओकरा के मार दिहे। आ ओकरा के मारला के बाद तीसरा दिन उठ जाई।
32 लेकिन उ लोग इ बात ना समझले अवुरी उनुका से पूछे से डेरा गईले।
33 तब उ कफरनहूम पहुंचले अवुरी घर में रहत उ लोग से पूछले कि, रास्ता में आप आपस में कवन विवाद भईल?
34 लेकिन उ लोग चुप रहले, काहेकि रास्ता में उ लोग आपस में विवाद करत रहले कि के सबसे बड़ होई।
35 ऊ बईठ के बारह गो के बोलवले आ कहलन कि अगर केहू पहिला बने के चाहत बा त उ सबके बाद आ सबके सेवक होई।
36 ऊ एगो लइका के लेके ओह लोग के बीच में बइठा दिहलन आ जब ऊ ओकरा के अपना कोरा में लेके ओह लोग से कहलन।
37 जे भी हमरा नाम से अइसन लइका में से कवनो एक के ग्रहण करी, उ हमरा के ग्रहण करी, आ जे हमरा के ग्रहण करी, उ हमरा के ना, बलुक हमरा के भेजे वाला के ग्रहण करी।
38 यूहन्ना ओकरा के जवाब दिहलन, “गुरु, हमनी के देखले बानी जा कि उ तोहरा नाम से दुष्टात्मा के भगावत बा, लेकिन उ हमनी के पीछे नईखी चलत।
39 लेकिन यीशु कहले, “ उनुका के मना मत करीं, काहेकि हमरा नाम से कवनो चमत्कार करे वाला केहु नईखे, जवन हमरा बारे में हल्का में बुराई क सकता।”
40 काहेकि जे हमनी के खिलाफ नइखे उ हमनी के ओर से बा।
41 काहे कि जे भी तोहनी के हमरा नाम से एक प्याला पानी पीये, काहेकि तोहनी के मसीह के हई, हम तोहनी से सच कहत बानी कि उ आपन इनाम ना गँवावेला।
42 जे भी हमरा पर विश्वास करे वाला एह छोट-छोट लइका में से कवनो एक के दोषी ठहरावेला, ओकरा खातिर बेहतर होई कि ओकरा गर्दन में चक्की के पत्थर लटका दिहल जाव आ ओकरा के समुंदर में फेंक दिहल जाव।
43 अगर तोहार हाथ तोहरा के ठेस पहुँचावेला त ओकरा के काट लीं, तोहरा खातिर दुगो हाथ नरक में जाए से बेहतर बा कि तोहके आग में जाके कबो ना बुझावल जा सके।
44 जहाँ उनकर कीड़ा ना मरेला आ आग ना बुझेला।
45 अगर तोहार गोड़ तोहरा के ठेस पहुँचावेला त ओकरा के काट लीं, तोहरा खातिर दू गो गोड़ नरक में डाल दिहला से बढ़िया बा कि ओकरा के कबो ना बुझावल जा सके।
46 जहाँ उनकर कीड़ा ना मरेला आ आग ना बुझेला।
47 अगर तोहार आँख तोहरा के दोष देत बा त ओकरा के उखाड़ के निकाल लीं, तोहरा खातिर एक आँख से परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कईल बेहतर बा, ना कि दु आँख होखे कि नरक के आग में डालल जाइ।
48 जहाँ उनकर कीड़ा ना मरेला आ आग ना बुझेला।
49 काहे कि हर केहू के आग से नमकीन कइल जाई आ हर बलिदान के नमक से नमकीन कइल जाई।
50 नमक बढ़िया ह, लेकिन अगर नमक के नमक खतम हो गईल बा त तू ओकरा के कवना से मसाला देब? अपना में नमक होखे आ एक दोसरा से शांति होखे।

अध्याय 10 के बा

1 उहाँ से उठ के यरदन के दूर यहूदिया के इलाका में आ गइलन आ लोग फेरु से उनकरा लगे पहुँच गइलन। आ जइसे कि उनकर आदत रहे, ऊ ओह लोग के फेर से सिखवले.
2 फरीसियन उनका लगे आके पूछले, “का आदमी के आपन मेहरारू छोड़ल जायज बा?” ओकरा के लुभावत रहे।
3 उ लोग से कहलन, “ मूसा तोहनी के का आज्ञा देले रहले?
4 उ लोग कहले, “मूसा तलाक के पत्र लिख के ओकरा के छोड़े के अनुमति देले रहले।”
5 यीशु जवाब दिहलन, “ तोहरा मन के कठोरता के चलते उ तोहनी के ई उपदेश लिखले बाड़न।
6 लेकिन सृष्टि के शुरुआत से ही परमेश्वर उ लोग के नर-मारी बनवले।
7 एही से आदमी अपना बाप-माई के छोड़ के अपना मेहरारू से चिपक जाई।
8 दुनो लोग एक शरीर हो जइहें, त अब उ लोग दुगो ना होके एक शरीर हो जइहें।
9 एह से जवन परमेस् वर जोड़ले बाड़न, ओकरा के आदमी अलग मत करे।
10 घर में उनकर चेलन फेरु से उहे बात पूछले|
11 ऊ ओह लोग से कहलन कि जे केहू अपना मेहरारू के छोड़ के दोसरा से बियाह कर लेव त ओकरा साथे व्यभिचार करेला।
12 अगर कवनो मेहरारू अपना पति के छोड़ के दोसरा से बियाह कर लेव त ऊ व्यभिचार करी।
13 ऊ लोग छोट लइकन के उनकरा लगे ले अइले कि ऊ ओह लोग के छूवे आ उनकर चेला लोग ओह लोग के डांटत रहे।
14 जब यीशु ई देख के बहुत नाराज हो गइलन आ कहलन कि छोट लइकन के हमरा लगे आवे दीं आ ओकरा के मना मत करीं, काहेकि परमेश्वर के राज्य अइसने लोग के ह।
15 हम तोहनी से सच कहत हई कि जे भी परमेश्वर के राज्य के छोट बच्चा के रूप में ना ग्रहण करी, उ ओकरा में ना जाई।

16 ऊ ओह लोग के अपना कोरा में उठा के ओह लोग पर हाथ रख के आशीष दिहलन।
17 जब उ रास्ता में निकललन त एगो आदमी दौड़त आके घुटना टेक के पूछलस, "गुरु जी, हम का करब ताकि हम अनन्त जीवन के उत्तराधिकारी हो सकीले?"
18 यीशु ओकरा से कहलन, " तू हमरा के अच्छा काहे कहत बाड़ऽ? एक के अलावा केहू अच्छा नइखे, माने कि भगवान।
19 तू ई आज्ञा जानत बाड़ऽ कि व्यभिचार मत करऽ, हत्या मत करऽ, चोरी मत करऽ, झूठा गवाही मत देऽ, धोखा मत करऽ, अपना बाप-माई के आदर मत करऽ।
20 उ जवाब देके कहलस, "गुरु, हम जवानी से इ सब के पालन कईले बानी।
21 तब यीशु ओकरा के देख के ओकरा से प्यार कइलन आ कहलन, " तोहरा में एक चीज के कमी बा, जा, जवन कुछ बा ओकरा के बेच के गरीबन के दे दीं, त तोहरा स्वर्ग में खजाना हो जाई, आ आके क्रूस उठा के... हमरा पीछे-पीछे चलत बानी।
22 उ एह बात से दुखी होके दुखी होके चल गईले, काहेकि उनकर बहुत सम्पत्ति रहे|
23 यीशु चारो ओर देखलन आ अपना चेलन से कहलन कि धनवान लोग के परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कतना मुश्किल बा।
24 उनकर बात देख के चेला लोग अचरज में पड़ गइलन। लेकिन यीशु फेर से जवाब दिहलन आ कहलन, " बइका लोग, धन पर भरोसा करे वाला लोग खातिर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कइल केतना मुश्किल बा!
25 ऊंट के सुई के आंख से गुजरल आसान बा, जबकि अमीर के परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कईल आसान बा।
26 उ लोग बहुत हद तक अचरज में पड़ गईले अवुरी आपस में पूछले कि, "तब के के उद्धार हो सकता?
27 यीशु ओह लोग के देखत कहले, " मनुष्य खातिर ई असंभव बा, लेकिन परमेश्वर के खातिर ना, काहेकि परमेश्वर के खातिर सब कुछ संभव बा।
28 पतरस ओकरा से कहे लगलन, "देखऽ, हमनी के सब कुछ छोड़ के तोहरा पीछे चल गइल बानी जा।"
29 यीशु जवाब दिहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि हमरा आ सुसमाचार के खातिर घर, भाई, बहिन, बाप, माई, मेहरारू, बच्चा, भा जमीन छोड़ के कवनो आदमी नइखे , के बा .
30 लेकिन अब ओकरा सौ गुना घर, भाई, बहिन, महतारी, लइका आ देश के सतावला के साथे मिल जाई। आ आवे वाला दुनिया में अनन्त जीवन में।
31 लेकिन बहुत लोग जे पहिले बाड़े, उ बाद में रहीहे। आ आखिरी पहिला.
32 उ लोग यरूशलेम के रास्ता में चलत रहले। यीशु उनकरा से आगे चल गइलन आ ऊ लोग अचरज में पड़ गइलन। आ जइसे-जइसे ऊ लोग पीछे-पीछे चलत गइल, ऊ लोग डेरा गइल। उ बारह लोग के फेरु से लेके बतावे लगले कि उनुका का होखे वाला बा।
33 ऊ कहले, " देखऽ, हमनी के यरूशलेम चलत बानी जा। आदमी के बेटा के मुख्य याजकन आ शास्त्री लोग के सौंप दिहल जाई। उ लोग ओकरा के मौत के सजा सुनाई अवुरी ओकरा के गैर-यहूदी लोग के हाथ में सौंप दिहे।
34 उ लोग ओकर मजाक उड़ाई, ओकरा के कोड़ा मार दिही, ओकरा पर थूक दिही अवुरी ओकरा के मार दिही, अवुरी तीसरा दिन उ जी उठ जाई।
35 जबदी के बेटा याकूब आ यूहन्ना उनकरा लगे अइले आ कहलन कि, "गुरु, हम चाहत बानी कि तू हमनी खातिर जवन कुछ चाहत बानी जा, उहे करऽ।"
36 ऊ ओह लोग से पूछले, " तू लोग का चाहत बानी कि हम तोहनी खातिर करीं?
37 उ लोग ओकरा से कहलस, "हमनी के एगो तोहरा दाहिना ओर आ दूसरा तोहरा बायां हाथ में तोहरा महिमा में बईठे के मौका दीं।"
38 लेकिन यीशु उनकरा से कहले, " तू लोग नईखी जानत कि तू लोग का मांगत हव। आ जवना बपतिस्मा से हम बपतिस्मा लेत बानी, ओकरा से बपतिस्मा लेबे के चाहीं?
39 उ लोग ओकरा से कहलस, "हमनी के कर सकेनी जा।" यीशु उनकरा से कहलन, " हम जवना प्याला से पीयत बानी, ओह प्याला से तू लोग सचहूँ पीबऽ। हम जवना बपतिस्मा से बपतिस्मा लेले बानी, ओकरा से तोहनी के बपतिस्मा लेब।
40 लेकिन हमरा दाहिना आ बायां हाथ में बईठल हमार ना ह। बाकिर जेकरा खातिर ई तइयार कइल गइल बा ओकरा के दिहल जाई.
41 ई बात सुन के दस लोग याकूब आ यूहन्ना से बहुत नाराज हो गइलन।
42 लेकिन यीशु ओह लोग के अपना लगे बोलवले आ कहलन कि, " तू लोग जानत बाड़ऽ कि गैर-यहूदी लोग पर राज करे वाला लोग ओह लोग पर प्रभुत्व राखेला। आ ओह लोग के बड़का लोग ओह लोग पर अधिकार राखेला.
43 तोहनी के बीच अइसन ना होई, लेकिन जे भी तोहनी में से बड़ होखे के चाहत बा, उ तोहनी के सेवक होई।
44 तोहनी में से जे भी प्रमुख बने के चाहत बा, उ सबके सेवक बनी।
45 काहेकि मनुष्य के बेटा भी सेवा करे खातिर ना आइल बा, बल्कि सेवा करे खातिर आ बहुत लोग के फिरौती के रूप में आपन जान देवे खातिर आइल बा।
46 ऊ लोग यरीहो पहुँचल आ जब ऊ अपना चेलन आ बहुते लोग के साथे यरीहो से निकलत रहले त तिमियो के बेटा आन्हर बरतिमायस सड़क के किनारे बइठ के भीख मांगत रहले।
47 जब ऊ सुनले कि ई नासरत के यीशु हवें त ऊ चिल्ला के कहे लगलन कि, "हे दाऊद के बेटा ईसा, हमरा पर दया करऽ."
48 बहुत लोग ओकरा के चुप रहे के आदेश दिहल, लेकिन उ अवुरी जादे चिल्ला के कहलस कि, "हे दाऊद के बेटा, हमरा प दया कर।"
49 यीशु एक जगह खड़ा होके ओकरा के बोलावे के आदेश दिहलन। आन्हर के बोला के कहलन कि, "सांत्वना राखऽ, उठऽ; ऊ तोहरा के बोलावेला।
50 ऊ आपन कपड़ा फेंक के उठ के यीशु के लगे अइले।
51 यीशु जवाब दिहलन, " तू का चाहत बाड़ू कि हम तोहरा साथे करीं? आन्हर ओकरा से कहलस, "प्रभु, हम आपन दृष्टि पा सकीले।"
52 यीशु ओकरा से कहलन, " जा जा। तोहार विश्वास तोहरा के ठीक कर देले बा। उ तुरते आपन नजर देखाई देले अवुरी रास्ता में यीशु के पीछे-पीछे चल गईले।

अध्याय 11 के बा

1 जब ऊ लोग जैतून के पहाड़ पर यरूशलेम के बेतफाग आ बेतनिया के नजदीक पहुँचल त ऊ अपना दू गो चेला लोग के भेज दिहलन।
2 ऊ लोग से कहलस, " अपना सामने के गाँव में जाइब, आ जइसहीं तू लोग ओकरा में घुसबऽ, तोहनी के एगो बछड़ा के बछड़ा बान्हल मिल जाई, जवना पर केहू ना बइठल रहे। ओकरा के ढीला कर के ले आवऽ।
3 अगर केहु तोहनी से कहे कि, "तू लोग अयीसन काहें करतानी?" तू लोग कहऽ कि प्रभु के ओकर जरूरत बा। आ तुरते ओकरा के एहिजा भेज दीहें.
4 उ लोग निकलल त बछड़ा के बछड़ा के बाहर दुआर के किनारे बान्हल देखले, जहाँ दु रास्ता मिलत रहे। आ ओकरा के ढीला कर देले।
5 उहाँ खड़ा कुछ लोग उनसे कहलस, "तू लोग बछड़ा के खोल के का कर रहल बाड़?"
6 उ लोग यीशु के आज्ञा के मुताबिक उ लोग से कहले अवुरी उ लोग ओ लोग के छोड़ देले।
7 उ लोग बछड़ा के यीशु के लगे ले अइले आ ओकरा पर आपन कपड़ा डाल दिहले। आ ऊ ओकरा पर बइठ गइल।
8 बहुत लोग रास्ता में आपन कपड़ा पसरल, कुछ लोग पेड़ के डाढ़ काट के रास्ता में भूसा से उड़ा दिहल।
9 ओकरा से आगे के लोग आ पीछे-पीछे चले वाला लोग चिल्ला के कहलस कि, "होसाना! धन्य बा जे प्रभु के नाम से आवेला।
10 हमनी के पिता दाऊद के राज्य के धन्य होखे, जवन प्रभु के नाम से आवेला, ऊ सबसे ऊँच होसाना।
11 यीशु यरूशलेम आ मंदिर में घुसलन आ चारो ओर देखलन आ साँझ हो गइल त बारह लोग के साथे बेथानी निकल गइलन।
12 अगिला दिने जब उ लोग बेथानी से अइले त उ भूखे रहले।
13 दूर से एगो अंजीर के पेड़ के पतई वाला देख के उ अईले, अगर शायद ओकरा प कवनो चीज़ मिल जाए त ओकरा लगे पहुंचला प पतई के अलावे कुछूओ ना मिलल। काहे कि अंजीर के समय अबहीं ना भइल रहे।
14 यीशु ओकरा से कहलन, " आब तोहार फल केहू हमेशा खातिर ना खाई।" उनकर चेला लोग ई बात सुनले।
15 ऊ लोग यरूशलेम पहुँचल आ यीशु मंदिर में जाके मंदिर में बेचे वाला आ खरीदे वाला लोग के बाहर निकाले लगलन आ पइसा बदले वाला लोग के मेज आ कबूतर बेचे वाला लोग के आसन के उखाड़ दिहलन।
16 ऊ ना मनले कि केहू के कवनो बर्तन के मंदिर में ले जाए के चाहीं।
17 ऊ ओह लोग से सिखवले, " का लिखल नइखे कि हमार घर सब जाति के प्रार्थना के घर कहल जाई?" लेकिन तू लोग एकरा के चोर के मांद बना देले बाड़ू।
18 शास्त्री आ मुख्य याजक लोग ई बात सुन के खोजत रहे कि कइसे ओकरा के नाश कर सके, काहेकि उ लोग ओकरा से डेरात रहे, काहेकि सब लोग उनकर शिक्षा से अचरज में पड़ गइल रहे।
19 जब साँझ हो गइल त ऊ शहर से बाहर निकल गइलन।
20 सबेरे जब उ लोग ओहिजा से गुजरत रहले त देखले कि अंजीर के पेड़ जड़ से सूख गईल बा।
21 पतरस ओकरा के याद करत कहलन, "गुरु, देख, जवन अंजीर के पेड़ तू गारी देले रहलू, उ मुरझा गईल बा।
22 यीशु जवाब दिहलन, " परमेशवर पर विश्वास राखीं।"
23 हम तोहनी से सच कहत बानी कि जे भी एह पहाड़ से कहत बा कि तू हट जा आ समुंदर में फेंक दिहल जा। आ अपना मन में संदेह ना करी, बलुक विश्वास करी कि जवन बात ऊ कहत बा ऊ पूरा हो जाई. ओकरा लगे जवन कुछ कहे, ओकरा लगे होई।
24 एही से हम तोहनी से कहत हई कि जब तू लोग प्रार्थना करेनी त जवन कुछ भी चाहत बाड़, त विश्वास करीं कि तोहनी के मिल गईल बा, त तोहनी के मिल जाई।
25 आ जब तू लोग प्रार्थना करत खड़ा होखब त अगर तोहनी के केहू के खिलाफ कवनो गलती होखे त माफ कर दीं ताकि तोहनी के स्वर्ग में बाप भी तोहनी के अपराध माफ करस।
26 लेकिन अगर तू लोग माफ ना करब त तोहनी के स्वर्ग में बाप भी तोहनी के अपराध के माफ ना करीहे।
27 ऊ लोग फेर यरूशलेम आ गइलन आ जब ऊ मंदिर में चलत रहले त मुख्य याजक, शास्त्री आ बुजुर्ग लोग उनका लगे अइले.
28 ओकरा से पूछऽ कि तू कवना अधिकार से ई काम करत बाड़ऽ? आ तोहरा के ई काम करे के अधिकार के देले बा?
29 यीशु उनके जवाब दिहलन, " हमहूँ तोहनी से एगो सवाल पूछब आ हमरा के जवाब देब आ हम तोहनी के बताइब कि हम कवना अधिकार से ई काम करत बानी।
30 यूहन्ना के बपतिस्मा स्वर्ग से रहे कि आदमी के? हमरा के जवाब दीं।
31 उ लोग आपस में बतकही करत कहले, "अगर हमनी के कहब जा कि, 'स्वर्ग से आईल बा। ऊ कहसु कि तू लोग ओकरा पर काहे ना बिसवास कइनी?
32 लेकिन अगर हमनी के कहब जा कि, "मनुष्य के; उ लोग लोग से डेरात रहले, काहेकि सब लोग यूहन्ना के समझत रहले कि उ सचमुच एगो भविष्यवक्ता हवे।
33 उ लोग यीशु से कहले, "हम नईखी बता सकत।" यीशु उनके जवाब दिहलन, " हम तोहनी के इ ना बतावत बानी कि हम कवना अधिकार से इ काम करतानी।"

अध्याय 12 के बा

1 ऊ ओह लोग से दृष्टांत से बोले लगलन। एगो आदमी अंगूर के बगइचा लगा के ओकरा चारो ओर बेड़ी लगा के शराब के खेती खातिर जगह खोद के एगो बुर्ज बनवले आ किसानन के देके दूर के देस में चल गइल।
2 मौसम के समय उ किसानन के लगे एगो नौकर भेजले कि उ किसानन से अंगूर के बगइचा के फल लेवे।
3 उ लोग ओकरा के पकड़ के पीट के खाली भेज देले।
4 ऊ फेरु से ओह लोग के लगे एगो अउरी नौकर भेजलन। आ ओकरा पर पत्थर फेंक के ओकर माथा में घायल कर दिहल आ शर्मनाक तरीका से ओकरा के छोड़ दिहल.
5 फिर से उ एगो अउरी के भेजले। आ ओकरा के ऊ लोग मार दिहल आ अउरी कई लोग के। कुछ के पीटत, आ कुछ के मारत।
6 अबहीं ले एगो बेटा रहलन, जवन कि उनकर प्रिय रहलन, आऊ ओकरा के आखिरी में भेजले कि, "उ लोग हमरा बेटा के आदर करीहे।"

7 लेकिन उ किसान आपस में कहलस कि, इहे वारिस ह। आ जा, ओकरा के मार दीं, त विरासत हमनी के हो जाई।
8 ऊ लोग ओकरा के पकड़ के मार दिहल आ अंगूर के बगइचा से बाहर निकाल दिहल।
9 अंगूर के बगइचा के मालिक का करीहें? ऊ आके किसानन के नाश करी आ अंगूर के बगइचा दोसरा के दे दी.
10 का तू लोग ई शास्त्र नइख पढ़ले बाड़ऽ। जवना पत्थर के बिल्डर लोग ठुकरा दिहल, ऊ कोना के सिर बन गइल।
11 इहे प्रभु के काम रहे आ हमनी के नजर में ई अद्भुत बा?
12 उ लोग ओकरा के पकड़े के कोशिश कईले, लेकिन लोग से डेरा गईले, काहेकी उ लोग जानत रहले कि उ दृष्टांत ओ लोग के खिलाफ कहले बाड़े, त उ लोग उनुका के छोड़ के चल गईले।
13 उ लोग कुछ फरीसियन आ हेरोदियन के उनकरा के बात में पकड़े खातिर भेजलन।
14 जब उ लोग अइले त उनसे कहलस, "गुरु, हमनी के जानत बानी जा कि तू सच्चा हउअ आ केहू के परवाह नइखऽ, काहेकि तू आदमी के परवाह ना करेलऽ, बल्कि सच्चाई से परमेश्वर के रास्ता सिखावेलऽ सीजर के श्रद्धांजलि, कि ना?
15 का हमनी के देब जा कि ना देब जा? लेकिन उ लोग के पाखंड के जान के उ लोग से कहलस, " तू लोग हमरा के काहे परीक्षा देत बाड़ू? हमरा खातिर एक पइसा ले आवऽ, ताकि हम देख सकीले।
16 उ लोग ओकरा के लेके अईले। ऊ ओह लोग से पूछलन, " ई मूर्ति आ उपर केकर ह? उ लोग ओकरा से कहलस, "कैसर के ह।"
17 यीशु उ लोग से कहलन, " कासीजर के जवन चीज ह, उ सब कैसर के आऊ परमेश्वर के जवन चीज परमेश्वर के ह, उ सब दे दीं।" आ उ लोग ओकरा के देख के अचरज में पड़ गईले।
18 तब सदुकी लोग उनकरा लगे अइलन, जे कहत बा कि जी उठला के बात नइखे। उ लोग उनुका से पूछले कि,
19 गुरु, मूसा हमनी के लिखले बाड़न कि अगर केहू के भाई मर जाव आ अपना मेहरारू के छोड़ के कवनो संतान ना छोड़े त ओकर भाई अपना मेहरारू के लेके अपना भाई के संतान पैदा कर देव।
20 सात भाई रहलन आ पहिलका मेहरारू बिया आ मरला पर कवनो संतान ना छोड़लस।
21 दूसरका ओकरा के लेके मर गइल आ ना कवनो संतान छोड़ल आ तीसरा भी ओइसहीं।
22 सातों लोग के उ बच्चा रहे, लेकिन उ कवनो संतान ना छोड़ले, आखिर में उ महिला भी मर गईल।
23 जब उ लोग जी उठला के समय उ लोग के केकरा पत्नी होई? काहे कि सातों के उनुकर पत्नी बनवले रहली।
24 यीशु उनकरा से कहलन, " का तू लोग गलती नइखऽ करत काहे कि तू लोग पवित्रशास्त्र आ ना ही परमेश्वर के शक्ति के जानत बाड़ऽ?
25 जब उ लोग मुवलन में से जी उठिहें त ना त बियाह करीहें आ ना ही बियाह में दिहल जाई। लेकिन स्वर्ग में मौजूद स्वर्गदूतन निहन बाड़े।
26 मुअल लोग के जिंदा होखे के बारे में का रउवां मूसा के किताब में नईखी पढ़ले कि कइसे झाड़ी में भगवान उनुका से कहले रहले कि, "हम अब्राहम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर अवुरी याकूब के परमेश्वर हई।" ?
27 ऊ मुअल लोग के भगवान ना हउवें, बलुक जिंदा लोग के परमेश्वर हउवें, एहसे तू लोग बहुत गलती करत बाड़ऽ।
28 एगो शास्त्री आके ओह लोग के एक संगे तर्क करत सुन के ओकरा से पूछलस कि, "सबसे पहिला आज्ञा कवन ह?"
29 यीशु ओकरा से जवाब दिहलन, " सब आज्ञा में से पहिला आज्ञा इ बा कि, हे इस्राएल, सुनऽ। हमनी के परमेश्वर प्रभु एक प्रभु हवें।
30 तू अपना प्रभु परमेश्वर से पूरा मन से, पूरा प्राण से, पूरा मन से, पूरा ताकत से प्रेम करीं, इहे पहिला आज्ञा ह।
31 दूसरका जइसन बा कि तू अपना पड़ोसी से अपना जइसन प्रेम करीं। एह सब से बड़ कवनो दोसर आज्ञा नइखे।
32 शास्त्री ओकरा से कहलस, "अच्छा हे गुरु, तू सच बोलले बाड़ू, काहेकि भगवान एके हउवें। आ ओकरा अलावा दोसर केहू नइखे।
33 ओकरा से पूरा मन से, पूरा समझ से, पूरा आत्मा से, पूरा ताकत से प्रेम कईल अवुरी अपना पड़ोसी से अपना निहन प्यार कईल, सभ होमबलि अवुरी बलिदान से जादे बा।
34 जब यीशु देखलन कि उ समझदारी से जवाब देले बाड़न त उनसे कहले, " तू परमेश्वर के राज्य से दूर नइखऽ।" आ ओकरा बाद कवनो आदमी ओकरा से कवनो सवाल पूछे के हिम्मत ना कइल.
35 मंदिर में पढ़ावत घरी यीशु जवाब दिहलन, " धर्मशास्त्री लोग कइसे कहत बा कि मसीह दाऊद के बेटा हवें?
36 काहेकि दाऊद खुद पवित्र आत्मा के द्वारा कहले रहले कि, प्रभु हमरा प्रभु से कहले कि, जब तक हम तोहार दुश्मन के आपन गोड़ के अथाह ना बना देब, तब तक तू हमरा दाहिना ओर बईठ जा।
37 एह से दाऊद खुदे ओकरा के प्रभु कहत बाड़न। आ तब ऊ आपन बेटा कहाँ से बा? आ आम जनता उनका के खुशी से सुनत रहे।
38 उ अपना शिक्षा में उनकरा से कहले, " ओ शास्त्री लोग से सावधान रहऽ, जे लोग लमहर कपड़ा पहिन के जाए के शौकीन बा आ बाजार में नमस्कार करे के शौकीन बा।
39 भोज-भोज में सभाघरन में मुख्य आसन आ ऊपर के कमरा में बइठल रहेला।
40 ऊ लोग विधवा लोग के घर खा जाला आ ढोंग में लमहर प्रार्थना करेला।
41 यीशु खजाना के सामने बईठ के देखले कि कइसे लोग खजाना में पईसा डालत रहे।
42 एगो गरीब विधवा अईली अवुरी उ दुगो चूहा फेंकली, जवना से एक फारथिंग होखता।
43 ऊ अपना चेलन के बोला के कहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि ई गरीब विधवा खजाना में डाले वाला सब लोग से अधिका डाल देले बिया।
44 काहेकि उ सब अपना भरमार से फेंकत रहले। लेकिन उ अपना कमी से आपन सब कुछ डाल देली, उहो आपन पूरा रोजी-रोटी।

अध्याय 13 के बा

1 मंदिर से बाहर निकलत घरी उनकर एगो चेला उनकरा से कहलस, "गुरु, देखऽ कि इहाँ कवन पत्थर आ कवन भवन बा!"

2 यीशु ओकरा से कहलन, " का तू ई बड़हन भवन देखत बाड़ऽ?" एक पत्थर दोसरा पर ना छोड़ल जाई जवन गिरावल ना जाई.
3 जब उ मंदिर के सामने जैतून के पहाड़ प बईठल रहले त पतरस, याकूब, यूहन्ना अवुरी अंद्रियास एकांत में उनुका से पूछले।
4 बताईं कि ई सब कब होई? आ जब ई सब बात पूरा हो जाई त कवन निशानी होई?
5 यीशु ओह लोग के जवाब देवे लगले, " सावधान रहऽ कि केहु तोहनी के धोखा मत देवे।
6 काहेकि बहुत लोग हमरा नाम से आके कहत होई कि हम मसीह हईं। आ बहुत लोग के धोखा दिही।
7 जब तू लोग युद्ध आ युद्ध के अफवाह सुनब त घबराईं मत, काहेकि अइसने बात के जरूरत जरूर बा। बाकिर अंत अबहीं ना होखे वाला बा.
8 काहेकि राष्ट्र के खिलाफ जाति, आ राज्य के खिलाफ राज्य उठी, आ तरह-तरह में भूकंप आई, आ अकाल आ परेशानी होई, इहे दुख के शुरुआत ह।
9 लेकिन अपना से सावधान रहीं, काहेकि उ लोग तोहनी के परिषद में सौंप दिहे। आराधनालयन में तोहनी के पीटल जाई आ हमरा खातिर तोहनी के शासक आ राजा लोग के सामने ले आवल जाई, ताकि उ लोग के खिलाफ गवाही मिल सके।
10 सुसमाचार के सबसे पहिले सब जाति के बीच प्रचारित होखे के चाहीं।
11 जब उ लोग तोहनी के ले जाई आ तोहनी के सौंप दिहे त पहिले से मत सोची कि तू लोग का बोलब आ ना ही पहिले से सोची, लेकिन जवन कुछ तोहनी के ओह समय में दिहल जाई, उहे बोलऽ, काहे कि तू लोग ना बोलत बाड़ऽ पवित्र आत्मा के कहल जाला।
12 भाई भाई के धोखा देके बेटा के धोखा दे दिहे। आ लइका-लइकी अपना माई-बाप के खिलाफ उठ के ओह लोग के हत्या कर दीहें।
13 हमरा नाम के चलते तोहनी के सब लोग नफरत करी, लेकिन जे अंत तक टिकी, उहे उद्धार होई।
14 जब तू लोग उजाड़ के घिनौना चीज के देखब जवना के बारे में दानियल भविष्यवक्ता कहले रहले, उहाँ खड़ा होके जहाँ ना होखे के चाहीं, (पढ़े वाला के समझे के चाहीं) त यहूदिया के लोग पहाड़ पर भाग जास।
15 जे घर के चोटी पर बा, उ घर में ना उतरे आ ना ही घर में घुस के अपना घर से कवनो चीज निकाले।
16 जे खेत में बा, उ आपन कपड़ा उठावे खातिर पीछे ना मुड़े।
17 लेकिन ओह दिन में गर्भवती आ दूध पियावे वाला के हाय!
18 आउर प्रार्थना करीं कि तोहनी के पलायन जाड़ा में ना होखे।
19 काहे कि ओह दिन में अइसन कष्ट होई जवन परमेश्वर सृष्टि के शुरुआत से लेके अब तक ना रहे आ ना होई।
20 जब तक प्रभु ओह दिन के छोट ना कर देले रहते त कवनो शरीर के बचाव ना होईत, लेकिन चुनल लोग के खातिर, जेकरा के उ चुनले बाड़े, उ दिन छोट क देले बाड़े।
21 तब अगर केहू तोहनी से कहे कि देखऽ, इहाँ मसीह बाड़न। भा, देखऽ, ऊ उहाँ बा; ओकरा पर विश्वास मत करीं:
22 काहे कि झूठा मसीह आ झूठा भविष्यवक्ता लोग उठ के चमत्कार आ चमत्कार कर के अगर संभव होखे त चुनल लोग के भी बहकावे के काम करीहें।
23 लेकिन तू लोग सावधान रहऽ, हम तोहनी के सब बात के भविष्यवाणी कर देले बानी।
24 लेकिन ओह दिन में, ओह संकट के बाद, सूरज अन्हार हो जाई आ चाँद ओकरा के रोशनी ना दिही।
25 आकाश के तारा गिर जइहें आ आकाश में मौजूद शक्ति हिल जाई।
26 तब उ लोग मनुष्य के बेटा के बादल में बहुत शक्ति आ महिमा से आवत देखिहे।
27 तब ऊ आपन दूत भेज के चारो हवा से लेके, धरती के छोर से लेके आकाश के छोर तक अपना चुनल लोग के एकट्ठा करीहें।
28 अब अंजीर के पेड़ के एगो दृष्टांत सीखीं। जब ओकर डाढ़ अबहीं ले कोमल हो जाला आ पतई निकलेला त तू लोग जानत होखब कि गर्मी नजदीक आ गइल बा।
29 एही से तू लोग भी जब इ सब होखत देखब त जान लीं कि दुआर पर भी नजदीक बा।
30 हम तोहनी से सच कहत हईं कि जब तक इ सब काम ना हो जाई तब तक इ पीढ़ी ना बीत पाई।
31 आकाश आ धरती खतम हो जाई, लेकिन हमार बात ना खतम होई।
32 बाकिर ओह दिन आ ओह समय के बारे में केहू ना जानत बा, ना स्वर्ग में मौजूद स्वर्गदूत, ना बेटा, बलुक पिता के।
33 तू लोग सावधान रहऽ, जागल रहऽ आ प्रार्थना करत रहऽ, काहेकि तू लोग नइखऽ जानत कि समय कब आई।
34 काहेकि मनुष्य के बेटा एगो अइसन आदमी निहन ह जवन दूर-दूर तक जा रहल बा, उ अपना घर छोड़ के अपना नौकर अवुरी हर आदमी के आपन काम के अधिकार देले अवुरी दरवाजे के चौकीदार के पहरा देवे के आदेश देले।
35 एह से जागरूक रहऽ, काहे कि घर के मालिक साँझ भा आधा रात भा मुर्गा बाजत भा सबेरे कब आवेला, ई ना जानत होखऽ.
36 कहीं अचानक आके तोहरा के सुतल ना पावे।
37 हम तोहनी से जवन कहत बानी, उ सब से कहत बानी कि जागल रहब।

अध्याय 14 के बा

1 दू दिन बाद फसह के परब आ बिना खमीर के रोटी के परब भइल आ मुख्य याजक आ शास्त्री लोग खोजत रहल कि कइसे ओकरा के चालबाजी में पकड़ के मारल जा सकेला।
2 लेकिन उ लोग कहले, "पब के दिन ना, कहीं लोग के बीच हंगामा मत होखे।"
3 सिमोन कोढ़ी के घर में बेथानी में जब ऊ खाना खात रहले त एगो मेहरारू आइल रहली जेकरा लगे एगो अलाबास्टर के डिब्बा रहे जवना में चीर के बहुत कीमती मरहम रहे। आ ऊ बक्सा के तोड़ के ओकरा माथा पर डाल दिहली।
4 कुछ लोग के मन में गुस्सा आवत रहे आ कहलन कि, "इ मरहम के बर्बादी काहे भइल?"
5 काहे कि ई तीन सौ पेंस से अधिका में बेच के गरीबन के दिहल जा सकत रहे। आ उ लोग ओकरा खिलाफ बड़बड़ात रहले।
6 यीशु कहलन, " उनके छोड़ दीं। तूँ ओकरा के काहे परेशान करत बाड़ऽ? उ हमरा पर एगो बढ़िया काम कइले बाड़ी।

7 काहेकि गरीब लोग तोहनी के साथे हमेशा रहेला आ जब भी तू
लोग ओकरा के भलाई कर सकेनी, लेकिन हमरा लगे हमेशा
नईखी।
8 उ जवन कर सकत रहली, उ हमरा शरीर के दफनावे खातिर
अभिषेक करे खातिर पहिले से आईल बाड़ी।
9 हम तोहनी से सच कहत हई कि जहां भी इ सुसमाचार पूरा
दुनिया में प्रचारित होई, उहाँ के इ सुसमाचार के बारे में भी
उनुका याद में कहल जाई।
10 बारह लोग में से एगो यहूदा इस्करियोती मुख्य याजकन के
लगे गईले कि उनुका के ओ लोग के सौंप देवे।
11 इ सुन के उ लोग खुश हो गईले अवुरी उनुका के पईसा देवे
के वादा कईले। आ ऊ खोजत रहले कि कइसे सुविधा से ओकरा
साथे धोखा कर सकेला.
12 बिना खमीर के रोटी के पहिला दिन जब उ लोग फसह के पर्व
के मारत रहले त उनुकर चेलन उनुका से पूछले, "तू चाहत बाड़ू
कि हमनी के कहाँ जाके फसह के पर्व के तैयारी करीं जा?"
13 ऊ अपना दू गो चेलन के भेज के कहलन कि, " तू लोग शहर
में जाके पानी के घड़ा लेके एगो आदमी से भेंट करी।"
14 जहाँ भी उ घर में जाई, घर के मालिक से कहब कि गुरु
कहतारे कि, 'अतिथि कक्ष कहाँ बा, जहवा हम अपना चेलन के
संगे फसह खाएब?'
15 ऊ तोहरा के एगो बड़हन ऊपरी कमरा देखा दी जवन
सुसज्जित आ तइयार बा, ओहिजा हमनी खातिर तइयार करऽ.
16 उनकर चेला लोग निकल के शहर में आके उ लोग के कहला
के मुताबिक मिलल।
17 साँझ के ऊ बारह गो के साथे आवेलन।
18 जब उ लोग बईठ के खाना खात रहले त यीशु कहले, " हम
तोहनी से सच कहत बानी कि तोहनी में से जे हमरा संगे खाना
खात होई, उ हमरा के धोखा दिही।"
19 उ लोग दुखी होखे लगले अवुरी एक-एक क के उनुका से पूछे
लगले कि, "का हम हई?" एगो अउरी कहलस, "का हम हईं?"
20 उ जवाब देके कहलस, " ई बारह में से एगो ह जवन हमरा
संगे बर्तन में डुबकी लगावेला।"
21 मनुष्य के बेटा सचमुच चलत बा, जईसे कि ओकरा बारे में
लिखल बा, लेकिन हाय ओ आदमी के, जेकरा द्वारा मनुष्य के
बेटा के धोखा दिहल गईल बा। ओह आदमी खातिर बढ़िया रहित
अगर ऊ कबो पैदा ना भइल रहित.
22 जब उ लोग खात रहले त यीशु रोटी लेके आशीष देके
ओकरा के तोड़ के उ लोग के देले अवुरी कहले, " ले, खा लीं, इ
हमार देह ह।"
23 ऊ प्याला लेके धन्यवाद देके ओह लोग के दे दिहलन आ सब
लोग ओकरा से पी लिहले।
24 ऊ ओह लोग से कहलन कि ई हमार नया नियम के खून ह
जवन बहुत लोग खातिर बहावल गइल बा।
25 हम तोहनी से सच कहत हई कि जब तक हम बेल के फल ना
पियब, जब तक हम परमेश्वर के राज्य में नया बेल के फल ना
पीब।
26 ऊ लोग एगो भजन गा के जैतून के पहाड़ पर निकल गइलन।
27 यीशु उनसे कहलन, " आज रात तोहनी सब हमरा से नाराज
होखब, काहेकि लिखल बा कि हम चरवाहा के मार देब आ भेड़
तितर-बितर हो जइहें।"
28 लेकिन हम जी उठला के बाद तोहरा से पहिले गलील में चल
जाईब।
29 पतरस ओकरा से कहलन, "भले सब लोग ठेस लागी, लेकिन
हम ना करब।"
30 यीशु ओकरा से कहलन, " हम तोहरा से सच कहत बानी कि
आजु रात में मुर्गा के दू बेर बाजला से पहिले तू हमरा से तीन बेर
इनकार करऽ।"
31 लेकिन उ अउरी जोर से बोलले, "अगर हम तोहरा साथे मरब
त हम तोहरा के कवनो तरह से इनकार ना करब।" ठीक ओसही
भी कहलस उ सब लोग।
32 उ लोग गेतसमनी नाम के जगह प पहुंचले त उ अपना चेलन
से कहलस कि, जब तक हम प्रार्थना ना करब, तब तक तू लोग
इहाँ बईठ जा।
33 ऊ पतरस, याकूब आ यूहन्ना के अपना साथे लेके चल गइलन
आ ऊ बहुते अचरज में पड़ गइलन आ बहुते भारी हो गइलन.
34 उ लोग से कहलस, " हमार आत्मा मौत तक दुखी बा।
35 ऊ तनी आगे बढ़ के जमीन पर गिर गइलन आ प्रार्थना
कइलन कि अगर संभव होखे त ऊ समय ओकरा से बीत जाव.
36 ऊ कहलन, " अब्बा हे पिता, तोहरा खातिर सब कुछ संभव
बा। ई प्याला हमरा से छीन लीं, बाकिर हम जवन चाहत बानी ऊ
ना, बलुक जवन तू चाहत बाड़ऽ.
37 ऊ आके ओह लोग के सुतल देखलन आ पतरस से कहलन,
" शमौन, का तू सुतल बाड़ऽ?" का तू एक घंटा तक जागल ना रह
सकत रहलू?
38 जागल रहऽ आ प्रार्थना करीं कि कहीं परीक्षा में मत पड़
जाइब। आत्मा सचमुच तैयार बा, लेकिन शरीर कमजोर बा।
39 ऊ फेरु जाके प्रार्थना कइलन आ उहे बात कहलन।
40 जब उ वापस अईले त उ लोग के फेर से सुतल देखले,
काहेंकी ओ लोग के आंख भारी रहे, ना ही उ लोग के पता ना रहे
कि उनुका के का जवाब दिहल जाए।
41 ऊ तीसरी बेर आके कहलस, " अब सुत जा आ आराम
करऽ। देखऽ, आदमी के बेटा के पापी लोग के हाथ में सौंपल
गइल बा।
42 उठ, हमनी के चलल जा। देखऽ, जे हमरा के धोखा देत बा,
ऊ नजदीक आ गइल बा।
43 जब ऊ अबहीं बोलत रहले त तुरते बारह में से एगो यहूदा आ
ओकरा साथे तलवार आ लाठी लेके प्रमुख याजक आ शास्त्री आ
बुजुर्ग लोग के बहुत भीड़ आ गइलन।
44 जे ओकरा के धोखा देले रहे, उ ओ लोग के एगो निशानी देले
रहे कि, "हम जेकरा के चुम्मा लेब, उहे ह। ओकरा के लेके,
ओकरा के सुरक्षित ले जा।
45 जब ऊ अइले त सीधे उनकरा लगे जाके कहले, "गुरु, गुरु!
आ ओकरा के चुम्मा लेत रहले.
46 ऊ लोग ओकरा पर हाथ रख के ओकरा के पकड़ लिहल।
47 ओहिजा खड़ा लोग में से एगो तलवार निकाल के महायाजक
के एगो नौकर के मार के ओकर कान काट दिहलस।
48 यीशु जवाब दिहलन, " का तू लोग हमरा के पकड़े खातिर
तलवार आ लाठी लेके चोर के खिलाफ निकलल बानी?
49 हम रोज मंदिर में तोहनी के साथे शिक्षा देत रहनी, लेकिन तू
हमरा के ना पकड़नी, लेकिन पवित्रशास्त्र के पूरा होखे के चाही।
50 उ सब ओकरा के छोड़ के भाग गईले।
51 एगो युवक ओकरा पीछे-पीछे चलल, जेकरा नंगा शरीर के
चारों ओर लिनन के कपड़ा ढलल रहे। आ नवही लोग ओकरा के
पकड़ लिहले।
52 उ लिनन के कपड़ा छोड़ के नंगा होके भाग गईले।

53 उ लोग यीशु के महायाजक के लगे ले गईले अवुरी उनुका संगे सभ मुखिया याजक, बुजुर्ग अवुरी शास्त्री लोग जुटल रहले।
54 पतरस ओकरा पीछे-पीछे दूर से महायाजक के महल में चल गईले अवुरी उ नौकरन के संगे बईठ के आग में गरम हो गईले।
55 मुख्य याजक आ पूरा मंडली यीशु के हत्या करे खातिर गवाही खोजत रहले। आ कवनो ना मिलल.
56 काहेकि बहुत लोग उनकरा खिलाफ झूठा गवाही देत रहले, लेकिन उ लोग के गवाही एक संगे ना रहे।
57 कुछ लोग उठ के ओकरा खिलाफ झूठ गवाही देके कहलस।
58 हमनी के उनुका के कहत सुनले रहनी जा कि, "हम हाथ से बनल इ मंदिर के नष्ट क देब अवुरी तीन दिन के भीतर बिना हाथ से बनल मंदिर के निर्माण करब।"
59 लेकिन ना त ओ लोग के गवाह एक दूसरा से सहमत भईल।
60 महायाजक बीच में खड़ा होके यीशु से पूछले, "का तू कुछुओ जवाब नइखीं देत?" ई लोग तोहरा खिलाफ का गवाह बा?
61 लेकिन उ चुप रहले अवुरी कुछूओ जवाब ना देले। फेरु महायाजक ओकरा से पूछले, "का तू मसीह, धन्य के बेटा हउअ?"
62 यीशु कहलन, " हम हईं, त तू लोग आदमी के बेटा के शक्ति के दाहिना ओर बईठल आ स्वर्ग के बादल में आवत देखब।"
63 तब महायाजक आपन कपड़ा फाड़ के कहलस, "हमनी के अउरी गवाह के का जरूरत बा?
64 तू लोग निंदा सुनले बाड़ऽ, तोहनी के का लागत बा? आ सब लोग ओकरा के मौत के दोषी ठहरवले।
65 कुछ लोग ओकरा पर थूक फेंके लागल, ओकर चेहरा ढंक के ओकरा के मारे लागल आ कहे लागल कि, "भविष्यवाणी करऽ" आ नौकर लोग ओकरा के हाथ के हथेली से मार दिहल।
66 जब पतरस महल में नीचे रहले त महायाजक के एगो नौकरानी आ गईली।
67 जब उ पतरस के गरम करत देखली त उनुका ओर देखली अवुरी कहली, "तू भी नासरत के यीशु के संगे रहनी।"
68 लेकिन उ इनकार करत कहले, "हम नईखी जानत अवुरी ना समझत बानी कि तू का कहत बानी।" उ बरामदा में निकल गईले। आ मुर्गा के चालक दल के भी।
69 एगो नौकरानी ओकरा के फेरु से देख के ओहिजा खड़ा लोग से कहे लगली कि, "ई ओह लोग में से एगो ह।"
70 आ ऊ एकरा के फेरु से इनकार कर दिहलन। कुछ देर बाद ओहिजा खड़ा लोग फेर से पतरस से कहलस कि, "तू जरूर ओह लोग में से एगो हउअ, काहेकि तू गलील के हउअ आ तोहार बात एकरा से सहमत बा।"
71 लेकिन उ गारी देवे लगले अवुरी कसम खाए लगले, "हम ए आदमी के नईखी जानत, जेकरा बारे में तू बोलत रहू।"
72 आ दूसर बेर मुर्गा क्रूर कइलस। पतरस यीशु के कहल बात के याद कइलन कि मुर्गा दू बेर बाजला से पहिले तू हमरा से तीन बेर इनकार करऽ। आ जब ऊ एह बारे में सोचल त ऊ रोवे लागल.

अध्याय 15 के बा

1 तुरते सबेरे मुख्य याजक लोग बुजुर्ग, शास्त्री आऊ पूरा परिषद के लोग से बातचीत क के यीशु के बान्ह के ले जाके पिलातुस के सौंप देले।
2 पिलातुस ओकरा से पूछले, "का तू यहूदी लोग के राजा हउअ?" उ जवाब देके कहलस, " तू कहत बाड़ू।"
3 मुख्य याजक लोग उनकरा पर बहुत बात के आरोप लगवलन, लेकिन उ कवनो जवाब ना दिहलन।
4 पिलातुस फेरु से पूछले, "का तू कुछुओ जवाब नइखऽ देत?" देखऽ कि ऊ लोग तोहरा खिलाफ केतना बात के गवाही देत बा.
5 लेकिन यीशु अभी तक कुछुओ ना उठवले। जवना से पिलातुस अचरज में पड़ गईले।
6 उ भोज में एगो कैदी के छोड़ दिहलन, जेकरा के उ लोग चाहत रहे।
7 बरब्बा नाम के एगो आदमी रहले, जवन कि उनुका संगे विद्रोह करे वाला लोग के संगे बान्हल रहे, जवन कि विद्रोह में हत्या क देले रहले।
8 ऊ लोग जोर-जोर से चिल्लात भीड़ उनकरा से निहोरा करे लागल कि उ ओइसन काम करस जइसन उ लोग के साथे कइले रहलन।
9 पिलातुस ओह लोग के जवाब दिहलन, "का तू लोग चाहत बानी कि हम यहूदी लोग के राजा के तोहनी खातिर छोड़ दीं?
10 काहेकि उ जानत रहले कि मुख्य याजक उनुका के ईर्ष्या के चलते सौंप देले बाड़े।
11 लेकिन मुखिया याजक लोग लोग के आग्रह कईले कि उ बरब्बा के छोड़ देवे के चाही।
12 पिलातुस फिर से पूछले, "तब तोहनी का चाहत बानी कि हम जेकरा के यहूदी लोग के राजा कहत बानी?
13 ऊ लोग फेरु से चिल्ला के कहलस कि, "उनुका के सूली पर चढ़ा दऽ।"
14 पिलातुस उनसे पूछले, "उ का बुराई कईले? ऊ लोग अउरी जोर से चिल्ला के कहलस कि, "उनुका के सूली पर चढ़ा दऽ।"
15 पिलातुस लोग के संतुष्ट करे के इच्छुक होके बरब्बा के छोड़ दिहलन आ यीशु के कोड़ा मार के सूली पर चढ़ावे खातिर सौंप दिहलन।
16 सिपाही लोग ओकरा के प्रैटोरियम नाम के हॉल में ले गईले। आ पूरा बैंड के एक साथ बोलावेले।
17 ऊ लोग ओकरा के बैंगनी रंग के कपड़ा पहिन के काँट के मुकुट पहिन के ओकरा माथा पर लगा दिहल।
18 ऊ ओकरा के नमस्कार करे लगलन, "हे यहूदी लोग के राजा!
19 ऊ लोग ओकरा माथा पर खढ़ से मार के थूक दिहल आ घुटना टेक के ओकर पूजा कइल।
20 जब उ लोग उनकर मजाक उड़ावल त बैंगनी रंग के कपड़ा उतार के उनकर कपड़ा पहिन के सूली पर चढ़ावे खातिर निकल गईले।
21 ऊ लोग सिकंदर आ रूफस के बाप सिरेनिया के एगो शमौन के आपन क्रूस उठावे खातिर मजबूर कर दिहलन, जे ओहिजा से गुजरत रहले।
22 उ लोग ओकरा के गोल्गोथा के जगह ले गईले, जवना के मतलब ह कि खोपड़ी के जगह ह।
23 उ लोग ओकरा के गंधक में मिला के शराब पीये देले, लेकिन उनुका ना मिलल।
24 जब ऊ लोग ओकरा के सूली पर चढ़ा के ओकर कपड़ा बाँट के ओकरा पर चिट्ठी डाल के हर केहू के का लेबे के चाहीं।
25 तीसरा घंटा हो गइल आ ऊ लोग ओकरा के सूली पर चढ़ा दिहल।
26 उनकर आरोप के ऊपर लिखल रहे कि यहूदी लोग के राजा।
27 ओकरा साथे दू गो चोर के सूली पर चढ़ा देले। एगो दाहिना हाथ में आ दोसर बाईं ओर।

28 पवित्र शास्त्र के बात पूरा हो गईल कि, "उ अपराधी के संगे गिनल गईल।"
29 ओहिजा से गुजरत लोग उनकरा के गारी मारत आपन माथा हिलावत कहले, "अरे, तू जे मंदिर के उजाड़ के तीन दिन में बनवले बाड़ऽ।
30 अपना के बचा के क्रूस से उतर के आ जा।
31 ओइसहीं मुख्य याजक लोग भी शास्त्री लोग के साथे मजाक उड़ावत कहले, "उ दूसरा के बचा लिहले। खुद के ऊ बचा ना सके.
32 इस्राएल के राजा मसीह के अब क्रूस से उतरे के चाहीं ताकि हमनी के देख के विश्वास कर सकीले। उनकरा साथे सूली पर चढ़ावल लोग उनकर निंदा कइल।
33 छठवाँ बजे भइल त नौवां बजे ले पूरा देश पर अन्हार हो गइल।
34 नौवां बजे यीशु जोर से चिल्ला के कहले, " एलोई, एलोई, लामा सबकथानी?" जवना के मतलब बा कि, हमार भगवान, हमार भगवान, तू हमरा के काहे छोड़ देले बाड़?
35 ओहिजा खड़ा कुछ लोग ई बात सुन के कहलस, "देखऽ, उ एलियास के बोलावतारे।"
36 एक आदमी दौड़ के एगो स्पंज में सिरका भर के एगो खढ़ पर डाल के ओकरा के पी के कहलस कि, "त दूर के बात बा! देखल जाव कि एलियास ओकरा के उतारे अइहें कि ना.
37 ईसा जोर से चिल्ला के आपन भूत छोड़ दिहलन।
38 मंदिर के पर्दा ऊपर से नीचे तक दु भाग में फाट गईल।
39 जब उनकरा सामने खड़ा सेनापति देखलस कि उ अतना चिल्लात बा आ भूत छोड़ देले बा, त उ कहलस कि, "ई आदमी सचमुच परमेश्वर के बेटा ह।"
40 उहाँ मेहरारू लोग भी दूर से देखत रहली, जेकरा में मरियम मगदलीनी, याकूब छोट आ योसेस के महतारी मरियम आ सलोमी रहली।
41 (जब ऊ गलील में रहलन त उनकरा पीछे-पीछे चलल आ उनकर सेवा कइलन) आ अउरी बहुत मेहरारू जे उनकरा साथे यरूशलेम चली।
42 अब जब साँझ हो गइल, काहे कि ऊ तइयारी के दिन रहे, माने कि सब्त के दिन से पहिले के दिन।
43 अरिमाथिया के यूसुफ, एगो आदरणीय सलाहकार, जे परमेश्वर के राज्य के इंतजार करत रहले, आके निर्भीकता से पिलातुस के लगे गईले अवुरी यीशु के लाश के लालसा करत रहले।
44 पिलातुस अचरज में पड़ गईले कि उ पहिलही मर चुकल बाड़े, त उ सेनापति के बोला के पूछले कि का उ अभी मर चुकल बाड़े।
45 जब उ सेनापति के बारे में जान गईले त उ लाश यूसुफ के दे देले।
46 ऊ बढ़िया लिनन खरीद के ओकरा के उतार के लिनन में लपेट के एगो कब्र में सुता दिहलन जवन चट्टान से काटल रहे आ कब्र के दुआर पर पत्थर लुढ़का दिहलन.
47 मरियम मगदलीनी आ योसेस के महतारी मरियम देखली कि उनुका के कहाँ राखल गइल बा।

अध्याय 16 के बा

1 जब सब्त के दिन बीत गईल त मरियम मगदलीनी, याकूब आ सलोमी के महतारी मरियम मीठ मसाला खरीदले रहली ताकि उ लोग आके उनुका के अभिषेक कर सकस।
2 हफ्ता के पहिला दिन सबेरे-सबेरे उ लोग सूरज उगते कब्र के लगे पहुंचले।
3 उ लोग आपस में पूछले, "के हमनी के कब्र के दुआर से पत्थर के लुढ़का दिही?"
4 जब उ लोग देखले त देखले कि उ पत्थर लुढ़क गईल बा, काहेकी उ बहुत बड़ रहे।
5 कब्र में घुसते देखलन कि एगो नवही एगो लमहर सफेद कपड़ा पहिनले दाहिना ओर बईठल बा। आ उ लोग डेरा गईले।
6 ऊ ओह लोग से कहलन कि मत डेराईं, तू लोग नासरत के यीशु के खोजत बाड़ऽ जेकरा के सूली पर चढ़ावल गइल रहे। उ इहाँ नईखन, देखऽ उ जगह जहाँ उ लोग ओकरा के रखले बा।
7 लेकिन जाके उनकर चेलन आ पतरस के बताईं कि उ रउवां से पहिले गलील जात हउवें।
8 उ लोग जल्दी से निकल के कब्र से भाग गईले। काहे कि ऊ लोग काँपत रहे आ अचरज में पड़ गइलन आ ना केहू से कुछ कहलन. काहे कि उ लोग डेरा गईल रहले।
9 जब यीशु हफ्ता के पहिला दिन सबेरे जी उठलन त सबसे पहिले मरियम मगदलीनी के सामने प्रकट भईले, जेकरा में से उ सात गो दुष्टात्मा के निकालले रहले।
10 ऊ लोग शोक मनावत आ रोवत घरी उनकरा साथे रहल लोग के बतवली।
11 उ लोग जब सुनले कि उ जिंदा बाड़े अवुरी उनुका से देखल गईले, त उ लोग विश्वास ना कईले।
12 ओकरा बाद ऊ दू गो लोग के घूमत-फिरत आ देहात में जात घरी दोसरा रूप में प्रकट भइलन।
13 उ लोग जाके बचे वाला लोग के इ बात बतवले अवुरी ना उ लोग उनुका प विश्वास कईले।
14 ओकरा बाद उ एगारह लोग के खाना खात घरी प्रकट भईले अवुरी उ लोग के अविश्वास अवुरी कठोर दिल से डांटले, काहेंकी उ लोग उनुका जी उठला के बाद उनुका के देखे वाला लोग प विश्वास ना कईले।
15 उ लोग से कहलन, " तू लोग पूरा दुनिया में जाके हर प्राणी के सुसमाचार सुनाईं।"
16 जे विश्वास करी आ बपतिस्मा लेला, उ उद्धार पाई। लेकिन जे विश्वास ना करी ओकरा के सजा मिल जाई।
17 आ विश्वास करे वाला लोग के बाद इ चिन्हार होई। हमरा नाम से उ लोग शैतान के भगा दिहे। ऊ लोग नया भाषा में बोलिहें।
18 उ लोग साँप के उठा लीहे। आ अगर ऊ लोग कवनो जानलेवा चीज पी लेत बा त ओकरा से कवनो नुकसान ना होखी. बेमार लोग पर हाथ डाल के ठीक हो जइहें।
19 तब प्रभु उनसे बात कईला के बाद उनुका के स्वर्ग में ले जाके परमेश्वर के दाहिना ओर बईठ गईले।
20 उ लोग बाहर निकल के हर जगह प्रचार करत रहले, प्रभु ओ लोग के संगे काम करत रहले अवुरी ओकरा बाद संकेत के संगे वचन के पुष्टि कईले। आमीन के बा।

लूका के सुसमाचार के बारे में बतावल गइल बा

अध्याय 1 के बा

1 काहे कि बहुत लोग हमनी के बीच जवन बात पर विश्वास बा, ओकरा बारे में बतावे के काम में लागल बाड़े।
2 जइसे उ लोग हमनी के हाथ में देले रहले, जवन कि शुरू से चश्मदीद गवाह रहले अवुरी वचन के सेवक रहले।
3 हे परम श्रेष्ठ थियोफिलस, पहिले से ही सब बात के पूरा तरह से समझल हमरा भी अच्छा लागल।
4 ताकि तू ओह बातन के निश्चतता के बारे में जान सकीले जवना के बारे में तोहरा के सिखावल गइल बा।
5 यहूदिया के राजा हेरोदेस के समय में जकरयाह नाम के एगो याजक अबिया के रहे, उनकर मेहरारू हारून के बेटी में से रहली आ उनकर नाम एलिजाबेथ रहे।
6 उ दुनो लोग परमेश्वर के सामने धर्मी रहले अवुरी प्रभु के सभ आज्ञा अवुरी नियम में निर्दोष चलत रहले।
7 ओह लोग के कवनो संतान ना रहे काहे कि एलिजाबेथ बंजर रहली आ दुनु जने के उमिर बहुते हो गइल रहे.
8 जब उ अपना क्रम के अनुसार परमेश्वर के सामने पुरोहित के काम पूरा करत रहले।
9 पुरोहित के पद के रिवाज के अनुसार प्रभु के मंदिर में जाके उनकर भाग्य धूप जरावे के रहे।
10 धूप के समय में पूरा भीड़ बाहर प्रार्थना करत रहे।
11 धूप के वेदी के दाहिना ओर खड़ा प्रभु के एगो स्वर्गदूत ओकरा से प्रकट भईले।
12 जब जकरयाह ओकरा के देखले त ऊ घबरा गइलन आ ओकरा पर डर लाग गइल।
13 लेकिन स्वर्गदूत ओकरा से कहलस, "जकराह, मत डेरा, काहेकि तोहार प्रार्थना सुनल गईल बा। तोहार मेहरारू एलिजाबेथ तोहरा के एगो बेटा पैदा करी आ ओकर नाम यूहन्ना राखब।
14 आ तोहरा खुशी आ खुशी होई। आ ओकरा जनम पर बहुत लोग खुश हो जइहें।
15 काहेकि ऊ प्रभु के नजर में महान होई आ ना त शराब पीई आ ना मादक पेय। उ अपना महतारी के पेट से ही पवित्र आत्मा से भरल होई।
16 उ इस्राएल के बहुत लोग के अपना परमेश्वर यहोवा के ओर मुड़ जाई।
17 ऊ एलियास के आत्मा आ शक्ति से ओकरा से पहिले चल के बाप-दादा के दिल लइकन के ओर आ आज्ञा ना माने वाला लोग के धर्मी लोग के बुद्धि के ओर मोड़ दीहें। प्रभु खातिर तइयार लोग के तइयार करे खातिर।
18 जकरयाह स्वर्गदूत से कहलन, "हम ई बात कइसे जानब? काहे कि हम बूढ़ हो गइल बानी आ हमार मेहरारू के उमिर बहुते हो गइल बा.
19 स्वर्गदूत ओकरा से कहलस, "हम जिब्राईल हईं, जे परमेश्वर के सामने खड़ा हई। आऊ तोहरा से बात करे आ तोहरा के ई खुशखबरी बतावे खातिर भेजल गइल बानी।
20 देखऽ, जबले ई काम पूरा ना हो जाई, तबले तू गूंगा रहबऽ आ बोले में सक्षम ना होखबऽ, काहे कि तू हमार बात पर विश्वास नइखऽ करत जवन अपना समय में पूरा हो जाई।
21 लोग जकरयाह के इंतजार करत रहे आ अचरज में पड़ गइल कि ऊ एतना दिन तक मंदिर में रहले।
22 जब उ बाहर निकलले त उ लोग से बात ना क पवले अवुरी उ लोग के पता चलल कि उ मंदिर में एगो दर्शन देखले बाड़े, काहेंकी उ ओ लोग के इशारा कईले अवुरी बेजुबान रहले।
23 जइसहीं उनकर सेवा के दिन पूरा भइल त ऊ अपना घरे चल गइलन।
24 ओह दिनन के बाद उनकर मेहरारू एलिजाबेथ गर्भवती होके पांच महीना तक लुका के कहली।
25 जवना दिन उ हमरा के देखत रहले, उ दिन में प्रभु हमरा संगे अईसन व्यवहार कईले, ताकि हम आदमी के बीच हमार निंदा दूर हो सके।
26 छठवाँ महीना में परमेश्वर के ओर से जिब्राईल स्वर्गदूत के गलील के एगो शहर नासरत में भेजल गईल|
27 एगो कुंवारी के बियाह दाऊद के घराना के यूसुफ नाम के आदमी से भईल रहे। आ कुंवारी के नाम मरियम रहे।
28 तब स्वर्गदूत ओकरा लगे आके कहलस, "हे जय, जे बहुत अनुग्रहित बा, प्रभु तोहरा साथे बाड़े।
29 जब उ ओकरा के देखली त उनुका इ बात से घबरा गईली अवुरी मन में आ गईली कि इ कवना तरह के नमस्कार होखे।
30 स्वर्गदूत ओकरा से कहलस, "हे मरियम, मत डेरा, काहेकि तोहरा पर परमेश्वर के अनुग्रह मिलल बा।"
31 देखऽ, तू अपना पेट में गर्भवती होके एगो बेटा पैदा करबऽ आ ओकर नाम यीशु रखबऽ।
32 ऊ महान होई आ परमात्मा के बेटा कहल जाई आ प्रभु परमेस् वर ओकरा के ओकर बाप दाऊद के सिंहासन दे दिहें।
33 ऊ याकूब के घराना पर हमेशा खातिर राज करीहें। आ ओकर राज्य के कवनो अंत ना होई।
34 मरियम स्वर्गदूत से कहली, "जब हम कवनो आदमी के नईखी जानत त इ कईसे होई?
35 तब स्वर्गदूत ओकरा से कहलस, "पवित्र आत्मा तोहरा पर आ जाई आ परमात्मा के शक्ति तोहरा पर छा जाई, एही से जवन पवित्र चीज तोहरा से पैदा होई ओकरा के भी परमेश्वर के बेटा कहल जाई।
36 देखऽ, तोहार चचेरी बहिन एलिजाबेथ भी बुढ़ापा में एगो बेटा के गर्भवती हो गइल बाड़ी आ ओकरा साथे ई छठवाँ महीना बा, जेकरा के बंजर कहल जात रहे।
37 काहेकि परमेश्वर के खातिर कुछुओ असंभव ना होई।
38 मरियम कहली, "देखऽ, प्रभु के दासी हई। तोहरा वचन के अनुसार हमरा खातिर होखे। आ स्वर्गदूत ओकरा से दूर हो गइल।
39 ओह दिन मरियम उठ के जल्दबाजी में पहाड़ी इलाका में यहूदा के एगो शहर में चल गइली।
40 जकरयाह के घर में घुस के एलिजाबेथ के नमस्कार कइलन।
41 जब एलिजाबेथ मरियम के अभिवादन सुनली त उ बच्चा उनुका पेट में कूद गईल। एलिजाबेथ पवित्र आत्मा से भर गइली।
42 ऊ जोर-जोर से कहली, "मेहरारू लोग के बीच तू धन्य बाड़ऽ आ तोहार पेट के फल धन्य बाड़ऽ।"
43 हमरा खातिर ई कहाँ से बा कि हमरा प्रभु के महतारी हमरा लगे आवे?
44 काहे कि देख, जइसहीं तोहार अभिवादन के आवाज हमरा कान में बाजल, त बच्चा हमरा पेट में खुशी से कूद गईल।

45 धन्य हई जे विश्वास कइली, काहे कि प्रभु के ओर से जवन बात ओकरा के बतावल गइल रहे, ओकर पूरा हो जाई।
46 मरियम कहली, "हमार प्राण प्रभु के बड़ाई करेले।
47 हमार आत्मा हमरा उद्धारकर्ता परमेश्वर में खुश हो गईल बा।
48 काहेकि उ अपना दासी के नीच स्थिति के देखत बा, काहेकि देख, अब से सब पीढ़ी हमरा के धन्य कहत होई।
49 काहे कि जे पराक्रमी बा, उ हमरा साथे बहुत बड़ काम कइले बा। आ उनकर नाम पवित्र बा।
50 पीढ़-पीढ़ी ओकरा से डेराए वाला लोग पर ओकर दया बा।
51 उ अपना बांह से ताकत देखवले बा। उ घमंडी लोग के दिल के कल्पना में बिखर देले बाड़े।
52 ऊ पराक्रमी लोग के आसन से उतार के नीचता के ऊपर उठा दिहले बाड़न।
53 ऊ भूखल लोग के नीमन चीजन से भर दिहले बाड़न। आ अमीर लोग के ऊ खाली भेज दिहले बाड़न.
54 ऊ अपना दया के याद में अपना सेवक इस्राएल के पकड़ले बा।
55 जइसे उ हमनी के पुरखन, अब्राहम आ उनकर संतान से हमेशा खातिर कहले रहले।
56 मरियम करीब तीन महीना तक ओकरा संगे रहली अवुरी अपना घरे लवट गईली।
57 एलिजाबेथ के प्रसव के पूरा समय आ गईल। आ ऊ एगो बेटा के जनम दिहली।
58 ओकर पड़ोसी आ ओकर चचेरा भाई लोग सुनल कि कइसे प्रभु ओकरा पर बहुते दया कइले बाड़न। आ उ लोग ओकरा संगे खुश हो गईले।
59 आठवाँ दिन उ लोग लइका के खतना करे आइल। उ लोग ओकरा के जकरयाह, ओकर पिता के नाम प रखले।
60 उनकर माई जवाब दिहली, "अइसन नइखे; लेकिन ओकर नाम यूहन्ना होई।
61 उ लोग ओकरा से कहलस, "तोहरा रिश्तेदार में से केहू अइसन नइखे जेकरा के एह नाम से बोलावल जाव।"
62 उ लोग उनकर बाबूजी के संकेत देले कि उ कइसे उनुका के बोलावल चाहत बाड़े।
63 ऊ एगो लिखे के मेज मंगले आ लिखले कि, "उनकर नाम यूहन्ना ह।" आ उ लोग सबके अचरज में पड़ गईले।
64 तुरते उनकर मुँह खुलल आ जीभ ढीला हो गइल आ ऊ बोललन आ भगवान के स्तुति कइलन।
65 ओह लोग के आसपास के सब लोग के डर लागल आ यहूदिया के पूरा पहाड़ी इलाका में ई सब बात के आवाज सुनाई पड़ल।
66 एह सब के सुनल सब लोग अपना मन में रख के कहलस कि, "ई कवन बच्चा होई!" आ प्रभु के हाथ ओकरा साथे रहे।
67 उनकर बाप जकरयाह पवित्र आत्मा से भर गइलन आ भविष्यवाणी कइलन।
68 इस्राएल के परमेश्वर यहोवा के धन्य होखे। काहेकि उ अपना लोग के मुलाकात क के छुड़ा लेले बाड़े।
69 उ अपना सेवक दाऊद के घर में हमनी खातिर उद्धार के सींग उठवले बाड़े।
70 जइसे उ अपना पवित्र भविष्यवक्ता लोग के मुँह से कहले रहले, जवन दुनिया के शुरू से ही बा।
71 हमनी के दुश्मनन से आ हमनी से नफरत करे वाला सब लोग के हाथ से बचावल जा सके।
72 हमनी के पुरखन से वादा कइल दया के पूरा करे के आ उनकर पवित्र वाचा के याद करे के।
73 जवन किरिया उ हमनी के पिता अब्राहम के किरिया खइले रहले।
74 हमनी के दुश्मनन के हाथ से मुक्त होके बिना डर के उनकर सेवा करे के मौका देस।
75 हमनी के जीवन के पूरा दिन ओकरा सामने पवित्रता आ धार्मिकता में।
76 हे बच्चा, तू परमात्मा के भविष्यवक्ता कहल जाई, काहे कि तू प्रभु के सामने जाके ओकर रास्ता तइयार करबऽ।
77 अपना लोग के पाप के माफी से मुक्ति के ज्ञान देवे।
78 हमनी के परमेश्वर के कोमल दया से। जवना से ऊपर से दिन के झरना हमनी के सामने आइल बा।
79 अन्हार आ मौत के परछाई में बइठल लोग के रोशनी देवे खातिर हमनी के गोड़ के शांति के रास्ता पर ले जाए खातिर।
80 ऊ लइका बढ़ल आ आत्मा में मजबूत हो गइल आ इस्राएल के सामने देखावे के दिन तक रेगिस्तान में रहल।

अध्याय 2 के बा

1 ओह दिन में सीजर अगस्त से एगो फरमान निकलल कि पूरा दुनिया पर कर लगावल जाव।
2 (आ ई कर पहिला बेर तब भइल जब कुरेनियस सीरिया के गवर्नर रहले।)
3 सब लोग कर लगावे खातिर चल गइल, हर केहू अपना शहर में।
4 यूसुफ भी नासरत शहर से गलील से यहूदिया में दाऊद के शहर में चल गइलन, जवना के बेतलेहेम कहल जाला। (काहे कि उ दाऊद के घर आ वंश के रहले:)
5 गर्भवती होके उनकर बियाह कइल पत्नी मरियम के साथे कर लगावे खातिर।
6 जबले उ लोग उहाँ रहले तबले उनुकर प्रसव होखे के दिन पूरा हो गईल।
7 ऊ अपना पहिलका बेटा के जनम दिहली आ ओकरा के लपेट के कपड़ा में लपेट के एगो चरनी में सुता दिहली। काहे कि सराय में ओह लोग खातिर कवनो जगह ना रहे.
8 उहे देस में चरवाहा खेत में रहत रहले आ रात में अपना भेड़ के पहरा देत रहले।
9 तब प्रभु के दूत ओह लोग पर आ गइलन आ प्रभु के महिमा ओह लोग के चारो ओर चमकल आ ऊ लोग बहुते डेरा गइल.
10 स्वर्गदूत उनके कहलस, "मत डेराईं, काहेकि हम तोहनी के बहुत खुशी के सुसमाचार लेके आवत बानी जवन सब लोग के होई।
11 काहेकि आज दाऊद के नगर में तोहनी खातिर एगो उद्धारकर्ता पैदा भइल बा, जवन मसीह प्रभु हवें।
12 ई तोहनी खातिर एगो निशानी होई। तोहनी के लइका लपेट के कपड़ा में लपेटल मिल जाई, जवन चरनी में पड़ल बा।
13 अचानक स्वर्गदूत के साथे स्वर्ग के सेना के भीड़ भगवान के स्तुति करत कहलस।
14 परमेश् वर के महिमा होखे आ धरती पर शांति आ आदमी के प्रति सद्भावना होखे।

15 जब स्वर्गदूत लोग स्वर्ग में चल गइलन त चरवाहा लोग एक दूसरा से कहलस, "आइ हमनी के अब बेतलेहेम तक जाके इ घटना के देखल जाव जवन प्रभु बता देले बाड़े।" हमनीं के।
16 उ लोग जल्दबाजी में आके मरियम, यूसुफ आ बच्चा के एगो चरनी में पड़ल देखले।
17 उ लोग एकरा के देख के उ लोग के बारे में जवन बात कहल गईल रहे, उ बात के बारे में बता देले।
18 एकरा के सुनल सब लोग चरवाहा लोग के बतावल बात से अचरज में पड़ गईले।
19 लेकिन मरियम इ सब बात के मन में मनन करत रहली।
20 चरवाहा लोग जवन कुछ सुनले आ देखले रहे, ओकरा खातिर परमेश्वर के महिमा आ स्तुति करत वापस आ गईले|
21 जब आठ दिन पूरा हो गइल त लइका के खतना होखे के बाद ओकर नाम यीशु रखल गइल, जेकर नाम स्वर्गदूत के गर्भ में होखे से पहिले रखल गइल रहे।
22 जब मूसा के नियम के अनुसार ओकर शुद्धि के दिन पूरा हो गईल त उ लोग उनुका के यरूशलेम ले गईले ताकि उनुका के प्रभु के सोझा पेश कईल जा सके।
23 (जइसन कि प्रभु के नियम में लिखल बा कि, जे नर के गर्भ खोलल जाई, ओकरा के प्रभु खातिर पवित्र कहल जाई।)
24 आउर प्रभु के नियम में कहल गइल बा कि एक जोड़ी कबूतर भा दू गो कबूतर के बच्चा बलि चढ़ावे के चाहीं।
25 यरूशलेम में एगो आदमी रहले, जेकर नाम शिमोन रहे। उहे आदमी धर्मी आ भक्तिशील रहे, इस्राएल के सांत्वना के इंतजार करत रहे, आ पवित्र आत्मा ओकरा पर रहे।
26 पवित्र आत्मा के द्वारा उनकरा पर प्रगट भइल कि प्रभु के मसीह के देखला से पहिले उ मौत के ना देखे।
27 ऊ आत्मा के द्वारा मंदिर में अइले आ जब माई-बाबूजी लइका यीशु के ले अइले कि ऊ ओकरा खातिर व्यवस्था के रिवाज के मुताबिक काम करस।
28 तब ऊ ओकरा के अपना कोरा में लेके भगवान के आशीष दिहलन आ कहलन।
29 प्रभु, अब तू अपना सेवक के अपना वचन के अनुसार शांति से जाए दीं।
30 काहेकि हमार आँख तोहार उद्धार देखले बा।
31 जवना के तू सब लोग के सामने तइयार कइले बाड़ऽ।
32 गैर-यहूदी लोग के रोशनी आ तोहरा लोग इस्राएल के महिमा के रोशनी देवे खातिर एगो रोशनी।
33 यूसुफ आ उनकर माई उनकरा बारे में जवन बात कहल गइल रहे, ओकरा से अचरज में पड़ गइलन।
34 शिमोन ओह लोग के आशीष दिहलन आ अपना महतारी मरियम से कहलन, "देखऽ, ई लइका इस्राएल में बहुत लोग के पतन आ जी उठला खातिर बनावल गइल बा। आ एगो अइसन निशानी खातिर जवना के खिलाफ बात कइल जाई।
35 (हँ, तलवार तोहार आत्मा में भी छेद करी) ताकि बहुत लोग के मन के विचार प्रकट हो सके।
36 आसेर के गोत्र के एगो भविष्यवक्ता हन्ना रहली, जवन फनुएल के बेटी रहली।
37 उ करीब चौंसठ साल के विधवा रहली, जवन मंदिर से ना निकलल रहली, बालुक रात-दिन उपवास अवुरी प्रार्थना के संगे भगवान के सेवा करत रहली।
38 उ ओही पल में आके प्रभु के धन्यवाद दिहली आ यरूशलेम में मुक्ति के इंतजार करे वाला सब लोग से उनकरा बारे में बतवली।
39 उ लोग प्रभु के नियम के अनुसार सब कुछ पूरा क के गलील में वापस आ गईले, जवन कि अपना शहर नासरत में चल गईले।
40 ऊ लइका बढ़ल आ बुद्धि से भरल आ आत्मा में मजबूत हो गइल आ भगवान के कृपा ओकरा पर भइल।
41 उनकर माई-बाबूजी हर साल फसह के परब पर यरूशलेम जात रहले।
42 जब उ बारह साल के भईले त उ लोग परब के रिवाज के मुताबिक यरूशलेम चल गईले।
43 जब उ लोग के दिन पूरा हो गईल त उ लोग लईका यीशु यरूशलेम में रह गईले। आ यूसुफ आ उनकर माई के ई बात ना मालूम रहे।
44 लेकिन उ लोग ओकरा के संगत में रहल समझ के एक दिन के सफर चल गईले। आ ऊ लोग अपना रिश्तेदारन आ परिचितन का बीच ओकरा के खोजत रहे.
45 जब उ लोग ओकरा के ना मिलल त उ लोग ओकरा के खोजत वापस यरूशलेम चल गईले।
46 तीन दिन बाद उ लोग मंदिर में डॉक्टर के बीच बईठल देखले अवुरी दुनो लोग के बात सुनत अवुरी सवाल पूछत रहले।
47 उनकर बात सुन के सब लोग उनकर समझ आ जवाब देख के अचरज में पड़ गइलन।
48 जब उ लोग ओकरा के देख के अचरज में पड़ गईले अवुरी उनुकर महतारी उनुका से कहली, "बेटा, तू हमनी के संगे अयीसन काहें कईले बाड़ू?" देखऽ, हम आ तोहार बाप दुखी होके तोहरा के खोजले बानी जा।
49 ऊ ओह लोग से पूछले, " तू लोग हमरा के कइसे खोजत रहलू? का तोहनी के ना ह कि हमरा अपना पिता के काम में लागल होखे के चाहीं?
50 उ लोग जवन बात उ लोग से कहले रहले, उ ना समझ पवले।
51 ऊ ओह लोग के साथे चल के नासरत आ गइलन आ ओह लोग के अधीन रहलन, बाकिर उनकर माई ई सब बात अपना मन में रखले रहली।
52 यीशु के बुद्धि आ कद बढ़ल आ भगवान आ आदमी के अनुग्रह में बढ़ गइलन।

अध्याय 3 के बा

1 तिबेरियस सीजर के शासन के पन्द्रहवाँ साल में, पोंतियुस पिलातुस यहूदिया के राज्यपाल रहले, हेरोदेस गलील के राज्यपाल रहले, आ उनकर भाई फिलिप इतुरिया आ ट्रैकोनिटिस के क्षेत्र के राज्यपाल रहले, आ लाइसानिया अबिलीन के राज्यपाल रहले।
2 हन्ना आ कैफा महायाजक रहलन, जंगल में जकरयाह के बेटा यूहन्ना के परमेश्वर के वचन आइल।
3 ऊ पाप के माफी खातिर पश्चाताप के बपतिस्मा के प्रचार करत यरदन के आसपास के पूरा इलाका में अइले।
4 जइसे कि यशायाह भविष्यवक्ता के वचन के किताब में लिखल बा कि, "जंगल में चिल्लात के आवाज, "प्रभु के रास्ता तइयार करऽ, ओकर रास्ता सीधा करऽ।"
5 हर घाटी भर जाई, हर पहाड़ आ पहाड़ी के नीचे गिरावल जाई। टेढ़ रास्ता सीधा हो जाई आ खुरदुरा रास्ता चिकना हो जाई।

6 आ सब शरीर परमेस् वर के उद्धार देखे के मिली।
7 तब उ अपना से बपतिस्मा लेवे खातिर निकलल भीड़ से कहलस, "हे साँप के पीढ़ी, तोहनी के आवे वाला क्रोध से भागे के चेतवले बा?
8 एह से पश्चाताप के लायक फल पैदा करीं आ अपना मन में ई मत कहे के शुरू करीं कि हमनी के पिता के अब्राहम बाड़े, काहेकि हम तोहनी से कहत बानी कि परमेश्वर एह पत्थरन से अब्राहम के संतान पैदा करे में सक्षम बाड़े।
9 अब कुल्हाड़ी भी पेड़ के जड़ तक रखल गईल बा, जवन भी पेड़ बढ़िया फल ना देवेला, ओकरा के काट के आग में फेंक दिहल जाला।
10 लोग ओकरा से पूछलस, "तब हमनी के का करीं जा?"
11 ऊ जवाब दिहलन, "जेकरा लगे दू गो कोट बा, ऊ जेकरा लगे कोट नइखे ओकरा के दे देव। जेकरा लगे भोजन बा, उहो अयीसने करे।
12 तब कर लेवे वाला लोग भी बपतिस्मा लेवे खातिर आके पूछले, "गुरु, हमनी के का करीं जा?"
13 ऊ ओह लोग से कहलन कि, "तू लोग के जवन निर्धारित कइल गइल बा ओकरा से अधिका ना जुटाईं."
14 सिपाही लोग भी उनकरा से पूछल, "हम का करीं जा?" ऊ ओह लोग से कहलन, "केहू के हिंसा मत करीं आ केहू के झूठा आरोप मत लगाईं; आ अपना मजदूरी से संतुष्ट रहीं।
15 लोग के उम्मीद रहे आ सब लोग अपना मन में यूहन्ना के बारे में मनन करत रहे कि उ मसीह हवे कि ना।
16 यूहन्ना उनकरा सब से कहलन कि हम तोहनी के पानी से बपतिस्मा देत बानी। लेकिन हमरा से भी ताकतवर एगो आवेला, जेकर जूता के कुंडी खोले के लायक नईखी, उ तोहनी के पवित्र आत्मा आ आग से बपतिस्मा दिही।
17 जेकर पंखा ओकरा हाथ में बा, आ ऊ अपना फर्श के पूरा तरह से साफ करी आ गेहूं के अपना भंडार में बटोर दी। बाकिर भूसा के ऊ अमिट आग से जरा दीहें.
18 उ अपना उपदेश में अउरी बहुत बात के प्रचार कइलन।
19 लेकिन हेरोदेस राज्यपाल के उनकर भाई फिलिप के मेहरारू हेरोदियास आ हेरोदेस के कइल सब बुराई खातिर डांटल गइल।
20 सबले बढ़ के इ बात जोड़लस कि उ यूहन्ना के जेल में बंद क देले।
21 जब सब लोग बपतिस्मा लिहले त यीशु भी बपतिस्मा लेत प्रार्थना करत स्वर्ग खुल गइल।
22 पवित्र आत्मा कबूतर नियर शरीर के आकार में ओकरा पर उतरल आ स्वर्ग से आवाज आइल कि तू हमार प्रिय बेटा हउअ। तोहरा में हम बहुत खुश बानी।
23 यीशु खुद लगभग तीस साल के होखे लगले, उ यूसुफ के बेटा रहले, जवन कि हेली के बेटा रहले।
24 उ मत्तत के बेटा रहलन, जवन लेवी के बेटा रहलन, मल्की के बेटा रहलन, जवन जन्ना के बेटा रहलन, जवन यूसुफ के बेटा रहलन।
25 उ मत्तियास के बेटा रहले, जवन आमोस के बेटा रहले, जवन नाउम के बेटा रहले, जवन एस्ली के बेटा रहले, जवन नग्गे के बेटा रहले।
26 ऊ माथ के बेटा रहलन, जे मत्तियास के बेटा रहलन, जे सेमेई के बेटा रहलन, जे यूसुफ के बेटा रहलन, जे यहूदा के बेटा रहलन।
27 उ योआना के बेटा रहे, जवन रेसा के बेटा रहे, जवन सोरोबाबेल के बेटा रहे, जवन सलाथियल के बेटा रहे, जवन नेरी के बेटा रहे।
28 उ मल्की के बेटा रहे, जवन अदी के बेटा रहे, उ कोसम के बेटा रहे, जवन एलमोदाम के बेटा रहे, जवन एर के बेटा रहे।
29 ऊ योसे के बेटा रहले, जे एलीएजर के बेटा रहले, जवन योरीम के बेटा रहले, जवन मत्तत के बेटा रहले, जवन लेवी के बेटा रहले।
30 ऊ शिमोन के बेटा रहलन, जवन यहूदा के बेटा रहलन, ऊ यूसुफ के बेटा रहलन, जवन योनान के बेटा रहलन, जे एलियाकीम के बेटा रहलन।
31 ऊ मेलेआ के बेटा रहलन, जे मेनान के बेटा रहलन, मत्तथा के बेटा रहलन, जवन नाथन के बेटा रहलन, जे दाऊद के बेटा रहलन।
32 ऊ यिशै के बेटा रहलन, जे ओबेद के बेटा रहलन, ऊ बूज के बेटा रहलन, जवन सल्मोन के बेटा रहलन आ नासोन के बेटा रहलन।
33 उ अमीनादब के बेटा रहले, जवन अराम के बेटा रहले, जवन एस्रोम के बेटा रहले, जवन फारेस के बेटा रहले, जवन यहूदा के बेटा रहले।
34 ऊ याकूब के बेटा, इसहाक के बेटा, अब्राहम के बेटा, थारा के बेटा, नाकोर के बेटा।
35 उ सरुच के बेटा रहले, जवन रगौ के बेटा रहले, जवन फालेक्स के बेटा रहले, उ हेबर के बेटा रहले, जवन कि साला के बेटा रहले।
36 ऊ कैनन के बेटा रहलन, जवन अरफक्सद के बेटा रहलन, सेम के बेटा रहलन, जवन नोआ के बेटा रहलन, जे लामेक के बेटा रहलन।
37 उ मथुसाला के बेटा हनोक के बेटा रहले, जवन यारेद के बेटा रहले, जवन मलेएल के बेटा रहले, जवन कैनन के बेटा रहले।
38 ऊ हनोस के बेटा रहलन, जे सेठ के बेटा रहलन, आदम के बेटा रहलन, जवन परमेश्वर के बेटा रहलन।

अध्याय 4 के बा

1 यीशु पवित्र आत्मा से भरल होके यरदन से वापस आके आतमा के द्वारा जंगल में ले जाइल गइलन।
2 चालीस दिन शैतान के परीक्षा में रहला के चलते। ओह दिन में ऊ कुछ ना खइले आ जब ऊ सब खतम हो गइल त ओकरा बाद भूख लागल।
3 शैतान ओकरा से कहलस, "अगर तू परमेश्वर के बेटा हउअ त एह पत्थर के रोटी बनावे के आदेश दीं।"
4 यीशु ओकरा के जवाब दिहलन, " लिखाइल बा कि आदमी खाली रोटी से ना जियत बा, बल्कि परमेश्वर के हर वचन से जिंदा रही।"
5 शैतान ओकरा के एगो ऊँच पहाड़ पर ले जाके दुनिया के सब राज्य के कुछ पल में देखा दिहलस।
6 शैतान ओकरा से कहलस, "हम तोहरा के इ सब शक्ति आ ओह लोग के महिमा देब। आ जेकरा चाहब ओकरा के दे देनी।
7 अगर तू हमार आराधना करब त सब तोहार हो जाई।
8 यीशु ओकरा से कहलन, "हे शैतान, हमरा पीछे हट जा, काहेकि लिखल बा कि, "तू अपना प्रभु परमेश्वर के आराधना करऽ आ खाली उनकर सेवा करऽ।"

9 ऊ ओकरा के यरूशलेम ले अइले आ मंदिर के एगो चोटी पर बइठा के कहलन कि अगर तू परमेश्वर के बेटा हउअ त इहाँ से नीचे गिर जा।
10 धर्म में लिखल बा कि, "उ आपन स्वर्गदूतन के तोहरा के रखे के जिम्मा दे दिहे।"
11 आ उ लोग तोहरा के अपना हाथ में उठाई, कहीं तू कबो आपन गोड़ पत्थर से ना टकरा जा।
12 यीशु ओकरा से कहलन, " कहल जाला कि तू अपना प्रभु परमेश्वर के परख मत करऽ।"
13 जब शैतान के सब परीक्षा खतम हो गईल त उ कुछ समय खातिर ओकरा से दूर हो गईल।
14 यीशु आत्मा के शक्ति से गलील वापस आ गईले अवुरी चारो ओर के इलाका में उनुका बारे में एगो प्रसिद्धि निकलल।
15 ऊ ओह लोग के आराधनालयन में पढ़ावत रहले आ सभे के महिमा मिलत रहे।
16 उ नासरत पहुंचले, जहवाँ उ पलल-बढ़ल रहले, आ अपना रिवाज के मुताबिक सब्त के दिन आराधनालय में जाके पढ़े खातिर खड़ा हो गईले।
17 ओकरा बाद यशायाह भविष्यवक्ता के किताब ओकरा के सौंप दिहल गईल। जब उ किताब खोलले त उ जगह मिल गईल, जहां उ किताब लिखल रहे।
18 प्रभु के आत्मा हमरा पर बा, काहे कि उ हमरा के गरीबन के सुसमाचार सुनावे खातिर अभिषेक कइले बाड़न। ऊ हमरा के भेजले बाड़न कि हम टूटल दिल वाला लोग के ठीक कर सकीले, बंदी लोग के मुक्ति के प्रचार करीं आ आन्हर लोग के दृष्टि ठीक होखे के प्रचार करीं आ चोट खाए वाला लोग के मुक्त कर दीं।
19 प्रभु के स्वीकार्य साल के प्रचार करे खातिर।
20 ऊ किताब बंद क के सेवक के फेरु से दे के बइठ गइलन। आराधनालय में मौजूद सब लोग के नजर ओकरा पर टिकल रहे।
21 ऊ ओह लोग से कहे लगलन, " आज ई शास्त्र तोहनी के कान में पूरा हो गइल बा।"
22 सब लोग उनकरा के गवाही देके उनकर मुँह से निकलल कृपालु शब्दन पर अचरज में पड़ गइलन। उ लोग पूछले, का इ यूसुफ के बेटा ना ह?
23 ऊ ओह लोग से कहलन, " तू लोग हमरा से ई कहावत जरूर कहब कि, "वैद्य, अपना के ठीक करऽ।"
24 उ कहले, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि कवनो भविष्यवक्ता के अपना देश में स्वीकार ना कईल जाला।"
25 लेकिन हम तोहके साँच कहत हई कि एलियास के समय में इस्राएल में बहुत विधवा रहली, जब तीन साल छह महीना तक स्वर्ग बंद रहे, जब पूरा देश में बहुत अकाल रहे।
26 लेकिन सीदोन के एगो शहर सरेप्टा के छोड़ के एलियाह के कवनो विधवा महिला के लगे ना भेजल गईल।
27 एलीसिया भविष्यवक्ता के समय में इस्राएल में बहुत कोढ़ी रहले। अरामी नामान के छोड़ के ओह लोग में से केहू के शुद्ध ना भइल।
28 आराधनालय के सब लोग ई बात सुन के क्रोध से भर गइल।
29 ऊ उठ के शहर से बाहर निकाल के ओकरा के ओह पहाड़ी के मोड़ पर ले गइलन जवना पर उनकर शहर बनल रहे, ताकि ऊ लोग ओकरा के सिर से नीचे गिरा सके।
30 लेकिन उ ओह लोग के बीच से गुजरत चल गईले।
31 ऊ गलील के कफरनहूम शहर में उतर के सब्त के दिन ओह लोग के सिखावत रहले।
32 उ लोग उनकर शिक्षा देख के अचरज में पड़ गईले, काहेकि उनकर वचन सामर्थ्य से रहे|
33 आराधनालय में एगो आदमी रहे, जेकरा में अशुद्ध शैतान के आत्मा रहे आ ऊ जोर से चिल्लात रहे।
34 कहलन, "हमनी के छोड़ दीं। हे नासरत के यीशु, तोहरा से हमनी के का संबंध बा? का तू हमनी के नाश करे आइल बाड़ऽ? हम तोहरा के जानत बानी कि तू के हईं; भगवान के पवित्र आदमी के ह।
35 यीशु ओकरा के डांटत कहलन कि चुप रहऽ आ ओकरा से बाहर निकल जा। जब शैतान ओकरा के बीच में फेंक दिहलस त उ ओकरा से निकल के ओकरा के कवनो नुकसान ना पहुंचवलस।
36 उ सब अचरज में पड़ गईले अवुरी आपस में बोलत रहले कि, "ई कवन बात ह! काहे कि ऊ अधिकार आ शक्ति से अशुद्ध आत्मा के आज्ञा देत बाड़न आ ऊ लोग बाहर निकल जाला.
37 ओकरा बारे में चारो ओर के हर जगह पर ओकर प्रसिद्धि बढ़ल।
38 ऊ आराधनालय से उठ के शमौन के घर में घुस गइलन। शमौन के मेहरारू के महतारी के बहुते बोखार से लेके चल गइल। आ ऊ लोग ओकरा खातिर उनकरा से निहोरा कइल।
39 ऊ ओकरा ऊपर खड़ा होके बोखार के डांटले। ऊ ओकरा के छोड़ के चल गइल आ तुरते ऊ उठ के ओह लोग के सेवा कइली.
40 जब सूरज डूबत रहे त जवन भी बेमारी से पीड़ित रहले, उ लोग उनुका लगे ले अईले। हर एक पर हाथ रख के ठीक कर दिहलन।
41 बहुत लोग के बीच से दुष्टात्मा भी चिल्लात कहले कि, "तू मसीह परमेश्वर के बेटा हउअ।" उ लोग के डांटत उ लोग के बोले ना दिहलन, काहेकि उ लोग जानत रहे कि उ मसीह हवे।
42 जब दिन हो गइल त ऊ निकल गइलन आ एगो रेगिस्तान में चल गइलन आ लोग उनका के खोजत रहले आ उनका लगे आके रोक दिहलन कि ऊ ओह लोग से ना हट जाव.
43 ऊ ओह लोग से कहलन, " हमरा दोसरा शहरन में भी परमेश्वर के राज्य के प्रचार करे के पड़ी, काहे कि हमरा के एही से भेजल गइल बा।"
44 ऊ गलील के आराधनालयन में प्रचार करत रहले।

अध्याय 5 के बा

1 जब लोग परमेश्वर के वचन सुने खातिर उनकरा पर दबावत रहलन त उ गेनेसरत झील के किनारे खड़ा हो गइलन।
2 ऊ झील के किनारे दू गो जहाज खड़ा देखले, लेकिन मछुआरा लोग ओह जहाज से बाहर निकल के आपन जाल धोवत रहे।
3 ऊ एगो जहाज में बइठ के सिमोन के रहे आ ओकरा से प्रार्थना कइलन कि ऊ देश से तनी बाहर निकाल देव. ऊ बईठ के जहाज से निकल के लोग के सिखावत रहले।
4 जब ऊ बात छोड़ के सिमोन से कहलन, " गहिरा में निकल के आपन जाल नीचे गिरा दऽ।
5 शमौन जवाब दिहलन, "गुरु, हम रात भर मेहनत कइनी आ कुछ ना लेहनी, बाकिर तोहरा बात पर हम जाल गिरा देब।"
6 जब उ लोग इ काम पूरा कईले त उ लोग बहुत मछरी के बंद क लेले अवुरी उनुकर जाल टूट गईल।

7 उ लोग दूसरा नाव में सवार अपना साथी लोग के इशारा कईले कि उ लोग आके ओ लोग के मदद करस। उ लोग आके दुनो जहाज के भर देले, जवना से उ डूबे लगले।
8 शमौन पतरस ई देख के यीशु के घुटना पर गिर के कहले, "हमरा से हट जा; काहे कि हम पापी आदमी हईं, हे प्रभु।
9 काहेकि उ आ ओकरा साथे के सब लोग अचरज में पड़ गईले कि उ लोग जवन मछरी पकड़ले रहले, उ मछरी के झोंका देख के अचरज में पड़ गईले।
10 जबदी के बेटा याकूब आ यूहन्ना भी शिमोन के साथी रहले। यीशु शमौन से कहले, " मत डेरा; अब से तू आदमी के पकड़ब।
11 जब उ लोग आपन जहाज जमीन प ले अईले त उ सब कुछ छोड़ के उनुका पीछे चल गईले।
12 जब उ एगो शहर में रहले त एगो कोढ़ से भरल आदमी देखले, उ यीशु के देख के मुंह से गिर गईले अवुरी उनुका से निहोरा कईले कि, "प्रभु, अगर तू चाहब त हमरा के साफ क सकतानी।"
13 ऊ आपन हाथ बढ़ा के ओकरा के छू के कहलस, " हम चाहब, तू साफ हो जा।" आ तुरते कोढ़ ओकरा से दूर हो गइल।
14 ऊ ओकरा के केहू के ना बतावे के आज्ञा दिहलन, बलुक जाके याजक के सामने आपन शुद्धि खातिर चढ़ाईं, जइसन कि मूसा के आज्ञा के अनुसार उनकरा के गवाही खातिर चढ़ाईं।
15 लेकिन उहाँ के बारे में एतना प्रसिद्धि बढ़ल आ बहुत भीड़ उनकर बात सुने आ उनकरा से आपन कमजोरी से ठीक होखे खातिर जुट गईल|
16 ऊ जंगल में हट के प्रार्थना कइलन।
17 एक दिन उ सिखावत रहलन कि गलील, यहूदिया आ यरूशलेम के हर शहर से निकलल फरीसी आ कानून के डाक्टर बईठल रहले ओह लोग के ठीक करे खातिर मौजूद रहले.
18 देख, लोग एगो लकवा से पीड़ित आदमी के बिछौना पर ले अइले आ ओकरा के भीतर ले आवे आ ओकरा सोझा सुतावे के साधन खोजत रहले।
19 जब भीड़ के वजह से उ लोग के पता ना चलल कि उ लोग ओकरा के कवना रास्ता से ले आवल जा सकेला, त उ लोग घर के ऊपर चल गईले अवुरी उनुका के अपना सोफा के संगे खपड़ा के बीच से नीचे गिरा देले।
20 उ लोग के विश्वास देख के कहलन, " यार, तोहार पाप माफ हो गईल बा।"
21 शास्त्री आऊ फरीसी लोग तर्क करे लगलन कि, "ई के ह जे निंदा करत बा?" पाप के के माफ कर सकेला, खाली भगवान के छोड़ के?
22 जब यीशु ओह लोग के विचार के पता चलल त उ लोग से पूछले, " तू लोग अपना मन में का तर्क देत बाड़ू?
23 ई कहल आसान बा कि तोहार पाप माफ हो गइल बा। भा ई कहे खातिर कि उठ के चल जा?
24 बाकिर एह खातिर कि तू लोग ई जान सकी कि मनुष्य के बेटा के धरती पर पाप माफ करे के अधिकार बा, (उ पक्षाघात से पीड़ित से कहलन कि) हम तोहरा से कहत बानी कि उठ के आपन सोफा उठा के अपना घर में चल जा।
25 ऊ तुरते ओह लोग के सामने उठ के जवना पर ऊ लेट गइलन ओकरा के उठा के भगवान के महिमा करत अपना घरे चल गइलन.
26 उ सब अचरज में पड़ गईले अवुरी भगवान के महिमा कईले अवुरी डर से भर गईले कि, "आज हमनी के अजीब-अजीब बात देखले बानी।"
27 एह सब के बाद उ लेवी नाम के एगो करदाता के करवाला के घर बईठल देखले त उ ओकरा से कहलस, " हमरा पीछे चलीं।"
28 उ सब कुछ छोड़ के उठ के ओकरा पीछे चल गईले।
29 लेवी उनका के अपना घर में एगो बड़हन भोज बनवले आ कर लेवे वाला लोग आ अउरी लोग के भीड़ उहाँ बईठल रहले।
30 लेकिन उनकर शास्त्री आऊ फरीसियन उनकर चेलन के खिलाफ बड़बड़ात कहले, "तू लोग करदाता आ पापी लोग के साथे काहे खात-पीयत बाड़ऽ?
31 यीशु जवाब दिहलन, " स्वस्थ लोग के वैद्य के जरूरत नइखे। लेकिन जे बेमार बाड़े।
32 हम धर्मी लोग के ना बलुक पापी लोग के पश्चाताप करे खातिर बोलावे आइल बानी।
33 उ लोग ओकरा से कहलस, "यूहन्ना के चेला लोग काहे बार-बार उपवास करेला आ प्रार्थना करेला आ फरीसियन के चेला लोग भी ओइसहीं काहे? बाकिर तोहार खात-पीयत बा?
34 ऊ ओह लोग से कहलन, " का तू लोग दुलहिन के साथे रहला पर दुलहिन के लइका के उपवास कर सकत बानी?"
35 लेकिन उ दिन आई जब दूल्हा के ओ लोग से दूर क दिहल जाई अवुरी ओ दिन उ लोग उपवास करीहे।
36 ऊ ओह लोग से एगो दृष्टांत भी कहले। केहू नया कपड़ा के टुकड़ा पुरान कपड़ा पर ना लगावेला। अगर ना त नया दुनु के किराया मिल जाला आ नया से जवन टुकड़ा निकालल गइल बा ऊ पुरनका से सहमत ना होखे.
37 केहू नया शराब के पुरान बोतल में ना डालेला। ना त नया शराब बोतल फाड़ के छलक जाई आ बोतल नाश हो जाई।
38 लेकिन नया शराब के नया बोतल में डालल जरूरी बा। आ दुनु के संरक्षित कइल गइल बा.
39 पुरान शराब पी के केहू भी तुरते नया शराब के इच्छा ना करे, काहेकि उ कहेला कि पुरान शराब बेहतर बा।

अध्याय 6 के बा

1 पहिला सब्त के बाद दूसरा सब्त के दिन उ खेत के खेत में से गुजरत रहले। उनकर चेला लोग धान के कान उखाड़ के हाथ में रगड़ के खात रहले।
2 कुछ फरीसियन से कहलन, "तू लोग उ काम काहे करेनी जवन सब्त के दिन करे के इजाजत नइखे?
3 यीशु उनके जवाब दिहलन, " का तू लोग एतना नइख पढ़ले कि दाऊद के काम जब ऊ भूख से मरल रहले आ उनकरा साथे रहले।
4 कइसे ऊ परमेश्वर के घर में जाके देखावे के रोटी लेके खइले आ अपना साथे रहे वाला लोग के भी देले। जवना के खाइल जायज नइखे, लेकिन खाली पुजारी लोग खातिर?
5 उ लोग से कहलन, "मनुष्य के बेटा सब्त के दिन के भी प्रभु हवे।"
6 एगो अउरी सब्त के दिन उ आराधनालय में घुस के सिखावत रहले।
7 शास्त्री आ फरीसी लोग उनकरा पर नजर रखत रहलन कि उ सब्त के दिन ठीक करीहें कि ना। ताकि उ लोग ओकरा प कवनो आरोप लगा सके।
8 लेकिन उ ओ लोग के विचार जान गईले अवुरी मुरझल हाथ वाला आदमी से कहले, " उठ जा अवुरी बीच में खड़ा हो जा।" उ उठ के खड़ा हो गईले।

9 तब यीशु उनकरा से कहलन, " हम तोहसे एक बात पूछब। का सब्त के दिन भलाई कइल जायज बा कि बुराई कइल? जान बचावे खातिर, कि ओकरा के नष्ट करे खातिर?
10 उ सब के चारो ओर देखत उ आदमी से कहले, " अपना हाथ बढ़ा द।" उ अयीसन कईले अवुरी उनुकर हाथ दोसरा निहन ठीक हो गईल।
11 उ लोग पागलपन से भर गईल। आ एक दूसरा से संवाद करत रहले कि उ लोग यीशु के का कर सकेले।
12 ओह दिन में उ एगो पहाड़ पर प्रार्थना करे निकलले आ रात भर भगवान से प्रार्थना करत रहले।
13 जब भोर भइल त ऊ अपना चेलन के बोलवले आ ओहमें से बारह गो के चुनले, जेकरा के ऊ प्रेरित भी रखले।
14 सिमोन (जेकर नाम पतरस भी रखले रहले) आ उनकर भाई अँड्रियास, याकूब आ यूहन्ना, फिलिप आ बर्थोलोमी।
15 मत्ती आ थोमा, अल्फीस के बेटा याकूब आ सिमोन जेलोत नाम के।
16 याकूब के भाई यहूदा आ इस्करियोती यहूदा, जे गद्दार भी रहले।
17 ऊ ओह लोग के साथे उतर के मैदान में खड़ा हो गइलन आ अपना चेलन के दल आ पूरा यहूदिया आ यरूशलेम से आ सोर आ सीदोन के समुंदर के किनारे से बहुते लोग के भीड़ जवन उनकर बात सुन के आइल रहले. आ ओह लोग के बेमारी से ठीक होखे के;
18 अशुद्ध आत्मा से परेशान लोग ठीक हो गईले।
19 पूरा भीड़ ओकरा के छूवे के कोशिश कईलस, काहेकि उनुका में से सद्गुण निकलल अवुरी सभके ठीक क देलस।
20 ऊ अपना चेलन पर नजर उठवले आ कहलन कि, " धन्य हो जा गरीबन, काहे कि भगवान के राज्य तोहनी के ह."
21 धन्य बाड़, जे अब भूखल बानी, काहेकि तोहनी के तृप्त हो जाईब। धन्य बानी तू जे अब रोवत बाड़ऽ, काहेकि तू हँसबऽ।
22 धन्य बानी जब आदमी तोहनी से नफरत करी आ तोहरा के अपना संगत से अलगा करी आ तोहनी के निंदा करी आ तोहार नाम के बुरा बता दी, आदमी के बेटा खातिर।
23 ओह दिन तू लोग खुश होके खुशी से कूद जा, काहेकि देखऽ, तोहनी के इनाम स्वर्ग में बहुत बा, काहे कि ओही तरह से ओह लोग के बाप-दादा भविष्यवक्ता लोग के साथे कइले रहले।
24 तोहनी के धिक्कार बा जे अमीर हईं! काहे कि तोहनी के सांत्वना मिलल बा।
25 तोहनी के धिक्कार बा जे पेट भरल बानी! काहे कि तू लोग भूख से मरब। धिक्कार बा तोहनी के जे अब हँसत बानी! काहे कि तू लोग शोक मना के रोवे के काम करब।
26 तोहनी के हाय, जब सब लोग तोहरा बारे में अच्छा बात करी! काहे कि उनकर बाप-दादी झूठा भविष्यवक्ता लोग के साथे भी अइसने कइले रहले।
27 लेकिन हम तोहनी से कहत बानी कि जे सुनत बा, अपना दुश्मनन से प्रेम करीं, जे तोहनी से नफरत करेला ओकरा साथे भलाई करीं।
28 जे तोहनी के गारी देत बा, ओकरा के आशीष दीं आ जे तोहरा के घृणित करत बा, ओकरा खातिर प्रार्थना करीं।
29 जे तोहरा एक गाल पर चोट करी ओकरा के दूसरा गाल भी चढ़ाईं। आ जे तोहार चोगा छीन लेव ओकरा के तोहार कोट भी लेबे से मना करऽ।
30 जे भी आदमी तोहरा से माँगेला ओकरा के दे दीं। आ जे तोहार माल छीन लेव ओकरा से फेरु से मत माँगऽ।
31 आऊ जइसे तू लोग चाहत बाड़ऽ कि आदमी तोहनी के साथे करस, तूहूँ ओह लोग के साथे भी ओइसहीं करऽ।
32 अगर तू लोग से प्रेम करे वाला लोग से प्रेम करेनी त तोहनी के का धन्यवाद बा? काहेकि पापी लोग भी उनकरा से प्रेम करे वाला से प्यार करेला।
33 अगर तू लोग के भलाई करे वाला लोग के भलाई करब त तोहनी के का धन्यवाद? काहेकि पापी लोग भी इहे करेलन।
34 अगर तू ओह लोग के उधार देब जिनका से मिले के उम्मीद बा त तोहनी के का धन्यवाद? काहेकि पापी लोग भी पापी लोग के उधार देवेला ताकि उ उधार मिल सके|
35 लेकिन तू लोग अपना दुश्मनन से प्रेम करीं, भलाई करीं आ उधार दीं, फिर से कुछुओ के उम्मीद ना करीं। तोहार इनाम बहुत होई, आ तोहनी परमात्मा के संतान होखब, काहेकि उ अशुभ आ बुराई पर दयालु ह।
36 एही से तू लोग दयालु रहीं, जइसे तोहनी के पिता भी दयालु हउवन।
37 न्याय मत करीं, आ तोहनी के न्याय ना होई, दोषी मत लगाईं, आ तोहनी के दोषी ना ठहरावल जाई।
38 दे दीं त तोहनी के दिहल जाई। नीमन नाप, दबा के, हिलावल आ दौड़त, आदमी तोहरा गोदी में दे दी। काहे कि जवना नाप से तू नापब, ओकरा से तोहनी के फेर से नापल जाई।
39 ऊ ओह लोग से एगो दृष्टांत कहलन कि का आन्हर आन्हर के ले जा सकेला? का ऊ दुनु खाई में ना गिर जइहें?
40 चेला अपना गुरु से ऊपर ना होला, लेकिन जे भी सिद्ध बा उ ओकर गुरु निहन होई।
41 आउर तू अपना भाई के आँख में जवन कटहर बा ओकरा के काहे देखत बाड़, लेकिन अपना आँख में जवन बीम बा ओकरा के काहे नईखी बुझत?
42 या त तू अपना भाई से कइसे कहब कि भाई, हम तोहरा आँख में जवन कड़ाही बा ओकरा के निकाल लेनी, जबकि तू खुद अपना आँख में जवन बीम बा ओकरा के नईखी देखत? तू पाखंडी, पहिले अपना आँख से बीम निकाल के ओकरा बाद तोहरा भाई के आँख में जवन कड़ाही बा ओकरा के निकाले खातिर साफ-साफ देखाई दिही।
43 काहे कि बढ़िया पेड़ नाश फल ना देला। ना त जड़ल पेड़ बढ़िया फल देला।
44 काहेकि हर पेड़ के आपन फल से जानल जाला। काहे कि काँट से आदमी अंजीर ना बटोरेला आ ना ही कांटे के झाड़ी से अंगूर बटोरेला।
45 अच्छा आदमी अपना दिल के अच्छा खजाना से अच्छा काम निकालेला। आ दुष्ट आदमी अपना मन के बुरा खजाना से बुरा के निकालेला काहे कि दिल के भरमार के बात ओकर मुँह बोलेला।
46 तू लोग हमरा के प्रभु, प्रभु काहे कहत बाड़ऽ, आ हम जवन बात कहत बानी, ओकरा के काहे नइखऽ?
47 जे भी हमरा लगे आके हमार बात सुन के ओकरा के पूरा करी, हम तोहके बता देब कि उ केकरा निहन बा।
48 ऊ अइसन आदमी नियर हउवें जे घर बना के गहिराह खोद के चट्टान पर नींव रखले बा आ जब बाढ़ आइल त धार ओह घर पर बहुते धक्का मार दिहलसि आ ओकरा के ना हिला पवलसि काहे कि ओकर नींव चट्टान पर बनल रहे .

49 लेकिन जे सुन के ना करेला, उ आदमी निहन बा, जवन बिना नींव के धरती प घर बनवले बा। जवना के खिलाफ धारा जोरदार धड़क उठल आ तुरते गिर गइल। आ ओह घर के खंडहर बहुते रहे।

अध्याय 7 के बा

1 जब उ लोग के सामने आपन सब बात खतम क के कफरनहूम में घुस गईले।
2 एगो सेनापति के नौकर जे उनकर प्रिय रहे, ऊ बेमार रहे आ मरला खातिर तइयार रहे।
3 जब ऊ यीशु के बारे में सुन के यहूदी लोग के बुजुर्ग लोग के उनकरा से निहोरा करे खातिर भेजले कि उ आके आपन नौकर के ठीक करस।
4 जब उ लोग यीशु के लगे पहुंचले त उ लोग तुरंत उनुका से निहोरा कईले अवुरी कहले कि, उ जेकरा खाती इ काम करे के लायक बाड़े।
5 काहेकि उ हमनी के राष्ट्र से प्यार करेलन आ हमनी के एगो आराधनालय बनवले बाड़न।
6 तब यीशु ओह लोग के साथे चल गइलन। जब उ घर से दूर ना रहले त सेनापति उनुका लगे दोस्त भेजले कि, "हे प्रभु, अपना के परेशान मत कर, काहेकि हम अयीसन नईखी कि तू हमरा छत के नीचे घुस जा।
7 एही से हम अपना के तोहरा लगे आवे के लायक ना समझनी, लेकिन एक बात में कह दीं कि हमार सेवक ठीक हो जाई।
8 हमहूँ एगो अधिकार के अधीन आदमी हईं आ हमरा नीचे सिपाही हईं आ हम एगो से कहत बानी कि जा, ऊ चल जाई। आ दोसरा के कहलस कि, आ जा, उ आ जाई। आ हमरा सेवक के, "ई करऽ, त ऊ पूरा कर लेला."
9 ई बात सुन के यीशु ओकरा पर अचरज में पड़ गइलन आ ओकरा पीछे-पीछे आवे वाला लोग से कहलन, " हम तोहनी से कहत बानी कि हमरा अतना बड़हन विश्वास नइखे मिलल, इस्राएल में ना।"
10 घर में लौट के भेजल लोग के उ नौकर ठीक हो गईल जवन बीमार रहे|
11 ओकरा बाद के दिन उ नैन नाम के शहर में चल गईले। उनकर बहुत चेला आ बहुत लोग उनका साथे चल गइलन।
12 जब उ शहर के फाटक के नजदीक पहुंचले त देख, एगो मरेवाला आदमी के बहरी ले जाइल गईल, जवन कि ओकर महतारी के एकलौता बेटा रहे अवुरी उ विधवा रहली अवुरी शहर के बहुत लोग उनुका संगे रहले।
13 जब प्रभु ओकरा के देखले त ओकरा पर दया आके कहलन कि, " मनी रोअ."
14 ऊ आके लास के छू लिहले आ ओकरा के ढोवे वाला लोग खड़ा हो गइल। उ कहलस, " युवक, हम तोहरा से कहत बानी कि उठ जा।"
15 मरल आदमी उठ के बईठ के बोले लागल। आ ऊ ओकरा के अपना महतारी के हवाले कर दिहलन.
16 तब सबके डर लागल आ उ लोग परमेश्वर के महिमा करत कहलन कि हमनी के बीच एगो बड़हन भविष्यवक्ता उठल बा। आ, कि भगवान अपना लोग के दौरा कइले बाड़न।
17 ओकरा बारे में ई अफवाह पूरा यहूदिया आ चारो ओर के पूरा इलाका में फइलल।
18 यूहन्ना के चेला लोग उनकरा के ई सब बात बतावत रहलन।
19 यूहन्ना अपना दू गो चेलन के बोला के यीशु के लगे भेजलन कि, "का तू उ जे आवे वाला हऽ?" भा हमनी के दोसरा के खोजत बानी जा?
20 जब उ लोग उनकरा लगे अइले त उ लोग पूछले, "यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला हमनी के तोहरा लगे भेजले बाड़न कि, "का तू उहे आवे वाला हउअ?" भा हमनी के दोसरा के खोजत बानी जा?
21 ओही घरी उ बहुत लोग के कमजोरी आ विपत्ति आ दुष्टात्मा से ठीक कर दिहलन। आ आन्हर बहुत लोग के ऊ दृष्टि दे दिहलन।
22 तब यीशु उनकरा से कहलन, "जा के यूहन्ना के बताईं कि जवन बात रउवां देखले आ सुनले बानी। कइसे आन्हर लोग देखत बा, लंगड़ा चलत बा, कोढ़ी लोग शुद्ध हो गइल बा, बहिर लोग सुनत बा, मरल लोग के जिंदा कइल गइल बा, गरीबन के सुसमाचार सुनावल जाला।
23 धन्य बा उ जे हमरा से कवनो नाराज ना होई।
24 जब यूहन्ना के दूत चल गइलन त ऊ लोग से यूहन्ना के बारे में कहे लगलन कि, " तू लोग जंगल में का देखे खातिर निकलल रहलू?" हवा से हिलल एगो खढ़?
25 लेकिन तू लोग का देखे निकलल रहलू? कोमल कपड़ा पहिनले आदमी? देखऽ, जे लोग खूबसूरत कपड़ा पहिनले बा आ नाजुक तरीका से जियत बा, ऊ राजा लोग के आँगन में बा।
26 लेकिन तू लोग का देखे निकलल रहलू? एगो भविष्यवक्ता? हँ, हम तोहनी से कहत बानी, आ एगो भविष्यवक्ता से बहुते अधिका।
27 इ उहे ह, जेकरा बारे में लिखल बा, "देख, हम अपना दूत के तोहरा सामने भेजत बानी, जवन तोहरा सामने रास्ता तैयार करी।"
28 हम तोहनी से कहत हईं कि मेहरारू से जनमल लोग में यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला से बड़ भविष्यवक्ता नईखन।
29 उनकर बात सुने वाला सब लोग आ करदाता लोग यूहन्ना के बपतिस्मा से बपतिस्मा लेत परमेश्वर के धर्मी ठहरवले|
30 लेकिन फरीसी आ कानून के वकील लोग परमेश्वर के अपना खिलाफ सलाह के ठुकरा देले, काहे कि उ लोग उनुका से बपतिस्मा ना लेले रहले।
31 प्रभु कहले, " तब हम एह पीढ़ी के आदमी के कवना से तुलना करब? आ ऊ लोग कवना तरह के बा?
32 उ लोग बाजार में बईठल लईकन निहन बाड़े, जवन कि एक दूसरा के आवाज़ देतारे अवुरी कहत बाड़े कि, हम तोहनी के नाच पिया देले बानी, लेकिन तू नाचले नईख। हमनी के तोहनी के शोक कईले बानी जा, लेकिन तू लोग नईखी रोअल।
33 काहेकि यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला ना त रोटी खइले आ ना शराब पी के अइले। आ तू लोग कहत बाड़ऽ कि ओकरा में शैतान बा।
34 आदमी के बेटा खात-पीत आइल बा। आ तू लोग कहत बाड़ऽ कि देखऽ, पेटू आदमी, शराब पीये वाला, कर लेवे वाला आ पापी लोग के दोस्त ह!
35 लेकिन बुद्धि ओकर सब संतान के धर्मी ठहरावल जाला।
36 एगो फरीसी उनकरा से निहोरा कइलन कि ऊ उनका साथे खाना खाए। उ फरीसी के घर में जाके खाना खाए बईठ गईले।
37 शहर में एगो औरत जवन पापी रहली, जब उ जान गईली कि यीशु फरीसी के घर में खाना खात रहले, त उ एगो अलबास्टर के डिब्बा में मरहम लेके आईल।

38 रोवत-रोवत उनकर गोड़ के पीछे खड़ा होके उनकर गोड़ लोर से धोवे लगलन आ उनकर माथा के बाल से पोंछले आ उनकर गोड़ चुम्मा लेहले आ मरहम से अभिषेक कइले।
39 जब फरीसी ओकरा के बोलवले रहले त उ मन में कहलस कि, "जदि इ आदमी भविष्यवक्ता रहित त जान गईल रहित कि इ के अवुरी कवन महिला ह, जवन कि ओकरा के छूवेले, काहेंकी उ पापी हई।"
40 यीशु ओकरा से कहलन, " शमौन, हमरा तोहरा से कुछ कहे के बा।" ऊ कहलन, "गुरु जी, आगे कहऽ."
41 एगो लेनदार रहे जवना के दू गो कर्जदार रहे, एगो के पांच सौ पेंस आ दूसरा पचास पेंस के बकाया रहे।
42 जब उ लोग के कुछुओ देवे के ना रहे त उ दुनो के साफ-साफ माफ क देले। एहसे बताईं कि ओहमें से कवन ओकरा से जादे प्यार करी?
43 शमौन जवाब दिहलन, "हमरा लागता कि उहे जेकरा के उ सबसे जादा माफ कईले रहले।" उ ओकरा से कहलस, " तू सही न्याय कईले बाड़।"
44 ऊ ओह औरत के ओर मुड़ के सिमोन से पूछले, " का तू ई मेहरारू देखत बाड़ऽ?" हम तोहरा घर में घुस गईनी, तू हमरा के गोड़ खातिर पानी ना देहनी, लेकिन उ हमार गोड़ लोर से धो के अपना माथा के बाल से पोंछ देले बिया।
45 तू हमरा के कवनो चुम्मा ना देहनी, लेकिन जब से हम अंदर आईल बानी, तब से इ मेहरारू हमरा गोड़ चुंबन ना छोड़ले बिया।
46 तू हमरा माथा पर तेल ना लगवले बाड़ू, लेकिन इ मेहरारू हमरा गोड़ में मरहम लगा देले बिया।
47 एही से हम तोहरा से कहत बानी कि ओकर बहुत पाप माफ हो गइल बा। काहेकि उ बहुत प्यार करत रहली, लेकिन जेकरा से कम माफ कईल जाला, उ बहुत कम प्रेम करेले।
48 उ ओकरा से कहले, " तोहार पाप माफ हो गईल बा।"
49 उनकरा साथे खाना खाए वाला लोग मन में कहे लगलन कि, "ई के ह जे पाप के भी माफ करेला?"
50 उ मेहरारू से कहलस, " तोहार विश्वास तोहरा के बचा लेले बा। चैन से चल जाइए।

अध्याय 8 के बा

1 ओकरा बाद ऊ हर शहर आ गाँव में घूम के परमेशवर के राज्य के शुभ समाचार सुनावत आउर सुनवले।
2 कुछ औरत, जवन कि दुष्टात्मा आ कमजोरी से ठीक हो गईल रहली, मरियम नाम मगदलीनी रहली, जेकरा में से सात गो दुष्टात्मा निकलल रहली।
3 हेरोदेस के भंडारी चूजा के मेहरारू योआना आ सुसाना आ अउरी कई लोग जे उनकर धन के सेवा करत रहे।
4 जब बहुत लोग जुटल आ हर शहर से उनकरा लगे अइले त उ एगो दृष्टांत से बोलले।
5 एगो बोवे वाला आपन बीया बोवे खातिर निकलल आ जब ऊ बोवत रहे त कुछ लोग रास्ता के किनारे गिर गइल। आ ओकरा के दबा दिहल गइल आ हवा के चिरई ओकरा के खा गइल.
6 कुछ लोग चट्टान पर गिर गइल। आ जइसहीं ऊ उगलस, ऊ मुरझा गइल, काहे कि ओकरा में नमी के कमी रहे।
7 कुछ लोग काँट के बीच में गिर गइल। आ ओकरा साथे काँटा उग के ओकरा के गला घोंट दिहलस।
8 कुछ लोग बढ़िया जमीन पर गिरल आ उग के सौ गुना फल दिहलस। इ बात कहला के बाद उ चिल्ला के कहलस, " जेकरा लगे सुने के कान बा, उ सुनस।"
9 उनकर चेलन उनकरा से पूछले, "ई दृष्टान्त का हो सकेला?"
10 ऊ कहलन, " परमेशवर के राज के रहस्यन के जाने के तोहनी के दिहल गइल बा। ताकि देख के उ लोग ना देखस, आ सुन के उ लोग ना समझे।
11 उदाहरण इहे ह कि बीज परमेश्वर के वचन ह।
12 रास्ता के किनारे के लोग सुनत ह। तब शैतान आके ओह लोग के दिल से वचन के हटा देला कि कहीं उ लोग विश्वास ना करस आ उ लोग के उद्धार ना हो जाव।
13 चट्टान पर उहे लोग हवे जे सुन के खुशी से वचन के स्वीकार करेला। आ एह लोग के कवनो जड़ नइखे, जवन कुछ देर खातिर विश्वास करेला आ परीक्षा के समय गिर जाला।
14 काँट के बीच में गिरल उहे ह जवन सुन के निकल जाला आ एह जीवन के चिंता आ धन आ सुख से घुटन हो जाला आ कवनो फल ना मिलेला।
15 लेकिन अच्छा जमीन पर उ लोग हवें जे ईमानदार आ निमन मन से वचन सुन के ओकरा के पालन करेला आ धैर्य से फल देला।
16 केहू दीया जरा के ओकरा के बर्तन से ढंक के ना बिछौना के नीचे ना रखेला। लेकिन ओकरा के दीया के डंडा पर रखेला ताकि भीतर जाए वाला लोग रोशनी देख सके।
17 काहेकि कवनो बात गुप्त नइखे जवन प्रकट ना होई। ना ही कवनो अइसन चीज छिपल जवना के पता ना चली आ ऊ बाहर ना आ जाई।
18 एह से सावधान रहीं कि तू लोग कइसे सुनत बानी, काहे कि जेकरा लगे बा ओकरा के दिहल जाई। जेकरा लगे नइखे, ओकरा से उहे भी छीन लिहल जाई जवन ओकरा लगे लागत बा।
19 तब उनकर माई आ भाई लोग उनकरा लगे अइले आ दबाव के चलते उनकरा पर ना आ पवले।
20 ओकरा बाद कुछ लोग कहलन कि, "तोहार माई आ तोहार भाई तोहरा से मिले के चाहत बाहर खड़ा बाड़े।"
21 ऊ जवाब दिहलन, " हमार माई आ हमार भाई इहे हवें जे परमेश्वर के वचन सुन के पूरा करेलन।
22 एक दिन उ अपना चेलन के साथे एगो जहाज में बईठ के कहलन, " चलऽ हमनी के झील के ओह पार चल जाइ जा।" आ ऊ लोग आगे बढ़ गइल.
23 जब ऊ लोग जहाज से चलत रहे त ऊ नींद आ गइल आ झील पर हवा के तूफान आ गइल। आ ऊ लोग पानी से भर गइल आ खतरा में पड़ गइल।
24 उ लोग उनका लगे आके जगवले कि, "गुरु, गुरु, हमनी के नाश हो जानी जा।" तब ऊ उठ के हवा आ पानी के उफान के डांटले आ ऊ लोग रुक गइल आ शांति हो गइल।
25 ऊ ओह लोग से पूछले, " तोहार बिसवास कहाँ बा? ऊ लोग डेरा के एक दोसरा से कहत रहे कि ई कवन आदमी ह! काहे कि ऊ हवा आ पानी के भी आज्ञा देला आ ऊ लोग ओकर बात मानेला।
26 उ लोग गदारी के देश में पहुंचले, जवन गलील के सामने बा।
27 जब ऊ जमीन पर गइलन त शहर से बाहर एगो आदमी मिलल, जेकरा लगे बहुत दिन से दुष्टात्मा रहे, आ ना कपड़ा पहिनले रहे, ना कवनो घर में रहे, बलुक कब्र में रहे।

28 जब ऊ यीशु के देख के चिल्ला के उनका सामने गिर गइलन आ जोर से कहलस, "हे परम परमेश्वर के बेटा यीशु, तोहरा से हमार का संबंध बा?" हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमरा के सताव मत।
29 (काहेकि उ अशुद्ध आत्मा के आदमी से बाहर निकले के आदेश देले रहले। काहेकि उ बहुत बार ओकरा के पकड़ लेले रहे, ओकरा के जंजीर अवुरी बेड़ी में बान्ह के राखल गईल, अवुरी उ पट्टी के तोड़ के शैतान जंगल में भगा दिहलस।) के बा .
30 यीशु ओकरा से पूछले, " तोहार नाम का ह? ऊ कहलन, "सेना, काहे कि ओकरा में बहुते दुष्टात्मा घुस गइल रहले."
31 उ लोग उनकरा से निहोरा कईले कि उ ओ लोग के गहिराई में जाए के आदेश मत देस।
32 उहाँ पहाड़ पर बहुत सुअर के झुंड खात रहे आ उ लोग उनकरा से निहोरा कईले कि उ ओ लोग के ओ लोग के भीतर घुसे देस। आ ऊ ओह लोग के कष्ट उठवले.
33 तब ऊ आदमी से दुष्टात्मा निकल के सुअर में घुस गइल आ झुंड एगो खड़ा जगह से नीचे झील में जोर से दौड़ल आ गला घोंट गइल।
34 जब ओह लोग के चरावे वाला लोग का भइल देख के भाग गइलन आ शहर आ देहात में ई बात बतवले।
35 तब उ लोग इ देखे खातिर निकल गईले कि का भईल बा। ऊ यीशु के लगे अइले त ऊ आदमी, जेकरा से शैतान निकलल रहले, ऊ आदमी के कपड़ा पहिनले आ सही दिमाग में बइठल देखले।
36 जे लोग एकरा के देखले उ लोग भी बतवले कि जे दुष्टात्मा से ग्रस्त रहे, उ कवना तरीका से ठीक हो गईल।
37 तब चारो ओर के गदारन के पूरा भीड़ ओकरा से निकले के निहोरा कइलस। काहेकि उ लोग बहुत डर से पकड़ाइल रहले, त उ नाव में चढ़ के वापस लवट गईले।
38 जवना आदमी से दुष्टात्मा निकलल रहे, उ आदमी ओकरा से निहोरा कईलस कि उ ओकरा संगे रहस।
39 अपना घरे लवट के बताईं कि परमेश्वर तोहरा साथे केतना बड़ काम कइले बाड़न। उ अपना रास्ता से पूरा शहर में प्रचार कईले कि यीशु उनुका संगे केतना बड़ काम कईले बाड़े।
40 जब यीशु वापस अइले त लोग खुशी से उनकर स्वागत कइल, काहे कि सब लोग उनकर इंतजार करत रहे।
41 देखलस कि याइरूस नाम के एगो आदमी आइल, उ आराधनालय के मालिक रहले, त उ यीशु के गोड़ में गिर गईले अवुरी उनुका से निहोरा कईले कि उ अपना घर में आ जास।
42 काहेकि उनकर एकलौती बेटी रहली, उमर लगभग बारह साल के रहे। लेकिन जइसे-जइसे उ जात-जात लोग उनका के भीड़ लगा दिहलस।
43 बारह साल से खून से लथपथ एगो औरत के आपन पूरा गुजारा वैद्य के काम में लगा देले रहे, ना ही केहू से ठीक हो पावल।
44 उनकरा पीछे आके उनकर कपड़ा के सीमा के छू लिहलस आ तुरते उनकर खून के धार रुक गईल।
45 यीशु पूछले, " हमरा के के छूवलस? जब सब लोग इनकार कइल त पतरस आ उनकरा साथे के लोग कहलस, "गुरु, भीड़ तोहरा के भीड़ लगा के दबावत बा आ कहत बा कि हमरा के के छूवलस?
46 यीशु कहले, " केहु हमरा के छू लेले बा, काहेकि हम समझत बानी कि हमरा से सद्गुण निकल गईल बा।"
47 जब ऊ मेहरारू देखलस कि ऊ छिपल नइखे त ऊ काँपत आ गइल आ ओकरा सोझा गिर के सब लोग के सामने ओकरा के बतवली कि ऊ ओकरा के कवना कारण से छूले बाड़ी आ कइसे ऊ तुरते ठीक हो गइल बाड़ी.
48 ऊ ओकरा से कहलस, " बेटी, सांत्वना राखऽ, तोहार विश्वास तोहरा के ठीक कर दिहले बा। चैन से चल जाइए।
49 जब ऊ बोलत रहले तबले आराधनालय के मालिक से एगो आदमी आके कहलस कि, "तोहार बेटी मर गइल बिया। परेशानी ना मालिक के।
50 जब यीशु ई बात सुन के कहलन कि, " डर मत, खाली विश्वास करीं, त उ ठीक हो जइहें।"
51 जब उ घर में अईले त पतरस, याकूब, यूहन्ना अवुरी लईकी के पिता अवुरी महतारी के छोड़ के केहु के भीतर जाए ना देले।
52 सब लोग रोवत-रोवत ओकरा से विलाप करत रहे, लेकिन उ कहलस, " मत रोअ; ऊ मरल नइखे, बाकिर सुतल बाड़ी।
53 उ लोग उनुका के तिरस्कार करत हंसत रहले, इ जान के कि उ मर गईल बाड़ी।
54 उ सब के बाहर निकाल के ओकर हाथ पकड़ के आवाज देके कहलस कि, " नौकरानी, उठ जा।"
55 जब उनकर आत्मा फेर से आ गइल आ ऊ तुरते उठ गइली आ ऊ ओकरा के खाना देबे के आदेश दिहलन.
56 उनकर माई-बाबूजी अचरज में पड़ गइलन, लेकिन उ लोग के आज्ञा दिहलन कि जवन भइल बा ओकरा के केहू के ना बतावे।

अध्याय 9 के बा

1 तब उ अपना बारह चेलन के एकट्ठा क के सब शैतान पर आ बेमारी ठीक करे के अधिकार आ अधिकार दे दिहलन।
2 ऊ ओह लोग के परमेश्वर के राज्य के प्रचार करे आ बेमार लोग के ठीक करे खातिर भेजलन।
3 ऊ ओह लोग से कहलन कि, " अपना यात्रा खातिर कुछ ना ले जाईं, ना लाठी, ना चीर, ना रोटी आ ना पइसा। ना त एक-एक के दू गो कोट बा।
4 जवना घर में जाइब, ओहिजा रहब आ ओहिजा से निकलब।
5 जे भी तोहनी के ना ग्रहण करी, जब तू लोग ओह शहर से निकलब त ओकरा खिलाफ गवाही देवे खातिर अपना गोड़ के धूल के ही हिला दीं।
6 उ लोग निकल के शहरन में घूम के सुसमाचार के प्रचार करत आ हर जगह चंगाई करत रहले।
7 हेरोदेस राजशासी उनकरा द्वारा कइल गइल सब काम सुन के ऊ अचरज में पड़ गइलन काहे कि कुछ लोग के बारे में कहल गइल रहे कि यूहन्ना मुवलन में से जी उठल बाड़न।
8 कुछ लोग में इलियाह प्रगट हो गइल रहे। आ कुछ लोग के कहनाम बा कि पुरान भविष्यवक्ता लोग में से एगो भविष्यवक्ता जी उठल बा।
9 हेरोदेस कहले, "हम यूहन्ना के सिर काट देले बानी, लेकिन इ के ह, जेकरा बारे में हम अयीसन बात सुनतानी?" आ ओकरा के देखे के मन कइलस।
10 जब प्रेरित लोग वापस अईले त उ सब काम उनुका के बतवले। उ ओह लोग के लेके बेतसैदा शहर के एगो रेगिस्तानी जगह में एकांत में चल गईले।

11 लोग ई जान के उनकर पीछे-पीछे चल गइल आ ऊ उनकरा के ग्रहण कइलन आ उनकरा से परमेश्वर के राज्य के बारे में बात कइलन आ ठीक होखे के जरूरत वाला लोग के ठीक कर दिहलन।
12 जब दिन खतम होखे लागल त बारह लोग आके कहलन कि, “भीड़ के भगा द, ताकि उ लोग आसपास के नगर अवुरी देहात में जाके ठहर के खाना खाए, काहेकि हमनी के इहाँ एगो... रेगिस्तान के जगह ह।
13 लेकिन उ ओ लोग से कहलस, “ तू लोग ओकनी के खाए के दे दऽ।” उ लोग कहले, “हमनी के लगे पांच रोटी अवुरी दु मछरी के अलावे अवुरी कुछूओ नईखे। सिवाय हमनी के जाके एह सब लोग खातिर मांस खरीदे के चाहीं।
14 काहेकि उ लोग करीब पांच हजार आदमी रहले। ऊ अपना चेलन से कहलन, “पचास लोग के एक दल में बइठा दीं.”
15 उ लोग अयीसन कईले अवुरी सभके बईठवले।
16 तब ऊ पांच रोटी आ दू गो मछरी लेके आकाश के ओर देखत आशीष दिहलन आ तोड़ के चेलन के भीड़ के सामने रखे खातिर दे दिहलन।
17 उ लोग खाना खइले आ सब पेट भर गइलन आ ओह लोग के लगे बारह गो टोकरी के टुकड़ा-टुकड़ा उठा लिहल गइल।
18 जब उ अकेले प्रार्थना करत रहले त उनुकर चेला उनुका संगे रहले अवुरी उ पूछले कि, “ लोग हमरा के के कहतारे?”
19 उ लोग जवाब देले, “यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला; बाकिर कुछ लोग कहत बा कि एलियास; आ कुछ लोग कहत बा कि पुरान भविष्यवक्ता में से एगो जी उठल बा।
20 ऊ ओह लोग से पूछले, “ लेकिन तू लोग के कहत बाड़ऽ कि हम के हईं?” पतरस जवाब देत कहले, “परमेशवर के मसीह।”
21 ऊ ओह लोग के कड़ा आज्ञा दिहलन कि ऊ बात केहू के मत बताईं.
22 ऊ कहलन कि, “ मनुष्य के बेटा के बहुत कष्ट उठावे के पड़ी, आउर बुजुर्ग, मुख्य याजक आ शास्त्री लोग के नजर से ठुकरा दिहल जाई, आ तीसरा दिन मारल जाई आ जिंदा हो जाई।”
23 उ सब से कहलन, “ जदि केहू हमरा पीछे आवे के चाहत बा त उ अपना के नकार देवे आ रोज आपन क्रूस उठा के हमरा पीछे चले।”
24 काहेकि जे आपन जान बचावेला उ ओकर जान गँवावेला, लेकिन जे हमरा खातिर आपन जान गँवावेला, उहे ओकरा के बचाई।
25 अगर आदमी के पूरा दुनिया के फायदा हो जाव आ ऊ अपना के गँवा देव भा फेंक दिहल जाव त ओकरा का फायदा?
26 काहे कि जे भी हमरा आ हमरा बात से शर्मिंदा होई, उ आदमी के बेटा जब अपना महिमा में, अपना पिता के आ पवित्र स्वर्गदूतन के महिमा में आई त ओकरा से शर्मिंदा होई।
27 लेकिन हम तोहनी के साँच कहत बानी कि इहाँ कुछ लोग खड़ा बा, जब तक उ लोग परमेश्वर के राज्य के ना देख लेव, तब तक उ लोग के मौत के स्वाद ना चली।
28 एह बात के करीब आठ दिन बाद उ पतरस, यूहन्ना आ याकूब के लेके एगो पहाड़ पर प्रार्थना करे खातिर चल गईले।
29 जब ऊ प्रार्थना करत रहले त उनकर चेहरा के फैशन बदल गइल आ उनकर कपड़ा उज्जर आ चमकत रहे।
30 देख, दू आदमी उनकरा से बात करत रहले, जवन कि मूसा आ एलियाह रहले।
31 उ महिमा में प्रकट होके आपन मौत के बारे में बतवले, जवन उ यरूशलेम में पूरा करे वाला रहले।
32 पतरस आ उनकर साथ के लोग नींद से भारी पड़ गइलन आ जब ऊ लोग जागल त उनकर महिमा आ उनकरा साथे खड़ा दुनु आदमी के देखले।
33 जब उ लोग ओकरा से निकलल त पतरस यीशु से कहलस, “गुरु, हमनी के इहाँ रहला से अच्छा बा। एगो तोहरा खातिर, एगो मूसा खातिर, आ एगो एलियाह खातिर।
34 जब ऊ ई बात कहत रहले त एगो बादल आके ओह लोग पर छाया डाल दिहलस आ बादल में घुसत घरी ऊ लोग डेरा गइल।
35 बादल से एगो आवाज आइल कि, “ई हमार प्रिय बेटा हवें।
36 जब आवाज बीत गईल त यीशु अकेले मिल गईले। उ लोग ओकरा के नजदीक से रखले अवुरी उ लोग जवन कुछ देखले रहले, ओकरा में से कवनो बात केहु के ना बतवले।
37 अगिला दिने जब उ लोग पहाड़ी से उतरले त बहुत लोग उनुका से मिलले।
38 तब एगो आदमी चिल्ला के कहलस, “गुरु, हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमार बेटा के देखऽ, काहे कि ऊ हमार एकलौता संतान ह।”
39 देखऽ, एगो आत्मा ओकरा के पकड़ लेला आ ऊ अचानक चिल्लात बा। आ ओकरा के फाड़ देला कि ऊ फेरु से झाग बन जाला आ ओकरा के चोट खा के ओकरा से मुश्किल से दूर हो जाला.
40 हम तोहरा चेलन से निहोरा कइनी कि ओकरा के बाहर निकाल दीं। आ ऊ लोग ना कर सकल.
41 यीशु जवाब दिहलन, “ हे अविश्वास आ विकृत पीढ़ी, हम कब तक तोहरा साथे रहब आ तोहरा के सहन करब? अपना बेटा के इहाँ ले आवऽ।
42 जब ऊ अबहीं आवे वाला रहले त शैतान ओकरा के नीचे फेंक दिहलस आ ओकरा के फाड़ दिहलस। यीशु ओह अशुद्ध आत्मा के डांट के ओह लइका के ठीक कर दिहलन आ ओकरा के अपना बाप के फेर से सौंप दिहलन.
43 उ सब परमेश्वर के पराक्रमी शक्ति देख के अचरज में पड़ गईले। लेकिन जब उ लोग यीशु के हर काम से आश्चर्यचकित रहले, त उ अपना चेलन से कहले।
44 ई बात तोहनी के कान में डूब जाव, काहेकि मनुष्य के बेटा के आदमी के हाथ में सौंपल जाई।
45 लेकिन उ लोग इ बात ना समझले अवुरी इ बात उनुका से छिपल रहे कि उ लोग एकरा के ना समझ पवले अवुरी उनुका से इ बात पूछे से डेरा गईले।
46 तब ओह लोग के बीच एगो तर्क शुरू हो गइल कि ओह लोग में से कवन बड़हन होखे के चाहीं.
47 यीशु ओह लोग के मन के बात समझ के एगो बच्चा के लेके ओकरा लगे रखले।
48 उ लोग से कहलस, “ जे हमरा नाम से एह लइका के ग्रहण करी, उ हमरा के ग्रहण करी, आ जे हमरा के ग्रहण करी, उ हमरा के भेजे वाला के ग्रहण करी, काहे कि तोहनी में से जे छोट बा, उहे महान होई।”
49 यूहन्ना जवाब दिहलन, “गुरु, हमनी के देखनी जा कि एगो तोहरा नाम से दुष्टात्मा के भगावत रहे। आ हम ओकरा के मना कर दिहनी काहे कि ऊ हमनी का साथे ना चले.
50 यीशु ओकरा से कहलन, “ ओकरा के मना मत करऽ, काहेकि जे हमनी के खिलाफ नइखे उ हमनी के पक्ष में बा।”

51 जब उनुका के उठावे के समय आईल त उ अड़ल होके यरूशलेम जाए के ओर मुड़ गईले।
52 ओकरा सामने दूत भेजलन आ ऊ लोग ओकरा खातिर तइयार करे खातिर सामरी लोग के गाँव में घुस गइलन।
53 उ लोग उनुका के ना ग्रहण कईले, काहेकी उनुकर चेहरा अयीसन रहे जईसे उ यरूशलेम जईहे।
54 जब उनकर चेला याकूब आ यूहन्ना ई देख के कहले, "हे प्रभु, का तू चाहत बाड़ू कि हमनी के आकाश से आग उतर के ओह लोग के भस्म करे के आज्ञा दीं, जइसे कि एलियास कइले रहले?"
55 लेकिन उ मुड़ के ओ लोग के डांटत कहले, " तू लोग नईखन जानत कि तू लोग कवना तरह के आत्मा से बाड़ू।"
56 काहे कि मनुष्य के बेटा आदमी के जान नाश करे खातिर ना आइल बा, बलुक ओकरा के बचावे खातिर आइल बा। आ ऊ लोग दोसरा गाँव में चल गइल.
57 जब उ लोग रास्ता में चलत रहले त एगो आदमी ओकरा से कहलस, "प्रभु, हम तोहरा पीछे-पीछे जहाँ भी जाईब।"
58 यीशु ओकरा से कहलन, " लोमड़ी के छेद होला आ हवा के चिरई के घोंसला होला। लेकिन आदमी के बेटा के लगे आपन माथा कहाँ रखे के जगह नईखे।
59 ऊ दोसरा से कहलन, " हमरा पीछे चलऽ." लेकिन उ कहलस, प्रभु, पहिले हमरा के बाबूजी के दफनावे के अनुमति दीं।
60 यीशु ओकरा से कहलन, " मुअल लोग के आपन मुवलन के दफनावे दीं, लेकिन तू जाके परमेश्वर के राज्य के प्रचार करऽ।"
61 एगो अउरी भी कहलस, "प्रभु, हम तोहरा पीछे चलब। बाकिर पहिले हम ओह लोग के विदाई देबे जाइब, जवन हमरा घरे घर में बा.
62 यीशु ओकरा से कहलन, " हत में हाथ डाल के पीछे मुड़ के देख के केहू परमेश्वर के राज्य के योग्य नइखे।"

अध्याय 10 के बा

1 एह सब के बाद प्रभु अउरी सत्तर लोग के नियुक्ति क के दू-दू गो के अपना सामने हर शहर आ जगह में भेज दिहलन जहाँ उ खुद आवे वाला रहले।
2 एह से ऊ ओह लोग से कहलन कि फसल बहुते बा, बाकिर मजदूर कम बाड़े, एहसे फसल के मालिक से प्रार्थना करीं कि ऊ मजदूरन के अपना फसल में भेज देव.
3 जा, हम तोहके भेड़िया के बीच मेमना के रूप में भेजत बानी।
4 ना पर्स, ना स्क्रप, ना जूता लेके चलब, आ रास्ता में केहू के नमस्कार मत करीं।
5 जवना घर में जाइब, पहिले कह दीं कि एह घर में शांति होखे।
6 अगर शांति के बेटा उहाँ बा त तोहार शांति ओकरा पर टिकल होई, अगर ना त उ फेर से तोहरा ओर मुड़ जाई।
7 उहे घर में रह के जवन कुछ देले बाड़े, खाईं-पीईं, काहेकि मजदूर अपना किराया के लायक बा। घर-घर ना जाओ।
8 जवना शहर में तू लोग जाइब आ उ लोग तोहरा के ग्रहण करी, उहे चीज खा लीं जवन तोहनी के सामने राखल गइल बा।
9 ओहमें से बेमार लोग के ठीक करऽ आ ओकरा से कहऽ कि परमेश्वर के राज्य तोहनी के नजदीक आ गइल बा।
10 लेकिन जवना शहर में तू लोग जाइब आ उ लोग रउआ के ना ग्रहण ना करऽ, उहे शहर के गली में जाके कहऽ।
11 तोहनी के नगर के धूल भी जवन हमनी से चिपकल बा, हमनी के तोहनी के खिलाफ पोंछ देले बानी जा।
12 लेकिन हम तोहनी से कहत हई कि ओह दिन सदोम के शहर से ज्यादा सहनशील होई।
13 कोराज़िन, तोहरा पर धिक्कार बा! धिक्कार बा, बेतसैदा! काहे कि अगर सोर आ सीदोन में जवन पराक्रमी काम तोहनी में भइल रहित त ऊ लोग बहुत पहिले बोरा आ राख में बइठ के पश्चाताप कइले रहित।
14 लेकिन न्याय के समय सोर आ सीदोन खातिर तोहनी से ज्यादा सहनशील होई।
15 आ तू कफरनहूम, जे स्वर्ग तक ऊँच हो गइल बाड़ऽ, नरक में गिरावल जाई।
16 जे तोहनी के बात सुनेला ऊ हमार बात सुनेला। जे तोहनी के तुच्छ समझेला ऊ हमरा के तिरस्कार करेला। जे हमरा के तिरस्कार करेला, उ हमरा के भेजे वाला के तिरस्कार करेला।
17 सत्तर लोग खुशी से वापस आके कहलस, "हे प्रभु, तोहरा नाम से शैतान भी हमनी के अधीन बाड़े।"
18 उ लोग से कहलस कि हम शैतान के आकाश से बिजली निहन गिरत देखनी।
19 देखऽ, हम तोहके साँप आ बिच्छू आ दुश्मन के सब शक्ति पर रौंद के अधिकार देत बानी आ कवनो चीज तोहरा के कवनो तरह से नुकसान ना पहुँचाई।
20 एकरा बादो एह बात से खुश मत होखब कि आत्मा तोहनी के अधीन बा। बल्कि आनन्दित हो जा, काहे कि तोहनी के नाम स्वर्ग में लिखल बा।
21 ओही घरी यीशु आत्मा से खुश होके कहले, " हे पिता, आकाश आ धरती के मालिक, हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी कि तू ई सब बात बुद्धिमान आ समझदार लोग से छिपा के लइकन के सामने प्रगट कइले बाड़ऽ। काहे कि तोहरा नजर में अईसने अच्छा लागल।
22 सब कुछ हमरा पिता के ओर से सौंपल गईल बा, लेकिन पिता के छोड़ के केहु नईखे जानत कि बेटा के ह। आ पिता के हवें, बलुक बेटा के हवें आ ऊ जेकरा के बेटा ओकरा के प्रगट करीहें।
23 ऊ अपना चेलन के ओर मुड़ के एकांत में कहलन, " धन्य बा ऊ आँख जवन तू जवन देखत बाड़ऽ ओकरा के देखत बा।
24 हम तोहनी से कहत हई कि बहुत भविष्यवक्ता आ राजा लोग जवन चीज रउआ देखत बानी ओकरा के देखे के इच्छा रखले बा, लेकिन उ नईखन देखले। आ जवन बात तू सुनत बाड़ऽ, ओकरा के सुन के नइखऽ सुनले।
25 एगो कानून के जानकार खड़ा होके ओकरा के परखत कहलस, "गुरु, हम अनन्त जीवन पावे खातिर का करब?
26 ऊ ओकरा से पूछले, " कानून में का लिखल बा? तू कइसे पढ़त बाड़ू?
27 ऊ जवाब दिहलन, "तू अपना प्रभु परमेश्वर से पूरा मन से, पूरा प्राण से, पूरा ताकत आ पूरा दिमाग से प्रेम करीं। आ अपना पड़ोसी के अपना जइसन।
28 उ ओकरा से कहलस, " तू सही जवाब देले बाड़ू, अयीसन करीं, त तू जिंदा रहब।"
29 लेकिन उ अपना के धर्मी ठहरावे के इच्छुक यीशु से कहलस, "हमार पड़ोसी के ह?"
30 यीशु जवाब दिहलन, " एक आदमी यरूशलेम से यरीहो गइल आ चोर के बीच गिर गइल आ चोर ओकरा के कपड़ा उतार के घायल क के ओकरा के आधा मरल छोड़ के चल गइल।
31 संजोग से एगो याजक ओहि रास्ता से उतरल आ ओकरा के देख के ऊ ओहिजा से गुजरल।

32 ओइसहीं एगो लेवी उहाँ पहुँचला पर आके ओकरा के देखलस आ ओहिजा से गुजरल।
33 एगो सामरी जात घरी उहाँ पहुँचल आ ओकरा के देख के ओकरा पर दया आ गइल।
34 ऊ ओकरा लगे जाके तेल आ शराब डाल के ओकर घाव के बान्ह के अपना जानवर पर बइठा के एगो सराय में ले अइले आ ओकर देखभाल कइले।
35 अगिला दिने जब ऊ चल गइलन त दू पइसा निकाल के सेना के दे दिहलन आ कहलन कि, "उनकर देखभाल करऽ; आ जवन कुछ अउरी खरच करबऽ, जब हम फेर अइब त हम तोहरा के चुका देब।
36 तू सोचत बाड़ू कि एह तीनों में से कवन चोर के बीच में गिरल के पड़ोसी रहे?
37 ऊ कहलन, "जे ओकरा पर दया कइलस।" तब यीशु ओकरा से कहलन, " जा के तू भी ओइसहीं करऽ।"
38 जब उ लोग जात रहले त उ एगो गांव में घुस गईले अवुरी मार्था नाम के एगो महिला उनुका के अपना घर में ले गईली।
39 उनकर एगो बहिन मरियम रहली, उहो यीशु के गोड़ में बईठ के उनकर बात सुनत रहली।
40 लेकिन मार्था बहुत सेवा करे में बोझिल होके उनकरा लगे अइली आ कहली, "हे प्रभु, का तोहरा परवाह नइखे कि हमार बहिन हमरा के अकेले सेवा करे खातिर छोड़ देले बिया?" एहसे ओकरा से बोली लगाईं कि ऊ हमार मदद करऽ.
41 यीशु ओकरा से कहलन, " मार्टा, मार्था, तू बहुत बात से सावधान आ परेशान बाड़ू।
42 लेकिन एक बात के जरूरत बा कि मरियम उ बढ़िया हिस्सा चुनले बाड़ी, जवन कि उनुका से ना छीनल जाई।

अध्याय 11 के बा

1 जब उ एगो जगह पर प्रार्थना करत रहले, त उनुकर एगो चेला उनुका से कहलस, "प्रभु, हमनी के प्रार्थना करे के सिखाव, जईसे यूहन्ना अपना चेलन के भी सिखवले रहले।"
2 ऊ ओह लोग से कहलन, " जब तू प्रार्थना करत बाड़ऽ त कहऽ कि हे स्वर्ग में बाप, तोहार नाम पवित्र होखे।" तोहार राज आ जा। तोहार इच्छा पूरा होखे, जइसे स्वर्ग में, ओइसहीं धरती में।
3 हमनी के दिन पर दिन हमनी के रोज के रोटी दे दीं।
4 आ हमनी के पाप माफ करऽ। काहेकि हमनी के भी हर केहू के माफ कर देनी जा जे हमनी के ऋणी बा। आ हमनी के परीक्षा में मत ले जाईं; लेकिन हमनी के बुराई से बचाईं।
5 ऊ ओह लोग से कहलस, " तोहनी में से केकर दोस्त होखी आ आधा रात के ओकरा लगे जाके ओकरा से कह दी कि दोस्त, हमरा के तीन गो रोटी उधार दऽ।
6 काहेकि हमार एगो दोस्त अपना यात्रा में हमरा लगे आइल बा आ हमरा लगे ओकरा सोझा कुछुओ नइखे रखल?
7 ऊ भीतर से जवाब दीहें, "हमरा के परेशान मत करीं, अब दरवाजा बंद हो गइल बा आ हमार लइका-लइकी हमरा साथे बिछौना पर बाड़े। हम उठ के तोहरा के ना दे सकेनी।
8 हम तोहनी से कहत हई कि भले उ उठ के ओकरा के ना दिहे, काहेकि उ ओकर दोस्त ह, लेकिन अपना आग्रह के चलते उ उठ के ओकरा के जतना जरूरत बा, ओतना दे दिहे।
9 हम तोहनी से कहत बानी कि माँगऽ, त तोहनी के दिहल जाई। खोजीं, त तू लोग मिल जाई। खटखटावऽ त तोहनी खातिर खोलल जाई।
10 काहे कि जे भी माँगेला, ओकरा के मिल जाला। आ जे खोजत बा ऊ पा लेला। जे खटखटावेला ओकरा खातिर खोलल जाई।
11 अगर कवनो बेटा तोहनी में से केहू के बाप से रोटी मांगे त का उ ओकरा के पत्थर दिही? या मछरी मांगे त का मछरी के बदले ओकरा के साँप दिही?
12 या अगर उ अंडा मांगे त का ओकरा के बिच्छू चढ़ावे?
13 अगर तू लोग दुष्ट होके अपना लइकन के नीमन वरदान देवे के जानत बाड़ऽ त तोहनी के स्वर्गीय पिता पवित्र आत्मा केतना जादा ना दीहें जे ओकरा से माँगेला?
14 उ एगो शैतान के बाहर निकालत रहले अवुरी उ गूंगा रहे। जब शैतान निकलल त गूंगा लोग बोलल। आ जनता अचरज में पड़ गइल।
15 लेकिन उ लोग में से कुछ लोग कहल कि, उ दुष्टात्मा के प्रमुख बेलजबुल के माध्यम से दुष्टात्मा के भगावेला।
16 दूसर लोग उनकरा के परीक्षा में आके स्वर्ग से एगो चमत्कार के मांग कइलन।
17 लेकिन उ लोग के विचार जान के उ लोग से कहलस कि, " हर राज्य अपना आप में बंटल उजड़ हो जाला। आ घर में बँटल घर गिर जाला।
18 अगर शैतान भी अपना खिलाफ बंटल बा त ओकर राज्य कईसे खड़ा होई? काहे कि तू लोग कहत बाड़ऽ कि हम बेलजबुल के माध्यम से दुष्टात्मा के भगावत बानी।
19 अगर हम बेलजबुल के द्वारा दुष्टात्मा के बाहर निकालत बानी त तोहार बेटा केकरा से ओकरा के निकालत बाड़े? एही से उ लोग तोहार न्यायाधीश होईहे।
20 लेकिन अगर हम परमेश्वर के अंगुरी से दुष्टात्मा के बाहर निकालत बानी त निसंदेह परमेश्वर के राज्य तोहनी पर आ गईल बा।
21 जब कवनो मजबूत आदमी हथियारबंद अपना महल के रखेला त ओकर माल शांति में रहेला।
22 लेकिन जब ओकरा से भी ताकतवर ओकरा पर आके ओकरा पर विजय पावेला त ऊ ओकरा से ओकर सब कवच छीन लेला जवना पर ऊ भरोसा कइले रहे आ आपन लूट के बँटवारा कर देला।
23 जे हमरा साथे नइखे ऊ हमरा खिलाफ बा, आ जे हमरा साथे ना जुटावेला ऊ तितर-बितर कर देला।
24 जब आदमी में से अशुद्ध आत्मा निकल जाला त उ सूखा जगह में घूम के आराम के तलाश में चलेला। आ कवनो ना मिलला पर ऊ कहत बाड़न कि हम अपना घर में लवटब जहाँ से निकलल बानी.
25 जब उ अईले त ओकरा के झाड़ू लगा के सजावल मिलता।
26 तब ऊ जाके अपना से अधिका दुष्ट सात गो अउरी आत्मा के अपना लगे ले जाला। उ लोग ओहिजा घुस के ओहिजा रहेला, आ ओह आदमी के आखिरी हालत पहिलका से भी खराब बा।
27 जब ऊ ई बात कहत रहले त ओह लोग के एगो मेहरारू आवाज उठा के कहलस कि, "धन्य बा ऊ गर्भ जवन तोहरा के पैदा कइले बा आ ऊ पेट जवन तू चूसले बाड़ू."
28 लेकिन उ कहले, " हँ, बल्कि धन्य बा उ लोग जे परमेश्वर के वचन सुन के ओकर पालन करेला।"

29 जब लोग मोट हो गइल त ऊ कहे लगलन, " ई एगो बुरा पीढ़ी ह। आ ओकरा के कवनो निशानी ना दिहल जाई, सिवाय योना भविष्यवक्ता के निशानी के।
30 जइसे योना नीनवी लोग खातिर एगो निशानी रहलन, ओइसहीं आदमी के बेटा भी अबकी पीढ़ी खातिर एगो निशानी होखीहें।
31 दक्खिन के रानी न्याय के दिन एह पीढ़ी के लोग के साथे उठ के ओह लोग के दोषी ठहराई, काहे कि ऊ धरती के छोर से सुलेमान के बुद्धि सुने खातिर आइल रहली। आ देखऽ, सुलेमान से भी बड़ एगो इहाँ बा।
32 नीनवे के लोग एह पीढ़ी के साथे न्याय के समय उठ के ओकरा के दोषी ठहराई, काहेकि उ लोग योना के प्रचार से पश्चाताप कईले। आ देखऽ, योनास से बड़हन एगो इहाँ बा।
33 केहू दीया जरा के ओकरा के गुप्त जगह पर ना रखेला, ना कवनो झाड़ी के नीचे, बलुक दीया के डंडा पर रखेला ताकि भीतर आवे वाला लोग रोशनी देख सके।
34 शरीर के रोशनी आँख ह, एही से जब तोहार आँख एकल होखे त तोहार पूरा शरीर भी रोशनी से भरल हो जाला। लेकिन जब तोहार आँख बुरा हो जाला त तोहार शरीर भी अन्हार से भरल हो जाला।
35 एह से सावधान रहऽ कि तोहरा में जवन रोशनी बा ऊ अन्हार ना होखे।
36 अगर तोहार पूरा शरीर रोशनी से भरल होखे आ कवनो हिस्सा अन्हार ना होखे त पूरा शरीर रोशनी से भरल हो जाई, जइसे कि जब कवनो दीया के चमक से तोहरा के रोशनी मिलेला।
37 जब ऊ बोलत रहले त एगो फरीसी उनका से खाना खाए के निहोरा कइलन आ ऊ भीतर जाके खाना खाए बइठ गइलन.
38 फरीसी ई देख के अचरज में पड़ गइल कि ऊ पहिले रात के खाना खाए से पहिले ना धोवल।
39 प्रभु ओकरा से कहलन, " अब तू फरीसी लोग प्याला आ थाली के बाहरी हिस्सा के साफ कर रहल बाड़ऽ। बाकिर तोहार भीतर के हिस्सा खरखर आ दुष्टता से भरल बा।
40 हे मूर्ख लोग, का बाहर के बनावे वाला भीतर के भी ना बनवले?
41 लेकिन जवन चीज तोहरा लगे बा ओकरा से भिक्षा दीं। आ देखऽ, तोहनी खातिर सब कुछ साफ बा।
42 लेकिन हे फरीसियन, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग पुदीना आ रुई आ हर तरह के जड़ी-बूटी के दसवां हिस्सा देत बाड़ऽ आ न्याय आ भगवान के प्रेम के पार करत बाड़ऽ.
43 हे फरीसियन, तोहनी के हाय! काहे कि तोहनी के सभाघर में सबसे ऊपर के आसन आ बाजार में अभिवादन से प्यार बा।
44 हे शास्त्री आ फरीसी, पाखंडी लोग, तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग अइसन कब्र नियर बाड़ऽ जवन ना लउकेला आ ओकरा पर चले वाला लोग ओकरा बारे में ना जानत बाड़ऽ.
45 तब एगो वकील ओकरा से कहलस, "गुरु, तू हमनी के भी निंदा करत बाड़ू।"
46 ऊ कहले, " हे वकील लोग, तोहनी के भी हाय! काहे कि तू लोग आदमी के बोझ उठावे के कठिन बोझ डालत बाड़ू, आ तू खुद ओह बोझ के अपना एक अँगुरी से ना छूवत बाड़ू।
47 तोहनी के हाय! काहे कि तू लोग भविष्यवक्ता लोग के कब्र बनावत बाड़ऽ आ तोहनी के पुरखा लोग ओह लोग के मार दिहले बाड़ऽ.
48 तू लोग साँचहू गवाही देत बाड़ऽ कि तू लोग अपना पुरखन के काम के अनुमति देत बाड़ऽ काहे कि ऊ लोग ओह लोग के मार दिहले बा आ तू लोग ओह लोग के कब्र बनावत बाड़ऽ.
49 एही से परमेश्वर के बुद्धि भी कहलस कि हम ओह लोग के भविष्यवक्ता आ प्रेरित भेजब आ ओह लोग में से कुछ लोग के मार के सताई।
50 ताकि दुनिया के सृष्टि के समय से बहावल सब भविष्यवक्ता के खून एह पीढ़ी से मांगल जा सके।
51 हाबिल के खून से लेके जकरयाह के खून तक जवन वेदी आ मंदिर के बीच में नाश हो गईल रहे।
52 हे वकील लोग, तोहनी के हाय! काहेकि तू लोग ज्ञान के चाभी छीन लेले बाड़ऽ, तू लोग अपना में ना घुसलऽ आ जे लोग में प्रवेश करत रहे ओकरा के तू लोग रोक दिहलऽ।
53 जब उ इ बात कहत रहले त शास्त्री आ फरीसियन उनका के बहुत आग्रह करे लगले अवुरी बहुत बात कहे खातिर उकसावे लगले।
54 उनकर इंतजार करत रहले आ उनकर मुँह से कुछ निकाले के कोशिश करत रहले ताकि उ लोग ओकरा प आरोप लगावे।

अध्याय 12 के बा

1 एही बीच जब अनगिनत लोग के भीड़ एकट्ठा भइल आ एक दूसरा पर दउड़त उ लोग अपना चेलन से सबसे पहिले कहे लगलन कि, " फरीसियन के खमीर से सावधान रहऽ, जवन पाखंड ह।"
2 काहे कि कवनो ढंकल कवनो चीज नइखे जवन प्रकट ना होखे। ना लुकाइल, कि पता ना चली।
3 एह से जवन कुछ तू लोग अन्हार में कहले बाड़ू, उ उजाला में सुनल जाई। आ जवन बात तूँ कोठरी में कान में बोलले बाड़ऽ ऊ घरन के चोटी पर सुनावल जाई।
4 हम तोहनी से कहत बानी कि जे शरीर के मारेले, आ ओकरा बाद ओकरा लगे अउरी काम ना होखे वाला लोग से मत डेराईं।
5 लेकिन हम तोहनी के पहिले से चेता देब कि तू केकरा से डेराईब, ओकरा से डेराईं, जेकरा मारला के बाद नरक में फेंके के ताकत बा। हँ, हम तोहनी से कहत बानी कि ओकरा से डेराईं।
6 का पाँच गो गौरैया दू फार्टिंग में ना बेचल जाला आ ओहमें से एक गो गौरैया भगवान के सामने ना भुला जाला?
7 लेकिन तोहनी के माथा के बाल तक सब गिनल गईल बा। एह से मत डेराईं, तोहनी के बहुते गौरैया से अधिका मोल बा।
8 हम तोहनी से कहत हईं कि जे भी हमरा के आदमी के सामने कबूल करी, उ आदमी के बेटा भी परमेश्वर के दूत के सामने कबूल करी।
9 लेकिन जे आदमी के सामने हमरा से इनकार करी, उ परमेश्वर के दूत के सामने नकारल जाई।
10 जे भी आदमी के बेटा के खिलाफ कवनो बात कहे त ओकरा के माफ कर दिहल जाई, लेकिन जे पवित्र आत्मा के निंदा करी ओकरा के माफ ना कईल जाई।
11 जब उ लोग तोहनी के आराधनालय, मजिस्ट्रेट आ अधिकार के पास ले आई त तू लोग के मन में कवनो विचार ना होखे कि तू लोग कइसे जवाब देबऽ आ का कहबऽ।
12 काहेकि पवित्र आत्मा ओही घड़ी तोहनी के सिखा दिहे कि तोहनी के का कहे के चाहीं।

13 मंडली में से एगो आदमी ओकरा से कहलस, "गुरु, हमरा भाई से कहीं कि उ हमरा संगे विरासत के बंटवारा करस।"
14 ऊ ओकरा से कहलस, " यार, हमरा के तोहरा पर न्यायाधीश भा बंटवारा के बनवले?
15 ऊ ओह लोग से कहलन, " सावधान रहऽ आ लोभ से सावधान रहऽ, काहेकि आदमी के जीवन ओकरा लगे मौजूद चीजन के भरमार से ना होला।
16 ऊ ओह लोग से एगो दृष्टांत सुनवले कि, " एक सेठ के जमीन से भरपूर पैदावार भइल।
17 ऊ मन में सोचत रहले कि हम का करब काहे कि हमरा लगे आपन फल देबे के कवनो जगह नइखे?
18 उ कहले, "हम इहे करब, हम आपन कोठी उखाड़ के अवुरी बड़ बना देब। आ उहाँ हम आपन सब फल आ संपत्ति देब।
19 हम अपना जान से कहब कि, तोहरा लगे बहुत साल तक बहुत सारा संपत्ति बा। आराम से खाईं, पीईं आ मस्त रहऽ।
20 लेकिन परमेश्वर ओकरा से कहलस, "हे मूर्ख, आज रात तोहार प्राण तोहरा से मांगल जाई।
21 अइसने होला जे अपना खातिर खजाना जमा करेला आ भगवान के सामने अमीर ना होला।
22 उ अपना चेलन से कहले, " एही से हम तोहनी से कहत हईं कि तू लोग का खाएब, एकरा बारे में आपन जान के बारे में मत सोचीं। ना त देह खातिर, जवन तू लोग पहिनबऽ।
23 जीवन भोजन से अधिका बा आ शरीर कपड़ा से अधिका बा।
24 काग पर विचार करीं, काहे कि ऊ ना त बोवेला ना काटेला। जवना में ना त भंडार बा ना कोठी। आ भगवान ओह लोग के पेट भरत बाड़न, तू लोग चिरई से केतना बढ़िया बाड़ऽ?
25 तोहनी में से के सोच के अपना कद में एक हाथ बढ़ा सकेला?
26 अगर तू लोग छोट काम ना कर पवनी त बाकी के बारे में काहे सोचत रहब?
27 कुमुद के बारे में सोचीं कि ऊ कइसे बढ़ेला, ऊ मेहनत ना करेला, ना घुमावेला। आ तबो हम तोहनी से कहत बानी कि सुलेमान अपना पूरा महिमा में एहमें से कवनो एक जइसन सज-धज के ना रहे।
28 अगर भगवान घास के अईसन कपड़ा पहिनले बाड़े, जवन आज खेत में बा अवुरी काल्ह अंडा में फेंकल जाता। हे कम विश्वास के लोग, ऊ तोहनी के केतना अउरी कपड़ा पहिराई?
29 तू लोग का खाएब आ का पीबऽ, ई मत खोजीं आ ना ही मन में संदेह होखे।
30 काहेकि दुनिया के राष्ट्र एह सब चीजन के खोजत बाड़े आ तोहनी के पिता जानत बाड़न कि तोहनी के एह चीजन के जरूरत बा।
31 बल्कि तू लोग परमेश्वर के राज्य के खोजत रहऽ। आ ई सब चीज तोहनी के जोड़ल जाई।
32 हे छोट झुंड, मत डेराईं। काहेकि तोहनी के पिता के तोहके राज देवे के खुशी बा।
33 जवन बा ओकरा के बेच के भिक्षा दीं। अपना खातिर झोरा जवन पुरान ना होखे, आकाश में एगो अइसन खजाना उपलब्ध कराईं जवन ना खतम होखे, जहाँ कवनो चोर नजदीक ना आवे आ ना पतई नाश करे।
34 काहे कि जहाँ तोहार खजाना होई, उहाँ तोहार मन भी होई।
35 तोहार कमर के पट्टी बान्हल होखे आ तोहार रोशनी जरत होखे।
36 आ तू खुद ओह लोग जइसन बानी जे अपना मालिक के इंतजार करत बा कि जब ऊ बियाह से लवट अइहें. ताकि जब उ आके खटखटावेला त तुरंत ओकरा सोझा खुल जास।
37 धन्य हउवें ऊ नौकर, जेकरा के प्रभु अइला पर जागल पाईहें, हम तोहनी से सच कहत बानी कि ऊ अपना के पट्टी बान्ह के खाना खाए खातिर बइठा दीहें आ बाहर आके ओह लोग के सेवा करीहें।
38 अगर उ दूसरा प्रहर में आके या तीसरा प्रहर में आके ओ लोग के अईसन पा लेले त धन्य बाड़े उ नौकर।
39 ई जान लीं कि अगर घर के मालिक के मालूम रहित कि चोर कवना घड़ी आईत त ऊ जागल रहित आ अपना घर के तोड़े ना देत.
40 एही से तोहनी भी तइयार रहीं, काहेकि मनुष्य के बेटा ओही घड़ी में आवेला जब तू लोग ना सोचे।
41 पतरस ओकरा से कहलन, "हे प्रभु, का तू ई दृष्टांत हमनी से कहत बाड़ऽ कि सब लोग से?
42 प्रभु कहलन, " तब ऊ विश्वासी आ बुद्धिमान भंडारी के ह, जेकरा के ओकर मालिक अपना घर के मालिक बना के समय पर ओह लोग के भोजन के हिस्सा दे दीहें?"
43 धन्य बा ऊ नौकर जे ओकर मालिक अइला पर अइसन करत पाई।
44 हम तोहनी से साँच कहत बानी कि ऊ ओकरा के अपना सब कुछ पर शासक बना दीहें।
45 लेकिन अगर उ नौकर मन में कहे कि हमार मालिक अपना आवे में देरी करतारे। आ मरद नौकरानी आ लइकिन के पीटे लागी, खाए-पीये आ नशा में धुत्त होखे लागी।
46 ओह नौकर के मालिक ओह दिन में अइहें जब ऊ ओकरा के ना खोजत होई आ ओह घरी जब ओकरा पता ना चली आ ओकरा के काट के ओकरा के काट के ओकरा के अविश्वासी लोग के साथे आपन हिस्सा दे दी।
47 जवन नौकर अपना मालिक के मर्जी के जानत रहे आ अपना के तइयार ना करत रहे आ ना ही ओकर मर्जी के मुताबिक काम करत रहे, ओकरा के बहुत मारल जाई।
48 लेकिन जे ना जानत रहे आ ओकरा के मारे लायक काम करत रहे, ओकरा के कम चोट से मारल जाई। काहे कि जेकरा के बहुत कुछ दिहल जाई ओकरा से बहुत कुछ मांगल जाई, आ जेकरा के लोग बहुत कुछ देले बा, ओकरा से जादा मांग करीहे।
49 हम धरती पर आग भेजे आइल बानी। आ अगर पहिले से जरल बा त हम का करब?
50 लेकिन हमरा लगे बपतिस्मा लेवे के बा। आ जबले ई पूरा ना हो जाई तबले हम कइसे तनाव में बानी!
51 का तू लोग मान लीं कि हम धरती पर शांति देवे आइल बानी? हम तहरा से कहत बानी, ना; बल्कि बंटवारा के बजाय:
52 काहे कि अब से एक घर में पांच लोग बंटल होई, तीन लोग दुगो के खिलाफ अवुरी दु लोग तीन के खिलाफ होईहे।
53 बाप बेटा के खिलाफ आ बेटा बाप के खिलाफ बंटल होई। माई बेटी के खिलाफ आ बेटी महतारी के खिलाफ। सास अपना पतोह के खिलाफ, आ पतोह अपना सास के खिलाफ।
54 ऊ लोग से भी कहलन, " पच्छिम से बादल उठत देख के तुरते कहत बानी कि बरखा आवेला। आ अइसहीं बा.
55 जब तू लोग दक्खिन के हवा बहत देखऽ त कहबऽ कि गरमी होई। आ ई हो जाला।

56 हे पाखंडी लोग, तू लोग आकाश आ धरती के चेहरा के समझ सकेनी। बाकिर अबकी बेर तू लोग कइसे ना समझत बाड़ऽ?
57 हँ, आ तू लोग अपना से भी सही के न्याय काहे ना करऽ?
58 जब तू अपना विरोधी के साथे मजिस्ट्रेट के लगे जाइब, जइसे रास्ता में रहब, त पूरा मेहनत करीं कि ओकरा से मुक्ति मिल सके। कहीं ऊ तोहरा के न्यायाधीश के लगे ना भेज देव आ न्यायाधीश तोहरा के अफसर के हवाले ना कर देव आ अधिकारी तोहरा के जेल में ना डाल देव.
59 हम तोहरा से कहत बानी कि जबले तू आखिरी माइट ना चुका लेब तबले तू ओहिजा से ना निकलबऽ।

अध्याय 13 के बा

1 ओह समय में कुछ लोग ओकरा के गलील लोग के बारे में बतवले रहे, जेकर खून पिलातुस ओह लोग के बलिदान में मिलावल रहे।
2 यीशु उनकरा से कहलन, " का तू लोग मानत हव कि इ गलील लोग सब गलील लोग से ज्यादा पापी हवें, काहे कि उ लोग के अइसन कष्ट उठावे के पड़ल?
3 हम तोहनी से कहत हई कि ना, लेकिन जब तक तू पश्चाताप ना करब, तब तक तू सब ओसही नाश होखब।
4 या अठारह लोग, जेकरा पर सिलोआम के बुर्ज गिर के मार दिहलस, उ लोग के लागत बा कि उ लोग यरूशलेम में रहे वाला सब लोग से ज्यादा पापी रहले?
5 हम तोहनी से कहत हई कि ना, लेकिन जब तक तू पश्चाताप ना करब तब तक तू सब ओसही नाश होखब।
6 उ इ दृष्टांत भी कहले। एगो आदमी के अंगूर के बगइचा में अंजीर के पेड़ लगावल रहे। उ आके ओकरा से फल खोजत रहले, लेकिन कवनो फल ना मिलल।
7 तब ऊ अपना अंगूर के बगइचा के साज-सज्जा करे वाला से कहलस, "देखऽ, तीन साल से हम एह अंजीर के पेड़ पर फल खोजत आवत बानी आ कवनो ना मिलल, एकरा के काट दीं। एकरा के जमीन काहे बोझिल बा?
8 ऊ जवाब दिहलन, "प्रभु, एह साल भी छोड़ दीं जबले हम ओकरा आसपास खोद के ओकरा के गोबर ना देब।
9 अगर उ फल देला त ठीक बा, आ अगर ना त ओकरा बाद ओकरा के काट देब।
10 उ सब्त के दिन एगो आराधनालय में शिक्षा देत रहले।
11 एगो मेहरारू रहली जेकरा अठारह साल से कमजोरी के आत्मा रहे आ ऊ एक संगे झुकल रहली आ ऊ कवनो तरह से अपना के ऊपर ना उठा पवली।
12 जब यीशु ओकरा के देखले त ओकरा के अपना लगे बोलवले अवुरी कहले, " मेरी, तू अपना कमजोरी से मुक्त हो गईल बाड़ू।"
13 ऊ ओकरा पर हाथ रख दिहलन आ तुरते ऊ सीधा हो गइल आ भगवान के महिमा कइलन.
14 आराधनालय के मालिक क्रोध से जवाब दिहलन कि यीशु सब्त के दिन ठीक कर दिहले रहले आ लोग से कहले रहले कि, "छह दिन में आदमी के काम करे के चाहीं सब्त के दिन के दिन।
15 तब प्रभु ओकरा के जवाब दिहलन, " हे पाखंडी, का तोहनी में से हर केहू सब्त के दिन आपन बैल भा गदहा के ठेला से ना छोड़ के ओकरा के पानी पियावे खातिर ना ले जाला?
16 का ई मेहरारू अब्राहम के बेटी होखे के चाहीं, जेकरा के शैतान एह अठारह साल से बान्हले बा, सब्त के दिन एह बंधन से मुक्त ना होखे के चाहीं?
17 जब उ इ बात कहलन त उनकर सब विरोधी शर्मिंदा हो गईले, आऊ सब लोग उनकरा द्वारा कईल गईल सब गौरवशाली काम खातिर खुश हो गईले|
18 तब उ कहलस, "परमेशवर के राज कइसन बा? आ हम एकरा से कवना चीज से मिलत जुलत होखब?
19 ई सरसों के दाना नियर बा जवन आदमी लेके अपना बगइचा में फेंक दिहलस। ऊ बढ़ल आ एगो बड़हन पेड़ के मोम बना दिहलस। आ हवा के चिरई ओकरा डाढ़ में ठहर गइल।
20 ऊ फेरु से कहलन, " हम परमेश्वर के राज्य के कवना से तुलना करब?
21 ई खमीर जइसन ह, जवना के मेहरारू लेके तीन नाप के आटा में छिपा के रखले रहे, जब तक कि पूरा खमीर ना हो गईल।
22 ऊ शहर आ गाँव में घूम के सिखावत रहले आ यरूशलेम के ओर जात रहले।
23 एक आदमी ओकरा से कहलस, "हे प्रभु, का कुछ लोग के उद्धार हो सकेला?" ऊ ओह लोग से कहलन कि .
24 संकीर्ण फाटक से घुसे के कोशिश करीं, काहेकि हम तोहनी से कहत बानी कि बहुत लोग घुसे के कोशिश करी, लेकिन ना हो पाई।
25 जब एक बेर घर के मालिक उठ के दरवाजा बंद कर देला आ तोहनी बाहर खड़ा होके दरवाजा खटखटावे लगबऽ कि, "प्रभु, प्रभु, हमनी के खोल दीं। ऊ जवाब दीहें आ तोहनी से कहसु कि हम तोहनी के नइखी जानत कि तू कहाँ से आइल बाड़ऽ.
26 तब तू कहे लागब कि हम तोहरा सोझा खइले-पियले बानी आ तू हमनी के गली-गली में सिखवले बाड़।
27 लेकिन उ कहसु कि हम तोहके बतावत हई कि हम तोहके नईखी जानत कि तू कहाँ से आइल बाड़ू। हे सब अधर्म के काम करे वाला, हमरा से दूर हो जा।
28 जब तू लोग अब्राहम, इसहाक, याकूब आऊ सब भविष्यवक्ता लोग के परमेश्वर के राज्य में देखब आ खुद के बाहर निकालल देखब।
29 उ लोग पूरब, पश्चिम, उत्तर आ दक्षिण से आके परमेश्वर के राज्य में बईठ जईहे।
30 आ देखऽ, आखिरी बा जे पहिले होई, आ पहिले के बा जे आखिरी होई।
31 ओही दिन कुछ फरीसी लोग ओकरा से कहलन, "तू बाहर निकल के इहाँ से चल जा, काहेकि हेरोदेस तोहरा के मार दिहे।"
32 ऊ ओह लोग से कहलन, " जा के ओह लोमड़ी के बताईं कि देखऽ, हम शैतान के भगावत बानी आ आजु काल्ह इलाज करत बानी आ तिसरका दिने हम सिद्ध होखब."
33 तबहूँ हमरा आज, काल्ह आ ओकरा बाद के दिन चले के पड़ी, काहे कि यरूशलेम से कवनो भविष्यवक्ता के नाश ना हो सकेला।
34 हे यरूशलेम, यरूशलेम, जे भविष्यवक्ता लोग के मारत बा आ तोहरा लगे भेजल गइल लोग के पत्थर मारत बा। हम केतना बेर तोहार लइकन के एकट्ठा कर लेतीं जइसे मुर्गी अपना बच्चा के पाँख के नीचे बटोर लेले, आ तू ना चाहत रहलू!

35 देखऽ, तोहार घर तोहनी खातिर उजाड़ हो गइल बा, आ हम तोहनी से सच कहत बानी कि जबले ऊ समय ना आई जबले तू लोग ना कहब कि, 'प्रभु के नाम से आवे वाला धन्य बा।

अध्याय 14 के बा

1 जब उ सब्त के दिन रोटी खाए खातिर एगो मुखिया फरीसी के घर में जात रहले, त उ लोग उनुका के देखत रहले।
2 ओकरा से पहिले एगो आदमी रहे, जेकरा बूंद के बेमारी रहे।
3 यीशु कानून के वकील आ फरीसियन से कहलन, " का सब्त के दिन ठीक कइल जायज बा?
4 उ लोग चुप रह गईले। ऊ ओकरा के लेके ठीक कर दिहलन आ छोड़ दिहलन.
5 उ लोग के जवाब दिहलस, " तोहनी में से केकरा के गदहा भा बैल गड्ढा में गिर गईल होई अवुरी उ सब्त के दिन तुरंत ओकरा के ना निकाली?
6 उ लोग ओकरा के फेर से एह बात के जवाब ना दे पवले।
7 ऊ लोग के बोलावल गइल लोग खातिर एगो दृष्टांत दिहलन जब ऊ लोग प्रमुख कमरा के कइसे चुनले बा। कहलन कि,
8 जब तोहरा के केहू बियाह में बोलावल जाला त सबसे ऊँच कमरा में मत बईठऽ। कहीं तोहरा से अधिका इज्जतदार आदमी के ओकरा से ना बोलावल जा सके.
9 जे तोहरा आ ओकरा के बोलवले बा, ऊ आके तोहरा से कहत बा कि, "एह आदमी के जगह दे दऽ। आ तू लाज से निचला कमरा लेबे के शुरुआत करऽ.
10 लेकिन जब तोहरा के बोलावल जाई त जाके सबसे निचला कमरा में बईठ जा। ताकि जब तोहरा के बोलावे वाला आई त तोहरा से कह सके कि दोस्त, ऊपर चढ़ जा, तब तोहरा साथे खाना खाए वाला लोग के सामने पूजा करऽ।
11 काहे कि जे केहू अपना के ऊपर उठावेला, ओकरा के नीचा देखावल जाई। आ जे अपना के नम्र करी ओकरा के ऊंचा कइल जाई.
12 तब ऊ ओकरा से कहलन, " जब तू रात के खाना बनावत बाड़, ना अपना भाई लोग के, ना अपना रिश्तेदारन के आ ना अपना अमीर पड़ोसी के बोलावऽ। कहीं ऊ लोग तोहरा के फेर से बोलावे आ तोहरा के कवनो जवाब ना दे देव.
13 लेकिन जब तू भोज करब त गरीब, अपंग, लंगड़ा, आन्हर के बोलावऽ।
14 आ तोहरा के आशीष मिल जाई। काहेकि उ लोग तोहरा के बदला ना दे सकेले, काहेकि धर्मी लोग के जी उठला के समय तोहरा बदला मिल जाई।
15 जब उनकरा साथे खाना खाए वाला लोग में से केहू ई बात सुन के कहलस, "धन्य बा जे परमेश्वर के राज्य में रोटी खाई।"
16 तब ऊ ओकरा से कहलस, " एक आदमी एगो बड़हन भोज बनवले रहे आ बहुत लोग के बोलवले रहे।
17 भोजन के समय अपना नौकर के भेजलस कि उ लोग के बोलावल गईल लोग से कहे कि, "आ जा! काहे कि अब सब कुछ तइयार हो गइल बा.
18 उ सब एके सहमति से बहाना बनावे लगले। पहिला आदमी ओकरा से कहलस, "हम एगो जमीन खरीदले बानी, आ हमरा जाके देखे के जरूरत बा।
19 एगो अउरी कहलस, "हम पाँच गो जुआ बैल खरीदले बानी आ हम ओह लोग के परीक्षण करे जात बानी।
20 दूसर कहलस, "हम मेहरारू से बियाह क लेले बानी, एही से हम ना आ सकत बानी।"
21 तब उ नौकर आके अपना मालिक के इ सब बात बता दिहलस। तब घर के मालिक खिसिया के अपना नौकर से कहलस, "जल्दी से शहर के गली-गली में निकल जा, आ गरीब, अपंग, रुकल आ आन्हर के इहाँ ले आवऽ।
22 नौकर कहलस, "प्रभु, तोहरा आज्ञा के मुताबिक काम हो गईल बा, लेकिन तबहूँ जगह बा।"
23 प्रभु नौकर से कहलन, "राजमार्ग आ हेज में जाके ओह लोग के भीतर आवे खातिर मजबूर कर दीं ताकि हमार घर भरल जा सके।"
24 काहेकि हम तोहनी से कहत हई कि जवन आदमी बोलावल गईल बा, ओकरा में से केहु हमरा भोज के स्वाद ना चख पाई।
25 उनकरा साथे बहुत भीड़ गइल आ ऊ मुड़ के ओह लोग से कहलस।
26 अगर केहू हमरा लगे आके अपना बाप, महतारी, मेहरारू, संतान, भाई, बहिन, हँ, आ अपना जान से भी नफरत ना करे त उ हमार चेला ना हो सकेला।
27 जे भी आपन क्रूस ना उठा के हमरा पीछे ना आवेला, उ हमार चेला ना हो सकेला।
28 तोहनी में से के के बुर्ज बनावे के इरादा से पहिले बईठ के लागत ना गिनत बा कि ओकरा लगे एकरा के पूरा करे खातिर पर्याप्त बा कि ना?
29 कहीं कहीं ऊ नींव रखला के बाद ओकरा के पूरा ना कर पावे के बाद ओकरा के देखे वाला सब लोग ओकर मजाक उड़ावे लागे।
30 कहलन, "ई आदमी निर्माण करे लागल, लेकिन काम पूरा ना कर पवलस।"
31 का राजा दोसरा राजा से लड़ाई करे जाके पहिले बईठ के विचार ना करेला कि का उ दस हजार के संगे बीस हजार के संगे अपना खिलाफ आवे वाला से मिले में सक्षम बा कि ना?
32 ना त जब दोसरा के बहुत दूर बा त ऊ दूत भेज के शांति के शर्त चाहत बा।
33 ओइसहीं तोहनी में से जे भी आपन सब कुछ ना छोड़े, उ हमार चेला ना हो सकेला।
34 नमक बढ़िया होला, लेकिन अगर नमक के सुगंध खतम हो गईल बा त ओकरा के कवना से मसाला दिहल जाई?
35 ई ना त जमीन खातिर फिट बा, ना अबहीं ले गोबर खातिर। बाकिर आदमी ओकरा के बाहर निकाल देला. जेकरा सुने के कान बा, उ सुनस।

अध्याय 15 के बा

1 तब सब कर लेवे वाला आ पापी लोग उनकर बात सुने खातिर उनकर नजदीक आ गईले|
2 फरीसियन आ शास्त्री लोग बड़बड़ात कहले, "ई आदमी पापी लोग के ग्रहण करेला आ ओह लोग के साथे खाना खाला।"
3 ऊ ई दृष्टान्त ओह लोग से कहलन।
4 तोहनी में से कवन आदमी के सौ भेड़ बा, अगर ओकरा में से एगो भेड़ गँवा दी त उननब्बे के जंगल में छोड़ के हेराइल भेड़ के पीछे ना चली, जब तक कि ओकरा के ना मिल जाव?
5 जब उ ओकरा के पा लेला त उ खुश होके ओकरा के अपना कंधा प रख देले।

6 जब उ घरे अईले त उ अपना दोस्त अवुरी पड़ोसी के एकट्ठा क के कहेले कि, "हमरा संगे खुश हो जा। काहे कि हम आपन भेड़ पा लेले बानी जवन हेराइल रहे।
7 हम तोहनी से कहत हई कि पश्चाताप करे वाला एगो पापी पर स्वर्ग में भी उननबे धर्मी लोग से अधिका खुशी होई, जेकरा पश्चाताप के जरूरत नइखे।
8 चाँदी के दस टुकड़ी वाला कवन मेहरारू अगर एक टुकड़ा गँवा देला त ऊ दीया ना जरा के घर में झाड़ू ना लगावे आ जबले ओकरा के ना मिल जाव तबले पूरा लगन से खोजत होखे?
9 जब ऊ ओकरा के पा लेले त अपना दोस्तन आ अपना पड़ोसी लोग के एकट्ठा क के कहेले कि, "हमरा साथे आनन्दित हो जा; काहे कि हमरा ऊ टुकड़ा मिल गइल बा जवन हम गँवा देले रहनी।
10 ओइसहीं हम तोहनी से कहत हई कि एगो पापी के पश्चाताप करे वाला पर परमेश्वर के दूत के सामने खुशी होला।
11 ऊ कहलन, " एक आदमी के दू गो बेटा रहे।
12 छोटका अपना बाप से कहलस, "बाबूजी, हमरा के जवन धन आवेला ओकरा के हमरा के दे द।" उ आपन गुजारा ओह लोग के बाँट दिहलन।
13 कुछ दिन बाद छोटका बेटा सब लोग के एकट्ठा क के दूर के देश में निकल गईल अवुरी उहाँ उधम मचावे से आपन संपत्ति बर्बाद क देलस।
14 जब ऊ सब कुछ खतम कर दिहलन त ओह देश में बहुते अकाल पड़ गइल. आ ओकरा के कमी होखे लागल।
15 ऊ जाके ओह देश के एगो नागरिक से जुड़ गइलन। ओकरा के सुअर चरावे खातिर अपना खेत में भेज दिहलस।
16 ऊ सुअर के खाए वाला छिलका से आपन पेट भरल चाहत रहले आ केहू ओकरा के ना दिहलस।
17 जब ऊ मन में अइले त ऊ कहले, "हमार बाप के केतना भाड़ा के नौकरन के लगे रोटी आ बचल बा, आ हम भूख से नाश हो जानी!
18 हम उठ के अपना बाबूजी के लगे जाइब आ ओकरा से कहब कि बाबूजी, हम स्वर्ग आ तोहरा सामने पाप कइले बानी।
19 अब हम आपन बेटा कहे लायक नईखी, हमरा के अपना भाड़ा के नौकर में से एगो बना द।
20 ऊ उठ के अपना बाप के लगे अइले। लेकिन जब उ अभी बहुत दूर रहले त ओकर बाप ओकरा के देख के दया कईले अवुरी भाग गईले अवुरी उनुका गरदन प गिर गईले अवुरी चुम्मा लेले।
21 बेटा ओकरा से कहलस, "बाबू, हम स्वर्ग आ तोहरा नजर में पाप कइले बानी आ अब तोहार बेटा कहे लायक नइखी।"
22 बाप अपना नौकरन से कहले, "सबसे बढ़िया वस्त्र लेके आके ओकरा के पहिन लीं। हाथ में अंगूठी आ गोड़ में जूता लगा दिहलन।
23 मोट बछड़ा के इहाँ ले आके ओकरा के मार दीं। आ हमनी के खाईं आ मस्ती करीं जा।
24 काहेकि हमार ई बेटा मर गइल रहे आ फेर जिंदा बा। ऊ भटक गइल रहे, आ मिल गइल बा. आ उ लोग मस्त होखे लगले।
25 उनकर बड़का बेटा खेत में रहे आ जब ऊ घर के नजदीक आवत रहे त गाना आ नाच सुनलस।
26 उ एगो नौकर के बोलवले अवुरी पूछले कि इ बात के का मतलब बा।
27 उ ओकरा से कहलस, "तोहार भाई आ गईल बा। आ तोहार बाप मोट बछड़ा के मार देले बाड़े, काहे कि उ ओकरा के सुरक्षित आ स्वस्थ रखले बाड़े।
28 ऊ खिसिया के भीतर ना जाए के चाहत रहले, एही से उनकर बाप बाहर आके उनकरा से निहोरा कइलन।
29 उ अपना पिता से कहलस, "देखऽ, हम एतना साल से तोहार सेवा करत बानी आ ना ही तोहार आज्ञा के उल्लंघन कइनी।
30 लेकिन जइसहीं तोहार बेटा आइल, जवन वेश्या के साथे तोहार रोजी-रोटी के खा चुकल बा, तू ओकरा खातिर मोट बछड़ा के मार देले बाड़ू।
31 ऊ ओकरा से कहलस, "बेटा, तू हमेशा हमरा साथे रहेलऽ आ हमरा लगे जवन कुछ बा ऊ तोहार हऽ."
32 हमनी के मस्ती आ खुश होखल उचित रहे काहे कि ई तोहार भाई मर गइल रहे आ जिंदा हो गइल बा। आ हेरा गइल रहे आ मिल गइल बा.

अध्याय 16 के बा

1 उ अपना चेलन से भी कहले, " एक अमीर आदमी रहले, जेकरा लगे एगो भंडारी रहे। आ ओकरा पर आरोप लगावल गइल कि ऊ आपन माल बरबाद कर दिहले बा.
2 ऊ ओकरा के बोलवले आ कहलन कि हम तोहरा बारे में ई बात कइसे सुनत बानी? अपना भंडारी के हिसाब दे दीं। काहे कि तू अब भंडारी ना रहबऽ।
3 तब भंडारी मन में कहलस कि हम का करब? काहे कि हमार मालिक हमरा से भंडारी छीन लेत बाड़न, हम खोद नइखीं सकत। भीख मांगे खातिर हमरा लाज लागत बा।
4 हम सोचले बानी कि हम का करीं कि जब हमरा के भंडारी से बाहर निकाल दिहल जाई त उ लोग हमरा के अपना घर में समेट सके।
5 ऊ अपना मालिक के हर कर्जदार के अपना लगे बोलवले आ पहिला से पूछले, "हमरा मालिक के तोहार केतना कर्जा बा?
6 ऊ कहलन, "सौ नाप तेल।" उ ओकरा से कहलस कि, आपन बिल लेके जल्दी से बईठ जा अवुरी पचास लिख द।
7 तब ऊ दोसरा से कहलस, "तोहरा पर केतना कर्जा बा? ऊ कहलन, "सौ नाप गेहूं." उ ओकरा से कहलस, "अपना बिल लेके 48 लिख द।"
8 प्रभु अधर्मी भंडारी के तारीफ कइलन काहे कि ऊ बुद्धिमानी से काम कइले बा काहे कि एह संसार के लइका लोग अपना पीढ़ी में प्रकाश के संतान से भी बुद्धिमान बा।
9 हम तोहनी से कहत हई कि अधर्म के धन से अपना खातिर दोस्त बनाईं। ताकि जब तू लोग कमजोर हो जाइब त उ लोग तोहनी के अनन्त निवास में ले सके।
10 जे छोटका में विश्वासी होला ऊ बहुत कुछ में भी विश्वासी होला आ जे छोटका में अन्यायी होला ऊ बहुत में भी अन्यायी होला।
11 एह से अगर तू लोग अधर्मी धन में वफादार ना रहलू त सच्चा धन के तोहनी के भरोसा में देई?
12 अगर तू लोग दोसरा के काम में वफादार ना रहलू त तोहनी के के देई?
13 कवनो नौकर दू गो मालिक के सेवा ना कर सकेला काहे कि ऊ एक से नफरत करी आ दोसरा से प्यार करी. ना त एक के पकड़ के दोसरा के तिरस्कार करी। रउआ भगवान आ धन के सेवा ना कर सकेनी।

14 लोभी फरीसी लोग भी इ सब बात सुन के मजाक उड़ावत रहलन|
15 उ लोग से कहलन, " तू लोग आदमी के सामने अपना के धर्मी ठहरावे वाला हउअ। लेकिन परमेश्वर तोहनी के दिल के जानत हउवें, काहेकि जवन आदमी के बीच बहुत आदर बा, उ परमेश्वर के नजर में घिनौना ह।
16 व्यवस्था आ भविष्यवक्ता यूहन्ना तक रहे, तब से परमेश्वर के राज्य के प्रचार होला आ हर केहू ओकरा में दबाव डालत रहेला।
17 आउर धरती के पास होखल आसान बा, ना कि व्यवस्था के एक छोटा भी ना होखे।
18 जे केहू अपना मेहरारू के छोड़ के दोसरा से बियाह करेला, उ व्यभिचार करेला, आ जे केहू ओकरा पति से अलग होखे वाला से बियाह करेला, उ व्यभिचार करेला।
19 एगो अमीर आदमी रहले, जे बैंगनी आ महीन लिनन के कपड़ा पहिनले रहले अवुरी रोज शानदार तरीका से काम करत रहले।
20 लाजर नाम के एगो भिखारी रहे, जवन ओकरा दुआर पर घाव से भरल रहे।
21 ऊ अमीर के मेज से गिरल टुकड़न से खाना खियावे के चाहत रहले, एकरा अलावे कुकुर आके ओकर घाव चाटत रहले।
22 ऊ भिखारी मर गइल आ स्वर्गदूतन ओकरा के अब्राहम के गोदी में ले गइलन.
23 नरक में ऊ यातना में पड़ल आँख उठा के अब्राहम के दूर से आ लाजर के अपना गोदी में देखले।
24 ऊ चिल्ला के कहलस, "बाबू अब्राहम, हमरा पर दया करऽ आ लाजर के भेजऽ कि ऊ आपन अँगुरी के नोक पानी में डुबा के हमार जीभ ठंडा करस। काहे कि हम एह लौ में तड़पत बानी।
25 लेकिन इब्राहीम कहले, "बेटा, याद राखऽ कि तोहरा जिनिगी में आपन नीमन चीज मिलल बा आ लाजर के भी बुरा बात मिलल बा, लेकिन अब ओकरा दिलासा मिलल बा आ तू तड़पत बाड़ू।"
26 एह सब के अलावा हमनी आ तोहनी के बीच एगो बड़हन खाड़ी बनल बा, जवना से जे लोग इहाँ से तोहरा लगे जाए के चाहत बा, ऊ लोग ना कर सके। ना ही उ लोग हमनी के पास जा सकेला, जवन उहाँ से आवत होई।
27 तब उ कहलस, "हे बाबूजी, हम तोहरा से निहोरा करतानी कि तू ओकरा के हमरा पिता के घरे भेज दीं।
28 काहेकि हमरा पांच भाई बाड़े। ताकि उ लोग के गवाही दे सके कि उ लोग भी एह यातना के जगह में ना आ जास।
29 अब्राहम ओकरा से कहलन, "ओकनी के लगे मूसा आ भविष्यवक्ता लोग बाड़े। उ लोग के बात सुने के चाही।
30 ऊ कहलन, "ना, बाबू अब्राहम, बाकिर अगर केहू मरला के बीच से ओह लोग के लगे गइल त ऊ लोग पश्चाताप करी।"
31 उ ओकरा से कहलस, "जदि उ लोग मूसा आ भविष्यवक्ता लोग के बात ना सुनी त उ लोग के मन में ना मनाई, भले ही केहु मुवलन में से जी उठल होखस।"

अध्याय 17 के बा

1 तब उ चेलन से कहलन, " असंभव बा कि अपराध आवेला।
2 ओकरा गरदन में चक्की के पत्थर लटका के समुंदर में फेंक दिहल जाव, एह से कि ऊ एह छोट-छोट लइकन में से कवनो एक के ठेस पहुँचावे।
3 अपना से सावधान रहऽ, अगर तोहार भाई तोहरा खिलाफ अपराध करऽ त ओकरा के डाँटऽ। आ अगर ऊ पश्चाताप करी त ओकरा के माफ कर दीं.
4 अगर उ एक दिन में सात बेर तोहरा खिलाफ अपराध करे, आ एक दिन में सात बेर तोहरा ओर वापस आके कहे कि, 'हम पश्चाताप करतानी।' तू ओकरा के माफ करऽ।
5 प्रेरित लोग प्रभु से कहलन कि हमनी के विश्वास बढ़ाईं।
6 प्रभु कहले, " अगर तोहनी के सरसों के दाना निहन विश्वास रहित त तू एह सिकमिन के पेड़ से कह सकत रहलू कि जड़ से उखाड़ के समुंदर में रोपल जा। आ ओकरा तोहार बात माने के चाहीं।
7 तोहनी में से केकर नौकर जोतत भा मवेशी चरावत बा, ऊ खेत से अईला पर ओकरा से कहत होई कि, "जा के खाना खाए बईठ जा?"
8 ऊ ओकरा से ई ना कहसु कि जबले हम खाना ना खाइब, तबले हम जवना तरह से खाना खाईं, ओकरा से तइयार करऽ आ कठरी पहिन के हमार सेवा करऽ. आ ओकरा बाद तू खाई-पीबऽ?
9 का उ ओह सेवक के धन्यवाद देत बा काहे कि उ उहे काम करत बा जवन ओकरा के दिहल गईल रहे? हम ट्राउ ना करत बानी।
10 ओइसहीं जब तू लोग के आज्ञा दिहल गइल सब काम कर लेब त कहऽ कि हमनी के बेमतलब के सेवक हईं जा।
11 जब ऊ यरूशलेम जात रहले त सामरिया आ गलील के बीच से गुजरत रहले।
12 जब ऊ एगो गाँव में घुसल त ओकरा से दस गो कोढ़ी आदमी मिलल जे दूर खड़ा रहले.
13 उ लोग आवाज उठा के कहलस, "हे गुरु, यीशु, हमनी पर दया करऽ।"
14 उ लोग के देख के कहलन कि जाके याजकन के सामने आपन बात देखाईं। जात-जात उ लोग शुद्ध हो गईले।
15 ओह लोग में से एगो आदमी के ठीक हो गइल देख के पीछे मुड़ल आ जोर से भगवान के महिमा कइलस।
16 उनकरा गोड़ पर मुंह से गिर के उनकर धन्यवाद दिहलन आ ऊ सामरी रहले।
17 यीशु जवाब दिहलन, " का दस लोग शुद्ध ना भइल रहे? बाकिर नौ गो कहाँ बा?
18 एह परदेशी के छोड़ के केहू अइसन ना मिलल जे परमेश्वर के महिमा करे खातिर वापस आ गइल होखे।
19 उ ओकरा से कहलस, " उठ जा, तोहार विश्वास तोहरा के ठीक कर देले बा।"
20 जब फरीसियन से पूछल गइल कि भगवान के राज्य कब आई त ऊ ओह लोग से कहलन, " परमेशवर के राज्य देखते ना आवेला।
21 आ उ लोग ना कहसु कि इहाँ देखऽ! भा, लो उहाँ! काहे कि देखऽ, परमेश्वर के राज्य तोहनी के भीतर बा।
22 उ चेलन से कहलन, " अब दिन आई जब तू लोग आदमी के बेटा के कवनो एक दिन के देखे के इच्छा करब, लेकिन ओकरा के ना देखब।"
23 उ लोग तोहरा से कहत होई कि, इहाँ देखऽ। या, उहाँ देखल जाव: ओह लोग के पीछे मत जाईं, ना ओह लोग के पीछे पड़ जाईं।

24 जइसे कि आकाश के नीचे के एक भाग से बिजली चमकेला आ आकाश के नीचे दूसरा भाग तक चमकेला। आदमी के बेटा भी अपना समय में ओइसहीं होई।
25 लेकिन पहिले ओकरा के बहुत कष्ट उठावे के होई, अवुरी ओकरा के अबकी पीढ़ी के लोग नकार देवे के होई।
26 जइसे नूह के जमाना में भइल रहे, ओइसहीं मनुष्य के बेटा के समय में भी होई।
27 जब तक नूह जहाज में ना घुसल आ जलप्रलय आके सबके नाश कर दिहलस, तब तक उ लोग खईले, पियले, पत्नी के बियाह कईले अवुरी बियाह कईले।
28 ओइसहीं जइसे लूत के समय में भइल रहे। खइले, पियले, खरीदले, बेचले, रोपले, बनवले;
29 लेकिन जवना दिन लूत सदोम से निकलल रहले, उहे दिन स्वर्ग से आग अवुरी गंधक बरस के सभके नाश क देलस।
30 आदमी के बेटा के प्रगट होखे के दिन भी अईसने होई।
31 ओह दिन घर के चोटी आ घर में आपन सामान ले जाए खातिर उतरे के ना चाहीं आ खेत में रहे वाला भी वापस ना लवट आवे।
32 लूत के मेहरारू के याद करऽ।
33 जे केहू आपन जान बचावे के कोशिश करी, उ ओकरा के गंवा दी। आ जे आपन जान गँवा दी ऊ ओकरा के बचा ली.
34 हम तोहके बतावत बानी कि ओह रात में दू आदमी एक बिछौना पर बइठ जइहें। एक के ले लिहल जाई आ दोसरका छोड़ दिहल जाई.
35 दू गो मेहरारू एक साथे पीसत रहीहें। एक के ले जाइल जाई आ दोसरका छोड़ दिहल जाई.
36 दू आदमी खेत में होई। एक के ले जाइल जाई आ दोसरका छोड़ दिहल जाई.
37 उ लोग ओकरा से पूछले, "हे प्रभु, कहाँ? उ लोग से कहलस, " जहाँ लाश होई, उहाँ चील एकट्ठा होईहे।

अध्याय 18 के बा

1 ऊ ओह लोग से एह खातिर एगो दृष्टांत कहलन कि आदमी के हमेशा प्रार्थना करे के चाहीं आ बेहोश ना होखे के चाहीं.
2 ऊ कहलन, " एक शहर में एगो न्यायाधीश रहले, जे भगवान से ना डेरात रहले, ना आदमी के परवाह करत रहले।
3 ओह शहर में एगो विधवा रहली। ऊ ओकरा लगे अइली आ कहली कि, "हमरा से हमरा प्रतिद्वंद्वी के बदला लीं."
4 उ कुछ देर खातिर ना मनले, लेकिन ओकरा बाद उ मन में कहले, "हम भगवान से ना डेरात बानी, ना आदमी के परवाह करत बानी।
5 तबो ई विधवा हमरा के परेशान करे के चलते हम ओकर बदला लेब, कहीं ऊ लगातार आवे से हमरा के थका ना देस।
6 प्रभु कहले, " सुनऽ कि अधर्मी न्यायाधीश का कहत बाड़े।"
7 का परमेस् वर अपना चुनल लोग के बदला ना लेव, जे दिन रात ओकरा से पुकारत रहेला, भले ऊ ओह लोग के बहुत दिन ले सहन?
8 हम तोहनी से कहत हई कि उ जल्दी से ओ लोग के बदला ले लिहे। लेकिन जब मनुष्य के बेटा आई त का ओकरा धरती पर विश्वास मिली?
9 ऊ ई दृष्टांत कुछ लोग से कहलन जे अपना पर भरोसा करत रहे कि ऊ धर्मी हवें आ दोसरा के तुच्छ समझत रहले.
10 दू आदमी प्रार्थना करे खातिर मंदिर में गइलन। एगो फरीसी आ दोसर कर चुकावे वाला।
11 फरीसी खड़ा होके अपना मन से प्रार्थना कइलस, "परमेशवर, हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी कि हम दोसरा लोग नियर, लुटेरा, अन्यायी, व्यभिचारी भा एह करदाता जइसन नइखीं।
12 हम हफ्ता में दू बेर उपवास करेनी, जवन कुछ भी बा ओकरा से दसवां हिस्सा देनी।
13 कर चुकावे वाला दूर खड़ा होके स्वर्ग के ओर आँख ना उठावे के मन कइलस, बलुक ओकरा छाती पर चोट करत कहलस कि, "परमेशवर हमरा पर दया करस, हम पापी हईं।"
14 हम तोहनी से कहत हई कि इ आदमी दूसरा के बजाय धर्मी होके अपना घरे चल गईल, काहेकि जे केहू अपना के ऊपर उठावेला, उ नीच हो जाई। आ जे अपना के नम्र करी ओकरा के ऊंचा कइल जाई.
15 उ लोग ओकरा लगे शिशु के भी ले अइले कि उ ओ लोग के छूवे, लेकिन जब ओकर चेला लोग एकरा के देखले त उ लोग के डांटले।
16 लेकिन यीशु ओ लोग के अपना लगे बोलवले अवुरी कहले, " लईकन के हमरा लगे आवे दीं अवुरी ओ लोग के मना मत करीं, काहेकि परमेश्वर के राज्य अयीसन लोग के ह।"
17 हम तोहनी से सच कहत हई कि जे भी परमेश्वर के राज्य के छोट बच्चा निहन ना पाई, उ कवनो तरीका से ओकरा में ना जाई।
18 एगो शासक ओकरा से पूछलस, "गुरु जी, हम अनन्त जीवन पावे खातिर का करब?
19 यीशु ओकरा से कहलन, " तू हमरा के अच्छा काहे कहत बाड़ऽ? एक के छोड़ के केहू नीमन नइखे, माने कि भगवान।
20 तू ई आज्ञा जानत बाड़ऽ कि व्यभिचार मत करऽ, हत्या मत करऽ, चोरी मत करऽ, झूठा गवाही मत देऽ, अपना बाप-माई के आदर मत करऽ।
21 उ कहलस, "हम जवानी से इ सब के रखले बानी।"
22 ई बात सुन के यीशु ओकरा से कहलन कि तोहरा एक चीज के कमी बा, तोहरा लगे जवन कुछ बा ओकरा के बेच के गरीबन के बाँट दीं, त तोहरा स्वर्ग में खजाना हो जाई।
23 इ बात सुन के उ बहुत दुखी हो गईले, काहेकि उ बहुत अमीर रहले।
24 जब यीशु देखलन कि उ बहुत दुखी बाड़े त उ कहले, " अमीर लोग के परमेश्वर के राज्य में प्रवेश कतना मुश्किल बा!
25 ऊंट के सुई के आँख से गुजरल आसान बा, ना कि अमीर आदमी के परमेश्वर के राज्य में घुसल।
26 एकरा के सुनल लोग कहल कि, "तब के के उद्धार हो सकेला?"
27 उ कहले, " जवन काम आदमी खातिर असंभव बा, उ परमेश्वर के सामने संभव बा।
28 पतरस कहलन, "देखऽ, हमनी के सब कुछ छोड़ के तोहरा पीछे चल गइल बानी जा।"
29 ऊ ओह लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि भगवान के खातिर घर, माई-बाप, भाई, मेहरारू भा संतान के छोड़े वाला कवनो आदमी नइखे।
30 एह समय में आ आवे वाला दुनिया में अनन्त जीवन में ओकरा के अउरी कई गो ना मिली।
31 तब ऊ बारह गो के अपना लगे ले गइलन आ कहलन, " देखऽ, हमनी के यरूशलेम चलत बानी जा आ जवन भी बात

भविष्यवक्ता लोग मनुष्य के बेटा के बारे में लिखले बा, ऊ सब पूरा हो जाई।
32 काहेकि ऊ गैर-यहूदी लोग के हाथ में सौंपल जाई, आ ओकरा पर मजाक उड़ावल जाई, ओकरा के विनती कइल जाई आ थूक दिहल जाई।
33 ऊ लोग ओकरा के कोड़ा मार के मार दी आ तीसरा दिन ऊ जी उठ जाई।
34 उ लोग एह में से कवनो बात ना समझ पवले अवुरी इ बात उनुका से छिपल रहे अवुरी ना उ लोग के बात के पता चलल।
35 जब ऊ यरीहो के नजदीक पहुँचल त एगो आन्हर रास्ता के किनारे बइठल भीख मांगत रहे।
36 भीड़ के गुजरत सुन के उ पूछले कि एकर मतलब का बा?
37 उ लोग ओकरा के बतवले कि नासरत के यीशु ओहिजा से गुजरत बाड़े।
38 ऊ चिल्ला के कहलस, "हे दाऊद के बेटा यीशु, हमरा पर दया करऽ।"
39 ओकरा से पहिले के लोग ओकरा के डांटत रहे कि ऊ चुप रह जाव, बाकिर ऊ अउरी चिल्लात रहे कि, "हे दाऊद के बेटा, हमरा पर दया करऽ."
40 यीशु खड़ा होके ओकरा के अपना लगे ले आवे के आदेश दिहलन।
41 ऊ कहलन कि तू का चाहत बाड़ू कि हम तोहरा के करीं? ऊ कहलस, "प्रभु, हम आपन दर्शन कर सकीले।"
42 यीशु ओकरा से कहलन, " तोहार बिसवास तोहरा के बचा लेले बा।"
43 उ तुरते उनकर नजर देख के परमेश्वर के महिमा करत उनकर पीछे चल गईले आ सब लोग एकरा के देख के परमेश्वर के स्तुति कईलस|

अध्याय 19 के बा

1 यीशु यरीहो से गुजर के चल गइलन।
2 देख, जक्कई नाम के एगो आदमी रहले, जवन कर लेवे वाला लोग में प्रमुख रहले अवुरी उ अमीर रहले।
3 ऊ यीशु के देखे के कोशिश कइलन कि ऊ के हवें। आ प्रेस खातिर ना कर सकल, काहे कि ओकर कद कम रहे।
4 ऊ ओकरा के देखे खातिर एगो सिकोमोर के पेड़ पर चढ़ गइलन काहे कि ऊ ओहि रास्ता से गुजरे वाला रहले.
5 जब यीशु ओह जगह पर पहुँचले त ऊ आँख उठा के देखलन आ कहलन, " जक्केआ, जल्दी से नीचे आ जा। काहे कि आज हमरा तोहरा घर में रहे के पड़ी।
6 उ जल्दी से उतर के ओकरा के खुशी से स्वागत कईले।
7 इ देख के सब लोग बड़बड़ात कहले कि, उ एगो पापी के संगे मेहमान बने गईल बाड़े।
8 जक्केआ खड़ा होके प्रभु से कहलन कि; देखऽ हे प्रभु, हमार आधा धन हम गरीबन के देत बानी। आ अगर हम केहू से झूठा आरोप लगा के कवनो चीज लेले बानी त ओकरा के चार गुना वापस कर देनी।
9 यीशु ओकरा से कहलन, " आज एह घर में उद्धार आ गईल बा, काहेकि उ अब्राहम के बेटा भी हवे।"
10 काहेकि मनुष्य के बेटा जे हेराइल रहे ओकरा के खोजे आ बचावे खातिर आइल बाड़े।
11 जब उ लोग इ बात सुन के एगो दृष्टांत जोड़ले, काहे कि उ यरूशलेम के नजदीक रहले अवुरी उ लोग सोचत रहले कि परमेश्वर के राज्य तुरंत प्रकट हो जाई।
12 ऊ कहलन, " कवनो कुलीन आदमी अपना खातिर राज्य लेबे आ लवट आवे खातिर दूर के देश में गइल रहे।
13 ऊ अपना दस गो नौकरन के बोला के दस पाउंड दे दिहलन आ कहलन कि जबले हम ना आ जाईं तबले कब्जा करऽ.
14 लेकिन ओकर नागरिक ओकरा से नफरत करत ओकरा पीछे-पीछे संदेश भेजले कि, "हमनी के इ आदमी हमनी प राज ना करीहे।"
15 जब उ राज्य पा के वापस अईले त उ ए नौकरन के अपना लगे बोलावे के आदेश देले, जेकरा के उ पईसा देले रहले, ताकि उनुका पता चल सके कि हरेक आदमी के व्यापार से केतना फायदा भईल बा।
16 तब पहिला आदमी आके कहलस, "हे प्रभु, तोहार पाउंड में दस पाउंड बढ़ गईल बा।"
17 ऊ ओकरा से कहलस, "अच्छा, हे अच्छा सेवक, काहे कि तू बहुत कम समय में वफादार रहलू, एहसे तोहरा दस शहरन पर अधिकार बा।"
18 दूसरका आके कहलस, "प्रभु, तोहार पाउंड में पांच पाउंड बढ़ गईल बा।"
19 उहो ओकरा से कहलस, "तू भी पांच शहर के मालिक रहऽ।"
20 एगो अउरी आके कहलस, "हे प्रभु, देखऽ, तोहार पइसा बा जवन हम नैपकिन में रखले बानी।
21 हम तोहरा से डेरात रहनी काहे कि तू तपस्वी आदमी हउअ, तू जवन ना बिछवले रहलू ओकरा के उठावत बाड़ू आ जवन ना बोवल रहलू ओकरा के काटत बाड़ू।
22 उ ओकरा से कहलस, "हे दुष्ट सेवक, हम तोहरा मुंह से तोहार न्याय करब।" तू जानत रहलू कि हम एगो तपस्वी आदमी हईं, जवन हम ना रखले रहनी, ओकरा के उठावत रहनी आ जवन ना बोवल रहनी, ओकरा के काटत रहनी।
23 त तू हमार पईसा बैंक में काहे ना देहनी कि हमरा आवे के समय हम आपन पईसा सूद के संगे मांग लेती?
24 उहाँ खड़ा लोग से कहलन कि, "उनका से पाउंड लेके दस पाउंड वाला के दे दीं।"
25 (उ लोग ओकरा से कहलस, "प्रभु, ओकरा लगे दस पाउंड बा।"
26 हम तोहनी से कहत हई कि जेकरा लगे बा ओकरा के दिहल जाई। जेकरा लगे नइखे, ओकरा से जवन बा, ओकरा से छीन लिहल जाई।
27 लेकिन हमार उ दुश्मन जे हमरा के राज ना करे के चाहत रहले, उ लोग के इहाँ ले आके हमरा सोझा मार देस।
28 ई बात कहला के बाद उ यरूशलेम में चढ़त आगे चल गईले|
29 जब ऊ जैतून के पहाड़ नाम के पहाड़ पर बेतफाग आ बेथानी के नजदीक पहुँचले त उ अपना दू गो चेला के भेजले।
30 कहलन, "तू लोग अपना सामने वाला गाँव में जा। जवना में घुसते तोहनी के एगो बछड़ा के बछड़ा बान्हल मिल जाई, जवना पर केहू ना बइठल रहे, ओकरा के ढीला क के इहाँ ले आवऽ।
31 अगर केहु तोहसे पूछे कि तू ओकरा के काहे खोलत बाड़ू? तू लोग ओकरा से अईसन कहब कि प्रभु के ओकर जरूरत बा।
32 जेकरा के भेजल गईल रहे, उ लोग अपना रास्ता से चल गईले अवुरी उ ओसही मिल गईले, जईसे उ उनुका से कहले रहले।

33 जब उ लोग बछड़ा के ढीला करत रहले त ओकर मालिक ओ लोग से पूछले, “तू लोग बछड़ा के काहे खोलत बाड़ू?
34 उ लोग कहले, “प्रभु के ओकर जरूरत बा।”
35 ऊ लोग ओकरा के यीशु के लगे ले अइले आ ऊ लोग आपन कपड़ा बछड़ा पर डाल दिहल आ यीशु के ओकरा पर बइठा दिहल।
36 जब उ जात रहले त उ लोग रास्ता में आपन कपड़ा पसार देले।
37 जब ऊ जैतून के पहाड़ से उतरे के जगह पर पहुँचले त चेला लोग के भीड़ उ लोग के देखल सब पराक्रम खातिर तेज आवाज में भगवान के स्तुति करे लगले।
38 ऊ कहलन, “प्रभु के नाम से आवे वाला राजा के धन्य होखे, स्वर्ग में शांति होखे आ परम में महिमा होखे।”
39 भीड़ के बीच से कुछ फरीसी लोग ओकरा से कहलस, “गुरु, अपना चेलन के डांट द।”
40 ऊ जवाब दिहलन आ कहलन कि, “ हम तोहनी से कहत बानी कि अगर ई लोग चुप रह जइहें त पत्थर तुरते चिल्लात हो जइहें.”
41 जब उ नजदीक पहुंचले त उ शहर के देख के रोवे लगले।
42 ऊ कहलन, “ अगर तू कम से कम एह दिन में ऊ बात जानत रहितऽ जवन तोहरा शांति के हऽ! बाकिर अब ऊ लोग तोहरा आँख से छिपल बा.
43 काहेकि तोहरा पर अइसन दिन आ जाई कि तोहार दुश्मन तोहरा चारो ओर खाई डाल के तोहरा के चारो ओर घेर के तोहरा के चारो ओर से राखी।
44 तोहरा के जमीन के साथे आ तोहरा लइका-लइकी के भी तोहरा भीतर बिछा दिही। आ ऊ लोग तोहरा में एक पत्थर पर एक पत्थर ना छोड़ी। काहे कि तू अपना मुलाकात के समय ना जानत रहलू।
45 ऊ मंदिर में जाके ओहिजा बेचे वाला आ खरीदे वाला के भगावे लगलन।
46 उ लोग से कहलस, “ लिखाइल बा कि हमार घर प्रार्थना के घर ह, लेकिन तू लोग ओकरा के चोर के मांद बना देले बाड़ू।
47 उ रोज मंदिर में पढ़ावत रहले। लेकिन मुखिया याजक, शास्त्री आउर जनता के मुखिया ओकरा के नाश करे के कोशिश कईले।
48 उ लोग के काम ना मिलल काहेकि सब लोग उनकर बात सुने में बहुत ध्यान देत रहे|

अध्याय 20 के बा

1 एक दिन जब उ मंदिर में लोग के सिखावत रहले आ सुसमाचार के प्रचार करत रहले त मुख्य याजक आ शास्त्री लोग बड़का लोग के साथे उनकरा पर आ गईले।
2 ऊ ओकरा से कहलस, “बतावऽ कि तू कवना अधिकार से ई सब काम करत बाड़ऽ? भा ऊ के ह जे तोहरा के ई अधिकार देले बा?
3 ऊ जवाब दिहलन आ कहलन कि हमहूँ तोहनी से एगो बात पूछब। आ हमरा के जवाब दीं कि:
4 यूहन्ना के बपतिस्मा स्वर्ग से रहे कि आदमी के?
5 उ लोग आपस में बतकही करत कहले, “अगर हमनी के कहब जा कि, ‘स्वर्ग से आईल बा; ऊ कहसु कि तू लोग ओकरा पर विश्वास काहे ना कइलऽ?
6 लेकिन अगर हमनी के कहत बानी जा कि, “मनुष्य के; सब लोग हमनी के पत्थर मार दिहे, काहेकि उ लोग के विश्वास हो गईल बा कि यूहन्ना एगो भविष्यवक्ता रहले।
7 उ लोग जवाब देले कि उ लोग इ ना बता पवले कि इ कहाँ से आईल बा।
8 यीशु ओह लोग से कहलन, “ हम तोहनी के ई ना बतावत बानी कि हम कवना अधिकार से ई काम करत बानी।”
9 तब उ लोगन से इ दृष्टांत बतावे लगले। एगो आदमी अंगूर के बगइचा लगा के किसानन के दे दिहलस आ बहुत देर तक दूर के देस में चल गईल।
10 मौसम के समय उ एगो नौकर के किसानन के लगे भेजले कि उ लोग अंगूर के बगइचा के फल देवे, लेकिन किसान ओकरा के पीट के खाली भेज देले।
11 फिर से उ एगो अउरी नौकर के भेजले, उ लोग ओकरा के भी पीट के शर्मिंदा तरीका से निहोरा कईले अवुरी ओकरा के खाली भेज देले।
12 ऊ फेरु से तीसरा के भेजलन आ ऊ लोग ओकरा के घायल क के बाहर निकाल दिहल।
13 अंगूर के बगइचा के मालिक कहलस, हम का करब? हम अपना प्रिय बेटा के भेजब, हो सकता कि उ लोग ओकरा के देख के ओकर आदर करीहे।
14 किसान लोग ओकरा के देख के आपस में बतकही करत कहलस कि, “इहे वारिस ह।
15 उ लोग ओकरा के अंगूर के बगइचा से बाहर निकाल के मार देले। अंगूर के बगइचा के मालिक ओह लोग के का करीहें?
16 ऊ आके एह किसानन के नष्ट कर दी आ अंगूर के बगइचा दोसरा के दे दी। सुन के कहलस कि भगवान ना करस।
17 ऊ ओह लोग के देख के कहलन, “ तब ई का लिखल बा कि, “जवना पत्थर के निर्माण करे वाला लोग ठुकरा दिहले रहे, उहे कोना के सिर बन गइल बा?”
18 जे भी ओह पत्थर पर गिर जाई, उ टूट जाई। बाकिर जेकरा पर गिर जाई ओकरा के पीस के पाउडर बना दी.
19 ओही समय मुख्य याजक आ शास्त्री लोग ओकरा पर हाथ डाले के कोशिश कइल। उ लोग लोग से डेरात रहले, काहेकि उ लोग समझत रहले कि उ इ दृष्टांत ओ लोग के खिलाफ कहले बाड़े।
20 उ लोग ओकरा के देखत रहले अवुरी जासूस भेजले, जवन कि अपना के धर्मी आदमी के नाटक करत रहले, ताकि उ लोग उनुका बात के पकड़ लेव, ताकि उ लोग उनुका के राज्यपाल के अधिकार अवुरी अधिकार में सौंप सकस।
21 उ लोग ओकरा से पूछले, “गुरु, हमनी के जानत बानी जा कि तू सही कहत बाड़ आ सिखावत बाड़, ना केहू के व्यक्ति के स्वीकार करत बाड़ू, बल्कि सही में परमेश्वर के रास्ता सिखावत बाड़।
22 का हमनी के कैसर के कर देवे के उचित बा कि ना?
23 लेकिन उ ओह लोग के चालबाजी के समझ के कहलस, “ तू लोग हमरा के काहे परीक्षा देत बाड़ू?
24 हमरा के एक पइसा देखा दऽ। केकर छवि आ सुपरस्क्रिप्ट बा?
उ लोग जवाब देके कहलस कि कैसर के ह।
25 ऊ ओह लोग से कहलन, “ एहसे कैसर के जवन चीज बा ऊ कैसर के दे दीं आ भगवान के जवन चीज ह ऊ भगवान के दे दीं।”

26 उ लोग लोग के सामने उनकर बात के पकड़ ना पवलस, उ लोग उनकर जवाब देख के अचरज में पड़ गईले अवुरी चुप रह गईले।
27 तब सदुकी लोग में से कुछ लोग उनकरा लगे अइले, जे लोग एह बात से इनकार करत बा कि कवनो जिंदा होखे के बात बा। उ लोग उनुका से पूछले कि
28 "गुरु जी, मूसा हमनी के लिखले बाड़न कि अगर केहू के भाई के मेहरारू होके मर जाव आ ऊ बिना संतान के मर जाव त ओकर भाई अपना मेहरारू के लेके अपना भाई के संतान पैदा कर देव।"
29 एह से सात भाई रहलन आ पहिला भाई के बियाह कइलस आ बिना संतान के मर गइल।
30 दूसरका ओकरा के बियाह क लिहलस अवुरी उ बिना संतान के मर गईल।
31 तीसरा ओकरा के पकड़ लिहलस। आ ओही तरह से सातों लोग भी कवनो संतान ना छोड़ के मर गइलन।
32 आखिर में उ औरत के भी मौत हो गईल।
33 एह से पुनरुत्थान के समय उ ओह लोग में से केकर मेहरारू हई? काहे कि सात लोग के उनुकर पत्नी बनवले रहे।
34 यीशु उनकरा से कहलन, " एह संसार के लइका लोग बियाह करेला आ बियाह में दिहल जाला।
35 लेकिन जे लोग ओह संसार आ मुवलन में से जी उठला के लायक मानल जाई, उ ना त बियाह करीहे, ना बियाह में दिहल जाई।
36 ना ही उ लोग अब मर सकेलन, काहेकि उ लोग स्वर्गदूतन के बराबर बा। आ जी उठला के संतान होके परमेश्वर के संतान हवें।
37 अब जब मुइल लोग जिंदा हो गइल बा त मूसा भी झाड़ी के सामने देखा दिहलन जब ऊ प्रभु के अब्राहम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर आ याकूब के परमेश्वर कहत रहलन।
38 काहेकि उ मुअल लोग के परमेश्वर ना हउवें, बल्कि जिंदा लोग के परमेश्वर हउवें, काहेकि सब लोग उनकरा खातिर जिंदा बा।
39 तब कुछ शास्त्री लोग जवाब दिहलस, "गुरु जी, तू बढ़िया से कहले बाड़।"
40 ओकरा बाद उ लोग ओकरा से कवनो सवाल पूछे के हिम्मत ना कईले।
41 ऊ ओह लोग से पूछले, " उ लोग कइसे कहत बा कि मसीह दाऊद के बेटा ह?"
42 दाऊद खुद भजन संहिता के किताब में कहले बाड़न कि, "परमेशवर हमरा प्रभु से कहले, "तू हमरा दाहिना ओर बईठ जा।"
43 जबले हम तोहार दुश्मनन के तोहार गोड़ के ठेहुन ना बना देब।
44 तब दाऊद ओकरा के प्रभु कहत हउवें, त ऊ आपन बेटा कइसे ह?
45 तब सब लोग के सुनत उ अपना चेलन से कहलन।
46 ओह शास्त्री लोग से सावधान रहऽ जे लमहर कपड़ा में चले के चाहत बाड़े आ बाजारन में नमस्कार करे के चाहत बाड़े, आराधनालयन में सबसे ऊँच आसन आ भोज में मुख्य कमरा से चले के चाहत बाड़े।
47 ऊ लोग विधवा लोग के घर खात बा आ देखावे खातिर लमहर प्रार्थना करत बा आ ओकरा के अउरी सजा मिल जाई।

अध्याय 21 के बा

1 ऊ आँख उठा के देखलन कि अमीर लोग आपन उपहार खजाना में डालत बा।
2 उ एगो गरीब विधवा के भी दू गो माइटी डालत देखले।
3 उ कहलस, " हम तोहनी से सच कहत हई कि इ गरीब विधवा सब से जादा घर डाल देले बिया।
4 काहेकि ई सब लोग आपन भरमार से परमेस् वर के बलिदान में डाल देले बा, लेकिन उ अपना गरीबी में जवन कुछ भी रहे, ओकरा के डाल देले बिया।
5 जइसे कुछ लोग मंदिर के बारे में कहत रहे कि कइसे ऊ बढ़िया पत्थर आ उपहार से सजावल गइल बा।
6 रहल बात इ सब जवन तू देखब त उ दिन आई, जवना में एक पत्थर दूसरा प ना छोड़ल जाई, जवन कि ना फेंकल जाई।
7 उ लोग ओकरा से पूछले, "गुरु, लेकिन इ सब कब होई? आ जब ई सब हो जाई त कवन निशानी होई?
8 ऊ कहलन, " सावधान रहऽ कि तू लोग धोखा मत खाईं, काहेकि बहुत लोग हमरा नाम से आके कहत होई कि हम मसीह हईं। आ समय नजदीक आवत बा, एहसे तू लोग ओह लोग के पीछे मत जाईं।
9 जब तू लोग युद्ध आ हंगामा के खबर सुनब त डेरा मत जाईं काहे कि पहिले ई सब होखे के चाहीं। बाकिर अंत धीरे-धीरे ना होला.
10 तब उ उनकरा से कहलन, " एक जाति राष्ट्र के खिलाफ आ राज्य के खिलाफ राज्य के खिलाफ उठत होई।
11 आ कई जगह पर बड़हन भूकंप आ अकाल आ महामारी हो जाई। आ स्वर्ग से भयावह नजारा आ बड़हन निशानी लउकी।
12 लेकिन एह सब से पहिले उ लोग तोहनी पर हाथ डाल के तोहनी के सताई, तोहनी के हमरा नाम खातिर राजा आ शासकन के सामने ले आवल जाई।
13 उ गवाही खातिर तोहनी के ओर मुड़ जाई।
14 एह से अपना मन में ई बात तय करीं कि तू लोग जवन जवाब देब ओकरा से पहिले मनन मत करीं।
15 काहेकि हम तोहरा के एगो अइसन मुँह आ बुद्धि देब जवना के तोहार सब विरोधी ना रोक पइहें ना विरोध कर पइहें।
16 तोहनी के माई-बाप, भाई, रिश्तेदार आ दोस्त दुनु के धोखा दिहल जाई। आ तोहनी में से कुछ लोग के हत्या कर दीहें।
17 हमरा नाम के चलते तोहनी से सब लोग नफरत करी।
18 लेकिन तोहरा माथा के एको बाल नाश ना होई।
19 अपना धैर्य से आपन प्राणी के अपना कब्जा में ले लीं।
20 जब तू यरूशलेम के सेना से घेरल देखब त जान लीं कि ओकर उजाड़ होखे के समय करीब बा।
21 तब यहूदिया के लोग पहाड़ पर भाग जास। आ जे ओकरा बीच में बा, उ लोग बाहर निकल जाव। आ जे देशन में बा ऊ लोग ओहमें ना घुसे.
22 काहेकि इहे बदला लेवे के दिन ह, ताकि लिखल सब बात पूरा होखे।
23 लेकिन ओह दिनन में गर्भवती आ दूध पियावे वाला के हाय! काहे कि एह देश में बहुते संकट आ एह लोग पर क्रोध हो जाई.
24 ऊ लोग तलवार के धार से गिर जाई आ सब जाति में बंदी बना के ले जाइल जाई आ यरूशलेम गैर-यहूदी लोग के दबा दिहल जाई जब तक कि गैर-यहूदी लोग के समय पूरा ना हो जाई।

25 सूरज, चाँद आ तारा में निशानी देखाई दिही। आ धरती पर
राष्ट्रन के संकट, भ्रम के साथ। समुंदर आ लहर के गर्जना;
26 आदमी के दिल डर से आ धरती पर आवे वाला चीजन के
देखभाल करे से कमजोर हो जाला, काहे कि स्वर्ग के शक्ति हिल
जाई।
27 तब उ लोग मनुष्य के बेटा के बादल में शक्ति आ बहुत
महिमा से आवत देखिहे।
28 जब ई सब होखे लागी त ऊपर देख के आपन माथा उठाईं।
काहे कि तोहार मोक्ष नजदीक आ गइल बा।
29 ऊ ओह लोग से एगो दृष्टान्त बोलवले। अंजीर के पेड़ आ सब
पेड़ देखऽ।
30 जब उ लोग अब उड़त बाड़े त तू लोग खुदे देखब आ जानत
होखब कि गर्मी के समय नजदीक आ गईल बा।
31 ओइसहीं तू लोग जब ई सब होखत देखऽ त जान लीं कि
परमेश्वर के राज्य नजदीक आ गइल बा।
32 हम तोहनी से सच कहत हई कि जब तक सब कुछ पूरा ना
हो जाई तब तक इ पीढ़ी ना बीत पाई।
33 आकाश आ धरती खतम हो जाई, लेकिन हमार बात ना खतम
होई।
34 आ अपना के सावधान रहीं कि कहीं कबो तोहनी के दिल में
अतिशयोक्ति, नशा, आउर जीवन के चिंता के भार ना होखे आ उ
दिन तोहनी पर अनजाने में ना आ जाव।
35 काहेकि ई पूरा धरती पर रहे वाला सब लोग पर जाल के रूप
में आ जाई।
36 एह से तू लोग जागल रहऽ आ हमेशा प्रार्थना करत रहऽ कि
तू लोग के एह सब घटना से बचे के लायक मानल जा सके आ
मनुष्य के बेटा के सामने खड़ा होखे के लायक मानल जा सके।
37 दिन में उ मंदिर में शिक्षा देत रहले। रात में ऊ बाहर निकल
के जैतून के पहाड़ कहल जाला।
38 सब लोग सबेरे सबेरे मंदिर में उनकर बात सुने खातिर
उनकरा लगे अईले|

अध्याय 22 के बा

1 अब खमीर के रोटी के परब नजदीक आ गईल, जवना के
फसह कहल जाला।
2 मुख्य याजक आ शास्त्री लोग ओकरा के कइसे मार सके,
ओकरा के खोजत रहे। काहे कि उ लोग जनता से डेरात रहले।
3 तब शैतान इस्करियोती नाम के यहूदा में घुस गईल।
4 ऊ अपना रास्ता से चल के मुख्य याजक आ सेनापति लोग से
बातचीत कइलन कि ऊ ओकरा के कइसे धोखा दे सकेला।
5 उ लोग खुश होके ओकरा के पईसा देवे के वादा कईले।
6 ऊ वादा कइलन आ भीड़ के अनुपस्थिति में उनकरा के धोखा
देवे के मौका खोजत रहलन।
7 तब अखमीरी रोटी के दिन आईल जब फसह के पर्व के मारल
जरूरी रहे।
8 ऊ पतरस आ यूहन्ना के भेजलन कि, " जा के हमनी के फसह
के पर्व तइयार करऽ, ताकि हमनी के खाना खाईं जा।"
9 उ लोग ओकरा से पूछले, "तू चाहत बाड़ू कि हमनी के कहाँ
तैयार करीं जा?"
10 ऊ ओह लोग से कहलन, " देखऽ, जब तू लोग शहर में
घुसबऽ तऽ पानी के घड़ा लेके एगो आदमी मिल जाई। ओकरा
पीछे-पीछे ओह घर में घुस जाला जहाँ ऊ घुसेला।
11 घर के मालिक से कहब कि गुरु तोहरा से कहतारे कि, उ
अतिथि कक्ष कहाँ बा, जहवा हम अपना चेलन के संगे फसह
खाएब?
12 ऊ तोहके ऊपर के एगो बड़हन कमरा देखा दी जवन
सुसज्जित बा, ओहिजा तइयार करऽ।
13 उ लोग जाके उ लोग के कहला के मुताबिक मिलल।
14 जब समय आईल त उ बारह गो प्रेरित भी बईठ गईले।
15 ऊ ओह लोग से कहलन, " हम दुख से पहिले तोहनी के साथे
ई फसह के पर्व खाए के इच्छुक बानी।
16 हम तोहनी से कहत हई कि जब तक परमेश्वर के राज्य में पूरा
ना हो जाई तब तक हम एकर फल ना खाएब।
17 ऊ प्याला लेके धन्यवाद दिहलन आ कहले, " ई ले के आपस
में बाँट लीं।
18 हम तोहनी से कहत हई कि जब तक परमेश्वर के राज्य ना
आई तब तक हम बेल के फल ना पीब।
19 ऊ रोटी लेके धन्यवाद दिहलन आ ओकरा के तोड़ के ओह
लोग के दिहलन आ कहलन कि ई हमार देह ह जवन तोहनी
खातिर दिहल गइल बा.
20 ओइसहीं रात के खाना खइला के बाद प्याला भी कहत रहे
कि, " ई प्याला हमरा खून से नया नियम ह जवन तोहनी खातिर
बहावल गइल बा।"
21 लेकिन देख, हमरा के धोखा देवे वाला के हाथ हमरा संगे मेज
प बा।
22 आदमी के बेटा जइसन तय कइल गइल रहे, ओइसहीं चलत
बा, बाकिर धिक्कार बा कि ऊ आदमी जेकरा द्वारा ओकरा के
धोखा दिहल गइल बा!
23 उ लोग आपस में पूछताछ करे लगले कि उ लोग में से के इ
काम करे वाला बा।
24 ओह लोग के बीच झगड़ा भी हो गइल कि ओह लोग में से
केकरा के सबसे बड़ मानल जाव।
25 ऊ ओह लोग से कहलन, " गैर-यहूदी के राजा लोग ओह लोग
पर प्रभुत्व राखेला। आ जे ओह लोग पर अधिकार राखेला ओकरा
के उपकारी कहल जाला.
26 लेकिन तू लोग अइसन ना होखब, लेकिन जे तोहनी में से बड़
बा, उ छोटका निहन होखे। आ जे मुखिया बा, उ सेवा करे वाला
के निहन।
27 काहे कि खाना खाए बईठल भा सेवा करे वाला के बड़ बा?
का उ भोजन करे बईठल ना ह? लेकिन हम तोहनी के बीच में
ओइसहीं बानी जइसे सेवा करेला।
28 तू उहे हईं जे हमरा परीक्षा में हमरा साथे बनल रहलू।
29 हम तोहनी खातिर एगो राज्य के नियुक्ति करत बानी, जइसे
हमार पिता हमरा खातिर तय कइले बाड़न।
30 ताकि तू लोग हमरा राज्य में हमरा मेज पर खाईं-पी सकीले
आ सिंहासन पर बइठ के इस्राएल के बारह गो गोत्र के न्याय कर
सकीले।
31 प्रभु कहलन, " शमौन, शमौन, देखऽ, शैतान तोहरा के लेबे के
चाहत बा कि ऊ तोहनी के गेहूं नियर छान सके।
32 लेकिन हम तोहरा खातिर प्रार्थना कइले बानी कि तोहार
विश्वास कमजोर मत होखे, आ जब तू फेर से बदल जाईब त
अपना भाई लोग के मजबूत करऽ।
33 ऊ ओकरा से कहलस, "प्रभु, हम तोहरा साथे जेल आ मौत
दुनु में जाए खातिर तइयार बानी।"

34 ऊ कहलस, " पतरस, हम तोहरा से कहत बानी कि आज मुर्गा ना बाजत, ओकरा से पहिले कि तू हमरा के जाने से तीन बेर इनकार करऽ।"
35 ऊ ओह लोग से कहलस, " जब हम तोहनी के बिना पर्स, स्प्रिप आ जूता के भेजले रहनी त तोहनी के कवनो कमी रहे? उ लोग कहलस, कुछुओ ना।
36 तब ऊ ओह लोग से कहलस, " जेकरा लगे पर्स बा, ऊ ओकरा के ले लेव आ ओइसहीं ओकर तलवार ले जाव, आ जेकरा लगे तलवार नइखे, ऊ आपन कपड़ा बेच के खरीद लेव।
37 काहेकि हम तोहनी से कहत बानी कि हमरा में जवन लिखल लिखल बा, उ अभी तक पूरा होखे के चाही कि उ अपराधी लोग में गिनल गईल, काहेकि हमरा बारे में बात के अंत हो गईल बा।
38 उ लोग कहलस, "प्रभु, देख, इहाँ दुगो तलवार बा।" ऊ ओह लोग से कहलन, " बहुत हो गइल बा."
39 ऊ बाहर निकल के अपना आदत के अनुसार जैतून के पहाड़ पर चल गइलन। उनकर चेला लोग भी उनकरा पीछे-पीछे चलल।
40 जब उहाँ उहाँ पहुँचले त उ लोग से कहले, " प्रार्थना करीं कि तू लोग परीक्षा में मत पड़ जाइब।"
41 ऊ ओह लोग से लगभग पत्थर के ढाल से दूर हो गइलन आ घुटना टेक के प्रार्थना कइलन.
42 ऊ कहलन, " हे पिता, अगर तू चाहत बाड़ऽ त ई प्याला हमरा से हटा दीं, बाकिर हमार इच्छा ना, तोहार इच्छा पूरा होखे."
43 ऊ स्वर्ग से एगो स्वर्गदूत उनका के मजबूत करत प्रकट भइलन।
44 ऊ तड़पत रहलन आउर गंभीरता से प्रार्थना कइलन आ पसीना जमीन पर गिरत खून के बड़हन बूंद जइसन हो गइल।
45 जब उ प्रार्थना से उठ के अपना चेलन के लगे पहुंचले त उ लोग के दुख से सुतल देखले।
46 उ लोग से कहलस, " तू लोग काहे सुतत बाड़ू? उठ के प्रार्थना करीं कि कहीं परीक्षा में मत पड़ जाइब।
47 जब उ अभी तक बोलत रहले त देखलस कि एगो भीड़ आ बारह में से एगो यहूदा नाम के आदमी उ लोग के आगे बढ़ के यीशु के चुम्मा लेवे के नजदीक आ गईले।
48 लेकिन यीशु ओकरा से पूछले, " यहूदा, का तू आदमी के बेटा के चुम्मा लेके धोखा दे रहल बाड़ू?"
49 जब ओकरा आसपास के लोग ओकरा बाद का होखे वाला देख के कहलस, "हे प्रभु, का हमनी के तलवार से मार देब जा?"
50 ओहमें से एगो महायाजक के नौकर के पीट के ओकर दाहिना कान काट दिहलस।
51 यीशु जवाब दिहलन, " तू लोग अब तक सहन करऽ।" आऊ उनकर कान छू के ठीक कर दिहलन।
52 तब यीशु उनकरा लगे आइल मुख्य याजक, मंदिर के सेनापति आ बुजुर्ग लोग से कहले, " का रउवां तलवार आ लाठी लेके चोर के खिलाफ निकलल बानी?"
53 जब हम रोज तोहनी के साथे मंदिर में रहनी त तू हमरा खिलाफ हाथ ना बढ़वनी, लेकिन इहे तोहार समय ह आ अन्हार के ताकत ह।
54 तब उ लोग ओकरा के लेके महायाजक के घर में ले गईले। पतरस दूर-दूर तक पीछे-पीछे चल गईले।
55 जब उ लोग दलान के बीच में आग जरा के एक संगे बईठ गईले त पतरस ओ लोग के बीच बईठ गईले।
56 एगो नौकरानी ओकरा के आग के लगे बईठल देख के ओकरा के गंभीरता से देखलस अवुरी कहलस कि, इ आदमी भी उनुका संगे रहे।
57 उ ओकरा से इनकार करत कहले, "मेरी, हम ओकरा के नईखी जानत।"
58 कुछ देर बाद एगो अउरी आदमी उनका के देख के कहलस, "तू भी ओह लोग में से हउअ।" पतरस कहलस, "यार, हम नइखी।"
59 करीब एक घंटा के बाद एगो आदमी भरोसा से कहलस कि, "सच में इ आदमी भी ओकरा संगे रहे, काहेकि उ गलील के हवे।"
60 पतरस कहलस, "यार, हम नइखी जानत कि तू का कहत बाड़ू।" आ जब ऊ अबहीं बोलत रहले त तुरते मुर्गा क्रूर हो गइल.
61 प्रभु मुड़ के पतरस के ओर देखले। पतरस प्रभु के वचन के याद कइलन कि ऊ कइसे कहले रहले कि मुर्गा बाजे से पहिले तू हमरा से तीन बेर इनकार करऽ।
62 पतरस बाहर निकल के कड़ुआ रोअत रहले।
63 यीशु के पकड़े वाला लोग उनकर मजाक उड़ावत मार दिहलस।
64 जब उ लोग उनकर आँख पर पट्टी बांध के उनकर चेहरा पर मार के पूछले कि, "भविष्यवाणी करऽ, तोहरा के के मार दिहलस?"
65 उ लोग उनकरा खिलाफ अउरी बहुत बात के निंदा करत रहले|
66 दिन होते ही लोग के बुजुर्ग आउर मुखिया याजक आ शास्त्री लोग एकजुट होके उनका के अपना मंडली में ले गईले आ कहलन|
67 का तू मसीह हउअ? बताईं हमनी के। ऊ ओह लोग से कहलन कि अगर हम तोहनी के बताइब त तू लोग विश्वास ना करबऽ।
68 अगर हमहूँ तोहसे पूछब त तू लोग हमरा के जवाब ना देबऽ आ ना ही हमरा के जाए देबऽ।
69 एकरा बाद मनुष्य के बेटा परमेश्वर के शक्ति के दाहिना ओर बईठ जाई।
70 तब उ सब कहलस, "का तू परमेश्वर के बेटा हउअ?" ऊ ओह लोग से कहलन, " तू लोग कहत बाड़ऽ कि हम हईं."
71 उ लोग पूछले, "हमनी के अउरी गवाही के का जरूरत बा? काहे कि हम खुदे उनकर मुँह सुनले बानी।

अध्याय 23 के बा

1 उ लोग के पूरा भीड़ उठ के ओकरा के पिलातुस के लगे ले गईल।
2 उ लोग ओकरा प आरोप लगावे लगले, "हमनी के इ आदमी के राष्ट्र के बिगाड़त देखनी अवुरी कैसर के कर देवे से मना करत देखनी कि उ खुद मसीह राजा हवे।"
3 पिलातुस ओकरा से पूछले, "का तू यहूदी लोग के राजा हउअ?" ऊ जवाब दिहलन आ कहलन कि तू कहत बाड़ऽ.
4 पिलातुस मुख्य याजक आ लोग से कहले, "हमरा एह आदमी में कवनो दोष नइखे लागत।"
5 उ लोग अउरी भयंकर होके कहत रहले कि, "उ गलील से लेके इ जगह तक पूरा यहूदी देश में शिक्षा देत लोग के भड़कावेला।"
6 जब पिलातुस गलील के बारे में सुनले त पूछले कि का उ आदमी गलील के हवे।

7 जइसहीं उनुका पता चलल कि ऊ हेरोदेस के अधिकार क्षेत्र के हवें, ऊ ओकरा के हेरोदेस के लगे भेज दिहलन, जे ओह घरी खुद यरूशलेम में रहले।
8 हेरोदेस जब यीशु के देखले त उ बहुत खुश हो गईले, काहेकि उ बहुत दिन से उनुका के देखे के चाहत रहले, काहेकी उ उनुका बारे में बहुत बात सुनले रहले। आ उनुका उमेद रहे कि ऊ अपना ओर से कवनो चमत्कार देखले होखीहें.
9 तब ऊ ओकरा से बहुत शब्दन में पूछताछ कइलन। लेकिन उ ओकरा के कुछूओ जवाब ना देले।
10 तब मुख्य याजक आ शास्त्री लोग खड़ा होके ओकरा पर कड़ा आरोप लगवलस।
11 हेरोदेस अपना लड़ाकू लोग के साथे उनकरा के बदनाम कइलस आ मजाक उड़ा दिहलस आ एगो बढ़िया वस्त्र पहिन के पिलातुस के लगे भेज दिहलस।
12 ओही दिन पिलातुस आ हेरोदेस के दोस्ती हो गइल काहे कि पहिले दुनु जाना के बीच दुश्मनी रहे।
13 पिलातुस जब ऊ मुख्य याजक, शासक आ लोग के एकट्ठा कइलन।
14 ओह लोग से कहलन कि, "तू लोग एह आदमी के हमरा लगे ले आइल बाड़ऽ जइसे कि ऊ लोग के बिगाड़त बा, आ देखऽ, हम तोहनी से सामने ओकर जाँच क के एह आदमी में कवनो दोष नइखीं पावल जवना के बारे में तू लोग ओकरा पर आरोप लगावत बाड़ऽ।
15 ना, ना ही हेरोदेस, काहेकि हम तोहके ओकरा लगे भेजले बानी। आ देखऽ, ओकरा साथे मौत के लायक कवनो काम नइखे होखत।
16 एहसे हम ओकरा के ताड़ब आ ओकरा के छोड़ देब।
17 (काहेकि ओकरा के भोज में एगो के छोड़ देवे के पड़ी।)
18 उ लोग एके बेर चिल्ला के कहलस कि, "एह आदमी के दूर क के बरब्बा के हमनी के छोड़ दीं।
19 (उनका के शहर में एगो विद्रोह आ हत्या के कारण जेल में डाल दिहल गइल।)
20 पिलातुस यीशु के छोड़े के इच्छुक होके फेर से उनकरा से बात कईले|
21 लेकिन उ लोग चिल्ला के कहलस, "उनुका के सूली पर चढ़ा दऽ, सूली पर चढ़ा दऽ।"
22 ऊ तीसरा बेर ओह लोग से पूछलन, "काहे, ऊ कवन बुराई कइले बा?" हम ओकरा में कवनो मौत के कारण नईखी मिलल, एहसे हम ओकरा के सजा देब अवुरी ओकरा के छोड़ देब।
23 उ लोग तुरते तेज आवाज में कहलस कि उनुका के सूली पर चढ़ावल जा सके। आ उनकर आ मुख्य याजकन के आवाज हावी हो गइल।
24 पिलातुस सजा सुनवले कि उ लोग के मांग के मुताबिक होखे।
25 जेकरा के उ लोग बगावत आ हत्या के आरोप में जेल में डाल दिहल गइल रहे, ओकरा के छोड़ दिहलन। लेकिन उ यीशु के ओ लोग के मर्जी के मुताबिक सौंप देले।
26 जब उ लोग ओकरा के ले जात रहे, त उ लोग एगो सिरेनियन के एगो शमौन के पकड़ लिहले, जवन कि एगो सिरेनियन रहे, जवन कि देहात से निकलत रहे अवुरी ओकरा प क्रूस डाल देले, ताकि उ यीशु के बाद ओकरा के उठा सके।
27 उनकरा पीछे-पीछे बहुत लोग आ मेहरारू लोग भी उनकर विलाप आ विलाप करत रहे।
28 लेकिन यीशु ओह लोग के ओर मुड़ के कहलन, " यरूशलेम के बेटी लोग, हमरा खातिर मत रोईं, बलुक अपना आ अपना लइकन खातिर रोईं।
29 काहे कि देखऽ, ऊ दिन आवे वाला बा जब ऊ लोग कह दी कि, "धन्य बा बंजर, ऊ गर्भ जवन कबो ना पैदा कइले रहे आ ऊ बच्चा जवन कबो दूध ना पवले रहे."
30 तब ऊ लोग पहाड़न से कहे लागी कि हमनी पर गिर जाईं। आ पहाड़ी तक, हमनी के ढंक लीं।
31 अगर उ लोग हरियर पेड़ में इ काम करीहे त सूखल पेड़ में का होई?
32 दू गो अउरी अपराधी भी रहले, जेकरा के ओकरा साथे हत्या करे खातिर ले जाइल गइल।
33 जब उ लोग कलवारी नाम के जगह प पहुंचले त उ लोग उनुका अवुरी अपराधी के एगो दाहिना ओर अवुरी दूसरा बायां ओर सूली प चढ़ा देले।
34 तब यीशु कहलन, " बाबू, ओ लोग के माफ करऽ। काहे कि ऊ लोग नइखे जानत कि ऊ लोग का करत बा. उ लोग उनकर कपड़ा बांट के चिट्ठी खेलले।
35 लोग देखत खड़ा हो गइल। उ लोग के साथे शासक भी उनकर मजाक उड़ावत कहले, "उ दोसरा के बचा लिहले। अगर उ परमेश्वर के चुनल मसीह हवे त उ खुद के बचावे।
36 सिपाही भी उनकर मजाक उड़ावत उनकरा लगे आके सिरका चढ़वले|
37 ऊ कहलन कि अगर तू यहूदी लोग के राजा हउअ त अपना के बचा लीं।
38 ओकरा ऊपर ग्रीक, लैटिन आ हिब्रू के अक्षर में लिखल रहे कि ई यहूदी लोग के राजा ह।
39 फांसी पर लटकल अपराधी में से एगो दोषी ओकरा के गारी देत कहलस कि, "अगर तू मसीह हउअ त अपना के आ हमनी के बचा लीं।"
40 लेकिन दूसरका ओकरा के डांटत कहलस, "का तू भगवान से डेरात नइखऽ कि तू ओही सजा में बाड़ऽ?
41 आ हमनी के साँचहू न्यायसंगत बानी जा। काहे कि हमनी के अपना काम के उचित इनाम मिलेला, लेकिन इ आदमी कवनो गलत काम नईखे कईले।
42 ऊ यीशु से कहलन, "प्रभु, जब तू अपना राज्य में अइबऽ त हमरा के याद करऽ।"
43 यीशु ओकरा से कहलन, " हम तोहरा से सच कहत बानी कि आज तू हमरा साथे जन्नत में रहब।"
44 छठवाँ बजे के करीब रहे आ नौवां बजे तक पूरा धरती पर अन्हार हो गइल।
45 सूरज अन्हार हो गइल आ बीच में मंदिर के पर्दा फाट गइल।
46 जब यीशु जोर से चिल्ला के कहले, " बाबू , हम आपन आत्मा तोहरा हाथ में सौंप देले बानी।
47 जब सेनापति के काम देखलन त उ परमेश्वर के महिमा करत कहले, "सचहूँ इ एगो धर्मी आदमी रहले।"
48 उ सब लोग जवन सब लोग ओह दर्शन में एकट्ठा हो गईल रहे, उ सब काम देख के आपन छाती पीट के वापस आ गईले।
49 उनकर सब जान-पहचान आ गलील से उनकर पीछे-पीछे आवे वाली मेहरारू लोग दूर खड़ा होके ई सब देखत रहली।
50 यूसुफ नाम के एगो आदमी एगो सलाहकार रहले। उ एगो अच्छा आदमी आ धर्मी रहले।

51 (उहे ओह लोग के सलाह आ काम से सहमत ना रहले) उ यहूदी लोग के शहर अरिमाथिया के रहले, उ खुद परमेश्वर के राज्य के इंतजार करत रहले।
52 इ आदमी पिलातुस के पास जाके यीशु के लाश के भीख मांगलस|
53 ऊ ओकरा के उतार के लिनन में लपेट के एगो कब्र में रख दिहलन जवन पत्थर में उकेरल रहे, जवना में कबो केहू के ना बिछावल गइल रहे।
54 उ दिन तइयारी के दिन रहे आ सब्त के दिन आवत रहे।
55 गलील से उनकरा साथे आइल मेहरारू लोग भी पीछे-पीछे चल के कब्र के देखली आ उनकर लाश कइसे बिछावल गइल बा।
56 उ लोग वापस आके मसाला आ मरहम तैयार कईले। आज्ञा के अनुसार सब्त के दिन आराम कइलन।

अध्याय 24 के बा

1 हफ्ता के पहिला दिन सबेरे-सबेरे उ लोग जवन मसाला तैयार कईले रहले, ओकरा संगे कुछ अवुरी लोग लेके कब्र के लगे पहुंचले।
2 उ लोग कब्र से पत्थर के लुढ़कावल देखले।
3 उ लोग अंदर घुसल त प्रभु यीशु के लाश ना मिलल।
4 जब उ लोग एह बारे में बहुत अचरज में पड़ल रहले त देख, उ लोग के लगे चमकत कपड़ा पहिनले दु आदमी खड़ा रहले।
5 जब ऊ लोग डेराइल आ धरती के सामने मुँह झुका के कहलस, "तू लोग मुअल लोग के बीच में जिंदा लोग के काहे खोजत बाड़ऽ?
6 उ इहाँ नईखन, लेकिन जी उठल बाड़े, याद करीं कि जब उ गलील में रहले, त उ रउआ से कईसे कहले रहले।
7 ऊ कहलन कि, "मनुष्य के बेटा के पापी लोग के हाथ में सौंपल के सूली पर चढ़ावल जरूरी बा आ तीसरा दिन जी उठल जरूरी बा।"
8 ऊ लोग उनकर बात याद कइल।
9 कब्र से लवट के एगारह लोग आ बाकी सब लोग के इ सब बात बतवले।
10 मरियम मगदलीनी, योआना, याकूब के महतारी मरियम आ अउरी मेहरारू लोग प्रेरित लोग के ई बात बतवली।
11 उ लोग के बात बेकार के किस्सा निहन लागल, लेकिन उ लोग ओकरा प विश्वास ना कईले।
12 पतरस उठ के कब्र के ओर भाग गईले। झुक के ऊ लिनन के कपड़ा के अपना से बिछल देखलन आ अपना मन में अचरज से चल गइलन कि जवन भइल बा.
13 ओही दिन उनमें से दू गो इमाऊस नाम के गाँव में चल गइलन जवन यरूशलेम से करीब साठ फर्लांग दूर रहे।
14 उ लोग एक संगे इ सब घटना के बारे में बतियावत रहले।
15 जब उ लोग एक संगे बतकही करत रहले अवुरी चर्चा करत रहले, त यीशु खुद नजदीक आके ओ लोग के संगे चल गईले।
16 लेकिन उ लोग के नजर टिकल रहे कि उ लोग उनुका के ना जानस।
17 ऊ ओह लोग से पूछले, " चलत-चलत-चलत दुखी होके एक-दूसरा से कवन-कवन संवाद बा?
18 ओह लोग में से एगो जेकर नाम क्लिओपास रहे, ऊ ओकरा से कहलस, "का तू यरूशलेम में खाली परदेसी हउअ आ आजकल उहाँ के घटना के बारे में नइख जानत?"
19 ऊ ओह लोग से पूछले, " का बात बा? उ लोग ओकरा से कहलस, "नासरत के यीशु के बारे में, जे परमेश्वर आ सब लोग के सामने काम आ बात में शक्तिशाली भविष्यवक्ता रहले।
20 कइसे मुख्य याजक आ हमनी के शासक ओकरा के मौत के सजा सुनावे खातिर सौंप दिहले आ ओकरा के सूली पर चढ़ा दिहले।
21 लेकिन हमनी के भरोसा रहे कि उहे इस्राएल के छुड़ावे वाला रहले, अवुरी एकरा अलावे आज इ काम भईला के तीसरा दिन बा।
22 हँ, हमनी के साथी के कुछ मेहरारू भी हमनी के अचरज में डाल दिहली, जवन कि कब्र पर सबेरे-सबेरे रहली।
23 जब उनकर लाश ना मिलल त उ लोग आके कहले कि उ लोग स्वर्गदूत के एगो दर्शन भी देखले बाड़े, जवन कहत रहले कि उ जिंदा बाड़े।
24 हमनी के साथे कुछ लोग कब्र पर जाके उहे देखले जइसन कि मेहरारू लोग कहले रहे, लेकिन उ लोग ओकरा के ना देखले।
25 तब ऊ ओह लोग से कहलन, " हे मूर्ख लोग, आ भविष्यवक्ता लोग के कहल सब बात पर विश्वास करे में धीमा दिल वाला लोग।
26 का मसीह के इ सब कष्ट उठा के अपना महिमा में प्रवेश ना करे के चाहत रहे?
27 मूसा आऊ सब भविष्यवक्ता लोग से शुरू होके उ सब पवित्रशास्त्र में उनकरा के बारे में बतावत रहलन।
28 ऊ लोग ओह गाँव के नजदीक आ गइल जहाँ ऊ लोग जात रहे आ ऊ अइसे कइल जइसे ऊ अउरी आगे बढ़ल चाहत होखे.
29 लेकिन उ लोग ओकरा के मजबूर क के कहलस कि, "हमनी के संगे रह, काहेकि सांझ हो गईल बा अवुरी दिन बहुत दूर हो गईल बा।" आ ऊ ओह लोग के साथे रहे खातिर भीतर चल गइलन.
30 जब उ ओ लोग के संगे खाना खात रहले त उ रोटी लेके आशीष देले अवुरी तोड़ के ओ लोग के देले।
31 उ लोग के आँख खुल गईल अवुरी उ लोग उनुका के जान गईले। आ ऊ ओह लोग के नजर से गायब हो गइल.
32 उ लोग एक दूसरा से कहलस, "का हमनी के मन में ना जरल जब उ रास्ता में हमनी से बात करत रहले अवुरी जब उ हमनी के पवित्रशास्त्र के बात खोलत रहले?
33 ओही घरी उ लोग उठ के यरूशलेम लवट के एगारह लोग आ ओह लोग के साथे मौजूद लोग के एकट्ठा होके देखले।
34 ऊ कहलन कि, प्रभु सचहूँ जी उठल बाड़न आ शमौन से प्रगट हो गइल बाड़न।
35 उ लोग बतवले कि रास्ता में का भईल रहे अवुरी रोटी तोड़े में उनुका के कइसे जानल जाला।
36 जब उ लोग इहे बात करत रहले त यीशु खुद ओ लोग के बीच में खड़ा होके कहले, " रउआ लोग के शांति होखे।"
37 लेकिन उ लोग डेरा गईले अवुरी डेरा गईले अवुरी सोचले कि उ लोग कवनो आत्मा के देखले बाड़े।
38 ऊ ओह लोग से कहलन, " तू लोग काहे घबरा गइल बाड़ऽ? आ तोहनी के दिल में काहे विचार उठत बा?
39 हमार हाथ आ गोड़ देखऽ कि हम खुदे हईं, हमरा के संभाल के देखऽ। काहेकि आत्मा के मांस आ हड्डी ना होला, जइसन कि रउआ हमरा के देखत बानी।
40 ई बात कहलन त ऊ लोग के आपन हाथ-गोड़ देखा दिहलन।

41 जब उ लोग अभी तक खुशी से विश्वास ना कईले अवुरी अचरज में रहले, त उ ओ लोग से कहले, " का तोहनी के इहाँ कवनो खाना बा?
42 उ लोग ओकरा के भूसल मछरी के टुकड़ा आ मधुकोश के टुकड़ा दे दिहले।
43 ऊ ओकरा के लेके ओह लोग के सामने खइले।
44 उ लोग से कहलन कि, " हम तोहनी के साथे रहला के दौरान तोहनी से इहे बात कहले रहनी कि मूसा के व्यवस्था, भविष्यवक्ता आ भजन में लिखल सब बात पूरा होखे के चाहीं। हमरा बारे में बतावल गइल बा.
45 तब उ उनकर समझ खोल दिहलन ताकि उ लोग पवित्रशास्त्र के समझ सके।
46 उ लोग से कहलन, "लिखित में लिखल बा कि मसीह के तीसरा दिन कष्ट उठावे के आ मुवलन में से जिए के चाहीं।
47 आउर यरूशलेम से शुरू होके सब जाति के बीच उनकरा नाम से पश्चाताप आ पाप के माफी के प्रचार होखे।
48 तू लोग एह बात के गवाह हउअ।
49 हम अपना पिता के वादा तोहनी पर भेजत बानी, लेकिन जब तक तोहनी के ऊपर से शक्ति ना मिल जाई, तब तक तू यरूशलेम शहर में रहब।
50 ऊ ओह लोग के बेथानी तक ले गइलन आ हाथ उठा के आशीष दिहलन।
51 जब ऊ ओह लोग के आशीष देत रहले त ऊ ओह लोग से अलगा हो गइलन आ स्वर्ग में ले जाइल गइलन.
52 ऊ लोग उनकर आराधना कइल आ बहुत खुशी से यरूशलेम लवट गइल।
53 ऊ लोग मंदिर में लगातार भगवान के स्तुति आ आशीष करत रहलन। आमीन के बा।

यूहन्ना के सुसमाचार के बारे में बतावल गइल बा

अध्याय 1 के बा

1 शुरू में वचन रहे, आ वचन परमेश्वर के साथे रहे, आ वचन परमेश्वर रहले।
2 शुरू में भगवान के साथे भी उहे रहे।
3 सब कुछ उनुके द्वारा बनावल गइल बा। आ ओकरा बिना कवनो अइसन चीज ना बनल जवन बनल होखे।
4 उनकरा में जिनगी रहे। आ जिनगी आदमी के रोशनी रहे।
5 अन्हार में उजाला चमकेला। आ अन्हार ओकरा के ना समुझत रहे।
6 भगवान के ओर से एगो आदमी भेजले रहले, जेकर नाम यूहन्ना रहे।
7 उ इजोत के गवाही देवे खातिर आइल रहे ताकि सब लोग उनकरा से विश्वास कर सके|
8 उ उ रोशनी ना रहले, बालुक उ प्रकाश के गवाही देवे खाती भेजल गईल रहले।
9 उहे सच्चा प्रकाश रहे जवन दुनिया में आवे वाला हर आदमी के रोशन करेला।
10 ऊ दुनिया में रहलन आ दुनिया उनकरा से बनल रहे आ दुनिया उनका के ना जानत रहे।
11 ऊ अपना घरे आ गइलन, बाकिर ओकरे लोग ओकरा के ना ग्रहण कइलन.
12 लेकिन जे भी उनकरा के ग्रहण कइल, उ उनकरा नाम पर विश्वास करे वाला लोग के परमेश्वर के बेटा बने के अधिकार दिहलन।
13 उ लोग खून से ना, ना शरीर के इच्छा से, ना आदमी के इच्छा से, बल्कि परमेश्वर से पैदा भईल बाड़े।
14 वचन शरीर हो गइल आ हमनी के बीच में रह गइलन (आउर हमनी के उनकर महिमा, पिता के एकलौता के महिमा नियर देखनी जा) अनुग्रह आ सच्चाई से भरल।
15 यूहन्ना उनकरा बारे में गवाही देके चिल्ला के कहले, "हम उहे हउवें जेकरा बारे में हम कहले रहनी कि हमरा बाद आवे वाला हमरा से बढ़िया बा, काहेकि उ हमरा से पहिले रहे।"
16 हमनी के सब केहू के उनकर पूर्णता आ अनुग्रह के बदले अनुग्रह मिलल बा।
17 व्यवस्था मूसा के द्वारा दिहल गइल बा, लेकिन अनुग्रह आ सच्चाई यीशु मसीह के द्वारा मिलल बा।
18 केहू भगवान के कबो ना देखले बा। एकलौता बेटा जवन पिता के गोदी में बा, उ ओकरा के बता देले बाड़े।
19 यूहन्ना के इहे गवाही ह जब यहूदी लोग यरूशलेम से याजक आ लेवी लोग के भेज के पूछले कि, "तू के हउअ?"
20 ऊ कबूल कइलन आ इनकार ना कइलन। लेकिन कबूल कईले कि, हम मसीह ना हईं।
21 उ लोग ओकरा से पूछले, "त का? का तू एलियास हउअ? उ कहलस कि हम नईखी। का तू ऊ भविष्यवक्ता हउअ? ऊ जवाब दिहलन, "ना!"
22 तब उ लोग ओकरा से पूछले, "तू के हउअ?" ताकि हमनी के भेजल लोग के जवाब दे सकीले। तू अपना बारे में का कहत बाड़ू?
23 ऊ कहलन, "हम जंगल में एगो के आवाज हईं जे चिल्लात बा कि, "प्रभु के रास्ता सीधा करऽ, जइसन कि यशायाह भविष्यवक्ता कहले रहले."
24 जेकरा के भेजल गइल उ लोग फरीसियन में से रहलन।
25 उ लोग ओकरा से पूछले कि, "तब तू उ मसीह ना हईं, ना एलियास आ ना ही भविष्यवक्ता?
26 यूहन्ना ओह लोग के जवाब दिहलन, "हम पानी से बपतिस्मा देत बानी, लेकिन तोहनी में से एगो खड़ा बा, जेकरा के तू लोग नइखऽ जानत।
27 उहे ह, जे हमरा बाद आवे वाला बा, हमरा से अधिका बा, जेकर जूता के कुंडी खोले लायक नईखी।
28 ई सब यरदन के पार बेथाबरा में भइल जहाँ यूहन्ना बपतिस्मा देत रहले।
29 अगिला दिने यूहन्ना यीशु के अपना लगे आवत देखले आ कहले, "देखऽ, उ परमेश्वर के मेमना ह, जवन दुनिया के पाप के दूर कर देला।"
30 इ उहे ह जेकरा बारे में हम कहले रहनी कि, "हमरा बाद एगो आदमी आई जवन हमरा से जादे बा, काहेकि उ हमरा से पहिले रहे।"
31 हम ओकरा के ना जानत रहनी, लेकिन इस्राएल के सामने उ प्रगट होखे के चलते हम पानी से बपतिस्मा देवे आईल बानी।
32 यूहन्ना गवाही देके कहले कि, हम आत्मा के कबूतर निहन स्वर्ग से उतरत देखनी अवुरी उ ओकरा प रह गईल।
33 हम ओकरा के ना जानत रहनी, लेकिन जे हमरा के पानी से बपतिस्मा देवे खातिर भेजले बा, उ हमरा से कहलस कि, "जेकरा प तू आत्मा के उतरत देखब अवुरी ओकरा प रहत देखब, उहे पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देवेला।"
34 हम देखनी आ गवाही देनी कि इ परमेश्वर के बेटा हवे।
35 यूहन्ना के दू गो चेलन के बाद अगिला दिने फेरु खड़ा हो गइलन।
36 चलत-चलत यीशु के देखत कहलन, "देखऽ, परमेश्वर के मेमना हउवें!"
37 दुनो चेला उनकर बात सुन के यीशु के पीछे-पीछे चल गईले।
38 तब यीशु मुड़ के देखलन कि उ लोग के पीछे-पीछे पीछे-पीछे चलत रहले आ पूछले, " तू लोग का खोजत बाड़ू? उ लोग ओकरा से पूछले, "रब्बी, (जवना के मतलब बा कि "गुरु" तू कहाँ रहत बाड़ू?
39 उ लोग से कहलस, " आके देखऽ।" उ लोग आके देखले कि उ कहाँ रहत रहले अवुरी उ दिन उनुका संगे रहले, काहेंकी करीब दसवां बजे के समय रहे।
40 यूहन्ना के बात सुन के उनकरा पीछे-पीछे चलल दुनो लोग में से एगो सिमोन पतरस के भाई अंद्रियास रहले।
41 उ सबसे पहिले आपन भाई सिमोन के पाके कहलस, "हमनी के मसीह मिल गईल बा, जवना के मतलब मसीह ह।"
42 उ ओकरा के यीशु के लगे ले अइले। जब यीशु ओकरा के देखले त कहले, " तू योना के बेटा शमौन हउअ।
43 ओकरा बाद के दिने यीशु गलील जाए के चाहत रहले, आ फिलिपुस के पाके कहले, " हमरा पीछे चलीं।"
44 फिलिपुस बेतसैदा के रहे वाला रहले, जवन अंद्रियास आ पतरस के शहर रहे।
45 फिलिपुस नथनील के खोज के कहलस, "हमनी के उ यूसुफ के बेटा नासरत के यीशु मिल गईल बा, जेकरा बारे में मूसा व्यवस्था में लिखले रहले।"

46 नथनील ओकरा से कहलस, का नासरत से कवनो बढ़िया बात निकल सकेला? फिलिपुस ओकरा से कहलस, "आके देखऽ।"
47 यीशु नथनील के उनकरा लगे आवत देख के उनकरा बारे में कहलन, " देखऽ, एगो इस्राएली हउवें, जेकरा में कवनो धोखा नइखे!"
48 नथनील ओकरा से कहलस, "तू हमरा के कहाँ से जानत बाड़ू? यीशु जवाब दिहलन, " फिलीप तोहरा के बोलावे से पहिले जब तू अंजीर के पेड़ के नीचे रहलू त हम तोहरा के देखले रहनी।
49 नथनील ओकरा से कहलस, "रब्बी, तू परमेश्वर के बेटा हउअ। तू इस्राएल के राजा हउअ।
50 यीशु जवाब दिहलन, " हम तोहरा से कहनी कि हम तोहरा के अंजीर के पेड़ के नीचे देखले बानी, का तू विश्वास करत बाड़ऽ? तू एह से बड़हन चीज देखबऽ।
51 उ ओकरा से कहलस, "हम तोहसे सच कहत हई कि अब तोहके स्वर्ग खुलल देखब आ परमेश्वर के दूत के आदमी के बेटा पर चढ़त आ उतरत देखब।"

अध्याय 2 के बा

1 तीसरा दिन गलील के काना में बियाह भइल। आ यीशु के महतारी उहाँ रहली।
2 यीशु आ उनकर चेलन दुनु के बियाह में बोलावल गइल।
3 जब उ लोग के शराब के कमी रहे त यीशु के महतारी उनुका से कहली, "ओकनी के शराब नईखे।"
4 यीशु ओकरा से पूछले, " मेरी, तोहरा से हमार का संबंध बा? हमार घड़ी अभी तक नइखे आइल।
5 उनकर माई नौकरन से कहली, "उ तोहनी से जवन कुछ कहे, उहे करऽ।"
6 उहाँ यहूदी लोग के शुद्ध करे के तरीका के अनुसार छह गो पत्थर के घड़ा रखल रहे, जवना में एक-एक में दू-तीन फरकीन रहे।
7 यीशु उनकरा से कहलन, "घड़ा में पानी भर दीं।" आ ऊ लोग ओह लोग के किनारा तक भर दिहल.
8 ऊ ओह लोग से कहलन कि अब बाहर निकाल के भोज के राज्यपाल के लगे ले जा। आ ऊ लोग ओकरा के उघार कर दिहल.
9 जब भोज के शासक शराब बनावल पानी के स्वाद लेले, लेकिन ना पता चलल कि उ कहाँ से आईल बा।
10 ऊ ओकरा से कहलस, "शुरुआत में हर आदमी बढ़िया शराब पीयेला। आ जब आदमी बढ़िया से शराब पी लेले बा त जवन खराब होला, लेकिन तू अब तक बढ़िया शराब के रखले बाड़ू।
11 ई चमत्कार के शुरुआत गलील के काना में कइलन आ आपन महिमा प्रकट कइलन। उनकर चेला लोग उनकरा पर बिसवास कइल।
12 एकरा बाद उ अपना महतारी, भाई-बहिन आ चेला लोग कफरनहूम गईले अवुरी उ लोग बहुत दिन ना रहले।
13 यहूदियन के फसह के परब नजदीक आ गइल आ यीशु यरूशलेम चल गइलन।
14 मंदिर में बैल, भेड़ आ कबूतर बेचे वाला लोग आ पइसा बदले वाला लोग बइठल मिलल।
15 जब ऊ छोट-छोट डोरी से कोड़ा मार के सब लोग के मंदिर से भगा दिहलन, भेड़ आ बैल के भी। आ बदले वाला लोग के पइसा उझिल के टेबुल उखाड़ दिहलस।
16 कबूतर बेचे वाला लोग से कहलस, " ई सब चीज इहाँ से ले जा। हमरा पिता के घर के माल के घर मत बनाईं।
17 उनकर चेलन के इयाद भइल कि धर्म में लिखल रहे, "तोहरा घर के जोश हमरा के खा गइल बा।"
18 तब यहूदी लोग ओकरा से पूछले, "तू इ सब काम करत हमनी के कवन निशानी देखावत बाड़ू?"
19 यीशु जवाब दिहलन, " ई मंदिर के नष्ट कर दीं आ हम तीन दिन में एकरा के खड़ा कर देब।"
20 यहूदी लोग कहल कि, "छियालीस साल से इ मंदिर बनत रहे, आ का तू तीन दिन में एकरा के खड़ा करब?"
21 लेकिन उ अपना देह के मंदिर के बारे में बतवले।
22 जब उ मुवलन में से जी उठलन त उनकर चेलन के याद आ गईल कि उ उ लोग से इ बात कहले रहले। उ लोग पवित्रशास्त्र आऊ यीशु के कहल बात पर विश्वास कइल।
23 जब उ फसह के पर्व के दिन यरूशलेम में रहले त बहुत लोग उनुका नाम प विश्वास कईले।
24 लेकिन यीशु अपना के ओ लोग के हाथ में ना रखले, काहेकि उ सब आदमी के जानत रहले।
25 आदमी के बारे में गवाही देवे के जरूरत ना रहे, काहेकि उ आदमी में का बा, ओकरा के जानत रहे।

अध्याय 3 के बा

1 फरीसियन में से एगो आदमी रहले, जेकर नाम निकोदेमस रहे, जवन यहूदी लोग के शासक रहले।
2 उ रात में यीशु के लगे आके कहलस, "गुरु, हम जानत बानी कि तू परमेश्वर के ओर से आइल एगो गुरु हउअ, काहेकि तू जवन चमत्कार करत बाड़ू, तब तक केहू भी ना कर सकेला, जब तक कि परमेश्वर ओकरा साथे ना होखस।"
3 यीशु ओकरा से कहलन, " हम तोहरा से सच कहत हई कि जब तक आदमी के नया जनम ना होई, तब तक उ परमेश्वर के राज्य के ना देख पाई।"
4 निकोदेमस ओकरा से कहलस, "जब आदमी बूढ़ हो जाई त कइसे पैदा हो सकेला? का ऊ दूसरा बेर अपना महतारी के पेट में घुस के जनम ले सकेला?
5 यीशु जवाब दिहलन, " हम तोहरा से सच कहत बानी कि जब तक आदमी पानी आ आत्मा से पैदा ना होई तब तक उ परमेश्वर के राज्य में ना जा सकेला।
6 जवन शरीर से पैदा होला ऊ मांस ह। आ जवन आत्मा से पैदा भइल बा ऊ आत्मा ह।
7 अचरज मत करीं कि हम तोहरा से कहनी कि तोहरा के नया जनम लेबे के पड़ी।
8 हवा जहाँ मन करेला उहाँ बहेला आ तू ओकर आवाज सुनत बाड़, लेकिन इ ना बता पवनी कि उ कहाँ से आवेला आ कहाँ जात बा।
9 निकोदेमस ओकरा से कहलन, "ई सब कइसे हो सकेला?
10 यीशु जवाब दिहलन, "का तू इस्राएल के मालिक हउअ आ ई सब बात नइख जानत?"
11 हम तोहरा से साँच कहत बानी कि हमनी के उहे बात कहत बानी जा जवन हमनी के जानत बानी जा आ गवाही देत बानी जा

कि हमनी के देखले बानी जा। आ तू हमनी के गवाही नइखऽ पावत।
12 अगर हम तोहनी के सांसारिक बात बतवले बानी आ तू विश्वास ना करब त तू लोग कइसे बिसवास करब?
13 केहू स्वर्ग में ना चढ़ल, सिवाय स्वर्ग से उतरल आदमी के बेटा जे स्वर्ग में बा।
14 जइसे मूसा जंगल में साँप के उठवले रहले, ओइसहीं आदमी के बेटा के ऊपर उठावे के होई।
15 ताकि जे भी ओकरा पर विश्वास करेला, उ नाश ना होखे, बल्कि अनन्त जीवन पावे।
16 काहेकि परमेश्वर दुनिया से एतना प्रेम कइलन कि उ आपन एकलौता बेटा दे दिहलन ताकि जे भी उनकरा पर विश्वास करेला उ नाश ना होखे, बल्कि अनन्त जीवन पावे।
17 काहेकि परमेश्वर अपना बेटा के दुनिया में नइखन भेजले कि उ दुनिया के दोषी ठहरावे। लेकिन ओकरा से दुनिया के उद्धार होखे।
18 जे ओकरा पर विश्वास करेला ओकरा के दोषी ना ठहरावल जाला, लेकिन जे विश्वास ना करेला, ओकर दोष पहिलहीं से हो गईल बा, काहेकि उ परमेश्वर के एकलौता बेटा के नाम प विश्वास नईखे कईले।
19 इहे दोषी बा कि दुनिया में रोशनी आ गईल बा, आ आदमी रोशनी से ज्यादा अन्हार से प्यार करत रहे, काहे कि उनकर काम बुरा रहे।
20 काहे कि जे भी बुराई करेला उ रोशनी से नफरत करेला आ ना ही उ रोशनी में आवेला कि कहीं ओकर काम के डांट ना मिले।
21 लेकिन जे सच्चाई के काम करेला, उ रोशनी में आवेला ताकि ओकर कर्म प्रकट होखे कि उ परमेश्वर में भईल बा।
22 एकरा बाद यीशु आ उनकर चेलन यहूदिया के देश में अइले। उहाँ उ ओकनी के संगे रह के बपतिस्मा लेले।
23 यूहन्ना भी सलीम के लगे एनोन में बपतिस्मा देत रहले, काहे कि उहाँ बहुत पानी रहे।
24 काहेकि यूहन्ना के अभी तक जेल में ना डालल गईल रहे|
25 तब यूहन्ना के कुछ चेलन आ यहूदी लोग के बीच शुद्धि के बारे में सवाल उठल।
26 ऊ लोग यूहन्ना के लगे जाके कहलस, "रब्बी, ऊ जे तोहरा साथे यरदन के ओह पार रहे, जेकरा बारे में तू गवाही देले रहलू, ऊ बपतिस्मा देत बा आ सब लोग ओकरा लगे आवत बा।
27 यूहन्ना जवाब दिहलन, "मनुष्य के कुछुओ ना मिल सकेला जब तक कि ओकरा के स्वर्ग से ना दिहल जाव।"
28 तू खुदे हमरा के गवाही देत बानी कि हम कहनी कि हम मसीह ना हईं, बलुक ओकरा से पहिले भेजल गइल बानी।
29 जेकरा लगे दुलहिन बा ऊ दूल्हा ह, लेकिन दूल्हा के दोस्त जे खड़ा होके ओकर बात सुनेला, उ दुल्हिन के आवाज से बहुत खुश हो जाला, एहसे हमार खुशी पूरा हो गईल।
30 ओकरा बढ़े के पड़ी, लेकिन हमरा घटे के पड़ी।
31 ऊपर से आवे वाला सब से ऊपर बा, धरती से आवे वाला पृथ्वी के हवे आ धरती के बारे में बात करेला।
32 उ जवन देखले आ सुनले बाड़े, उहे गवाही देत बाड़े। आ केहू ओकर गवाही ना ग्रहण करेला।
33 जे ओकर गवाही ग्रहण कइले बा ऊ अपना मुहर पर लगा दिहले बा कि भगवान सच्चा हउवें.
34 काहेकि जेकरा के परमेश्वर भेजले बाड़न उ परमेश्वर के बात कहेला, काहेकि परमेश्वर ओकरा के नाप में आत्मा ना देले।
35 पिता बेटा से प्यार करेलन आ सब कुछ अपना हाथ में देले बाड़न।
36 जे बेटा पर विश्वास करेला ओकरा अनन्त जीवन बा, आ जे बेटा पर विश्वास ना करी ओकरा जीवन ना लउकी। लेकिन भगवान के क्रोध ओकरा पर बनल रहेला।

अध्याय 4 के बा

1 जब प्रभु जान गइलन कि फरीसी लोग कइसे सुनले बा कि यीशु यूहन्ना से अधिका चेला बना के बपतिस्मा देले।
2 (हालांकि यीशु खुदे बपतिस्मा ना दिहलन, बलुक उनकर चेला लोग के बपतिस्मा दिहलन)।
3 ऊ यहूदिया छोड़ के फेर से गलील चल गइलन।
4 आ ओकरा सामरिया से होके जाए के जरूरत बा।
5 तब उ सामरिया के एगो शहर में पहुंचले, जवना के नाम सकर कहल जाला, जवन जमीन याकूब के अपना बेटा यूसुफ के देले रहले।
6 अब याकूब के इनार उहाँ रहे। यीशु अपना यात्रा से थक के इनार पर अईसन बईठ गईले।
7 उहाँ एगो सामरिया के मेहरारू पानी खींचे आइल बिया, यीशु ओकरा से कहलन, " हमरा के पीये दीं।"
8 (काहेकि उनकर चेला लोग खाना खरीदे खातिर शहर चल गईल रहले।)
9 सामरिया के मेहरारू ओकरा से कहलस कि, तू यहूदी होखला के नाते हमरा से पीये के मांग कईसे? काहे कि यहूदी लोग के सामरी लोग से कवनो व्यवहार नइखे।
10 यीशु ओकरा से कहलन, " जदि तू परमेश्वर के वरदान के जानत रहितऽ अउर के ह जे तोहरा से कहत बा कि हमरा के पी दऽ। तू ओकरा से माँगले रहतऽ आ ऊ तोहरा के जिंदा पानी देत।
11 मेहरारू ओकरा से कहलस, "महाराज, तोहरा लगे कुछ भी नइखे, आ इनार गहिराह बा।
12 का तू हमनी के बाप याकूब से बड़ बाड़ू, जे हमनी के कुआं देले रहले अवुरी उ खुद, अपना लईका अवुरी अपना पशु-पक्षी के पियले रहले?
13 यीशु ओकरा से कहलन, " जे केहू एह पानी से पीयेला, ओकरा फेर से प्यास लागी।
14 लेकिन जे भी पानी हम देब, उ कबो प्यास ना करी। लेकिन जवन पानी हम ओकरा के देब उ ओकरा में पानी के कुआँ बन जाई जवन अनन्त जीवन में उभर के निकलेला।
15 ऊ मेहरारू ओकरा से कहलस, "महाराज, हमरा के ई पानी दे दीं कि हम प्यास मत करीं आ ना ही इहाँ पानी पानी निकाले आईं।"
16 यीशु ओकरा से कहलन, " जा, अपना पति के बोला के इहाँ आ जा।"
17 मेहरारू जवाब दिहली, "हमरा कवनो पति नइखे।" यीशु ओकरा से कहलन, " तू बढ़िया से कहले बाड़ऽ कि हमार कवनो पति नइखे।
18 काहेकि तोहरा पांच गो पति रहलन। आ जे तोहरा लगे अब बा ऊ तोहार पति ना हऽ।

19 मेहरारू ओकरा से कहलस, "महाराज, हम समझत बानी कि
तू एगो भविष्यवक्ता हउअ।"
20 हमनी के पुरखा लोग एह पहाड़ में पूजा करत रहले। आ तू
कहत रहलू कि यरूशलेम में उ जगह ह जहाँ आदमी के पूजा
करे के चाहीं।
21 यीशु ओकरा से कहलन, " मेरी, हमरा पर विश्वास करीं, उ
समय आई जब तू लोग ना त एह पहाड़ में आ ना यरूशलेम में
पिता के पूजा करब।
22 तू लोग आराधना करत बाड़ऽ, तूँ का नइखऽ जानत, हमनी के
जानत बानी जा कि हमनी के का पूजत बानी जा, काहे कि उद्धार
यहूदी लोग से मिलेला।
23 लेकिन उ समय आवत बा, आ अब बा, जब सच्चा उपासक
लोग आत्मा आ सच्चाई से पिता के आराधना करीहे, काहेकि पिता
अयीसन लोग के उपासना करे के कोशिश करेले।
24 परमेस् वर एगो आत् मा हवें, आउर जे उनकर आराधना
करेलन, उनके आत् मा आ सच्चाई से उनकर आराधना करे के
चाहीं।
25 ऊ मेहरारू ओकरा से कहलस, "हम जानत बानी कि मसीह
आवे वाला बाड़न, जेकरा के मसीह कहल जाला।
26 यीशु ओकरा से कहलन, " हम जे तोहरा से बात करत बानी,
उहे हईं।"
27 एह पर उनकर चेलन आके अचरज में पड़ गइलन कि ऊ
ओह औरत से बात करत रहले, तबो केहू ना कहलस कि, "तू का
खोजत बाड़ू?" या, तू ओकरा से काहे बात करत बाड़ू?
28 ऊ मेहरारू आपन घड़ा छोड़ के शहर में चल गइल आ
आदमी लोग से कहलस।
29 आके एगो आदमी के देखऽ, जे हमरा के जवन कुछ कइले
बानी, उ सब कुछ बतवले रहे।
30 तब उ लोग शहर से बाहर निकल के उनुका लगे पहुंचले।
31 एही बीच उनकर चेला लोग उनकरा से प्रार्थना करत कहलन
कि, "गुरु, खा लीं!"
32 लेकिन उ ओ लोग से कहलस, " हमरा लगे खाना बा जवना
के बारे में तोहनी नईखी जानत।"
33 एह से चेला लोग एक दूसरा से कहलस, "का केहू ओकरा के
खाना खाए खातिर ले आइल बा?"
34 यीशु उनकरा से कहलन, " हमरा के भेजे वाला के मर्जी पूरा
करे के आ ओकर काम पूरा करे के हमार भोजन बा।"
35 तू लोग ई ना कहऽ कि अब चार महीना बा, ओकरा बाद
फसल के फसल आवे वाला बा? देखऽ, हम तोहनी से कहत बानी
कि आँख उठा के खेत के ओर देखऽ। काहे कि ऊ लोग फसल
काटे खातिर पहिलहीं से गोर हो गइल बा.
36 फसल काटे वाला के मजदूरी मिलेला आ अनन्त जीवन
खातिर फल बटोरेला, ताकि बोवे वाला आ कटाई करे वाला दुनु
एक संगे खुश हो सके।
37 इ कहत साँच बा, "एक बोवेला आ दोसर फसल काटेला।"
38 हम तोहनी के उहे फसल काटे खातिर भेजले बानी जवना पर
तू लोग कवनो मेहनत ना कइनी, दोसर लोग मेहनत कइल आ
तोहनी ओह लोग के मेहनत में लागल बाड़ऽ।
39 ओह नगर के बहुत सारा सामरी लोग उनकरा पर बिसवास
कइल, उ औरत के इ बात के चलते जवन गवाही देले रहे कि, "उ
हमरा के जवन कुछ कईले रहनी, उ सब बतवले रहले।"
40 जब सामरी लोग उनकरा लगे अइले त उनकरा से निहोरा
कइलन कि उ उनकरा साथे रहे।
41 उनकरा आपन वचन के चलते अउरी बहुत लोग विश्वास
कईले|
42 ऊ मेहरारू से कहलस, "अब हमनी के तोहार बात के चलते
विश्वास करत बानी जा, काहेकि हमनी के खुद ओकर बात सुनले
बानी जा आ जानत बानी जा कि ई सचमुच दुनिया के उद्धारकर्ता
मसीह हवें।
43 दू दिन बाद उ ओहिजा से निकल के गलील चल गइलन।
44 काहेकि यीशु खुद गवाही देले बाड़न कि भविष्यवक्ता के
अपना देश में कवनो आदर ना होला।
45 जब ऊ गलील में अइले त गलील के लोग उनकरा के स्वागत
कइल आ उ यरूशलेम में भोज में जवन कुछ कइले रहे, ओकरा
के देख के उ लोग भी भोज में गइल रहे।
46 तब यीशु फेर से गलील के काना में अईले, उहाँ उ पानी के
शराब बना देले। उहाँ एगो कुलीन आदमी रहले, जेकर बेटा
कफरनहूम में बेमार रहे।
47 जब उ सुनले कि यीशु यहूदिया से गलील आ गईल बाड़े, त उ
उनुका लगे गईले अवुरी उनुका से निहोरा कईले कि उ उतर के
अपना बेटा के ठीक करस, काहेंकी उ मौत के स्थिति में बा।
48 तब यीशु ओकरा से कहलन, " जब तक तू लोग कवनो
चमत्कार आ चमत्कार ना देखब, तब तक तू विश्वास ना करब।"
49 रईस ओकरा से कहलस, "महाराज, हमार लइका मरला से
पहिले नीचे आ जाइए।"
50 यीशु ओकरा से कहलन, " जा जा। तोहार बेटा जिंदा बा। उ
आदमी यीशु के कहल बात प विश्वास कईलस अवुरी उ अपना
रास्ता से चल गईल।
51 जब ऊ उतरत रहले त उनकर नौकर उनकरा से भेंट करत
कहलन कि तोहार बेटा जिंदा बा।
52 तब उ ओह लोग से पूछले कि कब उ सुधार करे लगले। उ
लोग ओकरा से कहलस कि काल्ह सातवां बजे बोखार ओकरा के
छोड़ के चल गईल।
53 तब पिता जान गईले कि उहे समय बा, जब यीशु ओकरा से
कहले रहले कि, " तोहार बेटा जिंदा बा। "
54 ई दूसरका चमत्कार बा जवन यीशु यहूदिया से निकल के
गलील में कइले रहले।

अध्याय 5 के बा

1 एकरा बाद यहूदी लोग के भोज भइल। आ यीशु यरूशलेम चल
गइलन।
2 यरूशलेम में भेड़ के बाजार के किनारे एगो कुंड बा, जवना के
इब्रानी भाषा में बेथेस्दा कहल जाला, जवना में पांच गो बरामदा
बा।
3 एह में नपुंसक लोग के बहुत भीड़, आन्हर, रुकल, मुरझा गइल,
पानी के हिलला के इंतजार करत रहे।
4 काहेकि एक समय में एगो स्वर्गदूत कुंड में उतर के पानी के
झकझोर दिहलस।
5 उहाँ एगो आदमी रहे, जे अड़तीस साल से कमजोर रहे।
6 जब यीशु ओकरा के लेट के देखलन आ जान गइलन कि ऊ
बहुत दिन से अइसन हालत में बा, त ऊ पूछले, "का तू ठीक
होखल चाहत बाड़ू?"
7 ऊ नपुंसक ओकरा के जवाब दिहलस, "महाराज, हमरा लगे
केहू नइखे कि जब पानी घबरा जाला त हमरा के कुंड में डाल
सके।

8 यीशु ओकरा से कहलन, " उठ, आपन बिछौना उठा के चल
जा।"
9 तुरते ऊ आदमी ठीक हो गइल आ आपन बिछौना उठा के
चलल आ ओही दिन सब्त के दिन रहे।
10 एही से यहूदी लोग ठीक भइला से कहलन, "सबत के दिन ह,
तोहरा बिछौना उठावल जायज नइखे।"
11 ऊ ओह लोग के जवाब दिहलन, "जे हमरा के ठीक कइलस,
उहे हमरा से कहलस, "अपना बिछौना उठा के चल जा."
12 तब उ लोग पूछले, "कौन आदमी ह जे तोहरा से कहलस कि,
'अपना बिछौना उठा के चल जा?"
13 जे ठीक भइल ओकरा के पता ना चलल कि ई के ह, काहे कि
यीशु ओहिजा के भीड़ रहे।
14 ओकरा बाद यीशु ओकरा के मंदिर में पाके कहलन, " देखऽ,
तू ठीक हो गइल बाड़ऽ, अब पाप मत करऽ, कहीं एकरा से भी
बुरा बात तोहरा पर मत आ जाव।"
15 उ आदमी चल के यहूदी लोग के बतवले कि यीशु ही उनुका
के ठीक कईले बाड़े।
16 एही से यहूदी लोग यीशु के सतावत रहले अवुरी उनुका के
मारे के कोशिश कईले, काहेंकी उ सब्त के दिन इ काम कईले
रहले।
17 लेकिन यीशु ओ लोग के जवाब देले, " हमार पिता अब तक
काम करत बाड़े अवुरी हम काम करतानी।"
18 एही से यहूदी लोग ओकरा के मारे के अउरी कोशिश करत
रहे, काहे कि उ ना सिर्फ सब्त के दिन तोड़ देले रहले, बालुक
इहो कहले रहले कि परमेश्वर उनुकर पिता हवे अवुरी अपना के
परमेश्वर के बराबर बना देले रहले।
19 तब यीशु उनकरा से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई
कि बेटा अपना से कुछ ना कर सकेला, बल्कि उहे काम कर
सकेला जवन उ पिता के करत देखत बा।
20 काहेकि पिता बेटा से प्रेम करेलन, आऊ उ सब काम ओकरा
के देखावेलन, अउर उ ओकरा के एह से भी बड़ काम देखावेलन
ताकि रउवां अचरज में पड़ जाइब।
21 जइसे कि पिता मुअल लोग के जिंदा कर के जिंदा कर देले।
ओइसहीं बेटा जेकरा के चाहेला ओकरा के जिंदा कर देला।
22 काहेकि पिता केहू के न्याय ना करेलन, बलुक पूरा न्याय बेटा
के सौंप देले बाड़न।
23 सब लोग बेटा के आदर करे, जइसे पिता के आदर करेला। जे
बेटा के आदर ना करेला, उ पिता के आदर ना करेला, जे ओकरा
के भेजले बाड़े।
24 हम तोहनी से सच कहत हई कि जे हमार बात सुन के हमरा
के भेजे वाला पर विश्वास करी, ओकरा अनन्त जीवन बा, लेकिन
उ दोषी ना होई। लेकिन मौत से जीवन में आ गईल बा।
25 हम तोहनी से साँच कहत हई कि उ समय आ रहल बा आ
अब बा, जब मुअल लोग परमेश्वर के बेटा के आवाज सुन जइहें
आ सुनत लोग जिंदा हो जइहें।
26 जइसे पिता के अपना में जीवन बा। ओइसहीं ऊ बेटा के
अपना में जीवन पावे खातिर देले बाड़न।
27 ओकरा के न्याय करे के अधिकार भी देले बा, काहे कि उ
आदमी के बेटा हवे।
28 एह बात से अचरज मत करीं, काहेकि उ समय आवे वाला बा,
जवना में कब्र में मौजूद सब लोग उनुकर आवाज सुनाई।
29 आऊ निकल के निकलिहें। जे लोग भलाई कइले बा, उ लोग
जीवन के जी उठला खातिर। आ बुराई करे वाला लोग के दंड के
जी उठल।
30 हम अपना से कुछ ना कर सकेनी, जइसे सुनत बानी, हम
न्याय करत बानी, आ हमार न्याय न्यायसंगत बा। काहे कि हम
आपन इच्छा ना खोजत बानी, बलुक ओह पिता के इच्छा के
खोजत बानी जे हमरा के भेजले बाड़न।
31 अगर हम अपना बारे में गवाही देत बानी त हमार गवाही सही
नइखे।
32 एगो अउरी बा जे हमरा बारे में गवाही देत बा। आ हम जानत
बानी कि ऊ हमरा बारे में जवन गवाही देत बाड़न ऊ साँच बा.
33 तोहनी यूहन्ना के लगे भेजनी, उ सच्चाई के गवाही देले।
34 लेकिन हम आदमी से गवाही नईखी पावत, लेकिन इ बात हम
कहत बानी कि तोहनी के उद्धार हो सके।
35 ऊ एगो जरत आ चमकत रोशनी रहले आ रउरा सभे ओकरा
रोशनी में कुछ समय खातिर खुश रहे के तइयार रहनी।
36 लेकिन यूहन्ना से भी बड़ गवाह हमरा लगे बा, काहेकि जवन
काम पिता हमरा के पूरा करे के देले बाड़े, उहे काम हम करेनी,
उहे काम हमरा बारे में गवाही देत बाड़े कि पिता हमरा के भेजले
बाड़े।
37 हमरा के भेजल पिता खुद हमरा बारे में गवाही देले बाड़े। ना
त कबो ओकर आवाज सुनले होखब, ना ओकर आकार देखले
होखब।
38 तोहनी में ओकर वचन टिकल नइखे, काहे कि जेकरा के ऊ
भेजले बा, ओकरा पर तू विश्वास नइखऽ।
39 शास्त्र के खोज करीं; काहेकि तू लोग सोचत हऽ कि तोहनी के
अनन्त जीवन मिलल बा आ उहे लोग हमरा बारे में गवाही देत
बा।
40 तू लोग हमरा लगे ना आवे के चाहत बाड़ू कि तोहनी के जीवन
मिल सके।
41 हमरा आदमी से आदर ना मिलेला।
42 लेकिन हम तोहनी के जानत हई कि तोहनी में परमेश्वर के प्रेम
नइखे।
43 हम अपना पिता के नाम से आईल बानी, लेकिन तू हमरा के
ग्रहण नईखी करत।
44 तू लोग कइसे बिसवास कर सकेला कि एक दूसरा के आदर
पावेला आ खाली परमेश्वर के ओर से मिले वाला आदर के खोज
ना करेनी?
45 ई मत सोचऽ कि हम तोहनी पर पिता के सामने आरोप
लगाइब, एगो अइसन आदमी बा जे तोहनी पर आरोप लगावत बा,
ऊ मूसा ह, जेकरा पर तू भरोसा करत बाड़ऽ।
46 अगर तू लोग मूसा के बिसवास करित त हमरा पर बिसवास
करित, काहेकि उ हमरा बारे में लिखले रहलन।
47 लेकिन अगर तू उनकर लेखन पर विश्वास ना करब त हमार
बात पर विश्वास कईसे करब?

अध्याय 6 के बा

1 एकरा बाद यीशु गलील के समुंदर के पार चल गईले, जवन कि
तिबेरिया के समुंदर ह।
2 बहुत भीड़ उनकरा पीछे-पीछे चलल, काहेकि उ लोग उनकर
चमत्कार देख के जवन उ बेमार लोग पर करत रहले|

3 यीशु एगो पहाड़ पर चढ़ गइलन आ उहाँ उ अपना चेलन के साथे बइठ गइलन।
4 यहूदी लोग के फसह के परब नजदीक आ गईल रहे।
5 जब यीशु आपन आँख उठा के देखलन कि एगो बड़हन भीड़ उनका लगे आवत बा, त फिलिपुस से पूछले, " हमनी के रोटी कहाँ से खरीदब जा ताकि इ लोग खा सके?
6 उ इ बात ओकरा के परख के कहलस, काहेकि उ खुद जानत रहले कि उ का करीहे।
7 फिलिपुस जवाब दिहलन, "उनका खातिर दू सौ पइसा के रोटी पर्याप्त नइखे कि हर केहू थोड़-बहुत रोटी ले सके।"
8 उनकर एगो चेला सिमोन पतरस के भाई अँड्रियास उनका से कहलस।
9 इहाँ एगो लईका बा, जेकरा लगे पांच जौ के रोटी अवुरी दुगो छोट मछरी बा, लेकिन एतना मछरी में इ का बा?
10 यीशु कहलन, "पुरुषन के बइठा दऽ।" अब ओह जगहा बहुत घास हो गइल रहे। त उ लोग बईठ गईले, संख्या में करीब पांच हजार।
11 यीशु रोटी लेके चल गइलन। जब ऊ धन्यवाद दिहलन त चेला लोग के आ चेला लोग के बईठल लोग में बाँट दिहलन। आ ओही तरह मछरी के भी ओतने जतना चाहत रहे।
12 जब उ लोग पेट भर गईले त उ अपना चेलन से कहले, " बचे वाला टुकड़ा के बटोर लीं ताकि कुछुओ ना गँवावल जा सके।"
13 एही से उ लोग ओह लोग के बटोर के बारह गो टोकरी में जौ के पांच रोटी के टुकड़ा भर देले, जवन कि खाए वाला लोग के ऊपर से ऊपर रहे।
14 उ लोग यीशु के कइल चमत्कार देख के कहले, "ई सच में उ भविष्यवक्ता हवे जे दुनिया में आवे वाला बा।"
15 जब यीशु के पता चलल कि उ लोग ओकरा के राजा बनावे खातिर जबरन पकड़ के ले जईहे त उ खुद अकेले पहाड़ प चल गईले।
16 जब साँझ हो गइल त उनकर चेला लोग समुंदर में उतर गइलन।
17 एगो जहाज में सवार होके समुंदर के पार कफरनहूम के ओर चल गईले। अब अन्हार हो गइल रहे आ यीशु ओह लोग के लगे ना अइले।
18 तेज हवा के चलते समुंदर उठल।
19 जब उ लोग करीब पांच बीस-तीस फर्लांग तक नाव चलावत रहले त उ लोग यीशु के समुंदर प चलत देख के जहाज के नजदीक आवत रहले, त उ लोग डेरा गईले।
20 लेकिन उ लोग से कहलस, " हम हईं। डेराए के ना होखे।
21 तब उ लोग ओकरा के अपना मर्जी से जहाज में सवार कईले अवुरी तुरंत जहाज उ जमीन प पहुंच गईल, जहां उ लोग जात रहले।
22 ओकरा बाद जब समुंदर के ओह पार खड़ा लोग देखलस कि उहाँ कवनो नाव के अलावा कवनो नाव नइखे, जवना में उनकर चेला लोग घुसल रहे, आ यीशु अपना चेलन के साथे नाव में ना बईठ गइलन चेला लोग अकेले चल गइल रहले;
23 (तबकि प्रभु धन्यवाद दिहला के बाद तिबेरिया से दोसर नाव ओहि जगह के नजदीक आ गईली, जहवा उ लोग रोटी खात रहले।)
24 जब लोग देखल कि यीशु उहाँ नइखन, ना उनकर चेलन, त उ लोग भी जहाज से सवार होके कफरनहूम आके यीशु के खोजत चल गईले|
25 जब उ लोग ओकरा के समुंदर के ओह पार मिल के पूछले, "गुरु, तू कब इहाँ आईल बाड़ु?"
26 यीशु ओह लोग के जवाब दिहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि तू लोग हमरा के एह से ना खोजत बाड़ऽ कि तू लोग चमत्कार देखनी, बलुक एह से कि तू लोग रोटी खा के पेट भर गइल बाड़ऽ।
27 नाश होखे वाला भोजन खातिर मेहनत मत करीं, बलुक ओह भोजन खातिर मेहनत करीं जवन अनन्त जीवन खातिर टिकल बा, जवन मनुष्य के बेटा तोहनी के दिहे।
28 तब उ लोग ओकरा से पूछले, "हमनी के का करीं जा कि हमनी के परमेश्वर के काम के काम कर सकीले?"
29 यीशु उ लोग से कहलन, " परमेशवर के काम इहे ह कि रउवां जेकरा के उ भेजले बाड़े, ओकरा पर विश्वास करीं।"
30 उ लोग उनकरा से पूछले, "तब तू कवन निशानी देखावत बाड़ु कि हमनी के तोहरा के देख के विश्वास कर सकीले?" तू का काम करत बाड़ु?
31 हमनी के पुरखा लोग रेगिस्तान में मन्ना खात रहले। जइसे कि लिखल बा, "उ ओह लोग के स्वर्ग से रोटी देले बाड़न कि ऊ लोग खाए।"
32 तब यीशु ओह लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि मूसा तोहनी के ऊ रोटी स्वर्ग से ना दिहले रहले। लेकिन हमार पिता तोहनी के स्वर्ग से सच्चा रोटी देत बाड़े।
33 काहेकि परमेश्वर के रोटी उहे ह जवन स्वर्ग से उतर के दुनिया के जीवन देवेला।
34 तब उ लोग ओकरा से कहलस, "प्रभु, हमनी के हमेशा इ रोटी दे दीं।"
35 यीशु उनकरा से कहलन, " हम जीवन के रोटी हईं, जे हमरा लगे आई, उ कबो भूख ना लागी। आ जे हमरा पर बिसवास करी ऊ कबो प्यास ना करी।
36 लेकिन हम तोहनी से कहनी कि तू भी हमरा के देखले बाड़ू, लेकिन विश्वास नईखी करत।
37 पिता हमरा के जवन कुछ देले बाड़े उ सब हमरा लगे आई। आ जे हमरा लगे आई ओकरा के हम कवनो तरह से बाहर ना निकालब।
38 हम स्वर्ग से उतरल बानी, अपना मर्जी के पूरा करे खातिर, बलुक हमरा के भेजे वाला के इच्छा के पूरा करे खातिर उतरल बानी।
39 हमरा के भेजल पिता के इहे इच्छा ह कि उ हमरा के जवन कुछ देले बाड़े, ओकरा में से हम कुछ ना गंवा दीं, लेकिन अंतिम दिन ओकरा के फेर से जिंदा कर दीं।
40 हमरा के भेजे वाला के इहे इच्छा बा कि जे केहू बेटा के देख के ओकरा पर विश्वास करी ओकरा अनन्त जीवन मिले, आ हम ओकरा के अंतिम दिन जिंदा कर देब।
41 तब यहूदी लोग ओकरा पर बड़बड़ात रहले काहे कि उ कहले रहले कि, हम उ रोटी हई जवन स्वर्ग से उतरल बा।
42 उ लोग पूछले, "का इ यूसुफ के बेटा यीशु ना हवे, जेकर बाप-माई के हमनी के जानत बानी जा?" तब ऊ कइसे कहत बाड़न कि हम स्वर्ग से उतरल बानी?
43 यीशु उ लोग से कहलन कि आप लोग आपस में बड़बड़ाहट मत करीं।
44 जबले हमरा के भेजले बाप के पिता ओकरा के ना खींच लेव, तब तक केहु हमरा लगे ना आ सकेला।

45 भविष्यवक्ता लोग में लिखल बा कि, "उ सब के परमेश्वर से सिखावल जाई।" एह से जे भी आदमी पिता के बारे में सुनले बा आ सीखले बा, उ हमरा लगे आवेला।
46 ई ना कि केहू पिता के देखले बा, सिवाय उहे परमेश्वर के, उ पिता के देखले बा।
47 हम तोहनी से सच कहत हई कि जे हमरा पर विश्वास करेला ओकरा अनन्त जीवन बा।
48 हम उ जीवन के रोटी हई।
49 तोहार पुरखन जंगल में मन्ना खइले रहले आ मर गइल बाड़े।
50 इहे रोटी ह जवन स्वर्ग से उतरत बा, ताकि आदमी ओकरा के खा के मर ना पावे।
51 हम स्वर्ग से उतरल जिंदा रोटी हईं, अगर केहू एह रोटी के खाई त ऊ हमेशा खातिर जिंदा रही आ हम जवन रोटी देब ऊ हमार मांस ह जवन हम दुनिया के जान खातिर देब।
52 यहूदी लोग आपस में झगड़ा करत कहले, "ई आदमी हमनी के आपन मांस कइसे दे सकेला?
53 तब यीशु ओह लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि जब तक तू लोग मनुष्य के बेटा के मांस ना खाइब आ ओकर खून ना पीबऽ, तब तक तोहनी में कवनो जान नइखे।
54 जे हमार मांस खा के हमार खून पीयेला, ओकरा अनन्त जीवन बा। आ हम ओकरा के अंतिम दिन जिंदा कर देब।
55 काहेकि हमार मांस साँचहू भोजन ह आ हमार खून साँचहू पेय ह।
56 जे हमार मांस खाला आ हमार खून पीयेला, उ हमरा में रहेला आ हम ओकरा में।
57 जइसे जीवित पिता हमरा के भेजले बाड़न आ हम पिता के द्वारा जियत बानी, ओइसहीं जे हमरा के खाई, उ हमरा से जिंदा रही।
58 इहे उ रोटी ह जवन स्वर्ग से उतरल रहे, जईसे तोहनी के पुरखन मन्ना खईले रहले अवुरी मर गईल रहले।
59 ऊ कफरनहूम में पढ़ावत घरी आराधनालय में इ सब बात कहले।
60 ई बात सुन के उनकर बहुत चेलन कहलन कि ई कड़ा बात ह। के सुन सकेला?
61 जब यीशु अपना मन में जान गइलन कि उनकर चेलन एह बात पर बड़बड़ात बाड़े त उ लोग से कहलन कि का ई तोहनी के ठेस पहुँचावत बा?
62 अगर तू लोग आदमी के बेटा के जहाँ पहिले रहले ओहिजा चढ़त देखब त का होई?
63 इहे आत्मा ह जवन जीव देवेला। शरीर के कवनो फायदा ना होला, जवन बात हम तोहनी से कहत बानी, उ आत्मा ह आ जीवन ह।
64 तोहनी में से कुछ लोग अइसन बा जे विश्वास ना करेला। काहेकि यीशु शुरू से ही जानत रहलन कि उ लोग के हवें जे विश्वास ना कइले आ के उनकरा के धोखा देवे वाला बा।
65 उ कहलस, " हम तोहनी से कहनी कि जब तक हमार पिता के ओर से ओकरा के ना दिहल जाई, तब तक केहु हमरा लगे ना आ सकता।"
66 तब से उनकर बहुत चेला वापस चल गईले अवुरी अब उनुका संगे ना चलले।
67 तब यीशु बारह लोग से कहलन, " का तूहूँ चल जाईं?"
68 तब सिमोन पतरस ओकरा से कहलन, "हे प्रभु, हमनी के केकरा लगे जाईं जा?" तोहरा लगे अनन्त जीवन के वचन बा।
69 हमनी के विश्वास बा आ पक्का बा कि तू उ मसीह, जिंदा परमेश्वर के बेटा हउअ।
70 यीशु उनके जवाब दिहलन, " का हम तोहनी के बारह लोग के ना चुनले बानी आ तोहनी में से एगो शैतान ह?
71 उ शिमोन के बेटा यहूदा इस्करियोती के बारे में कहले रहले, काहेकि उ बारह में से एगो रहले, उहे उनुका के धोखा देवे वाला रहले।

अध्याय 7 के बा

1 एह सब के बाद यीशु गलील में चलल, काहेकि उ यहूदी धर्म में ना चले के चाहत रहले, काहेकि यहूदी लोग उनकरा के मारे के कोशिश करत रहले।
2 यहूदियन के तम्बू के परब नजदीक आ गईल रहे।
3 उनकर भाई लोग उनकरा से कहलन, "इहाँ से जाके यहूदिया में जा, ताकि तोहार चेलन भी देख सके कि तू जवन काम करत बाड़ऽ।"
4 काहे कि केहू अइसन नइखे जे गुप्त रूप से कवनो काम करेला आ ऊ खुदे खुल के जानल चाहत होखे। अगर तू ई काम करत बाड़ऽ त दुनिया के सामने आपन बात देखा दऽ।
5 काहेकि उनकर भाई लोग भी उनकरा पर विश्वास ना करत रहे|
6 तब यीशु उनकरा से कहलन, " हमार समय अभी नइखे आइल, लेकिन तोहनी के समय हमेशा तइयार बा।"
7 दुनिया तोहरा से नफरत नइखे कर सकत। लेकिन हम हमरा से नफरत करेला, काहे कि हम एकरा बारे में गवाही देत बानी कि ओकर काम बुरा ह।
8 तू लोग एह भोज में जा, हम अभी तक एह भोज में नईखी गईल। काहे कि हमार समय अभी पूरा नइखे भइल।
9 ई बात कहलन त ऊ गलील में रह गइलन।
10 जब उनकर भाई लोग चढ़ गइलन त ऊ भी भोज में खुल के ना, बल्कि गुप्त रूप से चढ़ गइलन।
11 तब यहूदी लोग भोज में ओकरा के खोजत कहले, "उ कहाँ बा?"
12 लोग के बीच उनकरा बारे में बहुत बड़बड़ाहट हो गईल, काहेकि कुछ लोग कहत रहे कि उ अच्छा आदमी हवे। लेकिन उ लोग के धोखा देवेला।
13 लेकिन यहूदी लोग के डर से केहू ओकरा बारे में खुल के ना बोलल।
14 भोज के बीच में यीशु मंदिर में जाके शिक्षा देत रहले।
15 यहूदी लोग अचंभित होके कहले, "ई आदमी कबो चिट्ठी के कइसे जानत बा?
16 यीशु उनकरा के जवाब दिहलन, " हमार शिक्षा हमार ना ह, बल्कि उहे ह जवन हमरा के भेजले बा।"
17 अगर केहू आपन मर्जी पूरा करे के चाहत बा त ओकरा पता चल जाई कि ई शिक्षा परमेश्वर के ह कि हम अपना बारे में कहत बानी।
18 जे अपना बारे में बात करेला, उ आपन महिमा के तलाश करेला, लेकिन जे ओकरा के भेजे वाला के महिमा के तलाश करेला, उहे सच्चा ह अवुरी ओकरा में कवनो अधर्म नईखे।
19 का मूसा तोहनी के व्यवस्था ना देले रहले, लेकिन तोहनी में से केहु व्यवस्था के पालन ना करेले? काहे हमरा के मारे वाला बानी?
20 लोग जवाब दिहलस, "तोहरा लगे एगो शैतान बा, तोहरा के के मारे वाला बा?

21 यीशु जवाब दिहलन, " हम एके काम कइले बानी आ तू सभे अचरज में पड़ गइल बाड़ऽ।"
22 मूसा तोहनी के खतना दे दिहलन। (एह से ना कि ई मूसा के ह, बलुक बाप-पिता के ह।) आ तू सब्त के दिन आदमी के खतना करऽ।
23 अगर कवनो आदमी के सब्त के दिन खतना करावल जाव त मूसा के नियम के उल्लंघन ना होखे। का तू हमरा पर खिसियाइल बाड़ऽ काहे कि हम सब्त के दिन एगो आदमी के ठीक कर देले बानी?
24 देखाई देवे के हिसाब से न्याय मत करीं, बल्कि धार्मिक न्याय के न्याय करीं।
25 यरूशलेम के कुछ लोग कहलस, "का इ उ ना ह, जेकरा के उ लोग मारे के कोशिश करत बाड़े?
26 लेकिन देखऽ, ऊ हिम्मत से बोलत बाड़न आ ऊ लोग ओकरा से कुछ ना कहत बा। का शासक लोग सचमुच जानत बा कि इहे मसीह हवें?
27 लेकिन हमनी के ई आदमी के जानत बानी जा कि उ कहाँ से आइल बा, लेकिन जब मसीह अइहें त केहू के पता ना चले कि उ कहाँ से आइल बाड़े।
28 तब यीशु मंदिर में सिखावत घरी चिल्ला के कहले, " तू दुनु जाना हमरा के जानत बानी आ हम कहाँ से बानी, हम अपना से ना आइल बानी, लेकिन जे हमरा के भेजले बा, उ सच्चा ह, जेकरा के तू नईखी जानत।"
29 लेकिन हम ओकरा के जानत हई, काहेकि हम ओकरा से हई अवुरी उ हमरा के भेजले बाड़े।
30 तब उ लोग ओकरा के पकड़े के कोशिश कईले, लेकिन केहु ओकरा प हाथ ना डाललस, काहेंकी उनुकर समय अभी तक ना आईल रहे।
31 लोग में से बहुत लोग उनकरा पर बिसवास कइल आ कहलस, "जब मसीह अइहें त का उ एह आदमी से भी जादा चमत्कार करीहें?"
32 फरीसी लोग सुनले कि लोग उनकरा बारे में अइसन बात कहत रहे। फरीसियन आ मुखिया याजक लोग ओकरा के पकड़े खातिर अधिकारी भेजलन।
33 तब यीशु उनकरा से कहलन, " अब तनी देर हम तोहनी के साथे रहब आ ओकरा बाद हम जे हमरा के भेजले बा, ओकरा लगे चल जाईब।"
34 तू लोग हमरा के खोजब आ हमरा के ना पाईब आ जहाँ हम बानी, उहाँ तू ना आ सकेनी।
35 तब यहूदी लोग आपस में पूछल, "उ कहाँ जाई कि हमनी के ओकरा के ना मिल पाई?" का ऊ गैर-यहूदी लोग के बीच बिखराइल लोग के लगे जाके गैर-यहूदी लोग के सिखाई?
36 इ कवन बात ह कि उ कहले कि, 'तू हमरा के खोजब, लेकिन हमरा के ना पाईब।'
37 अंतिम दिन, पर्व के महान दिन, यीशु खड़ा होके चिल्लात कहले, " जदि केहू के प्यास लागल बा त उ हमरा लगे आके पीये।"
38 जे हमरा पर विश्वास करी, जइसन कि पवित्रशास्त्र में कहल गइल बा कि ओकरा पेट से जिंदा पानी के नदी बहत होई।
39 (लेकिन इ बात उ आत्मा के बारे में कहले रहले, जवन कि उनुका प विश्वास करेवाला के मिले के चाही, काहेंकी पवित्र आत्मा अभी तक ना दिहल गईल रहे, काहेकी अभी तक यीशु के महिमा ना भईल रहे।)
40 इ बात सुन के बहुत लोग कहलस, "सच में इहे भविष्यवक्ता हउवें।"
41 दूसर लोग कहलस, "ई मसीह हउवें।" लेकिन कुछ लोग कहल कि, का मसीह गलील से निकल जइहें?
42 का पवित्रशास्त्र में इ नइखे कहल गइल कि मसीह दाऊद के वंशज से आ बेतलेहेम शहर से निकलल हउवें जहाँ दाऊद रहले?
43 ओकरा चलते लोग में फूट पड़ल।
44 उ लोग में से कुछ लोग ओकरा के पकड़ लेत रहले। लेकिन केहू ओकरा पर हाथ ना डाललस।
45 तब अफसर लोग मुख्य याजक आ फरीसियन के लगे पहुँचल। उ लोग उ लोग से पूछले कि, "तू लोग ओकरा के काहे ना ले आईल?"
46 अफसर लोग जवाब दिहलस, "एह आदमी जइसन कबो केहू ना बोलल।"
47 तब फरीसियन से कहलन, "का तू भी धोखा में पड़ल बाड़ऽ?"
48 का कवनो शासक भा फरीसी उनकरा पर विश्वास कइले बा?
49 लेकिन इ लोग जे व्यवस्था के ना जानेला, उ लोग अभिशप्त बा।
50 निकोदेमस उनकरा से कहलन, "जे रात में यीशु के पास आइल रहे, उ ओह लोग में से एगो रहलन)।
51 का हमनी के व्यवस्था केहू के सुनला से पहिले ओकर न्याय करेला आ ओकरा के का करत बा?
52 उ लोग ओकरा से पूछले, "का तू भी गलील के हउअ?" खोजीं आ देखऽ, काहे कि गलील से कवनो भविष्यवक्ता ना उठल बा।
53 हर आदमी अपना घरे चल गइल।

अध्याय 8 के बा

1 यीशु जैतून के पहाड़ पर चल गइलन।
2 सबेरे-सबेरे उ फिर से मंदिर में अईले अवुरी सब लोग उनुका लगे आ गईले। उ बईठ के ओ लोग के सिखवले।
3 शास्त्री आ फरीसी लोग व्यभिचार में पकड़ल एगो औरत के उनकरा लगे ले अइले। आ जब ऊ लोग ओकरा के बीच में बइठा दिहल.
4 उ लोग ओकरा से कहलस, "गुरु, इ औरत व्यभिचार में पकड़ल गईल रहे।
5 मूसा व्यवस्था में हमनी के आज्ञा देले बाड़न कि अइसन लोग के पत्थर मारल जाव, लेकिन तू का कहत बाड़ऽ?
6 इ बात उ लोग ओकरा के परीक्षा देत कहले कि ओकरा प आरोप लगावे के पड़े। लेकिन यीशु झुक के अपना अँगुरी से जमीन प लिखले, जईसे उ ओ लोग के बात नईखन सुनले।
7 जब उ लोग उनकरा से पूछत रहलन त उ उठ के कहलस, " जे तोहनी में से पाप ना होखे, उ पहिले ओकरा प पत्थर फेंके।"
8 ऊ फेरु झुक के जमीन पर लिखले।
9 ई बात सुन के लोग अपना विवेक से दोषी होके एक-एक करके बड़का से लेके आखिरी तक निकल गईले, त यीशु अकेले रह गईले अवुरी महिला बीच में खड़ा हो गईले।
10 जब यीशु उठ के ओह औरत के छोड़ के केहू ना देखले त उ ओकरा से पूछले, " मेरी, तोहार आरोप लगावे वाला कहाँ बाड़े? का केहू तोहरा के दोषी ना ठहरवले बा?
11 ऊ कहली, हे प्रभु, केहू ना। यीशु ओकरा से कहलन, " हम तोहरा के दोषी ना ठहरावत बानी, जा आ अब पाप मत करऽ।"

12 तब यीशु फेर से कहलन, " हम दुनिया के रोशनी हईं, जे हमरा पीछे चली, उ अन्हार में ना चली, बल्कि ओकरा जीवन के रोशनी मिली।
13 फरीसी लोग ओकरा से कहलस कि तू अपना बारे में गवाही देत बाड़। तोहार रिकार्ड सही नइखे।
14 यीशु जवाब दिहलन, " हम भले अपना बारे में गवाही देत बानी, लेकिन हमार गवाही सही बा, काहेकि हम जानत बानी कि हम कहाँ से आइल बानी आ कहाँ जात बानी। बाकिर हम कहाँ से आवत बानी आ कहाँ जात बानी, ई ना बता सकत बानी।
15 तू लोग शरीर के हिसाब से न्याय करेनी। हम कवनो आदमी के न्याय ना करेनी।
16 अगर हम न्याय करब त हमार फैसला सही बा, काहे कि हम अकेले नईखी, बालुक हम अवुरी उ पिता बानी, जवन कि हमरा के भेजले रहले।
17 तोहरा व्यवस्था में इहो लिखल बा कि दू आदमी के गवाही सही बा।
18 हम अपना बारे में गवाही देवे वाला हई अवुरी हमरा के भेजे वाला पिता हमरा बारे में गवाही देवेले।
19 तब उ लोग ओकरा से पूछले, "तोहार पिता कहाँ बाड़े? यीशु जवाब दिहलन, " तू लोग ना हमरा के जानत बाड़, ना हमरा पिता के, अगर तू हमरा के जानत रहतीं त हमरा पिता के भी जानत रहतीं।"
20 यीशु मंदिर में पढ़ावत घरी खजाना में इ बात कहले रहले, लेकिन केहु उनुका प हाथ ना डाललस। काहेकि उनकर समय अभी तक ना आईल रहे।
21 तब यीशु फेर से कहलन, " हम अपना रास्ता से चलत बानी, आ तू हमरा के खोजब आ अपना पाप में मरब।
22 तब यहूदी लोग कहलस, "का उ खुद के मार लेत बा?" काहे कि ऊ कहत बाड़न कि हम जहाँ जाइब, तू लोग ना आ सकऽ।
23 ऊ ओह लोग से कहलन, " तू लोग नीचे के हउअ। हम ऊपर के हईं, तू लोग एह संसार के हउअ। हम एह दुनिया के ना हईं।
24 हम तोहनी से कहनी कि तू अपना पाप में मरब, काहेकि अगर तू विश्वास ना करब कि हम उ हईं त तू अपना पाप में मरब।
25 तब उ लोग ओकरा से पूछले, "तू के हउअ?" यीशु उनसे कहलन, " उहे जवन हम तोहनी से शुरू से कहले रहनी ह।"
26 तोहनी के बारे में हमरा बहुत कुछ कहे के बा आ न्याय करे के बा, लेकिन जे हमरा के भेजले बा उ सच्चा ह। हम दुनिया से उहे बात कहत बानी जवन हम ओकरा बारे में सुनले बानी।
27 उ लोग इ ना समझ पवले कि उ ओ लोग से पिता के बारे में बोलत रहले।
28 तब यीशु उनकरा से कहलन, " जब तू लोग मनुष्य के बेटा के ऊपर उठा लेबऽ तबे तोहनी के पता चल जाई कि हम उ हईं आ हम अपना से कुछ नइखी करत। लेकिन जईसे हमार पिता हमरा के सिखवले बाड़े, हम इ बात कहत बानी।
29 जे हमरा के भेजले बा, उ हमरा संगे बा, पिता हमरा के अकेले नईखन छोड़ले। काहे कि हम हमेशा उहे काम करेनी जवन ओकरा के खुश करेला।
30 जब उ इ बात कहत रहले त बहुत लोग उनुका प विश्वास कईले।
31 तब यीशु उनकरा पर बिसवास करे वाला यहूदियन से कहलन, " जदि तू लोग हमरा वचन पर चलत रहब त तू हमार चेला हउअ।
32 तू लोग सच्चाई के जानब आ सच्चाई तोहनी के आजाद कर दी।
33 उ लोग जवाब देले, "हम अब्राहम के वंशज हई अवुरी कबो केहु के गुलाम ना रहनी।
34 यीशु उनके जवाब दिहलन, " हम तोहनी से सच कहत हई कि जे भी पाप करेला उ पाप के दास ह|
35 सेवक घर में हमेशा खातिर ना रहेला, लेकिन बेटा हमेशा खातिर रहेला।
36 अगर बेटा तोहनी के आजाद कर दी त तोहनी सचमुच आजाद होखब।
37 हम जानत बानी कि तू अब्राहम के वंशज हउअ। लेकिन तू लोग हमरा के मारे के कोशिश करत बाड़, काहेकि हमार वचन के तोहनी में कवनो जगह नईखे।
38 हम उहे कहत बानी जवन हम अपना पिता के साथे देखले बानी, आ तू उहे कर रहल बानी जवन तू अपना पिता के साथे देखले बानी।
39 उ लोग जवाब देले, "अब्राहम हमनी के बाप हवे।" यीशु उनकरा से कहलन, " अगर रउवां अब्राहम के संतान रहतीं त अब्राहम के काम करतीं।"
40 लेकिन अब तू हमरा के मारे के कोशिश करत बाड़, जवन हम तोहनी के उ सच्चाई बतवले बा, जवन हम परमेश्वर से सुनले बानी।
41 तू लोग अपना बाप के काम करत बाड़ऽ। तब उ लोग ओकरा से कहलस कि हमनी के व्यभिचार से पैदा ना भईल बानी जा। हमनी के एके गो पिता बाड़े, उहे भगवान।
42 यीशु उनकरा से कहलन, " जदि परमेश्वर तोहनी के पिता रहते त तोहनी हमरा से प्रेम करित। ना हम अपना से आइल रहनी, बलुक उ हमरा के भेजले बाड़े।
43 तू हमार बात काहे नइखऽ समुझत? इहाँ तक कि तू हमार बात नईखन सुन सकत।
44 तू लोग अपना बाप शैतान के हउअ आ अपना बाप के वासना के पूरा करब। उ शुरू से ही हत्यारा रहले अवुरी सच्चाई में ना रहले, काहेंकी उनुका में कवनो सच्चाई नईखे। जब ऊ झूठ बोलेला त ऊ आपन बात कहेला काहे कि ऊ झूठा ह आ ओकर बाप ह.
45 आऊ हम तोहके सच कहत हई, तू हमरा पर विश्वास नइखऽ।
46 तोहनी में से के हमरा के पाप के बारे में बतावेला? अगर हम साँच कहत बानी त तू लोग हमरा पर काहे नइखऽ बिसवास करत?
47 जे परमेस् वर के ह, उ परमेस् वर के बात सुनत हव, एही से तू उ बात नई सुनत हव, काहेकि तू परमेस् वर से ना हईं।
48 तब यहूदी लोग ओकरा से कहलस, "हमनी के अच्छा नईखी कहत कि तू सामरी हउअ आ ओकरा में एगो शैतान बा?"
49 यीशु जवाब दिहलन, " हमरा लगे कवनो शैतान नइखे। लेकिन हम अपना पिता के आदर करेनी अवुरी तू हमार बेइज्जत करतानी।
50 हम आपन महिमा नइखी खोजत, केहू बा जे खोजत बा आ न्याय करेला।
51 हम तोहनी से सच कहत हई कि अगर केहू हमार बात के पालन करी त ओकरा कबो मौत ना देखाई दिही।
52 तब यहूदी लोग ओकरा से कहलस, "अब हमनी के पता चल गईल बा कि तोहरा में एगो शैतान बा।" अब्राहम मर गइल बाड़न आ भविष्यवक्ता लोग। आ तू कहत बाड़ कि अगर आदमी हमार बात के पालन करी त ओकरा कबो मौत के स्वाद ना चली।

53 का तू हमनी के पिता अब्राहम से बड़ बाड़ू, जवन मर चुकल बाड़े? आ भविष्यवक्ता लोग मर गइल बा, तू खुद के के बनावत बाड़ू?
54 यीशु जवाब दिहलन, " अगर हम अपना के आदर करब त हमार आदर कुछुओ ना ह। जेकरा बारे में तू लोग कहत बाड़ऽ कि ऊ तोहार भगवान हउवन।
55 तबो तू लोग ओकरा के नइखी जानत। लेकिन हम ओकरा के जानत बानी, आ अगर हम कहब कि हम ओकरा के नईखी जानत त हम तोहनी निहन झूठा होखब, लेकिन हम ओकरा के जानतानी अवुरी ओकर बात के पालन करतानी।
56 तोहार बाप अब्राहम हमरा दिन देख के खुश हो गईले अवुरी उ एकरा के देख के खुश हो गईले।
57 तब यहूदी लोग ओकरा से कहलस, "तू अभी पचास साल के नईखन भईल अवुरी का तू अब्राहम के देखले बाड़ू?
58 यीशु ओह लोग से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि अब्राहम के रहे से पहिले हम बानी।
59 तब उ लोग पत्थर उठा के ओकरा पर फेंकले, लेकिन यीशु लुका के मंदिर से बाहर निकल के ओ लोग के बीच से गुजर गईले।

अध्याय 9 के बा

1 जब यीशु ओहिजा से गुजरत रहले त एगो आदमी के देखले जवन जन्म से ही आन्हर हो गईल रहे।
2 उनकर चेलन उनकरा से पूछले, "गुरु, ई आदमी भा ओकर माई-बाबूजी के पाप कइलस कि ऊ आन्हर पैदा भइल?
3 यीशु जवाब दिहलन, " ना ई आदमी पाप कइले बा, ना ओकर माई-बाबूजी, बलुक एह से कि परमेश्वर के काम ओकरा में प्रकट होखे।
4 हमरा के भेजे वाला के काम के काम करे के बा, जब तक कि हमरा के दिन होखे, रात आवेला, जब केहू काम ना कर सके।
5 जबले हम संसार में बानी, हम दुनिया के रोशनी हईं।
6 ई बात कहला के बाद ऊ जमीन पर थूक के थूक से माटी बनवलन आ आन्हर के आँख पर माटी से अभिषेक कर दिहलन।
7 ऊ ओकरा से कहलस, " जा के सिलोआम के कुंड में नहा जा, जवना के मतलब बा कि भेजल गइल बा।
8 पड़ोसी आउर जे पहिले उनका के आन्हर देखले रहले, उ लोग पूछले, "का इ उ ना ह जवन बईठ के भीख मांगत रहे?"
9 कुछ लोग कहल कि इ उ ह, कुछ लोग कहल कि उ उनुका निहन ह, लेकिन उ कहलस कि हम उ हई।
10 उ लोग ओकरा से पूछले, "तोहार आँख कईसे खुलल?
11 ऊ जवाब दिहलन, "ईसा नाम के एगो आदमी माटी बनवले आ हमरा आँख पर अभिषेक कइलस आ हमरा से कहलस कि, सिलोआम के कुंड में जाके धोईं, हम जाके नहा के देखनी।
12 तब उ लोग ओकरा से पूछले, "उ कहाँ बा?" ऊ कहले, हमरा नइखे मालूम.
13 उ लोग पहिले आन्हर के फरीसियन के लगे ले अइले।
14 उ सब्त के दिन रहे जब यीशु माटी बनवले आ आँख खोलले।
15 फिर फरीसियन भी उनकरा से पूछले कि उनकर दृष्टि कइसे हो गईल| उ लोग से कहलस कि उ हमरा आँख प माटी डाल देले अवुरी हम धो के देखतानी।
16 एह से कुछ फरीसी लोग कहल कि, "ई आदमी परमेश्वर के ना ह, काहेकि उ सब्त के दिन ना मनेला।" दोसरा लोग कहल कि पापी आदमी अइसन चमत्कार कइसे कर सकेला? आ ओह लोग के बीच बंटवारा हो गइल।
17 उ लोग फेर से आन्हर से पूछले कि, तू ओकरा बारे में का कहत बाड़ू कि उ तोहार आँख खोल देले बा? उ कहले कि, उ एगो भविष्यवक्ता हवे।
18 लेकिन यहूदी लोग उनकरा बारे में बिसवास ना कइल कि उ आन्हर हो गइल बा आ आँख ना देख पावेला, जब तक कि उ लोग के माई-बाप के ना बोलवले।
19 उ लोग पूछले, "का इ तोहार बेटा ह, जेकरा के रउआ कहत बानी कि आन्हर पैदा भईल बा?" त अब ऊ कइसे देखत बा?
20 उनकर माई-बाबूजी उनके जवाब देले, "हम जानत हई कि इ हमनी के बेटा ह अवुरी उ आन्हर पैदा भईल बा।
21 लेकिन अब उ कवना तरीका से देखत बाड़े, हमनी के नईखी जानत। या जे आपन आँख खोलले बा, उ हमनी के नईखी जानत। ओकरा से पूछीं, ऊ अपना खातिर बोली।
22 उनकर माई-बाबूजी इ बात एह से कहले कि उ लोग यहूदी लोग से डेरात रहले, काहेकि यहूदी लोग पहिलही से सहमत रहले कि अगर केहु अपना के मसीह के कबूल करी त ओकरा के सभाघर से बाहर निकाल दिहल जाए।
23 एही से उनकर माई-बाबूजी कहले, "उ उमिर के हो गइल बा। ओकरा से पूछीं।
24 तब उ लोग फेर से आन्हर आदमी के बोलवले आ कहलन कि, "परमेशवर के स्तुति करऽ, हमनी के जानत बानी जा कि इ आदमी पापी ह।"
25 उ जवाब देले, "उ पापी ह कि ना, हम नईखी जानत।
26 तब उ लोग फेरु से पूछले, "उ तोहरा के का कईले?" ऊ तोहार आँख कइसे खोललस?
27 उ लोग के जवाब देले, "हम तोहनी के पहिलही बता देले बानी, लेकिन तू लोग ना सुननी। का तोहनी भी ओकर चेला बनबऽ?
28 तब उ लोग ओकरा के गारी देत कहले, "तू ओकर चेला हउअ। लेकिन हमनी के मूसा के चेला हई।
29 हमनी के जानत बानी जा कि परमेश्वर मूसा से बात कईले रहले, लेकिन इ आदमी के बारे में हमनी के नईखी जानत कि उ कहाँ से आईल बाड़े।
30 ऊ आदमी ओह लोग से कहलस, "अचरज के बात काहे बा कि तोहनी नइखऽ जानत कि ऊ कहाँ से आइल बा, बाकिर तबहियों ऊ हमार आँख खोलले बा।
31 अब हमनी के जानत बानी जा कि परमेश्वर पापी के बात ना सुनेलन, लेकिन अगर केहू परमेश्वर के उपासक होखे आ आपन इच्छा के पालन करेला त उ ओकर बात सुनेला।
32 जबसे दुनिया के शुरुआत भइल रहे तबसे ई ना सुनल गइल कि केहू आन्हर पैदा भइल आदमी के आँख खोलले बा।
33 अगर इ आदमी परमेश्वर के ना रहित त उ कुछ ना कर सकत रहे।
34 उ लोग जवाब देके कहलस कि, तू पाप में पैदा भईल बाड़ू, का तू हमनी के सिखावत बाड़ू? आ ऊ लोग ओकरा के बाहर निकाल दिहल।
35 यीशु सुनले कि उ लोग ओकरा के बाहर निकाल देले बाड़े। जब उ ओकरा के पा के कहलस, " का तू परमेश्वर के बेटा प विश्वास करत बाड़ू?"
36 ऊ जवाब दिहलन, "हे प्रभु, ऊ के ह, कि हम ओकरा पर विश्वास कर सकीले?"

37 यीशु ओकरा से कहलन, " तू दुनु जाना ओकरा के देखले बाड़ऽ आ तोहरा से बात करे वाला उहे ह।"
38 ऊ कहलन, "प्रभु, हम विश्वास करत बानी।" आ ऊ उनकर पूजा कइलन।
39 यीशु कहलन, " हम न्याय खातिर एह दुनिया में आइल बानी ताकि जे ना देखेला उ लोग देख सके। आउर जे देखत बा, उ आन्हर हो जास।
40 ओकरा साथे कुछ फरीसी लोग इ बात सुन के पूछले, "का हमनी के भी आन्हर बानी जा?"
41 यीशु ओह लोग से कहलन, " अगर तू लोग आन्हर रहतीं त तोहनी के कवनो पाप ना रहित। एही से तोहार पाप बनल बा।

अध्याय 10 के बा

1 हम तोहनी से सच कहत हईं कि जे दुआर से भेड़ के गोड़ में ना घुसेला, लेकिन कवनो दोसरा रास्ता से चढ़ जाला, उ चोर अवुरी डकैत ह।
2 लेकिन जे दुआर से घुसेला उ भेड़ के चरवाहा ह।
3 ओकरा खातिर द्वारपाल खुलेला। आ भेड़ ओकर आवाज सुनेला आ ऊ अपना भेड़न के नाम से बोलावेला आ ओकरा के बाहर निकाल देला।
4 जब ऊ आपन भेड़ के बाहर निकालेला त ऊ ओह लोग के आगे चल जाला आ भेड़ ओकरा पीछे-पीछे चलेला काहे कि ऊ लोग ओकर आवाज जानत बा.
5 ऊ लोग परदेसी के पीछे ना चली, बलुक ओकरा से भाग जइहें, काहे कि ऊ लोग परदेसी के आवाज ना जानत बा।
6 ई दृष्टान्त यीशु उनके से कहले रहले, लेकिन उ लोग इ ना समझ पवले कि उ कवन बात उ लोग से कहले रहले।
7 तब यीशु फेर से कहलन, " हम तोहनी से सच कहत हईं कि हम भेड़ के दुआर हईं।"
8 हमरा से पहिले के सब चोर आ लुटेरा ह, लेकिन भेड़ उ लोग के बात ना सुनलस।
9 हमहीं दुआर हईं, अगर केहू भीतर घुस जाई त ओकरा के बचावल जाई आ ऊ अंदर-बाहर जाई आ चारागाह पाई।
10 चोर चोरी करे, मारे आ नाश करे खातिर ना आवेला।
11 हम अच्छा चरवाहा हईं, अच्छा चरवाहा भेड़ के बदले आपन जान दे देला।
12 लेकिन जे भाड़ा के काम करेला, चरवाहा ना, जेकर भेड़ के मालिक ना होखे, उ भेड़िया के आवत देख के भेड़ के छोड़ के भाग जाला, अवुरी भेड़िया ओ लोग के पकड़ के भेड़ के तितर-बितर क देवेला।
13 भाड़ा वाला भाग जाला, काहे कि ऊ भाड़ा वाला ह आ भेड़न के परवाह ना करेला।
14 हम बढ़िया चरवाहा हईं आ अपना भेड़न के जानत हईं आ अपना भेड़न के जानत हईं।
15 जइसे पिता हमरा के जानत हउवें, ओइसहीं हम पिता के जानत बानी आ भेड़न खातिर आपन जान दे देनी।
16 हमरा लगे अउरी भेड़ बाड़ी स जवन एह झुंड के ना हईं स, उहो हमरा ले आवे के होई, त उ हमार आवाज सुन जईहे। आ एके गो झुंड आ एके गो चरवाहा होई।
17 एही से हमार पिता हमरा से प्यार करेलन, काहे कि हम आपन जान दे देले बानी ताकि हम ओकरा के फेर से ले सकीले।
18 हमरा से केहू एकरा के ना लेवेला, लेकिन हम खुदे एकरा के दे देनी। हमरा लगे ओकरा के बिछावे के ताकत बा, आ ओकरा के फेर से लेबे के ताकत बा। ई आज्ञा हमरा अपना पिता से मिलल बा।
19 एह बात के चलते यहूदी लोग में फिर से फूट हो गईल|
20 उ लोग में से बहुत लोग कहल कि, "उनुका में एगो शैतान बा, उ पागल बा। ओकरा के काहे सुनत बाड़ऽ?
21 दूसर लोग कहलस, "ई बात ओह आदमी के ना ह जेकरा में शैतान बा।" का शैतान आन्हर के आँख खोल सकेला?
22 यरूशलेम में समर्पण के पर्व रहे आ जाड़ा के समय रहे।
23 यीशु सुलैमान के बरामदा में मंदिर में घूमत रहले।
24 तब यहूदी लोग उनकरा चारों ओर आके पूछले, "तू हमनी के कब तक संदेह करावत बाड़ू? अगर तू मसीह हउअ त हमनी के साफ-साफ बताईं।
25 यीशु उनकरा के जवाब दिहलन, " हम तोहनी के बतवले रहनी, लेकिन तू लोग विश्वास ना कईनी।
26 लेकिन तू लोग विश्वास नईखी करत, काहेकि तू लोग हमरा भेड़ के ना हईं, जईसे हम तोहनी से कहले रहनी।
27 हमार भेड़ हमार आवाज सुनत बाड़ी स आ हम ओह लोग के जानत बाड़ी स आ उ लोग हमरा पीछे चलत बाड़ी स।
28 हम ओह लोग के अनन्त जीवन देत बानी। आ ऊ लोग कबो नाश ना होई आ ना केहू हमरा हाथ से उखाड़ पाई।
29 हमार पिता जे हमरा के देले बाड़े, उ सब से बड़ बाड़े। आ हमरा पिता के हाथ से केहू उखाड़ ना पावेला।
30 हम आ हमार पिता एके हईं।
31 तब यहूदी लोग ओकरा के पत्थर मारे खातिर फेर से पत्थर उठा लिहले।
32 यीशु उनके जवाब दिहलन, " हम अपना पिता के ओर से तोहनी के बहुत अच्छा काम देखवले बानी। ओह काम में से कवना काम खातिर तू हमरा के पत्थर मारत बाड़ऽ?
33 यहूदी लोग ओकरा के जवाब दिहल, "हमनी के अच्छा काम खातिर तोहरा के पत्थर नईखी मारत। लेकिन निंदा करे खातिर; आ एह से कि तू आदमी होखला के नाते अपना के भगवान बना लेत बाड़ू।
34 यीशु उनके जवाब दिहलन, " का तोहनी के व्यवस्था में लिखल नइखे कि हम कहनी कि तू लोग देवता हउवऽ?
35 अगर उ ओह लोग के देवता कहत रहले, जेकरा लगे परमेश्वर के वचन आइल रहे आ पवित्रशास्त्र के तोड़ल ना जा सके।
36 जेकरा के पिता पवित्र क के दुनिया में भेजले बाड़न, ओकरा बारे में कहऽ कि तू निंदा करत बाड़ऽ। काहे कि हम कहनी कि हम परमेश्वर के बेटा हईं?
37 अगर हम अपना पिता के काम ना करब त हमरा पर विश्वास मत करीं।
38 लेकिन अगर हम करब त भले ही तू हमरा पर विश्वास ना करब त काम पर विश्वास करीं, ताकि तू लोग जान सकीले कि पिता हमरा में बाड़े अवुरी हम उनुका में बानी।
39 एही से उ लोग फेर से ओकरा के पकड़े के कोशिश कईले, लेकिन उ ओ लोग के हाथ से बच गईले।
40 ऊ फेर यरदन के ओह पार चल गइलन जहाँ यूहन्ना पहिले बपतिस्मा दिहले रहले. आ उहाँ उ रह गईले।
41 बहुत लोग उनकरा लगे आके कहलन, "यूहन्ना कवनो चमत्कार ना कइले, लेकिन यूहन्ना एह आदमी के बारे में जवन भी बात कहले रहले उ सब सही रहे।"

42 उहाँ बहुत लोग उनकरा पर बिसवास कइल।

अध्याय 11 के बा

1 मरियम आ उनकर बहिन मार्था के शहर बेथानी के एगो आदमी बेमार रहे, जेकर नाम लाजर रहे।
2 (उ मरियम उहे रहली जे प्रभु के मरहम से अभिषेक कईली अवुरी बाल से उनुकर गोड़ पोंछली, जेकर भाई लाजर बेमार रहले।)
3 एही से उनकर बहिन लोग उनकरा लगे भेजलस कि, "प्रभु, देख, जेकरा से तू प्यार करेलऽ, उ बेमार बा।"
4 ई बात सुन के यीशु कहलन, " ई बेमारी मौत के ओर ना, बल्कि परमेश्वर के महिमा खातिर बा, ताकि परमेश्वर के बेटा के महिमा हो सके।"
5 यीशु मार्था, उनकर बहिन आ लाजर से प्यार करत रहले।
6 जब उ सुनले कि उ बेमार बाड़े, त उ दु दिन तक उहे जगह प रहले, जहां उ रहले।
7 ओकरा बाद उ अपना चेलन से कहलन, " हमनी के फिर से यहूदिया में चलल जाव।"
8 उनकर चेला लोग उनकरा से कहलन, "गुरु, देर से यहूदी लोग तोहरा के पत्थर मारे के कोशिश करत रहे। आ का तू फेर ओहिजा जा रहल बाड़?
9 यीशु जवाब दिहलन, का दिन में बारह घंटा ना होला? अगर केहू दिन में चलेला त ओकरा ठोकर ना लागेला काहे कि ओकरा एह दुनिया के रोशनी देखाई देला।
10 लेकिन अगर आदमी रात में चलेला त उ ठोकर खा जाला, काहे कि ओकरा में कवनो रोशनी नईखे।
11 उ इ सब कहलन आ ओकरा बाद उ लोग से कहलन कि, " हमनी के दोस्त लाजर सुतल बा। लेकिन हम जानी ताकि हम ओकरा के नींद से जगा सकी।
12 तब उनकर चेलन कहलन, "हे प्रभु, अगर उ सुत जाई त ठीक हो जाई।"
13 लेकिन यीशु अपना मौत के बात कहले, लेकिन उ लोग सोचले कि उ नींद में आराम करे के बात कहले बाड़े।
14 तब यीशु ओह लोग से साफ-साफ कहलन कि लाजर मर गइल बा।
15 हम तोहनी खातिर खुश बानी कि हम उहाँ ना रहनी, ताकि रउआ लोग विश्वास कर सकीले। तबो हमनी के उनुका लगे चलल जाव।
16 तब थोमा, जे डिडिमस कहल जाला, अपना साथी चेलन से कहलन, "हमनी के भी जाके उनकरा साथे मर सकीले।"
17 जब यीशु अइले त देखले कि उ चार दिन पहिले से कब्र में पड़ल रहले।
18 बेथानी यरूशलेम के नजदीक रहे, जवन कि लगभग पंद्रह फरलोंग दूर रहे।
19 कई गो यहूदी लोग मार्था आ मरियम के पास अपना भाई के बारे में दिलासा देवे खातिर अईले|
20 मार्था यीशु के आवे के बात सुनते जाके उनुका से भेंट कईली, लेकिन मरियम घर में स्थिर रहली।
21 मार्था यीशु से कहली, "हे प्रभु, अगर तू इहाँ रहते त हमार भाई ना मरित।"
22 लेकिन हम जानत बानी कि अभी भी तू जवन कुछ परमेश्वर से माँगब, उ तोहरा के दे दिहे।
23 यीशु ओकरा से कहलन, " तोहार भाई जी उठ जइहें।"
24 मार्था ओकरा से कहली, "हम जानत बानी कि आखिरी दिन में उ जी उठला में जी उठ जइहें।"
25 यीशु ओकरा से कहलन, " हम जी उठला आ जीवन हईं। जे हमरा पर बिसवास करी, भले ऊ मर गइल बा, तबो जिंदा रही।
26 जे भी जिंदा बा आ हमरा पर विश्वास करी, उ कबो ना मर पाई। का तू ई बात पर विश्वास करत बाड़ऽ?
27 ऊ ओकरा से कहली, "हे प्रभु, हम मानत बानी कि तू मसीह, परमेश्वर के बेटा हउअ, जे दुनिया में आवे वाला हउअ।"
28 इ कहला के बाद उ अपना बहिन मरियम के चुपके से बोलवली आ कहली कि, गुरु आके तोहरा के बोलावतारे।
29 इ बात सुनते उ जल्दी से उठ के उनुका लगे अईली।
30 यीशु अभी तक ओह नगर में ना आइल रहले, लेकिन उ उ जगह प रहले, जहवां मार्था उनुका से मिलली।
31 मरियम के साथे घर में सान्त्वना देवे वाला यहूदी लोग मरियम के जल्दबाजी में उठ के बाहर निकलल देख के उनकर पीछे-पीछे चल गईले आ कहले कि, "उ उहाँ रोवे खातिर कब्र में जात बाड़ी।"
32 जब मरियम उहाँ पहुँचली आ उनुका के देखली त उनुका गोड़ से गिर के कहली, "हे प्रभु, अगर तू इहाँ रहते त हमार भाई ना मरित।"
33 जब यीशु ओकरा के रोवत देखलन आ ओकरा साथे आइल यहूदी लोग के भी रोवत देखलन त ऊ मन में कराह उठल आ घबरा गइलन।
34 ऊ कहलन, " तू ओकरा के कहाँ रखले बाड़ऽ?" उ लोग ओकरा से कहलस, "प्रभु, आके देखऽ।"
35 यीशु रोवे लगलन।
36 तब यहूदी लोग कहलस, "देखीं, उ ओकरा से केतना प्यार करत रहले!
37 उ लोग में से कुछ लोग कहलस, "का इ आदमी जवन आन्हर के आँख खोलले रहे, उ ना हो सकत रहे कि इ आदमी के भी मौत ना हो सकत रहे?
38 ईसा फेर अपना में कराह के कब्र में आ गइलन। ऊ एगो गुफा रहे आ ओकरा पर एगो पत्थर पड़ल रहे।
39 यीशु कहलन, "पत्थर के हटा दऽ।" मरला के बहिन मार्था ओकरा से कहली, "प्रभु, अब तक उ बदबूदार हो गईल बा, काहेकि उ चार दिन से मर गईल बा।"
40 यीशु ओकरा से कहलन, " का हम तोहरा से ना कहनी कि अगर तू विश्वास करब त परमेश्वर के महिमा देखब?
41 तब उ लोग ओह जगह से पत्थर लेके चल गईले, जहवाँ मरेवाला लोग के बिछावल गईल रहे। यीशु आपन आँख उठा के कहले, " बाबू, हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी कि तू हमार बात सुनले बाड़ू।"
42 हम जानत रहनी कि तू हमार बात हमेशा सुनत रहलू, लेकिन बगल में खड़ा लोग के चलते हम इ बात कहनी ताकि उ लोग विश्वास करस कि तू हमरा के भेजले बाड़ू।
43 ई बात कह के ऊ जोर से चिल्ला के कहलन कि लाजर, बाहर आ जा।
44 मरल आदमी कब्र के कपड़ा से हाथ-गोड़ बान्ह के निकलल आ ओकर चेहरा नैपकिन से बान्हल रहे। यीशु उनकरा से कहलन, " ओकरा के ढीला करऽ आ छोड़ दीं।"
45 तब बहुत सारा यहूदी मरियम के पास आइल आ यीशु के कइल काम देख के उनकरा पर बिसवास कइल।

46 लेकिन उ लोग में से कुछ लोग फरीसियन के लगे जाके यीशु के काम के बारे में बतवले|
47 तब मुख्य याजक आ फरीसियन के एगो मंडली बटोर के पूछले, “हम का करीं? काहेकि इ आदमी बहुत चमत्कार करेला।
48 अगर हमनी के ओकरा के अईसन छोड़ देनी जा त सब लोग ओकरा प विश्वास करीहे अवुरी रोमी लोग आके हमनी के जगह अवुरी राष्ट्र दुनो के छीन लीहे।
49 ओही साल ओह लोग में से एगो काइफा नाम के महायाजक रहलन आ कहलन कि, “तू लोग कुछुओ नइखऽ जानत।
50 आ ई ना सोचीं कि हमनी खातिर ई उचित बा कि एक आदमी लोग खातिर मर जाव आ पूरा राष्ट्र के नाश ना होखे।
51 ई बात ऊ अपना से ना कहले, बलुक ओह साल महायाजक के रूप में भविष्यवाणी कइले कि यीशु ओह राष्ट्र खातिर मर जइहें।
52 खाली ओह जाति खातिर ना, बलुक भगवान के संतान के एकट्ठा करे खातिर भी, जवन कि बिखराइल रहले।
53 तब से उ लोग ओकरा के मारे के फैसला कईले।
54 एह से यीशु अब यहूदी लोग के बीच खुल के ना चललन। लेकिन उहाँ से जंगल के नजदीक एप्रैम नाम के एगो शहर में चल गईले अवुरी उहाँ उनुकर चेलन के संगे रहले।
55 यहूदियन के फसह के परब नजदीक आ गईल रहे, त बहुत लोग फसह के पर्व से पहिले देश से बाहर निकल के यरूशलेम तक अपना के शुद्ध करे खातिर चल गईले।
56 तब उ लोग यीशु के खोजत रहले आ मंदिर में खड़ा होके आपस में बात करत रहले कि, “तू लोग के का लागत बा कि उ भोज में ना अइहें?”
57 मुख्य याजक आ फरीसियन दुनो लोग एगो आज्ञा देले रहले कि अगर केहु के पता होखे कि उ कहाँ बाड़े त उ ओकरा के बतावे ताकि उ लोग ओकरा के पकड़ सके।

अध्याय 12 के बा

1 फसह के पर्व से छह दिन पहिले यीशु बेथानी पहुंचले, जहवाँ लाजर मरल रहले, जेकरा के उ मुवलन में से जिंदा कईले रहले।
2 उहाँ उ लोग उनकरा के भोज बनवले। मार्था सेवा करत रहली, लेकिन लाजर उनुका संगे मेज प बईठल लोग में से एगो रहले।
3 तब मरियम एक पाउंड मलम के मलहम लेके, जवन बहुत महंगा रहे, लेके यीशु के गोड़ प अभिषेक कईली अवुरी उनुका बाल से उनुकर गोड़ पोंछली अवुरी घर में मरहम के गंध से भर गईल।
4 तब उनकर एगो चेला सिमोन के बेटा यहूदा इस्करियोती कहलस।
5 ई मरहम तीन सौ पेंस में बेच के गरीबन के काहे ना दिहल गइल?
6 इ बात उ इ ना कहले कि उ गरीब के परवाह करत रहले। लेकिन काहे कि ऊ चोर रहे आ ओकरा लगे झोरा रहे आ जवन कुछ ओकरा में डालल रहे ओकरा के लेके चलत रहे।
7 तब यीशु कहलन, “ उनके छोड़ दीं।
8 काहेकि गरीबन के तोहनी के साथे हमेशा रहेला। लेकिन हमरा के तोहनी के हमेशा ना रहे।
9 यहूदियन के बहुत लोग जान गईले कि उ उहाँ बाड़े, लेकिन उ लोग सिर्फ यीशु के खातिर ना आईल रहले, बालुक लाजर के भी देखे खाती आईल रहले, जेकरा के उ मुवलन में से जिंदा कईले रहले।
10 लेकिन मुख्य याजक लोग लाजर के भी मार देवे खातिर विचार कईले।
11 काहे कि उनकरा चलते बहुत यहूदी लोग यीशु पर बिसवास कइल।
12 अगिला दिने बहुत लोग भोज में आवे वाला लोग सुन के कि यीशु यरूशलेम आवत बाड़े।
13 ताड़ के पेड़ के डाढ़ लेके ओकरा से मिले निकलल आ चिल्ला के कहलस कि, “होसाना, “धन्य हे इस्राएल के राजा जे प्रभु के नाम से आवेला।
14 जब यीशु के एगो गदहा के बच्चा मिल गईल त उ ओकरा प बईठ गईले। जइसे लिखल बा,
15 हे सियोन के बेटी, मत डेरा, देख, तोहार राजा गदहा के बछड़ा पर बईठल आवत बाड़े।
16 पहिले उनकर चेलन के इ सब बात ना बुझाइल, लेकिन जब यीशु के महिमा हो गईल त उ लोग याद कईले कि इ बात उनुका बारे में लिखल बा अवुरी उ लोग उनुका संगे इ काम कईले बाड़े।
17 जब ऊ लाजर के कब्र से बोला के जिंदा कइलन त उनकरा साथे रहल लोग गवाही दिहल।
18 एही से लोग भी उनकरा से भेंट कईले, काहेकि उ लोग सुनले कि उ इ चमत्कार कईले बाड़े।
19 फरीसी लोग आपस में कहलस, “का तू लोग समझत हव कि तोहनी के कुछुओ ना जीतल? देखऽ, दुनिया ओकरा पीछे चल गइल बा।
20 ओह लोग में कुछ यूनानी लोग भी रहलन जे भोज में पूजा करे आइल रहले।
21 उ गलील के बेतसैदा के रहे वाला फिलिप से निहोरा करत कहलस कि, “महाराज, हमनी के यीशु से मिले के चाहत बानी जा।”
22 फिलिपुस आके आंद्रियास के बतवले, आ फिर अँड्रियास आ फिलिपुस यीशु के बतवले।
23 यीशु ओह लोग के जवाब दिहलन, “ समय आ गइल बा कि मनुष्य के बेटा के महिमा होखे।
24 हम तोहनी से साँच कहत हई कि जब तक गेहूं के दाना जमीन में ना गिर के मर ना जाई त उ अकेले रहेला, लेकिन अगर मर जाई त बहुत फल देवेला।
25 जे आपन जान से प्यार करेला, उ ओकरा के गंवा दी। आ जे एह संसार में अपना जीवन से नफरत करेला, ऊ ओकरा के अनन्त जीवन खातिर रखी।
26 अगर केहू हमार सेवा करेला त उ हमरा पीछे चले। जहाँ हम बानी, उहाँ हमार सेवक भी होई, अगर केहू हमार सेवा करी त हमार पिता ओकर आदर करीहे।
27 अब हमार प्राण घबराइल बा। आ हम का कहब? बाबू, हमरा के एह घड़ी से बचाईं, लेकिन हम एही समय में आ गईनी।
28 हे पिता, आपन नाम के महिमा करऽ। तब स्वर्ग से एगो आवाज आइल कि हम एकर महिमा कइले बानी आ फेर से एकर महिमा भी करब।
29 ओहिजा खड़ा होके सुनल लोग कहलस कि गरजत बा।
30 यीशु जवाब दिहलन, “ ई आवाज हमरा से ना, तोहनी खातिर आइल बा।”
31 अब एह संसार के न्याय बा, अब एह संसार के राजकुमार के बाहर निकालल जाई।

32 अगर हम धरती से उठावल जाइब त सब आदमी के अपना लगे खींच लेब।
33 इ बात उ इ बतावत कहले कि उ कवना मौत के मरला।
34 लोग जवाब दिहलस, "हमनी के व्यवस्था से सुनले बानी जा कि मसीह हमेशा खातिर रहेला। ई आदमी के बेटा के ह?
35 तब यीशु उनकरा से कहलन, " अभी तनी देर तोहनी के साथे इजोत बा।" जबले तोहनी के रोशनी बा तबले चलत रहऽ कि तोहनी पर अन्हार मत आ जाव काहे कि जे अन्हार में चलत बा ऊ ना जानत बा कि ऊ कहाँ जात बा.
36 जबले तोहनी के इजोत बा तब तक तोहनी के इजोत पर बिसवास करऽ ताकि तू लोग इजोत के संतान बनीं। ई बात ईसा कहलन आ चल गइलन आ ओह लोग से लुका गइलन.
37 लेकिन उ लोग से पहिले एतना चमत्कार कईले रहले, लेकिन उ लोग उनुका प विश्वास ना कईले।
38 ताकि यशायाह भविष्यवक्ता के इ बात पूरा होखे कि उ कहले रहले कि, "हे प्रभु, हमनी के बात प के विश्वास कईले बा?" आ प्रभु के बाँहि केकरा पर प्रगट भइल बा?
39 एही से उ लोग विश्वास ना कर पवले, काहेकि यशायाह फेर से इ बात कहले।
40 ऊ ओह लोग के आँख आन्हर कर दिहले बाड़न आ ओह लोग के दिल कठोर कर दिहले बाड़न. कि ऊ लोग आँख से ना देखे, ना मन से समझे, आ बदले, आ हम ओह लोग के ठीक कर दीं।
41 यशायाह उनकर महिमा देख के उनकरा बारे में बात कइलन।
42 एकरा बावजूद प्रमुख शासकन में भी बहुत लोग उनकरा पर बिसवास कइल। लेकिन फरीसियन के चलते उ लोग उनुका के कबूल ना कईले कि कहीं उ लोग के सभाघर से बाहर ना निकालल जा सके।
43 काहेकि उ लोग परमेश्वर के स्तुति से ज्यादा आदमी के स्तुति से ज्यादा प्यार करत रहले।
44 यीशु चिल्ला के कहलन, " जे हमरा पर विश्वास करेला, उ हमरा पर ना, बल्कि हमरा के भेजे वाला पर विश्वास करेला।"
45 जे हमरा के देखत बा, उ हमरा के भेजे वाला के देखत बा।
46 हम दुनिया में एगो रोशनी बनल बानी, ताकि जे भी हमरा पर विश्वास करेला, उ अन्हार में ना रहे।
47 अगर केहू हमार बात सुन के विश्वास ना करेला त हम ओकर न्याय ना करेनी काहे कि हम दुनिया के न्याय करे खातिर ना आईल बानी, बल्कि दुनिया के बचावे खातिर आईल बानी।
48 जे हमरा के ठुकरा के हमार बात ना ग्रहण करी, ओकरा लगे न्याय करे वाला बा।
49 काहेकि हम अपना बारे में नइखी बोलले। लेकिन जे पिता हमरा के भेजले रहले, उ हमरा के एगो आज्ञा देले रहले कि हम का कहब अवुरी का बोलब।
50 हम जानत बानी कि उनकर आज्ञा अनन्त जीवन ह, एहसे हम जवन कुछ कहत बानी, जइसे पिता हमरा से कहले रहले, उहे कहत बानी।

अध्याय 13 के बा

1 फसह के पर्व से पहिले जब यीशु के पता चलल कि उनकर समय आ गईल बा कि उ दुनिया से बाहर निकल के पिता के लगे जाए के बा, त उ अपना दुनिया में रहे वाला लोग से प्रेम कईले, त उ अंत तक प्रेम कईले।
2 रात के खाना खइला के बाद शैतान शिमोन के बेटा यहूदा इस्करियोती के दिल में डाल के ओकरा के धोखा दे दिहलस।
3 यीशु जानत रहलन कि पिता सब कुछ अपना हाथ में देले बाड़न आऊ परमेस् वर के ओर से आके परमेश्वर के पास चल गइलन।
4 ऊ रात के खाना खइला से उठ के आपन कपड़ा अलगा कर देला। आ एगो तौलिया लेके कमरबंद कर लिहले।
5 ओकरा बाद ऊ एगो तह में पानी डाल के चेलन के गोड़ धोवे लगलन आ जवना तौलिया से ऊ पट्टी बान्हले रहले ओकरा से पोंछे लगलन।
6 तब ऊ शमौन पतरस के लगे अइले आ पतरस ओकरा से कहलन, "हे प्रभु, का तू हमार गोड़ धोवत बाड़ऽ?"
7 यीशु जवाब दिहलन, " हम का करत बानी, तू अब नइखऽ जानत; बाकिर तूँ बाद में जानबऽ।
8 पतरस ओकरा से कहलन, "तू हमार गोड़ कबो ना धोईब।" यीशु जवाब दिहलन, " अगर हम तोहरा के ना धोइब त तोहरा हमरा से कवनो हिस्सा नइखे।
9 शमौन पतरस ओकरा से कहलन, "हे प्रभु, खाली हमार गोड़ ना, बलुक हमार हाथ आ माथा भी।"
10 यीशु ओकरा से कहलन, " जे धोवल गइल बा ओकरा गोड़ धोवे के छोड़ के जरूरत नइखे, बलुक ऊ हर कतरा साफ बा।
11 काहेकि उ जानत रहले कि के ओकरा के धोखा देवे के बा। एही से कहलन कि, "तू सब साफ नइखऽ।"
12 उ लोग के गोड़ धो के आपन कपड़ा लेके फिर से बइठला के बाद उ लोग से कहलस, "का तू लोग जानत बाड़ू कि हम तोहनी के का कईले बानी?
13 तू लोग हमरा के गुरु आ प्रभु कहत बाड़ऽ, आउर तू लोग अच्छा कहत बाड़ऽ। काहे कि हमहूँ अयीसन बानी।
14 त अगर हम तोहार मालिक आ गुरु तोहार गोड़ धो देले बानी। तोहनी के भी एक दूसरा के गोड़ धोवे के चाहीं।
15 काहेकि हम तोहनी के एगो उदाहरण देले बानी कि तू लोग भी उहे करीं जवन हम तोहनी के साथे कइले बानी।
16 हम तोहनी से साँच कहत बानी कि सेवक अपना मालिक से बड़ ना होला। ना ही भेजल गइल ओकरा के भेजे वाला से बड़हन।
17 अगर तू लोग इ सब बात जानत बाड़ू त खुश होखब कि अगर तू इ सब बात करब।
18 हम तोहनी के सब के बारे में नईखी बोलत, हम जानत बानी कि हम केकरा के चुनले बानी, लेकिन पवित्रशास्त्र के पूरा होखे खातिर कि हमरा संगे रोटी खाए वाला हमरा खिलाफ एड़ी उठवले बा।
19 हम ओकरा आवे से पहिले तोहनी के बतावत बानी कि जब ई बात हो जाई त रउआ लोग विश्वास कर सकी कि हम उ हईं।
20 हम तोहनी से साँच कहत बानी कि जे हम जेकरा के भेजत बानी ओकरा के ग्रहण करेला, उ हमरा के ग्रहण करेला। जे हमरा के ग्रहण करेला, उ हमरा के भेजे वाला के ग्रहण करेला।
21 जब ईसा ई बात कहलन त ऊ घबरा गइलन आ गवाही दिहलन कि, " हम तोहनी से सच कहत बानी कि तोहनी में से केहू हमरा के धोखा दे दी।"
22 तब चेलन एक दूसरा के देखत रहले, आ संदेह करत रहले कि उ केकरा से बात करतारे।

23 यीशु के एगो चेला, जेकरा से यीशु प्यार करत रहले, यीशु के छाती पर झुकल रहले।
24 सिमोन पतरस ओकरा से इशारा कइलन कि ऊ पूछस कि ऊ केकरा बारे में बात कइले बाड़न।
25 उ यीशु के छाती पर लेट के पूछले, "हे प्रभु, के ह?"
26 यीशु जवाब दिहलन, " उहे ह जेकरा के हम सोप डुबा के देब।" उ सोना डुबा के सिमोन के बेटा यहूदा इस्करियोती के दे दिहलन।
27 सोप के बाद शैतान ओकरा में घुस गईल। तब यीशु ओकरा से कहलन, "जवन तू करऽ, जल्दी से करऽ।"
28 मेज पर बइठल केहु के पता ना चलल कि उ कवना मकसद से इ बात कहले बाड़े।
29 ओह लोग में से कुछ लोग के लागल कि यहूदा के लगे बैग रहे कि यीशु ओकरा से कहले रहले कि, "भोज के खिलाफ जवन चीज हमनी के जरूरत बा, उ खरीद लीं। भा, कि ऊ गरीबन के कुछ दे देव.
30 ऊ सोप लेके तुरते बाहर निकल गइलन आ रात हो गइल।
31 एही से जब उ बाहर निकलले त यीशु कहले, " अब आदमी के बेटा के महिमा हो गईल बा अवुरी उनुका में परमेश्वर के महिमा हो गईल बा।"
32 अगर भगवान के महिमा ओकरा में होइहें त भगवान भी उनकर महिमा अपना में करीहें आ तुरते उनकर महिमा करीहें।
33 छोट लइका लोग, तनी देर हम तोहनी के साथे बानी। तू लोग हमरा के खोजब, आ जइसे हम यहूदी लोग से कहले रहनी कि हम जहाँ जाइब, तू लोग ना आ सकेनी। त अब हम रउरा से कहत बानी।
34 हम तोहनी के एगो नया आज्ञा देत बानी कि तू लोग एक दूसरा से प्रेम करीं। जइसे हम तोहनी से प्रेम कइले बानी, ओइसहीं तोहनी भी एक दूसरा से प्रेम करऽ।
35 अगर तोहनी के एक दूसरा से प्रेम बा त सब लोग जान जाई कि तोहनी हमार चेला हईं।
36 शमौन पतरस ओकरा से पूछले, "हे प्रभु, तू कहाँ जात बाड़?" यीशु जवाब दिहलन, " हम जहाँ जाइब, तू अब हमरा पीछे नइखऽ चल सकत। बाकिर तू हमरा पीछे-पीछे चलब।
37 पतरस ओकरा से कहलस, "हे प्रभु, हम अब तोहरा पीछे काहे नईखी चल सकत? हम तोहरा खातिर आपन जान देब।
38 यीशु ओकरा से कहलन, " का तू हमरा खातिर आपन जान देबऽ?" हम तोहरा से साँच कहत बानी कि जबले तू हमरा से तीन बेर इनकार ना करऽ तबले मुर्गा ना बाज पाई।

अध्याय 14 के बा

1 तोहनी के मन घबराहट मत करऽ, तोहनी परमेस् वर पर बिसवास करऽ, हमरा पर भी बिसवास करऽ ।
2 हमरा पिता के घर में बहुत सारा हवेली बा, अगर अइसन ना रहित त हम तोहके बता देती। हम तोहरा खातिर जगह तइयार करे जाइले।
3 अगर हम जाके तोहनी खातिर जगह तैयार करब त हम फेर से आके तोहनी के अपना लगे ग्रहण करब। ताकि जहाँ हम बानी, उहाँ तू भी होखब।
4 हम कहाँ जात बानी, रउआ सभे जानत बानी आ रास्ता के बारे में रउआ जानत बानी।
5 थोमस ओकरा से कहलस, "प्रभु, हमनी के नईखी जानत कि तू कहाँ जात बाड़ू। आ हमनी के रास्ता कइसे जान सकेनी जा?
6 यीशु ओकरा से कहलन, " हम रास्ता, सच्चाई आ जीवन हईं।
7 अगर रउआ हमरा के जानत रहतीं त हमरा पिता के भी जानत रहतीं।
8 फिलिपुस ओकरा से कहलस, "हे प्रभु, हमनी के पिता के देखा द, त हमनी के बहुत हो गईल बा।"
9 यीशु ओकरा से कहलन, " फिलीप, का हम तोहरा साथे एतना दिन से रहनी, लेकिन तू हमरा के नइखऽ जानत? जे हमरा के देखले बा, उ पिता के देखले बा। त तू कइसे कहत बाड़ऽ कि हमनी के पिता देखा दऽ?
10 का तू विश्वास नइखऽ कि हम पिता में बानी आ पिता हमरा में बानी? जवन बात हम तोहनी से कहत बानी उ हम अपना से नईखी कहत, लेकिन जवन पिता हमरा में रहेले, उहे काम करेले।
11 हमरा पर विश्वास करऽ कि हम पिता में बानी आ पिता हमरा में बानी, ना त हमरा काम के खातिर विश्वास करीं।
12 हम तोहनी से साँच कहत हई कि जे हमरा पर बिसवास करी, उहे काम हम जवन काम करीले, उहो करी। आ एह से बड़हन काम ऊ करीहें. काहे कि हम अपना पिता के लगे जात बानी।
13 तू हमरा नाम से जवन भी माँगब, हम उहे करब ताकि पिता के महिमा बेटा में हो सके।
14 अगर तू हमरा नाम से कुछ माँगब त हम पूरा करब।
15 अगर तू हमरा से प्रेम करेलन त हमार आज्ञा के पालन करीं।
16 हम पिता से विनती करब कि उ तोहनी के एगो अउरी दिलासा देवे वाला दे दिहे ताकि उ तोहनी के साथे हमेशा खातिर रह सके।
17 इहाँ तक कि सच्चाई के आत्मा भी। जेकरा के दुनिया ग्रहण नइखे कर सकत, काहे कि ऊ ओकरा के ना देखत बा आ ना जानत बा, बाकिर तू लोग ओकरा के जानत बाड़ऽ. काहेकि ऊ तोहनी के साथे रहेला आ तोहनी में रही।
18 हम तोहरा के बेचैन ना छोड़ब, तोहरा लगे आईब।
19 कुछ देर बाद दुनिया हमरा के अब ना देख पाई। लेकिन तू लोग हमरा के देखत बाड़ू, काहेकि हम जिंदा रहब, तोहनी भी जिंदा रहब।
20 ओह दिन तोहनी के पता चल जाई कि हम अपना पिता में बानी, तोहनी हमरा में आ हम तोहनी में बानी।
21 जे हमार आज्ञा के पालन करेला, उहे हमरा से प्यार करेला, आ जे हमरा से प्यार करी, उ हमरा पिता से प्यार करी अवुरी हम ओकरा से प्यार करब अवुरी उनुका सोझा अपना के प्रकट करब।
22 इस्करियोती ना, यहूदा ओकरा से कहलस, "हे प्रभु, तू दुनिया के सामने ना, हमनी के सामने कइसे प्रकट होखब?
23 यीशु जवाब दिहलन, " जदि केहू हमरा से प्यार करी त उ हमार बात के पालन करी।
24 जे हमरा से प्रेम ना करेला, उ हमार बात के पालन ना करेला, आ जवन वचन रउआ सुनत बानी उ हमार ना ह, बल्कि उ पिता के ह जवन हमरा के भेजले बाड़े।
25 हम तोहनी से इ सब बात तोहनी के साथे रहला के बाद भी कहले बानी।
26 लेकिन सांत्वना देवे वाला पवित्र आत्मा ह, जेकरा के पिता हमरा नाम से भेज दिहे, उ तोहनी के सब कुछ सिखा दिहे अवुरी हम जवन कुछ कहले बानी, उ सब बात के याद दिहे।

27 हम तोहनी के शांति छोड़त बानी, आपन शांति तोहनी के देत बानी। तोहार मन घबराहट मत होखे, ना डेराए।
28 तू लोग सुनले बाड़ऽ कि हम तोहनी से कइसे कहनी कि हम चल जाइले आ तोहनी के लगे आवत बानी। अगर तू हमरा से प्रेम करत रहतीं त तू लोग खुश होखब काहे कि हम कहनी कि हम पिता के लगे जात बानी, काहेकि हमार पिता हमरा से बड़ बाड़े।
29 अब हम तोहनी के ई बात होखे से पहिले बता देले बानी कि जब ई बात हो जाई त तू लोग विश्वास कर सकीले।
30 एकरा बाद हम तोहनी से ज्यादा बात ना करब काहे कि एह संसार के राजकुमार आवत बाड़े, लेकिन हमरा में कुछुओ नईखे।
31 लेकिन दुनिया के लोग जान लेव कि हम पिता से प्रेम करेनी। आ जइसे पिता हमरा के आज्ञा देले बाड़न, ओइसहीं हमहूँ करत बानी। उठऽ, हमनी के इहाँ से चलल जाव।

अध्याय 15 के बा

1 हम सच्चा बेल हईं आ हमार पिता किसान हवें।
2 हमरा में जवन डाढ़ फल ना देला उ ओकरा के हटा देला आ जवन डाढ़ फल देला ओकरा के शुद्ध कर देला ताकि ऊ अउरी फल दे सके।
3 अब हम जवन वचन तोहनी से कहले बानी ओकरा से तोहनी शुद्ध हो गइल बानी।
4 हमरा में रहऽ आ हम तोहरे में। जइसे डाढ़ अपना से फल ना दे सके, जबले ऊ बेल में ना रहे। जबले तू हमरा में ना रहबऽ, तबले तोहनी अब ना कर सकबऽ।
5 हम बेल हईं, तू डाढ़ हईं, जे हमरा में रहेला आ हम ओकरा में रहेला, ऊ बहुत फल देला काहे कि हमरा बिना तू कुछ ना कर सकऽ।
6 अगर केहू हमरा में ना रहेला त ओकरा के डाढ़ नियर फेंकल जाला आ ऊ मुरझा जाला। आ आदमी ओह लोग के बटोर के आग में फेंक देला आ ऊ जरि जाला.
7 अगर तू हमरा में रहब आ हमार बात तोहनी में टिकल रहब त तू जवन चाहत माँगऽ आ तोहनी के पूरा हो जाई।
8 एही से हमार पिता के महिमा होला कि तू लोग बहुत फल देला। ओइसहीं तू हमार चेला बनबऽ।
9 जइसे पिता हमरा से प्रेम कइले बाड़न, ओइसहीं हम तोहनी से प्रेम कइले बानी।
10 अगर तू हमार आज्ञा के पालन करऽ त हमरा प्रेम में बनल रहबऽ। जइसे हम अपना पिता के आज्ञा के पालन कइले बानी आ उनकर प्रेम में बनल बानी।
11 हम ई बात तोहनी से कहले बानी कि हमार खुशी तोहनी में बनल रहे आ तोहनी के खुशी पूरा होखे।
12 हमार इ आज्ञा ह कि तू लोग एक दूसरा से ओइसहीं प्रेम करीं जइसे हम तोहनी से प्रेम कइले बानी।
13 एकरा से बड़ प्रेम केहू के नइखे कि आदमी अपना दोस्तन खातिर आपन जान दे देव।
14 तू हमार दोस्त हउअ, अगर हम जवन भी आज्ञा देत बानी, उहे करब।
15 अब से हम तोहनी के दास ना कहत बानी। काहे कि नौकर के मालूम नइखे कि ओकर मालिक का करत बा, बाकिर हम तोहनी के दोस्त कहले बानी. काहे कि हम अपना पिता के बारे में जवन कुछ सुनले बानी, ओकरा के हम तोहनी के बता देले बानी।
16 तू हमरा के ना चुनले बाड़, बलुक हम तोहनी के चुनले बानी आ तोहनी के नियुक्त कइलें बानी कि तू लोग जाके फल पैदा करऽ आ तोहनी के फल बनल रहे, ताकि तू हमरा नाम से पिता से जवन भी माँगबऽ, ऊ तोहके दे सके .
17 हम तोहनी के इहे आज्ञा देत बानी कि तू लोग एक दूसरा से प्रेम करीं।
18 अगर दुनिया तोहनी से नफरत करेला त तोहनी जानत हई कि तोहरा से नफरत करे से पहिले हमरा से नफरत करत रहे।
19 अगर तू दुनिया के रहतीं त दुनिया अपना से प्यार करीत, लेकिन काहे कि तू दुनिया के ना हईं, लेकिन हम तोहनी के दुनिया से चुनले बानी, एही से दुनिया तोहनी से नफरत करत बा।
20 हम तोहनी से कहल बात के याद करऽ कि सेवक अपना मालिक से बड़ ना होला। अगर उ लोग हमरा के सतावले बाड़े त तोहनी के भी सताईहे। अगर उ लोग हमार बात के पालन कईले बाड़े त उ लोग आपके भी बात के पालन करीहे।
21 लेकिन इ सब काम उ लोग हमरा नाम के चलते तोहनी के करीहे, काहेकि उ लोग हमरा के भेजे वाला के नईखन जानत।
22 अगर हम ओह लोग से ना आके ना बतियावत रहतीं त ओह लोग के पाप ना रहित।
23 जे हमरा से नफरत करेला, उ हमरा पिता से भी नफरत करेला।
24 अगर हम ओह लोग के बीच में उ काम ना कइले रहतीं जवन केहू दोसर ना कइले रहित त ओह लोग के पाप ना भइल रहित, लेकिन अब उ लोग हमरा आ हमार पिता दुनु के देखले बाड़े आ नफरत करत बाड़े।
25 लेकिन इ अइसन होला कि उ लोग के व्यवस्था में लिखल वचन पूरा होखे कि उ लोग हमरा से बेवजह नफरत कईले।
26 जब उ दिलासा देवे वाला आ जाई, जेकरा के हम पिता के ओर से तोहनी के लगे भेजब, उ सच्चाई के आत्मा ह, जवन पिता से निकलेला, त उ हमरा बारे में गवाही दिहे।
27 तू लोग भी गवाही देब काहे कि तू लोग शुरू से हमरा साथे रहल बाड़ू।

अध्याय 16 के बा

1 हम तोहनी से इ बात कहले बानी कि तोहनी के कवनो नाराजगी मत होखे।
2 ऊ लोग तोहनी के आराधनालय से बाहर निकाल दीहें, हँ, समय आवत बा कि जे भी तोहनी के मार दी, ऊ सोची कि ऊ परमेश्वर के सेवा करत बा।
3 उ लोग तोहनी के साथे इ सब काम करीहे, काहेकि उ लोग पिता के ना जानत बाड़े, ना हमरा के।
4 लेकिन इ सब बात हम तोहनी के बता देले बानी कि जब समय आई त तोहनी के याद आ जाई कि हम तोहनी के बारे में बतवले रहनी। इ बात हम शुरू में तोहनी से ना कहनी, काहेकि हम तोहनी के साथे रहनी।
5 लेकिन अब हम ओकरा लगे जा रहल बानी जे हमरा के भेजले बा। तोहनी में से केहू हमरा से ना पूछेला कि तू कहाँ जात बाड़ु?
6 लेकिन हम तोहनी से इ बात कहे के चलते तोहनी के दिल में दुख भर गईल बा।
7 एकरा बावजूद हम तोहनी के सच कहत बानी। तोहनी खातिर ई उचित बा कि हम चल जाईं, काहे कि अगर हम ना जाईं त

दिलासा देवे वाला तोहनी के लगे ना आई। लेकिन अगर हम चल जाईब त ओकरा के तोहनी के लगे भेज देब।
8 जब उ अइहें त उ दुनिया के पाप, धार्मिकता आ न्याय के बारे में डांट दिहे।
9 पाप के बारे में, काहे कि उ लोग हमरा पर विश्वास ना करेला।
10 धार्मिकता के बारे में, काहे कि हम अपना पिता के लगे जात बानी, लेकिन तू हमरा के अब ना देखब।
11 न्याय के, काहे कि एह संसार के राजकुमार के न्याय होला।
12 हमरा लगे अभी बहुत कुछ कहे के बा, लेकिन अब तोहनी के सहन नईखी क सकत।
13 लेकिन जब उ सच्चाई के आत्मा आई त उ तोहनी के पूरा सच्चाई में ले जाई, काहेकि उ अपना बारे में ना बोली। लेकिन उ जवन कुछ सुनाई, उहे बात करी, अवुरी उ तोहनी के आवे वाला बात बताई।
14 उ हमरा के महिमा करीहे, काहेकि उ हमरा से मिल जाई आ तोहनी के बताई।
15 पिता के लगे जवन कुछ भी बा उ हमार ह, एही से हम कहनी कि उ हमरा से लेके तोहनी के बताई।
16 थोड़ देर त तू हमरा के ना देखब, आ कुछ देर में हमरा के देखब, काहे कि हम पिता के लगे चल जाइब।
17 तब उनकर कुछ चेला लोग आपस में कहलस, "ई का ह कि उ हमनी से कहत हव कि कुछ देर तक हमरा के ना देखब बाप?
18 उ लोग पूछले, "ई का कहत हव कि, "तनी देर में?" उ का कहत बाड़े, हमनी के नईखी बता सकत।
19 अब यीशु जान गईले कि उ लोग उनुका से पूछे के चाहत बाड़े अवुरी उ लोग से कहले, " का तू आपस में इ पूछताछ करीं कि हम कहले रहनी कि कुछ देर तक हमरा के ना देखब।" ?
20 हम तोहनी से साँच कहत बानी कि तू लोग रोवे आ विलाप करब, लेकिन दुनिया खुश होखब, आ तोहनी दुखी होखब, लेकिन तोहनी के दुख खुशी में बदल जाई।
21 जब मेहरारू के प्रसव होला त ओकरा दुख होला, काहे कि ओकर समय आ गइल बा, लेकिन जइसहीं ओकरा बच्चा के जन्म हो जाला त ओकरा मन के दुख के याद ना आवेला, काहे कि ओकरा खुशी से कि आदमी दुनिया में पैदा हो गइल बा।
22 अब तोहनी के दुख बा, लेकिन हम तोहनी के फेर से देखब, तोहनी के मन खुश हो जाई, आ तोहनी के खुशी केहु तोहनी से ना छीन पाई।
23 ओह दिन तू हमरा से कुछ ना पूछब। हम तोहनी से सच कहत हई कि तू जवन कुछ भी पिता से हमरा नाम से मांगब, उ तोहनी के दे दिहे।
24 अब तक तू हमरा नाम से कुछ ना मँगले बाड़ू, माँगऽ, त तू लोग के मिल जाई कि तोहनी के खुशी पूरा होखे।
25 हम इ सब बात तोहनी से कहावत में कहले बानी, लेकिन उ समय आवेला जब हम तोहनी से कहावत में ना बोलब, लेकिन हम तोहनी के पिता के बारे में साफ-साफ बता देब।
26 ओह दिन तू हमरा नाम से माँगबऽ आ हम तोहनी से नइखी कहत कि हम तोहनी खातिर पिता से प्रार्थना करब।
27 काहेकि पिता खुद तोहनी से प्यार करेलन, काहेकि तू लोग हमरा से प्रेम कइले बाड़ऽ आ विश्वास कइले बाड़ऽ कि हम परमेश्वर से निकलल बानी।
28 हम पिता से निकल के दुनिया में आ गईल बानी, फिर से हम दुनिया के छोड़ के पिता के पास चल जानी।
29 उनकर चेला लोग उनकरा से कहलन, "देखऽ, अब तू साफ-साफ बोलत बाड़ऽ आ कवनो कहावत नइखऽ बोलत बाड़ऽ।"
30 अब हमनी के पक्का विश्वास बा कि तू सब कुछ जानत बाड़ू आ केहू के तोहरा से पूछे के जरूरत नइखे।
31 यीशु ओह लोग के जवाब दिहलन, " का अब तू लोग विश्वास करत बाड़ऽ?
32 देखऽ, ऊ समय आ गइल बा, हँ, अब आ गइल बा कि तू लोग हर केहू अपना घर में बिखर जाइब आ हमरा के अकेले छोड़ देबऽ, बाकिर तबहियों हम अकेले नइखीं, काहे कि पिता हमरा साथे बाड़न।
33 हम इ सब बात तोहनी से कहले बानी ताकि तोहनी के हमरा में शांति मिल सके। संसार में तोहनी के कष्ट होई, लेकिन हौसला से भरल रहब। हम दुनिया पर काबू पा लेले बानी।

अध्याय 17 के बा

1 ई बात ईसा कहलन आ स्वर्ग के ओर आँख उठा के कहलन, " पिता, समय आ गइल बा; अपना बेटा के महिमा करऽ ताकि तोहार बेटा भी तोहार महिमा कर सके।
2 जइसे तू ओकरा के सब शरीर पर अधिकार देले बाड़ू कि जेतना ओकरा के देले बाड़ू, ओकरा के अनन्त जीवन देस।
3 इ अनन्त जीवन ह, ताकि उ लोग तोहरा के एकलौता सच्चा परमेश्वर आ यीशु मसीह के जान सके, जेकरा के तू भेजले बाड़ू।
4 हम तोहरा के धरती पर महिमा देले बानी, जवन काम तू हमरा के करे के देले रहलू, ओकरा के हम पूरा कर लेले बानी।
5 अब हे पिता, तू हमरा के अपना साथे महिमा करऽ, जवन महिमा हमरा साथे दुनिया के होखे से पहिले रहे।
6 हम तोहार नाम ओह आदमी के सामने प्रगट कइले बानी जेकरा के तू हमरा के दुनिया से देले रहलू। आ ऊ लोग तोहार बात के पालन कइले बा।
7 अब उ लोग जान गईल बाड़े कि तू हमरा के जवन कुछ देले बाड़ू, उ सब तोरे से बा।
8 हम ओह लोग के उ बात देले बानी जवन तू हमरा के देले बाड़ू। उ लोग ओकरा के ग्रहण क लेले बाड़े अवुरी पक्का जान गईल बाड़े कि हम तोहरा से निकलल बानी अवुरी उ लोग मान लेले बाड़े कि तू हमरा के भेजले बानी।
9 हम ओह लोग खातिर प्रार्थना करत बानी, हम दुनिया खातिर ना, बलुक ओह लोग खातिर प्रार्थना करत बानी जवन तू हमरा के देले बाड़ू। काहे कि ऊ लोग तोहार ह.
10 हमार सब तोहार ह आ तोहार हमार ह। आ हम ओह लोग में महिमामंडित बानी।
11 अब हम दुनिया में नईखी, लेकिन इ लोग दुनिया में बाड़े अवुरी हम तोहरा लगे आईल बानी। पवित्र पिता, जेकरा के तू हमरा के देले बाड़ू, ओकरा के अपना नाम से रखीं ताकि उहो हमनी के जइसन एक हो सके।
12 जब हम दुनिया में ओह लोग के साथे रहनी तबले हम ओह लोग के तोहरा नाम से रखले रहनी, जवन तू हमरा के देले रहलू ओकरा के हम रखले बानी, लेकिन ओह लोग में से केहु ना खतम हो गईल बा, सिवाय नाश के बेटा के। ताकि शास्त्र पूरा होखे।
13 अब हम तोहरा लगे आवत बानी। आ ई बात हम दुनिया में कहत बानी, ताकि उ लोग हमार खुशी अपना आप में पूरा होखे।

14 हम ओह लोग के तोहार वचन देले बानी। आ दुनिया ओह लोग से नफरत कइले बिया काहे कि ऊ लोग दुनिया के ना ह, जइसे हम दुनिया के ना हईं.
15 हम ई नइखी करत कि तू ओह लोग के दुनिया से निकाल लीं, बलुक ओकरा के बुराई से बचा लीं।
16 उ लोग दुनिया के ना हवें, जइसे हम दुनिया के ना हईं।
17 अपना सच्चाई से ओह लोग के पवित्र करऽ, तोहार वचन सच्चाई ह।
18 जइसे तू हमरा के दुनिया में भेजले बाड़ू, ओइसहीं हम ओह लोग के दुनिया में भेजले बानी।
19 आऊ ओह लोग खातिर हम अपना के पवित्र करत बानी ताकि उ लोग भी सच्चाई के द्वारा पवित्र हो सके।
20 हम खाली एह लोग खातिर प्रार्थना नइखीं करत, बलुक ओह लोग खातिर भी प्रार्थना करत बानी जे अपना वचन से हमरा पर विश्वास करीहें।
21 ताकि उ सब एक हो सके। जइसे तू, हे पिता, हमरा में बानी आ हम तोहरा में, ताकि उ लोग भी हमनी में एक हो सके, ताकि दुनिया विश्वास कर सके कि तू हमरा के भेजले बाड़ू।
22 आऊ जवन महिमा तू हमरा के देले बाड़ू, हम ओह लोग के देले बानी। ताकि उ लोग एक हो सके, जइसे हमनी के एक बानी जा।
23 हम ओह लोग में बानी आ तू हमरा में, ताकि उ लोग एक में सिद्ध हो जास। आ दुनिया के पता चल सके कि तू हमरा के भेजले बाड़ू आ ओकरा से प्रेम कइले बाड़ऽ, जइसे तू हमरा से प्रेम कइले बाड़ऽ।
24 बाबू, हम चाहत बानी कि तू जेकरा के तू हमरा के देले बाड़ू, उहो हमरा साथे रहस जहाँ हम बानी। ताकि उ लोग हमार महिमा देख सकस जवन तू हमरा के देले बाड़ू, काहेकि तू हमरा से दुनिया के सृष्टि से पहिले प्यार करत रहलू।
25 हे धर्मी पिता, दुनिया तोहरा के ना जानत बा, लेकिन हम तोहरा के जानत बानी आ ई लोग जानत बा कि तू हमरा के भेजले बाड़ू।
26 हम ओह लोग के तोहार नाम सुनवले बानी आ बताइब, ताकि जवन प्रेम तू हमरा से प्रेम कइले बाड़ू ऊ ओह लोग में होखे आ हम ओह लोग में।

अध्याय 18 के बा

1 जब यीशु इ बात कहलन त उ अपना चेलन के साथे सीड्रोन नदी के पार चल गईले, जहवाँ एगो बगइचा रहे, जवना में उ आउर चेला लोग प्रवेश कईले|
2 ओकरा के धोखा देवे वाला यहूदा भी उ जगह के जानत रहले, काहेकि यीशु अपना चेलन के संगे अक्सर उहाँ घूमत रहले।
3 यहूदा मुख्य याजक आ फरीसियन से आदमी आ अफसरन के एगो दल लेके लालटेन, मशाल आ हथियार लेके उहाँ अइले।
4 यीशु अपना पर आवे वाला सब बात के जान के निकल के पूछले, " तू केकरा के खोजत बानी?"
5 उ लोग ओकरा के जवाब देले, "नासरत के यीशु।" यीशु उनकरा से कहलन, "हम उ हईं।" ओकरा के धोखा देवे वाला यहूदा भी ओ लोग के संगे खड़ा हो गईले।
6 जइसहीं ऊ ओह लोग से कहलन कि, "हम ऊ हईं, ऊ लोग पीछे हट के जमीन पर गिर गइलन."
7 तब उ फेर से पूछले कि, " तू केकरा के खोजत बानी?" उ लोग कहले, "नासरत के यीशु।"
8 यीशु जवाब दिहलन, " हम तोहनी के बता देले बानी कि हम उ हईं।
9 ताकि उ कहल बात पूरा होखे कि तू हमरा के जवन देले बाड़ू, ओकरा में से हम कवनो के गंवा नईखी कईले।
10 तब सिमोन पतरस तलवार लेके तलवार निकाल के महायाजक के सेवक के मार दिहलन आ ओकर दाहिना कान काट दिहलन। नौकर के नाम मालकुस रहे।
11 तब यीशु पतरस से कहले, " अपना तलवार के म्यान में डाल द, जवन प्याला हमार पिता हमरा के देले बाड़े, का हम ओकरा के ना पीब?
12 तब के दल आउर सेनापति आ यहूदियन के अफसर यीशु के पकड़ के बान्ह लिहले।
13 ऊ पहिले हन्ना के लगे ले गइलन। काहेकि उ कैफा के ससुर रहले, जवन कि ओही साल महायाजक रहले।
14 काइफा उहे रहलन जे यहूदी लोग के सलाह दिहलन कि लोग खातिर एक आदमी के मौत होखल जरूरी बा।
15 शमौन पतरस यीशु के पीछे-पीछे चलल आ एगो अउरी चेला भी, उ चेला महायाजक के जानत रहलन आ यीशु के साथे महायाजक के महल में चल गइलन।
16 लेकिन पतरस बाहर दुआर पर खड़ा रहले। तब ऊ दूसर चेला जे महायाजक के जानल-पहचानल रहे, बाहर निकल के दरबज्जा के रखवाली से बात क के पतरस के भीतर ले अइले।
17 दरवाजा के रखवाली लइकी पतरस से कहलस, "का तू भी एह आदमी के चेला में से ना हउअ?" ऊ कहत बाड़न कि हम नइखीं.
18 कोयला से आग जरा के नौकर आ अधिकारी उहाँ खड़ा रहले। काहे कि ठंडा रहे आ ऊ लोग गरम हो गइल आ पतरस ओह लोग के साथे खड़ा होके गरम हो गइल।
19 तब महायाजक यीशु से उनकर चेलन आ उनकर शिक्षा के बारे में पूछले|
20 यीशु जवाब दिहलन, " हम दुनिया से खुल के बोलत रहनी। हम कबो आराधनालय में, आ मंदिर में, जहाँ यहूदी लोग हमेशा सहारा लेला। आ गुप्त रूप से हम कुछ नइखी कहले।
21 तू हमरा से काहे पूछत बाड़? जे हमरा के सुनले बा, ओकरा से पूछीं कि हम का कहले बानी।
22 जब ऊ ई बात कहलन त ओहिजा खड़ा एगो अफसर यीशु के हाथ के हथेली से मार के कहलस, "का तू महायाजक के अईसन जवाब देत बाड़?"
23 यीशु जवाब दिहलन, " अगर हम बुरा बात कहले बानी त बुराई के गवाही दीं, लेकिन अगर ठीक बा त तू हमरा के काहे मारत बाड़?
24 हन्ना ओकरा के बान्ह के महायाजक कैफा के लगे भेजले रहले।
25 शमौन पतरस खड़ा होके गरम हो गइलन। उ लोग उनका से पूछले, "का तू भी उनकर चेला में से एगो ना हउअ?" उ एकरा से इनकार क के कहले, हम नईखी।
26 महायाजक के एगो सेवक उनकर रिश्तेदार रहले, जेकर कान पतरस काट देले रहले, उ कहलस कि, का हम तोहरा के उनुका संगे बगइचा में ना देखनी?
27 पतरस फेर से इनकार कर दिहलन आ तुरते मुर्गा कूद गइल।

28 तब उ लोग यीशु के कैफा से न्याय के हॉल में ले गईले। उ लोग खुद न्याय कक्ष में ना गईले कि कहीं उ लोग अशुद्ध ना होखस। लेकिन उ लोग फसह के पर्व के खाए खातिर।
29 पिलातुस ओह लोग के लगे जाके पूछले, "तू लोग एह आदमी पर कवन आरोप लगावत बानी?
30 उ लोग जवाब देले, "जदि उ अपराधी ना रहित त हम ओकरा के तोहरा हाथ में ना सौंप देले रहते।"
31 पिलातुस ओह लोग से कहलन, "तू लोग ओकरा के लेके अपना नियम के अनुसार ओकर न्याय करीं।" यहूदी लोग ओकरा से कहलस, "हमनी के केहू के मारल जायज नईखे।
32 ताकि यीशु के बात पूरा होखे, जवन उ कहले रहले कि उ कवना मौत के बारे में बतावत रहले।
33 तब पिलातुस फेर से न्याय के घर में घुस के यीशु के बोलवले आ पूछले, "का तू यहूदी लोग के राजा हउअ?"
34 यीशु जवाब दिहलन, " का तू ई बात अपना बारे में कहत बाड़ऽ कि दोसर लोग हमरा बारे में बतवले बा?
35 पिलातुस जवाब दिहलन, "का हम यहूदी हईं?" तोहार जाति आ मुख्य याजक तोहरा के हमरा सौंप देले बाड़े, तू का कईले बाड़?
36 यीशु जवाब दिहलन, " हमार राज्य एह दुनिया के ना ह, अगर हमार राज्य एह दुनिया के रहित त हमार सेवक लड़त कि हम यहूदी लोग के हाथ में ना सौंप दीं।
37 पिलातुस ओकरा से पूछले, "त का तू राजा हउअ?" यीशु जवाब दिहलन, " तू कहत हव कि हम राजा हईं।" हम एही खातिर पैदा भइल बानी आ एही से हम दुनिया में अइनी कि हम सच्चाई के गवाही देब। जे भी सच्चाई के बा, उ हमार आवाज सुनेला।
38 पिलातुस ओकरा से कहलन, "सत्य का ह? इ कहला के बाद उ फिर से यहूदी लोग के लगे गईले अवुरी कहले कि, "हमरा उनुका में कवनो दोष नईखे।"
39 तोहनी के एगो रिवाज बा कि हम फसह के दिन तोहनी खातिर एगो के छोड़ देब, का तू लोग यहूदी लोग के राजा के छोड़ देब?
40 तब सब लोग फेरु से चिल्ला के कहलस, "ई आदमी ना, बरब्बा ह।" अब बरब्बा एगो डकैत रहले।

अध्याय 19 के बा

1 पिलातुस यीशु के पकड़ के कोड़ा मार दिहलन।
2 सिपाही लोग काँट के मुकुट बना के ओकरा माथा पर पहिनले आ बैंगनी रंग के वस्त्र पहिनले।
3 ऊ कहलस, "यहूदियन के राजा, जय हो! आ ऊ लोग ओकरा के हाथ से मार दिहल।
4 पिलातुस फेरु से निकल के कहलन, "देखऽ, हम ओकरा के तोहनी के लगे ले आवत बानी ताकि तोहनी के पता चल सके कि हमरा ओकरा में कवनो दोष नइखे।"
5 तब यीशु काँट के मुकुट आ बैंगनी रंग के वस्त्र पहिनले निकलले। पिलातुस ओह लोग से कहलन, "देखऽ ऊ आदमी!"
6 जब मुख्य याजक आ अफसर लोग उनका के देख के चिल्ला के कहलस कि, "उनुका के सूली पर चढ़ा द, सूली पर चढ़ा दीं।" पिलातुस ओह लोग से कहलन, "तू लोग ओकरा के लेके सूली पर चढ़ा दऽ, काहेकि हमरा ओकरा में कवनो दोष नइखे मिलत।"
7 यहूदी लोग ओकरा के जवाब दिहल, "हमनी के एगो नियम बा, आ हमनी के नियम के अनुसार ओकरा के मर जाए के चाहीं, काहे कि उ अपना के परमेश्वर के बेटा बनवले बा।"
8 पिलातुस इ बात सुन के अउरी डेरा गईले।
9 फिर से न्यायालय में जाके यीशु से पूछले, "तू कहाँ से आइल बाड़?" लेकिन यीशु ओकरा के कवनो जवाब ना देले।
10 पिलातुस ओकरा से कहलन, "का तू हमरा से बात नइखऽ?" का तू नइख जानत कि हमरा तोहरा के सूली पर चढ़ावे के अधिकार बा आ तोहरा के छोड़े के अधिकार बा?
11 यीशु जवाब दिहलन, " जब तक तोहरा के ऊपर से ना दिहल जाई, तब तक तोहरा हमरा खिलाफ कवनो अधिकार ना हो सकत रहे।
12 तब से पिलातुस ओकरा के छोड़े के कोशिश कईले, लेकिन यहूदी लोग चिल्ला के कहलस कि, "अगर तू ए आदमी के छोड़ देब त तू सीजर के दोस्त ना हव।
13 पिलातुस ई बात सुन के यीशु के बाहर ले अइले आ न्याय के आसन पर बईठ गइलन जवन कि फुटपाथ कहल जाला, लेकिन हिब्रू भाषा में गब्बाथा कहल जाला।
14 फसह के पर्व के तइयारी आ लगभग छठवाँ घंटा के समय रहे आ ऊ यहूदी लोग से कहले, "देखऽ तोहार राजा!"
15 लेकिन उ लोग चिल्ला के कहलस कि, "उन के दूर कर दीं, ओकरा के सूली पर चढ़ा दीं।" पिलातुस उनकरा से कहलन, का हम तोहनी के राजा के सूली पर चढ़ा देब? मुख्य याजक लोग जवाब दिहलस, "हमनी के कैसर के अलावा कवनो राजा नईखे।"
16 तब उ उनकरा के सूली पर चढ़ावे खातिर सौंप दिहलन। उ लोग यीशु के लेके चल गईले।
17 ऊ आपन क्रूस लेके एगो अइसन जगह पर चल गइलन जवना के हिब्रू भाषा में गोल्गोथा कहल जाला।
18 उहाँ उ लोग ओकरा के सूली पर चढ़वले, आ दू गो अउरी लोग के दुनो ओर से एक आ बीच में यीशु के सूली पर चढ़वले।
19 पिलातुस एगो शीर्षक लिख के क्रूस पर रख दिहलन। लिखल रहे, "नासरत के यीशु यहूदियन के राजा।"
20 तब ई उपाधि बहुत यहूदी लोग पढ़त रहे काहे कि जहाँ यीशु के सूली पर चढ़ावल गइल रहे उ जगह शहर के नजदीक रहे।
21 तब यहूदी लोग के मुख्य याजक पिलातुस से कहले, "यहूदियन के राजा, मत लिखीं। लेकिन उ कहले कि, हम यहूदी लोग के राजा हईं।
22 पिलातुस जवाब दिहलन, "हम जवन लिखले बानी उहे लिखले बानी।"
23 तब सिपाही यीशु के सूली पर चढ़ा के उनकर कपड़ा लेके हर सिपाही के चार भाग में रखले| आ ओकर कोट भी, अब कोट बिना सीम के रहे, ऊपर से पूरा बुनल रहे।
24 उ लोग आपस में कहलस, "हमनी के एकरा के फाड़ के ना, बल्कि एकरा खातिर चिट्ठी डालल जाव कि इ केकर होई, ताकि पवित्रशास्त्र पूरा होखे, जवन कहत बा कि, उ लोग हमार कपड़ा ओ लोग के बीच बांटले अवुरी हमरा कपड़ा खाती चिट्ठी खेलले। एही से सिपाही लोग इ सब काम कईले।
25 यीशु के क्रूस के पास उनकर माई, उनकर माई के बहिन, क्लिओफा के पत्नी मरियम आ मरियम मगदलीनी खड़ा रहली।
26 जब यीशु अपना माई आ चेला के बगल में खड़ा देखलन, जेकरा से उ प्यार करत रहले, त उ अपना महतारी से कहले, " मेरी, देख तोहार बेटा!"

27 तब उ चेलन से कहलस, " देखऽ तोहार माई!" तब से उ चेला ओकरा के अपना घरे ले गईल।
28 एकरा बाद यीशु इ जान के कि अब सब कुछ पूरा हो गईल बा, ताकि पवित्रशास्त्र के बात पूरा हो सके, उ कहले कि, " हम प्यासल बानी।"
29 एगो बर्तन में सिरका से भरल रहे आ ऊ लोग एगो स्पंज में सिरका भर के हिसोप पर डाल के ओकरा मुँह में डाल दिहल।
30 जब यीशु सिरका लेहले त उ कहले, " ख़त्म हो गईल।"
31 एही से यहूदी लोग ई तइयारी रहे कि लाश सब्त के दिन क्रूस पर ना रहे, (काहे कि ऊ सब्त के दिन एगो ऊँच दिन रहे) पिलातुस से निहोरा कइले कि उनकर गोड़ टूट जाव आ ऊ लोग टूट जाव छीन लिहल गइल बा.
32 तब सिपाही लोग आके पहिला आ दूसरा के गोड़ तोड़ दिहल जवन ओकरा साथे सूली पर चढ़ावल गइल रहे।
33 जब उ लोग यीशु के लगे पहुंचले अवुरी देखले कि उ पहिलही मर चुकल बाड़े, त उनुकर गोड़ ना तोड़ले।
34 लेकिन एगो सिपाही भाला से ओकर बगल में छेद क दिहलस अवुरी तुरंत उहाँ से खून अवुरी पानी निकलल।
35 जे एकरा के देखलस उ गवाही दिहलस अवुरी ओकर गवाही सही बा, अवुरी उ जानत बा कि उ सही कहता, ताकि आप लोग विश्वास कर सकी।
36 ई सब एह से भइल कि शास्त्र पूरा होखे कि, "उनकर हड्डी ना टूटी।"
37 एगो अउरी शास्त्र में कहल गइल बा कि, "उ लोग जेकरा के छेदले बा, ओकरा के देखत होईहे।"
38 एकरा बाद अरिमाथिया के यूसुफ यीशु के चेला रहलन, लेकिन यहूदी लोग के डर से गुप्त रूप से पिलातुस से निहोरा कईले कि उ यीशु के लाश ले जास। उ आके यीशु के लाश लेके चल गईले|
39 निकोदेमस भी अइले, जे पहिले रात में यीशु के लगे आके गंधक आ मुसब्बर के मिश्रण लेके अइले, जवन लगभग सौ पाउंड वजन के रहे।
40 तब उ लोग यीशु के लाश लेके मसाला के संगे लिनन के कपड़ा में घाव देले, जईसे कि यहूदी लोग के दफनावे के तरीका ह।
41 जहाँ उनुका के सूली पर चढ़ावल गइल रहे, ओहिजा एगो बगइचा रहे। आ बगइचा में एगो नया कब्र रहे, जवना में अबहीं ले केहू के ना बिछावल गइल रहे।
42 यहूदी लोग के तैयारी के दिन के चलते उ लोग यीशु के उहाँ सुता देले। काहे कि कब्र नजदीक रहे।

अध्याय 20 के बा

1 हफ्ता के पहिला दिन मगदलीनी मरियम भोरे-सबेरे कब्र के पास अईली आ कब्र से पत्थर के हटावल देखली।
2 तब उ भाग के शमौन पतरस आ दूसरा चेला के लगे गईली, जेकरा से यीशु बहुत प्यार करत रहले अवुरी कहली कि, उ लोग प्रभु के कब्र से निकाल देले बाड़े, लेकिन हमनी के नईखी जानत कि उ लोग उनुका के कहाँ रखले बाड़े।
3 पतरस आउर उ दूसर चेला कब्र के पास चल गईले|
4 दुनो लोग एक संगे भाग गईले अवुरी दूसरा चेला पतरस से आगे भाग गईले अवुरी पहिले कब्र के पास पहुंच गईले।
5 ऊ झुक के भीतर देखत देखलन कि लिनन के कपड़ा पड़ल बा। फिर भी गईल उ अंदर ना।
6 तब शमौन पतरस उनका पीछे-पीछे आके कब्र में जाके लिनन के कपड़ा पड़ल देखले।
7 उनकर माथा के बगल में लागल नैपकिन लिनन के कपड़ा के साथे ना पड़ल रहे, बलुक एक जगह एक जगह पर एक साथ लपेटल रहे।
8 तब उ दूसर चेला भी अंदर गईल, जवन पहिले कब्र के पास आईल रहले, उ देख के विश्वास कईले।
9 उ लोग अभी तक पवित्रशास्त्र के बारे में ना जानत रहले कि उनुका मुवलन में से जी उठल जरूरी बा।
10 तब चेला लोग फेरु से अपना घरे चल गइलन।
11 लेकिन मरियम कब्र के पास रोवत-रोवत बाहर खड़ा रहली।
12 उ सफेद कपड़ा में दुगो स्वर्गदूत बईठल देखलस, एगो माथा प अवुरी दूसरा गोड़ प, जहां यीशु के लाश पड़ल रहे।
13 उ लोग ओकरा से पूछले, "मेरी, तू काहे रोवत बाड़ू? उ ओ लोग से कहली, काहेकि उ लोग हमरा प्रभु के छीन लेले बाड़े अवुरी हमरा नईखे मालूम कि उ लोग उनुका के कहाँ रखले बाड़े।
14 इ कहला के बाद उ पीछे मुड़ के यीशु के खड़ा देखली, लेकिन इ ना बुझली कि उ यीशु हवे।
15 यीशु ओकरा से पूछले, " मेरी, तू काहे रोवत बाड़ू? तू केकरा के खोजत बाड़ू? उ ओकरा के माली समझ के कहली, "महाराज, अगर तू ओकरा के इहाँ से ले गईल बाड़ू त बताव कि तू ओकरा के कहाँ रखले बाड़ू, हम ओकरा के लेके चल देब।"
16 यीशु ओकरा से कहलन, "मरियम।" ऊ मुड़ के ओकरा से कहली, "रब्बोनी!" जवना के मतलब बा कि गुरु।
17 यीशु ओकरा से कहलन, " हमरा के मत छूईं। काहेकि हम अभी तक अपना पिता के पास नईखी चढ़ल, लेकिन अपना भाई लोग के लगे जाके कहब कि हम अपना पिता अवुरी आपके पिता के लगे चढ़तानी। आ हमरा भगवान आ तोहार भगवान के।
18 मरियम मगदलीनी आके चेलन के बतवली कि उ प्रभु के देखले बाड़ी अवुरी उ उनुका से इ बात कहले बाड़े।
19 ओही दिन साँझ के हफ्ता के पहिला दिन जब यहूदी लोग के डर से जहाँ चेला लोग जुटल रहे, उहाँ के दरवाजा बंद हो गईल रहे, त यीशु बीच में खड़ा होके कहले, " रउआ लोग के शांति होखे।"
20 इ कहला के बाद उ ओ लोग के आपन हाथ अवुरी बगल देखवले। तब चेला लोग प्रभु के देख के खुश हो गईले।
21 तब यीशु फेर से कहलन, " तू लोग के शांति होखे, जइसे हमार पिता हमरा के भेजले बाड़े, ओइसहीं हम तोहनी के भेजत बानी।
22 ई कहला के बाद उ ओह लोग पर साँस लेहले आ कहलन कि पवित्र आत्मा के ग्रहण करऽ।
23 जेकर पाप तू माफ करबऽ, ओकरा के माफ कर दिहल जाला। आ जेकर पाप के तू लोग रखले बाड़ऽ, ओकरा के रोकल जाला।
24 जब यीशु अइले त बारह लोग में से एगो थोमस, जेकरा के डिडिमस कहल जाला, उ लोग के साथे ना रहे।
25 बाकी चेला लोग ओकरा से कहलस, "हम प्रभु के देखले बानी।" लेकिन उ ओ लोग से कहलस कि जब तक हम उनुका हाथ में नाखून के छाप ना देखब अवुरी नाखून के छाप में अँगुरी

ना डालब अवुरी ओकरा बगल में हाथ ना डालब, तब तक हम विश्वास ना करब।
26 आठ दिन बाद फिर से उनकर चेला लोग आ थोमस भी भीतर रहले, तब यीशु दरवाजा बंद होके अइले आ बीच में खड़ा होके कहले, " तोहरा खातिर शांति होखे।"
27 तब ऊ थोमस से कहलस, " अपना अँगुरी इहाँ पहुँच के हमार हाथ देखऽ। आऊ आपन हाथ इहाँ पहुँच के हमरा बगल में धकेल दऽ, आ अविश्वासी मत होखऽ, लेकिन विश्वास करे वाला होखऽ।
28 थोमस जवाब दिहलन, "हमार प्रभु आ हमार भगवान।"
29 यीशु ओकरा से कहलन, " थॉमस, काहेकि तू हमरा के देखले बाड़ऽ, तू विश्वास कर लेले बाड़ऽ।
30 यीशु अपना चेलन के सामने साँचहू अउरी बहुत चमत्कार कइलन जवन एह किताब में नइखे लिखल।
31 लेकिन इ सब एही खातिर लिखल गइल बा कि तू लोग विश्वास कर सकीले कि यीशु मसीह, परमेश्वर के बेटा हवें। आ विश्वास करके तोहनी के उनकर नाम से जीवन मिल सके।

अध्याय 21 के बा

1 एह सब के बाद यीशु तिबेरियास के समुंदर में चेला लोग के सामने फिर से देखा दिहलन। आ एही तरह से ऊ अपना के देखा दिहलन.
2 उहाँ शमौन पतरस, दिदिमस नाम के थोमा, गलील के काना के नथनील, जबदी के बेटा आउर उनकर दू गो अउरी चेला लोग एक साथ रहे।
3 शमौन पतरस उनकरा से कहलन, "हम मछरी मारे जात बानी।" उ लोग ओकरा से कहलस कि हमहूँ तोहरा साथे चलत बानी। उ लोग निकल के तुरंत एगो जहाज में बईठ गईले। आ ओह रात ऊ लोग कुछ ना पकड़ल.
4 जब सबेरे हो गईल त यीशु किनारे खड़ा हो गईले, लेकिन चेलन के इ ना मालूम रहे कि उ यीशु हवे।
5 तब यीशु उनकरा से पूछले, " लइका लोग, का तोहनी के कवनो भोजन बा? उ लोग ओकरा के जवाब देले कि ना।
6 ऊ ओह लोग से कहलन, " जाल के दाहिना ओर फेंक दीं त तोहनी के मिल जाई." उ लोग फेंकत रहले, लेकिन अब मछरी के भीड़ के चलते उ लोग ओकरा के ना खींच पवले।
7 एह से उ चेला जेकरा से यीशु प्यार करत रहले, पतरस से कहलस, "ई प्रभु हवें।" सिमोन पतरस जब सुनलस कि इ प्रभु हउवें त उ आपन मछुआरा के चोली ओकरा से बान्ह के समुन्दर में फेंक दिहलन|
8 बाकी चेला लोग एगो छोट नाव में चढ़ के अइले। (काहे कि ऊ लोग जमीन से दूर ना रहे, बलुक दू सौ हाथ जइसन रहे) मछरी से जाल घसीटत रहे।
9 जइसहीं ऊ लोग जमीन पर पहुँचल त उहाँ कोयला के आग लागल आ ओकरा पर मछरी आ रोटी बिछावल गइल।
10 यीशु उनकरा से कहलन, " अब जवन मछरी पकड़ले बानी, ओकरा के ले आवऽ।"
11 शमौन पतरस चढ़ के जाल खींच के जमीन पर पहुँच गइलन, जवन कि एक सौ तेवन मछरी से भरल रहे।
12 यीशु उनकरा से कहलन, " आके खाना खाईं।" कवनो चेला के हिम्मत ना भइल कि ऊ पूछे कि तू के हउअ? ई जानत कि ई प्रभु हवें।
13 तब यीशु आके रोटी लेके ओह लोग के आ मछरी भी देले।
14 मुवलन में से जी उठला के बाद अब ई तीसरा बेर बा जब यीशु अपना चेलन के सामने आपन बात देखावत रहलन।
15 जब उ लोग खाना खइले त यीशु शमौन पतरस से पूछले, " शमौन, योना के बेटा, का तू हमरा से एह लोग से जादे प्यार करेलन?" ऊ ओकरा से कहलस, "हँ, प्रभु; तू जानत बाड़ू कि हम तोहरा से प्यार करेनी। उ ओकरा से कहलस, " हमार मेमना के चरवऽ।"
16 ऊ दूसर बेर फेरु से कहलस, " यूनास के बेटा शमौन, का तू हमरा से प्यार करेलन?" ऊ ओकरा से कहलस, "हँ, प्रभु; तू जानत बाड़ू कि हम तोहरा से प्यार करेनी। उ ओकरा से कहलस, " हमार भेड़ के चरवऽ।"
17 ऊ तीसरा बेर ओकरा से कहलस, " शमौन, योना के बेटा, का तू हमरा से प्यार करेलन?" पतरस दुखी हो गइलन काहे कि ऊ तीसरा बेर ओकरा से कहले, "का तू हमरा से प्यार करत बाड़ऽ?" उ ओकरा से कहलस, "प्रभु, तू सब कुछ जानत बाड़ू। तू जानत बाड़ू कि हम तोहरा से प्यार करेनी। यीशु ओकरा से कहलन, " हमार भेड़न के चरावऽ।"
18 हम तोहरा से साँच कहत बानी कि जब तू जवान रहलू त तू अपना के कमरबंद क के जहाँ चाहत रहलू ओहिजा चलत रहलू ना चाहत रहे।
19 इ बात उ इ बतावत रहले कि उ कवना मौत से परमेश्वर के महिमा करीहे। ई बात कहके कहलन, " हमरा पीछे चलऽ."
20 पतरस घूम के देखलन कि उ चेला जेकरा से यीशु प्यार करत रहले। उहो रात के खाना खात घरी अपना छाती पर झुक के कहलस, "हे प्रभु, तोहरा के धोखा देवे वाला के ह?"
21 पतरस ओकरा के देख के यीशु से कहलस, "प्रभु, इ आदमी का करी?"
22 यीशु ओकरा से कहलन, " जदि हम चाहत बानी कि जबले हम ना आईब तब तक उ टिकल रहस त तोहरा खातिर का बा? तू हमरा पीछे-पीछे चल जा।
23 तब भाई लोग के बीच इ बात फैलल कि उ चेला ना मरे। लेकिन, अगर हम चाहब कि जब तक उ हम ना आईब, तब तक उ टिकल रहस त तोहरा खातिर का होई?
24 इहे चेला ह जवन एह बातन के गवाही देत बा आ इ सब लिखले बा।
25 अउरी भी बहुत काम बा जवन यीशु कइले रहले, जवन अगर हर एक के लिखल जाव त हमरा लागता कि दुनिया में भी उ किताब ना हो सकत रहे जवन लिखल जाव| आमीन के बा।

प्रेरित लोग के काम

अध्याय 1 के बा

1 हे थियोफिलस, हम पहिले के ग्रंथ बनवले बानी, जवन कुछ यीशु करे आ सिखावे के शुरू कइले रहले।
2 जब तक उनकरा के ऊपर उठावल गईल, ओकरा बाद उ पवित्र आत्मा के द्वारा ओह प्रेरित लोग के आज्ञा ना देले रहले, जेकरा के उ चुनले रहले।
3 ऊ अपना कष्ट के बाद चालीस दिन तक उनकरा से जिन्दा देखावत रहलन।
4 उ लोग के साथे एकट्ठा होके आज्ञा दिहलन कि यरूशलेम से ना निकले के चाहीं, बलुक पिता के वादा के इंतजार करे के चाहीं जवन तू लोग हमरा बारे में सुनले बाड़ऽ।
5 काहेकि यूहन्ना सचमुच पानी से बपतिस्मा देले रहले। लेकिन तोहनी के बहुत दिन बाद पवित्र आत्मा से बपतिस्मा लेवे के पड़ी।
6 जब उ लोग एकट्ठा भईले त उ लोग उनुका से पूछले कि, "हे प्रभु, का तू एही समय इस्राएल के राज्य फेर से देब?"
7 उ लोग से कहलन, " ई तोहनी के काम नइखे कि उ समय भा मौसम के बारे में जानीं, जवन पिता अपना अधिकार में रखले बाड़े।
8 लेकिन पवित्र आत्मा के तोहनी पर अइला के बाद तोहनी के शक्ति मिल जाई आ यरूशलेम, पूरा यहूदिया, सामरिया आ धरती के अंत तक हमार गवाह बनब।
9 जब उ लोग इ बात कहले त उ लोग के ऊपर उठावल गईल। आ बादल ओकरा के ओह लोग के नजर से दूर ले लिहलस।
10 जब उ लोग चढ़त-चढ़त आकाश के ओर मजबूती से देखत रहले, त देखले कि उ सफेद कपड़ा पहिनले दु आदमी ओ लोग के बगल में खड़ा रहले।
11 उ लोग इहो कहत रहे कि, "हे गलील के लोग, तू लोग स्वर्ग के ओर देखत काहे खड़ा हो जानी जा?" इहे यीशु, जे तोहनी से स्वर्ग में ले जाइल गइल बा, ओइसहीं अइहें जइसे तोहनी के स्वर्ग में जात देखले बानी।
12 उ लोग जैतून नाम के पहाड़ से यरूशलेम वापस आ गईले, जवन यरूशलेम से सब्त के दिन के यात्रा के दूरी प बा।
13 जब ऊ लोग अंदर अइले त ऊ लोग एगो ऊपरी कमरा में चल गइलन जहाँ पतरस, याकूब, यूहन्ना, अँड्रियास, फिलिप, थोमा, बार्थोलोम्यू आ मत्ती, अल्फीस के बेटा याकूब आ शमौन सिलोतस दुनु रहले. आ याकूब के भाई यहूदा।
14 ई सब मेहरारू लोग आ यीशु के महतारी मरियम आ उनकर भाई लोग के साथे एक मन से प्रार्थना आ निहोरा करत रहलन।
15 ओह दिन में पतरस चेलन के बीच में खड़ा होके कहले, "नाम के संख्या लगभग एक सौ बीस रहे|
16 भाई लोग, ई शास्त्र पूरा हो गइल होई, जवन पवित्र आत्मा दाऊद के मुंह से यहूदा के बारे में पहिले कहले रहले, जवन यीशु के ले जाए वाला लोग के मार्गदर्शक रहे।
17 काहेकि उ हमनी के साथे गिनल गईल रहले अवुरी उ एह सेवा के हिस्सा मिल गईल रहले।
18 इ आदमी अधर्म के इनाम से खेत खरीदले। आ माथा से गिर के बीच में फाट गइल आ ओकर सगरी आंत निकल गइल.
19 यरूशलेम में रहे वाला सब लोग के ई बात पता चलल। एतना कि ओह खेत के ओह लोग के उचित भाषा में एसेल्डामा कहल जाला, माने कि खून के खेत।
20 भजन संहिता के किताब में लिखल बा कि, "उनुकर निवास उजाड़ होखे, आ ओकरा में केहू ना रहे।"
21 एह से ई आदमी जे हर समय हमनी के साथे रहलन जब प्रभु यीशु हमनी के बीच में आवत-जात रहलन।
22 यूहन्ना के बपतिस्मा से शुरू होके उहे दिन जब उ हमनी से उठावल गईल रहले, ओकरा के हमनी के संगे उनुका जी उठला के गवाह बने के चाही।
23 उ लोग दू गो के नियुक्त कइलन, यूसुफ, जेकर नाम बरसाबास रहे, जेकर नाम यूसुस रहे आ मथियास।
24 उ लोग प्रार्थना करत कहले, "हे प्रभु, जे सब लोग के दिल के जानेला, बताईं कि तू ए दुनो में से चुनले बाड़ कि ना।
25 एह से उ एह सेवा आ प्रेरित के काम में हिस्सा ले सके, जवना से यहूदा अपराध के चलते गिर गईले, ताकि उ अपना जगह प जा सके।
26 ऊ लोग आपन भाग्य दे दिहल। आ चिट्ठी मथियस पर पड़ल। आ उनकर गिनती एगारह गो प्रेरितन के साथे भइल।

अध्याय 2 के बा

1 जब पेंटेकोस्ट के दिन पूरा हो गईल त उ सब एक-एक जगह एक-मती में रहले।
2 अचानक आकाश से एगो तेज हवा निहन आवाज आईल अवुरी उ पूरा घर में भर गईल, जहां उ लोग बईठल रहले।
3 ओह लोग के आग जइसन फाटल जीभ लउकल आ ऊ ओह लोग में से हर केहू पर बइठल रहे।
4 उ सब पवित्र आत्मा से भर गईले अवुरी आत्मा के बात के मुताबिक दोसरा भाषा में बोले लगले।
5 यरूशलेम में स्वर्ग के नीचे के हर जाति में से यहूदी लोग, भक्तिमान आदमी रहत रहले।
6 जब ई बात के आवाज भइल त भीड़ एकट्ठा होके लजाइल, काहे कि हर केहू ओह लोग के अपना भाषा में बोलत सुनलस।
7 उ सब लोग अचरज में पड़ गईले अवुरी एक दूसरा से कहत रहले कि, "का इ सब लोग गलील के लोग नईखन?"
8 हमनी के हर केहू अपना-अपना भाषा में कइसे सुनत बानी जा, जवना में हमनी के जनम भइल बानी जा?
9 पार्थियन, मादी, इलामी आ मेसोपोटामिया, यहूदिया, कप्पडोसिया, पोंतुस आ एशिया में रहे वाला लोग।
10 मिस्र के फ्रिगिया आ पम्फिलिया आ सीरेन के आसपास के लीबिया के इलाका में आ रोम के परदेसी लोग, यहूदी आ धर्म परिवर्तन करे वाला लोग।
11 क्रेते आ अरब लोग, हमनी के उ लोग के अपना भाषा में परमेश्वर के अद्भुत काम कहत सुनत बानी जा।
12 उ सब लोग अचरज में पड़ गईले अवुरी एक दूसरा से पूछत रहले कि, एकर का मतलब बा?
13 दूसर लोग मजाक उड़ावत कहलस, "ई लोग नया शराब से भरल बा।"
14 लेकिन पतरस एगारह लोग के साथे खड़ा होके आवाज उठा के कहलन कि, "हे यहूदिया के लोग आ यरूशलेम में रहे वाला सब लोग, ई बात के पता लगाईं आ हमार बात सुनीं।
15 काहेकि ई लोग नशा में धुत्त नइखन, जइसन कि तोहनी के लागत बा, काहेकि ई दिन के तीसरा घंटा ह।
16 लेकिन इहे बात ह जवन योएल भविष्यवक्ता कहले रहले।

17 भगवान कहत बाड़न कि आखिरी दिन में हम आपन आत्मा के सब शरीर पर उझल देब आ तोहार बेटा-बेटी भविष्यवाणी करीहें आ तोहार नवही लोग दर्शन देखिहें आ तोहार बुढ़ लोग सपना देखसु : 1।
18 आ ओह दिनन में हम अपना नौकरन आ दासी लोग पर आपन आत्मा डालब। उ लोग भविष्यवाणी करीहे।
19 हम ऊपर से स्वर्ग में चमत्कार करब आ नीचे धरती पर चिन्हार देखब। खून, आग, आ धुँआ के वाष्प।
20 प्रभु के ऊ महान आ उल्लेखनीय दिन आवे से पहिले सूरज अन्हार में बदल जाई आ चंद्रमा खून में बदल जाई।
21 आउर अइसन होई कि जे भी प्रभु के नाम पुकारत उ उद्धार पाई।
22 हे इस्राएल के लोग, ई बात सुनीं। नासरत के यीशु, तोहनी में चमत्कार आ चमत्कार आ चमत्कार आ चमत्कार आ चमत्कार आ चमत्कार से परमेस् वर के अनुमोदित रहलन, जवन परमेश्वर तोहनी के बीच में उनकरा द्वारा कइलन, जइसन कि रउवां खुद जानत बानी।
23 परमेस् वर के निश्चित सलाह आ पूर्वाज्ञान से ओकरा के बचावल जाके तू लोग ओकरा के पकड़ लेले बाड़ऽ आ दुष्ट हाथ से सूली पर चढ़ा के मार देले बाड़ऽ।
24 परमेस् वर ओकरा के जिंदा कर देले बाड़न आ मौत के पीड़ा ढीला कर दिहले बाड़न, काहे कि ओकरा के पकड़ल संभव ना रहे।
25 दाऊद उनकरा बारे में कहत बाड़न कि हम हमेशा प्रभु के सामने देखत रहनी, काहे कि उ हमरा दाहिना ओर बाड़े, ताकि हम ना हिल जाईं।
26 एही से हमार मन खुश हो गइल आ जीभ खुश हो गइल। एकरा अलावा हमार शरीर भी आशा में आराम करी।
27 काहे कि तू हमरा प्राण के नरक में ना छोड़ब आ ना ही अपना पवित्र के नाश होखे देब।
28 तू हमरा के जीवन के रास्ता बता देले बाड़ू। तू हमरा के अपना चेहरा से आनन्द से भरल बना देबऽ।
29 भाई लोग, हम तोहनी से कुलपति दाऊद के बारे में बतावत बानी कि उ मर गईल बाड़े अवुरी दफन हो गईल बाड़े अवुरी उनुकर कब्र आज तक हमनी के संगे बा।
30 एह से ऊ एगो भविष्यवक्ता रहलन आ ई जानत रहलन कि परमेश्वर उनकरा के कसम खइले बाड़न कि उनकर कमर के फल से शरीर के हिसाब से उ मसीह के जिंदा कर के अपना सिंहासन पर बइठा दिहे।
31 ई देख के उ पहिले मसीह के जी उठला के बारे में बतवले कि उनकर प्राण नरक में ना छोड़ल गइल आ ना उनकर शरीर नाश होखे लागल।
32 एह यीशु के परमेश्वर जिंदा कर देले बाड़न, जेकर गवाह हमनी के सब केहू हईं जा।
33 एह से परमेश्वर के दाहिना हाथ से ऊँच होके पिता से पवित्र आत्मा के प्रतिज्ञा मिलला के बाद उ इ बात बहा दिहले बाड़न जवन रउवां अब देखत आ सुनत बानी।
34 काहे कि दाऊद आकाश में ना चढ़ल बाड़न, बाकिर ऊ खुदे कहत बाड़न कि प्रभु हमरा प्रभु से कहले बाड़न कि तू हमरा दाहिना ओर बईठऽ.
35 जब तक हम तोहरा दुश्मनन के तोहार गोड़ के आधार ना बना देब।
36 एह से पूरा इस्राएल के घराना के ई बात पक्का हो जाव कि परमेश्वर उहे यीशु के प्रभु आ मसीह बना देले बाड़न, जेकरा के रउवां सूली पर चढ़वले बानी।
37 इ सुन के उ लोग के मन में चुभन हो गईल अवुरी पतरस अवुरी बाकी प्रेरित लोग से कहलस, "हे भाई लोग, हमनी के का करीं?
38 पतरस ओह लोग से कहलन, "पश्चाताप करीं आ पाप के माफी खातिर तोहनी में से हर केहू यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लीं, त तोहनी के पवित्र आत्मा के वरदान मिल जाई।"
39 काहेकि ई वादा तोहनी खातिर, तोहनी के लइकन खातिर आ दूर के सब लोग खातिर बा, जेकरा के हमनी के परमेश्वर प्रभु बोलावेलन।
40 उ अउरी बहुत शब्दन के साथे गवाही देत कहले कि, "अपना के एह अशुभ पीढ़ी से बचा लीं।"
41 तब जे लोग उनकर वचन के खुशी से ग्रहण कइल, उ लोग बपतिस्मा लिहले आ ओही दिन ओह लोग में करीब तीन हजार लोग के जोड़ल गइल।
42 ऊ लोग प्रेरित लोग के शिक्षा आ संगति में, रोटी तोड़े आ प्रार्थना में अडिग रहलन।
43 हर आदमी पर डर लागल आ प्रेरित लोग के द्वारा बहुत चमत्कार आ चमत्कार कइल गइल।
44 बिसवास करे वाला सब लोग एक साथ रहे आ सब कुछ साझा रहे।
45 ऊ लोग आपन संपत्ति आ सामान बेच के हर आदमी के जरूरत के हिसाब से सब लोग के बाँट दिहल।
46 उ लोग रोज एक मन से मंदिर में रहत रहले अवुरी घर-घर रोटी तोड़त रहले अवुरी खुशी-खुशी अवुरी अकेला मन से आपन खाना खात रहले।
47 परमेश्वर के स्तुति करत अउर सब लोग के अनुग्रह करत। आ प्रभु रोज कलीसिया में अइसन लोग के जोड़त रहले जेकरा के बचावे के चाहीं।

अध्याय 3 के बा

1 पतरस आ यूहन्ना प्रार्थना के समय में एक संगे मंदिर में चढ़ गईले।
2 एगो लंगड़ा आदमी के माई के पेट से लेके चलल गईल, जेकरा के उ लोग रोज मंदिर में घुसे वाला लोग से भिक्षा मांगे खातिर मंदिर के फाटक प सुतावत रहले, जवन कि सुंदर कहल जाला।
3 पतरस आ यूहन्ना के मंदिर में जाए वाला देख के उ भिक्षा मंगले|
4 पतरस यूहन्ना के साथे उनकरा पर नजर डाल के कहले, "हमनी के देखऽ।"
5 उ लोग के कुछुओ पावे के उम्मीद करत उ लोग के ध्यान देले।
6 पतरस कहलन, "हमरा लगे चाँदी आ सोना नइखे। लेकिन जवन हमरा लगे बा, हम तोहरा के देत बानी, नासरत के यीशु मसीह के नाम से उठ के चल जा।
7 ऊ उनकर दाहिना हाथ पकड़ के ऊपर उठा लिहलन आ तुरते उनकर गोड़ आ टखना के हड्डी में ताकत मिल गइल।
8 ऊ कूद के खड़ा होके चलल आ ओह लोग के साथे मंदिर में घुस गइल आ चलत आ उछलत आ भगवान के स्तुति करत।
9 सब लोग ओकरा के चलत आ भगवान के स्तुति करत देखले।

10 उ लोग जान गईले कि उहे मंदिर के सुंदर फाटक प भिक्षा देवे खातिर बईठल रहले अवुरी उनुका संगे भईल घटना से उ लोग अचरज अवुरी अचरज से भर गईले।
11 जब ऊ लंगड़ा ठीक हो गइल रहे, पतरस आ यूहन्ना के पकड़ले रहे, त सब लोग बहुत आश्चर्यचकित होके सुलेमान के बरामदा में एक संगे भाग गईले।
12 पतरस ई देख के लोग से कहलन, "हे इस्राएल के लोग, तू लोग एह बात से काहे आश्चर्यचकित होखब? का तू लोग हमनी के एतना गंभीरता से काहे देखत बाड़ू कि जइसे हमनी के अपना शक्ति भा पवित्रता से एह आदमी के चले के काम कइले बानी जा?
13 अब्राहम, इसहाक आ याकूब के परमेश्वर, हमनी के पुरखन के परमेश्वर, अपना बेटा यीशु के महिमा कइले बाड़न। पिलातुस के सामने जब पिलातुस ओकरा के छोड़े के ठान लेले रहले त तू ओकरा के सौंप देनी।
14 लेकिन तू पवित्र आ धर्मी के नकारत रहलू आ चाहत रहलू कि तोहनी के एगो हत्यारा के अनुमति दिहल जाव।
15 उ जीवन के राजकुमार के मार दिहलस, जेकरा के परमेश्वर मुवलन में से जिंदा कईले बाड़े। जवना के हमनी के गवाह बानी जा।
16 आउर उनकर नाम उनकरा नाम पर बिसवास से एह आदमी के मजबूत बना देले बा, जेकरा के रउवां देखत बानी आ जानत बानी।
17 अब हे भाई लोग, हमरा मालूम बा कि तू लोग अज्ञानता के चलते इ काम कईनी, जईसे कि आपके शासक भी कईले रहले।
18 लेकिन जवन बात परमेश्वर पहिले अपना सब भविष्यवक्ता लोग के मुंह से बता देले रहले कि मसीह के कष्ट उठावे के बा, उ पूरा क देले बाड़े।
19 एह से तू लोग पश्चाताप करीं आ फेर से बदल जाईं ताकि तोहनी के पाप मिटा दिहल जा सके, जब प्रभु के सामने से ताजा होखे के समय आई।
20 उ यीशु मसीह के भेज दिहे, जेकर प्रचार पहिले तोहनी से भइल रहे।
21 जब तक परमेस् वर दुनिया के शुरू से ही अपना सब पवित्र भविष्यवक्ता लोग के मुंह से कहले बाड़न, तब तक स्वर्ग के उनकरा के ग्रहण करे के पड़ी।
22 काहेकि मूसा सही मायने में पुरखन से कहले रहले कि, प्रभु तोहनी के परमेस् वर तोहनी के भाई लोग में से हमरा निहन एगो भविष्यवक्ता के खड़ा करीहे। उ जवन कुछ भी कहत होई, ओकरा के तू लोग सुनब।
23 आऊ हर आदमी जे ओह भविष्यवक्ता के बात ना सुन पाई, उ लोग के बीच से नाश हो जाई।
24 हँ, शमूएल से लेके ओकरा बाद के सब भविष्यवक्ता लोग भी एही दिन के बारे में भविष्यवाणी कइले बा।
25 तू लोग भविष्यवक्ता लोग के संतान हउअ आउर उ वाचा के संतान हउअ जवन परमेश्वर हमनी के पुरखन से इब्राहीम से कहले रहले कि, "तोहरा संतान से धरती के सब जाति के आशीष मिल जाई।"
26 सबसे पहिले परमेस् वर अपना बेटा यीशु के जिंदा क के तोहनी में से हर एक के आपन पाप से दूर करे खातिर तोहनी के आशीर्वाद देवे खातिर भेजले|

अध्याय 4 के बा

1 जब उ लोग लोग से बात करत रहले त पुजारी, मंदिर के सेनापति आ सदुकी लोग ओह लोग पर आ गईले।
2 उ लोग लोग के सिखावे के बात से दुखी होके यीशु के द्वारा मुवलन में से जी उठला के प्रचार कईले|
3 ऊ लोग ओह लोग पर हाथ डाल के अगिला दिने ले रोक दिहल, काहे कि अब साँझ हो गइल रहे।
4 बाकिर वचन सुनल लोग में से बहुत लोग बिसवास कइल। आ आदमी के संख्या करीब पांच हजार रहे।
5 अगिला दिने ओह लोग के शासक, बुजुर्ग आ शास्त्री लोग।
6 महायाजक हन्ना, कैफा, यूहन्ना, सिकंदर आ महायाजक के परिवार के जेतना लोग यरूशलेम में जुटल रहले।
7 जब उ लोग ओह लोग के बीच में बइठा के पूछले, "तू लोग कवना शक्ति से आ कवना नाम से ई काम कइले बाड़ऽ?"
8 तब पतरस पवित्र आत्मा से भरल उनके कहलन, "हे लोग के शासक आ इस्राएल के बूढ़ लोग।
9 अगर आज हमनी के नपुंसक के साथे कइल गइल अच्छा काम के बारे में जाँचल जाव त ऊ कवना तरीका से ठीक हो गइल बा।
10 रउआ सभे आ इस्राएल के सब लोग के ई पता चल जाव कि नासरत के यीशु मसीह के नाम से, जेकरा के रउआ सूली पर चढ़ा देले बानी, जेकरा के परमेश्वर मुवलन में से जिंदा कइले रहलन, इ आदमी इहाँ तोहनी के सामने ठीक हो गइल बा।
11 इहे उ पत्थर ह जवन तोहनी बिल्डर लोग के कुछुओ ना हो गईल रहे, जवन कोना के सिर बन गईल बा।
12 आऊ कवनो दोसर में उद्धार नइखे, काहेकि स्वर्ग के नीचे आदमी के बीच कवनो दोसर नाम नइखे दिहल गइल जवना से हमनी के उद्धार होखे के चाहीं।
13 जब उ लोग पतरस आ यूहन्ना के हिम्मत देख के देखले कि उ लोग अशिक्षित आ अज्ञानी आदमी हवें त उ लोग अचरज में पड़ गईले। उ लोग के पता चल गईल कि उ लोग यीशु के संगे रहले।
14 ऊ लोग ठीक हो गइल आदमी के अपना साथे खड़ा देख के ऊ लोग एकरा खिलाफ कुछ ना कह पवलस।
15 लेकिन जब उ लोग परिषद से बाहर निकले के आदेश देले त उ लोग आपस में बातचीत कईले।
16 ऊ कहलन कि हमनी के एह लोग के का करीं जा? काहे कि यरूशलेम में रहे वाला सब लोग के ई बात साफ बा कि ओह लोग के द्वारा एगो उल्लेखनीय चमत्कार भइल बा। आ हमनी के एकरा से इनकार नईखी क सकत।
17 लेकिन अगर ई बात लोग के बीच अउरी ना फइल जाव त हमनी के ओह लोग के कड़ा धमकी दीं कि अब से उ लोग एह नाम से केहू से बात मत करस।
18 उ लोग ओ लोग के बोलवले अवुरी आदेश देले कि उ लोग यीशु के नाम से कवनो बात मत बोलस अवुरी ना सिखाई।
19 पतरस आ यूहन्ना उनकरा से कहलन, "परमेशवर के नजर में परमेश्वर से जादा तोहनी के बात सुनल सही बा कि ना, त तोहनी के न्याय करीं।
20 हमनी के जवन देखल आ सुनले बानी जा, उ बात ना बोल सकेनी जा।
21 जब उ लोग ओह लोग के अउरी धमकवले त उ लोग के छोड़ देले, काहेकि लोग के वजह से उ लोग के कुछ ना मिलल कि उ लोग के सजा देवे के तरीका कुछूओ ना मिलल, काहेकि सब लोग इ काम के चलते भगवान के महिमा करत रहले।

22 काहेकि उ आदमी चालीस साल से ऊपर के रहे, जेकरा पर चंगाई के चमत्कार कईल गईल रहे|
23 छोड़ के ऊ लोग अपना दल में जाके मुख्य याजक आ बुजुर्ग लोग के कहल सब बात के जानकारी दिहल।
24 ई सुन के ऊ लोग एक मन से भगवान के ओर आवाज उठा के कहलस, "प्रभु, तू भगवान हउअ, जे आकाश, धरती, समुंदर आ ओहमें मौजूद सब कुछ बनवले बानी।
25 ऊ तोहार सेवक दाऊद के मुँह से कहले बा कि गैर-यहूदी लोग काहे नाराज हो गइल आ लोग बेकार के कल्पना काहे कइल?
26 धरती के राजा लोग खड़ा हो गइलन आ शासक लोग प्रभु आ उनकर मसीह के खिलाफ एकट्ठा हो गइलन।
27 साँचहू तोहरा पवित्र संतान यीशु के खिलाफ, जेकरा के तू अभिषेक कइले बाड़ू, हेरोदेस आ पोंतियुस पिलातुस, गैर-यहूदी आ इस्राएल के लोग के साथे एकट्ठा हो गइल रहले।
28 काहे कि तोहार हाथ आ सलाह जवन पहिले से तय कइले रहे, ओकरा के पूरा करीं।
29 अब हे प्रभु, ओह लोग के धमकी देखऽ, आ अपना सेवकन के एह बात के अनुमति दीं कि ऊ लोग पूरा हिम्मत से तोहार बात कह सके.
30 ठीक करे खातिर आपन हाथ बढ़ा के। आ तोहार पवित्र संतान यीशु के नाम से चमत्कार आ चमत्कार हो सके।
31 जब उ लोग प्रार्थना कईले त उ जगह हिल गईल, जहां उ लोग एक संगे जुटल रहले। उ सब पवित्र आत्मा से भर गईले अवुरी उ लोग निर्भीकता से परमेश्वर के वचन बतवले।
32 विश्वास करे वाला लोग के भीड़ एक दिल आ एक आत्मा के रहे, आ ना ही कहलस कि ओकरा लगे जवन चीज बा ओकरा के ओकर आपन ह। बाकिर दुनु में सब कुछ साझा रहे।
33 प्रेरित लोग प्रभु यीशु के जी उठला के बारे में बहुत शक्ति से गवाही देले।
34 ओह लोग में से केहू के कमी ना रहे, काहे कि जेतना जमीन भा घर के मालिक रहे, ऊ बेच के बेचल चीज के दाम लेके आवत रहे।
35 प्रेरित लोग के गोड़ पर सुता दिहलन आ हर आदमी के जरूरत के हिसाब से बाँट दिहल गइल।
36 योसेस, जे प्रेरित लोग के द्वारा बरनबास (जवना के मतलब होला, सांत्वना देवे वाला बेटा) लेवी आ साइप्रस के देश के रहे।
37 जमीन रहला के बाद बेच के पईसा लेके आके प्रेरित लोग के गोड़ में रख देहले|

अध्याय 5 के बा

1 लेकिन अननिया नाम के एगो आदमी अपना पत्नी सफीरा के संगे आपन संपत्ति बेच देलस।
2 उनकर मेहरारू के भी पता रहे कि उ दाम के कुछ हिस्सा रोक के एगो हिस्सा लेके प्रेरित लोग के गोड़ में रख दिहली।
3 पतरस कहलन, "अननिया, पवित्र आत्मा से झूठ बोले खातिर शैतान तोहार मन में काहे भरले बा आ देश के दाम के कुछ हिस्सा के रोक के रखले बा?
4 जबले ऊ रहल, का ऊ तोहार ना रहे? आ बेचला के बाद का ई तोहरा अधिकार में ना रहे? तू अपना मन में ई बात काहे सोचले बाड़ू? तू आदमी से झूठ ना बोलले बाड़ू, बल्कि भगवान से झूठ बोलले बाड़ू।
5 अननिया ई बात सुन के गिर गइलन आ भूत छोड़ दिहलन आ ई बात सुनल सभे लोग में बहुते डर लाग गइल।
6 युवक उठ के ओकरा के घायल क के बाहर ले गईले अवुरी दफना देले।
7 लगभग तीन घंटा के बाद उनकर मेहरारू के इ ना मालूम रहे कि का भईल बा।
8 पतरस ओकरा से कहलन, "बतावऽ कि का तू लोग जमीन के एतना दाम में बेचले बाड़ऽ?" ऊ कहली, हँ, एतना खातिर।
9 तब पतरस ओकरा से कहलन, "प्रभु के आत्मा के परीक्षा देवे खातिर तू लोग कइसे सहमत हो गइल बाड़ऽ? देखऽ, तोहार पति के दफनावे वाला लोग के गोड़ दुआर पर बा आ तोहरा के बाहर ले जाई।
10 तब ऊ तुरते उनकर गोड़ पर गिर गइल आ भूत के छोड़ दिहली आ नवही लोग भीतर आके ओकरा के मरल देखले आ ओकरा के ले जाके ओकरा के पति के लगे दफना दिहलस।
11 पूरा कलीसिया आ जे लोग ई बात सुनले रहे, ओकरा पर बहुत डर लाग गइल।
12 प्रेरित लोग के हाथ से लोग के बीच बहुत चमत्कार आ चमत्कार कइल गइल। (आ उ सब एक मन से सुलेमान के बरामदा में रहले।
13 बाकी लोग में से केहू ओह लोग के साथे आवे के हिम्मत ना कइलस, लेकिन लोग ओह लोग के बड़ाई कइल।
14 आउर विश् वासी लोग प्रभु में अउरी बढ़ल, मरद मेहरारू के भीड़।)
15 एतना कि उ लोग बेमार लोग के सड़क प ले आके बिछौना अवुरी सोफा प सुता देले, ताकि कम से कम उहाँ से गुजरत पतरस के परछाई ओ लोग में से कुछ लोग के छा जा सके।
16 यरूशलेम के आसपास के शहरन से भीड़ भीड़ बेमार लोग आ अशुद्ध आत्मा से परेशान लोग के लेके आइल आ हर केहू ठीक हो गइल।
17 तब महायाजक आ ओकरा साथे रहल सब लोग (जवन सदुकी लोग के पंथ ह) उठ के क्रोध से भर गइल।
18 ऊ लोग प्रेरितन पर हाथ रख के आम जेल में डाल दिहलन।
19 लेकिन प्रभु के दूत रात में जेल के दरवाजा खोल के ओ लोग के बाहर ले आके कहलस।
20 जाके मंदिर में खड़ा होके लोगन से एह जीवन के सब बात बताईं।
21 इ बात सुन के उ लोग सबेरे-सबेरे मंदिर में घुस के शिक्षा देले। लेकिन महायाजक आ ओकरा साथे के लोग आके परिषद आ इस्राएल के सब सीनेट के एकट्ठा क के जेल में भेज दिहलस कि उ लोग के ले आवल जाव|
22 जब अफसर लोग जेल में ना मिलल त उ लोग वापस आके बतवले।
23 ऊ कहले, "जेल हमनी के पूरा सुरक्षित बंद हो गईल रहनी जा, आ रखवाला लोग के बाहर दरवाजा के सामने खड़ा हो गईल रहे।
24 जब महायाजक, मंदिर के सेनापति आ मुखिया याजक इ बात सुनले त उ लोग के शक भईल कि इ बात कवना बात से बढ़ी।
25 एक आदमी आके कहलस, "देखऽ, जवन आदमी के तू जेल में डालले बाड़ऽ, ऊ मंदिर में खड़ा होके लोग के सिखावत बा।"
26 तब सेनापति अफसरन के साथे जाके बिना कवनो हिंसा के ले अइले, काहेकि उ लोग लोग से डेरात रहे कि कहीं उ लोग के पत्थर ना मारल जा सकत रहे।

27 जब उ लोग ओकनी के परिषद के सामने रखले, त महायाजक ओ लोग से पूछले।
28 ऊ कहलन कि का हम तोहनी के कड़ा आज्ञा ना देले रहनी कि तू लोग एह नाम से शिक्षा मत दीं? आ देखऽ, तू लोग यरूशलेम के आपन शिक्षा से भर दिहलऽ आ एह आदमी के खून हमनी पर ले आवे के इरादा रखले बाड़ऽ।
29 तब पतरस आउर प्रेरित लोग जवाब दिहलन, "हमनी के आदमी के आज्ञा माने के बजाय परमेश्वर के आज्ञा माने के चाहीं।"
30 हमनी के पुरखन के परमेश्वर यीशु के जिंदा कईले, जेकरा के तू लोग मार के पेड़ पर लटका देले रहलू।
31 परमेश्वर अपना दाहिना हाथ से ओकरा के एगो राजकुमार आ उद्धारकर्ता बने खातिर ऊपर उठवले बाड़न, ताकि उ इस्राएल के पश्चाताप करे आ पाप के माफी दे सके।
32 हमनी के उनकर गवाह हईं जा। आ पवित्र आत्मा भी, जेकरा के परमेश्वर उनकर आज्ञा माने वाला लोग के देले बाड़न।
33 इ बात सुन के उ लोग के मन में कट गईल अवुरी उ लोग के मारे के सलाह लेले।
34 तब मंडली में एगो फरीसी खड़ा होके गमालिएल नाम के एगो फरीसी रहले, जवन कि व्यवस्था के डाक्टर रहले, जवन कि सभ लोग के बीच में नामी रहले अवुरी प्रेरित लोग के तनी जगह छोड़े के आदेश देले।
35 उ लोग से कहलस, "हे इस्राएल के लोग, एह लोग के लेके जवन करे के बा, ओकरा के अपना से ध्यान राखीं।
36 काहे कि एह दिनन से पहिले थ्यूदास उठ के अपना के केहू होखे के घमंड करत रहले। जेकरा से लगभग चार सौ आदमी जुड़ गइलन, जेकरा के मार दिहल गइल। आ जेतना उनकर बात मानत रहे, उ सब बिखरा गईले अवुरी नाश हो गईले।
37 एकरा बाद कर लगावे के समय में गलील के यहूदा उठ के बहुत लोग के अपना पीछे खींच लिहले। आ सभे, जेतना उनकर बात मानत रहे, तितर-बितर हो गइल।
38 अब हम तोहनी से कहत बानी कि एह लोग से परहेज करीं आ ओह लोग के छोड़ दीं काहे कि अगर ई सलाह भा ई काम आदमी के होखी त ई बेकार हो जाई.
39 लेकिन अगर उ परमेश्वर के ह त तू ओकरा के उखाड़ नईब। कहीं कहीं तोहनी के परमेश्वर से लड़त भी ना मिल जाई।
40 उ लोग ओकरा से सहमत हो गईले अवुरी जब उ लोग प्रेरित लोग के बोलवले अवुरी ओ लोग के पीट देले त उ लोग आज्ञा देले कि उ लोग यीशु के नाम से मत बोलस अवुरी उनुका के छोड़ देले।
41 उ लोग खुश होके परिषद के सामने से चल गईले कि उनुका नाम के चलते उ लोग के शर्मिंदगी के लायक मानल गईल।
42 उ लोग रोज मंदिर में आ हर घर में यीशु मसीह के सिखावे आ प्रचार करे से ना छोड़त रहले।

अध्याय 6 के बा

1 ओह घरी जब चेलन के संख्या बढ़ल त यूनानी लोग इब्रानियन के खिलाफ बड़बड़ाहट उठल काहे कि ओह लोग के विधवा लोग के रोज सेवा में उपेक्षा कइल जात रहे।
2 बारह लोग चेलन के भीड़ के बोला के कहलन, "ई कवनो कारण नइखे कि हमनी के परमेश्वर के वचन छोड़ के मेज परोसल जाव।"
3 एह से हे भाई लोग, पवित्र आत्मा आ बुद्धि से भरल सात गो आदमी के देखल जाव, जेकरा के हमनी के एह काम के काम में नियुक्त कर सकीले।
4 लेकिन हमनी के लगातार प्रार्थना में आउर वचन के सेवा में अपना के देके रहब जा।
5 ई बात पूरा भीड़ के मन खुश हो गइल आ ऊ लोग स्टीफन, जे विश्वास आ पवित्र आत्मा से भरल आदमी, फिलिपुस, प्रोकोरस, निकानोर, तिमोन, परमेनास आ अंताकिया के धर्म परिवर्तन करे वाला निकोलस के चुनले।
6 उ लोग प्रेरित लोग के सामने रखले आ प्रार्थना कईला के बाद उ लोग उनकरा पर हाथ रखले|
7 भगवान के वचन बढ़ल। यरूशलेम में चेलन के संख्या बहुत बढ़ गइल। आ पुजारी लोग के एगो बड़हन दल विश्वास के आज्ञाकारी रहे।
8 विश्वास आ शक्ति से भरल स्टीफन लोग के बीच में बड़हन चमत्कार आ चमत्कार कइलन।
9 तब कुछ लोग आराधनालय में से कुछ लोग उठल जवना के उदार लोग के आराधनालय कहल जाला, कुरेनियन, सिकंदरिया के लोग आ किलिसिया आ एशिया के लोग में से कुछ लोग स्टीफन से विवाद करत रहे।
10 उ लोग जवना बुद्धि आ आत्मा से बात करत रहले, ओकरा के विरोध ना कर पवले।
11 तब उ लोग लोग के धक्का देके कहलस कि, हमनी के उनुका के मूसा अवुरी परमेश्वर के खिलाफ निंदा करत सुनले बानी।
12 ऊ लोग लोग, बुजुर्ग आ शास्त्री लोग के भड़क के ओकरा पर आके ओकरा के पकड़ के परिषद में ले अइले।
13 झूठा गवाहन के खड़ा कर के कहलन कि, "ई आदमी एह पवित्र स्थान आ व्यवस्था के खिलाफ निंदा करे के बात नइखे छोड़त।
14 हमनी के उनकर ई कहत सुनले बानी जा कि नासरत के ई यीशु एह जगह के नष्ट कर दिहे आ मूसा हमनी के जवन रीति-रिवाज छोड़ले रहले, ओकरा के बदल दिहे।
15 परिषद में बईठल सब लोग उनकरा ओर अडिग नजर से देखत रहले, उनकर चेहरा एगो स्वर्गदूत के चेहरा निहन देखाई देलस।

अध्याय 7 के बा

1 तब महायाजक कहलस, "का इ सब बात अईसन बा?
2 ऊ कहलन, "हे भाई लोग आ बाप-दादा लोग, सुनीं। महिमा के परमेश्वर हमनी के बाबूजी अब्राहम के मेसोपोटामिया में रहलन, चरन में रहला से पहिले।
3 ऊ ओकरा से कहलस, "तू अपना देस आ अपना रिश्तेदारन से निकल के ओह देश में आ जा जवना के हम तोहरा के देखा देब।"
4 तब ऊ कसदीयन के देश से निकल के चरन में रह गइलन आ उहाँ से जब उनकर बाप मर गइलन त उहाँ से उनकरा के एह देश में ले गइलन जवना में अब रउरा रहत बानी।
5 ऊ ओकरा के कवनो विरासत ना दिहलन, ना कि ऊ आपन गोड़ खड़ा कर सके, तबहियो ऊ वादा कइलन कि ऊ एकरा के ओकरा के आ ओकरा बाद के संतान के दे दीहें जब ओकरा लगे अबहीं ले कवनो संतान ना रहे .

6 परमेस् वर एही तरह से कहलन कि उनकर संतान परदेसी देश में रहस। आ कि ऊ लोग ओह लोग के गुलाम बना के चार सौ साल तक बुराई के निहोरा करस।
7 भगवान कहलन कि जवना राष्ट्र के गुलाम बनल रहीहें, ओकरा के हम न्याय करब, आ ओकरा बाद उ लोग बाहर आके एह जगह पर हमार सेवा करीहें।
8 ऊ ओकरा के खतना के वाचा दे दिहलन आ एही से अब्राहम के इसहाक के जनम भइल आ आठवाँ दिन ओकर खतना कर दिहलन. इसहाक के जनम याकूब से भइल। आ याकूब के बारह गो कुलपति के जनम भइल।
9 ईर्ष्या से कुलपति लोग यूसुफ के मिस्र में बेच दिहलन, लेकिन परमेश्वर उनकरा साथे रहले।
10 ऊ ओकरा के अपना सब दुख से बचा के मिस्र के राजा फिरौन के नजर में अनुग्रह आ बुद्धि दिहलन। उ ओकरा के मिस्र आ ओकर पूरा घराना के गवर्नर बनवले।
11 अब पूरा मिस्र आ कनान देश में कमी आ बहुत कष्ट हो गइल आ हमनी के पुरखा लोग के कवनो रोजी-रोटी ना मिलल।
12 जब याकूब सुनलस कि मिस्र में खान बा, त उ पहिले हमनी के पुरखन के भेज देले।
13 दूसरा बेर यूसुफ के आपन भाई लोग के सामने बतावल गईल। आ यूसुफ के रिश्तेदारन के बारे में फिरौन के बतावल गइल।
14 तब यूसुफ के भेज के आपन बाप याकूब आ उनकर सब रिश्तेदार, साठ पंद्रह लोग के अपना लगे बोलवले।
15 तब याकूब मिस्र में चल गइलन आ ऊ आ हमनी के पुरखा लोग मर गइलन.
16 ऊ लोग के सिकेम में ले जाके ओह कब्र में डाल दिहल गइल जवन अब्राहम सिकेम के पिता इमोर के बेटा लोग से पइसा में खरीदले रहले।
17 जब परमेश्वर अब्राहम के किरिया खइला के समय नजदीक आ गइल त मिस्र में लोग बढ़ल आ बढ़ल।
18 जब तक कवनो दोसर राजा ना उठल जवन यूसुफ के ना जानत रहे।
19 उहे हमनी के रिश्तेदारन के साथे धोखाधड़ी कइलस आ हमनी के बाप-दादा लोग से बुराई कइलस कि उ लोग अपना छोट लइकन के बाहर निकाल दिहलस ताकि उ लोग जिंदा ना रह सके।
20 ओही समय में मूसा के जनम भइल आ ऊ बहुते सुन्दर रहलन आ तीन महीना ले अपना पिता के घर में पोसले।
21 जब ओकरा के बाहर निकाल दिहल गइल त फिरौन के बेटी ओकरा के लेके अपना बेटा खातिर पोस दिहलस।
22 मूसा मिस्र के सब बुद्धि में विद्वान रहले अवुरी बात अवुरी काम में ताकतवर रहले।
23 जब ऊ चालीस बरिस के हो गइलन त उनकर मन में आपन भाई इस्राएल के लोग से मिले के मन में आइल।
24 ओह लोग में से एगो के गलती करत देख के ऊ ओकर बचाव कइलस आ दबलल आदमी के बदला ले लिहलस आ मिस्र के मार दिहलस।
25 काहेकि ऊ सोचत रहले कि उनकर भाई लोग समझत होई कि परमेश्वर उनकरा हाथ से कइसे बचावेला, लेकिन उ लोग ना समझले|
26 अगिला दिने उ लोग के झगड़ा करत घरी उ लोग के सामने आपन बात देखावत कहले कि, "हे मालिक लोग, तू लोग भाई हउअ। तू लोग एक दूसरा से काहे अन्याय करत बाड़ू?
27 लेकिन जे अपना पड़ोसी के गलत काम करत रहे, उ ओकरा के भगा दिहलस अवुरी कहलस कि, "के तोहरा के हमनी के मालिक अवुरी न्यायाधीश बनवले?
28 का तू हमरा के ओइसहीं मारब जइसे काल्हु मिस्र के मारले रहलू?
29 तब मूसा ई बात सुन के भाग गइलन आ मदीआन के देश में परदेसी रहलन, जहाँ से दू गो बेटा भइलन।
30 चालीस साल पूरा भइला पर सीना पहाड़ के जंगल में एगो झाड़ी में आग के लौ में प्रभु के एगो दूत प्रकट भइलन।
31 जब मूसा ई देख के अचरज में पड़ गइलन आ जब ऊ एकरा के देखे खातिर नजदीक अइले त प्रभु के आवाज उनका लगे आइल।
32 ऊ कहले, "हम तोहार पुरखन के परमेश्वर, अब्राहम के परमेश्वर, इसहाक के परमेश्वर आ याकूब के परमेश्वर हईं।" तब मूसा काँप गइलन आ देखे के हिम्मत ना भइल।
33 तब प्रभु ओकरा से कहलन, "अपना गोड़ से जूता उतार द, काहे कि जहाँ तू खड़ा बाड़ उ पवित्र भूमि ह।"
34 हम देखले बानी, हम अपना लोग के मिस्र के कष्ट देखले बानी आ ओह लोग के कराह सुनले बानी आ ओह लोग के बचावे खातिर उतरल बानी। अब आ जा, हम तोहरा के मिस्र भेज देब।
35 एह मूसा के उ लोग मना क दिहले कि, "के तोहरा के शासक आ न्यायाधीश बनवले?" उहे भगवान झाड़ी में प्रकट भइल स्वर्गदूत के हाथ से शासक आ उद्धारकर्ता बने खातिर भेजले रहले।
36 चालीस साल तक मिस्र, लाल सागर आ जंगल में चमत्कार आ चमत्कार देखवला के बाद उ ओ लोग के बाहर ले अइले।
37 इहे उ मूसा हउवें जे इस्राएल के लोग से कहले रहले कि, "रहवा तोहनी के परमेस् वर तोहनी के भाई लोग में से हमरा जइसन एगो भविष्यवक्ता के खड़ा करीहे। ओकरा के सुनब।
38 इहे उ हवे जे जंगल में कलीसिया में सीना पहाड़ में उनुका से बात करे वाला स्वर्गदूत के संगे अवुरी हमनी के पुरखन के संगे रहले।
39 हमनी के पुरखा लोग उनकर बात ना मनले, बलुक ओकरा के अपना से भगा दिहलन आ मन में फेर से मिस्र में मुड़ गइलन।
40 हारून से कहलन कि, "हमनी के आगे जाए खातिर देवता बनाईं, काहे कि ई मूसा के बारे में जवन हमनी के मिस्र देश से बाहर ले अइले, हमनी के पता नइखे कि उनकर का भइल बा।"
41 उ लोग ओह दिन में एगो बछड़ा बना के मूर्ति के बलि चढ़ावत रहले अवुरी अपना हाथ के काम में खुश रहले।
42 तब परमेश्वर मुड़ के स्वर्ग के सेना के पूजा करे खातिर छोड़ दिहलन। जइसे कि भविष्यवक्ता लोग के किताब में लिखल बा, "हे इस्राएल के घराना, का तू लोग हमरा खातिर जंगल में चालीस साल के दौरान मारल जानवर आ बलिदान चढ़वले बाड़ू?"
43 हँ, तूँ मोलोक के तम्बू आ अपना देवता रेम्फान के तारा के उठा लिहनी जवन तू लोग ओह लोग के पूजा करे खातिर बनवले रहलू आ हम तोहनी के बेबिलोन के ओह पार ले जाइब।
44 हमनी के पुरखा लोग जंगल में गवाही के तम्बू रखले रहले, जईसे उ मूसा से बात कईले रहले कि उ जवना तरीका से देखले रहले, ओसही बनावस।

45 हमनी के पुरखा लोग भी यीशु के साथे गैर-यहूदी लोग के अपना कब्जा में ले अइले, जेकरा के परमेश्वर हमनी के पुरखन के सामने दाऊद के समय तक भगा दिहले।
46 ऊ परमेस् वर के सामने अनुग्रह पावलन आ याकूब के परमेस् वर खातिर एगो तम्बू खोजे के चाहत रहलन।
47 लेकिन सुलेमान ओकरा खातिर एगो घर बनवले।
48 लेकिन परम ऊँच आदमी हाथ से बनल मंदिरन में ना रहेला। जइसे कि भविष्यवक्ता कहले बाड़न कि
49 स्वर्ग हमार सिंहासन ह, आ धरती हमार गोड़ के आधार ह, तू हमरा खातिर कवन घर बनाईब? प्रभु कहत बाड़न कि हमार विश्राम के जगह का बा?
50 का हमार हाथ ई सब चीज ना बनवले बा?
51 हे अकड़ गर्दन वाला आ दिल आ कान के खतना ना भइल, तू लोग हमेशा पवित्र आत्मा के विरोध करत रहेनी।
52 तोहनी के पुरखन कवना भविष्यवक्ता के सतावले नइखन? उ लोग ओह लोग के मार देले बाड़े जे पहिले से धर्मी के आवे के बारे में बतावत रहले। तू लोग अब ओकरा के धोखा देवे वाला आ हत्यारा रहल बाड़।
53 ऊ लोग स्वर्गदूतन के स्वभाव से व्यवस्था के ग्रहण कइले बा आ ओकर पालन ना कइले बा।
54 इ बात सुन के उ लोग के मन में कट गईल अवुरी उ लोग उनुका प दांत से चीर-फाड़ कईले।
55 लेकिन उ पवित्र आत्मा से भरल होके अड़ल होके स्वर्ग के ओर देखले त परमेश्वर के महिमा आ यीशु के परमेश्वर के दाहिना ओर खड़ा देखले।
56 ऊ कहलस, "देखऽ, हम देखत बानी कि आकाश खुलल बा आ आदमी के बेटा के परमेश्वर के दाहिना ओर खड़ा बा।"
57 तब ऊ लोग जोर से चिल्ला के कान रोक के एक मन से ओकरा पर दौड़ल।
58 ओकरा के शहर से बाहर निकाल के पत्थर मार दिहलस आ गवाह लोग एगो नवही के गोड़ में आपन कपड़ा रख दिहल, जेकर नाम शाऊल रहे।
59 उ लोग स्टीफन के पत्थर मार के भगवान के पुकारत कहले, "प्रभु यीशु, हमार आत्मा ग्रहण करऽ।"
60 ऊ घुटना टेक के जोर से चिल्ला के कहले, "हे प्रभु, ई पाप ओह लोग के जिम्मा मत लगाईं." आ जब ई बात कहलन त उनकर नींद आ गइल।

अध्याय 8 के बा

1 शाऊल अपना मरला के सहमति देत रहले। ओह घरी यरूशलेम के कलीसिया के खिलाफ बहुत प्रताड़ना भइल। प्रेरित लोग के छोड़ के उ सब यहूदिया आ सामरिया के इलाका में बिखराइल रहले।
2 भक्त लोग स्टीफन के दफनावे खातिर ले गइलन आ ओकरा खातिर बहुते विलाप कइलन।
3 रहल बात शाऊल के त ऊ कलीसिया के तबाही मचावत घर-घर में घुस के मरद मेहरारू के जेल में डाल दिहलन।
4 एह से बिखराइल लोग हर जगह वचन के प्रचार करत चलल।
5 फिलिपुस सामरिया शहर में जाके उनके मसीह के प्रचार कईले|
6 फिलिपुस के कइल चमत्कार सुन के आ देख के लोग एक मन से ओह बातन पर ध्यान दिहल।
7 काहे कि बहुत लोग के बीच से अशुद्ध आत्मा जोर से चिल्लात निकलल आ बहुत लोग लकवा से पीड़ित आ लंगड़ा ठीक हो गईल।
8 ओह शहर में बहुत खुशी भइल।
9 लेकिन एगो आदमी शिमोन नाम के रहे जवन पहिले ओही शहर में जादू-टोना करत रहे आ सामरिया के लोग के जादू करत रहे आ बतावत रहे कि ऊ कवनो बड़ आदमी ह।
10 छोट से लेके बड़का तक सब केहू उनकर बात पर ध्यान देत रहलन कि, "ई आदमी परमेश्वर के महान शक्ति ह।"
11 उ लोग ओकर परवाह करत रहे, काहेकि उ बहुत दिन से जादू-टोना से जादू-टोना करत रहले।
12 जब उ लोग फिलिपुस के परमेश् वर के राज आ यीशु मसीह के नाम के बारे में प्रचार करत विश्वास कईले त उ लोग मरद-मेहरारू दुनो के बपतिस्मा लेले।
13 तब शमौन खुद भी बिसवास कइलन आ जब ऊ बपतिस्मा लिहलन त फिलिपुस के साथे रहलन आ चमत्कार आ चमत्कार आ चमत्कार के देख के अचरज में पड़ गइलन।
14 जब यरूशलेम में मौजूद प्रेरित लोग सुनले कि सामरिया परमेस् वर के वचन ग्रहण कर लेले बा, त उ लोग पतरस आ यूहन्ना के पास भेजले|
15 जब उ लोग उतरले त उ लोग खातिर प्रार्थना कईले कि उ लोग पवित्र आत्मा के ग्रहण कर सकस।
16 (काहेकि अभी तक उ ओ लोग में से केहु प ना गिरल रहले, सिर्फ उ लोग प्रभु यीशु के नाम से बपतिस्मा लेले रहले।)
17 तब उ लोग ओह लोग पर हाथ रख के पवित्र आत्मा मिल गईल।
18 जब शमौन देखलन कि प्रेरित लोग के हाथ रखला से पवित्र आत्मा मिल गईल बा।
19 ऊ कहलन, "हमरा के इ शक्ति भी दीं ताकि हम जेकरा पर हाथ डालब, उ पवित्र आत्मा पा सके।"
20 पतरस ओकरा से कहलन, "तोहार पइसा तोहरा साथे नाश हो जाई काहे कि तू सोचले बाड़ू कि परमेश्वर के वरदान पइसा से खरीदल जा सकेला।"
21 एह बात में तोहार ना हिस्सा बा ना भाग्य, काहेकि तोहार मन भगवान के नजर में ठीक नइखे।
22 एह से अपना बुराई से पश्चाताप करीं आ भगवान से प्रार्थना करीं कि अगर तोहार मन के विचार माफ हो जाव।
23 हम समझत बानी कि तू कड़वाहट के पित्त आ अधर्म के बंधन में बाड़।
24 तब शमौन जवाब दिहलन, "तू लोग हमरा खातिर प्रभु से प्रार्थना करीं कि तू जवन बात कहले बाड़ू, ओकरा में से कवनो बात हमरा पर ना आवे।"
25 जब उ लोग गवाही देके प्रभु के वचन के प्रचार कईले त यरूशलेम वापस आके सामरी लोग के कई गांव में सुसमाचार के प्रचार कईले।
26 तब प्रभु के दूत फिलिप से कहलन, "उठ के दक्षिण के ओर जाके यरूशलेम से गाजा तक जाए वाला रास्ता पर चल जा, जवन रेगिस्तान ह।"
27 ऊ उठ के चल गइलन आ देखलन कि इथियोपिया के एगो आदमी इथियोपिया के रानी कंडास के अधीन बहुते अधिकार के मालिक रहलन आ उनकर पूरा खजाना के जिम्मा लेत रहले आ पूजा करे खातिर यरूशलेम आइल रहले.

28 वापस आके रथ में बईठ के यशायाह भविष्यवक्ता के पढ़त रहले।
29 तब आत्मा फिलिपुस से कहलस, "नजदीक जा आ एह रथ के साथे जुड़ जा।"
30 फिलिपुस ओकरा लगे दौड़ के ओकरा लगे यशायाह भविष्यवक्ता के पढ़त सुनले आ कहले, "का तू समझत बाड़ू कि तू जवन पढ़त बाड़ू?"
31 ऊ कहलन, "जब तक केहू हमरा के मार्गदर्शन ना करी तबले हम कइसे कर सकीले?" उ फिलिपुस के इच्छा कईले कि उ ऊपर आके उनुका संगे बईठ जास।
32 उ पवित्रशास्त्र के जगह इ रहे कि उ भेड़ निहन कत्ल के ओर ले गईले। आ जइसे मेमना अपना कतरने वाला के सामने गूंगा हो जाला, ओइसहीं ऊ आपन मुँह ना खोललस।
33 उनकर अपमान में उनकर न्याय हटा दिहल गइल आ उनकर पीढ़ी के के बताई? काहे कि ओकर जान धरती से छीन लिहल गइल बा.
34 नपुंसक फिलिपुस के जवाब देके कहलस कि, "नबी, भविष्यवक्ता केकरा बारे में इ बात कहतारे? अपना के, कि कवनो दोसरा आदमी के?
35 फिलिपुस आपन मुंह खोल के उहे शास्त्र से शुरू होके यीशु के प्रचार कइलन।
36 जात घरी ऊ लोग एगो पानी के लगे पहुँचल त नपुंसक कहलस, "देखऽ, इहाँ पानी बा। हमरा के बपतिस्मा लेवे में कवन बाधा बा?
37 फिलिपुस कहले, "जदि तू पूरा मन से विश्वास करब त हो सकेला।" ऊ जवाब दिहलन, "हम विश्वास करत बानी कि ईसा मसीह परमेश्वर के बेटा हवें।"
38 ऊ रथ के खड़ा होखे के आदेश दिहलन आ ऊ लोग फिलिप आ नपुंसक दुनु पानी में उतर गइलन. आऊ उनकरा के बपतिस्मा दिहलन।
39 जब उ लोग पानी से बाहर निकलले त प्रभु के आत्मा फिलिपुस के लेके चल गईल, ताकि उ नपुंसक ओकरा के अब ना देखलस।
40 फिलिपुस अजोत में मिल गइलन आ ऊ सब शहरन में प्रचार करत रहले जबले ऊ कैसरिया ना चहुँप गइलन.

अध्याय 9 के बा

1 शाऊल परमेस् वर के चेलन के धमकावत आ वध के साँस देत महायाजक के लगे चल गइलन।
2 ऊ दमिश्क के आराधनालयन के चिट्ठी मँगले कि अगर ओकरा एह रास्ता में से कवनो आदमी होखे भा मेहरारू, त ऊ ओकरा के बान्ह के यरूशलेम ले जास।
3 जात घरी ऊ दमिश्क के लगे पहुँचल आ अचानक ओकरा चारो ओर स्वर्ग से एगो रोशनी चमकल।
4 ऊ धरती पर गिर गइलन आ एगो आवाज सुनलन कि ऊ कहत रहे, " शाऊल, शाऊल, तू हमरा के काहे सतावत बाड़ऽ?
5 ऊ कहलन, "हे प्रभु, तू के हउअ?" प्रभु कहले, " हम यीशु हईं जेकरा के तू सतावत बाड़ू, तोहरा खातिर चुभन से लात मारल मुश्किल बा।"
6 ऊ काँप के अचरज में कहलस, "हे प्रभु, तू हमरा से का करे के चाहत बाड़ू?" प्रभु ओकरा से कहलन कि उठ के शहर में जा, त तोहरा के बतावल जाई कि तोहरा का करे के बा।
7 उनकरा साथे जात आदमी आवाज सुन के बेजुबान खड़ा हो गईले, लेकिन केहू के ना देखले।
8 शाऊल धरती से उठल। जब उनकर आँख खुलल त केहू के ना देखले, लेकिन उ लोग उनकर हाथ पकड़ के दमिश्क ले अइले।
9 तीन दिन तक उ नजर से दूर रहले अवुरी ना खईले अवुरी ना पियले।
10 दमिश्क में एगो चेला रहले, जेकर नाम अननिया रहे। आउर प्रभु एगो दर्शन में ओकरा से कहलन कि अननिया। ऊ कहलस, "देखऽ, हम इहाँ बानी, हे प्रभु।"
11 प्रभु ओकरा से कहलन, "उठ के सीधा नाम के गली में जाके यहूदा के घर में तारसुस के शाऊल नाम के एगो के बारे में पूछताछ करऽ, काहे कि देखऽ, ऊ प्रार्थना करत बा।
12 ऊ एगो दर्शन में अननिया नाम के आदमी के भीतर आके ओकरा पर हाथ डाल के देखले बाड़न कि ऊ देख सके।
13 तब अननिया जवाब दिहलन, "हे प्रभु, हम एह आदमी के बारे में बहुत लोग के बात से सुनले बानी कि ऊ यरूशलेम में तोहार पवित्र लोग के केतना बुराई कइले बा।
14 इहाँ ओकरा मुखिया याजकन के अधिकार बा कि ऊ तोहरा नाम के पुकारे वाला सब लोग के बान्ह सके।
15 लेकिन प्रभु ओकरा से कहलन, " जा, काहेकि उ हमरा खातिर एगो चुनल बर्तन हवे, जवन गैर-यहूदी, राजा आ इस्राएल के संतान के सामने हमार नाम लेके चले।
16 हम ओकरा के देखा देब कि ओकरा हमरा नाम खातिर केतना कष्ट उठावे के पड़ी।
17 अननिया घर में घुस गइलन। आऊ ओकरा पर हाथ रख के कहलस, "भाई शाऊल, प्रभु, इहे यीशु, जे तू अइला के रास्ता में तोहरा के प्रकट भइले, हमरा के भेजले बाड़न कि तू आपन दृष्टि पावे आ पवित्र आत्मा से भरल हो जा।"
18 तुरते उनकर आँख से तराजू निहन गिर गईल अवुरी उ तुरते देखाई देले अवुरी उठ के बपतिस्मा लेले।
19 जब उ खाना मिल गईल त उ मजबूत हो गईले। तब शाऊल कुछ दिन दमिश्क में रहे वाला चेलन के साथे रहले|
20 ऊ तुरते आराधनालयन में मसीह के प्रचार कइलन कि ऊ परमेश्वर के बेटा हवें।
21 उनकर बात सुन के सब लोग अचरज में पड़ गइलन आ कहलन कि; का इहे ना ह जे यरूशलेम में एह नाम के पुकारे वाला लोग के नाश कईले अवुरी एही मकसद से इहाँ आईल रहले कि उ ओ लोग के बान्ह के मुख्य याजक के लगे ले जास?
22 लेकिन शाऊल अउरी ताकत बढ़ल आ दमिश्क में रहे वाला यहूदी लोग के लज्जित कर दिहलस आ ई साबित कर दिहलस कि इहे मसीह हउवें।
23 बहुत दिन पूरा भइला के बाद यहूदी लोग ओकरा के मारे के सलाह लेले।
24 लेकिन शाऊल के पता चलल कि उ लोग के इंतजार रहे। उ लोग ओकरा के मारे खातिर दिन-रात फाटक प नजर रखत रहले।
25 तब चेला लोग रात में ओकरा के लेके देवाल के किनारे एगो टोकरी में गिरा देले।
26 जब शाऊल यरूशलेम पहुंचले त उ चेलन के संगे जुड़ जाए के कोशिश कईले, लेकिन उ सब उनुका से डेरा गईले अवुरी विश्वास ना कईले कि उ चेला हवे।
27 बरनबास ओकरा के लेके प्रेरित लोग के लगे ले अइले आ उ लोग के बतवले कि कइसे उ रास्ता में प्रभु के देखले रहले आ

ओकरा से बात कइले रहले आ कइसे ऊ दमिश्क में यीशु के नाम पर निर्भीकता से प्रचार कइले रहले।
28 ऊ यरूशलेम में आवत-जात ओह लोग के साथे रहले।
29 ऊ प्रभु यीशु के नाम से निर्भीकता से बोलत रहले आ यूनानी लोग के खिलाफ विवाद करत रहले, लेकिन उ लोग उनुका के मारे में लागल रहले।
30 भाई लोग के ई बात पता चलल कि ऊ लोग ओकरा के कैसरिया ले अइले आ तारसुस भेज दिहलन।
31 तब पूरा यहूदिया, गलील आ सामरिया में कलीसिया के आराम दिहलस आ उनके बढ़ल। आऊ प्रभु के भय आ पवित्र आत्मा के आराम में चलत-चलत बढ़ल।
32 जब पतरस चारो ओर से घूमत रहले त उ लुद्दा में रहे वाला पवित्र लोग के लगे भी उतरले।
33 उहाँ उ एनियस नाम के एगो आदमी मिलल, जवन आठ साल तक बिछौना प रहले अवुरी पक्षाघात से बेमार रहे।
34 पतरस ओकरा से कहलन, "एनियस, ईसा मसीह तोहरा के ठीक कर देत बाड़न। आ ऊ तुरते उठ गइलन.
35 लुद्दा आ सारोन में रहे वाला सब लोग उनका के देख के प्रभु के ओर मुड़ल।
36 याफा में तबीता नाम के एगो चेला रहली, जवना के मतलब डोरकास कहल जाला।
37 ओह दिन में ऊ बेमार होके मर गइली आ ओकरा के धो के ऊपर के कोठरी में सुता दिहले।
38 जबसे लुद्दा याफा के नजदीक रहे आ चेला लोग सुनले रहे कि पतरस उहाँ बाड़े, त उ लोग दु आदमी के भेजले कि उ लोग के लगे आवे में देरी मत करस।
39 पतरस उठ के ओह लोग के साथे चल गइलन। जब उ अईले त उ लोग ओकरा के ऊपर के कोठरी में ले गईले अवुरी सभ विधवा उनुका संगे रोवत-रोवत खड़ा रहली अवुरी डोरकास के बनावल वस्त्र अवुरी कपड़ा देखावत रहली, जवन कि उनुका संगे रहली।
40 लेकिन पतरस सब के बाहर निकाल के घुटना टेक के प्रार्थना कईले। आ ओकरा के लाश के ओर घुमा के कहलस, "तबीता, उठऽ!" उ आपन आँख खोल के पतरस के देखली त उठ के बईठ गईली।
41 ऊ ओकरा के आपन हाथ देके ओकरा के उठा के संत आ विधवा लोग के बोलवले आ ओकरा के जिंदा पेश कइलन।
42 पूरा याफा में ई बात जानल गइल। आ बहुत लोग प्रभु पर बिसवास कइले।
43 ऊ याफा में बहुत दिन तक एगो सिमोन के साथे चमड़ा के काम करे वाला रहले।

अध्याय 10 के बा

1 कैसरिया में कुरनेलियुस नाम के एगो आदमी रहले, उ इटैलियन दल नाम के दल के एगो सेनापति रहले।
2 एगो भक्तिमान आदमी आ अपना पूरा घर के साथे भगवान से डेरात रहे, जे लोग के बहुत भिक्षा देत रहे आ हमेशा भगवान से प्रार्थना करत रहे।
3 उ दिन के नौवां बजे एगो दर्शन में देखलन कि परमेश्वर के एगो दूत उनका लगे आके कहलस, "कुर्नेलियुस!"
4 जब ऊ ओकरा के देखलन त ऊ डेरा गइलन आ कहलन, "हे प्रभु, ई का ह?" उ ओकरा से कहलस, "तोहार प्रार्थना आ भिक्षा परमेश्वर के सामने याद करे खातिर आ गईल बा।"
5 अब याफा में आदमी के भेज के एगो शमौन के बोलावऽ, जेकर उपनाम पतरस ह।
6 ऊ एगो सिमोन के घर चमड़ा के काम करे वाला के लगे रहेला, जेकर घर समुंदर के किनारे बा, उ तोहरा के बताई कि तोहरा का करे के बा।
7 जब कुरनेलियुस से बात करे वाला स्वर्गदूत चल गइलन त ऊ अपना घर के दू गो नौकरन के बोलवले आ लगातार उनकर इंतजार करे वाला लोग में से एगो भक्त सिपाही के बोलवले।
8 जब उ सब बात ओ लोग के बता देले त उ लोग के याफा भेज देले।
9 अगिला दिने जब उ लोग आपन यात्रा पर निकलल आ शहर के नजदीक पहुंचल त पतरस छठवाँ बजे प्रार्थना करे खातिर घर के चोटी पर चढ़ गइलन।
10 उ बहुत भूख से खाए के चाहत रहले, लेकिन जब उ लोग तैयार हो गईले त उ समाधि में पड़ गईले।
11 ऊ आकाश खुलल देखलस आ एगो बर्तन उनका लगे उतरत रहे जवन कि चारो कोना में एगो बड़हन चादर के रूप में बुनल गइल रहे आ धरती पर गिरल रहे।
12 एह में धरती के चार गोड़ वाला जानवर, जंगली जानवर, रेंगत जानवर आ हवा के चिरई सभ के प्रकार रहे।
13 ओकरा से एगो आवाज आइल, "ई पतरस, उठऽ। मार के खाईं।
14 पतरस कहलन, "हे प्रभु, अइसन नइखे। काहे कि हम कबो कवनो अशुद्ध भा अशुद्ध चीज ना खइले बानी।
15 ऊ आवाज दूसर बेर ओकरा से कहलस, "जवना के परमेश्वर साफ कइले बाड़न, ओकरा के तू अशुद्ध मत कहऽ।"
16 तीन बेर अइसन भइल आ बर्तन फेर से स्वर्ग में ले जाइल गइल।
17 जब पतरस अपना मन में शक करत रहले कि उ देखले दर्शन के का मतलब होई, त देख, कुरनेलियुस से भेजल आदमी शमौन के घर के बारे में पूछताछ क के फाटक के सामने खड़ा हो गईले।
18 उ लोग फोन क के पूछले कि का शमौन, जेकर नाम पतरस रहे, उहाँ ठहरल बाड़े?
19 पतरस जब उ दर्शन के बारे में सोचत रहले त आत्मा उनुका से कहलस कि देख, तीन आदमी तोहरा के खोजत बाड़े।
20 एह से उठ के उतर के ओह लोग के साथे चल जा, आ कवनो बात पर शक ना करऽ, काहे कि हम ओह लोग के भेजले बानी।
21 तब पतरस कुरनेलियुस के ओर से उनुका लगे भेजल आदमी के लगे चल गईले। ऊ कहलस, "देखऽ, हम उहे हईं जेकरा के तू खोजत बाड़ऽ।
22 ऊ लोग कहल कि, "सेनापति कुरनेलियुस, एगो धर्मी आदमी, आ परमेश्वर से डेराए वाला आ पूरा यहूदी जाति के बीच अच्छाई के काम करे वाला, परमेश्वर के ओर से एगो पवित्र स्वर्गदूत के द्वारा चेतावल गइल कि ऊ तोहरा के अपना घर में बोलावे आ सुन लेव तोहरा के बात बा।
23 तब उ ओ लोग के घर में बोलवले अवुरी ठहरवले। अगिला दिने पतरस ओह लोग के साथे चल गइलन आ याफा के कुछ भाई लोग उनकरा साथे चल गइलन।

24 ओकरा बाद उ लोग कैसरिया में घुस गईले। कुरनेलियुस ओह लोग के इंतजार करत रहले आ अपना रिश्तेदारन आ करीबी दोस्तन के एकट्ठा कर लिहले रहले.
25 जब पतरस भीतर जात रहले त कुरनेलियुस उनुका से मिलले अवुरी उनुका गोड़ प गिर गईले अवुरी उनुकर आराधना कईले।
26 पतरस ओकरा के उठा के कहले, "उठ जा; हम खुद भी एगो आदमी हईं।
27 जब उ ओकरा से बात करत रहले त उ भीतर गईले अवुरी बहुत लोग के एक संगे जुटल देखले।
28 ऊ ओह लोग से कहलन कि, "तू लोग जानत बाड़ऽ कि एगो यहूदी आदमी के संगत में रहला भा दोसरा जाति के साथे आवे के गैरकानूनी काम ह। लेकिन भगवान हमरा के बता देले बाड़े कि हम कवनो आदमी के अशुद्ध ना कहब।
29 एह से हम बिना कवनो गड़बड़ी के तोहनी के लगे अइनी, जइसहीं हमरा के बोलावल गइल।
30 कुरनेलियुस कहले, "चार दिन पहिले हम आज तक उपवास करत रहनी। नौवां बजे हम अपना घर में प्रार्थना कइनी त देखनी कि एगो आदमी चमकदार कपड़ा में हमरा सामने खड़ा हो गइल।
31 ऊ कहलन, "कुर्नेलियुस, तोहार प्रार्थना सुनल गइल बा आ तोहार भिक्षा परमेस् वर के नजर में याद कइल गइल बा।"
32 एही से याफा में भेज के शिमोन के बोलावऽ, जेकर उपनाम पतरस ह। ऊ समुंदर के किनारे एगो चमड़ा के काम करे वाला शमौन के घर में ठहरल बा आ जब ऊ अइहें त तोहरा से बात करीहें.
33 हम तुरते तोहरा लगे भेजनी। आ तू बढ़िया से कइले बाड़ू कि तू आ गइल बाड़ू। अब हमनी के सब केहू परमेश्वर के सामने मौजूद बानी जा, ताकि उ सब बात सुनल जा सके जवन रउवा के परमेश्वर के ओर से दिहल गईल बा।
34 तब पतरस आपन मुंह खोल के कहलन, "हम सचमुच समझत बानी कि परमेश्वर केहू के कवनो आदर ना करेलन।
35 लेकिन हर जाति में जे ओकरा से डेराला आ धार्मिकता के काम करेला, उ ओकरा के स्वीकार करेला।
36 उ वचन जवन परमेश्वर इस्राएल के लोग के भेजले रहले, उ यीशु मसीह के द्वारा शांति के प्रचार करत रहले।
37 हम कहत बानी कि यूहन्ना के बपतिस्मा के प्रचार के बाद पूरा यहूदिया में प्रचारित होके गलील से शुरू भइल।
38 कइसे परमेश्वर नासरत के यीशु के पवित्र आत्मा आ शक्ति से अभिषेक कइलन, ऊ भलाई करत घूमत रहलन आ शैतान के दबावल सब लोग के ठीक करत रहलन। काहेकि भगवान ओकरा साथे रहले।
39 हमनी के उ सब काम के गवाह बानी जा जवन उ यहूदी देश में आ यरूशलेम में कईले रहले। जेकरा के मार के पेड़ पर लटका दिहले।
40 परमेस् वर तीसरा दिन ओकरा के जिंदा कर दिहलन आ ओकरा के खुल के देखा दिहलन।
41 सब लोग के ना, बल्कि परमेश्वर के द्वारा पहिले चुनल गवाहन के, हमनी के खातिर, जे उ मुवलन में से जी उठला के बाद उनकरा संगे खात-पीयत रहले।
42 उ हमनी के आज्ञा दिहलन कि हमनी के लोग के प्रचार करीं आ गवाही दीं कि उहे परमेश्वर के द्वारा जिंदा आ मरल लोग के न्यायाधीश बने के नियुक्ति कइल गइल बा।
43 ओकरा बारे में सब भविष्यवक्ता गवाही देस कि जे भी ओकरा पर विश्वास करी ओकरा नाम से पाप के माफी मिल जाई।
44 जब पतरस इ बात कहत रहले त पवित्र आत्मा उ सब लोग प गिर गईल, जवन कि वचन सुनले रहले।
45 खतना करे वाला लोग जे पतरस के साथे आइल रहे, उ लोग अचरज में पड़ गईले, काहेकि पवित्र आत्मा के वरदान गैर-यहूदी लोग पर भी डालल गईल रहे|
46 उ लोग उ लोग के दोसरा भाषा में बोलत सुनले रहले अवुरी भगवान के बड़ाई करत रहले। तब पतरस जवाब दिहलन।
47 का केहू पानी से मना कर सकेला कि ई लोग बपतिस्मा ना लेव जवन हमनी के जइसन पवित्र आत्मा के ग्रहण कइले बा?
48 उ लोग के प्रभु के नाम से बपतिस्मा लेवे के आदेश देले। तब उ लोग ओकरा से कुछ दिन रुके के प्रार्थना कईले।

अध्याय 11 के बा

1 यहूदिया में मौजूद प्रेरित आ भाई लोग सुनले कि गैर-यहूदी लोग भी परमेश्वर के वचन के ग्रहण कइले बा।
2 जब पतरस यरूशलेम पहुंचले त खतना करे वाला लोग उनुका से झगड़ा कईले।
3 ऊ कहत रहलन, "तू खतना ना भइल आदमी के लगे जाके ओह लोग के साथे खाना खइले हउअ।"
4 लेकिन पतरस शुरू से ही एह बात के सुनवाई करत उ लोग के आदेश के अनुसार समझवले।
5 हम याफा शहर में प्रार्थना करत रहनी आ समाधि में एगो दर्शन देखनी कि एगो बड़हन चादर जइसन एगो बर्तन नीचे उतरत बा जवन स्वर्ग से चार कोना से नीचे उतरल रहे। आ हमरा भीरी ई बात आइल।
6 जवना पर हम आपन आँख लगा के देखनी त धरती के चार गोड़ वाला जानवर, जंगली जानवर, रेंगत जानवर आ हवा के चिरई देखनी।
7 हम एगो आवाज सुननी कि हमरा से कहत रहे कि, "ई पतरस, उठ जा; मार के खा लीं।
8 लेकिन हम कहनी, "हे प्रभु, अइसन ना, काहेकि कवनो अशुद्ध भा अशुद्ध बात हमरा मुँह में नइखे आइल।"
9 लेकिन स्वर्ग से आवाज हमरा के फेरु से जवाब दिहलस, "जवना के परमेश्वर साफ कईले बाड़े, ओकरा के तू अशुद्ध मत कहऽ।"
10 तीन बेर अइसन भइल आ सब लोग फेर से स्वर्ग में खींच लिहल गइल।
11 देखऽ कि कैसरिया से हमरा लगे भेजल तीन आदमी पहिले से ओह घर में आ गइल रहले जहाँ हम रहनी।
12 आत् मा हमरा के ओह लोग के साथे जाए के कहलन, कवनो संदेह ना करत। इ छह भाई हमरा संगे चल गईले अवुरी हमनी के ओ आदमी के घर में घुस गईनी।
13 उ हमनी के बतवले कि कइसे उ अपना घर में एगो स्वर्गदूत के देखले रहले, जवन खड़ा होके उनुका से कहले रहले कि, "याफा में आदमी भेज के शमौन के बोलाव, जेकर उपनाम पतरस ह।
14 के तोहरा के बात बताई कि तू आ तोहार घर के सब के उद्धार कईसे होई।
15 जब हम बोले लगनी त पवित्र आत्मा ओह लोग पर गिर गइल, जइसे कि शुरू में हमनी पर पड़ल।

16 तब हम प्रभु के वचन के याद कईनी कि उ कहले रहले कि, यूहन्ना पानी से बपतिस्मा देले रहले। लेकिन तोहनी के पवित्र आत्मा से बपतिस्मा दिहल जाई।
17 एह से परमेश्वर उ लोग के उहे वरदान देले जवन हमनी के प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करे वाला लोग के देले रहले। हम का रहनी, कि हम भगवान के सहन कर सकीले?
18 इ बात सुन के उ लोग चुप होके परमेश्वर के महिमा करत कहले, "तब परमेश्वर गैर-यहूदी लोग के भी जीवन खातिर पश्चाताप के मौका देले बाड़े।"
19 स्टीफन के बारे में जवन उत्पीड़न पैदा भइल रहे ओकरा पर बिखराइल लोग फीनीक, साइप्रस आ अंताकिया तक पहुँच के खाली यहूदी लोग के छोड़ के केहू के वचन ना सुनवलस।
20 ओहमें से कुछ लोग साइप्रस आ कुरेन के लोग रहलन जे लोग अंताकिया पहुँच के यूनानी लोग से प्रभु यीशु के प्रचार करत रहले।
21 प्रभु के हाथ उनकरा साथे रहल आ बहुत लोग विश्वास कइल आ प्रभु के ओर मुड़ल।
22 एह बात के खबर यरूशलेम के कलीसिया के कान में आईल अवुरी उ लोग बरनबास के अंताकिया तक जाए खाती भेजले।
23 जब उ आके परमेस् वर के कृपा देख के खुश होके उ सबके निहोरा कईले कि उ लोग मन से प्रभु से चिपकल रहस|
24 काहेकि उ एगो अच्छा आदमी रहले, पवित्र आत्मा आ विश्वास से भरल रहले।
25 तब बरनबास शाऊल के खोजे खातिर तरसुस चल गइलन।
26 जब उ ओकरा के पा के अंताकिया ले अइले। एक साल भर उ लोग कलीसिया के संगे जुट गईले अवुरी बहुत लोग के सिखवले। आ चेला लोग के सबसे पहिले अंताकिया में मसीही कहल गइल।
27 एह दिनन में यरूशलेम से भविष्यवक्ता लोग अंताकिया आ गइल।
28 ओह लोग में से एगो अगाबस नाम के एगो खड़ा होके आत्मा के माध्यम से इ संकेत दिहलस कि पूरा दुनिया में बहुत कमी हो जाई।
29 तब चेलन हर केहू अपना क्षमता के हिसाब से यहूदिया में रहे वाला भाई लोग के राहत भेजे के ठान लिहले।
30 उ लोग भी इहे क के बरनबास आ शाऊल के हाथ से बुजुर्ग लोग के लगे भेजले|

अध्याय 12 के बा

1 ओही समय के बारे में राजा हेरोदेस कलीसिया के कुछ लोग के परेशान करे खातिर आपन हाथ बढ़वले।
2 ऊ यूहन्ना के भाई याकूब के तलवार से मार दिहलन।
3 ऊ यहूदियन के ई बात से खुश होके देख के पतरस के भी पकड़ लेहले| (तब बिना खमीर रोटी के दिन रहे।)
4 जब ऊ ओकरा के पकड़ लिहलस त ओकरा के जेल में डाल दिहलस आ ओकरा के राखे खातिर चार चौथाई सैनिकन के सौंप दिहलस। ईस्टर के बाद ओकरा के जनता के सोझा ले आवे के इरादा से।
5 पतरस के जेल में रखल गईल, लेकिन कलीसिया के ओर से उनुका खातिर परमेश्वर से बिना रुकले प्रार्थना कईल गईल।
6 जब हेरोदेस ओकरा के बाहर ले आवे के चाहत रहले त ओही रात पतरस दू गो जंजीर से बान्हल दू गो सिपाही के बीच सुतल रहले आ दुआर के सामने के रखवाला जेल के रखवाली करत रहले।
7 तब प्रभु के दूत ओकरा पर अइले आ जेल में एगो रोशनी चमकल आ ऊ पतरस के बगल में मार के उठवले आ कहले, "जल्दी उठऽ।" आ उनकर जंजीर उनका हाथ से गिर गइल।
8 स्वर्गदूत ओकरा से कहलस, "अपना के पट्टी बांध के चप्पल पहिन लीं।" आ अइसहीं ऊ कइलन. उ ओकरा से कहलस, "अपना कपड़ा के अपना चारों ओर फेंक के हमरा पीछे-पीछे चल जा।"
9 ऊ बाहर निकल के उनकर पीछे-पीछे चल गइलन। आ ई ना जानत रहे कि ई साँच बा जवन स्वर्गदूत के द्वारा कइल गइल बा; बाकिर सोचलसि कि ऊ एगो दर्शन देखत बा.
10 जब ऊ लोग पहिला आ दूसरा वार्ड से गुजरल त लोहा के फाटक पर पहुँचल जवन शहर में जाला। उ अपना मर्जी से उनकरा खातिर खुलल, आ उ लोग बाहर निकल के एक गली से गुजरल। आ तुरते स्वर्गदूत ओकरा से दूर हो गइल।
11 जब पतरस मन में अईले त उ कहले, "अब हम पक्का जान गईनी कि प्रभु आपन दूत भेजले बाड़े अवुरी हमरा के हेरोदेस के हाथ से अवुरी यहूदी लोग के सभ उम्मीद से बचा लेले बाड़े।
12 ई बात के बारे में सोच के उ यूहन्ना के महतारी मरियम के घरे पहुंचले, जेकर उपनाम मरकुस रहे। जहाँ बहुत लोग प्रार्थना करत जुटल रहले।
13 जब पतरस फाटक के दरवाजा खटखटवले त एगो लईकी रोदा नाम के बात सुन के आईल।
14 जब उ पतरस के आवाज जान गईली त उ खुशी से फाटक ना खोलली, बालुक दौड़ के भीतर गईली अवुरी बतवली कि पतरस कइसे फाटक के सोझा खड़ा रहले।
15 उ लोग ओकरा से कहलस, "तू पागल हो गईल बाड़ू।" बाकिर ऊ लगातार एह बात के पुष्टि करत रहली कि अइसनो बा. तब उ लोग कहलस, "ई उनकर दूत ह।"
16 लेकिन पतरस खटखटावत रहलन आ जब उ लोग दरवाजा खोल के ओकरा के देखले त उ लोग अचरज में पड़ गईले।
17 लेकिन उ लोग के चुप रहे खातिर हाथ से इशारा करत उ लोग के बतवले कि प्रभु उनुका के कइसे जेल से बाहर निकालले बाड़े। ऊ कहलन, "जाके ई बात याकूब आ भाई लोग के बतावऽ।" उहाँ से उहाँ से निकल के दोसरा जगह चल गईले।
18 दिन होते ही सिपाही लोग के बीच कवनो छोट हलचल ना भइल कि पतरस के का हाल भइल।
19 जब हेरोदेस ओकरा के खोजले, लेकिन ओकरा के ना मिलल, त उ रखवाला लोग से पूछताछ कईले अवुरी आदेश देले कि उनुका के हत्या क दिहल जाए। ऊ यहूदिया से कैसरिया चल गइलन आ ओहिजा रह गइलन.
20 हेरोदेस सोर आ सीदोन के लोग से बहुत नाराज रहले, लेकिन उ लोग एक मन से उनुका लगे पहुंचले अवुरी ब्लास्टस के राजा के कोठरी के दोस्त बना के शांति के इच्छा कईले। काहे कि ओह लोग के देश के पोषण राजा के देश से होखत रहे।
21 एक दिन पर हेरोदेस राज के कपड़ा पहिन के अपना सिंहासन पर बइठ के ओह लोग के भाषण दिहलन।
22 लोग चिल्ला के कहलस, "ई कवनो देवता के आवाज ह, आदमी के ना ह।"
23 तुरते प्रभु के दूत ओकरा के मार दिहलस काहे कि ऊ भगवान के महिमा ना दिहलन आ ऊ कीड़ा खा गइल आ ऊ भूत छोड़ दिहलसि.

24 लेकिन परमेश्वर के वचन बढ़ल आ बढ़ल।
25 बरनबास आ साउल आपन सेवा पूरा कइला के बाद यरूशलेम से वापस आके अपना साथे यूहन्ना के लेके चल गइलन, जेकर उपनाम मरकुस रहे।

अध्याय 13 के बा

1 अंताकिया के कलीसिया में कुछ भविष्यवक्ता आ गुरु रहले। जइसे बरनबास, नाइजर नाम के शिमोन, कुरेन के लूसियस आ मनेन, जे हेरोदेस के राजशाही के साथे पलल-बढ़ल रहले, आ शाऊल के रूप में।
2 जब उ लोग प्रभु के सेवा करत रहले आ उपवास करत रहले, त पवित्र आत्मा कहलस, "हमरा खातिर बरनबास आ शाऊल के अलगा कर द, जवना काम खातिर हम ओह लोग के बोलवले बानी।"
3 जब उ लोग उपवास क के प्रार्थना क के ओ लोग प हाथ रखले त उ लोग के छोड़ देले।
4 एही से उ लोग पवित्र आत्मा के द्वारा भेज के सेलुसिया चल गईले। उहाँ से उ लोग जहाज से साइप्रस चल गईले।
5 जब ऊ लोग सलामी में पहुँचल त यहूदी लोग के आराधनालयन में परमेश्वर के वचन सुनावत रहलन आ यूहन्ना के भी सेवक के काम में रखले रहलन।
6 जब उ लोग द्वीप के रास्ता से पाफोस तक गईले त उ लोग के एगो जादूगर, एगो झूठा भविष्यवक्ता, एगो यहूदी मिलल, जेकर नाम बरयीस रहे।
7 उ देश के उपाध्यक्ष सर्जियस पौलुस के साथे रहले, जे एगो समझदार आदमी रहले। उ बरनबास आ शाऊल के बोलवले आ परमेश्वर के वचन सुने के चाहत रहले।
8 लेकिन एलीमास जादूगर (काहेकि ओकर नाम भी अईसन बा) उ लोग के विरोध कईले अवुरी उ नायक के विश्वास से दूर करे के कोशिश कईले।
9 तब शाऊल (जेकरा के पौलुस भी कहल जाला) पवित्र आत्मा से भरल उनकर नजर ओकरा पर रखलस।
10 ऊ कहलस, "हे शैतान के लइका, हर धर्म के दुश्मन, का तू प्रभु के सही रास्ता के बिगाड़ल ना छोड़ब?
11 अब देखऽ, प्रभु के हाथ तोहरा पर बा आ तू आन्हर होखबऽ आ एक मौसम ले सूरज ना देखबऽ। आ तुरते ओकरा पर धुंध आ अन्हार हो गइल। ऊ कुछ लोग के हाथ पकड़ के ले जाए खातिर घूमत रहले।
12 जब उ परमेश् वर के बात देख के परमेस् वर के शिक्षा से अचंभित होके बिसवास कइलस।
13 जब पौलुस आ उनकर दल पाफोस से मुक्त हो गइलन त उ लोग पम्फिलिया के पर्गा में आ गइलन आ यूहन्ना ओह लोग से निकल के यरूशलेम लवट गइलन।
14 जब उ लोग पेर्गा से निकलल त पिसिदिया के अंताकिया पहुंचले अवुरी सब्त के दिन सभाघर में जाके बईठ गईले।
15 व्यवस्था आ भविष्यवक्ता लोग के पढ़ला के बाद आराधनालय के अधिकारी लोग ओह लोग के लगे भेजले कि, "हे भाई लोग, अगर तोहनी के लोग खातिर कवनो उपदेश के बात बा त आगे बढ़ीं।
16 तब पौलुस खड़ा होके आपन हाथ से इशारा करत कहलन, "इस्राएल के लोग आऊ परमेश्वर से डेरात लोग, सुनीं।"
17 एह इस्राएल के लोग के परमेश्वर हमनी के पुरखा लोग के चुनले, जब उ लोग मिस्र के देश में परदेसी के रूप में रहत रहले त उ लोग के ऊपर उठवले अवुरी एगो ऊँच बांह से ओ लोग के ओहिजा से निकाल देले।
18 चालीस साल तक उ जंगल में उनकर शिष्टाचार के सामना कइलन।
19 जब ऊ कनान देश में सात गो राष्ट्रन के नाश कर दिहलन त ओह लोग के देश चिट्ठी से बाँट दिहलन.
20 ओकरा बाद ऊ ओह लोग के लगभग चार सौ पचास साल के न्यायाधीश के काम दिहलन, जबले कि शमूएल भविष्यवक्ता ना होखसु.
21 ओकरा बाद ऊ लोग राजा के निहोरा कइल आ भगवान ओह लोग के चालीस साल के बीच सिस के बेटा साउल के दे दिहलन जवन बिन्यामीन के गोत्र के रहले.
22 जब ऊ ओकरा के हटा दिहलन त दाऊद के राजा बने खातिर खड़ा कर दिहलन। उ ओकरा के गवाही देके कहले कि, "हमरा यिशै के बेटा दाऊद मिलल बा, जवन हमरा मन के मुताबिक आदमी हवे अवुरी हमार पूरा इच्छा पूरा करी।"
23 एह आदमी के संतान में से परमेश्वर अपना वादा के अनुसार इस्राएल खातिर एगो उद्धारकर्ता यीशु के जिन्दा कइले बाड़न।
24 जब यूहन्ना अपना आवे से पहिले पहिला बेर इस्राएल के सब लोग के पश्चाताप के बपतिस्मा के प्रचार कईले रहले।
25 जब यूहन्ना आपन रास्ता पूरा कइलन त ऊ कहले, "तू लोग हमरा के के समझत बाड़ऽ?" हम उ ना हईं। लेकिन देखऽ, हमरा बाद एगो अइसन आदमी आवेला, जेकर गोड़ के जूता हम खोले लायक नइखीं।
26 हे भाई लोग, अब्राहम के वंश के संतान, आ तोहनी में से जे भी परमेश्वर से डेराला, तोहनी के इ उद्धार के वचन भेजल गईल बा।
27 काहेकि यरूशलेम में रहे वाला आऊ ओकर शासक ओकरा के ना जानत रहले आ ना ही हर सब्त के दिन पढ़ल जाए वाला भविष्यवक्ता लोग के आवाज के ना जानत रहले।
28 भले ही उ लोग के मौत के कवनो कारण ना मिलल, लेकिन उ लोग पिलातुस से निहोरा कईले कि उनुका के मार दिहल जाए।
29 जब उ लोग उनकरा बारे में लिखल सब कुछ पूरा क के ओकरा के पेड़ से उतार के एगो कब्र में सुता देले।
30 लेकिन परमेश्वर ओकरा के मुवलन में से जिंदा कर दिहलन।
31 ओकरा साथे गलील से यरूशलेम तक चढ़े वाला लोग के बहुत दिन तक देखल गईल।
32 हमनी के तोहनी के खुशखबरी सुनावत बानी जा कि जवन वादा बाप-दादा से कईल गईल रहे|
33 परमेस् वर हमनी के उनके लइकन खातिर उहे पूरा कइले बाड़न कि उ यीशु के फेर से जिंदा कर दिहले बाड़न। जइसे कि दूसरा भजन में भी लिखल बा, "तू हमार बेटा हउअ, आज हम तोहरा के जनम देले बानी।"
34 ऊ ओकरा के मुवलन में से जिंदा कर दिहलन आ अब ऊ नाश में ना लवटत रहले, त ऊ एह तरह से कहले कि, "हम तोहके दाऊद के पक्का दया देब।"
35 एही से उ एगो अउरी भजन में भी कहत हउवें कि, "तू अपना पवित्र के नाश ना होखे देब।"
36 दाऊद परमेस् वर के मर्जी से अपना पीढ़ी के सेवा कइला के बाद नींद में आ गइलन आ उनके बाप-दादा के बिछावल गइल आ ऊ नाश हो गइल।

37 लेकिन परमेश्वर जेकरा के जिंदा कईले रहले, उ कवनो भ्रष्टाचार ना देखले।
38 एह से हे भाई लोग, तोहनी के पता चल जाव कि एही आदमी के द्वारा तोहनी के पाप के माफी के प्रचार कइल गइल बा।
39 आउर उनकरा द्वारा विश्वास करे वाला सब लोग ओह सब बात से धर्मी ठहरावल जाला, जवना से रउवां मूसा के व्यवस्था के द्वारा धर्मी ना ठहरावल जा सकत रहनी।
40 एह से सावधान रहीं कि कहीं तोहनी पर उ बात ना आ जाव जवना के बारे में भविष्यवक्ता लोग में कहल गइल बा।
41 देखऽ, तू लोग तिरस्कार करे वाला लोग, आ आश्चर्यचकित होके आ नाश हो जाइब, काहे कि हम तोहनी के दिन में एगो काम करत बानी, जवना काम पर तोहनी विश्वास ना करब, भलही केहू तोहनी के बतावे।
42 जब यहूदी लोग आराधनालय से बाहर निकलल त गैर-यहूदी लोग निहोरा कईले कि अगिला सब्त के दिन उ लोग के इ बात सुनावल जाए।
43 जब मंडली टूट गईल त बहुत यहूदी अवुरी धार्मिक धर्म परिवर्तन करेवाला लोग पौलुस अवुरी बरनबास के पीछे-पीछे चल गईले।
44 अगिला सब्त के दिन लगभग पूरा शहर भगवान के वचन सुने खातिर एकट्ठा हो गईले।
45 लेकिन जब यहूदी लोग भीड़ के देख के ईर्ष्या से भर गईले आ पौलुस के कहल बात के खिलाफ बोलत रहले अवुरी निंदा करत रहले।
46 तब पौलुस आ बरनबास निर्भीक होके कहले, "जरुरी रहे कि परमेश्वर के वचन पहिले तोहनी से कहल जाव, लेकिन जब तू लोग ओकरा के अपना के अनन्त जीवन के लायक ना समझत बाड़ू, त हमनी के गैर-यहूदी लोग के ओर मुड़त बानी जा .
47 काहेकि प्रभु हमनी के इहे आज्ञा देले बाड़न कि हम तोहरा के गैर-यहूदी लोग के रोशनी बनवले बानी ताकि तू धरती के छोर तक उद्धार खातिर रहऽ।
48 ई बात सुन के गैर-यहूदी लोग खुश हो गइल आ प्रभु के वचन के महिमा कइल आ जे लोग अनन्त जीवन खातिर नियुक्त भइल रहे, उ लोग विश्वास कइल।
49 पूरा इलाका में प्रभु के वचन प्रचारित हो गईल।
50 लेकिन यहूदी लोग भक्त आ इज्जतदार मेहरारू आ शहर के मुखिया लोग के भड़का के पौलुस आ बरनबास के खिलाफ सतावला आ ओह लोग के अपना इलाका से निकाल दिहल।
51 लेकिन उ लोग अपना गोड़ के धूल के हिला के इकोनियम में पहुंच गईले।
52 चेला लोग खुशी से आ पवित्र आत्मा से भर गईल।

अध्याय 14 के बा

1 आइकोनियम में दुनो लोग एक संगे यहूदी लोग के सभाघर में गईले अवुरी अईसन बात कईले कि यहूदी अवुरी यूनानी के भी बहुत भीड़ विश्वास कईले।
2 लेकिन अविश्वासी यहूदी लोग गैर-यहूदी लोग के भड़का दिहल आ भाई लोग के खिलाफ आपन मन बुरा कर दिहल।
3 उ लोग बहुत दिन तक प्रभु में निर्भीकता से बोलत रहले, जवन कि उनुका कृपा के वचन के गवाही देत रहले अवुरी उनुका हाथ से चमत्कार अवुरी चमत्कार करे के मौका देले।
4 लेकिन शहर के भीड़ में बंटवारा हो गईल अवुरी कुछ लोग यहूदी अवुरी कुछ प्रेरित लोग के संगे रह गईल।
5 जब गैर-यहूदी लोग आ यहूदी लोग के साथे-साथे उनके शासक लोग के साथे मारपीट हो गइल कि उ लोग के घृणा करे आ पत्थर से मार दिहलस।
6 उ लोग एकरा से जागरूक होके लूकानिया के शहर लुस्त्रा आ दर्बे आ आसपास के इलाका में भाग गईले।
7 उहाँ उ लोग सुसमाचार के प्रचार कईले।
8 लुस्त्रा में एगो आदमी बईठल रहे, जवन अपना महतारी के पेट से अपंग रहे, जवन कबो ना चलल रहे।
9 उहे पौलुस के बात सुनले, उ उनका के देख के अडिग रहलन आ ई बुझ के कि उनकरा में ठीक होखे के विश्वास बा।
10 जोर से कहलस, "अपना गोड़ पर सीधा खड़ा हो जा।" आ ऊ उछल के चलत चल गइल.
11 जब लोग पौलुस के कइल काम देख के लोग लूकानिया के बात में आवाज उठा के कहलस कि, "देवता लोग आदमी के रूप में हमनी के लगे उतरल बाड़े।"
12 उ लोग बरनबास के बृहस्पति कहल। आ पौलुस, बुध, काहे कि उ मुख्य वक्ता रहले।
13 तब उनके शहर से पहिले बृहस्पति के पुजारी दुआर पर बैल आ माला लेके अइले आ लोग के साथे बलि चढ़ावे के चाहत रहले।
14 जब प्रेरित बरनबास आ पौलुस ई बात सुनले त उ लोग आपन कपड़ा फाड़ के लोग के बीच में चिल्लात भाग गईले|
15 ऊ कहलन, "हे मालिक लोग, तू लोग ई सब काहे करत बाड़ऽ?" हमनी के भी तोहनी के साथे अइसने जुनून वाला आदमी हईं जा आ तोहनी के प्रचार करत बानी जा कि तू लोग एह व्यर्थता से जीवित परमेश्वर के ओर मुड़ल जा, जे आकाश, धरती, समुंदर आ ओकरा में मौजूद सब चीज के बनवले बाड़न।
16 उ पहिले सब जाति के अपना राह पर चले के अनुमति देत रहले।
17 फिर भी उ अपना के बिना गवाह के ना छोड़ले कि उ भलाई कईले अवुरी हमनी के स्वर्ग से बरखा अवुरी फल के मौसम देले अवुरी हमनी के दिल के खाना अवुरी खुशी से भर देले।
18 एह बातन से लोग के बहुत मुश्किल से रोकल कि ऊ लोग ओह लोग खातिर बलि ना चढ़ावल।
19 अंताकिया आ इकोनियम से कुछ यहूदी लोग ओहिजा आके लोग के मना लिहले आ पौलुस के पत्थर मार के शहर से बाहर निकाल के ले अइले कि ऊ मर गइल बा।
20 लेकिन जब चेला लोग उनका चारो ओर खड़ा रहले त उ उठ के शहर में आ गईले अवुरी अगिला दिने उ बरनबास के संगे दर्बे चल गईले।
21 जब उ लोग ओह शहर में सुसमाचार के प्रचार कईले अवुरी बहुत लोग के शिक्षा देले, त उ लोग फेर से लुस्त्रा, इकोनियम अवुरी अंताकिया वापस चल गईले।
22 चेलन के आत्मा के पुष्टि करत आ विश्वास में रहे खातिर आग्रह करत कि हमनी के बहुत कष्ट के बीच परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करे के पड़ी।
23 जब उ लोग हर कलीसिया में प्राचीन के रूप में नियुक्त कईले अवुरी उपवास के संगे प्रार्थना कईले, त उ लोग ओ लोग के प्रभु के सोझा सौंप देले, जेकरा प उ लोग विश्वास कईले।
24 उ लोग पूरा पिसिदिया से गुजरला के बाद पम्फिलिया पहुंचले।

25 जब उ लोग पेर्गा में वचन के प्रचार कईले त उ लोग अतालिया में उतर गईले।
26 उहाँ से जहाज से अंताकिया चल गईले, जहाँ से उ लोग जवन काम पूरा कईले, ओकरा खातिर परमेश्वर के कृपा में सिमटावल गईल रहले।
27 जब उ लोग आके कलीसिया के बटोरले त उ लोग के बारे में बतावल गईल कि परमेश्वर उनुका संगे जवन कुछ कईले बाड़े अवुरी उ गैर-यहूदी लोग खाती विश्वास के दरवाजा कईसे खोलले बाड़े।
28 उ लोग उहाँ बहुत दिन तक चेला लोग के संगे रहले।

अध्याय 15 के बा

1 यहूदिया से उतरल कुछ लोग भाई लोग के सिखावत कहले, “जब तक तू लोग मूसा के तरीका से खतना ना होखब, तब तक तोहनी के उद्धार ना हो पाई।”
2 जब पौलुस आ बरनबास के बीच कवनो छोट मतभेद आ विवाद ना भइल त ऊ लोग तय कइल कि पौलुस आ बरनबास आ ओह लोग में से कुछ लोग के एह सवाल के लेके यरूशलेम में प्रेरित आ बुजुर्ग लोग के लगे जाए के चाहीं।
3 कलीसिया के रास्ता में ले अइला के बाद उ लोग गैर-यहूदी लोग के धर्म परिवर्तन के बारे में बतावत फीनीक आ सामरिया से होके चलल आ सब भाई लोग के बहुत खुशी पैदा कइल।
4 जब उ लोग यरूशलेम पहुंचले त कलीसिया, प्रेरित अवुरी प्राचीन लोग के ओर से उनुकर स्वागत भईल अवुरी उ लोग उनुका संगे जवन कुछ कईले बाड़े, ओकरा बारे में बता देले।
5 लेकिन फरीसियन के कुछ पंथ जे विश्वास करे वाला लोग उठ के कहत रहे कि, “ओकनी के खतना कर के मूसा के व्यवस्था के पालन करे के आज्ञा दिहल जरूरी बा।”
6 प्रेरित आउर प्राचीन लोग एह बात पर विचार करे खातिर एकजुट हो गइलन।
7 जब बहुत विवाद भइल त पतरस उठ के कहलन, “हे भाई लोग, तू लोग जानत बाड़ऽ कि कइसे कुछ समय पहिले परमेश्वर हमनी के बीच से चुनले बाड़न कि गैर-यहूदी लोग हमरा मुँह से सुसमाचार के वचन सुनस। आ विश्वास करीं.
8 परमेस् वर जे दिल के जानेलन, उ लोग के गवाही देके पवित्र आत्मा दे दिहलन, ठीक ओइसहीं जइसे उ हमनी के देले रहलन।
9 हमनी आ ओह लोग के बीच कवनो फर्क मत डालीं आ विश्वास से उनकर दिल के शुद्ध करीं।
10 अब तोहिन परमेस् वर के काहे परखत हव कि चेलन के गरदन पर एगो जुआ लगाईं, जवना के ना त हमनी के बाप-दादा सहन कर पवनी जा ना हमनी के?
11 लेकिन हमनी के विश्वास बा कि प्रभु यीशु मसीह के कृपा से हमनी के उ लोग निहन उद्धार पाईब।
12 तब सब भीड़ चुप होके बरनबास आ पौलुस के सुन के इ बतावत रहे कि परमेश्वर गैर-यहूदी लोग के बीच कवन चमत्कार आ चमत्कार कइले बाड़न।
13 ऊ लोग चुप रहला के बाद याकूब कहलन, “ भाई लोग, हमार बात सुनीं।
14 शिमोन बता देले बाड़न कि कइसे परमेस् वर पहिले गैर-यहूदी लोग के मुलाकात कइलन आ ओह लोग में से एगो लोग के अपना नाम खातिर निकाल दिहलन।
15 भविष्यवक्ता लोग के बात एही से सहमत बा। जइसे लिखल बा,
16 एकरा बाद हम वापस आके दाऊद के तम्बू के फेर से बनाइब जवन गिरल बा। हम ओकर खंडहर के फेर से बना देब आ ओकरा के खड़ा करब।
17 ई सब काम करे वाला प्रभु कहत हउवें कि बाकी लोग प्रभु के खोज करस, आउर सब गैर-यहूदी लोग, जेकरा पर हमार नाम बोलावल गइल बा।
18 दुनिया के शुरुआत से ही परमेश्वर के सब काम के बारे में पता बा।
19 एही से हमार वाक्य बा कि हमनी के ओह लोग के परेशान मत करीं जा, जे गैर-यहूदी लोग के बीच से परमेश्वर के ओर मुड़ल बा।
20 लेकिन हमनी के ओह लोग के लिख दीं कि उ लोग मूर्ति के गंदगी, व्यभिचार, गला रेत के खून से परहेज करे।
21 पहिले के समय में मूसा के हर शहर में हर सब्त के दिन आराधनालय में पढ़ल जाला।
22 तब प्रेरित आ बूढ़ लोग पूरा कलीसिया के साथे इ निहोरा कइल कि पौलुस आ बरनबास के साथे अपना दल के चुनल आदमी के अंताकिया भेजल जाव। अर्थात बरसाबास नाम के यहूदा आ भाई लोग के प्रमुख आदमी सिलास।
23 उ लोग ओह लोग के द्वारा एही तरह से चिट्ठी लिखत रहले। प्रेरित आउर बुजुर्ग आ भाई लोग अंताकिया आ सीरिया आ किलिसिया के गैर-यहूदी भाई लोग के अभिवादन भेजत बाड़े।
24 हमनी के सुनले बानी जा कि हमनी के बाहर निकलल कुछ लोग तोहनी के बात से परेशान करत तोहनी के जान के उखाड़ फेंकत बा कि, “तोहनी के खतना कर के व्यवस्था के पालन करे के पड़ी।
25 हमनी के एक मन से जुटल रहनी जा कि हमनी के प्रिय बरनबास आ पौलुस के साथे चुनल आदमी के तोहनी के लगे भेजल जा।
26 जवन आदमी हमनी के प्रभु यीशु मसीह के नाम खातिर आपन जान खतरा में डाल देले बाड़े।
27 हमनी के यहूदा आ सिलास के भेजले बानी जा कि उ लोग भी इहे बात तोहनी के मुंह से बताई।
28 पवित्र आत्मा आ हमनी के अच्छा लागल कि हमनी के एह जरूरी चीजन से बड़हन बोझ तोहनी पर ना डालल जाव।
29 मूर्ति के चढ़ावल भोजन, खून, गला घोंटल चीज आ व्यभिचार से परहेज करीं। फेयर ये वेल।
30 जब उ लोग विदा हो गईले त उ लोग अंताकिया पहुंचले अवुरी लोग के एकट्ठा क के उ लोग चिट्ठी पहुंचवले।
31 उ लोग पढ़ के सांत्वना खातिर खुश हो गईले।
32 यहूदा आ सिलास खुद भविष्यवक्ता होके भाई लोग के बहुत शब्दन से सलाह दिहलन आ ओह लोग के मजबूती दिहलन।
33 उ लोग उहाँ कुछ देर रुकला के बाद भाई लोग के ओर से शांति से प्रेरित लोग के लगे छोड़ दिहल गईल।
34 एकरा बावजूद सिलास के उहाँ स्थिर रहे के मन कइलस।
35 पौलुस आ बरनबास भी बहुत लोग के साथे अंताकिया में प्रभु के वचन के शिक्षा आ प्रचार करत रहलन।
36 कुछ दिन बाद पौलुस बरनबास से कहलन, “चलऽ हमनी के फेरु से जाके अपना भाई लोग के हर शहर में देखनी जा जहाँ हमनी के प्रभु के वचन के प्रचार कइले बानी जा आ देखल जाव कि उ लोग कइसे करत बा।”

37 बरनबास यूहन्ना के अपना साथे ले जाए के ठान लिहलन, जेकर उपनाम मरकुस रहे।
38 पौलुस ओकरा के अपना साथे ले जाए में अच्छा ना लागल, जे पम्फिलिया से निकल के ओह लोग के साथे काम में ना गइलन।
39 उ लोग के बीच में झगड़ा एतना तेज हो गईल कि उ लोग एक दूसरा से अलग हो गईले अवुरी बरनबास मरकुस के लेके जहाज से साइप्रस चल गईले।
40 पौलुस सिलास के चुन के परमेस् वर के अनुग्रह खातिर भाई लोग के ओर से सिखाव के चल गईले|
41 ऊ सीरिया आ किलिसिया के बीच से कलीसिया के मजबूती देत गइलन।

अध्याय 16 के बा

1 तब ऊ दर्बे आ लुस्त्रा गइलन आ देखलन कि उहाँ एगो चेला तिमुथियुस नाम के एगो औरत के बेटा रहले, जवन एगो यहूदी रहली आ विश्वास करत रहली। लेकिन उनकर पिता यूनानी रहले।
2 जवना के बारे में लुस्त्रा आ इकोनियम में रहे वाला भाई लोग बढ़िया से बतवले रहले।
3 ओकरा के पौलुस के साथे निकले के पड़ी। आऊ ओह इलाका में मौजूद यहूदी लोग के चलते ओकरा के लेके खतना कर दिहलस, काहेकि उ लोग सब जानत रहे कि ओकर पिता यूनानी हवे।
4 शहरन में घूमत घरी ऊ लोग यरूशलेम में मौजूद प्रेरित आ प्राचीन लोग के द्वारा निर्धारित नियम के पालन करे खातिर सुनवले।
5 एही तरे कलीसिया लोग विश्वास में मजबूत होत रहे आ रोज संख्या में बढ़त रहे।
6 जब उ लोग पूरा फ्रीगिया आ गलातिया के इलाका में जाके पवित्र आत्मा के द्वारा एशिया में वचन के प्रचार करे से मना कर दिहल गईल|
7 मिसिया अइला के बाद उ लोग बिथिनिया में जाए के कोशिश कईले, लेकिन आत्मा ओ लोग के अनुमति ना दिहलस।
8 मिसिया से गुजरत उ लोग त्रोआस में उतर गईले।
9 रात में पौलुस के एगो दर्शन भइल। उहाँ मकिदुनिया के एगो आदमी खड़ा होके ओकरा से प्रार्थना कइलस कि, "मैसिडोनिया में आके हमनी के मदद करऽ."
10 उ दर्शन देखला के बाद तुरते हमनी के मकिदुनिया जाए के कोशिश कईनी जा आ ई बात के पक्का बटोरनी कि प्रभु हमनी के बोलवले बाड़े कि उ लोग के सुसमाचार सुनावे।
11 एह से हमनी के त्रोआस से निकल के सीधा रास्ता से समोथ्रासिया आ अगिला दिने नियोपोलिस पहुँचनी जा।
12 उहाँ से फिलिप्पी, जवन मकिदुनिया के ओह इलाका के प्रमुख शहर ह आ एगो उपनिवेश ह, आ हमनी के कुछ दिन ओह शहर में रहनी जा।
13 सब्त के दिन हमनी के शहर से एगो नदी के किनारे निकलनी जा, जहाँ प्रार्थना होखे के आदत रहे। हमनी के बईठ के उहाँ के सहारा लेवे वाली महिला से बात कईनी।
14 थियाती नगर के बैंगनी रंग के कपड़ा बेचे वाली लिडिया नाम के एगो मेहरारू हमनी के बात सुनली, जवन परमेश्वर के आराधना करत रहे।
15 जब उ आउर उनकर घर के लोग बपतिस्मा लिहली त उ हमनी से निहोरा कईली कि अगर तू हमरा के प्रभु के प्रति वफादार मानले बानी त हमरा घर में आके उहाँ रह जा। आ ऊ हमनी के मजबूर कर दिहली.
16 जब हमनी के प्रार्थना करे जात रहनी जा त एगो लईकी हमनी से मिलल जवन भविष्यवाणी करे के आत्मा से ग्रस्त रहली, जवन कि उनुका मालिकन के भविष्यवाणी से बहुत फायदा पहुंचवलस।
17 उहे पौलुस आ हमनी के पीछे-पीछे चल के चिल्ला के कहलस, "ई लोग परम परमेश्वर के सेवक हवें, जवन हमनी के उद्धार के रास्ता देखावेले।"
18 उ बहुत दिन तक अयीसन कईली। लेकिन पौलुस दुखी होके आत्मा से मुड़ के कहलन, "हम तोहरा के यीशु मसीह के नाम से आज्ञा देत बानी कि उ ओकरा से बाहर निकलऽ।" आ ऊ ओही घड़ी बाहर निकल गइलन.
19 जब उनकर मालिक लोग देखल कि उ लोग के फायदा के उम्मीद खतम हो गईल बा, त उ लोग पौलुस आ सिलास के पकड़ के बाजार में शासकन के लगे ले गईले।
20 ऊ ओह लोग के मजिस्ट्रेट के लगे ले अइले आ कहलन कि, "ई लोग यहूदी होके हमनी के शहर के बहुते परेशान करेला।
21 आऊ अइसन रीति-रिवाज सिखाईं जवन हमनी के रोमी होखला के नाते ग्रहण करे के आ ना ही पालन करे के इजाजत बा।
22 तब भीड़ एकजुट होके ओह लोग के खिलाफ उठल आ मजिस्ट्रेट ओह लोग के कपड़ा फाड़ के ओह लोग के पीटे के आदेश दिहले।
23 जब ऊ लोग ओह लोग पर बहुते प्रहार कइल आ जेल में डाल दिहल आ जेलर के आज्ञा दिहल कि ऊ ओह लोग के सुरक्षित राखे.
24 उ लोग के अईसन आज्ञा मिलला के बाद उ लोग के भीतरी जेल में डाल दिहलस अवुरी उ लोग के गोड़ कड़ाही में मजबूत क देलस।
25 आधा रात के बाद पौलुस आ सिलास प्रार्थना करत रहलन आ परमेश्वर के स्तुति गावत रहलन।
26 अचानक एगो बड़हन भूकंप आइल आ जेल के नींव हिल गइल आ तुरते सब दरवाजा खुलल आ हर केहू के पट्टी ढीला हो गइल।
27 जेल के रखवाला नींद से जाग के जेल के दरवाजा खुलल देख के आपन तलवार निकाल के खुद के मार लेत रहले, इ मान के कि कैदी भाग गईल बाड़े।
28 लेकिन पौलुस जोर से चिल्लात कहले, "अपना के कवनो नुकसान मत करऽ, काहेकि हमनी के सब इहाँ बानी जा।"
29 तब उ एगो रोशनी के आवाज देके उछल के भीतर आके काँपत-काँप के पौलुस आ सिलास के सामने गिर गईले।
30 उ लोग के बाहर ले आके कहलस, "हे मालिक लोग, हमरा के बचावे खातिर का करे के बा?"
31 उ लोग कहले, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, त तू आ तोहार घराना के उद्धार हो जाई।"
32 उ लोग प्रभु के वचन आ उनकर घर में रहे वाला सब लोग से कहलन।
33 रात के ओही समय उ ओ लोग के लेके ओ लोग के चोट धो दिहलस। उ आ ओकर सब लोग तुरंत बपतिस्मा लेले।

34 जब उ ओ लोग के अपना घर में ले अईले त उ लोग के सामने खाना रखले अवुरी अपना पूरा घर के संगे भगवान प विश्वास करत खुश हो गईले।
35 जब दिन भइल त मजिस्ट्रेट लोग सार्जेंट लोग के भेज के कहलस कि, "ओह लोग के जाए दीं।"
36 जेल के रखवाला पौलुस से इ बात कहलस कि, मजिस्ट्रेट तोहनी के छोड़े खातिर भेजले बाड़े।
37 पौलुस उनकरा से कहलन, "रोमियन होखला के नाते उ लोग हमनी के बिना दोषी के पीट के जेल में डाल देले बाड़े। आ अब का ऊ लोग हमनी के गुप्त रूप से बाहर निकालत बा? ना त साँचहू; लेकिन उ लोग खुद आके हमनी के बाहर ले आवे।
38 जब सार्जेंट लोग ई बात मजिस्ट्रेट लोग के बतवले आ ऊ लोग ई सुन के डेरा गइल कि ऊ लोग रोमी हवे।
39 उ लोग आके ओ लोग से निहोरा कईले अवुरी ओ लोग के बाहर ले आके शहर से बाहर निकले के निहोरा कईले।
40 ऊ लोग जेल से बाहर निकल के लिडिया के घर में घुस गइलन आ भाई लोग के देख के दिलासा देके चल गइलन।

अध्याय 17 के बा

1 जब उ लोग अम्फीपोलिस आ अपोलोनिया से होके थिस्सलुनिका पहुंचले, जहवाँ यहूदी लोग के आराधनालय रहे।
2 पौलुस अपना तरीका से ओह लोग के लगे गइलन आ तीन सब्त के दिन ओह लोग से पवित्रशास्त्र से तर्क कइलन।
3 ई बतावत कि मसीह के कष्ट उठावे के जरूरत बा आ मुवलन में से जी उठला के जरूरत बा। आ कि इहे यीशु, जेकरा के हम तोहनी के प्रचार करत बानी, उ मसीह हवें।
4 उ लोग में से कुछ लोग बिसवास कइल आ पौलुस आ सिलास के साथे मिलन कइल। आ भक्त यूनानी लोग के भीड़ आ मुखिया मेहरारू लोग में से कुछे ना।
5 लेकिन जवन यहूदी विश्वास ना कईले, उ लोग ईर्ष्या से भड़क गईले, उ लोग अपना लगे कुछ अभद्र लोग के लेके चल गईले अवुरी एक दल के बटोरले अवुरी पूरा शहर में हंगामा कईले अवुरी यासोन के घराना प हमला क देले अवुरी ओ लोग के बाहर निकाले के कोशिश कईले जनता के दिहल जाला।
6 जब उ लोग के ना मिलल त उ लोग जेसन आ कुछ भाई लोग के शहर के शासकन के लगे खींच के चिल्लात रहले, "दुनिया के उल्टा-पुल्टा करे वाला लोग इहाँ भी आ गईल बाड़े।
7 यासोन ओकरा के ग्रहण कइले बाड़न आ ई सब कैसर के फरमान के उल्टा कहत बाड़न कि एगो अउरी राजा बाड़न, एगो यीशु।
8 ई बात सुन के उ लोग शहर के लोग आऊ मालिक लोग के परेशान कर दिहले।
9 जब उ लोग यासोन आ दूसरा के सुरक्षा लेके चल गईले।
10 भाई लोग तुरते रात में पौलुस आ सिलास के बिरिया भेज दिहल।
11 इ लोग थिस्सलुनीकिया के लोग से भी जादा उदात्त रहले, काहे कि उ लोग पूरा मन से वचन के ग्रहण करत रहले अवुरी रोज शास्त्र के जांच करत रहले कि उ बात सही बा कि ना।
12 एही से उनकरा में से बहुत लोग बिसवास कइल। इज्जतदार मेहरारू लोग के भी जवन यूनानी रहली, आ मरद के भी, कुछे ना।
13 जब थिस्सलोनिकी के यहूदी लोग के पता चलल कि पौलुस के बारे में बेरिया में परमेश्वर के वचन सुनावल गईल बा, त उ लोग उहाँ भी आके लोग के भड़कावे लगले।
14 भाई लोग तुरते पौलुस के समुद्र में जाए खातिर भेज दिहल, लेकिन सिलास आ तीमुथियुस उहाँ रह गईले।
15 पौलुस के चलावे वाला लोग ओकरा के एथेंस ले अइले आ सिलास आ तीमुथियुस के आज्ञा मिल के कि ऊ लोग तेजी से उनकरा लगे आवे के आज्ञा लेके चल गइलन।
16 जब पौलुस एथेंस में ओ लोग के इंतजार करत रहले, त उ शहर के मूर्तिपूजा में पूरा तरह से समर्पित देख के उनुका मन में हलचल पैदा हो गईल।
17 एही से ऊ आराधनालय में यहूदी लोग से, भक्ति करे वाला लोग से आ बाजार में रोज-रोज अपना से मिले वाला लोग से विवाद करत रहले।
18 तब इपिकुरियन आ स्टोइक के कुछ दार्शनिक लोग उनकर मुलाकात कइल। आ कुछ लोग कहल कि ई बकबक का कही? कुछ लोग के कहनाम बा कि उ परदेसी देवता के पैदा करे वाला लागत बाड़े, काहेकि उ ओ लोग के यीशु अवुरी जी उठला के प्रचार कईले रहले।
19 उ लोग ओकरा के पकड़ के अरेओपगस ले अइले आ कहलन कि, का हमनी के पता चल सकेला कि तू जवन नया शिक्षा के बारे में कहत बाड़, का ह?
20 तू हमनी के कान में कुछ अजीब बात लेके आवत बाड़, एहसे हमनी के इ जानल चाहत बानी जा कि इ बात के का मतलब बा।
21 (काहेकि उहाँ के सब एथेंस के लोग आ परदेशी लोग आपन समय कवनो नया बात बतावे भा सुनला के अलावा अउरी कवनो काम में ना बितावत रहे।)
22 तब पौलुस मंगल ग्रह के पहाड़ी के बीच में खड़ा होके कहले, "हे एथेंस के लोग, हम समझत बानी कि तू लोग सब बात में बहुत जादे अंधविश्वासी बाड़।"
23 जब हम ओहिजा से गुजरत आ तोहनी के भक्ति के देखत रहनी त एगो वेदी मिलल जवना पर लिखल रहे कि, "अज्ञात भगवान के नाम।" जेकरा के तू लोग अनजाने में पूजत बाड़, हम ओकरा के तोहनी के बतावत बानी।
24 दुनिया आ ओकरा में मौजूद सब चीजन के बनावे वाला परमेस् वर, ई देखत कि ऊ आकाश आ धरती के मालिक हवें, ऊ हाथ से बनल मंदिरन में ना रहेलें।
25 आ आदमी के हाथ से पूजा ना कइल जाला जइसे कि ओकरा कवनो चीज के जरूरत होखे, काहे कि ऊ सब के जीवन, साँस आ सब कुछ देला।
26 आ एक खून से आदमी के सब राष्ट्र के पूरा धरती पर रहे खातिर बना दिहले बा आ पहिले से तय समय आ ओह लोग के निवास के सीमा तय कइले बा।
27 ताकि उ लोग प्रभु के खोजत रहस, अगर शायद उ लोग प्रभु के पीछे-पीछे महसूस करस अवुरी उनुका के पा सके, हालांकि उ हमनी में से हरेक से दूर नईखन।
28 काहेकि हमनी के उनकरा में जियत बानी जा, हिलत बानी जा आ आपन अस्तित्व बा। जइसे कि तोहार कुछ कवि लोग भी कहले बा कि हमनी के भी ओकर संतान हईं जा।
29 काहेकि हमनी के परमेश्वर के संतान हईं जा, हमनी के ई ना सोचे के चाहीं कि भगवान सोना भा चांदी भा पत्थर जइसन हउवें जवन कला आ आदमी के चाल से उकेरल गइल बा.

30 एह अज्ञानता के समय पर भगवान आँखि मिचौले। लेकिन अब सब लोग के हर जगह पश्चाताप करे के आज्ञा देले बा।
31 काहे कि ऊ एगो दिन तय कइले बाड़न जवना में ऊ ओह आदमी के द्वारा दुनिया के धार्मिकता से न्याय करीहें, जेकरा के ऊ तय कइले बाड़न। जवना के बारे में उ सब आदमी के भरोसा देले बाड़े कि उ ओकरा के मुवलन में से जिंदा कईले बाड़े।
32 जब उ लोग मुअल लोग के जी उठला के बारे में सुनले त कुछ लोग मजाक उड़ावलस, त कुछ लोग कहल कि, "हमनी के इ बात फेर से सुनब जा।"
33 एही से पौलुस ओह लोग के बीच से चल गइलन।
34 कुछ लोग उनकरा से चिपकल रहलन आ विश्वास कइलन, जेकरा में डायोनिसियस अरेओपागियन आ दमारी नाम के एगो औरत आ उनकरा साथे अउरी लोग भी रहलन।

अध्याय 18 के बा

1 एकरा बाद पौलुस एथेंस से निकल के कुरिन्थ अईले।
2 एगो यहूदी के नाम अकीला मिलल, जेकर जनम पोंतुस में भइल रहे, आ अपना मेहरारू प्रिस्किला के साथे इटली से आइल रहे। (काहे कि क्लाउडियस सभ यहूदी लोग के रोम से निकले के आदेश देले रहले।) आ उ लोग के लगे अईले।
3 उ एकही कारीगरी के काम करे वाला रहले, एहसे उ ओ लोग के संगे रहले अवुरी काम करत रहले, काहेंकी ओ लोग के काम से उ लोग डेरा बनावे वाला रहले।
4 ऊ हर सब्त के दिन सभाघर में बतकही करत रहले आ यहूदी आ यूनानी लोग के मनावत रहले।
5 जब सिलास आ तीमुथियुस मकिदुनिया से अइले त पौलुस के मन में दबाव पड़ल आ ऊ यहूदी लोग के गवाही दिहलन कि यीशु मसीह हवें।
6 जब ऊ लोग अपना के विरोध कइल आ निंदा कइल त ऊ आपन कपड़ा हिला के कहलस, "तोहार खून तोहनी के माथा पर होखे। हम साफ बानी, अब से हम गैर-यहूदी लोग के लगे चलब।
7 उ उहाँ से निकल के एगो आदमी के घर में घुस गईले, जेकर नाम रहे जस्टस, जे परमेश्वर के आराधना करत रहे।
8 आराधनालय के मुखिया क्रिस्पस अपना पूरा घराना के साथे प्रभु पर बिसवास कइलन। सुन के कुरिन्थियों में से बहुत लोग बिसवास कइले आ बपतिस्मा लिहले।
9 तब प्रभु रात में पौलुस से एगो दर्शन से कहलन कि, मत डेरा, बाकि बोलऽ आ चुप मत रहऽ।
10 काहेकि हम तोहरा साथे बानी आ केहू तोहरा के चोट पहुँचावे खातिर ना चढ़ी काहे कि हमरा एह शहर में बहुत लोग बा।
11 उहाँ एक साल छह महीना तक उहाँ रहलन आ उ लोग के बीच परमेश्वर के वचन सिखावत रहलन।
12 जब गलिओ अखाया के उपाध्यक्ष रहले त यहूदी लोग एक मन से पौलुस के खिलाफ विद्रोह क के उनुका के न्याय के आसन में ले गईले।
13 कहलन, "ई आदमी आदमी के व्यवस्था के विपरीत परमेश्वर के आराधना करे खातिर मनावेला।"
14 जब पौलुस आपन मुंह खोले वाला रहले त गलिओ यहूदी लोग से कहले, "हे यहूदी लोग, अगर गलत या दुष्ट अश्लीलता के बात होखे त हम तोहनी के सहन करे के कारण चाहत रहीं।
15 लेकिन अगर ई बात शब्दन आ नाम आउर आपन व्यवस्था के सवाल बा त तू लोग एकरा के देखऽ। काहे कि हम अइसनका मामिला के कवनो न्यायाधीश ना होखब.
16 ऊ ओह लोग के न्याय के आसन से भगा दिहलन।
17 तब सब यूनानी आराधनालय के प्रमुख सोस्थनीस के लेके न्याय के आसन के सामने पीट दिहले। आ गैलियो ओहमें से कवनो बात के परवाह ना कइलन.
18 एकरा बाद पौलुस उहाँ बहुत देर तक रहलन आ फिर भाई लोग से विदाई ले के उहाँ से जहाज से अराम में चल गइलन आ उनकरा साथे प्रिस्किला आ अकीला भी चल गइलन। कंकरिया में आपन माथा काट लिहले रहले, काहे कि उनुकर व्रत रहे।
19 इफिसुस आके उ लोग के ओहिजा छोड़ के चल गईले, लेकिन उ खुद आराधनालय में घुस के यहूदी लोग के संगे बतकही कईले।
20 जब उ लोग उनकरा से अधिका समय तक रहे के निहोरा कईले त उ सहमति ना देले।
21 लेकिन उ लोग के विदाई देत कहलन कि, "यरूशलेम में आवे वाला इ भोज हमरा हर तरह से मनावल जरूरी बा, लेकिन अगर भगवान चाहस त हम तोहनी के लगे वापस आ जाईब।" उ इफिसुस से जहाज से चल गईले।
22 जब ऊ कैसरिया में उतर के कलीसिया के नमस्कार कइलन त अंताकिया चल गइलन।
23 उहाँ कुछ समय बिता के उहाँ से निकल गईले आ गलाती आ फ्रिगिया के पूरा इलाका के क्रम से घूम के सब चेलन के मजबूती देले।
24 अपुलोस नाम के एगो यहूदी सिकंदरिया में जनमल रहले, जवन वाक्पटु आ पवित्रशास्त्र में पराक्रमी रहले।
25 एह आदमी के प्रभु के राह के शिक्षा दिहल गइल। आ आत्मा में उग्र होके प्रभु के बात पूरा मेहनत से बोलत आ सिखावत रहलन, उ खाली यूहन्ना के बपतिस्मा के बारे में जानत रहलन।
26 ऊ आराधनालय में निर्भीकता से बोले लगलन, अकीला आ प्रिस्किला उनकर बात सुन के उनकरा के अपना लगे ले गइलन आ परमेश्वर के रास्ता के अउरी सिद्ध तरीका से समझवले।
27 जब उ अखाया में जाए के इच्छुक रहले त भाई लोग चिट्ठी लिखले कि चेलन के उनुका के ग्रहण करे के आग्रह कईले।
28 काहेकि उ यहूदी लोग के आउर उ लोग के सार्वजनिक रूप से समझा दिहलन, आ पवित्रशास्त्र के द्वारा ई देखावत रहलन कि यीशु मसीह हवें।

अध्याय 19 के बा

1 जब अपोलोस कुरिन्थ में रहले त पौलुस ऊपरी इलाका से होके इफिसुस पहुंचले।
2 उ लोग से कहलन कि जबसे तू विश्वास कइले बाड़ऽ, का तोहनी के पवित्र आत्मा मिलल बा? उ लोग ओकरा से कहलस, "हमनी के एतना नईखी सुनले कि कवनो पवित्र आत्मा बा कि ना।"
3 ऊ ओह लोग से पूछले, "तब तोहनी के बपतिस्मा का खातिर भइल? उ लोग कहले, "यूहन्ना के बपतिस्मा तक।"
4 तब पौलुस कहलन, "यूहन्ना पश्चाताप के बपतिस्मा से बपतिस्मा दिहलन कि उ लोग उनकरा बाद आवे वाला पर विश्वास करस, यानी मसीह यीशु पर।
5 इ सुन के उ लोग प्रभु यीशु के नाम से बपतिस्मा लेले।

6 जब पौलुस ओह लोग पर हाथ डाल दिहलन त पवित्र आत्मा ओह लोग पर आ गइलन. उ लोग दोसरा भाषा में बोलत रहले अवुरी भविष्यवाणी करत रहले।
7 सब आदमी लगभग बारह साल के रहले।
8 ऊ आराधनालय में जाके तीन महीना तक निर्भीकता से बोलत रहलन आ परमेश्वर के राज्य के बारे में बात पर विवाद करत आ समझावत रहलन।
9 जब गोताखोर लोग कठोर हो गइलन आ विश्वास ना कइलन, बलुक भीड़ के सामने बुराई कइलन त ऊ ओह लोग से दूर हो गइलन आ चेलन के अलगा कर दिहलन आ रोज एक टायरानस के स्कूल में विवाद करत रहले.
10 दू साल तक इहे चलत रहल। एह से एशिया में रहे वाला सब यहूदी आ यूनानी प्रभु यीशु के वचन सुनले।
11 परमेश्वर पौलुस के हाथ से खास चमत्कार कइलन।
12 एह से उनकर देह से बेमार गमछा भा एप्रन ले आवल गइल आ ओह लोग से बेमारी दूर हो गइल आ ओह लोग में से बुरा आत्मा निकल गइल।
13 तब कुछ आवारा यहूदी लोग, जे भूत भगावे वाला लोग, उ लोग दुष्टात्मा वाला लोग के प्रभु यीशु के नाम से पुकारत कहले कि, "हम तोहनी के शपथ देत बानी कि यीशु के नाम से जवन पौलुस प्रचार करत बाड़े।"
14 एगो स्केवा के सात गो बेटा रहले, जवन यहूदी रहले अवुरी याजक के प्रमुख रहले।
15 दुष्टात्मा जवाब दिहलस, "हम यीशु के जानत बानी आ पौलुस के जानत बानी। बाकिर तू के हईं?
16 जवना आदमी में दुष्टात्मा रहे, उ लोग ओ लोग प कूद के ओ लोग के हरा दिहलस अवुरी ओ लोग प जीत गईल, जवना से उ लोग नंगा अवुरी घायल होके ओ घर से भाग गईले।
17 इफिसुस में रहे वाला सब यहूदी आ यूनानी लोग के इ बात पता चलल। आऊ सब पर डर लागल आ प्रभु यीशु के नाम के बड़ाई हो गइल।
18 विशवास करे वाला बहुत लोग आके आपन काम कबूल कईले।
19 उत्सुक कला के इस्तेमाल करे वाला लोग में से बहुत लोग आपन किताब के एकट्ठा क के सब लोग के सोझा जरा के ओकर दाम गिन के पचास हजार चांदी के टुकड़ा मिलल।
20 भगवान के वचन एतना ताकतवर होके बढ़ल आ जीत हासिल कइलस।
21 ई सब बात खतम भइला के बाद पौलुस मकिदुनिया आ अखाया से होके यरूशलेम जाए के मन में सोचले कि, "हमरा उहाँ गइला के बाद रोम के भी देखे के पड़ी।"
22 ऊ अपना सेवा करे वाला दू गो लोग के मैसिडोनिया भेजलन, तिमुथियुस आ इरास्टस। बाकिर ऊ खुदे एशिया में एक मौसम खातिर रहले.
23 ओही समय ओह रास्ता पर कवनो छोट हलचल ना भइल।
24 काहे कि देमेत्रियुस नाम के एगो आदमी चांदी के काम करे वाला रहले, जवन डायना खातिर चांदी के तीर्थ बनवले रहले, उ कारीगरन के कवनो छोट फायदा ना देत रहले।
25 उनुका के ओही काम के मजदूरन के संगे बोलवले अवुरी कहले कि, "हे मालिक, तू लोग जानतानी कि ए काम से हमनी के धन-दौलत बा।"
26 तू लोग देखत आ सुनत हव कि इफिसुस में अकेले ना, बल्कि लगभग पूरा एशिया में इ पौलुस बहुत लोग के समझा के भटकवले बाड़े कि उ लोग हाथ से बनल देवता ना हवे।
27 ताकि खाली इहे हमनी के कारीगरी के नुकसान ना होखे के खतरा बा। बाकिर ईहो कि महान देवी डायना के मंदिर के तिरस्कार कइल जाव आ ओकर भव्यता के नाश कइल जाव, जेकर पूजा पूरा एशिया आ दुनिया करेला.
28 इ बात सुन के उ लोग गुस्सा से भर गईले अवुरी चिल्लात कहले कि, इफिसियों के डायना बड़ हई।
29 पूरा शहर उलझन से भर गइल आ पौलुस के साथी मकिदुनिया के लोग गैयस आ अरिस्तार्कस के पकड़ के ऊ लोग एक मन से रंगमंच में भाग गइल।
30 जब पौलुस लोग के बीच में जाए के चाहत रहले त चेला लोग उनुका के अनुमति ना देले।
31 एशिया के कुछ मुखिया जे उनकर दोस्त रहले, उनकरा से निहोरा करे खातिर भेजले कि उ रंगमंच में साहस ना करे।
32 एह से कुछ लोग एक बात के चिल्लात रहे आ कुछ लोग दूसर बात। आ अधिकतर लोग के पता ना रहे कि ऊ लोग काहे एक साथ आइल बा.
33 ऊ लोग सिकंदर के भीड़ में से निकाल के यहूदी लोग ओकरा के आगे बढ़ा दिहल। सिकन्दर हाथ से इशारा कइलन आ लोग के सामने आपन बचाव करे के चाहत रहले।
34 जब उ लोग के पता चलल कि उ यहूदी हवे, त सब लोग एक आवाज़ में लगभग दु घंटा के बीच चिल्ला उठल, "इफिसियों के डायना महान हई।"
35 जब नगर के चपरासी लोग के खुश क दिहलस त कहलस, "हे इफिसुस के लोग, इफिसी के लोग के कवन आदमी इ नईखे जानत कि इफिसियन के शहर महान देवी डायना अवुरी बृहस्पति से गिरल मूर्ति के पूजा करेवाला ह।" ?
36 एह से ई बात के विरोध ना कइल जा सकेला, एहसे तोहनी के चुप रहे के चाहीं आ बेधड़क कुछ ना करे के चाहीं।
37 काहेकि तू लोग एह आदमी के इहाँ ले आइल बाड़, जे ना त कलीसिया के लुटेरा हवें, ना ही तोहनी के देवी के निंदा करे वाला हवें।
38 एह से अगर देमेत्रियुस आ ओकरा साथे मौजूद कारीगरन के केहू के खिलाफ कवनो बात होखे त कानून खुलल बा आ ओकरा लगे कवनो काम करे वाला लोग भी बा।
39 लेकिन अगर तू लोग कवनो दोसर बात के बारे में पूछताछ करीं त ओकर फैसला कवनो कानूनी सभा में होई।
40 काहेकि आज के हंगामा के चलते हमनी के सवाल उठावे के खतरा बा, काहेकि हमनी के कवनो कारण नईखे कि हमनी के ए मुठभेड़ के हिसाब दे सकीले।
41 ई बात कह के ऊ सभा के भगा दिहलन।

अध्याय 20 के बा

1 हंगामा खतम भइला के बाद पौलुस चेलन के बोला के गले लगा के मकिदुनिया जाए खातिर निकल गइलन।
2 जब ऊ ओह इलाका के पार क के ओह लोग के बहुते सलाह दिहलन त ऊ यूनान में आ गइलन.
3 तीन महीना उहाँ रहलन। जब यहूदी लोग उनकर इंतजार करत रहले, जब उ सीरिया में जहाज से जाए वाला रहले, त उ मकिदुनिया के रास्ता से वापस आवे के योजना बनवले।

4 उहाँ उनकरा साथे एशिया में बेरिया के सोपाटर चल गइलन। आ थिस्सलुनीकियों में से अरिस्तार्कस आ सेकुंडस। आ दर्बे के गैयस आ तीमुथियुस। आ एशिया के तिकीकस आ ट्रॉफिमस के नाम से जानल जाला।
5 ई लोग हमनी खातिर त्रोआस में रह गइल।
6 हमनी के बिना खमीर के रोटी के दिन के बाद फिलिप्पी से जहाज से निकल गईनी जा आ पांच दिन में ओ लोग के लगे त्रोआस पहुंच गईनी जा। जहाँ हम सात दिन तक रहनी।
7 हफ्ता के पहिला दिन जब चेलन रोटी तोड़े खातिर एकट्ठा भइले त पौलुस ओह लोग के प्रचार कइलन आ अगिला दिने जाए खातिर तइयार हो गइलन. आ आधा रात तक आपन भाषण जारी रखले।
8 ऊपर के कोठरी में बहुत रोशनी रहे, जहाँ उ लोग एक संगे जुटल रहले।
9 एगो खिड़की में यूटिकस नाम के एगो नवही बईठल रहले, जवन कि बहुत दिन तक प्रचार करत रहले, त उ नींद में डूब गईले अवुरी तीसरा मचान से गिर गईले अवुरी मर गईले।
10 पौलुस नीचे उतर के ओकरा पर गिर गइलन आ ओकरा के गले लगा के कहले, "अपना के परेशान मत करीं। काहे कि ओकर जिनगी ओकरा में बा।
11 जब उ फेर से ऊपर आके रोटी तोड़ के खाना खइले आ दिन भोर तक बहुत देर तक बतियावत रहले त उ चल गईले।
12 उ लोग ओह नवही के जिंदा ले अइले, लेकिन तनको दिलासा ना मिलल।
13 हमनी के पहिले जहाज पर चढ़ के असोस के ओर बढ़नी जा, उहाँ पौलुस के अपना में समेटे के इरादा रहे, काहेकि उ अपना के पैदल चले के सोच के अईसन नियुक्त कईले रहले।
14 जब उ असोस में हमनी से मिलले त हमनी के उनुका के अपना घर में ले गईनी अवुरी मितिलेन पहुंचनी।
15 हमनी के ओहिजा से जहाज से निकलनी जा आ अगिला दिने किओस के ओ पार आ गईनी जा। अगिला दिने हमनी के सामोस पहुँचनी जा आ ट्रोगिलियम में रुक गइनी जा। आ अगिला दिने हमनी के मिलेतुस आ गइनी जा।
16 काहेकि पौलुस इफिसुस के रास्ता से जहाज से जाए के ठान लेले रहले, काहेकि उ एशिया में समय ना बितावे के चाहत रहले, काहेकि अगर संभव होखे त उ जल्दी से पेंटेकोस्ट के दिन यरूशलेम में पहुंचे के फैसला कईले रहले।
17 मिलिटस से इफिसुस भेज के कलीसिया के बड़का लोग के बोलवले|
18 जब उ लोग उनुका लगे पहुंचले त उ लोग से कहलस कि, "हम एशिया में अईला के पहिला दिन से जानतानी कि हम हर समय तोहनी के संगे कईसन रहनी।
19 हम पूरा नम्रता से, बहुत लोर आ परीक्षा से प्रभु के सेवा करत रहनी, जवन हमरा पर यहूदी लोग के लेट गइल रहे।
20 हम तोहनी के कवनो फायदा के बात ना रखनी, बलुक तोहनी के देखा दिहनी आ सार्वजनिक रूप से आ घर-घर में तोहनी के सिखवनी।
21 यहूदी आ यूनानी लोग के भी गवाही देत बानी कि परमेश्वर के प्रति पश्चाताप करीं आ हमनी के प्रभु यीशु मसीह के प्रति विश्वास करीं।
22 अब देखऽ, हम आत्मा में बान्हल यरूशलेम जात बानी, काहे कि हम उहाँ हमरा पर का होखे वाला बात नइखी जानत।
23 सिवाय एह बात के कि पवित्र आत्मा हर शहर में गवाही देत बा कि हमरा बंधन आ कष्ट बनल बा।
24 लेकिन एह में से कवनो बात हमरा के ना हिलावत बा आ ना ही हम अपना जीवन के प्रिय मानत बानी, ताकि हम आपन रास्ता खुशी से पूरा कर सकीले, जवन सेवा हमरा प्रभु यीशु से मिलल बा, ताकि हम परमेश्वर के अनुग्रह के सुसमाचार के गवाही दे सकी .
25 अब देखऽ, हम जानत बानी कि तू सभे, जेकरा बीच में हम परमेश्वर के राज्य के प्रचार करत गइल बानी, अब हमार चेहरा ना देखब।
26 एही से हम आज तोहनी के गवाही देवे के कहत बानी कि हम सब आदमी के खून से शुद्ध बानी।
27 काहेकि हम तोहनी के परमेश्वर के सब सलाह बतावे से परहेज नईखी करत।
28 एह से अपना आ ओह सब झुंड के सावधान रहीं, जवना पर पवित्र आत्मा तोहनी के पर्यवेक्षक बनवले बा, ताकि परमेश्वर के कलीसिया के चरावल जा सके जवन उ अपना खून से खरीदले बाड़े।
29 हम ई जानत बानी कि हमरा गइला के बाद तोहनी में गंभीर भेड़िया घुस जाई, जवन भेड़ के ना छोड़िहें।
30 तोहनी से भी आदमी उठ के चेलन के अपना पीछे खींच लेबे खातिर विकृत बात कहत होईहे।
31 एह से जागल रहऽ आ याद राखऽ कि तीन साल के बीच में हम हर एक रात-दिन रोवत-रोवत चेतावे ना छोड़नी।
32 भाई लोग, अब हम तोहनी के परमेश्वर आ उनकर अनुग्रह के वचन के ओर सौंप रहल बानी जवन तोहनी के मजबूत करे में सक्षम बा आ पवित्र कइल गइल सब लोग के बीच तोहनी के विरासत देवे में सक्षम बा।
33 हम केहू के चांदी, सोना आ कपड़ा के लालच ना कइले बानी।
34 हँ, रउआ खुदे जानत बानी कि ई हाथ हमरा आ हमरा साथे रहे वाला लोग के जरूरत के सेवा कइले बा।
35 हम तोहनी के सब कुछ बता देले बानी कि अतना मेहनत करत तोहनी के कमजोर लोग के भरण पोषण करे के चाहीं आ प्रभु यीशु के बात के याद करे के चाहीं कि ऊ कहले रहले कि, " पावे से बेसी दिहल धन्य ह।"
36 इ बात कहला के बाद उ सबके संगे घुटना टेक के प्रार्थना कईले।
37 उ सब बहुत रोवत पौलुस के गरदन पर गिर के चुम्मा लिहले।
38 सबसे जादा दुखी रहले कि उ जवन बात कहले रहले कि उ लोग अब उनुकर चेहरा ना देखस। उ लोग ओकरा संगे जहाज तक पहुंच गईले।

अध्याय 21 के बा

1 हमनी के ओह लोग से निकल के जहाज से उतरला के बाद सीधा रास्ता से कूस आ अगिला दिने रोड्स आ ओहिजा से पटारा पहुँचनी जा।
2 फीनिक्स के ओर जात एगो जहाज मिल के हमनी के चढ़ के निकल गइनी जा।
3 जब हमनी के साइप्रस के खोज कइनी जा त ओकरा के बाईं ओर छोड़ के सीरिया में चल गइनी जा आ सूर में उतर गइनी जा, काहे कि ओहिजा जहाज के आपन बोझ उतारे के रहे।

4 हमनी के चेलन के खोज के सात दिन तक उहाँ रहनी जा, उ लोग आत्मा के माध्यम से पौलुस से कहले कि उ यरूशलेम ना जास।
5 जब हमनी के उ दिन पूरा हो गईनी जा त हमनी के निकल गईनी जा। जब तक हमनी के शहर से बाहर ना निकल गईनी जा, तब तक उ सब हमनी के पत्नी अवुरी बच्चा के संगे रास्ता में ले गईले अवुरी हमनी के किनारे घुटना टेक के प्रार्थना कईनी।
6 जब हमनी के एक दूसरा से विदाई लेहनी जा त जहाज पर चढ़ गईनी जा। आ ऊ लोग फेर से घरे लवट गइल.
7 जब हमनी के सोर से आपन रास्ता पूरा क के टोलेमैस पहुँचनी जा आ भाई लोग के प्रणाम कईनी जा आ एक दिन ओह लोग के साथे रह गईनी जा|
8 अगिला दिने हमनी के पौलुस के दल से निकल के कैसरिया में आ गइनी जा आ सात गो में से एगो सुसमाचार प्रचारक फिलिप के घर में घुस गइनी जा। आ ओकरा साथे रह गइल।
9 उहे आदमी के चार गो बेटी कुंवारी रहली, जवन भविष्यवाणी करत रहली।
10 हमनी के उहाँ बहुत दिन रुकला के बाद यहूदिया से एगो भविष्यवक्ता अगाबस उतरल|
11 जब उ हमनी के लगे अईले त उ पौलुस के पट्टी लेके आपन हाथ-गोड़ बान्ह के कहले, "पवित्र आत्मा इ कहत हव कि यरूशलेम के यहूदी लोग अईसन कमरबंद के मालिक के बान्ह के ओकरा के सौंप दिहे।" गैर-यहूदी लोग के हाथ।
12 हमनी के इ बात सुन के हमनी के आ ओह जगह के लोग उनुका से निहोरा कईनी कि उ यरूशलेम ना जास।
13 तब पौलुस जवाब दिहलन, "तोहरा रोवे आ हमार दिल तोड़े के का मतलब बा? काहेकि हम खाली बान्हल ना, बल्कि प्रभु यीशु के नाम खातिर यरूशलेम में मरला खातिर भी तैयार बानी।
14 जब उ ना समझल चाहत रहले त हमनी के इ कहत रुक गईनी कि, "प्रभु के इच्छा पूरा होखे।"
15 ओह दिनन के बाद हम आपन गाड़ी उठा के यरूशलेम चल गइनी।
16 हमनी के साथे कैसरिया के कुछ चेला लोग भी अपना साथे साइप्रस के एगो म्नासोन, एगो पुरान चेला लेके अइले, जेकरा लगे हमनी के ठहरल रहे।
17 जब हम यरूशलेम पहुंचनी त भाई लोग हमनी के खुशी से स्वागत कईले।
18 ओकरा बाद के दिन पौलुस हमनी के साथे याकूब के लगे चल गईले। आ सब बुजुर्ग लोग मौजूद रहे।
19 जब ऊ ओह लोग के नमस्कार कइलन त ऊ खास तौर पर बता दिहलन कि भगवान अपना सेवा से गैर-यहूदी लोग के बीच कवन काम कइले बाड़न.
20 ई सुन के ऊ लोग प्रभु के महिमा करत कहलन, "हे भाई, तू देखत बाड़ऽ कि केतना हजार यहूदी लोग विश्वास करेला। आऊ सब व्यवस्था के काम में जोश रखेला।
21 ऊ लोग तोहरा बारे में बतावल गइल बा कि तू गैर-यहूदी लोग के मूसा के छोड़े के सिखावत बाड़ कि ओह लोग के अपना लइकन के खतना ना करे के चाहीं आ ना ही रीति-रिवाज के पालन करे के चाहीं।
22 एह से ई का ह? भीड़ के जरूरत एकट्ठा होखे के चाहीं, काहे कि ऊ लोग सुनत होई कि तू आइल बाड़।
23 एह से हम जवन कहत बानी उहे करऽ कि हमनी के चार गो आदमी बाड़े जेकरा पर व्रत बा।
24 ऊ लोग अपना के लेके अपना के शुद्ध करऽ आ ओह लोग के साथे आरोप लगाईं कि ऊ लोग आपन माथा मुंडवा सके, आ सभे जान सके कि जवन बात ओह लोग के तोहरा बारे में बतावल गइल रहे, ऊ कुछुओ नइखे। बाकि तूँ भी सुव्यवस्थित चले आ व्यवस्था के पालन करे ।
25 विश् वास करे वाला गैर-यहूदी लोग के बारे में हमनी के लिखले बानी जा आ निष्कर्ष निकालले बानी जा कि उ लोग अइसन कवनो बात ना मानेला, सिवाय मूर्ति के चढ़ावल चीजन से, खून से, गला रेत के आ व्यभिचार से बचावे के।
26 तब पौलुस ओह लोग के लेके अगिला दिने ओ लोग के साथे पवित्र होके मंदिर में घुस गईले, ताकि शुद्धि के दिन पूरा होखे के बात बतावल जा सके, जब तक कि ओह लोग में से हर एक के बलिदान ना चढ़ावल जा सके।
27 जब सात दिन लगभग खतम हो गईल त एशिया के यहूदी लोग उनुका के मंदिर में देख के सभ लोग के भड़कवले अवुरी उनुका प हाथ डाल देले।
28 हे इस्राएल के लोग, मदद करीं, चिल्लात: इहे उ आदमी ह जवन हर जगह लोग के, व्यवस्था अवुरी ए जगह के खिलाफ सभ के सिखावेला, अवुरी यूनानी लोग के भी मंदिर में ले आईल अवुरी इ पवित्र जगह के गंदा क देले।
29 (काहेकि उ लोग पहिले भी नगर में ट्रोफिमस के एगो इफिसी के देखले रहले, जेकरा के उ लोग मानत रहले कि पौलुस मंदिर में ले आईल बाड़े।)
30 पूरा शहर हिल गइल आ लोग एक साथ भाग गइल आ ऊ लोग पौलुस के पकड़ के मंदिर से बाहर निकाल दिहल आ तुरंत दरवाजा बंद हो गइल।
31 जब उ लोग ओकरा के मारे वाला रहले त दल के प्रमुख सेना के खबर आईल कि पूरा यरूशलेम में हंगामा हो गईल बा।
32 ऊ लोग तुरते सिपाही आ सेनापति लोग के लेके दौड़ के ओह लोग के लगे चल गइलन आ जब ऊ लोग सरदार आ सैनिकन के देखले त ऊ लोग पौलुस के मारपीट छोड़ दिहल।
33 तब मुख्य सेनापति ओकरा के पकड़ के दू गो जंजीर से बान्हे के आदेश दिहलन। आ मांग कइलस कि ऊ के ह आ का कइले बा.
34 कुछ लोग भीड़ के बीच में एक बात चिल्लात रहे, आ जब उ हंगामा के पक्का ना जानत रहले त उनुका के महल में ले जाए के आदेश देले।
35 जब उ सीढ़ी पर चढ़ले त लोग के हिंसा के चलते सिपाही लोग के ओर से उनुका के उठावल गईल।
36 लोग के भीड़ पीछे-पीछे चिल्लात रहे, "उनुका के दूर करऽ।"
37 जब पौलुस के महल में ले जाए के रहे त ऊ सरदार से कहलस, "का हम तोहरा से बात कर सकीले?" के कहलस कि का तू यूनानी बोलत बाड़?
38 का तू ऊ मिस्र के ना हउअ जे एह दिनन से पहिले हंगामा मचा के चार हजार हत्यारा लोग के जंगल में ले गइल?
39 पौलुस कहलन, "हम किलिसिया के एगो शहर तारस के यहूदी हईं आ कवनो नीच शहर के नागरिक हईं आ हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमरा के लोग से बात करे दीं।
40 जब ऊ ओकरा के लाइसेंस दे दिहलन त पौलुस सीढ़ी पर खड़ा होके लोग के हाथ से इशारा कइलन। जब बहुत चुप हो गईल त उ हिब्रू भाषा में ओ लोग से कहले।

अध्याय 22 के बा

1 भाई लोग, भाई लोग, हमार बचाव सुनीं जवन हम अब तोहनी के सामने करत बानी।
2 (उ लोग सुन के कि उ हिब्रू भाषा में बोलत बाड़े त उ लोग अउरी चुप हो गईले।
3 हम सचहूँ एगो यहूदी हईं, जे किलिसिया के एगो शहर तारसुस में जनमल हईं, बाकिर गमलीएल के गोड़ में एह शहर में पलल बढ़ल बानी आ पुरखन के नियम के सिद्ध तरीका से सिखवले बानी आ ओकरा खातिर जोश में रहनी भगवान, जइसे आज तू सभे बाड़।
4 हम एह तरह से मरद तक सतावत रहनी, मरद मेहरारू के बान्ह के जेल में डाल देनी।
5 जइसे महायाजक हमरा आ बुजुर्गन के पूरा संपत्ति के गवाही देत बाड़े, ओइसहीं हम भाई लोग के चिट्ठी लेके दमिश्क चल गइनी कि ओहिजा के बान्हल लोग के यरूशलेम ले आवल जाव ताकि सजा मिल सके।
6 जब हम दुपहरिया के करीब यात्रा करत दमिश्क के नजदीक आवत रहनी त अचानक स्वर्ग से हमरा चारो ओर एगो बड़हन रोशनी चमकल।
7 हम जमीन पर गिर गइनी आ एगो आवाज सुननी कि हमरा से कहत रहे, " शाऊल, शाऊल, तू हमरा के काहे सतावत बाड़?"
8 हम जवाब देनी, "हे प्रभु, तू के हउअ?" उ हमरा से कहलस, " हम नासरत के यीशु हईं, जेकरा के तू सतावत बाड़।"
9 हमरा साथे रहे वाला लोग सचमुच उजाला देख के डेरा गईल। लेकिन उ लोग हमरा से बात करे वाला के आवाज ना सुनले।
10 हम कहनी, "हे प्रभु, हम का करब? प्रभु हमरा से कहलन कि उठ के दमिश्क में चल जा। आ उहाँ तोहरा के ऊ सब काम बतावल जाई जवन तोहरा खातिर तय कइल गइल बा।
11 जब हम ओह रोशनी के महिमा के चलते ना देख पवनी त हम अपना संगे के लोग के हाथ से दमिश्क में आ गईनी।
12 एगो अननियास, जे व्यवस्था के अनुसार भक्ति करे वाला रहले, आ उहाँ रहे वाला सब यहूदियन के बारे में बढ़िया से बतावत रहले।
13 हमरा लगे आके खड़ा होके हमरा से कहलस, "शाऊल भाई, आपन नजर देखऽ।" आ ओही घड़ी हम ओकरा ओर आँख उठा के देखनी।
14 ऊ कहलन, "हमनी के पुरखन के भगवान तोहरा के चुनले बाड़न कि तू ओकर इच्छा के जान सकीले आ ओह धर्मी के देख सकीलें आ ओकर मुँह के आवाज सुन सकीलें."
15 काहे कि तू जवन देखले आ सुनले बाड़, ओकर गवाह सब लोग के सामने होखब।
16 अब तू काहे देरी करत बाड़? उठ के बपतिस्मा लीं आ प्रभु के नाम के पुकारत आपन पाप धो दऽ।
17 जब हम यरूशलेम में आके मंदिर में प्रार्थना करत रहनी त हम समाधि में रहनी।
18 उ हमरा से कहत देखले कि, " जल्दी से यरूशलेम से निकल जा, काहेकि उ लोग हमरा बारे में तोहार गवाही ना पईहे।"
19 हम कहनी, "प्रभु, उ लोग जानत बा कि हम तोहरा पर विश्वास करे वाला के हर आराधनालय में जेल में बंद क के पीटत रहनी।
20 जब तोहार शहीद स्टीफन के खून बहल रहे त हमहूँ ओकरा लगे खड़ा होके ओकर मौत के सहमति देत रहनी आ ओकरा के मारे वाला लोग के कपड़ा रखत रहनी।
21 उ हमरा से कहलस, " जा जा, काहेकि हम तोहरा के इहाँ से दूर गैर-यहूदी लोग के लगे भेज देब।"
22 ऊ लोग ओकरा के ई बात सुन के आवाज उठा के कहलस कि, "अइसन आदमी के धरती से दूर कर द, काहेकि उ जिंदा रहना उचित नइखे।"
23 जब उ लोग चिल्लात रहले, आपन कपड़ा उतार के हवा में धूल फेंकत रहले।
24 मुख्य सेनापति ओकरा के महल में ले आवे के आदेश दिहलन आ कहलन कि ओकरा के कोड़ा मार के जांच करावल जाव. ताकि उ पता चल सके कि उ लोग ओकरा खिलाफ काहें अयीसन चिल्लात बाड़े।
25 जब उ लोग ओकरा के पेटी से बान्हत रहले, त पौलुस ओहिजा खड़ा सेनापति से कहले, "का तोहनी के कवनो रोमी आदमी के कोड़ा मारल जायज बा, जवन कि बिना दोषी होखे?"
26 जब सेनापति इ बात सुन के सरदार से कहलस, "तू जवन कर रहल बाड़, ओकरा से सावधान रहऽ, काहेकि इ आदमी रोमी ह।"
27 तब सेनापति आके पूछले, "कहऽ, का तू रोमी हउअ?" ऊ कहले, हँ।
28 प्रधान सेनापति जवाब दिहलन, "हमरा बहुते रकम से ई आजादी मिलल बा." पौलुस कहलन, "लेकिन हम आजाद हो गईनी।"
29 तब उ लोग तुरते उनकरा से निकल गइलन जे उनकरा से पूछताछ करे के चाहत रहे, आउर सेनापति भी डेरा गईले, जब उ जान गईले कि उ रोमी हवे अवुरी ओकरा के बान्ह के रखले बाड़े।
30 अगिला दिने, काहे कि ऊ ई बात के पक्का जानत रहले कि यहूदी लोग के आरोप ओकरा पर का बा, एहसे ऊ ओकरा के अपना दल से छोड़ दिहलन आ मुख्य याजकन आ ओह लोग के सगरी मंडली के हाजिर होखे के आदेश दिहलन आ पौलुस के नीचे ले आके अपना सोझा बइठा दिहलन.

अध्याय 23 के बा

1 पौलुस मंडली के गंभीरता से देखत कहले, "हे भाई लोग, हम आज तक परमेश्वर के सामने पूरा सद्विवेकी से जियत बानी।
2 तब महायाजक हनन्याह उनकरा लगे खड़ा लोग के आज्ञा दिहलन कि उनकर मुंह पर गोली मार दीं।
3 तब पौलुस ओकरा से कहले, "हे सफेद देवाल, परमेश्वर तोहरा के मार दिहे, का तू हमरा के व्यवस्था के मुताबिक न्याय करे खातिर बईठल बाड़ अवुरी हमरा के कानून के विपरीत मारे के आज्ञा देत बाड़?
4 ओहिजा खड़ा लोग कहलस, "का तू परमेश्वर के महायाजक के निंदा कर रहल बाड़?"
5 तब पौलुस कहलस, "हे भाई लोग, हम नइखी जानत कि उ महायाजक रहले, काहेकि लिखल बा कि, "तू अपना लोग के शासक के बुरा मत बोलऽ।"
6 जब पौलुस के पता चलल कि एक भाग सदूकी आ दूसरा फरीसी हवें, त ऊ मंडली में चिल्ला के कहले, " भाई लोग, हम एगो फरीसी हईं, एगो फरीसी के बेटा हईं सवाल में बा।
7 जब उ अईसन कहलन त फरीसियन आ सदुकी लोग के बीच विवाद हो गईल आ भीड़ में बंटवारा हो गईल|
8 काहेकि सदुकी लोग कहत बा कि ना त जी उठल बा, ना स्वर्गदूत आ ना आत्मा, लेकिन फरीसियन दुनो के कबूल करेले।

9 तब एगो बड़हन चिल्लाहट उठल आ फरीसियन के शास्त्री लोग उठ के झगड़ा कइलन कि, "हमनी के एह आदमी में कवनो बुराई नइखे मिलत, लेकिन अगर कवनो आत्मा भा स्वर्गदूत ओकरा से बात कइले बा त हमनी के ओकरा से लड़ाई मत करीं जा।" भगवान।
10 जब बड़का झगड़ा हो गइल त सरदार सेनापति एह डर से कि कहीं पौलुस के टुकड़ा-टुकड़ा ना हो जाव, सिपाही लोग के आज्ञा दिहलन कि ऊ लोग नीचे जाके ओकरा के जबरदस्ती अपना बीच से लेके महल में ले जास।
11 ओकरा बाद के रात में प्रभु उनकरा लगे खड़ा होके कहले, " हौ पौलुस, साहब रहऽ, काहेकि जइसे तू यरूशलेम में हमरा बारे में गवाही देले बाड़ऽ, ओइसहीं तोहरा रोम में भी गवाही देवे के पड़ी।"
12 जब भोर हो गइल त कुछ यहूदी लोग एकजुट होके गारी में बान्ह के कहत रहे कि जबले पौलुस के ना मार दीहें तबले ना त खाएब ना पीयेब।
13 ऊ लोग चालीस से अधिका रहे जे ई साजिश रचले रहे।
14 उ लोग मुख्य याजक आ बुजुर्ग लोग के लगे जाके कहले, "हमनी के एगो बड़हन श्राप के तहत बान्हल बानी जा कि जब तक हमनी के पौलुस के ना मारब जा तब तक हमनी के कुछ ना खाएब जा।"
15 अब तू लोग परिषद् के साथे सरदार से कहत बानी कि ऊ काल्हु ओकरा के तोहनी के लगे ले आवे, जइसे कि तू ओकरा बारे में कुछ अउरी सही पूछताछ करऽ, आ हमनी के, भा ऊ कबो ओकरा लगे आवे, ओकरा के मारे खातिर तइयार बानी जा।
16 जब पौलुस के बहिन के बेटा ओ लोग के लेट के खबर सुनलस त उ महल में जाके पौलुस के बतवले।
17 तब पौलुस एगो सेनापति के बोला के कहलन, "एह नवही के सरदार के लगे ले आवऽ, काहे कि ओकरा से कुछ बात बतावे के बा।"
18 तब उ ओकरा के लेके सरनापति के लगे ले गईले अवुरी कहले कि, "कैदी पौलुस हमरा के अपना लगे बोलवले अवुरी हमरा से निहोरा कईले कि हम ए युवक के तोहरा लगे ले आव, जवना के तोहरा से कुछ कहे के बा।"
19 तब सेनापति उनकर हाथ पकड़ के ओकरा साथे एकांत में जाके पूछले, "तू हमरा के का बतावे के बा?"
20 ऊ कहलन, "यहूदी लोग तोहरा से इहे चाहत बा कि काल्हु पौलुस के परिषद में ले आवऽ, जइसे कि ऊ लोग ओकरा से कुछ अउरी सही पूछताछ कर लेव।"
21 बाकिर तू ओह लोग के सामने मत मत मानऽ काहे कि चालीस से अधिका आदमी ओकरा के किरिया खा के बान्हल बा कि जबले ऊ लोग ओकरा के ना मार दी तबले ऊ लोग ना खाई ना पीय, आ अब ऊ लोग तइयार बा. तोहरा से कवनो वादा के तलाश में।
22 तब सेनापति ओह नवही के जाए दिहलन आ ओकरा के आज्ञा दिहलन कि, "देखऽ, तू केहू के ई बात मत बताईं कि तू हमरा के ई बात बतवले बाड़ऽ."
23 ऊ दू गो सेनापति के बोलवले आ कहलन कि रात के तीसरा बजे दू सौ सैनिकन, सठ गो घुड़सवारन आ दू सौ भाला चलावे वाला लोग के कैसरिया जाए खातिर तइयार करऽ.
24 आऊ ओह लोग के जानवरन के इंतजाम करऽ ताकि ऊ लोग पौलुस के सवार कर सके आ ओकरा के सुरक्षित राज्यपाल फेलिक्स के लगे ले जा सके।
25 उ एही तरह से एगो चिट्ठी लिखले।
26 क्लाउडियस लिसियस सबसे बढ़िया राज्यपाल फेलिक्स के अभिवादन भेजलन।
27 ई आदमी यहूदी लोग के हाथ से पकड़ लिहल गइल आ ओकरा के मारे के चाहत रहे, तब हम एगो सेना के साथे अइनी आ ओकरा के बचा लेहनी आ ई समझ के कि ऊ रोमन ह।
28 जब हम जान चाहत रहीं कि ऊ लोग ओकरा पर आरोप लगावे के कारण का बा, त हम ओकरा के ओह लोग के मंडली में ले अइनी।
29 हम ओकरा पर ओह लोग के कानून के सवाल के आरोप लगनी, लेकिन ओकरा प मौत के लायक कवनो आरोप ना लागल बा।
30 जब हमरा के बतावल गइल कि यहूदी लोग ओह आदमी के कइसे इंतजार करत बा त हम तुरते तोहरा लगे भेजनी आ ओकरा पर आरोप लगावे वालन के भी आज्ञा दे दिहनी कि ऊ लोग तोहरा सोझा बतावे कि ओकरा खिलाफ का बा। बिदाई।
31 तब सिपाही लोग पौलुस के लेके रात में एंटीपैट्रिस ले अइले।
32 अगिला दिने उ लोग घुड़सवारन के छोड़ के महल में वापस आ गईले।
33 जब उ लोग कैसरिया पहुंचले अवुरी पत्र राज्यपाल के देले अवुरी पौलुस के भी उनुका सोझा पेश कईले।
34 जब राज्यपाल चिट्ठी पढ़ के पूछले कि उ कवना प्रांत के हवे। जब ऊ समझ गइलन कि ऊ किलिसिया के हउवें.
35 जब तोहार आरोप लगावे वाला लोग भी अइहें त हम तोहार बात सुनब। उ ओकरा के हेरोदेस के दण्डालय में रखे के आदेश दिहलन।

अध्याय 24 के बा

1 पांच दिन बाद अननिया महायाजक बुजुर्ग लोग के साथे आ तर्तुलुस नाम के एगो वक्ता के साथे उतरले, जवन राज्यपाल के पौलुस के खिलाफ जानकारी दिहलस।
2 जब उनकरा के बोलावल गइल त तर्तुलुस उनकरा पर आरोप लगावे लगलन आ कहलन कि, "तोहरा द्वारा हमनी के बहुत शांतता मिलत बा, आ तोहरा व्यवस्था से एह राष्ट्र के साथे बहुत योग्य काम हो रहल बा।
3 हमनी के एकरा के हमेशा, आ हर जगह, सबसे कुलीन फेलिक्स, पूरा धन्यवाद के साथ स्वीकार करेनी जा।
4 एकरा बावजूद हम तोहरा से अउरी थकाऊ ना होखब, हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि तू हमनी के आपन दया के कुछ शब्द सुन लीं।
5 हमनी के ई आदमी एगो महामारी वाला आदमी आ दुनिया भर के सब यहूदी लोग के बीच बगावत करे वाला आ नासरीन के पंथ के सरगना मिलल बा।
6 उ मंदिर के अपवित्र करे खातिर घूमत रहले, हमनी के ओकरा के लेके हमनी के व्यवस्था के मुताबिक न्याय करे के चाहत रहनी जा।
7 लेकिन सरदार लिसिया हमनी के ऊपर आके बहुत जोरदार तरीका से उनुका के हमनी के हाथ से निकाल लिहले।
8 ओकरा पर आरोप लगावे वाला लोग के तोहरा लगे आवे के आज्ञा देत बानी, जवना के बारे में हमनी के ओकरा पर आरोप लगावत बानी जा, ओकरा बारे में केकरा से जाँच कर सकेनी जा।
9 यहूदी लोग भी सहमत हो गईले कि इ सब बात अईसन बा।

10 तब पौलुस गवर्नर के इशारा कइला के बाद कहलन कि हम जानत बानी कि तू बहुत साल से एह जाति के न्यायाधीश रहल बाड़ू, हम अपना खातिर अउरी हँसी-खुशी से जवाब देत बानी।
11 काहे कि तू समझे कि अबहीं बारह दिन बा जब हम यरूशलेम पूजा करे गइल रहीं।
12 ना त उ लोग हमरा के मंदिर में केहू से विवाद करत मिलल, ना ही लोग के उठवले, ना आराधनालय में, ना शहर में।
13 ना ही उ लोग हमरा पर आरोप लगावे वाला बात के परख नईखन कर सकत।
14 लेकिन हम तोहरा से इ बात कबूल करत बानी कि जवना रास्ता के उ लोग पाखण्ड कहेला, हम अपना पुरखन के परमेश्वर के आराधना करेनी, व्यवस्था अवुरी भविष्यवक्ता में लिखल सभ बात प विश्वास करत।
15 आऊ परमेस् वर के प्रति आशा रखीं, जवना के उ लोग भी अनुमति देत बा कि मुअल लोग के जी उठल, धर्मी आ अधर्मी दुनो के।
16 हम एही से अपना के पूरा करे के कोशिश करत बानी कि हम हमेशा परमेश्वर आ आदमी के प्रति दोष से मुक्त विवेक राखीं।
17 कई साल बाद हम अपना जाति के भिक्षा आ चढ़ावे खातिर अइनी।
18 एशिया के कुछ यहूदी लोग हमरा के मंदिर में शुद्ध भइल, ना भीड़ के साथ, ना ही हंगामा के साथ।
19 अगर हमरा खिलाफ कवनो बात होखे त ओकरा के तोहरा से पहिले इहाँ आके आपत्ति करे के चाहत रहे।
20 ना त इहे लोग कहे कि जब हम परिषद के सामने खड़ा रहनी त हमरा में कवनो बुराई करत देखले बा।
21 सिवाय इहे एक आवाज के कि हम ओह लोग के बीच खड़ा होके चिल्लात रहनी कि, "मुअल लोग के जी उठला के छूवत आज हमरा पर रउआ लोग सवाल उठावत बानी।"
22 फेलिक्स के ई बात सुन के ऊ रास्ता के बारे में अउरी पूरा जानकारी होके कहलन, "जब प्रमुख सेनापति लिसियस उतरिहें त हम तोहार बात के पूरा जानकारी लेब।"
23 ऊ एगो सेनापति के आज्ञा दिहलन कि ऊ पौलुस के राखे आ ओकरा के आजादी दे देव आ अपना कवनो परिचित के सेवा करे भा ओकरा लगे आवे से मना ना करे.
24 कुछ दिन बाद जब फेलिक्स अपना मेहरारू दरुसिला के साथे अईले, जवन कि एगो यहूदी रहली, त उ पौलुस के बोलावे के भेजले कि उ मसीह में विश्वास के बारे में सुनले।
25 जब ऊ धार्मिकता, संयम आ आवे वाला न्याय के बारे में तर्क करत रहले त फेलिक्स काँपत कहले, "एह समय खातिर जा। जब हमरा कवनो सुविधाजनक मौसम होई त हम तोहरा के बोलावब।
26 उ आशा करत रहले कि पौलुस के ओर से उनुका के पईसा दिहल जाता, ताकि उ उनुका के खोल सके, एहसे उ बार-बार उनुका के बोलावे अवुरी उनुका से बातचीत करत रहले।
27 लेकिन दू साल बाद पोर्कियस फेस्टस फेलिक्स के कमरा में अईले अवुरी फेलिक्स यहूदी लोग के खुश करे के इच्छुक होके पौलुस के बान्ह के छोड़ देले।

अध्याय 25 के बा

1 फेस्तस तीन दिन बाद कैसरिया से यरूशलेम चढ़ गइलन।
2 तब महायाजक आ यहूदियन के मुखिया पौलुस के खिलाफ उनकरा से सूचना देके उनकरा से निहोरा कईले|
3 ऊ ओकरा पर अनुग्रह के निहोरा कइलन कि ऊ ओकरा के यरूशलेम बोलावे आ ओकरा के मारे खातिर रास्ता में इंतजार करत रहे।
4 फेस्तूस जवाब दिहलन कि पौलुस के कैसरिया में रखल जाव आ ऊ जल्दीए उहाँ चल जइहें।
5 तोहनी में से जे सक्षम बा, उ लोग हमरा साथे जाके एह आदमी पर कवनो बुराई के आरोप लगावस।
6 जब ऊ दस दिन से अधिका ओह लोग के बीच रहलन त ऊ कैसरिया चल गइलन. अगिला दिने न्याय आसन पर बइठ के पौलुस के ले आवे के आदेश दिहलन।
7 जब ऊ अईले त यरूशलेम से उतरल यहूदी लोग चारो ओर खड़ा होके पौलुस के खिलाफ बहुत गंभीर शिकायत कईले, जवना के उ लोग साबित ना क पवले।
8 जब ऊ अपना खातिर जवाब दिहलन, "ना त यहूदी लोग के नियम के खिलाफ, ना मंदिर के खिलाफ, ना ही कैसर के खिलाफ, हम कवनो अपराध कईले बानी।"
9 फेस्तूस यहूदी लोग के खुश करे के इच्छुक होके पौलुस के कहलस, "का तू यरूशलेम जाके हमरा सोझा एह सब बात के न्याय होखे के चाहत बाड़ू?"
10 तब पौलुस कहलस, "हम कैसर के न्याय के आसन पर खड़ा बानी, जहाँ हमरा पर न्याय होखे के चाहीं।
11 अगर हम अपराधी हईं आ कवनो मौत के लायक काम कइले बानी त हम मरला से मना ना कर देत बानी बाकिर अगर एहमें से कवनो बात ना होखे जवना से ई लोग हमरा पर आरोप लगावत बा त केहू हमरा के ओह लोग के हाथ में ना सौंप सकेला. हम सीजर से अपील करत बानी।
12 फेस्तस परिषद से बातचीत क के कहलस, "का तू सीजर से अपील कईले बाड़ू?" तू सीजर के लगे जइबऽ।
13 कुछ दिन बाद राजा अग्रिपा आ बर्नीस फेस्तस के नमस्कार करे खातिर कैसरिया अईले।
14 उ लोग बहुत दिन तक उहाँ रहला के बाद फेस्तूस राजा के पौलुस के बात बतावत कहले, "एक आदमी फेलिक्स के द्वारा बंद में छोड़ल गईल बा।
15 जब हम यरूशलेम में रहनी त मुख्य याजक आ यहूदी लोग के बूढ़ लोग हमरा के बतावत रहले कि उनुका खिलाफ न्याय होखे।
16 हम ओकरा से जवाब देनी कि, "रोमियन के इ तरीका नईखे कि उ लोग केहु के मौत के सजा देवे, एहसे पहिले कि आरोपी के आरोप लगावे वाला के आमने-सामने होखे अवुरी ओकरा खिलाफ लगावल अपराध के बारे में खुद जवाब देवे के लाइसेंस मिले।"
17 एह से जब उ लोग इहाँ पहुंचल त अगिला दिने बिना कवनो देरी के हम न्याय के आसन प बईठ के ओ आदमी के बाहर ले आवे के आदेश देनी।
18 जब आरोप लगावे वाला लोग उ लोग के खिलाफ खड़ा हो गईले त उ लोग हमरा लागत के मुताबिक कवनो आरोप ना लगवले।
19 लेकिन उ लोग के अंधविश्वास आ एगो यीशु के बारे में कुछ सवाल उठत रहे जवन कि मरल रहले, जेकरा के पौलुस जिंदा बतावत रहले।
20 काहे कि हमरा एह तरह के सवालन पर संदेह रहे, हम ओकरा से पूछनी कि का उ यरूशलेम जाके उहाँ एह बातन के न्याय कइल जाई।

21 जब पौलुस अगस्त के सुनवाई खातिर सुरक्षित रहे के गोहार लगवले त हम ओकरा के तब तक रखे के आदेश देनी जब तक हम ओकरा के कैसर के पास ना भेज सकी।
22 अग्रिपा फेस्टस से कहली, "हमहूँ ओह आदमी के बात सुनल चाहत बानी।" काल्ह, ऊ कहलस, तू ओकर बात सुनबऽ।
23 अगिला दिने जब अग्रिपा आ बर्नीस बहुत धूमधाम से अइले आ शहर के प्रमुख सेनापति आ प्रमुख लोग के साथे सुनवाई के जगहा में घुसल त फेस्त के आज्ञा पर पौलुस के बाहर ले आवल गइल।
24 फेस्तूस कहले, "राजा अग्रिपा आ हमनी के साथे मौजूद सब लोग के तू लोग एह आदमी के देखत बाड़ऽ, जेकरा बारे में यहूदी लोग के भीड़ यरूशलेम आ इहाँ भी हमरा साथे व्यवहार कइले बा आ ई चिल्लात बा कि ओकरा ना करे के चाहीं।" अब जिए के बा।
25 लेकिन जब हम देखनी कि उ मौत के लायक कवनो काम नईखन कईले अवुरी उ खुद अगस्त के गुहार लगवले बाड़े, त हम उनुका के भेजे के ठान लेले बानी।
26 जेकरा बारे में हमरा लगे कवनो खास बात नइखे कि हम अपना मालिक के लिख सकीले। एही से हम ओकरा के तोहरा सोझा आ खास तौर प, हे राजा अग्रिपा, तोहरा सोझा ले आईल बानी, ताकि जांच के बाद हमरा कुछ लिखे के मौका मिल सके।
27 हमरा त ई बेवजह लागत बा कि कवनो कैदी के भेजल जाव आ ओकरा खिलाफ लगावल अपराध के संकेत ना दिहल जाव.

अध्याय 26 के बा

1 अग्रिपा पौलुस से कहली, "तोहरा आपन बात कहे के इजाजत बा।" तब पौलुस हाथ बढ़ा के अपना खातिर जवाब दिहलन।
2 हे राजा अग्रिपा, हम अपना के खुश समझत बानी, काहेकि हम आज तोहरा सोझा अपना खातिर जवाब देब, जवना के बारे में हमरा पर यहूदी लोग के ओर से आरोप लगावल गईल बा।
3 खास कर के एह से कि हम तोहरा के यहूदियन के बीच के सभ रीति-रिवाज आ सवालन में निपुण जानत बानी, एही से हम तोहरा से निहोरा करत बानी कि हमार बात धैर्य से सुनी।
4 जवानी से हमार जीवनशैली जवन पहिले यरूशलेम में हमरा अपना जाति के बीच रहे, उ सब यहूदी लोग जानत बा।
5 उ लोग हमरा के शुरू से जानत रहले, अगर उ लोग गवाही देत रहले कि हमनी के धर्म के सबसे कड़ी पंथ के मुताबिक हम फरीसी रहत रहनी।
6 अब हम खड़ा होके न्याय हो रहल बानी, काहे कि परमेश्वर हमनी के पुरखन से कइल वादा के आशा के चलते।
7 जवना वादा से हमनी के बारह गोत्र दिन-रात भगवान के सेवा करत रहेला, ओकरा से आवे के उम्मीद बा। जवना आशा के चलते राजा अग्रिपा, हमरा पर यहूदी लोग के आरोप लागल बा।
8 तोहनी खातिर ई काहे अविश्वसनीय बात मानल जाई कि परमेश्वर मुवलन के जिंदा करस?
9 हम अपना मन से सोचत रहनी कि हमरा नासरत के यीशु के नाम के विपरीत बहुत काम करे के चाहीं।
10 इ काम हम यरूशलेम में भी कईनी, आउर कई गो पवित्र लोग के जेल में बंद क देनी, काहे कि हम मुख्य याजकन के अधिकार पा के रखले रहनी। आ जब ओह लोग के मार दिहल गइल त हम ओह लोग के खिलाफ आपन आवाज देनी।
11 हम हर आराधनालय में अक्सर ओह लोग के सजा देत रहनी आ निंदा करे खातिर मजबूर करत रहनी। हम ओह लोग के खिलाफ बहुते पागल होके परदेसी शहरन तक ओह लोग के सतावत रहनी।
12 जब हम मुख्य याजकन के अधिकार आ आज्ञा के साथे दमिश्क जात रहनी।
13 हे राजा, दुपहरिया में हम रास्ता में स्वर्ग से एगो रोशनी देखनी, जवन सूरज के चमक से ऊपर, हमरा आ हमरा साथे यात्रा करे वाला लोग के चारो ओर चमकत रहे।
14 जब हमनी के सब केहू धरती पर गिर गईनी जा त हम एगो आवाज सुननी जवन हमरा से बोलत रहे आ इब्रानी भाषा में कहत रहे कि, " शाऊल, शाऊल, तू हमरा के काहे सतावत बाड़ू?" चुभन से लात मारल तोहरा खातिर मुश्किल बा।
15 हम कहनी, हे प्रभु, तू के हउअ? ऊ कहलन, " हम यीशु हईं जेकरा के तू सतावत बाड़ऽ."
16 बाकिर उठ के अपना गोड़ पर खड़ा हो जा, काहे कि हम तोहरा के एही खातिर प्रकट भइल बानी कि तू जवन देखले बाड़ऽ आ जवना चीजन में हम तोहरा के देखावेब, दुनु के सेवक आ गवाह बनवनी।
17 हम तोहरा के ओह लोग आ गैर-यहूदी लोग से बचावत बानी, जेकरा लगे हम तोहरा के अब भेजत बानी।
18 उ लोग के आँख खोल के अन्हार से उजाला में आ शैतान के शक्ति से परमेश्वर के ओर मोड़ के, ताकि उ लोग के पाप के माफी मिल सके आ हमरा पर विश्वास से पवित्र होखे वाला लोग के बीच उत्तराधिकार मिल सके।
19 हे राजा अग्रिपा, हम स्वर्गीय दर्शन के आज्ञा ना मानेनी।
20 लेकिन पहिले दमिश्क, यरूशलेम, यहूदिया के पूरा इलाका आ फिर गैर-यहूदी लोग के बता दिहनी कि उ लोग पश्चाताप क के परमेश्वर के ओर मुड़ के पश्चाताप करे लायक काम करस।
21 एही कारण से यहूदी लोग हमरा के मंदिर में पकड़ के हमरा के मारे में लागल रहले।
22 एह से हम आजु ले छोट-बड़ लोग के गवाही देत बानी आ भविष्यवक्ता आ मूसा के कहल बात के अलावा अउरी कुछ ना कहत बानी।
23 मसीह के कष्ट उठावे के चाहीं आ ऊ सबसे पहिले मुवलन में से जी उठ के लोग आ गैर-यहूदी लोग के रोशनी देखावे।
24 जब उ अपना खातिर इ बात कहत रहले त फेस्तूस जोर से कहले, "पौलुस, तू बेहोश हो गईल बाड़ू। बहुत कुछ सीखल तोहरा के पागल बना देला।
25 लेकिन उ कहलस, "हम पागल नईखी, परम कुलीन फेस्टस। बाकिर सच्चाई आ संयम के बात बोलऽ।
26 काहेकि राजा इ सब बात जानत हउवें, जेकरा सोझा हम खुल के बोलत बानी, काहेकि हमरा पूरा विश्वास बा कि एह में से कवनो बात ओकरा से छिपल नइखे। काहे कि ई काम कवनो कोना में ना भइल रहे।
27 राजा अग्रिपा, का तू भविष्यवक्ता लोग पर विश्वास करत बाड़ऽ? हम जानत बानी कि तू विश्वास करत बाड़ू।
28 अग्रिपा पौलुस से कहली, "तू हमरा के मसीही बने खातिर लगभग मनावत बाड़ू।"
29 पौलुस कहले, "हम परमेश्वर से चाहत बानी कि खाली तू ही ना, बल्कि आज हमार बात सुनावे वाला सब भी लगभग हमरा जइसन होखस, सिवाय एह बंधन के।"

30 ई बात कहलन त राजा, राज्यपाल, बर्नीस आ उनकरा साथे बईठल लोग उठ के चल गइलन।
31 जब उ लोग एक ओर चल गईले त उ लोग आपस में बतियावत रहले कि, इ आदमी मौत अवुरी बंधन के लायक कवनो काम नईखे करत।
32 तब अग्रिपा फेस्तस से कहली, "जदि उ कैसर के सोझा अपील ना कईले रहित त इ आदमी के मुक्त करावल जा सकत रहे।"

अध्याय 27 के बा

1 जब हमनी के इटली जाए के फैसला भईल त उ लोग पौलुस अवुरी कुछ अवुरी कैदी के अगस्त के दल के एगो शताब्दी जूलियस नाम के एगो सेना के हाथ में सौंप देले।
2 हमनी के अद्रामितियम के एगो जहाज में चढ़ के आशिया के तट के किनारे चल के चल गइनी जा। एगो अरिस्तार्कस, जे थिस्सलुनीकिया के मकिदुनियाई रहले, हमनी के साथे रहले।
3 अगिला दिने हमनी के सीदोन में पहुँचनी जा। जूलियस पौलुस के विनम्रता से निहोरा कईले अवुरी उनुका के अपना दोस्तन के लगे जाके अपना के ताजा करे के आजादी देले।
4 हमनी के ओहिजा से निकल के साइप्रस के नीचे जहाज से चल गइनी जा, काहे कि हवा उल्टा रहे।
5 हमनी के किलिसिया आ पम्फिलिया के समुंदर के पार क के हमनी के लूसिया के एगो शहर माइरा पहुंचनी जा।
6 उहाँ सेनापति के सिकंदरिया के एगो जहाज इटली में जात मिलल। आ उ हमनी के ओहि में डाल देले।
7 जब हमनी के बहुत दिन तक धीरे-धीरे जहाज से चलनी जा आ क्निडस के ओर बहुत मुश्किल से पहुंचनी जा, हवा हमनी के ना रोकत रहे, त हमनी के क्रेते के नीचे सल्मोन के ओर जहाज से चल गईनी जा।
8 मुश्किल से ओहिजा से गुजरत एगो अइसन जगह पर पहुँचनी जवना के गोरी ठिकाना कहल जाला। जवना के नजदीक लासिया शहर रहे।
9 जब बहुत समय बीत गइल आ जहाज चलावे में अब खतरनाक हो गइल, काहे कि अब रोजा बीत चुकल रहे, त पौलुस ओह लोग के सलाह दिहलन।
10 ऊ लोग से कहलन, "हे मालिक लोग, हम समझत बानी कि ई यात्रा खाली जहाज आ जहाज के ना, बलुक हमनी के जान के भी चोट आ बहुत नुकसान के साथ होई।
11 फिर भी सेनापति पौलुस के कहल बात से ज्यादा जहाज के मालिक आ मालिक पर विश्वास कईले|
12 जाड़ा बितावे खातिर उहाँ के ठिकाना ना रहे, एहसे अधिका लोग के सलाह रहे कि अगर कवनो तरीका से फिनीस आ जाड़ा बितावे खातिर उहाँ से निकल जास। जवन क्रेते के एगो अड्डा ह आ दक्षिण पश्चिम आ उत्तर पश्चिम के ओर पड़ेला।
13 जब दक्खिन के हवा मंद मंद बहल आ ई सोच के कि ऊ लोग आपन मकसद पूरा हो गइल बा, त ऊ लोग क्रेते के नजदीक जहाज से चल गइल।
14 लेकिन कुछ देर बाद ओकरा खिलाफ एगो तूफानी हवा उठल, जवना के नाम यूरोक्लाइडन कहल गईल।
15 जब जहाज पकड़ के हवा में ना चढ़ल त हमनी के ओकरा के चलावे देनी।
16 क्लाउडा नाम के एगो द्वीप के नीचे दौड़त हमनी के नाव से बहुत काम आवे के रहे।
17 जब उ लोग जहाज के ऊपर उठा के जहाज के नीचे से सहायिका के इस्तेमाल करत रहले। आ एह डर से कि कहीं ऊ लोग जीवंत बालू में ना गिर जाव, पाल मार दिहलस आ एही से भगा दिहल गइल.
18 हमनी के बहुत तूफान से उछाल के अगिला दिने उ लोग जहाज के हल्का क दिहलस।
19 तीसरा दिन हमनी के जहाज के सामान अपना हाथ से बाहर निकाल देनी जा।
20 जब बहुत दिन में ना त सूरज ना तारा लउकल आ हमनी पर कवनो छोट तूफान ना आइल त हमनी के उद्धार होखे के पूरा उम्मीद खतम हो गइल।
21 लेकिन बहुत दिन से परहेज कइला के बाद पौलुस ओह लोग के बीच में खड़ा होके कहले, "हे मालिक लोग, तोहनी के हमार बात सुनल चाहत रहे, आउर क्रेते से ना छोड़ल चाहत रहे।
22 अब हम तोहनी से निहोरा करत बानी कि हौसला बढ़ाईं, काहेकि तोहनी में नाव के छोड़ के केहू के जान के नुकसान ना होई।
23 काहेकि आज रात हमरा लगे परमेशवर के दूत खड़ा रहलन, जेकर हम हईं आ जेकर हम सेवा करत बानी।
24 ऊ कहत रहलन कि, पौलुस, मत डेराईं। तोहरा के सीजर के सोझा ले आवल जरूरी बा, आ देखऽ, भगवान तोहरा साथे जहाज चलावे वाला सब लोग के दे दिहले बाड़न।
25 एही से हे मलिकार लोग, हौसला बढ़ाईं, काहेकि हम भगवान पर विश्वास करत बानी कि जइसन हमरा के बतावल गइल रहे, ओइसने होई।
26 बाकिर हमनी के एगो खास द्वीप पर फेंकल जरूरी बा।
27 चौदहवीं रात जब हमनी के एड्रिया में ऊपर-नीचे जात रहनी जा त आधा रात के करीब जहाज चलावे वाला लोग के लागल कि उ लोग कवनो देश के नजदीक आ गईल बाड़े।
28 ऊ लोग आवाज कइल त बीस फुट के दूरी पर मिलल आ कुछ आगे बढ़ला पर फेर से आवाज कइल आ पन्द्रह फुट के मिलल।
29 तब उ लोग एह डर से कि कहीं हमनी के चट्टान पर ना गिर जाईं जा, उ लोग जहाज के पीछे से चार गो लंगर फेंक के दिन के कामना कइल।
30 जहाज से भागे वाला लोग नाव के समुंदर में उतार के अईसन रंग के नीचे गिरा देले रहले जईसे कि उ लोग अग्रगामी जहाज से लंगर डालले होखस।
31 पौलुस सेनापति आ सैनिकन से कहलन कि जब तक इ लोग नाव में ना रहिहें तब तक तोहनी के उद्धार ना हो सकेला।
32 तब सिपाही नाव के रस्सी काट के गिर जाए देले।
33 जब दिन आवत रहे त पौलुस सब लोग से खाना खाए के निहोरा करत कहले, "आज चौदहवाँ दिन ह जब तू लोग कुछ भी ना खइले बाड़ऽ आ उपवास रखले बाड़ऽ।"
34 एही से हम तोहसे से निहोरा करत बानी कि कुछ खाना खाईं, काहेकि ई तोहनी के स्वास्थ्य खातिर बा, काहेकि तोहनी में से केहू के माथा से एक भी बाल ना गिरी।
35 ई बात कहला के बाद उ रोटी लेके सब के सामने भगवान के धन्यवाद दिहलन आ ओकरा के तोड़ के खाए लगले।
36 तब सब केहू के हौसला बढ़ल आ कुछ खाना भी खइले।

37 हमनी के कुल मिला के दू सौ सोलह आदमी जहाज में रहनी जा।
38 जब उ लोग भरपूर खाना खईले त जहाज के हल्का क देले अवुरी गेहूं के समुंदर में फेंक देले।
39 जब दिन हो गइल त ऊ लोग देश के ना जानत रहे, बाकिर एगो किनारे के खाड़ी के पता चलल, जवना में अगर संभव होखे त जहाज के धकेलल चाहत रहे।
40 जब ऊ लोग लंगर उठा के समुंदर में सटा गइल आ पतवार के पट्टी खोल के मुख्य पाल के हवा के ओर बढ़ा के किनारे के ओर बढ़ गइल।
41 दू गो समुंदर के मिलन वाला जगह पर गिर के ऊ लोग जहाज के डूब गइल। आ अग्रभाग मजबूती से अटक गइल आ अचल रह गइल बाकिर पिछला हिस्सा लहरन के हिंसा से टूट गइल.
42 सैनिकन के सलाह रहे कि कैदियन के मार दिहल जाव कि कहीं ओह लोग में से केहू तैर के बाहर ना निकल जाव.
43 लेकिन सेनापति पौलुस के बचावे के इच्छुक रहलन आ उ लोग के अपना मकसद से बचावलस। आ आदेश दिहलन कि जे लोग तैर सकेला ऊ लोग पहिले समुंदर में फेंक के जमीन पर चहुँप जाव.
44 बाकी कुछ तख्त पर आ कुछ नाव के टूटल-फूटल टुकड़ा पर। आ अइसे भइल कि ऊ सब सुरक्षित रूप से जमीन पर निकल गइलन.

अध्याय 28 के बा

1 जब उ लोग बच गईले त उ लोग के पता चलल कि उ द्वीप के नाम मेलिता बा।
2 बर्बर लोग हमनी पर कवनो छोट दया ना कइलस काहे कि ऊ लोग आग जरा के हमनी के हर केहू के स्वागत कइल, वर्तमान बरखा आ जाड़ा के चलते।
3 जब पौलुस लाठी के गठरी बटोर के आग पर रख दिहलन त गरमी से एगो साँप निकलल आ ओकरा हाथ पर जकड़ल।
4 जब बर्बर लोग ओकरा हाथ में जहरदार जानवर के लटकल देख के आपस में कहलस, "निस्संदेह इ आदमी एगो हत्यारा ह, जवन कि समुंदर से बच गईल बा, लेकिन बदला लेवे के जिए के मौका नईखे मिलत।
5 उ जानवर के आग में झटका देले अवुरी उनुका कवनो नुकसान ना भईल।
6 लेकिन जब उ सूज जाए के चाहत रहे, या अचानक मर के गिर गईले, लेकिन बहुत देर तक देखला के बाद अवुरी उनुका कवनो नुकसान ना भईल देखले त उ लोग आपन मन बदल के कहले कि उ देवता हवे।
7 ओही इलाका में द्वीप के प्रमुख आदमी के संपत्ति रहे, जेकर नाम पब्लियस रहे। जे हमनी के स्वागत कइले आ तीन दिन के विनम्रता से ठहरवले।
8 पब्लियो के पिता बोखार आ खून के बहाव से बेमार पड़ल रहले, जेकरा से पौलुस ओकरा से प्रार्थना कईले अवुरी उनुका प हाथ रख के ठीक क देले।
9 जब ई काम भइल त ओह द्वीप में बेमारी से पीड़ित दोसरो लोग आके ठीक हो गइलन।
10 उ हमनी के बहुत सम्मान से आदर देले। आ जब हमनी के चल गइनी जा त ऊ लोग हमनी के अइसन चीजन के बोझ डाल दिहल जवन जरूरी रहे।
11 तीन महीना बाद हमनी के सिकंदरिया के एगो जहाज में सवार होके निकलनी जा जवन द्वीप में जाड़ा बिता चुकल रहे।
12 सिराक्यूज में उतर के हमनी के तीन दिन उहाँ रुकल रहनी जा।
13 उहाँ से हमनी के कम्पास लेके रेगियम पहुँचनी जा आ एक दिन बाद दक्षिण के हवा चलल आ हमनी के अगिला दिने पुतेओली पहुँचनी जा।
14 उहाँ हमनी के भाई लोग मिलनी आ उनके साथे सात दिन रहे के निहोरा भइल आ हमनी के रोम के ओर चल गइनी जा।
15 उहाँ से भाई लोग हमनी के बारे में सुन के अप्पियो के मंच आ तीनों ढाबा तक हमनी से मिले अइले।
16 जब हमनी के रोम पहुंचनी जा त सेनापति कैदियन के पहरेदार के सेनापति के सौंप देले, लेकिन पौलुस के एगो सैनिक के संगे अकेले रहे दिहल गईल।
17 तीन दिन बाद पौलुस यहूदी लोग के सरदारन के एकट्ठा कइलन आ जब ऊ लोग एकट्ठा भइल त ऊ लोग से कहलन कि भाई लोग, भले हम अपना पुरखन के लोग भा रीति-रिवाज के खिलाफ कुछ ना कइले बानी , तबो हमरा के यरूशलेम से कैदी बन के रोमियन के हाथ में सौंपल गईल।
18 जब उ लोग हमरा से पूछताछ कईले त हमरा के छोड़े के चाहत रहले, काहेकी हमरा में मौत के कवनो कारण ना रहे।
19 लेकिन जब यहूदी लोग एकरा खिलाफ बोलल त हम कैसर के सोझा अपील करे के मजबूर हो गईनी। अइसन ना कि हमरा अपना राष्ट्र पर आरोप लगावे के चाहीं.
20 एही से हम तोहरा के देखे आ बात करे खातिर बोलवले बानी काहे कि इस्राएल के आशा खातिर हम एह जंजीर से बान्हल बानी।
21 उ लोग ओकरा से कहलस कि, "हमनी के यहूदिया से तोहरा बारे में कवनो चिट्ठी ना मिलल, ना ही कवनो भाई जे तोहरा बारे में कवनो बुराई के बात कईले अवुरी ना बोलले।
22 लेकिन हमनी के तोहरा बारे में सुनल चाहत बानी जा कि तोहार का विचार बा, काहेकि हमनी के जानत बानी जा कि हर जगह एकर विरोध कईल जाता।
23 जब उ लोग ओकरा के एक दिन तय कईले त बहुत लोग उनुका लगे उनुका ठहरल गईले। जेकरा के ऊ सबेरे से साँझ ले मूसा के व्यवस्था आ भविष्यवक्ता लोग के बारे में यीशु के बारे में समझावत रहलन।
24 कुछ लोग कहल बातन पर विश्वास कइल आ कुछ लोग विश्वास ना कइल।
25 जब उ लोग आपस में सहमत ना भईले त पौलुस एक बात कहला के बाद उ लोग चल गईले, "पवित्र आत्मा यशायाह भविष्यवक्ता के द्वारा हमनी के पुरखन से बढ़िया से कहले रहले।
26 ऊ कहत रहलन कि एह लोग के लगे जाके कहऽ कि सुन के तू सुनबऽ आ ना समझबऽ। देख के तोहनी देखब, लेकिन ना बुझब।
27 काहेकि एह लोग के दिल स्थूल हो गइल बा आ कान सुनला से सुस्त हो गइल बा आ आँख बंद हो गइल बा। कहीं ऊ लोग आँख से ना देख पावे आ कान से सुन के मन से ना समझ पावे आ ना बदल जाव आ हम ओह लोग के ठीक कर दीं.
28 एह से तोहनी के पता चल जाव कि परमेश्वर के उद्धार गैर-यहूदी लोग के पास भेजल गइल बा आ उ लोग एकरा के सुनत होई।

29 ई बात कहलन त यहूदी लोग चल गइलन आ आपस में बहुते
तर्क-वितर्क करत रहले।
30 पौलुस पूरा दू साल तक अपना भाड़ा के घर में रहलन आ
अपना लगे आवे वाला सब लोग के समेटले।
31 भगवान के राज्य के प्रचार करत आ प्रभु यीशु मसीह के बारे
में बात के पूरा भरोसा के साथ सिखावत रहलन, केहू ओकरा के
मना ना करत रहे।